Machine Translated by Google
Machine Translated by Google

BORN again

Kasus Reinkarnasi Tokoh dan Selebriti

dr. Walter Semkiw

Machine Translated by Google

APAKAH KITA TERLAHIR LAGI?

Bagaimana jika kita mempunyai kehidupan lain, pada waktu dan tempat yang berbeda, dalam tubuh yang berbeda? Mengapa dua anak dari orangtua yang sama, memiliki kecenderungan batin yang sangat berbeda semenjak usia dini?

Mengapa sebagian orang mampu mempelajari bahasa asing dengan amat mudah? Apakah aku yang sekarang ini adalah hasil dari kehidupanku sebelumnya dan akankah pilihan yang aku ambil sekarang ini menentukan siapa aku di kehidupan selanjutnya?

Dalam buku yang provokatif ini, dr. Walter Semkiw mengajukan sebuah pertanyaan yang menantang: APAKAH KITA TERLAHIR LAGI? Ia mengangkat bahasan mengenai kehidupan lampau dan reinkarnasi pada tataran kemungkinan yang baru. Hasilnya adalah sudut pandang baru yang menarik dalam aspek sejarah, budaya, dan kelangsungan kehidupan.

Born Again, Kasus Reinkarnasi Tokoh dan Selebriti, mempelajari reinkarnasi dengan lebih menyeluruh dan lebih mantap daripada buku-buku sejenis mana pun yang pernah diterbitkan.

Buku ini juga menyingkap misteri asal usul jiwa, astrologi, spektrum energi, hukum karma, tahap evolusi manusia, tingkatan alam spiritual, fenomena hantu, anak ajaib, bodhisattwa, dan akhir dari reinkarnasi. Buku unik ini akan mengubah cara pandang Anda terhadap jati diri, kehidupan, dan pemaknaan hidup.

AWARENESS
PUBLICATION

9 786028 194266

Machine Translated by Google

पुनर्जन्म

"यह काम उन लोगों के साथ काफी शोध और साक्षात्कार के माध्यम से संकलित किया गया था, जिनके बारे में माना जाता है कि वे प्रसिद्ध व्यक्तित्वों और माध्यमों के पुनर्जन्म हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि वे शर्मिंदगी का अभ्यास करने में सक्षम हैं... यह पुस्तक उन लोगों के लिए चौंकाने वाली है जो एक ऐसा सिद्धांत देखते हैं जिस पर उन्होंने कभी विचार नहीं किया था, और अब अचानक शोध साक्ष्य द्वारा समर्थित है।

जहाँ तक कुछ निश्चित आस्थाओं में विश्वासियों की बात है, उनकी कुछ आध्यात्मिक विश्वास प्रणालियों का उजागर होना, विच्छेदन, दस्तावेजीकरण और क्रॉस-रेफ़रेंस होना भी एक आरामदायक एहसास नहीं है...। यह पुस्तक वास्तव में विचार के क्षेत्र में एक क्रांति शुरू करने का इरादा रखती है। अगर हम सभी को यह एहसास हो कि हम इस दुनिया में विपरीत लिंग के रूप में, दूसरे धर्म को अपनाकर, दूसरे देश में, दूसरी जाति में वापस आ सकते हैं, तो हमें एहसास होगा कि हम एक हैं और एक-दूसरे को कष्ट नहीं देना चाहिए।

हिन्दू

"प्रतिष्ठित व्यक्तियों का पिछला जीवन अनिवार्य रूप से उनके वर्तमान से जुड़ा होता है, क्योंकि उनकी आत्माएं एक शरीर से दूसरे शरीर में भटकती रहती हैं।"

इंडियन एक्सप्रेस

"प्रसिद्ध हस्तियों से जुड़े पुनर्जन्म के मामलों पर एक नई किताब... हमारी आत्माओं के लिए एक उत्तर हो सकती है।"

अग्रणी

"उम्मीद है कि यह पुस्तक एक प्रभावी चिकित्सीय पद्धति के रूप में पास्ट लाइफ रिग्रेशन के बारे में जागरूकता फैलाती है।"

आज

"यदि आप अपनी याददाश्त के साथ काम करने के लिए तैयार हैं, तो पिछले जीवन का प्रतिगमन और चिकित्सा पद्धतियां आपकी शारीरिक, भावनात्मक और मानसिक बीमारियों को ठीक कर सकती हैं।"

डॉ. सनी सैटिन पीएच.डी., सीएनएन-आईबीएन पर साक्षात्कार

Machine Translated by Google

वाल्टर सेमकिव की पिछली किताब को बधाई
क्रांतिकारियों की वापसी:

पुनर्जन्म और आत्मा समूहों के पुनर्मिलन का मामला

"दिलचस्प लग रहा है!"
बिल क्लिंटन

संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति

“मानव जाति के अस्तित्व के लिए, यह पिछले हज़ार वर्षों में लिखी गई सबसे महत्वपूर्ण पुस्तक है। जब अनुसंधान कई सहसंबंधों को उजागर करता है, तो "संयोग" शब्द एक मेल बन जाता है, जो कई नई वैज्ञानिक खोजों की नींव है।

सी. नॉर्मन शीली

एमडी, पीएच.डी., न्यूरोसर्जन

चिकित्सा में आविष्कारक, 22 पुस्तकों के लेखक

"डॉक्टर की किताब। सेमकिव, रिटर्न ऑफ द रेवोल्यूशनरीज़, शायद पश्चिमी दुनिया में मानव पुनर्जन्म का सबसे अच्छा प्रलेखित केस अध्ययन है। यह किताब बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि पुनर्जन्म का सच्चा विचार पहली बार पश्चिमी साहित्य में पेश किया गया था।"

वेन पीटरसन

एक्स्ट्राऑर्डिनरी टाइम्स, एक्स्ट्राऑर्डिनरी बीइंग्स के लेखक।

Machine Translated by Google

AWARENESS
PUBLICATION

BORN again

पुनर्जन्म का मामला

पात्र और मशहूर हस्तियाँ

डॉ। वाल्टर सेमकिव

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

पुनर्जन्म

चरित्र और सेलिब्रिटी पुनर्जन्म मामला

मूल शीर्षक

पुनर्जन्म

लेखक

डॉ। वाल्टर सेमकिव

संपादक

हंडका विजयानंद
ब्रेंडा यानी-मैकरे

अनुवादक
तस्फ़ान संतासिट्टा

कवर डिज़ाइनर एवं लेआउटर
हीरा धिताधीवरा

कॉपीराइट ©2006 वाल्टर सेमकीव

कॉपीराइट ©2008 जागरूकता प्रकाशन

आईएसबीएन 978-602-8194-26-6

अंक 1, दिसम्बर 2008

अंक 2, दिसंबर 2014

जागरूकता

प्रकाशन सेवा केन्द्र , 085888503388

Awarenesspublication@gmail.com

आप इस पुस्तक को तब तक डाउनलोड, प्रिंट, कॉपी और साझा कर सकते हैं जब तक यह बिक्री के लिए न हो।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

विषयसूची

सामग्री सूची 5

मिशन वक्तव्य 8

धन्यवाद नोट 8

प्रस्तुति 8

लेखक का नोट 9

संपादक का नोट 10

पुनर्जन्म प्रकरण सूची 11

भाग I

पुनर्जन्म मामले पर स्वतंत्र रूप से शोध किया गया

1 पुनर्जन्म के साक्ष्य और समाज और धर्म पर इसका प्रभाव 2 पुनर्जन्म के सिद्धांत 19

और अनुसंधान डॉ. इयान स्टीवेन्सन 3

40

ऐनी फ्रैंक 4 पोर्ट्रेट का पुनर्जन्म 57

पेंटर और पुलिस कप्तान 5 संघचालक 68

जनरल और कनेक्टिकट यांकीज़ 6 न्यूरोसर्जन नॉर्म 75

शीली डॉ. 90

जॉन इलियटसन के पुनर्जन्म के रूप में; चार्ल्स डिकेंस का जेके

राउलिंग के रूप में पुनर्जन्म 7 अमेरिकी राजनयिक वेन पीटरसन का पिछला जीवन और

मैत्रेय और साईं बाबा के साथ उनके रिश्ते 8 पॉल गाउगिन और पाब्लो पिकासो के 8 पुनर्जन्म 100

पेनी पीयर्स के 9 तीन जीवन और

विभाजित अवतार घटना 119

145

भाग द्वितीय

केविन रायर्सन और अहतुन रे के माध्यम से मामले सुलझाए गए

10 केविन रायर्सन, टॉम मैकफरसन और अहतुन रे का परिचय 165

11 राल्फ नादर, कार्ल सागन के पुनर्जन्म के मामले, 174

और नील डोनाल्ड वाल्श

Machine Translated by Google

12 जॉर्ज डब्ल्यू बुश के पुनर्जन्म मामले, बिल 189
क्लिंटन, और अल गोर; यहाँ ज़ेनोग्लॉसी घटना है
13 ओपरा विन्फ्रे और अमेरिकी क्रांति 203
14 हाले बेरी डोरोथी डैंड्रिज के पुनर्जन्म के रूप में, 213
एक आत्मीयता का मामला
15 उरी गेलर, डैनियल डुंगलास होम, और एरियल शेरोन 217
16 नास्त्रेदमस और रबेलैस का पुनर्जन्म 247
17 लॉरेल और हार्डी पुनर्जन्म 252

भाग III

भारतीय, इंडोनेशियाई और फिलीपीनी महापुरूषों का पुनर्जन्म मामला

18 राष्ट्रपति अब्दुल कलाम टीपू सुल्तान के पुनर्जन्म के रूप में, 265
हैदर अली पुनर्जन्म के रूप में विक्रम साराभाई, और भारतीय मिसाइलों के पुत्र
19 इंदिरा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और 280
1857 का स्वतंत्रता संग्राम
20 जवाहरलाल नेहरू के पुनर्जन्म के रूप में बेनजीर भुट्टो; 294
डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर का अमेरिका में पुनर्जन्म 21 शाहरुख खान साधना बोस के
पुनर्जन्म के रूप में 301
22 अमिताभ और जया बच्चन, रेखा, सोनिया, 305
और राहुल गांधी, और अमेरिकी गृहयुद्ध
23 शिव बाबा और उनका पिछला जीवन 330
अगस्त्यर और वल्लालर के रूप में; पुनर्जन्म के साथ
एडवर्ड डी वेरे और विलियम शेक्सपियर
24 प्रशांत नेपोलियन: सोएकरनो का पिछला जीवन, 353
हट्टा, और फर्डिनेंड मार्कोस
25 हेनरी ओपुकाहिया, लिखित हवाईयन के अग्रणी 370
इंडोनेशिया में भाषा और उसका पुनर्जन्म

भाग IV

आत्मा की उत्पत्ति और पुनर्जन्म का उद्देश्य

26 परिचय और आईआईएसआईएस: 379
अध्यात्म विज्ञान की स्थापना
27 ब्रह्माण्ड और आत्माओं की रचना 384

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

28 सात किरणों की अवधारणा 390

29 डिपोल्स और कैन और हाबिल की कहानी 402

30 विभाजित अवतार या समानांतर जीवन 416

31 ज्योतिष, कबला, एनीग्राम और
आपका ऊर्जा स्पेक्ट्रम 420

32 अपने मूल सार को व्यक्त करना 432

मानव विकास और कर्म के 33 चरण 438

आध्यात्मिक जगत के 34 स्तर 455

पिछले जन्मों, होलोग्राम और आत्माओं के 35 फ्लैशबैक,
भूत, और यौगिक ब्रह्मांड 490

36 समय, स्थान और इंद्रियों की प्रकृति 498

37 अद्भुत बच्चे: पिकासो, रूबेन्स, बीथोवेन और
माइकलएंजेलो फिर से जन्मे हैं 502

38 बोधिसत्व और पुनर्जन्म का अंत 521

39 यीशु के पिछले जीवन, दीक्षा, स्वर्गारोहण, और क्षमा 538

40 निष्कर्ष 554

लेखक के बारे में 558

पुस्तकालय सूची 560

Machine Translated by Google

मिशन वक्तव्य

हिंसा को ख़त्म करने के लिए, अपनी एकता को जगाने के लिए, सभ्यता के निर्माण में मदद करने के लिए, हम खुशी के साथ, ग्रह पृथ्वी पर, अपनी धरती माता के पास लौटते हैं।

धन्यवाद नोट

मैं इस पुस्तक को संभव बनाने के लिए सनी सैटिन और रॉक फर्टाडो को धन्यवाद देता हूं।

मैं सनी सैटिन की भी सराहना करता हूं दयालु और सज्जन व्यक्ति, दुनिया भर के छात्रों को पिछले जीवन प्रतिगमन चिकित्सा शुरू करने में उनके अथक प्रयासों के लिए।

समर्पण

मैं बॉर्न अगेन को उन सभी आत्माओं को समर्पित करता हूं जो इस पुस्तक में पुनर्जन्म के रूप में दिखाई देती हैं मामले.

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

लेखक का नोट

बॉर्न अगेन मामलों का एक अध्ययन है
पिछले जीवन प्रकाशित स्रोतों के साथ-साथ मेरे अपने शोध, विश्लेषण और टिप्पणियों पर आधारित हैं। यह पुस्तक मेरा अपना स्वतंत्र कार्य है और इस पुस्तक में उल्लिखित किसी भी व्यक्ति का कोई सहयोग, प्रोत्साहन या प्रायोजन व्यक्त या निहित नहीं है, जब तक कि विशेष रूप से उल्लेख न किया गया हो। तथ्य यह है कि मैं विभिन्न जीवित लोगों के पिछले जीवन के साक्ष्य को पहचानता हूं इसका मतलब यह नहीं है कि वे मेरे विचार साझा करते हैं या मेरे निष्कर्षों को स्वीकार करते हैं। बॉर्न अगेन में लिखी टिप्पणियाँ और निष्कर्ष मेरे अपने हैं।

कॉपीराइट कानूनों के तहत उचित उपयोग के दायरे से बाहर होने पर कॉपीराइट धारक से अनुमति लेने और प्राप्त करने का प्रयास किया गया है। हालाँकि, अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, मैं कुछ छवियों की कॉपीराइट स्थिति की पुष्टि करने में असमर्थ रहा। इसलिए, मैं इन छवियों के कॉपीराइट स्वामियों को प्रकाशक से संपर्क करने के लिए आमंत्रित करता हूं ताकि भविष्य के प्रकाशनों में उचित अधिकार प्राप्त किए जा सकें।

वाल्टर सेमकिव, बॉर्न अगेन के लेखक

Machine Translated by Google

संपादक का नोट

मैं डॉ से मिला. जिस समय वह वाल्टर सेमकिव बने

2007 में आईएआरआरटी सम्मेलन, कनेक्टिकट यूएसए में वक्ताओं में से एक और उनके द्वारा प्रस्तुत तथ्यों में मेरी बहुत रुचि थी।

उस समय जेफ कीन भी मौजूद थे, जो बॉर्न अगेन मामले के एक उदाहरण हैं और जब यह घोषणा की गई कि इस पुस्तक का भारतीय भाषा में अनुवाद किया गया है, तो मैंने इसे इंडोनेशियाई में भी अनुवाद करने की इच्छा व्यक्त की। फिर पता चला कि हंडका विजानंद और उनकी टीम भी अनुवाद करने को तैयार थी जिससे मेरा काम हल्का हो गया। यह पुस्तक पुनर्जन्म का एक बहुत ही दिलचस्प मामला है क्योंकि यह पिछले और वर्तमान जन्मों के बीच चेहरे की समानता के बारे में बात करती है, और मेरी जानकारी के अनुसार, किसी भी लेखक ने कभी भी चेहरे की समानता का प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया है। यह समझना किसी के लिए भी पढ़ने और समझने लायक है कि पिछला जीवन और वर्तमान जीवन आपस में इतने घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं कि हम सभी एक-दूसरे को चोट नहीं पहुँचाते हैं।

ब्रेंडा यानी-मैकरे, रिग्रेशन हिप्नोथेरेपिस्ट, रहती हैं
प्यारे इंडोनेशियाई राष्ट्र के लिए ओशनसाइड, कैलिफ़ोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

पुनर्जन्म मामले की सूची

भाग I

स्वतंत्र रूप से शोधित पुनर्जन्म मामले का उपयोग किया गया

		अब
अध्याय 1	जेम्स हस्टन जूनियर बनें	जेम्स लेनिंगर
	सुरेश वर्मा	टीटू सिंह
अध्याय दो	हानान मंसूर	सुजैन घनम
	रशीद खडगेगे	डेनियल जुर्डी
अध्याय 3	ऐनी फ्रैंक	बार्ब्रो कार्लेन
अध्याय 4	कैरोल बेकविथ	रॉबर्ट स्नो
अध्याय 5	जॉन बी. गॉर्डन	जेफरी कीन
	कैडमस विलकॉक्स	वेन ज़ेलेटा
अध्याय 6	जॉन इलियटसन	सामान्य शीली
	एंटोन मेस्मर	जॉन काबट-ज़िन
	चार्ल्स डिकेंस	जेके रॉउलिंग
अध्याय 7	फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी	वेन पीटरसन
	लुईस वेंडरबिल्ट	वेन पीटरसन
	क्लाउड लेडौक्स	वेन पीटरसन
अध्याय 8	पॉल गौगुइन	पीटर टेकैम्प
	पब्लो पिकासो	एलेक्जेंड्रा नेचिता
अध्याय 9	चार्ल्स पार्कहर्स्ट	पेनी पियर्स
	ऐलिस कैरी	पेनी पियर्स
	फोबे कैरी	पाउला पियर्स

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

भाग द्वितीय:

केविन रायर्सन और अहतुन रे के माध्यम से मामले सुलझाए गए

अध्याय 10	जॉन एडम्स	वाल्टर सेमकिव
	पीटर एडम्स	जॉर्ज सेमकिव
अध्याय 11	चार्ल्स थॉमसन	राल्फ नादर
	डेविड रिटनहाउस	कार्ल सैगन
	अबीगैल एडम्स	मैरिएन विलियमसन
	जेम्स ओटिस	जॉन हेगेलिन
अध्याय 12	पेयटन रैंडोल्फ	बिल क्लिंटन
	होरेशियो गेट्स	ऐल गोर
	डेनियल मॉर्गन	जॉर्ज डब्ल्यू बुश टोनी ब्लेयर
	मार्क्विस लाफायेट	टॉमी फ्रैंक्स
	जॉर्ज वाशिंगटन	
अध्याय 13	जेम्स विल्सन	ओपराह विन्फ्री
अध्याय 14	डोरोथी डैंड्रिज	हैली बैरी
अध्याय 15	डेनियल डी. होम	उरी गेलर
	सच्चा होम	हन्ना गेलर
	ग्रिचा होम	शिपी श्रत्रंग
	जे. ग्लौमेलाइन	याफ़ा
	श्रीमान श्रीमती। डी. जार्विस	श्रीमान श्रीमती। बी जेनिस
	जॉन एडमंड्स	अम्नोन रुबिनस्टीन
	अलेक्जेंडर अक्साकॉफ़	एंड्रीजा पुहारिच
	सर विलियम क्रुक्स	डेविड बोहम
	अलेक्जेंडर द्वितीय	जोस लोपेज़ पोर्टिलो
	नेपोलियन तृतीय	एरियल शेरॉन
अध्याय 16	नोस्ट्राडमस	हंस क्रिश्चियन किंग
	रबेलैस	माइकल क्रिक्टन
अध्याय 17	ओलिवर हार्डी	डैनी बाचर
	स्टेन लॉरेल	जोश बाचर

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

भाग III

भारतीय, इंडोनेशियाई और फिलीपीनी महापुरूषों का पुनर्जन्म मामला

अध्याय 18	टीपू सुल्तान	ए पी जे अब्दुल कलाम
	हैदर अली	विक्रम साराभाई
	मुहम्मद सादिक	ब्रह्म प्रकाश
	बुरहान-उद-दीन	वर्नर वॉन ब्रूम
अध्याय 19	नाना साहब	इंदिरा गांधी
	बहादुर शाह जफर	जवाहर लाल नेहरू
अध्याय 20	जवाहर लाल नेहरू	बेनजीर भुट्टो
	भीमराव रामजी अम्बेडकर	मेव (कैनेडी) टाउनसेंड
अध्याय 21	साधोना बोस	शाहरुख खान
अध्याय 22	एडविन बूथ	अमिताभ बच्चन
	मैरी मैकविकर्स	जया बच्चन
	एडविन बूथ एडविन	श्वेता बच्चन
	बूथ जूनियर	अभिषेक बच्चन
	मैरी डेवलिन	रेखा
	एशिया बूथ	भावना सोमाया
	लौरा कीन	निकोल किडमैन
	टॉम टेलर	डेविड मैमेट
	जोसेफ जेफरसन	टॉम क्रूज
	वर्जिनिया हार्नड	मिमी रोजर्स
	जुनियस ब्रूटश बूथ	हरिवंशराय श्रीवास्तव बच्चन
	मैरी ऐनी होम्स बूथ	तेजी बच्चन
	एडविन स्टैंटन लुसी हेल जॉन	इंदिरा गांधी
	पी. हेल रॉबर्ट टॉड लिंकन	सोनिया गांधी
		राहुल गांधी
		स्टीवन स्पीलबर्ग

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अध्याय 23	अगस्तयार	शिव बाबा
	रामलिंगम (वल्लालर)	शिव बाबा
	मणिकावकाकर	शिव बाबा
	एडवर्ड डी वेरे	शिव बाबा
	विलियम शेक्सपियर	अगस्त विल्सन
	नाथन फील्ड	जॉनी डेप
	विलियम कैमडेन	रॉबर्ट रोसेन
	जोनाथन एडवर्ड्स	वेन डायर
अध्याय 24	विलियम पिट लेलेइओहोकू	Soekarno
	कलुआइकु कपाकेआ	मोहम्मद हट्टा
	नेपोलियन (यूजीन) चतुर्थ	फर्डिनेंड मार्कोस
अध्याय 25	हेनरी ओपुकाहिया	हंडका विजयानंद

भाग IV

आत्मा की उत्पत्ति और पुनर्जन्म का उद्देश्य

अध्याय 28	नेपोलियन बोनापार्ट	जैक वेल्च
	एडम स्मिथ	जेफरी सैक्स एरिक
	हैन्स क्रिश्चियन एंडरसन	बर्गलुंड पॉल आर्मिटेज
	एडवर्ड ग्रिग	स्टीवन डब्ल्यू स्क्वॉयरेस
	निकोलस कोपरनिकस	
अध्याय 29	जॉर्ज वाशिंगटन	जॉन केना
		जॉर्ज मार्शल
		टॉमी फ्रैंक्स
	रॉबर्ट कोच	क्रेग वेंटर
	लुई पास्चर	फ्रांसिस कोलिन्स
	अविला के जीन बैपटिस्ट लैमार्क	ब्रूस लिप्टन
	सेंट टेरेसा	सुसान ट्राउट
अध्याय 32	जेम्स विल्सन	ओपरा विन्फ्रे जॉर्ज डब्ल्यू
	डेनियल मॉर्गन	बुश टॉम
	थॉमस जेफरसन	
	कैरोल बेकविथ	रॉबर्ट स्नो
	निकोलस डी ले रेनी	रॉबर्ट स्नो
	जीन बैपटिस्ट कोलबर्ट	वाल्टर सेमकिव

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अध्याय 35	ग्रे ईगल	किम एडम्स
	चमकता चाँद	डी लोचर
अध्याय 37	पीटर पॉल रूबेन्स	अकैने क्रामारिक
	लुडविग वान बीथोवेन	गुस्तावो डुडामेल
	माइकल एंजेलो	पॉल फेलिक्स-मोंटेज़
अध्याय 39	विल्जा विटकोम्बे	देवानमपिया तिस्सा

युगल मामला

अध्याय 29	मोशे डायन	अनवर सादात
	बेनेडिक्ट अर्नोल्ड	जॉर्ज वाशिंगटन
	मोहम्मद अली	जो फ्रेज़ियर
	महात्मा गांधी	जवाहर लाल नेहरू
	क्रिस्टोफर मार्लो	विलियम शेक्सपियर
	थॉमस एडीसन	हेनरी फ़ोर्ड
	ओलिवर हार्डी	स्टेन लॉरेल
	रॉबर्ट कोचो	लुई पास्चर
	चार्ल्स डार्विन	जीन बैपटिस्ट लैमार्क
	असीसी के सांता क्लेयर	सेंट फ्रांसिस असीसी से
	सेंट जॉन द क्रॉस	अविला की सेंट टेरेसा/ सुसान ट्राउट
	यीशु	मैरी, यीशु की माँ
	अलेक्जेंडर हैमिल्टन	जेम्स मैडिसन
	जॉन एडम्स	थॉमस जेफरसन

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

BORN again

भाग I

स्वतंत्र रूप से

पुनर्जन्म प्रकरण पर शोध किया

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

1

पुनर्जन्म के साक्ष्य और उसका प्रभाव समाज और धर्म पर

कला सहस्राब्दी के मोड़ पर, स्वतंत्र रूप से शोध किया गया पुनर्जन्म के मामले सामने आए, जिससे पता चला कि जीवन दर जीवन, लोगों के चेहरे की विशेषताएं, व्यक्तित्व लक्षण, जुनून, प्रतिभा और यहां तक कि भाषाई लेखन शैली भी समान होती हैं। सबसे ठोस मामले उन बच्चों में होते हैं जिनके पास पिछले जन्मों की सहज यादें होती हैं जिन्हें तथ्यों के आधार पर सिद्ध किया जा सकता है। हाल ही में, संयुक्त राज्य अमेरिका में, इस तरह का एक मामला राष्ट्रीय टेलीविजन चैनलों पर दिखाया गया था। 2005 में, जेम्स लीनिंगर नाम के एक लड़के के पुनर्जन्म का मामला एक लोकप्रिय टेलीविजन समाचार कार्यक्रम एबीसी प्राइमटाइम पर प्रसारित किया गया था।

इस लड़के को याद है कि द्वितीय विश्व युद्ध में एक लड़ाकू पायलट के रूप में उसकी मृत्यु हो गई थी।

लड़के के माता-पिता अपने बेटे की मदद के लिए पुनर्जन्म शोधकर्ता कैरोल बोमन के पास जाते हैं, जो बच्चों के मामलों से निपटने में माहिर हैं, जिन्हें विमान दुर्घटनाओं के बारे में बुरे सपने आते हैं। जेम्स ने अपने माता-पिता, ब्रूस और एंड्रिया लेनिंगर को जो जानकारी दी, उसके माध्यम से उनके पिता जेम्स हस्टन जूनियर नामक एक अमेरिकी लड़ाकू पायलट के रूप में अपने बेटे के पिछले जीवन को साबित करने में सक्षम थे, और जब छोटा जेम्स हस्टन की जीवित बहन के साथ फिर से मिला, तो केवल जानकारी के आधार पर जेम्स हस्टन के पास था। वह खुद जानती है, हस्टन की बहन ने छोटे जेम्स को अपने दिवंगत भाई के पुनर्जन्म के रूप में स्वीकार किया।

कैरल ने अपनी पुस्तक, चिल्ड्रेन्स पास्ट लाइव्स में एक और मामला बताया है बोमन ने भारत में नाम के एक लड़के से जुड़े उद्धरण दिए टीटू सिंह जिन्हें जीवन की स्पष्ट याददाश्त है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

आगरा में उनका अतीत, कि उनका नाम सुरेश वर्मा था। उसे याद आया कि उसकी पत्नी उमा है और उसके दो बच्चे हैं।

जब वह अपने पिछले जीवन के परिवार के साथ फिर से जुड़ जाता है, तो वह अपने परिवार के सदस्यों को पहचानता है, सुरेश वर्मा के जीवन के विवरण बताता है जो सच साबित होते हैं, इस प्रकार टीटू को वर्मा परिवार द्वारा सुरेश के पुनर्जन्म के रूप में स्वीकार किया जाता है। यह मामला 1990 में बीबीसी के फोर्टी मिनट्स पर भी प्रसारित किया गया था और हाल ही में रीइंकार्नेशन इंटरनेशनल में दिखाया गया था।

लंदन में प्रकाशित.

एक और मामला जो बचपन की यादों से जुड़ा है

बारब्रो कार्लेन की, एक लड़की जो बचपन से ही अपने पिछले जीवन को ऐनी फ्रैंक के रूप में याद कर सकती है। फ्रैंक/कारलेन मामला समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि ऐनी फ्रैंक ने एक यहूदी के रूप में उत्पीड़न का अनुभव किया था, जबकि बारब्रो का जन्म एक ईसाई परिवार में हुआ था। इस मामले को बाद में विस्तार से प्रस्तुत किया जाएगा.

यह पुस्तक तीन भागों में विभाजित है। पहले भाग में स्वतंत्र रूप से शोध किए गए पुनर्जन्म के मामले शामिल हैं, जो पुनर्जन्म के सामान्य सिद्धांतों को प्रदर्शित करते हैं, जैसे कि यह अवलोकन कि चेहरे की विशेषताएं एक अवतार से दूसरे अवतार में समान रहती हैं।

दूसरे भाग में केविन रायर्सन, एक ट्रान्स माध्यम* के माध्यम से पश्चिम में सुलझाए गए मामलों को शामिल किया गया है, जिसकी दुनिया भर में प्रतिष्ठा है, जिसे शर्ली मैकलेन** की तीन पुस्तकों में दिखाया गया है।

एक चैत्य स्वयं को ध्यान की स्थिति या ट्रान्स में लाकर काम करता है, जिससे आध्यात्मिक प्राणियों को उसके माध्यम से बोलने की अनुमति मिलती है। पुनर्जन्म पर शोध करते समय, मुझे पता चला कि केविन ने अहतुन रे नामक एक मिस्र के आध्यात्मिक मार्गदर्शक को प्रसारित किया, जो पिछले जन्मों की पहचान करने की क्षमता प्रदर्शित करता है।

---

* ट्रान्स माध्यम: मानसिक व्यक्ति जो सम्मोहित अवस्था या उच्च स्तर की एकाग्रता में मर चुके लोगों की आत्माओं से संवाद कर सकता है ताकि उन्हें अपने परिवेश के बारे में पता न चले। रायर्सन के मामले में, उन्होंने अपनी मार्गदर्शक भावना को अपने अंदर प्रवेश करने और अपने माध्यम से बोलने की अनुमति दी।

** शर्ली मैकलेन (जन्म 24 अप्रैल, 1934) एक ऑस्कर विजेता, फिल्म और थिएटर हैं अभिनेत्री, न केवल अपने अभिनय के लिए, बल्कि पुनर्जन्म और अन्य प्राकृतिक प्राणियों के अस्तित्व में अपने विश्वास के प्रति समर्पण के लिए भी जानी जाती हैं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

सटीक रूप से, मेरी टिप्पणियों के अनुसार। यह एक दुर्लभ क्षमता है और जब मुझे पता चला कि अहतुन रे को इस क्षमता में एक संसाधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है, तो मैंने केविन के साथ नियमित आधार पर काम करना शुरू कर दिया। बॉर्न अगेन के प्रकाशन के समय, मैंने केविन के साथ पाँच वर्षों से अधिक समय तक काम किया था और उसके साथ सत्तर से अधिक सत्र किये थे। केविन के आध्यात्मिक मार्गदर्शक के साथ बहुत अनुभव प्राप्त करने के बाद, मैं पुनर्जन्म के मामलों में सटीक मिलान स्थापित करने की अहतुन रे की क्षमता पर विश्वास करने लगा। इस प्रकार, मैंने यह निर्धारित करने के लिए अहतुन रे को "स्वर्ण मानक" के रूप में उपयोग किया है कि पिछले जीवन का मिलान सटीक है या नहीं। बॉर्न अगेन और मेरी पिछली पुस्तक, रिटर्न ऑफ द रेवोल्यूशनरीज़ में प्रकाशित सभी पुनर्जन्म मामलों की अहतुन रे द्वारा सटीक और वैध रूप से पुष्टि की गई थी।

तीसरे भाग में भारतीय, इंडोनेशियाई और फिलिपिनो हस्तियों के पुनर्जन्म के मामले शामिल हैं जो ज्यादातर केविन रायर्सन के साथ मेरे सहयोग से सामने आए हैं, जैसा कि हम देखेंगे, एक आत्मा एक जीवनकाल में भारत में और एक बार संयुक्त राज्य अमेरिका या पाकिस्तान में अवतरित हो सकती है। समय में इंगित। एक और जिंदगी। अंतिम अध्याय में भारतीय आध्यात्मिक शिक्षक, शिव बाबा को दिखाया गया है, जिन्होंने पुनर्जन्म पर मेरे शोध का समर्थन किया था, और जो स्वतंत्र रूप से अपने पिछले जीवन के बारे में कुछ जानते हैं।

सहजता पर आधारित पुनर्जन्म का वस्तुनिष्ठ प्रमाण

बचपन और वयस्कता दोनों में पिछले जन्मों की यादें अनिवार्य रूप से उभरती रहती हैं। इंटरनेट की उपस्थिति के साथ, विश्व स्तर पर इन मामलों के बारे में संचार पुनर्जन्म मामलों के डेटा का एक बड़ा संग्रह तैयार करेगा।

मैंने केविन रायर्सन और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर इंस्टीट्यूट फॉर द इंटीग्रेशन ऑफ साइंस, इंट्यूशन एंड स्पिरिट (आईआईएसआईएस) की स्थापना की है, जो पुनर्जन्म, मनुष्यों या आत्माओं के विकास और संबंधित मामलों पर वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए समर्पित है। यहां मैं पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य के कारण समाज में होने वाले कुछ बदलावों की समीक्षा करना चाहता हूं:

Machine Translated by Google

• पुनर्जन्म की समझ से उत्पन्न सबसे लाभकारी प्रभावों में से एक विभिन्न जातीय, धार्मिक और नस्लीय पृष्ठभूमि के लोगों के बीच हिंसा में कमी है। वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के विनाश जैसी घटनाओं के साथ-साथ विरोधी संस्कृतियों के लोगों के बीच होने वाली हिंसा और हत्याओं की दैनिक खबरों को देखते हुए, इस बदलाव की तत्काल आवश्यकता है। इस पुस्तक में प्रस्तुत साक्ष्य से पता चलता है कि लोग जीवन भर धार्मिक, जातीय और नस्लीय गठबंधन बदल सकते हैं।

• जब किसी को पता चलता है कि धार्मिक विश्वास एक अस्थायी विश्वास प्रणाली है, कि वह एक जीवन में ईसाई हो सकता है, और दूसरे जीवन में यहूदी, मुस्लिम, हिंदू या बौद्ध हो सकता है, तो ये धार्मिक संघर्ष अतार्किक प्रतीत होंगे। . वास्तव में, हम सभी को स्वयं को केवल ईसाई, यहूदी, मुस्लिम या हिंदू के रूप में सोचना बंद कर देना चाहिए, क्योंकि जन्मों-जन्मों के अंतराल में, हम उनमें से सभी बन गए हैं, और उससे भी अधिक। इस समझ की अच्छी बात यह है कि इसमें किसी भी धर्म को नीचा नहीं दिखाया जाता और किसी को गलत नहीं माना जाता। वास्तव में, हम समझेंगे कि जीवन से लेकर जीवन तक, हमें विभिन्न धार्मिक शिक्षाओं का आनंद लेने और सीखने का अवसर मिलता है। मुख्य बात यह है कि किसी एक विशेष विश्वास प्रणाली से बहुत अधिक न जुड़ें, क्योंकि अंत में, यह केवल विभाजन और संघर्ष की ओर ले जाता है।

मेरा मानना है कि पुनर्जन्म के तंत्र का ज्ञान मानवता को जनजातीय मानसिकता से विकसित होने में मदद करेगा, जिसमें हम एक विशेष धार्मिक, जातीय, नस्लीय या राष्ट्रीय समूह के साथ सार्वभौमिक मानव स्तर की ओर पहचान करते हैं। सार्वभौमिक मानव के रूप में, हम कई संस्कृतियों को समझते हैं और उनका सम्मान करते हैं, लेकिन खुद को किसी एक संप्रदाय से जोड़कर नहीं देखते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में, गैरी ज़ुकाव और बारबरा मार्क्स हबर्ड जैसे लेखक यूनिवर्सल मैन की अवधारणा को जारी रख रहे हैं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

इस पुस्तक में दी गई जानकारी उनके विचारों को और अधिक ठोस आधार प्रदान करेगी।

• जैसे-जैसे हम आदिवासी लोगों से सार्वभौमिक मानव में बदलते हैं, नस्लवाद और धार्मिक पूर्वाग्रह ख़त्म हो जायेंगे.

राष्ट्रवाद और जातीय गौरव को भी ऐसे परिप्रेक्ष्य में रखा जाएगा, जब हमें यह एहसास होगा कि हम अलग-अलग देशों में और विविध जातीय पृष्ठभूमि वाले माता-पिता से एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल में जन्म ले सकते हैं। जब हमें एहसास होता है कि हम एक जीवन में श्वेत हो सकते हैं और दूसरे जीवन में काले या एशियाई, तो नस्लीय पूर्वाग्रह गायब हो जाएगा। • विभिन्न धर्म शिक्षाओं के अधिक सार्वभौमिक सेट को अपनाएंगे, क्योंकि आध्यात्मिकता अधिक वैज्ञानिक हो जाएगी, जो टिप्पणियों और वस्तुनिष्ठ डेटा पर आधारित होगी। वास्तव में, आध्यात्मिकता अनिवार्य रूप से विश्वास के दायरे से ज्ञान के दायरे की ओर बढ़ेगी। धार्मिक संगठन महत्वपूर्ण बने रहेंगे, क्योंकि हमें अभी भी ईश्वर से मिलने और उसकी पूजा करने के लिए जगह की आवश्यकता होगी।

• जब सामूहिक संघर्ष और युद्ध कम हो जायेंगे तो व्यक्तिगत हिंसक और आपराधिक व्यवहार भी कम हो जायेगा।

यह पूर्वानुमान दो सिद्धांतों पर आधारित है। पहला यह कि लोग कर्म को वास्तविकता के रूप में महसूस करेंगे। हमें पता चल जाएगा कि हम दूसरों के साथ जो करते हैं वह उचित समय पर हमारे पास वापस आएगा। इससे उन लोगों के व्यवहार में बदलाव आएगा, जो नास्तिक हैं और जो स्थापित धर्मों का पालन करते हैं। आज, धार्मिक सिद्धांत सिखाते हैं कि गलत काम को कुछ धार्मिक और दैवीय शक्तियों द्वारा हटाया या माफ किया जा सकता है। इससे उचित व्यवहार करने की प्रेरणा कम हो जाती है।

पुनर्जन्म के साक्ष्य से यह जागरूकता आएगी कि हम अपने कार्यों के लिए जिम्मेदार हैं और अगले जन्म में हम उन्हीं कार्यों के अधीन होंगे जो हमने इस जीवन में किए थे। यदि हम इस जीवन में किसी का मजाक उड़ाते हैं, तो दूसरे जीवन में हम उपहास का पात्र बनेंगे। अगर हम किसी को मारते हैं, तो

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

दूसरे जीवन में हम अपने कार्यों के कारण पीड़ा का अनुभव करेंगे। अगर हम सहनशीलता और करुणा प्रकट करें तो ये चीजें भी हमारे पास वापस आ जाएंगी।

इस समझ के साथ, किसी भी कार्रवाई जिसमें दूसरे पक्ष को नुकसान पहुंचाने की क्षमता हो, उस पर अधिक सावधानी से विचार किया जाएगा। कुछ लोग तर्क देंगे कि पुनर्जन्म को स्वीकार करने वाली संस्कृति में बुराई अभी भी मौजूद है। मैं इसका जवाब यह तर्क देकर देता हूं कि पुनर्जन्म में विश्वास करने और यह जानने के बीच एक बड़ा अंतर है कि पुनर्जन्म मानव आत्मा का विकासवादी मार्ग है।

जब आप पूरी तरह से जानते हैं कि पुनर्जन्म और कर्म वास्तविक हैं, तो अपराध करना जानबूझकर धधकती भट्टी में अपना हाथ डालने जैसा है।

हिंसा कम होने का एक और कारण यह है लोगों को एहसास होगा कि वे इस जीवन में प्राप्त ज्ञान और कौशल को अगले जीवन में ले जा सकते हैं। यह उन लोगों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जिनका जन्म गरीबी या अन्य अभावग्रस्त क्षेत्रों में हुआ है। जो लोग गरीब पैदा हुए हैं, जो लोग जीवन में उपेक्षित महसूस करते हैं, उनके लिए बुराई ही एकमात्र रास्ता हो सकता है। यह अमेरिकी संस्कृति में विशेष रूप से सच है, जहां भौतिकवाद व्याप्त है, और अमीरों और अमीरों के बीच का अंतर इतना बड़ा कभी नहीं रहा। इस असमान स्थिति को देखते हुए, जो लोग अपराध करते हैं वे अपने कार्यों को उस अन्याय के प्रतिशोध के रूप में और अपनी निराशा के इलाज के रूप में देख सकते हैं।

इस पुस्तक में प्रस्तुत साक्ष्य यह दर्शाते हैं कि जीवन से जीवन में, हम वही पाते हैं जो हमने पीछे छोड़ा है, कि हम अपने साथ पिछले जन्मों में हासिल किए गए कौशल और क्षमताओं को लेकर चलते हैं। हम देखेंगे कि व्यक्ति किसी कार्य को पूरा करने या पिछले जीवन में शुरू किए गए लक्ष्य को पूरा करने के लिए जीवन में लौट सकते हैं। यह उन लोगों के लिए आशा ला सकता है जो ऐसी स्थिति में फंसे हुए हैं

Machine Translated by Google

प्रतिकूल. जिस व्यक्ति को लगता है कि इस जीवनकाल में उसके अवसर अवरुद्ध हैं, वह अगले जीवन के लिए योजना बना सकता है और निवेश कर सकता है।
हम अगले अवतार की तैयारी के लिए इस अवतार का अध्ययन, समझ और अभ्यास शुरू कर सकते हैं।

उदाहरण के तौर पर अगर आप एक महान संगीतकार बनना चाहते हैं तो आज ही वह इच्छा पूरी कर लें. भविष्य के अवतारों में, आप अतीत में विकसित की गई प्रतिभाओं को सामने लाने में सक्षम होंगे। यदि आप अमीर बनना चाहते हैं, तो आज से ही वित्त और निवेश के बारे में सीखें, और आप अपनी व्यावसायिक प्रतिभा को अगले जीवन में ले जाएंगे। यदि आप एक महान संगीतकार बनना चाहते हैं, तो आज से ही किसी वाद्य यंत्र को बजाने का अभ्यास करें और गीत रचना सीखें, ताकि कल के जीवन में प्रतिभा उभर कर सामने आ सके। यह जानना कि इस जीवन में किया गया प्रयास दूसरे जीवन में फल देगा, निश्चित रूप से निराशा में पड़े लोगों के लिए आशा लाएगा।

• दुनिया की भूख और गरीबी से लड़ना और भी मुश्किल हो जाएगा
इस ग्रह पर प्रत्येक व्यक्ति के लिए गंभीर चिंता। ऐसा दो अनुभूतियों के कारण होगा। सबसे पहले, हम समझेंगे कि हम उस दुनिया में लौटेंगे जिसके निर्माण में हमने मदद की थी। हम भविष्य में अवतारों में जिन परिस्थितियों में रहेंगे उसके लिए हम जिम्मेदार हैं।

स्वार्थी दृष्टिकोण से, यह ज्ञान कि हम एक गरीब देश में पुनर्जन्म ले सकते हैं, विकसित देशों में रहने वालों को गरीब देशों के साथ संसाधन साझा करने के लिए प्रेरित करेगा।

विकसित देशों के निवासियों को गरीब देशों को बुनियादी ढांचे और आर्थिक नीतियों के निर्माण में मदद करने की अधिक आवश्यकता महसूस होगी जो उनकी आबादी की बुनियादी जरूरतों की पूर्ति सुनिश्चित कर सकें।

तीसरी दुनिया के देशों के ऋण के प्रति हमारा दृष्टिकोण बदल जाएगा क्योंकि हम गरीबों की दुर्दशा के बारे में अधिक चिंतित हो जाएंगे।

दूसरा, आध्यात्मिक दृष्टिकोण से, हमें एहसास होगा कि मृत्यु के समय हमारे बैंक खाते में उतनी ही धनराशि थी

Machine Translated by Google

परमेश्वर की दृष्टि में बिल्कुल अर्थहीन। इसके बजाय, जो सार्थक है वह अच्छे कर्म हैं जो इस पर आधारित हैं कि हमने अपने जीवनकाल में दूसरों की मदद के लिए क्या किया है। कर्म की बेहतर समझ के साथ, अमीर उन लोगों की पीड़ा को कम करने के बारे में अधिक चिंतित होंगे जिनके पास कुछ नहीं है।

साथ मिलकर, हम इस दुनिया को उन लोगों के लिए एक बेहतर जगह बनाने के तरीकों को डिजाइन करने में अपना अधिक समय, ऊर्जा, पैसा और रचनात्मकता निवेश करेंगे जो प्रतिकूल परिस्थितियों में पैदा हुए थे।

हम अपने संसाधनों को बड़े घरों, शानदार कारों, आभूषणों और ट्रिंकेट, खेल टीमों और हिंसक खेलों में लगाने के लिए कम प्रेरित होंगे। दूसरी ओर, हममें आम भलाई के लिए जीवन स्थितियों में सुधार करने की इच्छा होगी। पुनर्जन्म का ज्ञान हमारे मूल्यों को बदल देगा, और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से मूल्यवान चीजों को आगे बढ़ाने की इच्छा पैदा होगी।

• पर्यावरण की रक्षा करना एक और अधिक गंभीर मुद्दा बन जाएगा क्योंकि लोगों को यह एहसास होने लगेगा कि वे भविष्य में बार-बार ग्रह पृथ्वी, हमारी धरती माता पर लौटेंगे। लोगों को एहसास होगा कि अगले जीवन में उन्हें स्वयं उन पर्यावरणीय समस्याओं से निपटना होगा जो वे आज पैदा कर रहे हैं।

आर्थिक लाभ अब एक बहाना नहीं होगा जो पर्यावरण के संरक्षण से आगे जाता है, क्योंकि लोगों को एहसास होगा कि वे जो कुछ भी करते हैं वह मायने रखता है और पृथ्वी के खिलाफ अपराध का कार्मिक प्रभाव भी होता है।

• परिवार के सदस्यों, दोस्तों, दुश्मनों के बीच भी रिश्ते बेहतर हो जाएंगे जब लोगों को एहसास होगा कि हम समूहों में जीवन में लौट रहे हैं, कि हम उन लोगों के साथ पृथ्वी पर लौट रहे हैं जिन्हें हम पहले जानते हैं।

जो लोग एक जीवन में हमसे झगड़ते हैं, हम दूसरे जीवन में फिर मिलेंगे। हमारा सबसे घातक शत्रु हमारे पास वापस आ सकता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

परिवार का कोई सदस्य या सहकर्मी, ताकि हमें उस व्यक्ति को वास्तव में जानने का एक और मौका मिल सके और संघर्ष को समाप्त करने का अवसर मिल सके। इस प्रकार, हम अपने वर्तमान अवतार में आपसी समझ के लिए और अधिक प्रयास करेंगे। हम उन लोगों को सहन करना सीखेंगे जिनके जीवन में परस्पर विरोधी विचार और भिन्न मूल्य हैं।

जो रिश्ते एक-दूसरे से प्यार करते हैं उन्हें एक वस्तु के रूप में पहचाना जाएगा पैसे या सोने से भी अधिक मूल्यवान.

धर्म की स्थापना एवं पुनर्जन्म की स्वीकृति

यह देखना दिलचस्प होगा कि स्थापित धर्म इस बढ़ते कदम पर कैसे प्रतिक्रिया देंगे दुनिया में पुनर्जन्म के प्रमाण लगातार सामने आते रहते हैं। धार्मिक अधिकारियों के पास दो विकल्प होंगे: पुनर्जन्म को अपने सिद्धांत में शामिल करें या इसे अस्वीकार करें। यदि धार्मिक अधिकारी पुनर्जन्म के साक्ष्य को अस्वीकार करते हैं, तो वे यथास्थिति बनाए रखेंगे और अल्पकालिक सुरक्षा उपाय करेंगे, लेकिन इसका मतलब यह भी है कि वे चल रहे धार्मिक संघर्ष को भी बढ़ावा दे रहे हैं, जो एक दिन पूर्ण रूप से विकसित हो सकता है।

आपदा।

यदि धार्मिक अधिकारियों को पुनर्जन्म के बारे में जानकारी मिलेगी तो वे मदद करेंगे एक अधिक शांतिपूर्ण विश्व का निर्माण करें। उनके धर्म सुंदर और सुंदर के लिए टिके रहेंगे उनके भविष्यवक्ताओं की अद्भुत शिक्षाएँ नष्ट नहीं होंगी। इसके अलावा, लोग करेंगे हमेशा धर्म की आवश्यकता होती है, क्योंकि लोगों को एक साथ आने और एक साथ भगवान की पूजा करने की आवश्यकता होती है। सौभाग्य से, अधिकांश प्रमुख धर्मों के सिद्धांतों में ऐसे संदर्भ हैं जो पुनर्जन्म का समर्थन करते प्रतीत होते हैं, जो

सिस्टम में पुनर्जन्म को एकीकृत करना आसान बनाता है पारंपरिक मान्यताएँ. भले ही मैं विशेषज्ञ नहीं हूं

*** यहां प्राधिकरण का तात्पर्य उन पार्टियों से है जिनके पास व्याख्या करने के मामले में शक्ति है कुछ धार्मिक सिद्धांतों के कार्यान्वयन को विनियमित करना। उदाहरण के लिए, कैथोलिक धर्म में सर्वोच्च प्राधिकारी पोप के नेतृत्व में वेटिकन चर्च है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

धार्मिक हों या इस मामले पर अधिकार रखते हों, मुझे धार्मिक ग्रंथों के अंश साझा करने दीजिए जो पुनर्जन्म की ओर संकेत करते प्रतीत होते हैं। मैंने ईसाई धर्म, यहूदी धर्म और इस्लाम पर ध्यान केंद्रित किया क्योंकि इन धर्मों में परंपरागत रूप से पुनर्जन्म पर जोर नहीं दिया गया है।

पुनर्जन्म और ईसाई धर्म

ईसाई, यहूदी और इस्लामी नेताओं के लिए पुनर्जन्म के साक्ष्य को स्वीकार करना आसान हो सकता है यदि वे यह पहचान लें कि पुनर्जन्म का सिद्धांत कभी उनके पैगम्बरों के सिद्धांतों का हिस्सा था। इस प्रकार, इस पुस्तक में प्रस्तुत जानकारी किसी भी तरह से नई नहीं है। वास्तव में, प्रमुख धर्मों में पुनर्जन्म की शिक्षाओं को नजरअंदाज कर दिया गया है और कभी-कभी जानबूझकर छिपा दिया गया है। आइए हम ईसाई धर्म को एक उदाहरण के रूप में लें।

नये नियम में यहूदियों को अपने महान पैगम्बरों के पुनर्जन्म की प्रतीक्षा करते हुए दर्शाया गया है। वास्तव में, ऐसा माना जाता है कि इन पैगम्बरों का प्राचीन काल में पुनर्जन्म हुआ था। उदाहरण के लिए, सामरी नामक यहूदी संप्रदाय का मानना था कि आदम का पुनर्जन्म नूह के रूप में हुआ, फिर अब्राहम के रूप में, फिर मूसा के रूप में।2 पिछले पैगम्बरों के पुनर्जन्म भी यीशु के समय यहूदियों के दिमाग में थे। दरअसल, यीशु के अनुयायी सोचते थे कि वह एक अवतारी भविष्यवक्ता हैं। आइए मैथ्यू के सुसमाचार के निम्नलिखित अंश पर ध्यान दें: "जब यीशु कैसरिया फिलिप्पी के क्षेत्र में पहुंचे, तो उन्होंने अपने शिष्यों से पूछा: 'लोग क्या कहते हैं कि मनुष्य का पुत्र कौन है?

उन्होंने उत्तर दिया: 'कुछ कहते हैं यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाला, कुछ कहते हैं एलिय्याह, और कुछ कहते हैं यिर्मयाह या भविष्यवक्ताओं में से एक।'' (मत्ती 16:13-14)

हेरोदेस, जिसने उस समय रोमन साम्राज्य के तहत यरूशलेम पर शासन किया था, यह भी अनुमान लगाता है कि यीशु कौन रहे होंगे। हेरोदेस यह भी सोचता है कि यीशु प्राचीन भविष्यवक्ताओं में से एक हो सकता है, या यहाँ तक कि जॉन बैपटिस्ट भी हो सकता है जिसका उसने हाल ही में सिर काट दिया था।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जब यीशु ने घोषणा की कि वह मसीहा है

यहूदी, उनके अनुयायी भ्रमित थे, क्योंकि धर्मग्रंथों में कहा गया था कि पैगंबर एलिजा (या ग्रीक में एलिजा) वापस आएंगे और मसीहा के आने से पहले आएंगे। शिष्यों ने यीशु को इस विसंगति के बारे में बताया। शिष्यों ने कहा, "फिर शास्त्रियों ने यह क्यों कहा कि एलिय्याह पहले आएगा? और यीशु ने उत्तर दिया और उन्हें बताया, कि यह सच है कि एलिय्याह पहले आएगा, और सभी चीजों को सीधा करेगा/सभी चीजों को पुनर्स्थापित करेगा। परन्तु मैं तुम से कहता हूं, कि यह एलिय्याह आया है, परन्तु उन्होंने उसे न पहचाना... तब उसके चेलों ने समझा, कि वह यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के विषय में कहता है। (मत्ती 17:10-13)

नए नियम के एक अन्य भाग में, यीशु ने निर्विवाद रूप से कहा है कि जॉन बैपटिस्ट पैगंबर एलिजा का पुनर्जन्म था, "महिलाओं से जन्मे लोगों में जॉन बैपटिस्ट से अधिक गौरवशाली कोई नहीं है... और यदि आप सभी उसे स्वीकार करते हैं, तो यह एलिजा है...

वह जिसके पास सुनने के लिए कान हों , उसे सुनने दो।" (मत्ती 11:11-15)

पुनर्जन्म का उल्लेख नए नियम के एक अंश में भी किया गया है जहां शिष्य यीशु से पूछते हैं कि कुछ लोग अंधे क्यों पैदा होते हैं। शिष्यों ने पूछा, "किसने पाप किया, इस व्यक्ति ने या उसके माता-पिता ने?" (यूहन्ना 9:34) इस उद्धरण का तात्पर्य है कि इस अंधे व्यक्ति का पिछला अवतार था, जहाँ उसने एक पाप किया था जिसके कारण उसे अंधेपन का कर्मफल भुगतना पड़ता। पुनर्जन्म की धारणा के बिना, अंधा व्यक्ति वह पाप कैसे कर सकता है जो उसकी विकलांगता के लिए जिम्मेदार है, क्योंकि वह व्यक्ति जन्म से ही अंधा था? यीशु ने शिष्यों के तर्क से इनकार नहीं किया, हालाँकि उन्होंने कहा कि उस व्यक्ति का अंधापन अन्य कारकों के कारण था।

नए नियम के इन उद्धरणों के अलावा, साक्ष्य से पता चलता है कि पुनर्जन्म एक समय प्रारंभिक चर्च सिद्धांत का हिस्सा था और चर्च फादर्स द्वारा प्रसारित किया गया था, लेखक जिन्होंने 8 वीं शताब्दी से पहले ईसाई सिद्धांत की स्थापना की थी और उनके काम का उपयोग ईसाई विचारों को अन्य लोगों तक फैलाने के लिए किया गया था। लोग। रोमन साम्राज्य के निवासी. एक बनने के लिए

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

चर्च के फादर, एक व्यक्ति को निम्नलिखित शर्तों को पूरा करना होगा।
उसे पवित्र जीवन जीना चाहिए; उनका लेखन सैद्धांतिक त्रुटि से मुक्त होना चाहिए; ईसाई सिद्धांत की उनकी व्याख्या को अनुकरणीय माना जाता है; और उसके लेखन को चर्च की स्वीकृति मिलनी चाहिए।

कई चर्च फादर पुनर्जन्म में विश्वास करते थे और इसके बारे में लिखते थे।
संत जस्टिन शहीद (100-165 ई.) ने दृढ़तापूर्वक कहा कि आत्मा एक से अधिक मानव शरीरों में निवास करती है। ऑरिजन (185-254 ई.), जो सेंट जेरोम के अनुसार "प्रेरितों के बाद चर्च के सबसे महान शिक्षक" थे, ने इस विचार का बचाव किया कि आत्मा शरीर से पहले अस्तित्व में थी, जो पुनर्जन्म की अवधारणा के लिए मौलिक थी।

एक अन्य चर्च फादर, सेंट ग्रेगरी, निसा के बिशप (257-332)।
एडी), ने लिखा, "यह नितांत आवश्यक है कि आत्मा को ठीक किया जाए और शुद्ध किया जाए, और यदि पृथ्वी पर उसके जीवन के दौरान ऐसा नहीं होता है, तो यह भविष्य के जन्मों में भी हो सकता है...

आत्मा...अभौतिक और अदृश्य है, आत्मा किसी बिंदु पर एक शरीर छोड़ देती है...और उसकी जगह एक क्षण ले लेती है।''

सेंट ग्रेगोरी ने यह भी लिखा, "इस दुनिया में आने वाली हर आत्मा पिछले जीवन की जीत से मजबूत होती है या हार से कमजोर होती है।"
ईसाई चर्च के महानतम धर्मशास्त्रियों में से एक, सेंट ऑगस्टीन (354-430 ई.) ने सिद्धांत दिया कि दार्शनिक प्लोटिनस प्लेटो का पुनर्जन्म था। सेंट ऑगस्टीन ने लिखा, "प्लेटो का संदेश... अब विशेष रूप से प्लोटिनस में चमक रहा है, जो प्लेटो का अनुयायी था, जो अपने शिक्षक से इतना मिलता-जुलता था कि कोई भी सोच सकता था... कि प्लेटो का प्लोटिनस में फिर से जन्म हुआ है।"

पुनर्जन्म में विश्वास प्रदर्शित करने वाले अन्य चर्च पिता थे
सिनेसियस (टॉलेमाइस के बिशप), सेंट एम्ब्रोसिया, पोप ग्रेगरी प्रथम, जेरोम, सेंट अथानासियस, सेंट बेसिल, सेंट जॉन क्राइसोस्टॉम, नाज़ियानज़स के सेंट ग्रेगरी, और अलेक्जेंड्रिया के क्लेमेंट।3

यदि प्रारंभिक ईसाई चर्च में आत्माओं के पूर्व-अस्तित्व (पूर्व-अस्तित्व) और पुनर्जन्म के बारे में मान्यताएँ प्रमुख थीं, तो यह अवधारणा वर्तमान सिद्धांत में मौजूद क्यों नहीं है? इसका कारण यह है कि रोमन सम्राट जस्टिनियन ने 553 ई. में आधिकारिक चर्च सिद्धांत से पुनर्जन्म को हटाने की व्यवस्था की थी। ईसाई चर्च की प्रारंभिक शताब्दियों में, सिद्धांत पर विवादों को चर्च के बिशपों द्वारा पारिस्थितिक परिषद नामक बैठकों के माध्यम से सुलझाया जाता था। परिषद-

Machine Translated by Google

यह परिषद् एक भव्य सभा है, जो बार-बार नहीं, कभी-कभी होती है
सौ साल में एक बार. पुनर्जन्म की कहानी को समझने के लिए और

ईसाई चर्च, हमें 330 ईस्वी में वापस जाना होगा।

उस वर्ष, कॉन्स्टेंटाइन द ग्रेट ने रोमन साम्राज्य की राजधानी को रोम से कॉन्स्टेंटिनोपल में स्थानांतरित कर दिया, जिसे अब इस्तांबुल कहा जाता है। परिणामस्वरूप, ईसाई चर्च के दो केंद्र विकसित हुए, रोम में पश्चिमी चर्च और पूर्वी

कॉन्स्टेंटिनोपल में चर्च.

कॉन्स्टेंटिनोपल के शासक सम्राटों ने पूर्वी चर्च को नियंत्रित किया और अपनी इच्छानुसार नीतियां लागू कीं। उदाहरण के लिए, सम्राट लियो III ने चर्चों में तस्वीरें और तस्वीरें रखने पर रोक लगा दी थी, इसलिए जिन छवियों की आज उनकी सुंदरता के लिए इतनी प्रशंसा की जाती है, उन्हें पूजा स्थलों से हटाना पड़ा। इसी प्रकार जस्टिनियन ने पुनर्जन्म पर चर्च की नीति निर्धारित की।

छठी शताब्दी में पुनर्जन्म को लेकर चर्च में टकराव हुआ।
जबकि, रोम में पश्चिमी बिशप आत्मा के प्रारंभिक अस्तित्व में विश्वास करते थे
पूर्वी बिशपों ने इसका विरोध किया। कॉन्स्टेंटिनोपल के सम्राट जस्टिनियन, जिन्होंने पूर्वी चर्च पर शासन किया, ने पुनर्जन्म के सिद्धांत का विरोध किया। चर्च के मामलों में अपने हस्तक्षेप के उदाहरण के रूप में, जस्टिनियन ने चर्च फादर ओरिजन को निर्वासित कर दिया, जिन्होंने खुले तौर पर पुनर्जन्म के विचार का समर्थन किया था। अपने हितों को आगे बढ़ाने के लिए, जस्टिनियन ने 553 ई. में पांचवीं विश्वव्यापी परिषद बुलाई, जिसमें पश्चिमी चर्च के केवल छह बिशपों ने भाग लिया। दूसरी ओर, पूर्वी चर्च के 159 बिशप, जिस पर जस्टिनियन का नियंत्रण था, उपस्थित थे। इसी बैठक में मतदान द्वारा आत्मा के प्रारंभिक अस्तित्व की अवधारणा को चर्च सिद्धांत से हटा दिया गया था। सम्राट जस्टिनियन ने अपनी इच्छानुसार वोट एकत्र करके चर्च सिद्धांत में हेरफेर किया।

पोप विजिलियस ने इस घटना का विरोध किया और समान प्रतिनिधित्व की मांग की
पूर्व और पश्चिम के बिशपों के बीच। हालाँकि पोप विजिलियस पाँचवीं विश्वव्यापी परिषद में कॉन्स्टेंटिनोपल में मौजूद थे, उन्होंने परिषद का बहिष्कार किया
विरोध।

जस्टिनियन ने न केवल पोप विजिलियस की उपेक्षा की, बल्कि उनका दमन भी किया। कैथोलिक इनसाइक्लोपीडिया में कहा गया है कि सम्राट और पोप के बीच संघर्ष इतना चरम था कि पोप को सम्राट के हाथों बहुत दुर्व्यवहार सहना पड़ा और वह लगभग मारे गए। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि आजकल ए

Machine Translated by Google

क्या राजनेता या राज्य नेता पोप को नीति निर्देशित कर सकते हैं? कि पोप वेटिकन में सौ साल में एक बार होने वाली सबसे बड़ी सभा का बहिष्कार करेंगे? हालाँकि, ऐसा तब हुआ जब चौथी विश्वव्यापी परिषद 451 ईस्वी में हुई और छठी विश्वव्यापी परिषद 680 ईस्वी में बुलाई गई। परिणामस्वरूप, कैथोलिक इनसाइक्लोपीडिया में कहा गया है कि जस्टिनियन ने जो परिषद बुलाई थी, वह सच्ची विश्वव्यापी परिषद नहीं थी, इसलिए चर्च सिद्धांत में आत्मा के प्रारंभिक अस्तित्व के उन्मूलन को विश्वव्यापी परिषद का आधिकारिक आदेश नहीं माना जाना चाहिए।4,5

पूर्वी और पश्चिमी चर्चों के बीच झगड़ा बढ़ गया 1054 में जब ईसाई चर्च की ये दो शाखाएँ अलग हो गईं एक दूसरे। जब पश्चिमी चर्च के क्रूसेडर्स उन पर थे यरूशलेम को मुस्लिम हाथों से वापस लेने के लिए, उन्होंने ईसाई शहर कॉन्स्टेंटिनोपल को जला दिया।

तब से, स्थायी अलगाव हो गया है और पश्चिमी चर्च रोमन कैथोलिक चर्च बन गया है, जबकि पूर्वी रूढ़िवादी चर्च अपने तरीके से चला गया है। आज भी, पूर्वी ईसाई चर्च के सदस्य रोम में पोप को अपने नेता के रूप में नहीं पहचानते हैं। तो हम देख सकते हैं कि ईसाई चर्च की पश्चिमी और पूर्वी शाखाओं के बीच राजनीतिक विभाजन आज भी उतना ही वास्तविक है जितना सम्राट जस्टिनियन और पोप विजिलियस के समय में था।

साथी ईसाई नेताओं के बीच संघर्ष के अलावा, वहाँ ऐसे परेशान करने वाले उदाहरण भी हैं जिनमें ईसाइयों ने उन लोगों से युद्ध किया है जो उनके सिद्धांत का खंडन करते हैं। विभाजनकारी धार्मिक आंदोलनों से निपटने के लिए 1227-1235 के बीच पोप के आदेशों की एक श्रृंखला के माध्यम से इनक्विजिशन**** का गठन किया गया था। इस प्रयास में, पोप इनोसेंट IV ने 1252 में यातना के उपयोग को मंजूरी दे दी।

बाद में, 1450-1700 के बीच यूरोप में डायन होने के आरोप में लोगों का उत्पीड़न तब शुरू हुआ जब मार्टिन लूथर के सुधार और एक वैज्ञानिक प्रतिमान के उद्भव के कारण रूढ़िवादी ईसाई असहज थे। 1484 में पोप इनोसेंट VIII द्वारा जारी पोप सुमिस डेसिडेरेंटेस के आदेश से हड़कंप मच गया

**** इनक्विजिशन रोमन कैथोलिक चर्च द्वारा उन्मूलन के लिए की गई एक कार्रवाई है ऐसे संप्रदाय जिन्हें विधर्मी माना जाता है। यह कार्रवाई पूरे यूरोप में बड़े पैमाने पर लोकप्रिय आंदोलनों की प्रतिक्रिया है जिन्हें ईसाई समझ के खिलाफ विचलित और विधर्मी माना जाता है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

यातना और अन्य सज़ाओं की लहरें। पोप का शोध प्रबंध महिला विरोधी है और चुड़ैलों की निंदा करता है। यातना के माध्यम से प्राप्त बयानों के आधार पर हजारों निर्दोष महिलाओं को मार डाला गया।

इस दमन का अंतिम विस्फोट 1692 में सलेम, मैसाचुसेट्स में हुआ था। जादू से खेलते समय युवा लड़कियों के एक समूह के भावुक या उन्मादी हो जाने के बाद बीस महिलाओं को मार डाला गया था। वास्तव में, अतीत में जिन लोगों पर डायन होने का आरोप लगाया गया था उनमें से कुछ संभवतः ऐसी महिलाएं थीं जिनके पास मानसिक प्रतिभा थी लेकिन जिनके पास नहीं थी उन्हें वे खतरनाक मानते थे।

आज, कई महिलाएं अपने अंतर्ज्ञान और अतीत को याद करने की मानसिक क्षमता को बढ़ाने के लिए ध्यान कक्षाएं लेती हैं जब उन्हें धमकाया गया था और दांव पर जला दिया गया था। अपेक्षाकृत आदिम दुनिया में महान प्रतिभा वाले व्यक्ति के रूप में जन्म लेना वास्तव में खतरनाक था।

पुनर्जन्म और यहूदी धर्म

जैसा कि उल्लेख किया गया है, पुनर्जन्म यीशु के समय यहूदी राष्ट्र की सोच का हिस्सा था। यहूदी इतिहासकार फ्लेवियस जोसीफस (37-100 ई.) ने लिखा है कि उस समय यहूदी धर्म के तीन संप्रदाय थे: सदूकी, एस्सेन्स और फरीसी। जोसेफस ने लिखा है कि इनमें से दो संप्रदाय, एस्सेन्स (मृत सागर स्क्रॉल के लिए प्रसिद्ध) और फरीसी, दोनों पुनर्जन्म में विश्वास करते थे।

जोसेफस ने लिखा, "फरीसियों का मानना था कि आत्माओं में शाश्वत शक्ति होती है और जो लोग गुणी होते हैं उनमें फिर से उठने और जीने की शक्ति होती है; इस सिद्धांत से वे कई लोगों को आश्वस्त कर सकते हैं।''6

जोसेफस ने स्वयं, जिसने एक सैनिक के रूप में सेवा की थी, पालन-पोषण किया था पुनर्जन्म के सिद्धांत का आह्वान करके लड़ने के लिए उनके लोगों की भावना। जोसीफस ने अपने लोगों से कहा, "क्या तुम्हें याद नहीं है कि सभी शुद्ध आत्माएं जब इस जीवन को छोड़ेंगी तो उन्हें स्वर्ग में सबसे पवित्र स्थान मिलेगा, वहां से, युग में

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

हलचल करके फिर उन निकायों में भेज दिया जायेगा
शुद्ध।"7

पुनर्जन्म भी ज़ोहर का हिस्सा है, एक क्लासिक कैबलिस्टिक पाठ, माना जाता है कि इसे रब्बी शिमोन बेन जोचाई ने 80 ईस्वी में लिखा था, जिसमें मध्ययुगीन हिब्रू विद्वानों द्वारा विभिन्न परिवर्धन शामिल थे। कैबलिस्टिक आंदोलन यहूदी आस्था के छिपे हुए ज्ञान पर केंद्रित है। ज़ोहर को 1280 में रब्बी मोसेस डी लियोन द्वारा संपादित और पहली बार प्रकाशित किया गया था। यहां पुनर्जन्म से संबंधित ज़ोहर के अंशों के कुछ उदाहरण दिए गए हैं:

सभी आत्माएँ स्थानांतरण (पुनर्जन्म) के प्रलोभन के अधीन हैं; और मनुष्य अपने विषय में परमप्रधान की युक्तियों को नहीं जानते; वे नहीं जानते कि हर बार उनके साथ कैसा न्याय किया जाता है, इस दुनिया में आने से पहले और इसे छोड़ने के बाद भी। वे नहीं जानते कि उन्हें कितने रहस्यमय विस्थापन और परीक्षण सहने होंगे।

आत्माओं को उस पूर्ण पदार्थ में पुनः प्रवेश करना होगा जिससे वे हैं

के जैसा लगना। लेकिन इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए उन्हें उन सभी सिद्धियों को विकसित करना होगा, जिनके बीज उनमें बोए गए हैं; और यदि उन्होंने एक जीवन के दौरान इस अवस्था को पूरा नहीं किया है, तो उन्हें दूसरा जीवन, तीसरा जीवन, इत्यादि शुरू करना होगा, जब तक कि वे

भगवान के साथ पुनः जुड़ने के लिए उपयुक्त स्थिति तक पहुँचें।8

पुनर्जन्म में विश्वास करने वाले एक अन्य प्रमुख यहूदी धर्मशास्त्री रब्बी मनश्शे बेन इज़राइल (1604-1657) थे। यह रब्बी ही था जिसने ओलिवर को आश्वस्त किया
क्रॉमवेल ने यहूदियों को इंग्लैंड में रहने की अनुमति देने पर अपना प्रतिबंध हटा दिया, एक नीति जो एडवर्ड प्रथम के समय से 150 वर्षों तक जारी रही थी। अपनी पुस्तक, निश्मथ हेयम में,
रब्बी मनश्शे बेन इज़राइल लिखते हैं:

आत्माओं के स्थानान्तरण का विश्वास या सिद्धांत एक ठोस और अचूक हठधर्मिता है, जिसे हमारी पूरी चर्च संगति ने एक मत से स्वीकार किया है, ताकि कोई भी इसे नकारने का साहस न कर सके.... वास्तव में, इज़राइल में कई बुद्धिमान लोग हैं इस सिद्धांत को मजबूती से पकड़ें इसलिए उन्होंने इसे एक हठधर्मिता बना दिया, एक ऐसी चीज़ जो इसके लिए मौलिक थी

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

हमारा धर्म. इसलिए हम इस हठधर्मिता को पूरी तरह से मानने और स्वीकार करने के लिए बाध्य हैं... क्योंकि इसकी सच्चाई ज़ोहर और कैबलिस्टिक्स की सभी पुस्तकों द्वारा निर्विवाद रूप से प्रदर्शित की गई है।9

पुनर्जन्म और इस्लाम

पुनर्जन्म इस्लाम की शिक्षाओं में भी शामिल है, यह धर्म पैगंबर मुहम्मद द्वारा समर्थित है। मुहम्मद का जन्म 570 ईस्वी में एक प्रमुख परिवार में हुआ था, जिन्होंने मक्का के पवित्र स्थल के संरक्षक के रूप में कार्य किया था, जिसके बारे में माना जाता है कि इसकी स्थापना पारंपरिक रूप से इब्राहीम ने की थी। मुहम्मद ने अपने नियोक्ता, खदीजा नाम की एक महिला व्यापारी से शादी की, जब मुहम्मद 25 वर्ष के थे और खदीजा 40 वर्ष की थीं। इस्लाम की पवित्र पुस्तक कुरान (या कुरान) है, जिसका अर्थ है "पाठ" या "पाठ"। संक्षेप में, कुरान एक पाठ है जो मुहम्मद के माध्यम से ईश्वर की ओर से भेजा गया था।

मुहम्मद का पहला रहस्योद्घाटन तब हुआ जब वह 40 वर्ष के थे वर्ष 610 ई. में पुराना। फिर उन्होंने छंदों को रिकॉर्ड करना शुरू किया जो समय के साथ कुरान बन गया। जैसे-जैसे यह आध्यात्मिक आंदोलन बढ़ता गया, मुहम्मद और उनके अनुयायी उत्पीड़न के शिकार होते गए, जब तक कि उन्हें 622 ईस्वी में मक्का छोड़कर मदीना भागना नहीं पड़ा।

मुहम्मद एक योद्धा और पैगंबर दोनों थे और उन्होंने कई युद्धों में अपने अनुयायियों का नेतृत्व किया। अंत में, मुहम्मद अपने अनुयायियों को मक्का, जो आज इस्लाम का सबसे पवित्र स्थल है, वापस ले आये।

कुरान में पुनर्जन्म के कई संदर्भ हैं।

आइए इनमें से कुछ उद्धरणों की समीक्षा करें।

तुम अल्लाह पर अविश्वास क्यों करते हो, जब तुम मर गए थे, तो अल्लाह ने तुम्हें जीवन दिया, फिर तुम्हें मरवाया और तुम्हें जीवित किया, फिर तुम उसी की ओर लौटाए जाओगे?12

अल्लाह ने शुरू से (इंसानों को) बनाया, फिर लौट आया (मुड़कर) उसे वापस; फिर तुम उसी की ओर लौटाए जाओगे। 13

वास्तव में, अल्लाह वनस्पति के अनाज को बढ़ाता है और

Machine Translated by Google

फलों के बीज. वह जीवित को मरे हुओं में से निकालता है, और मरे हुओं को जीवित में से निकालता है। (जिसमें ये गुण हों) वही अल्लाह है, फिर तुम फिर क्यों मुँह मोड़ते हो?

जो लोग भावनात्मक और कार्मिक रूप से जुड़े हुए हैं, वे ऐसा करेंगे उन लोगों के साथ जीवन में लौटें जिन्हें वे पहले जानते हैं। यह एक अवलोकन है जिस पर मैंने अपने शोध में काम किया है। पुनर्जन्म के बारे में उद्धरणों के अलावा, कुरान में कर्म का भी संदर्भ है:

अल्लाह किसी इंसान पर बोझ नहीं डालता बल्कि उसकी क्षमता के अनुसार उस पर बोझ डालता है। वह जिस काम के लिए (अच्छे काम) करता है उसे इनाम मिलता है और (बुरे कर्मों से) उसे सजा मिलती है।

[16]

जिस दिन हर व्यक्ति अपने सभी गुणों को उजागर कर देगा, उसी दिन उसके द्वारा किए गए बुरे कर्म भी उजागर हो जाएंगे; वह चाहता था कि उसके और उस दिन के बीच कुछ दूर का समय हो; और अल्लाह तुम्हें अपने (यातना) से डराता है। और अल्लाह अपने बंदों पर बहुत दयालु है

हम क़ियामत के दिन सही पैमाना तय करेंगे, ताकि किसी को ज़रा भी नुकसान न हो। और यदि (अभ्यास) राई के दाने जितना भारी है, तो हम उसे (इनाम) अवश्य लाएंगे। और हिसाब-किताब करने वालों के तौर पर हम काफी हैं।18

निस्संदेह हम मुर्दों को जीवित करते हैं और जो कुछ वे करते हैं उसे लिखते भी हैं करते थे और जो निशान वे पीछे छोड़ते थे। और सब कुछ हम वास्तविक मास्टर बुक (लोहमहफ़ुज़) में एकत्र करते हैं।19

कुरान में अद्भुत छंद हैं जो हमें सार्वभौमिक मनुष्य के संदर्भ में सोचने पर मजबूर करते हैं; धार्मिक संबद्धता को कम किया जाता है और किसी की भलाई को सर्वोपरि माना जाता है। निम्नलिखित के बारे में सोचें

श्लोक:

वास्तव में, ईमानवाले, यहूदी,
सबियाई और ईसाई, जो कोई (उनमें से) वास्तव में अल्लाह, अंतिम दिन पर विश्वास करता है और अच्छे कर्म करता है,

Machine Translated by Google

तब उन्हें कोई चिन्ता न रहेगी, और न वे शोक करेंगे। 20

मुहम्मद ने धर्म के विशेष अभ्यास की चेतावनी दी, जिसका उद्देश्य उनके समय में ईसाई चर्च था। मुहम्मद का कहना था कि ईश्वर को किसी के जीवन का केंद्रीय विषय होना चाहिए, न कि ईश्वर के शब्दों को बताने वाले दूत या पैगंबर। इस उद्धरण में "पुस्तक" बाइबिल को संदर्भित करती है।

ऐ किताबवालों, अपने धर्म का उल्लंघन न करो और अल्लाह के विषय में सत्य के अतिरिक्त कुछ न कहो। वास्तव में, मसीहा, मरियम का पुत्र यीशु, अल्लाह का दूत है और (उसके द्वारा बनाया गया) शब्द जो उसने मरियम को बताया, और (एक झटके के साथ) उसकी ओर से एक आत्मा है।

21

जलालुद्दीन रूमी (1207-1273) एक महान इस्लामी और सूफी कवि थे। सूफियों को इस्लाम के गूढ़ ज्ञान का धारक माना जाता है, ठीक उसी तरह जैसे कैबलिस्टों को यहूदी धर्म के छिपे हुए ज्ञान का धारक माना जाता है। रूमी ने लिखा:

मैं घास की तरह बड़ा हुआ हूं और बढ़ता ही जा रहा हूं। मैं उत्तीर्ण हुआ खनिज रूप और एक पौधे के रूप में रहते थे। मैं एक पौधे से एक जानवर बन गया। फिर मैंने पशु रूप त्याग दिया और मानव रूप धारण कर लिया। मुझे क्यों डरना चाहिए कि अगर मैं मर गया तो खो जाऊंगा?

क्योंकि मानव रूप से गुजरते हुए मुझे बालों की ढीली लटें और चमकदार परी पंख मिलेंगे। और फिर मैं वह बन जाऊँगा जो किसी ने कभी नहीं सोचा होगा। हे मुझे अब अस्तित्व में न रहने दो! क्योंकि न होने का अर्थ ही यह है कि मैं उसके पास लौट जाऊंगा।22

यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि ईसाई चर्च के पिताओं ने भी रूमी की तरह मानव विकास के मार्ग पर विचार किया था। यह दृष्टिकोण बताता है कि पौधों और जानवरों की प्रजातियाँ मानव स्तर पर आत्माओं के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम हो सकती हैं। आइए हम ईसाई चर्च फादर सिनेसियस, टॉलेमाइस के बिशप (370-430 ईस्वी) के सपनों पर उनके ग्रंथ से निम्नलिखित उद्धरण पर विचार करें:

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

"दर्शन एक पारगमन पुल के माध्यम से आत्माओं को तैयार करने की बात करता है... जब यह पहली बार पृथ्वी पर उतरती है, तो यह (आत्मा) एक जहाज़ की तरह पशु आत्मा के रूप में चढ़ती है, और इसके माध्यम से इसे पदार्थ के संपर्क में लाया जाता है।" 23

इस्लामी कवि रूमी और ईसाई चर्च के उद्धरणों में फादर सिनेसियस के अनुसार, बार-बार जन्म के माध्यम से मानव विकास का सामान्य विषय परिकल्पना और आवाज उठाई गई है।

नई विश्व व्यवस्था के संबंध में गैलीलियो और संवाद

यह देखना दिलचस्प होगा कि आज दुनिया में आ रहे पुनर्जन्म के सबूतों पर स्थापित धर्म किस तरह प्रतिक्रिया करते हैं। धार्मिक अधिकारियों के पास जानकारी से इनकार करने या इस संभावना के प्रति खुले रहने का विकल्प है कि पुनर्जन्म के मामलों में कुछ वैधता हो सकती है। इस सन्दर्भ में मैं एक और ऐतिहासिक उदाहरण देना चाहूँगा, वो हैं वैज्ञानिक और खगोलशास्त्री गैलीलियो।

गैलीलियो को तरंगों की गति में रुचि थी और उन्होंने इसे पाया तरंगों की गति निकोलस कोपरनिकस (1473-1543) के सिद्धांतों से सबसे अधिक मेल खाती थी। कॉपरनिकस ने यह सिद्धांत प्रस्तुत किया कि पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है। यह दृष्टिकोण इस धारणा का खंडन करता है कि पृथ्वी ब्रह्मांड का केंद्र है, जो कि रोमन कैथोलिक चर्च द्वारा आयोजित ब्रह्मांड विज्ञान है।

महासागरों की गति पर गैलीलियो के शोध से यह पता चला कॉपरनिकस सही था और प्राचीन धारणा वास्तविकता से मेल नहीं खाती थी। 1624 में, गैलीलियो ने डायलॉग ऑफ द टाइड्स लिखा, जिसे रोमन कैथोलिक चर्च के सेंसरशिप बोर्ड ने प्रकाशित करने की अनुमति दी, हालांकि उन्होंने इसका शीर्षक बदलकर डायलॉग ऑन द टू चीफ वर्ल्ड सिस्टम्स कर दिया।

यद्यपि दो प्रमुख विश्व व्यवस्थाओं पर संवाद था 1632 में चर्च के सेंसरशिप बोर्ड की मंजूरी के साथ प्रकाशित, गैलीलियो को "गंभीर विधर्म के आरोप" के लिए रोम में पेश होने का आदेश दिया गया था। रोमन कैथोलिक चर्च, वास्तव में, कोपरनिकस और गैलीलियो द्वारा प्रस्तावित विश्वदृष्टिकोण को नापसंद करता था, जिसने सूर्य को हमारे सौर मंडल के केंद्र में रखा था।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जहाँ पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है। चर्च ने गैलीलियो को पीछे हटने के लिए मजबूर किया उनके सिद्धांत कि सूर्य सौर मंडल के केंद्र में था और गैलीलियो को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। उन्हें और अधिक अपमानित करने और विश्वास प्रणाली पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए, रोमन कैथोलिक चर्च ने आदेश दिया कि गैलीलियो की जेल की सजा को हर विश्वविद्यालय में प्रचारित किया जाए और उनकी पुस्तक डायलॉग ऑन द टू चीफ वर्ल्ड सिस्टम्स को जला दिया जाए।

दिलचस्प बात यह है कि दिवंगत पोप जॉन पॉल द्वितीय ने 1979 में गैलीलियो मामले को फिर से खोला। तेरह साल बाद, अक्टूबर 1992 में, वैज्ञानिक दुनिया द्वारा गैलीलियो के निष्कर्षों को स्वीकार करने के सदियों बाद, रोमन कैथोलिक चर्च ने वेटिकन के 1632 के अपराध को स्वीकार किया। 1992 में, गैलीलियो द्वारा अपना लेखन प्रकाशित करने के 360 साल बाद, चर्च ने आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया कि पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है, न कि इसके विपरीत।

यह पोप पॉल द्वितीय की योग्यता है जिन्होंने इस त्रुटि को सुधारा।
यह भी बहुत महत्वपूर्ण है कि अपने सहस्राब्दी भाषण के हिस्से में, पोप जॉन पॉल द्वितीय ने पूरे इतिहास में चर्च की ओर से किए गए पापों के लिए भगवान से क्षमा मांगी।

Machine Translated by Google

2

पुनर्जन्म के सिद्धांत

और अनुसंधान डॉ. इयान स्टीवेन्सन

इस अध्याय में, डॉ. इयान द्वारा दो मामलों का अध्ययन किया गया है वर्जीनिया विश्वविद्यालय के स्टीवेन्सन। इन मामलों से पता चलता है कि चेहरे की विशेषताएं एक अवतार से दूसरे अवतार तक एक जैसी रहती हैं। इसके बाद के अध्यायों में, स्वतंत्र रूप से जांचे गए मामलों से पता चलेगा कि व्यक्तित्व लक्षण, प्रतिभा और यहां तक कि भाषाई लेखन शैली भी कायम है। पॉल गाउगिन और पिकासो के पुनर्जन्म के मामले में, हम देखेंगे कि कलात्मक आत्मा का विकास भी एक अवतार से दूसरे अवतार में दोहराया जाता है, भले ही पहले की उम्र में। इससे पता चलता है कि हम वास्तव में पिछले जन्मों की उपलब्धियों पर बने हैं। लॉरेल और हार्डी के पुनर्जन्म के मामले में, हम यह भी देखते हैं कि एक्शन कॉमेडी का विकास भी खुद को दोहरा रहा है।

स्टीवनसन के दो मुख्य मामलों को प्रस्तुत करने से पहले, मैं पुनर्जन्म के सिद्धांतों की रूपरेखा तैयार करना चाहूंगा जो इस पुस्तक में प्रस्तुत मामलों से निकाले गए हैं, जिन्हें निम्नानुसार संक्षेप में प्रस्तुत किया जा सकता है:

1. शारीरिक उपस्थिति

चेहरे की आकृति, आकृति और अनुपात जीवन-दर-जीवन एक समान प्रतीत होते हैं। शारीरिक आदतें, जैसे आसन, हाथ की हरकतें और पहने जाने वाले गहनों का प्रकार भी एक जीवन से दूसरे जीवन में सुसंगत हो सकते हैं। यहां तक कि उनके विचित्र स्व-चित्रों और तस्वीरों में कैद की गई मुद्राएं भी अक्सर जीवन-दर-जीवन समान होती हैं।

शरीर के प्रकार भी एक जैसे हो सकते हैं, हालाँकि शरीर का आकार भिन्न-भिन्न हो सकता है। व्यक्ति का शरीर कमजोर हो सकता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

एक जीवन और दूसरे में शारीरिक रूप से मजबूत।
एक व्यक्ति एक अवतार में छोटा और अगले अवतार में लंबा हो सकता है, हालांकि चेहरे की विशेषताएं, मुद्रा और हावभाव समान रहते हैं।

मैं इस सुंदरता पर टिप्पणी करना चाहता हूं। मैं इस बात पर अडिग हूं कि किसी भी चेहरे के आकार को सुंदर या मनमोहक माना जा सकता है। सुंदरता की यह धारणा मुख्य रूप से त्वचा के रंग और शारीरिक बनावट जैसे कारकों पर निर्भर करती है। उदाहरण के लिए, एक महिला एक जन्म में लंबी, पतली, सुंदर त्वचा, उत्तम मुस्कान और आकर्षक शरीर वाली हो सकती है।

इन कारकों और उनकी उपस्थिति पर उनके प्रभाव के कारण, यह महिला एक प्रमुख फैशन मॉडल या सौंदर्य रानी बन सकती है। दूसरे जन्म में, समान चेहरे की विशेषताओं वाली यह महिला खुरदरी त्वचा, गठीले शरीर और असमान दांतों के साथ पुनर्जन्म ले सकती है।

इस महिला को अब पर्यवेक्षकों द्वारा औसत दर्जे का माना जाएगा।

दरअसल, हाल ही में जिस मामले की जांच की गई थी, उसमें शामिल है
ये दिखाती हैं खूबसूरत अमेरिकी एक्ट्रेस एंजेलिना जोली। फ्रांस में लुई XIV के समय में, एक मान्यता प्राप्त पिछले जीवन में, उसे एक अनाकर्षक महिला के रूप में वर्णित किया गया था क्योंकि उसका माथा उसके चेहरे के मुकाबले बहुत ऊंचा था, उसके दांत असमान थे, उसकी त्वचा खुरदरी थी, और वह लंगड़ा रही थी क्योंकि उसका एक पैर ख़राब था। दूसरे से छोटा. उसके चेहरे का आकार एक जैसा है और एक चित्र में वह अपने वर्तमान चेहरे जैसा ही दिखता है। रिकॉर्ड के लिए, उन दिनों, जोली भी उदार थी, जैसी वह अब है, और उसने कई गरीब परिवारों का पालन-पोषण किया।

निष्कर्षतः, किसी भी चेहरे के आकार को सुंदर माना जा सकता है
या अनाकर्षक, इन कारकों पर आधारित है। मेरा मानना है कि हम किसी दिए गए जन्म में सीखे गए पाठों के आधार पर, जीवन-दर-जीवन आकर्षक और सामान्य होने के बीच वैकल्पिक रूप से काम कर सकते हैं।

रिकॉर्ड के लिए, मेरे पुनर्जन्म अनुसंधान से पता चलता है कि लगभग 10-20% मामलों में, आत्माएं लिंग बदल सकती हैं। ऐसे मामलों में भी, चेहरे का आकार अभी भी एक समान रहता है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

कुल मिलाकर, अधिकांश लोग (80-90%) एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल में लिंग नहीं बदलते हैं, और यह संभावना है कि हमारा स्वभाव या तो मर्दाना या स्त्रैण है।

जो लोग स्वभाव से पुरुषोचित होते हैं उनका पुनर्जन्म पुरुष के रूप में होता है।
जबकि जो लोग मूल रूप से स्त्रैण हैं वे स्त्री शरीर में लौटना पसंद करते हैं। हालाँकि, मुझे लगता है कि हम सभी ने समय-समय पर लिंग बदला है, यह जानने के लिए कि एक अलग लिंग होना कैसा होता है।

2. व्यक्तित्व

ऐसा प्रतीत होता है कि व्यक्तित्व के लक्षण जीवन-दर-जीवन बने रहते हैं।
एक व्यक्ति जीवन को जिस तरह से देखता है और दूसरे आपको जिस तरह से देखते हैं वह भी एक समान रहता है। हमारे व्यक्तित्व के कुछ गुण सकारात्मक हैं और हम लाभ के लिए उन्हें अपने साथ रखते हैं। जबकि कुछ अन्य व्यक्तित्व लक्षण नुकसान पहुंचा सकते हैं और जीवन भर कष्ट पहुंचा सकते हैं। ऐसा लगता है कि हमारे विकास ने हमारी प्रकृति के सबसे कठिन हिस्सों को सुचारू करने में भूमिका निभाई है।

उदाहरण के लिए, मान लीजिए कि कोई है जो स्वभाव से बहुत आक्रामक है। आक्रामक व्यक्ति होने का फायदा यह है कि यह व्यक्ति अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर लेता है। नकारात्मक पक्ष यह है कि अन्य लोग उस आक्रामक दृष्टिकोण से आहत हो सकते हैं। एक जीवनकाल या उससे अधिक की अवधि में एक आक्रामक व्यक्ति का लक्ष्य दूसरों की भावनाओं पर विचार करना सीखना है।

हालाँकि, मैंने देखा है कि व्यक्तित्व के लक्षण लगातार बने रहते हैं
कि न तो शारीरिक और न ही मानसिक बीमारी एक जीवन से दूसरे जीवन तक बनी रहती है। जो व्यक्ति पिछले जीवन में रासायनिक रूप से निर्भर थे या मानसिक बीमारी से पीड़ित थे, उनमें ये विकार बाद के जीवन में नहीं आते हैं।

आध्यात्मिक और बौद्धिक रूप से, ऐसा प्रतीत होता है कि हम वहीं हैं जहाँ हम थे
छोड़ दिया। जिन उपलब्धियों के लिए हमने अपनी आध्यात्मिक और बौद्धिक गतिविधियों में इतनी मेहनत की है, वे स्थायी हो जाती हैं - वे हमारा हिस्सा बन जाती हैं।
इसलिए, खुद को आगे बढ़ाने के हमारे प्रयास कभी व्यर्थ नहीं जाते

Machine Translated by Google

और हम जीवन-पर्यंत अपने प्रयासों के अनुसार निर्माण करते रहते हैं।
इसी तरह, प्रतिभाएँ एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल में उभर सकती हैं, लेकिन इसके विपरीत, यदि आत्मा को एक निश्चित जीवनकाल में एक अलग रास्ता अपनाने की आवश्यकता होती है, तो वे प्रतिभाएँ कभी-कभी बाधित हो जाती हैं।

भले ही हमारे पूरे जीवनकाल में आध्यात्मिक परिपक्वता और बौद्धिक विकास का स्तर समान हो, हम गरीब और अमीर, प्रसिद्ध और अज्ञात के बीच स्विच कर सकते हैं। हम बारी-बारी से सुर्खियों के अंदर या बाहर होते हैं। जीवन में हमारी स्थिति संभवतः पिछले जन्मों में हमारे द्वारा किए गए कर्मों के साथ-साथ हमारी अपनी आत्मा द्वारा निर्धारित पाठों द्वारा निर्धारित होती है। बेशक, एक पैटर्न है कि मजबूत आत्माएं मजबूत आत्मा बनकर लौटती हैं, महान कलाकार महान कलाकार बनकर लौटते हैं, और जो अतीत में प्रभावशाली थे वे अगले जीवन में फिर से ऐसा करेंगे।

जैसा कि पहले अध्याय में विस्तार से चर्चा की गई है, धार्मिक संबंध और जातीय पृष्ठभूमि जीवन-दर-जीवन बदल सकती हैं। एक आत्मा एक जीवनकाल में ईसाई हो सकती है और अगले जीवन में यहूदी या मुस्लिम हो सकती है। इससे जातीय या धार्मिक मतभेदों के कारण होने वाले संघर्षों की एक नई समझ आती है।

जब मैं व्यक्तित्व की समानताओं के बारे में बात करता हूं, तो मैंने देखा कि जिस तरह से लोग जीवन से लेकर जीवन तक नाम के आधार पर अपनी पहचान चुनते हैं, उसमें अक्सर समानताएं होती हैं।

अधिक विशेष रूप से, हमारे द्वारा चुने गए नामों की बारीकियाँ और प्रवृत्तियाँ अक्सर एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल तक समान होती हैं। बेशक, यह हमारे माता-पिता हैं जो हमें जन्म के समय नाम देते हैं, लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, हम दिए गए नाम का वह संस्करण चुन लेते हैं जैसा हम चाहते हैं। कुछ लोग अपने पहले नाम के बजाय मध्य नाम का उपयोग करना पसंद करते हैं, कुछ उपनाम पसंद करते हैं या प्रारंभिक अक्षर का उपयोग करते हैं। हम अपने नामों की विविधताएं चुनते हैं जो एक आंतरिक लय, एक ऊर्जा पैटर्न या ऊर्जा के पैटर्न को दर्शाते हैं।

Machine Translated by Google

3. लेखन शैली

जिस प्रकार व्यक्तित्व के लक्षण जीवन-दर-जीवन एक जैसे रहते हैं, उसी प्रकार व्यक्ति के अभिव्यक्त होने का तरीका भी जीवन-दर-जीवन एक समान रहता है। जॉन बी. गॉर्डन/जेफ़ कीन के मामले में, एक विश्वविद्यालय प्रोफेसर द्वारा किए गए भाषाविज्ञान के आधिकारिक विश्लेषण से पता चला कि लेखन की संरचना एक अवतार से दूसरे अवतार तक समान रह सकती है। बेशक, अलग-अलग युगों की अलग-अलग परंपराओं के कारण लेखन शैलियों में कई भिन्नताएँ हैं। हालाँकि, अभिव्यक्ति की शैली और सामग्री में एकरूपता अभी भी देखी जाती है।

जैसे चित्र जो हमें यह देखने की अनुमति देते हैं कि एक व्यक्ति जीवन-दर-जीवन एक जैसा कैसे दिखता है, ऐतिहासिक दस्तावेज़, डायरियाँ और अन्य दस्तावेज़ हमें विभिन्न अवतारों में लेखन शैलियों का अध्ययन करने की अनुमति देते हैं।
विलियम शेक्सपियर और अंग्रेजी नाटककार टॉम टेलर के बारे में इस पुस्तक में दिखाए गए दो पुनर्जन्म के मामले, अवतारों के नाटकों की रचना में शोध के लिए प्रचुर मात्रा में सामग्री प्रदान करते हैं।

4. कर्म समूह

ऐसा प्रतीत होता है कि लोग साझा कर्म और भावनात्मक बंधनों के आधार पर समूहों में जीवन जीते हैं।

जोड़े अक्सर एक साथ वापस आ जाते हैं और पूरा परिवार खुद को दोहरा सकता है। जब किसी व्यक्ति का पुनर्जन्म होता है, तो उस व्यक्ति के कर्म समूह के अन्य सदस्य उपस्थित होंगे। व्यक्ति के कर्म समूह के सदस्य की पहचान पिछले जीवन मिलान को सुनिश्चित करने में एक और महत्वपूर्ण मानदंड है।

हम अपने कर्म समुच्चय से कैसे जुड़ें?

मेरा मानना है कि इसका उत्तर भाग्य है। पिछले जीवन के मामलों का अध्ययन करते हुए, मैंने देखा है कि हम सभी की एक पूर्वनिर्धारित नियति या जीवन यात्रा होती है जो हमें उन लोगों तक ले जाती है जिनके साथ हमें रहना है। यह बेहतर ढंग से समझने के लिए कि नियति कैसे काम करती है, मैं एक यात्रा की उपमा का उपयोग करता हूँ।

अपने जीवन को एक छुट्टी के रूप में सोचें

Machine Translated by Google

वह लंबाई जिसकी आपने शुरू से योजना बनाई थी। आप तय करते हैं कि आप किसे देखना चाहते हैं और आपको किससे मिलना है, आप कहां जाना चाहते हैं और आप किन गतिविधियों में शामिल होना चाहते हैं। आप उन लोगों के साथ अपनी यात्रा का समन्वय करते हैं जिनसे आप मिलना चाहते हैं।

आप, आपके कार्मिक मित्र और प्रियजन सभी आपके जन्म से पहले ही इस योजना से सहमत थे। एक बार जब आप जीवन में आते हैं, तो नियति यह सुनिश्चित करती है कि आप अपने कर्म समूह से मिलें। कर्म संबंधों की यह व्यवस्था हमारा परिवार, कामकाजी जीवन या मनोरंजक गतिविधियाँ हो सकती है।

ये व्यवस्थाएँ वे मंच हैं जिन पर हम अपने जीवन का कर्म नाटक खेलते हैं। इससे शेक्सपियर के वाक्यांश, "जीवन केवल एक मंच है" में नया अर्थ आया।

हम जीवन के विभिन्न क्षणों में विभिन्न कर्म समुच्चय का सामना करते हैं। जब हम नई नौकरी की तलाश करना चाहते हैं, किसी नए शहर की यात्रा करना चाहते हैं, या कोई नया मनोरंजक कार्य करना चाहते हैं, तो यह अक्सर हमारे भाग्य के खेल का हिस्सा होता है। नए स्थान हमें कर्म समुच्चय की ओर ले जाते हैं जिनमें हमें भाग लेने की आवश्यकता होती है।

यदि यह सत्य है, तो हमें यह प्रश्न अवश्य पूछना चाहिए कि क्या हमारे पास स्वतंत्र इच्छा है। मेरा मानना है कि यद्यपि हम सभी के पास एक मार्ग है जिसे पहले ही रेखांकित किया जा चुका है और हमें उसका अनुसरण करना चाहिए, लेकिन रास्ते में हम जो भी करते हैं उस पर हमारी स्वतंत्र इच्छा होती है। वास्तव में, मानव विकास और विकास स्वतंत्र इच्छा के बिना नहीं हो सकता। कुछ लोगों के पास अधिक संरचित मार्ग हो सकता है जो बग़ल में सीमित होता है, जबकि अन्य के पास खेल के कम संरचित नियम होते हैं।

हालाँकि, हम अभी भी अपने भाग्य के पथ पर स्वतंत्र इच्छा रखते हैं।

कार्मिक समुच्चय डेजा वू के अनुभव में अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। यदि हम ऐसे लोगों से मिलते हैं जिन्हें हम पिछले जन्मों में जानते हैं, तो यह आश्चर्य की बात नहीं है कि जब हम मिलते हैं तो हमारे पास पहचान की चमक होती है।

चूँकि लोगों के व्यवहार के पैटर्न सुसंगत होते हैं, इसलिए ऐसी स्थितियाँ उत्पन्न होने पर हम अद्वितीय लक्षणों और प्रतिक्रियाओं की पहचान कर सकते हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

वापस करना। अंततः, डेजा वु तब घटित हो सकता है यदि हम किसी ऐसी घटना को पहचान लें जो हमारे जीवन के ताने-बाने का हिस्सा है। हम अपने रास्ते में एक सड़क चिह्न के बारे में जानते होंगे जिसकी रूपरेखा तैयार की गई है।

5. पिछले जीवन के प्रतीक, समकालिक घटनाएँ और उत्सव की घटनाएँ

पिछले जीवन अनुसंधान में एक सामान्य विशेषता यह है कि पिछले जीवन के प्रतीक आमतौर पर व्यक्ति के वर्तमान अवतार में पाए जाते हैं और घटित होने वाली समकालिक घटनाएं पिछले जीवन के रिश्तों को मजबूत करती प्रतीत होती हैं। मेरे व्यक्तिगत मामले में, कई "संयोग" घटनाएँ हैं जो बोस्टन में अमेरिकी क्रांति के नेता जॉन एडम्स के रूप में मेरे पिछले जीवन से जुड़ती प्रतीत होती हैं। उदाहरण के लिए, मैंने पहली बार सार्वजनिक रूप से अपने पिछले जीवन के बारे में मैसाचुसेट्स के "पब्लिक हाउस" में बात की थी, जिसे 1711 में रिवोल्यूशनरी ट्रिंकेट से भरे कमरे में बनाया गया था। बिल क्लिंटन, जॉर्ज डब्ल्यू के पुनर्जन्म मामलों की तस्वीरें।

बुश, अल गोर और मुझे जॉन एडम्स के जन्मदिन पर व्हाइट हाउस में तत्कालीन राष्ट्रपति क्लिंटन के हाथों में सौंपा जाना चमत्कारी है। अनजाने में, मैंने जॉन एडम्स के जन्मदिन पर अपनी पुस्तक रिटर्न ऑफ़ द रेवोल्यूशनरीज़ पर भी हस्ताक्षर किए, अगले दिन तक इस समकालिक हस्ताक्षर से अनजान।

6. कुछ भौगोलिक स्थानों में रुचि

व्यक्ति अक्सर पिछले जन्मों के भूगोल में रुचि रखते हैं। कई मामलों में, यह देखा जा सकता है कि लोग उन जगहों पर लौट जाते हैं जहां वे पहले रहते थे। कोई व्यक्ति इन क्षेत्रों में निवास कर सकता है या छुट्टियों के दौरान इन स्थानों पर जा सकता है। कुछ मामलों में, ऐसा प्रतीत होता है कि आत्मा किसी परिचित स्थान की चाहत रखती है। अन्य मामलों में, आत्मा निर्देशित कर सकती है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

पिछले जन्मों की याद दिलाने या आध्यात्मिक जागृति में सहायता करने के लिए व्यक्ति को एक विशेष स्थान पर ले जाना। रॉबर्ट स्नो और जेफरी कीन के मामले बताते हैं कि कैसे भौगोलिक स्थानों के सुराग पिछले जीवन के रहस्योद्घाटन का कारण बन सकते हैं।

7. स्मृति

पिछले जन्मों की यादें उस व्यक्ति पर गहरा प्रभाव डाल सकती हैं जो उन्हें अनुभव करता है। यादें अनायास या पिछले जीवन के प्रतिगमन के माध्यम से उत्पन्न हो सकती हैं*। रिग्रेशन थेरेपी में, चिकित्सक व्यक्ति को गहन विश्राम के चरण में मार्गदर्शन करता है। व्यक्ति को उस समय में लौटने के लिए निर्देशित किया जाता है जब पिछले जन्मों का अनुभव किया गया था या याद किया गया था। यादें, चाहे सहज हों या प्रतिगमन के माध्यम से अनुभव की गई हों, व्यक्तिपरक होती हैं। अकेले खड़े होकर ये यादें कमज़ोर ही होती हैं

उन लोगों के लिए पुनर्जन्म का प्रमाण जिन्होंने इसका अनुभव नहीं किया है। हालाँकि, जब ये यादें ऐतिहासिक शोध और दोबारा जांच के माध्यम से प्राप्त वस्तुनिष्ठ तथ्यों द्वारा समर्थित हैं, वे इसके ठोस सबूत प्रदान कर सकते हैं
पुनर्जन्म.

वर्जीनिया विश्वविद्यालय के मनोचिकित्सक डॉ. इयान स्टीवेन्सन ने बच्चों द्वारा अपने पिछले जीवन को याद करने के हजारों मामलों का विस्तार से संकलन और अध्ययन किया है।
अपने काम में, डॉ. स्टीवेन्सन प्रमाण देने के लिए वर्तमान और पिछले जीवन के स्थानों की यात्रा करते हैं
पिछले जन्मों के बारे में विस्तार से बताया गया। दो प्रमुख मामले जो डॉ. स्टीवेन्सन, जो
प्रदर्शित किया गया कि चेहरे की विशेषताएं एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल तक एक समान रहती हैं,
नीचे प्रस्तुत किया जाएगा. इससे पहले कि हम इन दो मामलों पर गौर करें, मैं पुनर्जन्म के बारे में पूछे जाने वाले दो बहुत ही सामान्य प्रश्नों का उत्तर देना चाहता हूं।

---

* यहां रिग्रेशन का तात्पर्य उस थेरेपी से है जिसमें एक व्यक्ति रिग्रेशन थेरेपिस्ट के मार्गदर्शन में आराम और सचेत अवस्था में पिछले जीवन की यादों को उजागर कर सकता है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

यदि पुनर्जन्म वास्तविक था, तो इस समय जनसंख्या कैसे बड़ी हो सकती है?

यदि पुनर्जन्म का सिद्धांत सत्य है, तो आज ग्रह पर अतीत की तुलना में अधिक लोग कैसे हो सकते हैं? इस प्रश्न का उत्तर देने का सबसे आसान तरीका अवतार की आवृत्ति है। अतीत में, जब पृथ्वी पर जनसंख्या बहुत कम थी, शायद आत्माएँ हर कुछ सौ वर्षों में केवल एक बार ही अवतरित हो पाती थीं। वर्तमान जनसंख्या के साथ, आत्माएँ अधिक बार, लगभग निरंतर रूप से अवतार ले सकती हैं।

प्रत्येक व्यक्ति पिछले जन्म में प्रसिद्ध क्यों होता है?

वास्तव में, अधिकांश लोग अपने पिछले जीवन में प्रसिद्ध व्यक्ति नहीं थे, हालाँकि प्रसिद्ध लोगों को निश्चित रूप से हर किसी की तरह पुनर्जन्म लेना पड़ता है।

यह सच है कि जिन आत्माओं ने पिछले जन्मों में बहुत प्रभाव डाला है, उनके बाद के जीवन में भी महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना है, क्योंकि ये आत्माएं एक अवतार से दूसरे अवतार में अपने कौशल को अपने साथ ले जाती हैं। यह पिकासो, एपीजे अब्दुल कलाम, विक्रम साराभाई, शाहरुख खान, रेखा, अमिताभ बच्चन और जया बच्चन के पुनर्जन्म के मामलों में दिखाया गया है।

व्यक्ति उन्हें कोई ऐसा व्यक्ति समझने की भूल कर सकते हैं जो अतीत में दो कारणों से प्रसिद्ध था।

सबसे पहले, वे पिछले जीवन में किसी प्रसिद्ध व्यक्ति को जानते होंगे और अपने पिछले जीवन की पहचान की पुष्टि करने की कोशिश में, वे उस प्रसिद्ध व्यक्ति को अपनी वास्तविक अतीत की पहचान समझने की गलती करते हैं। उदाहरण के लिए, क्लियोपेट्रा होने के बजाय, कोई क्लियोपेट्रा का परामर्शदाता या मित्र हो सकता है। मैं इस प्रकार के बेमेल को "बेंचमार्क केस" कहता हूं, जिसमें प्रसिद्ध व्यक्ति स्थान और समय के संदर्भ में किसी व्यक्ति के अवतार के लिए एक बेंचमार्क के रूप में कार्य करता है।

ग़लतियाँ इसलिए भी हो सकती हैं क्योंकि कोई मशहूर व्यक्ति किसी के लिए मार्गदर्शक का काम कर सकता है। हम सब के पास है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

मार्गदर्शक आत्माएँ जो हमारे जीवन में हमारी मदद करने का प्रयास करती हैं। जिन परिवारों की मृत्यु हो चुकी है और जिन लोगों के साथ हमारे पिछले जन्मों में घनिष्ठ संबंध रहे हैं, वे मार्गदर्शक आत्माओं के रूप में कार्य कर सकते हैं। कभी-कभी, लोग मार्गदर्शक आत्मा को अपना पिछला अवतार समझने की भूल कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, एक व्यक्ति लियोनार्डो दा विंची के कला स्टूडियो और वर्तमान में उनका सहायक रहा होगा

अवतार लियोनार्डो इस व्यक्ति के लिए एक मार्गदर्शक भावना के रूप में कार्य करता है। इस व्यक्ति ने कला में अपना करियर बनाया और कई बार लियोनार्डो से प्रेरणा ली, जिन्होंने दूसरी ओर से इस व्यक्ति का मार्गदर्शन किया। यह व्यक्ति तब विश्वास करना शुरू कर देता है कि वह वास्तव में अपने पिछले जीवन में लियोनार्डो दा विंची था, इस तथ्य के बावजूद कि लियोनार्डो उसकी मार्गदर्शक आत्मा की भूमिका निभा रहा है।

अब जब ये मुद्दे साफ़ हो गए हैं, तो आइए जाँच करें बच्चों में सहज स्मृतियों से जुड़े पुनर्जन्म के मामले।

डॉ. इयान स्टीवेन्सन द्वारा पुनर्जन्म अनुसंधान

अपने करियर में, डॉ. स्टीवेन्सन वर्जीनिया विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मेडिसिन में मनोचिकित्सा विभाग के प्रमुख के रूप में कार्य करते हैं, और उन्हें संस्थान में मनोचिकित्सा के कार्लसन प्रोफेसर के रूप में भी सम्मानित किया जाता है। चालीस वर्षों से, डॉ. स्टीवेन्सन उन बच्चों की जांच कर रहे हैं जो अपने पिछले जीवन को याद करते हैं। इनमें से अधिकतर मामले एशिया, भारत या अन्य क्षेत्रों से आते हैं जहां पुनर्जन्म के सिद्धांत को स्वीकार किया जाता है। उन स्थानों पर जहां पुनर्जन्म एक स्वीकृत विश्वास प्रणाली नहीं है, यह माना जाता है कि माता-पिता बच्चों को पिछले जीवन की यादों की अभिव्यक्ति को रोकते हैं। इयान स्टीवेन्सन द्वारा अध्ययन किए गए किशोर मामलों में एक सामान्य पैटर्न होता है, जो निम्नलिखित विशेषताओं द्वारा पहचाना जाता है:

• जैसे ही बच्चा संवाद करना शुरू कर देता है, बच्चा पिछले जीवन का वर्णन करना शुरू कर देता है। अक्सर बच्चा कहता है कि उसका नाम दिए गए नाम से अलग है

Machine Translated by Google

बच्चे को उसके जैविक माता-पिता द्वारा। बच्चा इस बात पर ज़ोर देता है कि उसका वर्तमान परिवार उसका असली परिवार नहीं है, बल्कि उसका असली परिवार दूसरे गाँव या कस्बे में रहता है। आमतौर पर बच्चा अपने पिछले जीवन के परिवार के कुछ सदस्यों के नाम याद रखने में सक्षम होता है। उस घर और आसपास के वातावरण की भौतिक विशेषताओं को भी याद किया जा सकता है जहां बच्चा पिछले जन्म में रहा था।

• बच्चे को पिछले जन्म में अपनी मृत्यु का विवरण याद रहता है। डॉ. पुनर्जन्म के लगभग 50% मामले। स्टीवेन्सन के अनुसार, पिछले जन्म में असामयिक या दुखद मृत्यु हुई थी।

डॉ. स्टीवेन्सन ने पाया कि जो व्यक्ति गोली या चाकू के घाव जैसी दर्दनाक चोटों से मरते हैं, वे अक्सर बाद के अवतारों में उन घावों के साथ पुनर्जन्म लेते हैं जो पिछले जन्मों के निशानों को प्रतिबिंबित करते हैं। आज के जीवन में, बच्चों को अक्सर पिछले जीवन में मृत्यु के कारण से संबंधित भय होता है।

• पिछले अवतार के बच्चे के परिवार की अंततः पहचान कर ली गई। जब बच्चा पहली बार इस परिवार से मिलता है तो वह परिवार के सदस्यों के नाम और उनके रिश्तों को पहचानने में सक्षम होता है। बच्चे अक्सर पारिवारिक रहस्य जानते हैं जो केवल परिवार के पिछले सदस्य ही जानते थे।

परिणामस्वरूप, पिछले जन्मों के परिवार अक्सर बच्चे को अपने मृत परिवार के पुनर्जन्म के रूप में स्वीकार करते हैं। वर्तमान अवतार के बच्चे के जैविक माता-पिता अक्सर डरते हैं कि बच्चा पिछले जन्म के परिवार की खातिर उन्हें छोड़ देगा, जब बच्चे और पिछले परिवार के बीच का बंधन इतना मजबूत हो गया था। यह डर निराधार साबित होता है, क्योंकि बच्चे और उसके वर्तमान माता-पिता के बीच संबंध कायम रहता है। हालाँकि, आमतौर पर बच्चे और उसके परिवार के बीच उसके अतीत से दीर्घकालिक संबंध स्थापित होते हैं।

• व्यक्तित्व के लक्षण, प्राथमिकताएँ और आदतें अक्सर एक अवतार से दूसरे अवतार में बनी रहती हैं।

• कई मामलों में रिपोर्ट की गई शारीरिक बनावट अक्सर एक जैसी होती है। 95% मामलों में डॉ. इयान स्टीवेन्सन, पुत्र वापस आ जाते हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

पिछले जीवन के समान ही लिंग। इस प्रकार, केवल 5% मामलों में ही एक जीवन से दूसरे जीवन में लिंग परिवर्तन होता है।

1998 में, डॉ. स्टीवेन्सन ने उन मामलों की दोबारा जांच की जिनका उन्होंने बीस साल पहले अध्ययन किया था। इनमें से दो मामलों में, पिछले जीवन के व्यक्तियों की तस्वीरें उपलब्ध हैं। इन छवियों से पता चलता है कि वयस्कता के बाद, शारीरिक उपस्थिति एक जीवन से दूसरे जीवन तक सुसंगत रहती है। आइए इन दो मामलों की समीक्षा करें, जो लेबनान से निकले और डॉ. स्टीवेन्सन के बारे में एक पुस्तक में संक्षेप में प्रस्तुत किए गए

टॉम श्रोडर द्वारा ओल्ड सोल्स।

हनान मोनसूर/सुजैन घनेम का मामला

हनान का जन्म 1930 के दशक के मध्य में लेबनान में हुआ था।

जब लड़की बीस वर्ष की थी, तो उसने लेबनान के एक संपन्न परिवार के सदस्य फारूक मंसूर से शादी कर ली। इस जोड़े की दो बेटियाँ हैं, जिनका नाम लीला और गलारेह है। हानान का नबीह नाम का एक भाई था, जो लेबनानी समाज में प्रतिष्ठित था, लेकिन एक हवाई जहाज दुर्घटना में उसकी युवावस्था में ही मृत्यु हो गई।

अपनी दूसरी बेटी को जन्म देने के बाद, हनान को दिल की समस्या हो गई और उसके डॉक्टरों ने उसे और बच्चों को जन्म न देने की सलाह दी। चेतावनी पर ध्यान देते हुए, हनान 1962 में तीसरे बच्चे, एक लड़के, के साथ गर्भवती हो गई। 1963 में, अपने भाई, नबीह की मृत्यु के तुरंत बाद, हनान का स्वास्थ्य बिगड़ने लगा। हनान बात करने लगा कि वह जल्द ही मर जाएगा। हनान के पति फ़ारूक ने कहा कि हनान ने उससे कहा था कि "उसका पुनर्जन्म होगा और उसके पास अपने पिछले जीवन के बारे में बताने के लिए बहुत कुछ होगा।"1 यह हनान की मृत्यु से दो साल पहले हुआ था। 36 साल की उम्र में, हनान दिल की सर्जरी कराने के लिए रिचमंड, वर्जीनिया गए। ऑपरेशन से पहले हनान ने अपनी बेटी लीला को कॉल करने की कोशिश की, लेकिन कॉल नहीं लग सकी।

ऑपरेशन के अगले दिन जटिलताओं के कारण हनान की मृत्यु हो गई।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

हनान की मृत्यु के दस दिन बाद, सुज़ैन घनम का जन्म हुआ।

सुज़ैन की माँ ने इयान स्टीवेन्सन को बताया कि सुज़ैन के जन्म से कुछ समय पहले, "मैंने सपना देखा था कि मुझे एक बेटी होने वाली है।

मैं एक महिला से मिला और मैंने उसे चूमा और गले लगाया। उन्होंने कहा, 'मैं आपके पास आऊंगा.' इस महिला की उम्र करीब चालीस साल है. बाद में, जब मैंने हनान की तस्वीर देखी, तो मुझे लगा कि वह मेरे सपने वाली महिला की तरह दिखती है।''2 दूसरे शब्दों में, सुजैन घनेम की मां ने एक सपना देखा था कि उनका एक बच्चा होगा जो हनान मोंसूर की तरह दिखता है, और यह सपना आया सत्य।

16 महीने की उम्र में, सुज़ैन ने रिसीवर पकड़ लिया जैसे कि वह उसमें बात करने की कोशिश कर रही हो और बार-बार बोली, "हैलो, लीला?" उसका परिवार नहीं जानता कि लीला कौन है।

जब वह बड़ी हुई, तो सुज़ैन ने बताया कि लीला उसके बच्चों में से एक थी, और वह सुज़ैन नहीं, बल्कि हनान थी। उसके परिवार ने पूछा, "हनान क्या?" सुज़ैन ने उत्तर दिया, "मेरा सिर अभी भी छोटा है।

इसके बड़े होने तक प्रतीक्षा करें, और शायद मैं आपको बता सकूं।"3 जब वह दो साल का था, तो उसने अपने अन्य बच्चों के नाम, अपने पति फारूक का नाम और अपने पिछले जीवन के माता-पिता और भाइयों के नाम का उल्लेख किया। —

कुल मिलाकर तेरह नाम हैं।

सुज़ैन के पिछले परिवार, परिचितों का पता लगाने के प्रयास में घनेम परिवार उस शहर में खोज करता है जहां मॉनसौर रहते हैं। जब उन्होंने मामले के बारे में सुना, तो मोनसोर्स ने सुज़ैन से मुलाकात की। मोनसोर्स को शुरू में छोटी लड़की के बयान पर संदेह हुआ। उन्हें तब विश्वास हुआ जब सुज़ैन ने हनान के सभी रिश्तेदारों को पहचान लिया, उनकी ओर इशारा किया और उनके नाम सही-सही बताए। सुज़ैन को यह भी पता चला कि हनान ने दिल की सर्जरी से पहले वर्जीनिया में अपनी बड़ी बहन, हरक्यूल को अपने गहने दे दिए थे, और हनान ने अपनी बहन से गहने अपनी बेटियों को वितरित करने के लिए कहा था। मोनसौर के बाहर किसी को भी आभूषण के बारे में कुछ भी पता नहीं था।

इससे पहले कि वह पढ़ या लिख पाती, सुज़ैन ने एक कागज़ के टुकड़े पर एक फ़ोन नंबर काट दिया था। बाद में जब

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

परिवार मोनसूर के घर गया, उन्होंने पाया कि फोन नंबर मोनसूर परिवार से मेल खाता था, सिवाय इसके कि अंतिम दो अंक उलटे थे।

एक बच्चे के रूप में, सुज़ैन हनान की बहन, नबीह के अंतिम संस्कार में बोला गया भाषण सुना सकती थी। सुज़ैन के परिवार ने पाठ को रिकॉर्ड किया, हालाँकि अंततः टेप खो गया।

पांच साल की उम्र में सुजैन ने फारूक को दिन में तीन बार फोन किया। जब सुज़ैन फ़ारूक से मिलने जाती थी, तो वह उसकी गोद में बैठ जाती थी और अपना सिर उसकी छाती पर रख देती थी। 25 साल की उम्र में भी सुज़ैन फ़ारूक को बुला रही हैं। फ़ारूक, एक पुलिस अधिकारी, ने सुज़ैन को अपनी दिवंगत पत्नी, हनान के पुनर्जन्म के रूप में स्वीकार किया है।

इस निष्कर्ष का समर्थन करने के लिए, फ़ारूक बताते हैं कि तस्वीरों से, सुज़ैन उन लोगों की सटीक पहचान कर सकती हैं जिन्हें वे एक बार जानते थे, और विभिन्न जानकारी सीख सकते हैं जो केवल हनान को पता है।

रशीद खडगे/डैनियल जर्दी का मामला

रशीद खड्देगे एक वाहन मैकेनिक हैं जो लेबनान के कफ़रमत्ता नामक कस्बे में रहते हैं। राशिद का जन्म 1943 में हुआ था। जब वह 25 साल के थे, तब इब्राहिम नाम के एक दोस्त ने उन्हें कार से जाने के लिए उठाया था। इब्राहिम ने भूमध्य सागर की ओर अपनी कार तेज कर दी और मिलिट्री कोस्ट नामक स्थान पर उसने वाहन से नियंत्रण खो दिया। राशिद को कार से फेंक दिया गया, सिर पर चोट लगी और तुरंत उसकी मौत हो गई।

एक वर्ष से अधिक समय के बाद, डेनियल जुर्डी का जन्म हुआ। डेनियल के शुरुआती शब्द "इब्राहिम" हैं। दो साल की उम्र में उन्होंने अपनी मां लतीफे से कहा, "मैं घर जाना चाहता हूं।" ढाई साल की उम्र में डेनियल ने बयान दिया था, ''यह मेरा घर नहीं है। तुम मेरी माँ नहीं हो. मेरे पिता नहीं हैं. मेरे पिता मर चुके हैं.'' डैनियल की मां याद करती हैं, ''वह यूसुफ को डैड नहीं कहना चाहते थे.''

"उसने उसे उसके सीधे नाम से बुलाया।" डेनियल ने आगे कहा, 'मेरे पिता नईम हैं।' नईम रशीद खडगे के पिता का नाम है।4

ढाई साल की उम्र में, एक परिवार के साथ बाहर घूमने पर, एक रिश्तेदार ने कफ़रमट्टा शहर का नाम उच्चारण करने की कोशिश की। डैनियल

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

तुरंत काटा गया और शहर का नाम सही ढंग से उच्चारित किया गया।
जब उसके पिता ने पूछा कि वह शहर का नाम कैसे जानता है, तो डैनियल ने उत्तर दिया, "मैं कफ़रमट्टा से हूं।"5

जब डैनियल और उसकी माँ बेरूत में गाड़ी चला रहे थे, वे मिलिट्री बीच नामक समुद्र के किनारे से गुज़रे। डैनियल ने अपनी आँखें बंद कर लीं, उन्हें दोनों हाथों से ढक लिया और रोने लगा। फिर वह चिल्लाया, "मैं यहीं मर जाता था!"6 डैनियल ने यह भी कहा कि अपने पिछले जीवन में वह एक मैकेनिक था।

हादसे के बारे में डेनियल ने कहा कि इब्राहिम तेज गति से गाड़ी चला रहा था और उसने कार से नियंत्रण खो दिया. डैनियल ने कहा, "मैं कार से बाहर उछला और सबसे पहले नीचे उतरा।"

जब पीड़ित की मदद के लिए मदद आई, तो डैनियल ने कहा कि उसने किसी को यह कहते हुए सुना, "इसे छोड़ दो, यह मर चुका है।"7

किंडरगार्टन में, डैनियल ने शिक्षकों को बताया कि उसका नाम राशिद खडगेगे था। एक किंडरगार्टन स्कूल की एक अन्य घटना में, छोटे डैनियल ने एक आकर्षक युवा शिक्षक की चुटकी ली और एक चुटीली टिप्पणी की। आख़िरकार, डैनियल के पिता किसी ऐसे व्यक्ति की जांच करने के लिए केफ़रमाटा में एक परिचित को भेजते हैं, जो मिलिट्री बीच पर एक कार दुर्घटना में मरने वाले मैकेनिक के डैनियल के विवरण में फिट बैठता है। खड्डुगे के परिवार ने कहानी सुनी और डैनियल से मुलाकात की।

जब इयान स्टीवेन्सन ने 1979 में दोनों परिवारों का साक्षात्कार लिया,
दोनों ने कहा कि उनकी शुरुआती मुलाकात में डेनियल ने तुरंत राशिद की बहन नजला को पहचान लिया और तुरंत उसका नाम बताया। जब दोनों परिवार मिले तो डेनियल ने अपनी मां से मेहमानों के लिए केले लाने को कहा। राशिद को केले खाना पसंद है, जबकि उसकी माँ और बहनों ने राशिद की मौत के बाद केले खाना बंद कर दिया, क्योंकि केले उन्हें राशिद की मौत के दुःख की याद दिलाते हैं।

बाद में, कफ़रमट्टा की यात्रा के दौरान, डैनियल ने इब्राहिम को, साथ ही रशीद के शिकार साथी जिजाद को भी पहचान लिया।

राशिद परिवार ने डेनियल को पिछले जन्म से अपने बेटे के रूप में स्वीकार कर लिया था। उन्होंने डेनियल की फोटो लगा दी

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

उनके घर और डैनियल के लिए एक बिस्तर उपलब्ध कराया, जो महीने में एक या दो बार आता था। डेनियल शादीशुदा है और अकाउंटेंट के तौर पर काम करता है।

डेनियल को कार रेसिंग का शौक है, जो मिलिट्री बीच पर हुई दुर्घटना में राशिद को हुए मनोवैज्ञानिक आघात को स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

डॉ. स्टीवेन्सन ने लगभग 3,000 मामलों का अध्ययन किया है जिनमें बताया गया है कि बच्चे पिछले जन्मों को याद करने में सक्षम हैं। डॉ।

वैध मामलों पर विचार करने के लिए स्टीवेन्सन के पास सख्त मानदंड हैं और उन्होंने जिन 3,000 मामलों की जांच की, उनमें से लगभग एक हजार प्रामाणिक के रूप में उनके मानदंडों पर खरे उतरे। भले ही डॉ. स्टीवेन्सन ने अपने शोध के शुरुआती वर्षों में शारीरिक उपस्थिति अनुकूलता पर ध्यान केंद्रित नहीं किया था, सुज़ैन घनेम, डैनियल जुर्डी और अन्य के मामलों ने उन्हें अपने दृष्टिकोण को संशोधित करने के लिए प्रेरित किया है।

हनान मोनसूर और सुजैन घनम के चेहरे की बनावट, चेहरे की विशेषताएं समान हैं। राशिद खडगे और डेनियल जुर्डी के चेहरे के फीचर्स भी एक जैसे हैं। इस अध्याय के अंत में खडगे और जुर्डी की तुलना करने वाली एक तस्वीर संलग्न है। हनान मोनसूर और सुजैन घनम के चेहरों में समानताएं देखने के लिए, कृपया टॉम श्रोड की पुस्तक ओल्ड सोल्स देखें। अपनी पुस्तक, व्हेयर बायोलॉजी एंड रीइंकार्नेशन इंटरसेक्ट में डॉ.

स्टीवेन्सन का सुझाव है कि भविष्य के शोधकर्ताओं को "विषयों और पिछले व्यक्तित्वों के बीच चेहरे की समानता" का व्यवस्थित रूप से अध्ययन करना चाहिए।8

डॉ. स्टीवेन्सन पुनर्जन्म के वैज्ञानिक अनुसंधान में अग्रणी थे।

उनका ट्वेंटी केसेस सजेस्टिव ऑफ रीइंकार्नेशन, जो पहली बार 1966 में प्रकाशित हुआ, एक क्लासिक है। वास्तव में, मैं यह कहने का साहस करता हूं कि जो कोई भी ट्वेंटी केस पढ़ता है

खुले दिमाग से पुनर्जन्म में निश्चित रूप से विश्वास करेंगे।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

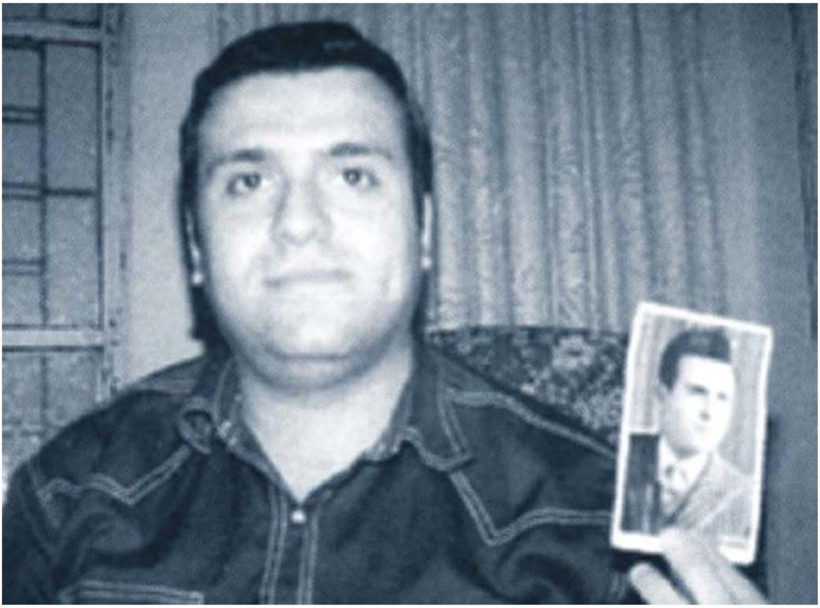

टॉम श्रोडर का योगदान

रशीद खडगे की तस्वीर पकड़े हुए डेनियल जुर्डी।
जुर्डी को बचपन से ही अपने पिछले जन्म में खड्देगे होने की यादें रही हैं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

3

ऐनी फ्रैंक का पुनर्जन्म

पुनर्जन्म के सबसे प्रभावशाली मामलों में से एक
संस्कृति बारब्रो कार्लेन का मामला है, जिनके साथ मैंने वर्षों से लगातार प्रस्तुतियाँ दी हैं।

मैं पहली बार बारब्रो से 2000 में मिला था और अब मैं उसे एक अच्छा दोस्त मानता हूं। मैंने उनकी कहानी कई बार सुनी है और अब मैं इसे आपके साथ साझा करना चाहता हूं।

ऐनी फ़्रैंक की मृत्यु बर्गेन के बेलसन एकाग्रता शिविर में हुई
1945. 10 साल बाद, 1954 में, बारब्रो कार्लेन का जन्म स्वीडन में ईसाई माता-पिता के यहां हुआ था।
जब वह तीन साल से कम उम्र की थी, तब बारब्रो ने अपने माता-पिता को बताया कि उसका नाम बारब्रो नहीं, बल्कि ऐनी फ्रैंक है। बार्ब्रो के माता-पिता को बिल्कुल पता नहीं था कि ऐनी फ्रैंक कौन थी, क्योंकि ऐनी फ्रैंक: डायरी ऑफ ए यंग गर्ल नामक पुस्तक, जिसे द डायरी ऑफ ऐनी फ्रैंक के नाम से भी जाना जाता है, अभी तक स्वीडन में प्रकाशित नहीं हुई थी।

बारब्रो ने कहा कि उसके माता-पिता चाहते थे कि वह उन्हें "मा और पा" कह कर बुलाए, लेकिन बारब्रो जानता था कि वे उसके असली माता-पिता नहीं हैं। बारब्रो ने अपनी मां से यहां तक कहा कि उसके असली माता-पिता जल्द ही आएंगे और उसे घर ले आएंगे। एक बच्चे के रूप में, बारब्रो ने अपने माता-पिता को ऐनी के रूप में अपने जीवन के विवरण के बारे में बताया, जिसे उसके माता-पिता ने काल्पनिक माना। बार्ब्रो को भी बचपन में बुरे सपने आते थे, जिसमें कई लड़के सीढ़ियों से ऊपर भागते थे और परिवार के ठिकाने की अटारी की ओर जाने वाले दरवाजे में लात मारते थे। बार्ब्रो को वर्दीधारी लोगों से डर था, नट्स के प्रति घृणा थी, जिसे फ्रैंक्स खाते थे

Machine Translated by Google

लगभग दो वर्षों तक जीवित रहने के लिए, और वह केवल स्नानघर में स्नान करता था, शॉवर में नहीं।

बार्ब्रो की यादों ने उसके माता-पिता और एक समय उन्हें भी चिंतित कर दिया एक मनोचिकित्सक से उसकी जाँच करायी। हालाँकि, तब तक बार्ब्रो को पता चल गया था कि जिस दूसरी दुनिया में वह रहता था, ऐनी फ्रैंक की दुनिया के बारे में बात करना मूर्खतापूर्ण होगा, जब उसे एहसास हुआ कि जब वह अपनी यादों का वर्णन करता है तो हर कोई "तनावग्रस्त हो जाता है"। इसलिए जब वह मनोचिकित्सक से मिलती है, तो वह ऐनी के रूप में उसकी स्मृति का उल्लेख नहीं करता है, इसलिए उसे पूरी तरह से सामान्य छोटी लड़की माना जाता है।

जब बार्ब्रो किशोरी थी, तब वह भ्रमित हो गई थी उसके स्कूल शिक्षक ने कक्षा में ऐनी फ्रैंक के बारे में बात करना शुरू कर दिया। शिक्षक ऐनी फ़्रैंक के बारे में कैसे जान सकते थे? इसके अलावा, बार्ब्रो को यह एहसास होने लगा कि ऐनी फ्रैंक एक प्रसिद्ध व्यक्ति थीं। यह कैसे हो सकता है? जैसा कि बार्ब्रो ने बाद में कहा, उस समय एक बच्चे के रूप में, "यह सब मैं नहीं समझ सकता।" कल्पना कीजिए कि बार्ब्रो के लिए यह कितना कठिन रहा होगा जिसके पास सहज यादें थीं और उनके बारे में बात करने के लिए कोई नहीं था; कैरल बोमन की तरह कोई भी, उसके भ्रम और बुरे सपनों से उबरने में उसकी मदद नहीं कर सकता था।

बार्ब्रो को अपना पहला प्रमाण ऐनी फ्रैंक के रूप में तब मिला जब वह 10 वर्ष की थी, जिसका वर्णन उसने अपनी पुस्तक, एंड द वॉल्व्स हाउल्ड में किया है। जो कुछ हुआ मैं दोबारा बताऊंगा.

जब वह दस वर्ष का था, तो बार्ब्रो के माता-पिता ने उसे अपने पास ले लिया यूरोप के मुख्य शहरों में छुट्टियाँ। ऐसा ही एक पड़ाव एम्स्टर्डम था, वह शहर जहां फ्रैंक्स रहते थे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, ओटो फ्रैंक और उनके परिवार को उस इमारत के अटारी में छिपने के लिए मजबूर होना पड़ा जहां ओटो काम करता था, क्योंकि नाजियों ने नीदरलैंड पर आक्रमण किया था और यहूदियों पर अत्याचार किया था। फ्रैंक्स इसी में छिप गये

लगभग 2 वर्षों तक अटारी में रहे, जब तक कि वे नाजियों द्वारा नहीं पाए गए, गिरफ्तार किए गए और एकाग्रता शिविरों में नहीं भेजे गए। एकमात्र जीवित बचे पिता ओटो फ्रैंक थे, जिन्हें बाद में अपनी बेटी ऐनी की डायरी मिली, जिसे उन्होंने बाद में प्रकाशित किया। युद्ध के बाद छिपने की जगह

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

इसे एक संग्रहालय में बदल दिया गया और इसका नाम ऐनी फ्रैंक हाउस रखा गया।

जब बारब्रो दस वर्ष की थी, तब ऐनी फ्रैंक की डायरी प्रकाशित हुई थी और एम्स्टर्डम में रहते हुए, उसके पिता ऐनी फ्रैंक हाउस का दौरा करना चाहते थे। होटल में उसने फोन उठाया और उन्हें वहां ले जाने के लिए टैक्सी मांगी। लेकिन बार्ब्रो ने अचानक कहा, "हमें टैक्सी की ज़रूरत नहीं है, यह यहाँ से ज़्यादा दूर नहीं है!" बारब्रो इतना आश्वस्त था कि उसके माता-पिता को कोई आपत्ति नहीं थी, जैसे ही वह जल्दी से चला गया, उन्होंने आज्ञाकारी रूप से उसका पीछा किया।

"हम जल्द ही वहां पहुंचेंगे, घर अगले कोने के आसपास ही है," बारब्रो ने कहा। एम्स्टर्डम की घुमावदार सड़कों से 10 मिनट की पैदल दूरी के बाद जब वे ऐनी फ्रैंक हाउस पहुंचे तो उन्हें खुद बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं हुआ। जबकि उसके माता-पिता अवाक रह गए और बस एक-दूसरे को देखते रहे।

"अजीब बात है," बारब्रो ने कहा, जब वे घर की ओर जाने वाली सीढ़ियों के सामने खड़े थे। "पहले ऐसा नहीं था।" वह स्तब्ध था और उसके माता-पिता को समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहें। वे घर में दाखिल हुए और लंबी, संकरी सीढ़ी पर चढ़ गए। बारब्रो, जो रास्ता दिखाते समय बहुत निश्चिंत था, अचानक घातक रूप से पीला पड़ गया।

उसे ठण्डे पसीने आ गए और उसने अपनी माँ का हाथ पकड़ लिया। जब उसकी मां को एहसास हुआ कि बार्ब्रो के हाथ बर्फीले ठंडे हैं तो वह काफी हैरान रह गई।

जैसे ही वे ठिकाने में दाखिल हुए, बार्ब्रो पर एक अकथनीय भय व्याप्त हो गया, जैसा कि उसने कई बार अपने सपनों में अनुभव किया था। उन्हें सांस लेने में कठिनाई होने लगी और उनके पूरे शरीर में घबराहट फैल गई। जब वे एक छोटे से कमरे में दाखिल हुए, तो वह अचानक ठिठक कर खड़ा हो गया और थोड़ा और खुश हो गया।

बार्ब्रो ने अपने सामने की दीवार की ओर देखा और कहा, "देखो, उन फिल्मी सितारों की तस्वीरें अभी भी वहाँ हैं!" फिल्मी सितारों की जो तस्वीरें ऐनी ने काटकर दीवारों पर चिपकाई थीं, जिन्हें बारब्रो ने उस पल देखा, उसने उसे खुश महसूस किया, लगभग ऐसा जैसे कि वह घर लौट आई हो।

उसकी माँ ने खाली दीवार की ओर देखा और उसे कुछ भी समझ नहीं आया। "यह कौन सी तस्वीर है? दीवारें खाली हैं न?"

Machine Translated by Google

बार्ब्रो ने फिर से देखा और इस बार यह सच था। दीवार खाली है!

उसकी माँ इतनी आश्चर्यचकित थी कि उसे एक गाइड से पूछने के लिए मजबूर होना पड़ा कि क्या वह जानती है कि दीवारों पर कभी तस्वीरें थीं। "ओह हाँ," एक गाइड ने उत्तर दिया, "लेकिन उन्हें फ्रेम करने के लिए अस्थायी रूप से हटाया जा रहा है ताकि वे क्षतिग्रस्त या चोरी न हों।" बार्ब्रो की माँ को उस समय समझ नहीं आ रहा था कि क्या कहे।

"यह कैसे संभव है कि आपने पहले यहां अपना रास्ता ढूंढा, फिर इस बात पर जोर दिया कि वहां सीढ़ियां अलग हुआ करती थीं, और फिर दीवारों पर लगी तस्वीरों को देखा जबकि वे वहां थीं ही नहीं?"

बार्ब्रो की माँ उत्सुक और काफी परेशान थी। लेकिन बार्ब्रो एक शब्द भी बोलने में असमर्थ था। वह बस वहां से निकलना चाहता था, वह इसे और बर्दाश्त नहीं कर सकता था।

जब वह सीढ़ियाँ उतर रही थी तो उसके पैर जेली की तरह ढीले महसूस हो रहे थे।

उसे अपने जीवन में कभी इतना दुःख नहीं हुआ था। उसके चेहरे पर आँसू अनियंत्रित रूप से बह रहे थे, और उसके पैर उन्हें संभाल नहीं पा रहे थे। जब वह सीढ़ियों से नीचे पहुंचा तो उसके पैर झुक गए और वह गिर गया।

इन पुनर्कथित अंशों में एंड द वॉल्व्स हाउल्ड, बारब्रो

उन घटनाओं को याद करती है जिससे अंततः उसके माता-पिता को विश्वास हो गया कि वह ऐनी फ्रैंक का पुनर्जन्म है। कोई दूसरा नहीं था

वैसे, यह कैसे हो सकता है कि परिवार की एम्स्टर्डम की पहली यात्रा पर, उसे पता होगा कि ऐनी फ्रैंक हाउस तक कैसे पहुंचा जाए?

उसे कैसे पता चला कि सीढ़ियाँ बदल दी गई हैं और ऐनी फ्रैंक ने फिल्म स्टार की जो तस्वीरें चिपकाई थीं, जिन्हें फ्रेम में ले जाया जा रहा था, वे दीवार पर हो सकती हैं? बार्ब्रो की माँ ने बहुत आध्यात्मिक होने और पुनर्जन्म में विश्वास करने का उत्तर दिया।

दूसरी ओर, बार्ब्रो के पिता और भी अधिक चिड़चिड़े लग रहे थे।

बार्ब्रो को याद आया कि उसके पिता ने जवाब देते हुए कहा था, “मैं इस बात से इनकार नहीं कर सकता कि आप पहले भी किसी तरह यहां आ चुके हैं। हो सकता है कि आप पहले भी जीवित रहे हों और दोबारा जन्मे हों, लेकिन आप अकेले ही ऐसे हैं!”

बारब्रो ने समझा कि जब पुनर्जन्म की संभावित वास्तविकता का सामना करना पड़ा, तो उस दिन की घटनाओं ने उनके पिता के ईसाई विश्वदृष्टिकोण को हिलाकर रख दिया था, कि "सब कुछ था

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

सही ढंग से सेट करें"। हालाँकि, बार्ब्रो को बहुत खुशी महसूस हुई क्योंकि तब से, वह अपनी माँ से ऐनी फ्रैंक के रूप में अपने अतीत के बारे में बात कर सकती थी, और उसे अपनी माँ का समर्थन प्राप्त था।

ऐनी फ्रैंक की तरह, बारब्रो कार्लेन में जादुई लेखन प्रतिभा थी युवा अवस्था। बार्ब्रो ने मुझे बताया कि लिखना सीखना एक बहुत बड़ा वरदान था, क्योंकि हालांकि वह अपनी पिछली ज़िंदगी की यादों के बारे में किसी से बात नहीं कर सकती थी, एक बार जब उसने लिखना सीख लिया, तो वह अपने ब्लैकबोर्ड से बातचीत कर सकती थी। एक दिन, जब वह लगभग 11 वर्ष का था, बारब्रो के परिवार के एक मित्र ने बारब्रो के निजी नोट्स पढ़े और महसूस किया कि ये मूल्यवान रचनाएँ थीं। बार्ब्रो से पूछा गया कि क्या उनका स्वतंत्र लेखन एकत्र किया जा सकता है। वह सहमत हो गये और बारह वर्ष की उम्र में उनकी गद्य की पहली पुस्तक प्रकाशित हुई।

यह पुस्तक, मैन ऑन अर्थ, स्वीडिश इतिहास में सबसे अधिक बिकने वाली गद्य/कविता पुस्तक बन गई। बारब्रो एक छोटी हस्ती बन गए, यहाँ तक कि टेलीविजन शो में पादरी और धर्मशास्त्रियों के साथ धर्मशास्त्र के बारे में बहस करने लगे।

बचपन बीतने के बाद उनकी पिछले जीवन की यादें धुंधली होने लगीं। यह बार्ब्रो के लिए राहत की बात थी, क्योंकि अब वह आखिरकार सामान्य जीवन जी सकता था। लेकिन जब वह अपने चालीसवें वर्ष में थे, तो ये यादें फिर से उभरने लगीं, जैसा कि उन्होंने अपनी पुस्तक में वर्णित किया है। कुछ समय पहले तक, बारब्रो ने ऐनी फ्रैंक के रूप में अपनी स्मृतियों को लिखने के बारे में कभी नहीं सोचा था, लेकिन बारब्रो ने एक बार एक साक्षात्कार में उदास होकर टिप्पणी की थी, "कभी मत मत कहो।"

उनकी पुस्तक प्रकाशित होने के बाद, उन्हें यूरोप में बहुत ध्यान मिला। अंतर्ज्ञान के आधार पर उन्होंने कैलिफ़ोर्निया जाने का निर्णय लिया, जहाँ मुझे इस महान आत्मा से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जब 2000 में मुझे एक फोन आया, जब मुझे बताया गया कि एक महिला ऐनी फ्रैंक का पुनर्जन्म होने का दावा कर रही है, तो मुझे संदेह हुआ। लेकिन फिर भी मैं उनके पति स्टीफ़न के साथ उनसे मिलने गई और मुझे एहसास हुआ कि मैं वास्तव में पुनर्जन्म लेने वाली ऐनी फ्रैंक से मिली थी। अपनी पुस्तकों और प्रस्तुतियों में, बार्ब्रो ने एक बार भी यह उल्लेख नहीं किया कि उनका चेहरा एक जैसा है

Machine Translated by Google

ऐनी फ्रैंक के साथ, क्योंकि बार्ब्रो के लिए जो सबसे महत्वपूर्ण था वह उसकी यादें थीं, न कि उसका रूप। हालाँकि, उस मुलाकात में मुझे एहसास हुआ कि बार्ब्रो के चेहरे की विशेषताएं ऐनी जैसी ही थीं। इस पुस्तक के चित्र बारब्रो कार्लेन और ऐनी फ्रैंक के चेहरे की विशेषताओं की तुलना करने वाले पहले चित्र हैं।

चेहरे की विशेषताओं और मुद्रा के अलावा भी कई हैं बार्ब्रो और ऐनी फ्रैंक के बीच समानताएं, जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

A. आध्यात्मिकता और प्रकृति प्रेम

ऐनी फ्रैंक, रिफ्लेक्शन्स ऑन हर लाइफ एंड लिगेसी में लॉरेंस एल. रेंजर ने ऐनी के बारे में निम्नलिखित लिखा है।

"तेरह या चौदह साल की लड़की के होठों से गहरी आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि शायद ही कभी निकलती है। इसके अलावा, जैसा कि उनकी डायरी में हाल के कई लेखों से पता चलता है, ऐनी फ्रैंक स्वभाव से एक शारीरिक प्राणी, प्रकृति प्रेमी और महिलाओं की दुनिया में रुचि रखने वाली थीं।

ये गुण बारब्रो कार्लेन में भी प्रतिबिंबित होते हैं, जो कि सोलह साल की उम्र में वह अपने घोड़े, दो कुत्तों, दो बिल्लियों, एक भेड़ और मुर्गियों के झुंड और उनके बच्चों के साथ जंगल में एक केबिन में चला गया। बार्ब्रो को विशेष रूप से घोड़ों और घुड़सवारी से प्यार था, जिसके कारण उन्होंने एक घोड़ा पुलिसकर्मी के रूप में अपना करियर बनाया।

उनकी नारी दुनिया 18 वर्ष की उम्र में शीघ्र विवाह और गर्भावस्था से सिद्ध होती है। वास्तव में, ऐनी के कई जुनून बारब्रो कार्लेन के प्रारंभिक जीवन में फल देने लगे।

बार्ब्रो की आध्यात्मिकता भी प्रकृति से संबंधित थी। अपनी पुस्तक में, उन्होंने भगवान के साथ अपनी बचपन की मुलाकात का वर्णन किया है जब उन्होंने रेत पर पैरों के निशानों पर विचार किया था। उस समय उन्होंने भगवान को जो नाम दिया वह था "घुमक्कड़"। बार्ब्रो, ऐनी की तरह, एक ऐसी आत्मा के गुणों को प्रदर्शित करता है जो कम उम्र में परिपक्व होती है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

बी. प्राकृतिक लेखन प्रतिभा

प्रशिक्षण की कमी के बावजूद, ऐनी फ्रैंक को एक प्रतिभाशाली लेखिका के रूप में जाना जाता है।
इसी प्रकार, बारब्रो कार्लेन लेखन के क्षेत्र में एक प्रतिभाशाली बालक हैं। उनकी पहली पुस्तक तब प्रकाशित हुई जब वह केवल 12 वर्ष के थे और स्वीडन में अब तक की सबसे अधिक बिकने वाली कविता पुस्तक बन गई। 12 से 17 वर्ष की आयु के बीच, बारब्रो द्वारा लिखित नौ पुस्तकें प्रकाशित हुईं। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि ऐनी फ्रैंक को हमेशा ऐसी लेखिका बनने की उम्मीद थी जिसका काम प्रकाशित हो। 11 मई, 1944 को, ऐनी ने लिखा कि उनकी "सबसे बड़ी इच्छा" एक पत्रकार, "और बाद में, एक प्रसिद्ध लेखिका" बनना था। फिर, ऐसा लगता है कि ऐनी का सपना बारब्रो के जीवन में ही पूरा हो गया था।

फ्रैंक और कार्लेन के लेखन में भी इसी तरह के विषय मिलते हैं।
जबकि हम सवाल कर सकते हैं कि ये समानताएँ जानबूझकर हैं, बारब्रो कार्लेन इस बात पर ज़ोर देते हैं कि उन्होंने कभी ऐनी फ्रैंक के लेखन का अध्ययन नहीं किया।
नाज़ियों द्वारा यहूदियों के दमन के कारण ऐनी फ्रैंक ने अच्छे और बुरे पर व्यापक विचार किया। उनमें मानवीय गुणों को मूर्त रूप देने की प्रवृत्ति भी है, जैसा कि "झूठ" पर नीचे दिए गए उद्धरण में देखा गया है। ऐनी की विरासत विषम परिस्थितियों में भी आशा बनाए रखने की उसकी क्षमता पर आधारित है। पीड़ा और उत्पीड़न के बावजूद, ऐनी फ्रैंक के सबसे प्रसिद्ध उद्धरण मनुष्य में बुनियादी गुणों पर जोर देते हैं।

बारब्रो कार्लेन ने अपनी पुस्तक एंड द में भी अच्छाई और बुराई के बारे में लिखा है
वॉल्व्स हाउल्ड, आंशिक रूप से ऐनी फ्रैंक के रूप में अपने जीवन की यादों के कारण, और आंशिक रूप से इस जीवन में उनके द्वारा अनुभव किए गए उत्पीड़न के कारण। उनमें मानवीय गुणों को मूर्त रूप देने की भी प्रवृत्ति है। आइए बुराई और सद्गुण के बारे में फ्रैंक और कार्लेन द्वारा लिखे गए उद्धरणों की तुलना करें।

ऐनी फ्रैंक के अनुसार अपराध
"लोगों में नष्ट करने की चाहत, चाहत होती है"
वध करना, मार डालना और क्रोध करना।”

Machine Translated by Google

"जब मैं अपने करीबी दोस्तों के भाग्य के बारे में सोचता हूं तो मैं खुद से डर जाता हूं अब यह पृथ्वी पर घूमने वाले सबसे नीच राक्षसों के हाथों में है। और यह सब इसलिए क्योंकि हम यहूदी हैं।"

"पिछली रात, मेरे सोने से पहले, झूठ नहीं तो अचानक मेरी आँखों के सामने कौन आ सकता था! मैंने उसे अपने सामने देखा, उसके कपड़े फटे हुए थे... उसकी आंखें इतनी बड़ी थीं और वह मुझे इतनी उदासी और घृणा से देख रही थी कि मैं उसकी आंखों को पढ़ सकता था, 'ओह ऐनी, तुमने एक को क्यों छोड़ दिया?

कृपया, हे मेरी मदद करो, मुझे इस नरक से बचाओ!''

बार्ब्रो कार्लेन के अनुसार अपराध

"काश वह लिख पाता कि यह कितना महत्वपूर्ण है, यहाँ तक कि महत्वपूर्ण भी बुराई के सामने कभी हार मत मानो, चाहे यह सब कितना भी अंधकारपूर्ण और निराशाजनक क्यों न हो। बुराई पृथ्वी पर मौजूद है और संभवतः हमेशा रहेगी। बुराई सदैव सद्गुण पर विजय प्राप्त करने का प्रयास करेगी।"

ऐनी फ्रैंक के अनुसार सदाचार

"चाहे कुछ भी हो, मुझे अभी भी सचमुच विश्वास है कि लोगों के दिल वास्तव में अच्छे होते हैं।"

बार्ब्रो कार्लेन के अनुसार सद्गुण

"लेकिन जितना अधिक लोग सद्गुण और अपने भीतर सद्गुण की शक्ति में विश्वास करते हैं, बुराई को नियंत्रित करने की संभावना उतनी ही अधिक होती है। यदि वे सदाचार में विश्वास करते, और इस आंतरिक शक्ति की उपस्थिति में, कई दुखी लोग अंधेरे से बाहर निकलने के लिए संघर्ष करने में सक्षम होते।

"पृथ्वी पर अधिकांश लोगों को अभी भी यह एहसास नहीं है कि वे अपने भीतर सद्गुण की शक्ति पा सकते हैं और यह उनकी मदद तभी कर सकती है जब वे इसकी तलाश करेंगे।"

अंत में, ऐनी फ्रैंक बुराई और उत्पीड़न के बावजूद भी अच्छाई में विश्वास करती है। बार्ब्रो के व्यक्तित्व में, हम ऐनी की आवाज़ को अधिक समझदार रूप में सुनते हैं।

Machine Translated by Google

बार्ब्रो ने ऐनी की मौत को बर्गेन-बेलसन एकाग्रता शिविर में जोड़ दिया होगा। यदि हम बारब्रो को ऐनी के पुनर्जन्म के रूप में स्वीकार करते हैं, तो ऐनी एक मजबूत संदेश के साथ लौटती है कि बुराई आत्मा को नहीं मार सकती है और आत्मा का कोई धार्मिक, जातीय या नस्लीय संबंध नहीं है।

बारब्रो को इस जीवन में एक ईसाई के रूप में पाला गया था, जबकि ऐनी को एक यहूदी के रूप में सताया गया था। इस बारे में सोचें कि यदि कुछ दशक पहले, जर्मनों को पता होता कि कोई व्यक्ति एक जीवनकाल में यहूदी और दूसरे जीवन में ईसाई पैदा हो सकता है, तो निश्चित रूप से नरसंहार कभी नहीं हुआ होता। जो लोग होलोकॉस्ट की भयावहता को कम करने वाली बारब्रो की कहानी पर आपत्ति कर सकते हैं, वे एक महत्वपूर्ण बिंदु से चूक रहे हैं - कि आत्माएं मरती नहीं हैं और भगवान के प्यार के साथ, इतनी प्यार और याद की जाने वाली आत्माएं एक बार फिर पृथ्वी पर चलेंगी। आइए हम इस महिमा को नज़रअंदाज़ न करें।

इसके अलावा, आइए हम स्वीकार करें कि ऐनी का ज्ञान फ्रैंक ने एक अलग धर्म में अवतार लिया था, जो धार्मिक, नस्लीय और जातीय गठबंधनों को जीवन से जीवन में बदल सकता था, भविष्य में होने वाले सामूहिक नरसंहार को रोक सकता था।

मैं ऐनी फ्रैंक की डायरी से अंतिम वाक्यांश उद्धृत करूंगा, जो विश्वास और यहूदी लोगों के लचीलेपन को संदर्भित करता है।
इन शब्दों में पुनर्जन्म के बारे में सत्य की एक काव्यात्मक छटा भी है, शायद ऐनी द्वारा अनजाने में, लेकिन फिर भी आकर्षक।

"किसने हम पर यह सब थोपा है?
हम यहूदियों को बाकियों से अलग कौन बनाता है?
अब तक हमें इतना कष्ट किसने सहने दिया?

यह ईश्वर ही था जिसने हमें वह बनाया जो हम हैं,
लेकिन भगवान,
जो हमें वापस जीवन में लाएगा।"

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

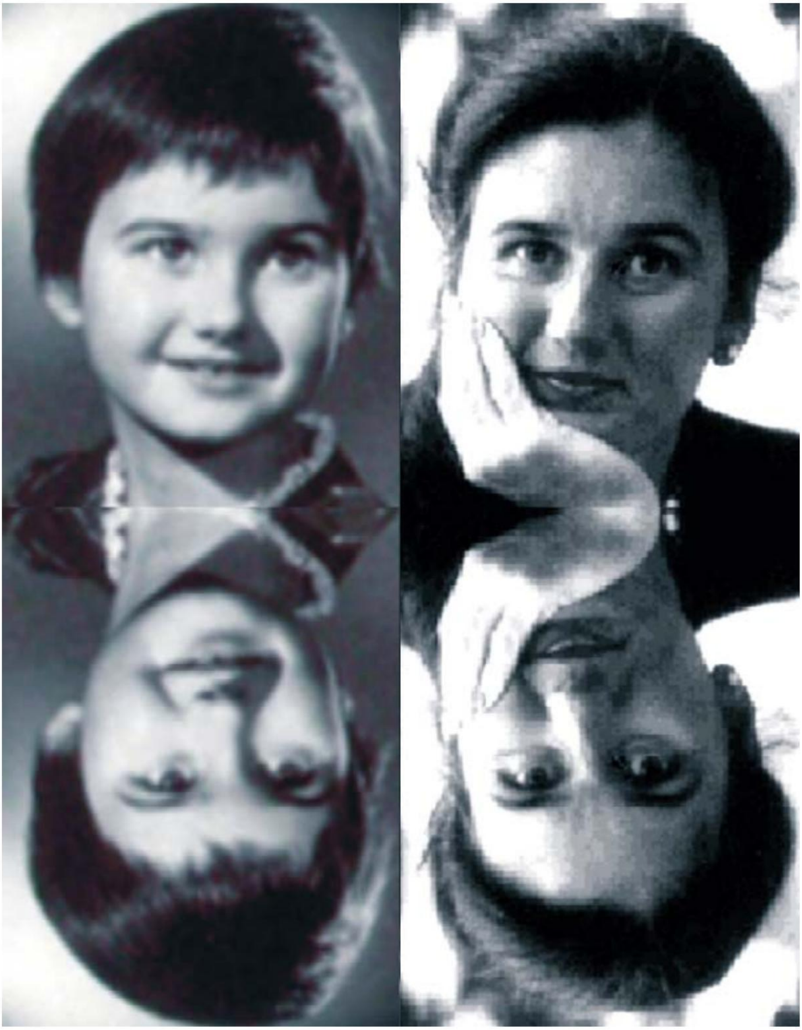

बार्ब्रो का फोटो

कार्लेन: बारब्रो कार्लेन का योगदान

बार्ब्रो कार्लेन
7 साल बड़ा

बार्ब्रो कार्लेन
प्रौढ़

Machine Translated by Google

बारब्रो कार्लेन के चेहरे की विशेषताएं ऐनी फ्रैंक के समान हैं और इस तस्वीर में, वह ऐनी के समान मुद्रा का उपयोग भी करती है। इसकी तुलना ऐनी की मेज पर लगी तस्वीर से करें, जैसा कि "डीके बायोग्राफी ऑफ ऐनी फ्रैंक" पुस्तक के कवर पर देखा जा सकता है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

4

पोर्ट्रेट पेंटर और पुलिस कप्तान

रॉबर्ट स्नो पुलिस विभाग में कैप्टन हैं
इंडियानापोलिस वर्तमान में संगठित अपराध का प्रभारी है। कैप्टन स्नो ने लुकिंग फॉर कैरोल बेकविथ नामक एक पुस्तक लिखी है, जिसमें उनके पुनर्जन्म के मामले का विस्तार से वर्णन किया गया है। इस अध्याय में, मैं एक संक्षिप्त सारांश प्रदान करूंगा।

कहानी एक पार्टी से शुरू होती है, जहां एक पुलिस अधिकारी, जो एक अतिरिक्त गतिविधि के रूप में पिछले जीवन प्रतिगमन थेरेपी करता है, वर्णन करता है कि कैसे वह अपने ग्राहकों को आराम की स्थिति में मार्गदर्शन करता है ताकि पिछले जीवन की यादें उभर सकें। कैप्टन स्नो ने सोचा कि ये तथाकथित यादें बनी होंगी और उन्होंने पिछले जीवन की इन यादों को भ्रमपूर्ण बताकर खारिज कर दिया। यह बात उन्होंने रिग्रेशन थेरेपिस्ट को पहले ही बता दी थी।

नाराज होकर, रिग्रेशन थेरेपिस्ट कैप्टन स्नो को अपने पिछले जीवन की रिग्रेशन थेरेपी से गुजरने की चुनौती देता है। स्नो ने कहा, "ज़रूर, मैं करूँगा," भले ही उसका वास्तव में अपनी बात रखने का कोई इरादा नहीं था।

प्रतिगमन चिकित्सक, जो एक पुलिस अधिकारी भी है, जारी है
स्नो को परेशान करना और उस पर "डरा हुआ" होने का भी आरोप लगाना। ऐसा लगता है कि यह काम कर रहा है, इसलिए कैप्टन स्नो अनिच्छा से एक अन्य रिग्रेशन थेरेपिस्ट के पास रेफरल लेता है और एक अपॉइंटमेंट शेड्यूल करता है, सिर्फ यह दिखाने के लिए कि वह "चुनौती से भाग नहीं रहा है।"

कैप्टन स्नो पुनर्जन्म में विश्वास नहीं करते हैं और सत्र के दौरान ऐसे यादगार अनुभव की उम्मीद नहीं करते हैं।

कैप्टन स्नो की पुस्तक के आनंददायक पहलुओं में से एक उच्च स्तर का संदेह और हास्य की भावना है जो इसके साथ चलती है। आइये मिलकर देखते हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

कैरोल बेकविथ की तलाश से लिए गए निम्नलिखित उद्धरणों में कैप्टन स्नो का अनुभव। हम प्रतिगमन चिकित्सक, डॉ. मैरीलेन ग्रिफ़िथ से शुरू करते हैं, जिन्होंने प्रतिगमन प्रक्रिया का मार्गदर्शन किया।

डॉ. ग्रिफ़िथ ने कैप्टन स्नो को यह कल्पना करने का निर्देश देते हुए शुरुआत की कि वह अपने घर में आराम से आराम कर रहे हैं। कैप्टन स्नो की पुस्तक की कथा जारी है:

"अब, कल्पना कीजिए कि आपकी उच्च आत्मा इस कमरे में आ रही है आपको नमस्कार,'' डॉ. ग्रिफ़िथ ने कहा।

मैंने भी ऐसा किया, हालाँकि जब मैं अपनी आँखें बंद करके सोफे पर बैठा तो मुझे सचमुच आश्चर्य हुआ कि मैं यहाँ क्या कर रहा था, खासकर जब उसने मुझसे पूछा कि मेरी आत्मा ने क्या पहना है। मुझे नहीं पता? यह स्पष्टतः एक दिवास्वप्न था। लेकिन मुझे कोशिश करने दीजिए.

"सफ़ेद," मैंने उत्तर दिया, "एक लंबा सफ़ेद वस्त्र। क्या ऐसा नहीं है सभी आत्माओं द्वारा पहना गया?"

"आपकी आत्मा वहां खड़ी है और पूछती है कि क्या आप जाने के लिए तैयार हैं यात्रा। वह आपसे कहता है कि वह आपकी यात्रा में आपका मार्गदर्शन करेगा और आपकी रक्षा करेगा।"

हे भगवान, मैंने सोचा, अपने चेहरे पर गंभीर भाव रखने की कोशिश करते हुए, मैं ऐसा कैसे कर सकता हूँ!1

लेकिन अंततः, और उनके आश्चर्य के लिए, कैप्टन स्नो को प्रतिगमन के दौरान पिछले जीवन की मजबूत और ज्वलंत यादों का अनुभव होता है। कैप्टन स्नो का कहना है कि पिछले जीवन की घटनाओं के बारे में उनकी धारणा उनकी जाग्रत चेतना जितनी ही स्पष्ट है। वह कई अलग-अलग जिंदगियों को याद कर सकते थे, लेकिन सबसे खास तौर पर एक चित्रकार के रूप में, जो 19वीं सदी का लगता था। कैप्टन स्नो को इस जीवनकाल के संबंध में 28 विशिष्ट विवरण याद हैं।

उनमें से एक जब एक कुबड़ी महिला का चित्र बना रहा था।
कैप्टन स्नो को वह अनुभव स्पष्ट रूप से याद है, जिसमें वह अनुभव भी शामिल है जब उन्होंने पूछा था कि इतने विकृत शरीर वाला व्यक्ति अपना चित्र क्यों बनवाना चाहेगा।

प्रतिगमन का कैप्टन स्नो पर इतना गहरा प्रभाव पड़ा कि वह यह निर्धारित करने की कोशिश में लग गया कि क्या यह सच है।
स्वयं कैप्टन स्नो

Machine Translated by Google

वह अभी भी पुनर्जन्म में विश्वास नहीं करता है और इस धारणा के साथ शोध करता है कि उसने किताबों के माध्यम से, स्कूल में या संग्रहालयों में अतीत के चित्रकारों का अध्ययन किया है। प्रतिगमन अनुभव स्वयं एक भूली हुई स्मृति का प्रतिनिधित्व करता है जो सामने आती है।

स्नो इस प्रतिगमन अनुभव की जाँच करता है जब वह एक पुलिस मामले की जाँच करता है। उन्होंने बेतहाशा कला की किताबें पढ़ीं, कला दीर्घाओं का दौरा किया, और कला डीलरों से संपर्क किया, और कुबड़ी महिलाओं के चित्रों की तलाश की, जिन्हें उन्होंने प्रतिगमन में देखा था, या अन्य सुरागों के लिए।

बहरहाल, कैप्टन स्नो एक ऐतिहासिक कलाकार की पहचान करने में असमर्थ थे जो उनके प्रतिगमन में आकृति के समान था।

स्नो एक अनुभवी अन्वेषक हैं, जिन्होंने छह पुस्तकें लिखी हैं पुलिस प्रबंधन एवं अन्य विषयों पर. वह बहुत चतुर भी है; उन्होंने कॉलेज में सभी विषयों में ए प्राप्त किया और मनोविज्ञान में डॉक्टरेट के लिए पूर्ण छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया। हालाँकि, एक साल की जाँच के बाद, वह अंततः एक गतिरोध पर पहुँच गया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि वह संभवतः उस चित्रकार की पहचान कभी नहीं कर पाएंगे जिसे उन्होंने प्रतिगमन में देखा था। उस समय, कैप्टन स्नो की पत्नी मेलानी ने न्यू ऑरलियन्स में छुट्टी का प्रस्ताव रखा।

एक बार वहां, फ्रेंच क्वार्टर में एक आर्ट गैलरी के अंदर, कैप्टन स्नो को एक और गहन अनुभव हुआ। यह घटना दर्शाती है कि पुनर्जन्म अनुसंधान में लोगों को स्पष्ट रूप से आध्यात्मिक स्रोतों द्वारा कैसे निर्देशित किया जा सकता है। इसी आर्ट गैलरी में कैप्टन स्नो भटक रहे थे, जाहिर तौर पर "संयोग" से, जब उन्होंने कुबड़ी महिला का चित्र देखा। कैप्टन स्नो ने इस घटना का वर्णन किया:

मैं मुड़ा, मुंह खोलकर चित्र को स्तब्ध होकर घूर रहा था, उस अनुभव को फिर से याद कर रहा था जो एक बार हुआ था, जब मैंने बिना जाने-समझे एक जीवित बिजली के तार को पकड़ लिया था, बिजली के झटके ने मुझे स्थिर कर दिया क्योंकि उच्च वोल्टेज मेरे हाथों और पैरों के ऊपर और नीचे चला गया था ... .

अगले कुछ मिनटों तक, मैं चित्र के सामने से नहीं हिला, लेकिन देखने के लिए अपनी आँखें बंद करता रहा और अपने स्टूडियो में इस चित्र को चित्रित करने के दृश्य को फिर से देखता रहा, और फिर चित्र को देखने के लिए अपनी आँखें खोलीं।

Machine Translated by Google

वास्तव में समाप्त हो गया। यह स्थिति अवास्तविक लगने लगती है, एक बहुत ही ज्वलंत सपने की तरह जिसमें आप पसीने से तर होकर उठते हैं, एक ऐसा सपना जिसके बारे में आपको खुद को बार-बार बताना पड़ता है कि यह सिर्फ एक सपना था। यह वास्तविक नहीं है।

अंततः, हालाँकि मुझे पूर्ण निश्चितता के साथ पता था कि यह वही पेंटिंग है जिसे मैंने सम्मोहन के दौरान देखा था, मैंने खुद को आश्वस्त किया कि इस चित्र के साथ मेरी आकस्मिक मुठभेड़ इतनी अजीब थी कि यह सच नहीं हो सकता था। मैं कुछ देर तक इस विचार में उलझा रहा कि शायद मुझे दौरा पड़ा है और मैं सोच रहा था कि मैं इस चित्र के सामने खड़ा हूँ, जबकि वास्तव में मैं कहीं अस्पताल के बिस्तर पर या शायद किसी नर्सिंग होम में लेटा हुआ था। कुछ समय तक इस संभावना पर विचार करने के बाद, मुझे एहसास हुआ कि जो कुछ चल रहा था उसके तर्कसंगत उत्तर खोजने में मैं कितना हताश था। लेकिन हताश हों या न हों, वास्तविक जीवन में ऐसी चीज़ें नहीं होतीं। महीनों की व्यवस्थित जांच के बाद क्या संभावना है कि मैं इस तरह से पेंटिंग में शामिल हो जाऊं? क्या संभावना है कि मेलानी न्यू ऑरलियन्स जा रही थीं, और हमें इस गैलरी का दौरा करने का मौका मिला, जैसे वे इस पेंटिंग को बेच रहे थे?

एक पुलिस अधिकारी के रूप में अपने 30 वर्षों के अनुभव के दौरान, मैंने हमेशा सत्य की खोज की है। हालाँकि कभी-कभी सच्चाई वैसी सामने नहीं आती जैसी मैंने उम्मीद की थी, लेकिन फिर भी, सच्चाई वही है जिसकी मुझे हमेशा से चाहत रही है। और अब, यहां, मुझे उस सत्य का सामना करना पड़ रहा है जिसकी मैं तलाश कर रहा हूं, लेकिन साथ ही मैं इसे नकारने की भी कोशिश कर रहा हूं, जो सत्य मैंने पाया है उसे नकारने की हर संभव कोशिश कर रहा हूं... अलौकिक चीजें नहीं होती हैं वास्तविक लोगों के लिए. यह फिल्मों में हो सकता है, लेकिन वास्तविक जीवन में ऐसा नहीं होना चाहिए।2

कैप्टन स्नो की किताब के अंश यह दर्शाते हैं कि यह अलौकिक है इस तरह की चीजें वास्तविक जीवन में होती हैं। कुबड़ी महिला के चित्र से, कैप्टन स्नो को पता चला कि उसके पिछले जीवन में चित्रकार का नाम प्रतिगमन था

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

कैरोल बेकविथ. कैप्टन स्नो बेकविथ द्वारा छोड़ी गई एक पूरी डायरी के साथ-साथ अन्य स्रोतों के माध्यम से बेकविथ के जीवन की जांच करता है। प्रतिगमन के दौरान स्नो ने जिन 28 विशिष्ट स्मृतियों का दस्तावेजीकरण किया था, जैसे कि कुबड़ी महिलाओं के चित्र, वे सभी इस शोध के माध्यम से सिद्ध हो गए थे।

हालाँकि शुरुआत में पुनर्जन्म को अपने प्रतिगमन अनुभव के आधार के रूप में स्वीकार करने में अनिच्छुक थे, कैप्टन स्नो अंततः इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि वह पिछले जीवन में कैरोल बेकविथ बन गए थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने जो सबूत इकट्ठा किए हैं, वे मुकदमे में भी टिके रहेंगे और अनिवार्य रूप से अब कोई सौदेबाजी नहीं होगी।

दिलचस्प बात यह है कि कैप्टन स्नो को अपने और कैरोल बेकविथ के बीच शारीरिक समानता के बारे में पता नहीं था। जब मैं सितंबर 2000 में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ रिग्रेशन रिसर्च एंड थेरपीज़ (आईएआरटी) की बैठक में कैप्टन स्नो से मिला, तो मैंने उनकी एक तस्वीर लेने और उनकी तुलना बेकविथ से करने की पेशकश की। मैं अनुभव से जानता हूं कि यह तुलना छवियों को एक साथ रखकर सबसे अच्छी तरह से की जाती है। इस बिंदु पर, कृपया इस पुस्तक में प्रदर्शित बेकविथ और स्नो तुलना का संदर्भ लें। आप देखेंगे कि हालांकि फोटो में कैप्टन स्नो, पोर्ट्रेट अवधि में बेकविथ की तुलना में अधिक भारी दिख रहे हैं, लेकिन दोनों की चेहरे की विशेषताएं बहुत समान हैं।

कैप्टन स्नो का मामला एक विशिष्ट घटना को दर्शाता है जो तब घटित होती है जब कोई व्यक्ति किसी विशिष्ट पिछले जीवन के बारे में ठोस रूप से जागरूक हो जाता है। पिछले जीवन की जानकारी अक्सर किसी व्यक्ति में अंततः उसकी आदत पड़ने से पहले एक दर्दनाक प्रतिक्रिया उत्पन्न कर देती है। जब कोई व्यक्ति पुनर्जन्म की वास्तविकता का सामना करता है, तो उसके दुनिया को देखने के तरीके की पुनः परीक्षा की आवश्यकता होती है। जीवनकाल के दौरान, हम सभी दुनिया को समझने का एक अनोखा तरीका विकसित करते हैं।

इस विश्वास प्रणाली में जीवन का आध्यात्मिक पहलू शामिल हो सकता है, या यह नास्तिक हो सकता है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमारी विश्वास प्रणाली क्या है, पुनर्जन्म के ठोस सबूत हमारी विश्वास प्रणाली में बदलाव की मांग करते हैं। भले ही हम पुनर्जन्म में विश्वास करते हों,

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

पिछले जन्मों में विश्वास से पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य के प्रत्यक्ष अवलोकन की ओर बदलाव भी आश्चर्यजनक हो सकता है।

याद दिला दें कि कैप्टन स्नो पुनर्जन्म में विश्वास नहीं करते थे
अपने प्रतिगमन के समय और अपने पिछले जीवन के अनुभवों का अनुसरण करते हुए, उन्होंने अपनी यादों के लिए एक तार्किक स्पष्टीकरण खोजने की कोशिश की।
एक आर्ट गैलरी में एक कुबड़ी महिला का चित्र देखने के बाद भी, कैप्टन स्नो अभी भी इस संभावना की खोज कर रहे थे कि बेकविथ का काम एक बार एक संग्रहालय में प्रदर्शित किया गया था और अपने जीवन में किसी समय उन्होंने इसे देखा था।
स्नो इस सिद्धांत पर लौटता है कि उसका प्रतिगमन अनुभव उसके वर्तमान जीवन की एक छिपी हुई स्मृति है।

आइए फिर से जुड़ें और न्यू ऑरलियन्स गैलरी क्लर्क के साथ कैप्टन स्नो की अगली प्रतिक्रिया साझा करें जो अभी भी स्नो को बेकविथ की पेंटिंग बेचने की कोशिश कर रहा है:

"नहीं," उस आदमी ने थोड़ा सिर हिलाते हुए कहा, "आपने यह काम पहले कभी नहीं देखा है।" यह चित्र कई वर्षों से एक निजी संग्रह में है। और फिर, ईमानदारी से कहूं तो, मुझे नहीं लगता कि पिछले 75 वर्षों में बेकविथ के काम की कोई प्रदर्शनी हुई है। यह बहुत प्रसिद्ध नहीं है. इसलिए मैं इस पेंटिंग को रियायती मूल्य पर जारी कर सकता हूं।

जब गैलरी कार्यकर्ता के उत्तर ने जो कुछ भी हुआ था उसके लिए तार्किक स्पष्टीकरण को पलट दिया, तो चक्कर फिर से आ गया। मेरा पूरा विश्वास तंत्र न केवल लड़खड़ा गया, बल्कि ढह गया।

मेरे चारों ओर सब कुछ इतना अवास्तविक लग रहा था जैसे कि मैं काफ्का उपन्यास में हो सकता हूँ।

और मैं वहीं मुंह लटकाए खड़ा रहा, स्तब्ध और वास्तविकता से अलग महसूस कर रहा था। जैसा कि मैंने 1978 में पाया, जब असंभव घटित होता है, जब असंभव वास्तविकता बन जाता है, तो ऐसा लगता है जैसे आपका दिमाग आपके शरीर से अलग हो गया है।3

बिलकुल कैप्टन स्नो की तरह जो सदमे के दौर से गुज़रा
और अविश्वास जब पुनर्जन्म के साक्ष्य का सामना करता है, तो बड़े पैमाने पर समाज उसी प्रतिक्रिया का अनुभव करेगा। यह उन संस्कृतियों के लिए विशेष रूप से सच है जहां पुनर्जन्म नहीं होता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

उचित बात. सामूहिक रूप से हमें अपनी विश्वास प्रणालियों को समायोजित करने की आवश्यकता होगी क्योंकि पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य दुनिया में सामने आते हैं। सामान्य तौर पर, यह अच्छी खबर है, आपको बस इसकी आदत डालने की जरूरत है।

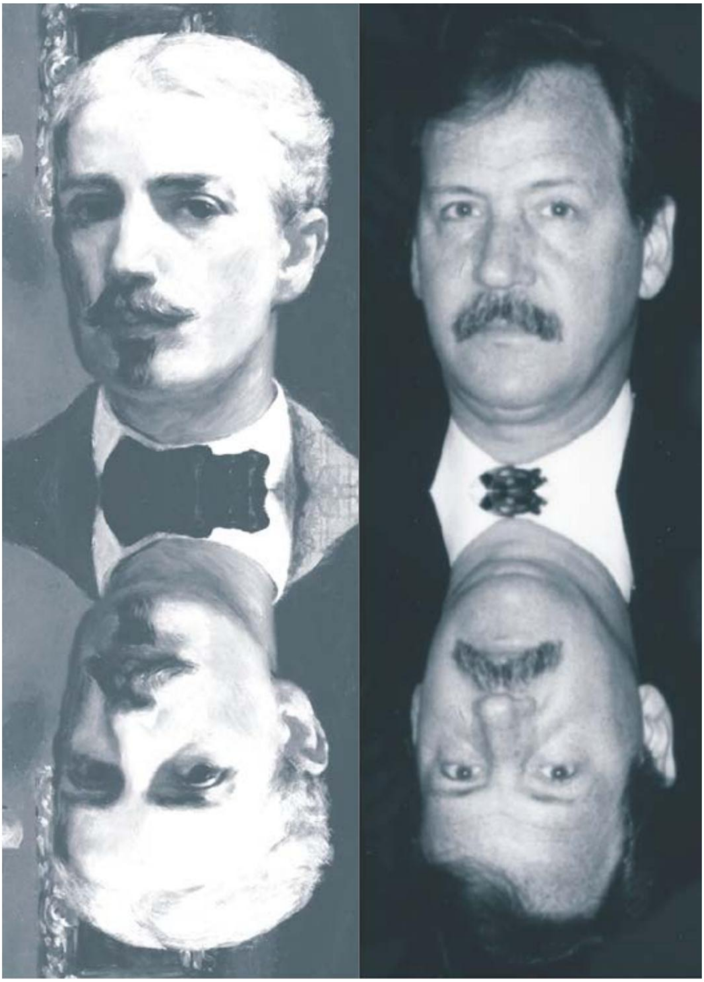

कैरोल बेकविथ विवरण, सेल्फ पोर्ट्रेट, 1898 जेम्स कैरोल बेकविथ, कलाकार का उपहार,

फोटो ©1999 डेट्रॉइट इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट्स रॉबर्ट स्नो का फोटो: वाल्टर सेमकिव द्वारा

कैरोल बेकविथ रॉबर्ट स्नो

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

5

कॉन्फेडरेट जनरल और कनेक्टिकट यांकीज़

जेफरी कीन एक सेवानिवृत्त अग्निशामक हैं
योग्यता के साथ, और वेस्टपोर्ट, कनेक्टिकट में अग्निशमन विभाग के सहायक प्रमुख। 2001 में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के ढहने के बाद, कीन को "ग्राउंड ज़ीरो" की विशेष यात्रा का पुरस्कार मिला*

. दोनों अग्निशमन विभागों के बीच एक संबंध स्थापित किया गया है, क्योंकि वेस्टपोर्ट अग्निशमन विभाग में न्यूयॉर्क सिटी अग्निशमन विभाग की #1 बचाव इकाई के साथ "भागीदारी" करने की परंपरा है। इस विशिष्ट इकाई, रेस्क्यू #1 के ग्यारह सदस्यों ने 11 सितंबर, 2001 की सुबह अपनी जान गंवा दी।

कैप्टन रॉबर्ट स्नो की तरह, श्री कीन भी समुदाय के एक बहुत ही जिम्मेदार सदस्य हैं, जो अप्रत्याशित रूप से, खुद को अपने पिछले जीवन की पहचान की जांच करते हुए पाते हैं।

इस खोज के माध्यम से, महत्वपूर्ण जानकारी समकालिक और समयबद्ध घटनाओं के माध्यम से उसके पास आती है।

कीन इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि उनके जांच प्रयासों में उनका मार्गदर्शन किया जा रहा था। मैं उनकी पुस्तक, समवन एल्स टुमॉरो के परिचय से उद्धरण देना चाहूंगा:

अधिकांश लोगों की तरह, मैं अपने काम से काम रखते हुए जीवन में लड़खड़ा रहा था, तभी अचानक दुनिया ने मेरे साथ अपने तरीके से व्यवहार करना शुरू कर दिया। अचानक, असाधारण सामान्य हो गया, और मेरे जीवन की अजीब घटनाएँ मेरे दिमाग में आने लगीं। मैंने पाया कि मैं एक बार था

---

* तबाही के बाद वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के मलबे की जगह को ग्राउंड ज़ीरो कहा जाता है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

कुछ बहुत प्रसिद्ध लोगों के मित्र, ऐसे लोग जिनके बारे में मुझे पता ही नहीं चला कि मैं उनसे मिल चुका हूँ। मुझे ऐसी अंतर्दृष्टियाँ दी गईं जिनसे जीवन के कुछ महानतम प्रश्नों के उत्तर मिले।

कुछ समय पहले, मैंने खुद को एक राज्य समाचार पत्र के पहले पन्ने पर और बियॉन्ड डेथ नामक एक कला और मनोरंजन नेटवर्क वृत्तचित्र में दिखाई दिया था। इस हद तक कि "संयोग" शब्द बहुत ही कम हो गया था, मैंने इस तथ्य को स्वीकार करने का फैसला किया कि मुझे निर्देशित किया जा रहा था और मैंने खुद को उस चीज़ के लिए खोल दिया जो जीवन मुझे दिखाना चाहता था। पिछले जन्मों के बारे में आश्वस्त होने के काफी समय बाद तक, अजीब घटनाएं मेरे निष्कर्षों को मजबूत करती रहीं, इस हद तक कि रहस्यों के खुलने का एकमात्र कारण यह था कि मुझे उन्हें दूसरों के साथ साझा करने की आवश्यकता थी।1

श्री कीन ने मुझे बताया कि उनके पिछले जीवन के शोध में मार्गदर्शक तत्व इतना मजबूत था कि उन्हें ऐसा महसूस हुआ मानो आध्यात्मिक दुनिया ने उन्हें "शॉपिंग ट्रॉली की तरह" इधर-उधर धकेल दिया हो। जेफ़ की कहानी मई 1991 में शुरू होती है, जब वह अपनी पत्नी अन्ना के साथ छुट्टियों पर था। वे प्राचीन वस्तुओं की तलाश में थे और शार्प्सबर्ग, मैरीलैंड में रुक गए, जहां एंटिएटम का गृह युद्ध हुआ था।

हालाँकि जेफ़ ने कभी भी गृह युद्ध के बारे में कोई किताब नहीं पढ़ी थी या उस युग में उसकी कोई रुचि नहीं थी, फिर भी वह युद्ध के मैदान का दौरा करने के लिए बाध्य महसूस करता था।

सनकेन रोड नामक क्षेत्र में, जेफ़ एक टेप कथन सुनता है
1862 में हुई घटनाओं के बारे में। इस लड़ाई में छठी अलबामा नामक एक रेजिमेंट शामिल थी, जिसकी कमान कर्नल जॉन बी के पास थी।
गॉर्डन. टेप सुनने के बाद, जैसे ही वह पुराने फार्म ट्रैक से नीचे चला गया, जेफ अनजाने में उस क्षेत्र में चला गया जिस पर कभी गॉर्डन और उसके लोगों का कब्जा था। इस स्थान पर, जेफ़ कीन को निम्नलिखित प्रतिक्रियाओं का अनुभव हुआ:

मेरे ऊपर दुख, उदासी और क्रोध की लहर दौड़ गई। बिना किसी चेतावनी के, मुझ पर अचानक आघात हुआ

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

संवेदनाएँ मेरे गालों से आँसू बह निकले। सांस लेना मुश्किल हो जाता है. जब मैं पुरानी सड़क के किनारे पर खड़ा था तो मेरी सांसें अटक गई। मैं आज तक नहीं कह सकता कि तब कितना समय बीत गया, लेकिन जब ये भावनाएँ, ये भावनाएँ बीत गईं, तो मैंने खुद को इतना थका हुआ पाया जैसे कि मैंने अभी-अभी मैराथन दौड़ लगाई हो।

रास्ते से हटने के लिए खड़ी किनारे पर रेंगते हुए, मैं मुड़ा और अपने पीछे देखा। अभी जो हुआ उस पर कहने या आश्चर्यचकित होने से मैं थोड़ा स्तब्ध हूं। कार में वापस आना बहुत कठिन था क्योंकि मैं बहुत कमज़ोर महसूस कर रहा था। वापसी की यात्रा में मैं काफी हद तक शांत हो चुका था और अभी जो कुछ हुआ था उसके बारे में अन्ना को एक शब्द भी नहीं बताया था। मुझे क्या कहना चाहिए? मैं उसे कैसे समझा सकता हूँ? मेरे पास कोई जवाब नहीं, सिर्फ सवाल हैं.2

शार्प्सबर्ग छोड़ने से पहले, जेफ़ और अन्ना एक उपहार की दुकान पर गए। एक पत्रिका, सिविल वॉर क्वार्टरली (विशेष संस्करण, एंटीएटम) जेफ का ध्यान आकर्षित करती है और वह इसे खरीद लेता है, साथ ही उस स्थान पर एक स्मारिका बुलेट भी मिलती है। घर पर, जेफ ने पत्रिका को अपने परिवार की फोन बुक की दराज में रख दिया, हालांकि डेढ़ साल बाद तक उन्होंने पत्रिका दोबारा नहीं देखी।

अक्टूबर 1992 में, जेफ़ और अन्ना एक हैलोवीन पार्टी में शामिल हुए। बारबरा कैमवेल नामक एक ज्योतिषी को एक पार्टी में भविष्यवाणी करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। जब जेफ की बारी आती है, तो सनकेन रोड पर उसका अनुभव सामने आता है। बारबरा का कहना है कि जेफ एक सैनिक हुआ करता था और उसे युद्ध के मैदान में छेद के माध्यम से गोली मार दी गई थी।

फिर वह अपने शरीर के ऊपर तैरने लगा, जो खून से लथपथ ज़मीन पर बेजान पड़ा था। बारबरा ने बाद में कहा, "जब आप ऊपर मंडराते हैं और नीचे अपने शरीर को घूरते हैं, तो आप वास्तव में क्रोधित हो जाते हैं और चिल्लाते हैं, 'नहीं!'"

जेफ़ बताते हैं कि उस समय एक क्षण का मौन था। जेफ फिर बारबरा को सुधारा, किसी कारण से वह खुद को नहीं जानता था, वह चिल्लाया, "अभी नहीं!"

अगले दिन, जेफ़ ने फैसला किया कि अब एंटीएटम में लड़ाई के बारे में स्मारिका पत्रिका पढ़ने का समय है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जिसे उन्होंने मई 1991 में खरीदा था। जेफ़ ने फिर सोचा कि यह पहली सिविल वॉर पत्रिका थी जिसे उन्होंने कभी खरीदा था। जेफ़ ने पत्रिका के एक पन्ने को पलटा जिसमें सनकेन रोड की तस्वीर थी, वह स्थान जहाँ जेफ़ अजीब भावनाओं का अनुभव कर रहा था। जैसे ही उन्होंने पाठ पढ़ा, उन्होंने एक उद्धरण देखा: "अभी नहीं"। उसकी गर्दन पर तुरंत बाल खड़े हो गये।

आगे पढ़ते हुए, जेफ़ को पता चला कि "अभी नहीं" द्वारा दिया गया एक आदेश था छठी अलबामा रेजिमेंट में कर्नल जॉन बी. गॉर्डन। यांकी निकट आ रहे थे और छठी अलबामा सेना गोलीबारी के लिए इंतजार नहीं कर सकती थी। जब तक यूनियन सैनिक ** 100 गज से कम दूरी पर न हों तब तक आग के आदेश नहीं दिए जाते। गॉर्डन ने खुद लड़ाई के बारे में कहा, "सनकेन रोड से बड़ी संख्या में राइफल की गोलियां चलाई गईं।

मेरी राइफ़लों से फायरिंग हुई और बिजली की चकाचौंध चमक की तरह फ़ेडरल के चेहरे पर गर्जना हुई। प्रभाव बिल्कुल आश्चर्यजनक है।"
जैसे ही उन्होंने गॉर्डन का उद्धरण पढ़ा, जेफ़ को उन्हीं भावनाओं का अनुभव होने लगा जो सनकेन रोड पर थीं और उनकी आँखों में आँसू आ गए।

लेख में गॉर्डन की चोट का वर्णन किया गया।
"छठे अलबामा के जॉन बी. गॉर्डन को चेहरे पर घाव लगने के बाद भारी खून बहने के कारण बेहोश होने से पहले बाएं हाथ, दाहिने कंधे और दाहिने पैर में दो बार गोली मारी गई थी"। आगे क्या हुआ यह जेफ ने खुद लिखा। "मैं सनकेन रोड की तस्वीर वाले पृष्ठ पर वापस गया, और अगले पृष्ठ पर एक और तस्वीर थी। इस बार मेरे रोंगटे खड़े हो गए और मेरी गर्दन पर बाल फिर से खड़े हो गए। तस्वीर ब्रिगेडियर जनरल जॉन बी की है।

गॉर्डन. मेरे लिए परिचित चेहरा. मैं इसे अच्छी तरह से जानता हूं, मैं हर दिन उसके साइडबर्न को शेव करता हूं।''3

जेफ़ का मानना है कि कैप्शन में, गॉर्डन की पहचान एक जनरल के रूप में की गई है, जबकि लेख में गॉर्डन की पहचान उस समय के कर्नल के रूप में की गई है जब वह घायल हुआ था। यह स्पष्ट था कि गॉर्डन एंटीएटम की लड़ाई में बच गया था।

** अमेरिकी गृहयुद्ध (1861-1865) संघ, अर्थात् अब्राहम लिंकन के नेतृत्व वाले उत्तरी राज्यों के संघ और कॉन्फेडेरसी, जो जेफरसन डेविस के नेतृत्व वाले दक्षिणी राज्यों का संघ था, के बीच लड़ा गया था। कर्नल जॉन बी. गॉर्डन और जनरल ली कॉन्फेडरेट पक्ष के सैन्य कमांडर थे।

Machine Translated by Google

अपनी पुस्तक में, जेफ़ ने वर्णन किया है कि कैसे उन्हें बाद में यादें याद आईं जॉन बी. गॉर्डन के रूप में उनके जीवन का। जेफ़ अपने और गॉर्डन के बीच कुछ सामान्य आदतों और लक्षणों का भी वर्णन करता है। इनमें अपनी बाहों को पार करके खड़े होने की प्राथमिकता, पोशाक की सामान्य समझ, और उसके चेहरे और शरीर पर निशान जो गॉर्डन की लड़ाई के निशान हैं, शामिल हैं।

उन्होंने दो प्रतीकात्मक घटनाओं को दर्ज किया है। पहला 9 सितंबर, 1862 को जनरल ली द्वारा लिखे गए एक आदेश से संबंधित है, जिसमें उत्तर पर आक्रमण करने के लिए कॉन्फेडरेट सेना की योजनाओं का वर्णन किया गया है। आदेश की नौ प्रतियां बनाई गईं; यात्रा के दौरान एक प्रति खो गई थी और संघ के सैनिकों को मिली। इस जानकारी ने संघ के सैनिकों को संघीय सेना की स्थिति और एंटीएटम की लड़ाई के कारण के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। संक्षेप में, 9 सितंबर को लिखे गए आदेश एक गृहयुद्ध संघर्ष में समाप्त हुए जिसमें जॉन बी. गॉर्डन गंभीर रूप से घायल हो गए और लगभग मारे गए। यह प्रतीकात्मक घटना आज जेफ कीन का जन्मदिन है, जो 9 सितंबर है।

9 सितंबर से जुड़ी एक और प्रतीकात्मक घटना कीन के 30वें जन्मदिन पर हुई। उस दिन, जेफ को चेहरे और गर्दन में दर्द के कारण आपातकालीन कक्ष में ले जाया गया।

डॉक्टर जेफ के लक्षणों का कोई शारीरिक कारण नहीं ढूंढ सके।
दर्द का स्थान चेहरे और गर्दन पर लगे घावों से मेल खाता है जो एंटीएटम में जॉन बी. गॉर्डन को लगे थे।

जब गॉर्डन घायल हुआ तब उसकी उम्र 30 वर्ष थी; जेफ के चेहरे पर दर्द 9 सितंबर 1977 को उनके 30वें जन्मदिन पर हुआ।

यह घटना गॉर्डन की चोट से जुड़ी घटना की पुनरावृत्ति का प्रतिनिधित्व करती प्रतीत होती है। याद रखें कि जेफ़ को 1997 में आपातकालीन विभाग में ले जाया गया था, जो कि जेफ़ को गॉर्डन के साथ अपने संबंध का एहसास होने से 15 साल पहले था।

जेफ ने अपनी किताब में ऐसे दस्तावेज़ भी शामिल किए हैं जो उनकी लेखन शैली से समानता दर्शाते हैं। बाद के वर्षों में, जनरल गॉर्डन ने सिविल वॉर की यादें नामक पुस्तक लिखी, जिसने जेफ के अध्ययन के लिए सामग्री प्रदान की। आइए दो पांडुलिपियों की तुलना करें, एक गॉर्डन की पुस्तक से, जो उसके आदमियों के प्रयासों का वर्णन करती है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

किसी आपातकालीन स्थिति में अपने अग्निशमन विभाग की प्रतिक्रिया के संबंध में राइट्सविले, पेंसिल्वेनिया में आग से लड़ना और कीने से एक। मेरे अवलोकन से, ये दोनों दस्तावेज़ एक ही "आवाज़" से लिखे गए प्रतीत होते हैं। मेरे अनुरोध पर, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में भाषाओं के प्रोफेसर मिरियम पेट्रक, पीएच.डी. ने इन दस्तावेजों का भाषाई विश्लेषण किया, जो इस अध्याय में भी संलग्न हैं। यह विश्लेषण पुष्टि करता है कि इन दोनों उद्धरणों में एक निश्चित व्यवस्था समान है।

जॉन गॉर्डन (गृहयुद्ध की स्मृतियों से)

मेरे लोगों ने बड़ी ताकत से पुल को बचाने का काम किया। मैंने कॉल किया राइट्सविले के निवासियों ने बाल्टियों और डिपरों की मदद मांगी, लेकिन कोई नहीं मिला।

कुछ ही देर बाद, जब शहर में आग लगी थी, बाल्टियों और डिपरों की कोई कमी नहीं थी... मेरे लोगों ने शहर और पुल को बचाने के लिए दृढ़ता और बहादुरी से काम किया। अग्निशमन गाड़ियों या अन्य उपकरणों की अनुपस्थिति में, आग को फैलने से रोकने का एकमात्र मौका मेरे लोगों को जलती हुई जगह के चारों ओर रखना था, एक कंधे को नदी के किनारे की ओर रखना, और जल्दी से पानी की बाल्टी को एक हाथ से दूसरे तरफ स्थानांतरित करना था। हाथ।

इस तरह, और केवल तभी, भीषण आग पर काबू पाया जा सका, और रात के अंत तक आग पर काबू पा लिया गया और उसे शांत कर दिया गया।4

सहायक प्रमुख जेफरी कीन

(अग्निशमन प्रमुख को लिखे पत्र से)

मेरे रेडियो की बरामदगी के साथ, कार्यवाहक लेफ्टिनेंट क्रिस्टोफर एकली के मार्गदर्शन में कर्मियों और उपकरणों को लाया और स्थापित किया गया।

कार्य योजना स्थापित करते समय, लेफ्टिनेंट एकली ने सामान्य ज्ञान, ज्ञान और अच्छे अभ्यास के साथ-साथ अपने आदेश के तहत अग्निशामकों की सुरक्षा के लिए गहरी चिंता का प्रदर्शन किया। गैस की एक बड़ी धारा एक खुली खिड़की से इमारत में प्रवेश कर गई। हम दो वस्तुओं को छोड़कर सभी ज्वलनशील पदार्थों से छुटकारा पाने में कामयाब रहे। इमारत के मालिक ने हमें सूचित किया कि उसके घर में एक है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

एक तेल से चलने वाली भट्टी और एक वॉटर हीटर। उन्हें अंदर या बाहर से मारने का कोई रास्ता नहीं था। एक टेप माप, एक सकारात्मक दबाव वाले पंखे और खिड़की को खोलने और बंद करने के साथ, दोनों वस्तुओं को अंततः हटा दिया गया।5

जैसा कि मैंने पहले कहा, लोग समूह कर्म, भावनात्मक बंधन और साझा परियोजनाओं के आधार पर समूहों में अवतार लेते हैं। समूह अवतार की धारणा के कारण, जेफ और मुझे संदेह है कि वेस्टपोर्ट, कनेक्टिकट अग्निशमन विभाग में उनके साथी अग्निशामक, जॉन बी के सैन्य सहयोगी रहे होंगे।

गृहयुद्ध के दौरान गॉर्डन। बाद में, जेफ अपने अग्निशामकों और उन अधिकारियों के बीच कुछ मेल की पहचान करने में कामयाब रहे जिनके साथ गॉर्डन ने लड़ाई की थी। इन प्रस्तावित अतीत-जीवन जोड़ियों में से एक, जो आश्चर्यजनक शारीरिक समानताएं प्रदर्शित करती है, कॉन्फेडरेट जनरल कैडमस विलकॉक्स और फायरफाइटर वेन आर. ज़ेलेटा के बीच है।

जनरल विलकॉक्स और ज़ेलेटा की तुलना करने वाली तस्वीरें जनरल गॉर्डन और जेफ़री कीन की तस्वीरों के बगल में देखी जा सकती हैं।

पिछले जीवन की स्मृतियों के संदर्भ में जेफ ने तीन प्रकार की स्मृतियों का वर्णन किया है याद। सबसे पहले, ध्यान की एक श्रृंखला के माध्यम से, जेफ़ गॉर्डन के रूप में अपने जीवन के विवरणों की कल्पना करने या याद रखने में सक्षम है। जेफ ने रिमिनिसेंस ऑफ सिविल वॉर पढ़ने से पहले जानबूझकर यह ध्यान किया था। उन्होंने इन अनुभवों का दस्तावेजीकरण किया और बाद में गॉर्डन की पुस्तक और अन्य स्रोतों के माध्यम से कई विवरणों की पुष्टि करने में सक्षम हुए।

दूसरे प्रकार की स्मृति किसी अन्य स्रोत से पहले से जानकारी प्राप्त किए बिना गॉर्डन के जीवन का विवरण जानने में सहज है। उदाहरण के लिए, जेफ ने एक बार एक आगंतुक केंद्र का दौरा किया जहां कॉन्फेडेरसी के आत्मसमर्पण समारोह के अवशेष रखे गए थे। गॉर्डन ने इस विशेष समारोह में भाग लिया। समारोह की प्रक्रिया को दर्शाने वाली एक छवि, जिसमें गॉर्डन और उनके साथी कॉन्फेडरेट अधिकारियों द्वारा इस्तेमाल किए गए ध्वज शामिल हैं

Machine Translated by Google

जमा करना। जेफ को पता था कि प्रदर्शित झंडा समारोह में इस्तेमाल किया गया वास्तविक झंडा नहीं था। जेफ ने आगंतुक केंद्र में प्रदर्शित विभिन्न अन्य वस्तुओं से सटीक ध्वज को पहचान लिया। अधिकारी से पूछताछ करने के बाद, उन्होंने साबित किया कि प्रदर्शित झंडा वास्तव में बाद के युग का था, और जेफ ने समारोह में इस्तेमाल किए गए मूल झंडे की पहचान की थी।

जेफ़ की तीसरी प्रकार की स्मृति को भावनात्मक स्मृति कहा जा सकता है, जैसा कि सनकेन रोड की घटना में वर्णित है, जहां जेफ को अपने पिछले जीवन में एक आघात स्थल को दोबारा देखने पर गहरी भावनात्मक प्रतिक्रिया का अनुभव होता है।

जेफ़ कीन याद करते हैं कि गृह युद्ध के दौरान, वह दक्षिणी संघीय सेना में एक जनरल थे, लेकिन इस जीवन में वह उत्तर में रहते थे। जेफ ने नोट किया कि उनके पूर्वजों में से एक ने यूनियन आर्मी की तरफ से लड़ाई लड़ी थी, और इस प्रकार, जब वह जॉन बी गॉर्डन थे, तो उन्होंने कनेक्टिकट में अपने वर्तमान जीवन में अपने पूर्वजों से लड़ाई की होगी।

पुनर्जन्म हमें युद्ध पर एक अलग दृष्टिकोण देता है, एक ऐसा परिप्रेक्ष्य जो हमें यह देखने में मदद करता है कि युद्ध में जीवन और संसाधनों का बलिदान कितना व्यर्थ है।

मैं इस अध्याय को जेफ़ कीन की पुस्तक समवन एल्स टुमॉरो से लिए गए एक अंश के साथ समाप्त करना चाहूँगा। यह उद्धरण हमारे युग के लिए बहुत महत्व रखता है, यह देखते हुए कि आज हम अपने ग्रह पर कई संघर्ष देख सकते हैं। ध्यान दें कि यह उद्धरण किसी ऐसे व्यक्ति से आया है, जो पिछले जीवन में, संयुक्त राज्य अमेरिका के अब तक के सबसे महान युद्ध जनरलों में से एक था। इस बात पर विचार करें कि पुनर्जन्म को समझने से युद्धक्षेत्र के शूरवीरों का चरित्र भी कैसे नरम हो सकता है।

एक पल के लिए रुकें और इस पर विचार करें कि यदि पुनर्जन्म जीवन की वास्तविकता साबित हो तो दुनिया कैसी होगी। तो फिर हम एक दूसरे के साथ कैसा व्यवहार करेंगे? परिवार, दोस्तों या परिचितों के साथ व्यवहार करते समय, हमें खुद से कुछ प्रश्न पूछने की ज़रूरत है जैसे: ये आत्माएँ कौन हैं?

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

यह? उन्हें मुझसे क्या लेना-देना? क्या मैं उनसे कुछ सीखने जा रहा हूँ या मैं उनका शिक्षक बनने जा रहा हूँ?
संभावनाएं अनंत हैं। हम सभी एक ही घर में रहते हैं और यह हर दिन छोटा होता जा रहा है।

यह ग्रह एक "वैश्विक गांव" बन गया है। पृथ्वी के अन्य भागों में होने वाली घटनाओं का वर्णन करने के लिए लिखित शब्दों की कोई आवश्यकता नहीं है। बस बटन दबाएं और हम आराम से बैठकर घटनाओं को देख सकते हैं।
प्रत्येक देश अपने वित्त, प्रदूषण समस्याओं और तुच्छ शत्रुता से एक-दूसरे को प्रभावित करता है। आज, पहले से कहीं अधिक, हर किसी को अपने सोचने का तरीका बदलने की ज़रूरत है। अब मैं नहीं, बल्कि हम हैं। अब वे नहीं, बल्कि यू.एस. हम खुद पर और अपने आस-पास के लोगों पर अपनी छाप छोड़ते हैं, इसलिए आइए हम सौम्य दृष्टिकोण के साथ प्रयास करें।5

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जेफरी कीन का योगदान

जॉन बी. गॉर्डन

फोटो जॉर्ज कॉर्डोरज़ो द्वारा

जेफ़ कीन

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

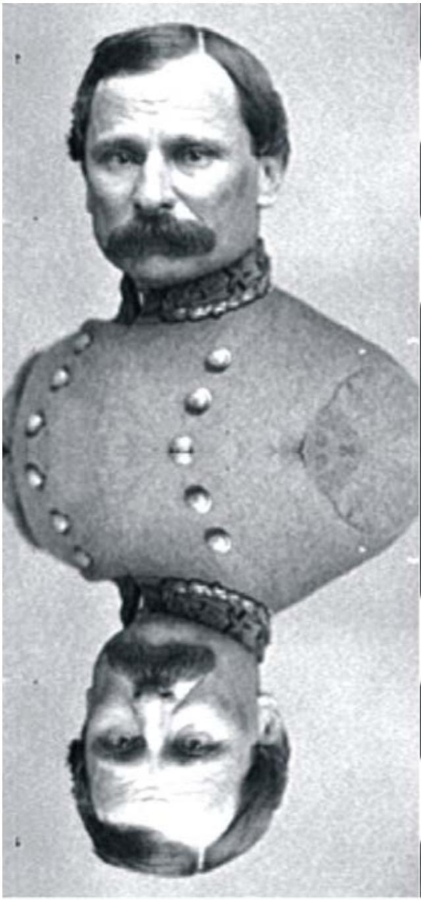

कांग्रेस के पुस्तकालय का योगदान

कैडमस विलकॉक्स

वेन ज़ेलेटा का योगदान

वेन ज़ेलेटा

Machine Translated by Google

कांग्रेस के पुस्तकालय का योगदान

जॉन बी. गॉर्डन

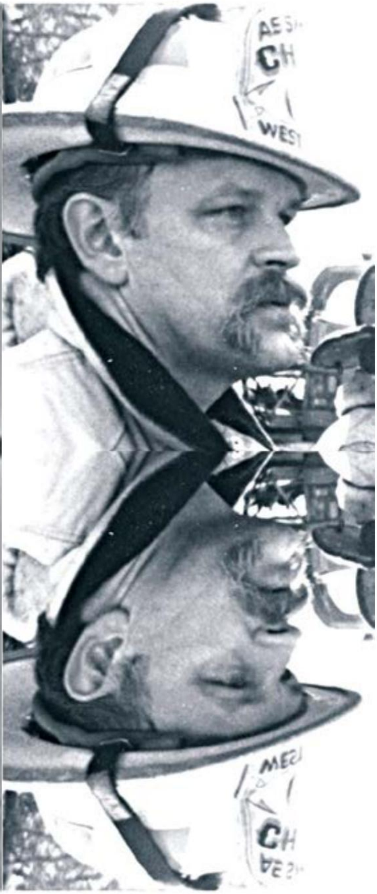

जेफ कीन का योगदान

जेफ़ कीन

गॉर्डन और विलकॉक्स कॉन्फेडरेट आर्मी में एक साथ लड़े। वे कीने और ज़ेलेटा के रूप में पुनर्जन्म लेते हैं, जो वेस्टपोर्ट, कनेक्टिकट अग्निशमन विभाग में एक ही अग्निशमन विभाग में काम करते हैं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

लगाव

जॉन बी. गॉर्डन के मामले का भाषाई विश्लेषण/
जेफरी कीन

मिरियम पेत्रुक द्वारा, पीएच.डी.

जॉन गॉर्डन (गृहयुद्ध की स्मृतियों से)

मेरे लोगों ने बड़ी ऊर्जा के साथ पुल को बचाने के लिए काम किया। मैंने राइट्सविले के नागरिकों से बाल्टियाँ और बाल्टी माँगी, लेकिन कोई नहीं मिली।

थोड़ी देर बाद, जब शहर में आग लगी थी, तब बाल्टियों और बाल्टियों की कोई कमी नहीं थी... मेरे लोगों ने शहर को बचाने के लिए उतनी ही ईमानदारी और बहादुरी से काम किया, जितना उन्होंने पुल को बचाने के लिए किया था। फायर-इंजन या अन्य उपकरणों की अनुपस्थिति में, आग की लपटों की प्रगति को रोकने का एकमात्र मौका जलते हुए जिले के चारों ओर मेरे लोगों को नदी के किनारे पर आराम करने के साथ इकट्ठा करना था, और तेजी से एक हाथ से दूसरे हाथ तक जाना था पानी। इस प्रकार, और केवल इसी प्रकार, आगे बढ़ती, प्रचंड आग का सामना किया गया, और रात के एक घंटे के अंत तक जाँच की गई और उस पर विजय प्राप्त की गई।

सहायक प्रमुख जेफरी कीन

(अग्निशमन प्रमुख को लिखे पत्र से)

मेरे रेडियो को बहाल करने के साथ, मानव शक्ति और उपकरण लाए गए और उन्हें कार्यवाहक लेफ्टिनेंट क्रिस्टोफर एकली के मार्गदर्शन में रखा गया।

कार्य योजना स्थापित करते समय, लेफ्टिनेंट एकली ने अपने आदेश के तहत अग्निशामकों की सुरक्षा के लिए अच्छा सामान्य ज्ञान, ज्ञान, प्रशिक्षण और गहरी चिंता प्रदर्शित की। खुली खिड़की के रास्ते बड़ी मात्रा में गैस संरचना में प्रवेश कर गई। हालाँकि हमने आग लगने के सभी संभावित स्रोतों को हटाने की कोशिश की, लेकिन हम सभी को हटाने में सफल रहे। मालिक ने हमें बताया कि घर में एक तेल से चलने वाली भट्टी और एक भट्टी है

गरम पानी करने का यंत्र। उन्हें अंदर या बाहर से बंद करने का कोई तरीका नहीं था। मीटरिंग उपकरणों, एक सकारात्मक दबाव वाले पंखे और खिड़कियों को खोलने और बंद करने से खतरा दूर हो गया।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

मिरियम पेट्रक, पीएच.डी. द्वारा भाषाई विश्लेषण का सारांश।

- प्रति वाक्य शब्दों की औसत संख्या लगभग समान है: गॉर्डनÿ21;
  कीनेÿ18.
- संयुक्त वाक्यों का उपयोग: गॉर्डनÿ"आग की लपटों की प्रगति को रोकने का एकमात्र मौका जलते हुए जिले के चारों ओर अपने लोगों को बनाना था, जिसका किनारा नदी के किनारे पर आराम कर रहा था, और पानी की बाल्टी को एक हाथ से दूसरे हाथ तक तेजी से पार करना था"; कीने: "कार्य योजना स्थापित करते समय, लेफ्टिनेंट एकली ने अपने आदेश के तहत अग्निशामकों की सुरक्षा के लिए अच्छा सामान्य ज्ञान, ज्ञान, प्रशिक्षण और गहरी चिंता प्रदर्शित की"।
- जटिल वाक्यों में पूर्वसर्गीय उपवाक्यों का उपयोग: गॉर्डनो "दमकल गाड़ियों के अभाव में"; कीनेÿ"कार्य योजना स्थापित करते समय"।
- अस्तित्वपरक प्रयोग, निषेध के साथ वाक्य: गॉर्डनÿ“कोई कमी नहीं थी बाल्टियाँ”; कीनेÿउन्हें बंद करने का कोई रास्ता नहीं था"।
- वाक्य की शुरुआत में क्रियाविशेषण के साथ उपवाक्य: गॉर्डनÿ"महान ऊर्जा के साथ", "अग्नि-इंजनों की अनुपस्थिति में"; कीनेÿ"मेरे रेडियो को बहाल करने के साथ"।
- अंत को छोड़कर अधिकांश पाठ सक्रिय आवाज़ में है। दोनों उद्धरणों में, पैराग्राफ निष्क्रिय आवाज़ में समाप्त होता है, जैसे कि सफलता शामिल पक्षों के हस्तक्षेप के बिना हुई हो। क्रिया के दो हिस्सों को अलग करके, वाक्यों के अपेक्षित क्रम को बदलकर उत्तेजना प्राप्त की जाती है।

  गॉर्डन''बढ़ती हुई, प्रचंड आग का मुकाबला किया गया, और रात के एक घंटे तक जाँच की गई और उस पर विजय प्राप्त की गई।''; कीनेÿ" मीटरिंग उपकरणों, एक सकारात्मक दबाव वाले पंखे और खिड़कियों को खोलने और बंद करने से खतरा दूर हो गया"।

डॉ. पीटर के नोट्स:

हालाँकि, उपरोक्त समानताओं को देखते हुए, हमें लेखक की स्थिति के संबंध में एक बयान शामिल करना चाहिए। अधिक विशेष रूप से, क्योंकि ये पांडुलिपियाँ बहुत छोटी हैं और विश्लेषण (मुख्य रूप से) प्रमुख संरचनात्मक गुणों तक ही सीमित है, जिसके संबंध में कोई भी दावा किया जा सकता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

लेखक की स्थिति, अधिमानतः, अस्थायी है। इस बिंदु पर मजबूत दावा करने के लिए और अधिक विश्लेषण की आवश्यकता है।

बड़े, पूर्व-चयनित पांडुलिपि स्निपेट्स विभिन्न शब्द समूहों पर आवृत्ति परीक्षणों की भिन्नता की सुविधा प्रदान करेंगे। इसके अलावा, इन लेखों की उपशैली प्रकृति के बारे में अन्य प्रश्नों के उत्तर देने के लिए ऐसी पांडुलिपियों की जांच करना सहायक होता है। उदाहरण के लिए, क्या वे विशेष शब्दावली का उपयोग करते हैं? क्या पाठ सामान्य शब्दों के अनूठे संयोजनों का उपयोग करते हैं? क्या वाक्यों में कोई असामान्य वर्तनी या उद्धरणों का उपयोग, या अधिक सामान्यतः विराम चिह्नों का उपयोग है? जो कथा में इस प्रकार है।

आइये मिलकर देखते हैं.

Machine Translated by Google

6

न्यूरोसर्जन नॉर्म शीली ए.एस

पुनर्जन्मित डॉ. जॉन इलियटसन; जेके राउलिंग के रूप में चार्ल्स डिकेंस का पुनर्जन्म

नॉर्म शीली एक विश्व-प्रसिद्ध न्यूरोसर्जन, आविष्कारक, लेखक और दर्द प्रबंधन विशेषज्ञ हैं। नॉर्म TENS यूनिट के आविष्कारक हैं, एक उपकरण जो दर्द को नियंत्रित करने के लिए त्वचा में विद्युत प्रवाह पारित कर सकता है। वह डोर्सल कॉलम स्टिमुलेटर के आविष्कारक भी हैं, एक उपकरण जिसे त्वचा के नीचे रखा जाता है जिसमें स्पाइनल नोड से जुड़े तार होते हैं, जो गंभीर और असहनीय पीठ दर्द के मामलों में दर्द के आवेगों को अवरुद्ध करने के लिए विद्युत प्रवाह उत्सर्जित करता है। डॉ. शीली ने फेसेट राइज़ोटॉमी का भी आविष्कार किया, एक शल्य प्रक्रिया जिसमें रीढ़ के जोड़ों से उत्पन्न होने वाले दर्द को कम करने के लिए तंत्रिका तंतुओं को काटा जाता है।

डॉ. शीली को आधुनिक व्यापक दर्द प्रबंधन कार्यक्रमों का जनक भी माना जाता है, जिसमें बहु-विषयक दृष्टिकोण, मनोवैज्ञानिकों और डॉक्टरों की भर्ती शामिल है। उपरोक्त सभी के कारण, नॉर्म शीली दुनिया भर के चिकित्सा समुदाय में अच्छी तरह से जाना जाता है।

नॉर्म शीली ने पिछले जीवन का अध्ययन किया है जिसमें वह जॉन था इलियटसन, 19वीं सदी के ब्रिटिश चिकित्सक थे, जो चिकित्सा में एक प्रर्वतक और दर्द विशेषज्ञ भी थे। डॉ. शीली अपने शब्दों में बताते हैं कि उन्हें अपने पिछले अवतार के बारे में कैसे पता चला। नीचे दिए गए लेख में, स्नोमास शब्द कोलोराडो में एक स्की रिसॉर्ट को संदर्भित करता है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जनवरी 1972 में, मैं एस्पेन में स्नोमास में एक न्यूरोइलेक्ट्रिक सोसाइटी व्याख्यान में बैठा था, डॉ. की प्रतीक्षा कर रहा था।

विलियम क्रोगर ने अपना व्याख्यान समाप्त किया। मैं थोड़ा परेशान था क्योंकि वह हमें समझाने की कोशिश कर रहा था कि एक्यूपंक्चर सम्मोहन है और उसने अचानक कहा, "पिछली सदी में एक अंग्रेजी डॉक्टर ने दिखाया था कि आप सम्मोहित रोगी का ऑपरेशन कर सकते हैं। डॉक्टर का नाम जॉन इलियटसन है।"

जब उसने ऐसा कहा, तो मुझे ऐसा लगा जैसे किसी ने मेरी पीठ पर बर्फ का एक टुकड़ा मारा हो और मैंने खुद से कहा, "हे भगवान, वह मैं हूं।"

मैं उस समय पुनर्जन्म के मामले में औसत दर्जे का था। मैंने अपने से पूछा मेडिकल लाइब्रेरियन अगर उन्हें जॉन इलियटसन के बारे में कोई जानकारी मिल सकती थी और उन्हें कुछ भी नहीं मिला। फिर उसी साल जून में मैं लंदन गया. मैंने एक टैक्सी ली और ड्राइवर से मुझे रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स तक ले जाने को कहा, यह सोचकर कि जॉन इलियटसन भी एक सर्जन होगा। जैसे ही हम दाहिनी ओर एक मोड़ पर मुड़ रहे थे, मैं टैक्सी के पीछे बैठ गया और अचानक ऐसा महसूस हुआ कि मुझे शारीरिक रूप से उठा लिया गया है और विपरीत दिशा में मोड़ दिया गया है, एक बार फिर मुझे ऐसा लगा जैसे मेरी पीठ पर बर्फ की कोई गांठ हो। बाईं ओर एक ब्लॉक, दाईं ओर नहीं, लंदन का यूनिवर्सिटी कॉलेज अस्पताल है, जहां जॉन इलियटसन के रूप में मेरा कार्यालय एक बार था। मैं इमारत में चला गया और मुझे घर जैसा महसूस हुआ।

यह पता चला कि जॉन इलियटसन यूनिवर्सिटी कॉलेज अस्पताल में मेडिसिन के पहले प्रोफेसर थे। उन्होंने 1830 में अपनी प्रतिष्ठा बनाई-
और चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं पर सार्वजनिक व्याख्यान देते समय।
उस समय लैंसेट पत्रिका के संपादक जेम्स वेकले उनके व्याख्यान अक्सर प्रकाशित करते थे। एक प्रशिक्षु के रूप में अपने करियर के दौरान, जॉन ने स्टेथोस्कोप और नशीले पदार्थों के उपयोग की शुरुआत फ्रांस से की, जहां उन्होंने अध्ययन किया था। उन्होंने मंत्रमुग्धता का भी परिचय दिया

और एक थिएटर में मंत्रमुग्धता के बारे में सार्वजनिक प्रदर्शन आयोजित करना शुरू किया। वह चार्ल्स डिकेंस और विलियम थैकेरी के करीबी दोस्त थे। उन्होंने डिकेंस को सिखाया कि हाइपोकॉन्ड्रिया से पीड़ित अपनी पत्नी पर मंत्रमुग्धता का प्रयोग कैसे किया जाए

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

बीमार होने का डर) इलियटसन लंदन के पहले डॉक्टर हैं जिन्होंने निक्कर का इस्तेमाल बंद कर दिया है* . उसके काले घुंघराले बाल हैं और वह जन्म से ही लंगड़ा है।

उन्होंने यह भी प्रदर्शित किया कि उनके कुछ मरीज़ जो बिना इसका एहसास किए ट्रान्स में चले गए, वे मानसिक रोगी बन गए और आसानी से निदान कर सकते थे। इलियटसन ने जेम्स एस्डेल को मंत्रमुग्ध रोगियों पर बड़ी संख्या में ऑपरेशन करने के लिए भी प्रेरित किया। एस्डेल ने बाद में नेचुरल एंड मेस्मेरिक क्लैरवॉयन्स नामक पुस्तक लिखी और मानसिक क्षमताओं को ट्रिगर करने के लिए इलियटसन की कृत्रिम निद्रावस्था की तकनीक के उपयोग का उल्लेख किया।

इसकी अगली कड़ी में, इलियटसन को विश्वविद्यालय सलाहकार बोर्ड द्वारा मंत्रमुग्धता के सार्वजनिक प्रदर्शन को रोकने के लिए कहा गया था। इलियटसन क्रोधित हो गए और पीछे हट गए।

बारह वर्षों तक उन्होंने द ज़ोइस्ट का प्रकाशन जारी रखा, जिसमें उन्होंने मंत्रमुग्धता के कई पहलुओं का वर्णन किया, जिसमें अन्य सर्जनों द्वारा 300 से अधिक रोगियों का ऑपरेशन भी शामिल था, जब इलियटसन ने रोगी को ट्रान्स में डाल दिया था। अंततः उन्हें चिकित्सा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन द्वारा वार्षिक हैवेरियन व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया। उन्होंने नए विचारों को स्वीकार करने में विज्ञान के पाखंड पर व्याख्यान दिया।

अब मेरे जीवन में समानताएँ। 9 साल की उम्र में मेरे अलावा हर कोई निक्कर पहनता था। मेरी माँ मुझे इसे पहनने के लिए मजबूर करने की कोशिश करती थी और मैं तुरंत क्रोधित हो जाता था और पैंट फाड़ देता था। जब मैं बच्चा था, शायद 4 या 5 साल का, मुझे घुंघराले काले बाल इतने ज्यादा पसंद थे कि मैं एक बार अपनी चाची के पास गया और उनके काले बालों का एक गुच्छा काट दिया। जब मैं 16 साल का था और कॉलेज में प्रवेश कर रहा था, मैंने अपने बालों को काला रंग लिया था, लेकिन मैंने कभी भी उससे अधिक ऐसा नहीं किया। बहुत परेशानी भरा. जॉन एक लैटिन विद्वान है और मैंने हाई स्कूल में दो साल में लैटिन पदक जीता था। जब मैं 9 साल का था तो मेरे दाहिने पैर की हड्डी में छोटा सा फ्रैक्चर हो गया। घाव संक्रमित था और सड़ रहा था। यह एंटीबायोटिक दवाओं के आगमन से पहले था और मुझे बताया गया था कि मैं हमेशा ऐसा ही रहूंगा

* निकर: एक प्रकार का अंडरवियर जो शरीर को कमर से टखने तक ढकता है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

लंगड़ा कर चलना.

4 साल की उम्र से मैंने कहा था कि मैं डॉक्टर बनूंगा, 16 साल की उम्र में मैंने कहा हमेशा सोचा था कि मैं न्यूरोसर्जन बनूंगा। मेडिकल स्कूल में अपने प्रारंभिक और अंतिम वर्षों के बीच, मैंने विभिन्न सर्जिकल इंटर्नशिप अवसरों का दौरा करने के लिए तीन महीने की यात्रा की। मैं ड्यूक लौट आया और सर्जरी के बजाय आंतरिक चिकित्सा में इंटर्नशिप करने का फैसला किया, हालांकि इंटर्नशिप के बाद भी मैंने न्यूरोसर्जरी जारी रखी।

एक बच्चे के रूप में, चार्ल्स डिकेंस मेरे पसंदीदा लेखकों में से एक थे। 1974 में, मैंने एक महान चिकित्सक ओल्गा वॉरॉल से मुलाकात की। एक सम्मोहित अवस्था में, मैंने उसे अपने लिविंग रूम में चलते, मेज पर रखी एक किताब उठाते और उसे वापस रखते हुए देखा। फिर मैंने ओल्गा को बुलाया और पूछा कि क्या यह वही किताब है जो उसके लिविंग रूम की मेज पर थी।

इसमें कहा गया है कि यह विलियम थैकेरी द्वारा लिखित पेंडनिस है। थैकेरी ने अपना उपन्यास, पेंडनिस (1850) डॉ. इलियटसन को समर्पित किया और अपने उपन्यासों में डॉ. गुडइनफ़ के चरित्र को डॉ. की तरह बनाया।

इलियटसन.

मैंने अपने जीवन में बहुत सारा समय लोगों को उनके शरीर में नशीले पदार्थ डालने के बजाय उन्हें छुड़ाने में बिताया है। इलियटसन का नाम सुनने से छह महीने पहले, मैंने गुमनाम रूप से नए विचारों को स्वीकार करने में चिकित्सा जगत के पाखंड पर आधारित एक उपन्यास प्रकाशित किया था। मैं ऐसे कई उदाहरणों का उपयोग करता हूं जिनका उल्लेख इलियटसन ने अपने हार्वेरियन व्याख्यानों में किया है।

1973 में, इलियटसन का नाम सुनने से एक महीने पहले, मुझे फॉर्च्यून 500 कंपनी से 50,000 डॉलर की शोध निधि का प्रस्ताव मिला, जिसने मानसिक रोगी के निदान का अध्ययन करने के लिए गुमनाम रहने के लिए कहा।

1973 में, मैं 75 लोगों से मिला जिनके बारे में कहा जाता था कि वे महान मनोवैज्ञानिक थे, और मैंने चिकित्सा अंतर्ज्ञान, या निदान करने के लिए एक पूरी तरह से अप्रशिक्षित मनोवैज्ञानिक की क्षमता का परीक्षण किया। हमें ऐसे 5 लोग मिले जिनकी सटीकता 70-75% के बीच थी। जब मैंने उन 75 अंतर्ज्ञानी लोगों को बताया, जिनसे मैं मिला था, तो मुझे व्यक्तिगत तौर पर ऐसा महसूस हुआ कि मैं एक समय जॉन इलियटसन था, सभी 75 वर्ष के थे।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

वह व्यक्ति सहमत हो गया. अपने जीवन के लगभग सात वर्षों तक, मैंने चिकित्सा के वैकल्पिक दृष्टिकोणों को कवर करने वाला एक समाचार पत्र, होलोस प्रैक्टिस रिपोर्ट्स प्रकाशित किया।

संक्षेप में, मुझे कभी कोई संदेह नहीं था कि मैं अपने पिछले जीवन में जॉन इलियटसन था। जॉन इलियटसन का जन्म 24 अक्टूबर 1791 को हुआ था। 19 साल की उम्र में उन्होंने मेडिकल स्कूल से स्नातक की उपाधि प्राप्त की। दिलचस्प बात यह है कि मैंने 19 साल की उम्र में मेडिकल स्कूल में प्रवेश लिया।

29 जुलाई, 1868 को उनकी मृत्यु हो गई। संयोग से, जॉन ने लंदन में खोपड़ी के अध्ययन के लिए फ्रेनोलॉजी सोसाइटी की स्थापना की, और मुझे न्यूरोसर्जरी की ओर आकर्षित किया, जिसका निश्चित रूप से खोपड़ी से बहुत कुछ लेना-देना था।

आइए हम इलियटसन के कुछ मुख्य बिंदुओं की संक्षेप में समीक्षा करें/
घिनौना मामला. जब डॉ. शीली ने पहली बार जॉन इलियटसन का नाम सुना, तो उसे सहज ही पता चल गया कि वह पिछले जन्म का इलियटसन है। ऐसा तब भी हुआ जबकि उस समय डॉ.

पुनर्जन्म के बारे में शीली अभी भी औसत दर्जे की थी। इलियटसन के जीवन का अध्ययन करने से पहले और इलियटसन की तस्वीर देखे बिना, डॉ. शीली के पास जानने की एक आंतरिक भावना थी, साथ में एक नाटकीय अनुभूति भी थी जैसे कि "बर्फ की गांठ" ने उनकी पीठ पर प्रहार किया हो। जब डॉ. शीली इलियटसन की जांच करने के लिए लंदन जाते हैं, तो उन्हें सहज रूप से इलियटसन का कार्यालय मिल जाता है। इस घटना के साथ "बर्फ के टुकड़े" की अनुभूति भी होती है।

डॉ. शीली को बाद में पता चला कि उनमें और इलियटसन में बहुत सारी समानताएँ हैं। दोनों चिकित्सा क्षेत्र में एक समान आविष्कारक प्रकृति साझा करते हैं: इलियटसन ने इंग्लैंड में स्टेथोस्कोप का उपयोग शुरू किया, और नॉर्म शीली ने TENS इकाई और डोर्सल कॉलम स्टिमुलेटर का आविष्कार किया।

दोनों ने दर्द प्रबंधन में रुचि दिखाई है।
इलियटसन ने इंग्लैंड में नशीले पदार्थों के उपयोग की शुरुआत की, जबकि डॉ.
शीली दर्द प्रबंधन में विश्व विशेषज्ञ हैं। अपने वर्तमान करियर में, डॉ. शीली दर्द को प्रबंधित करने के अन्य तरीके खोजने की कोशिश कर रहे हैं ताकि लोग नशीले पदार्थों से छुटकारा पा सकें। इलियटसन एक प्रशिक्षु थे, जिन्होंने बाद में फ्रेनोलॉजी की स्थापना की, जो खोपड़ी का अध्ययन है। डॉ।

शीली ने सबसे पहले विज्ञान में इंटर्नशिप करना चुना

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

आंतरिक चिकित्सा, क्षेत्र बदलने और न्यूरोसर्जन बनने से पहले।

इलियटसन को मेस्मेरिज्म या सम्मोहन में रुचि थी, जो डॉ. शीली. इलियटसन इस अवलोकन से चकित थे कि सम्मोहन उत्तेजना पैदा कर सकता है। डॉ. शीली ने कैरोलीन माइस सहित मनोविज्ञान और चिकित्सा अंतर्ज्ञान के साथ काम किया है।

दोनों को उनके विचित्र दृष्टिकोण के लिए चिकित्सा समुदाय में रूढ़िवादियों द्वारा नीची दृष्टि से देखा गया है।

इलियटसन ने हार्वेरियन व्याख्यान में अपने विरोधियों की तीखी आलोचना की, जहां उन्होंने नए विचारों को स्वीकार करने में विज्ञान के पाखंड पर प्रवचन दिया। डॉ।

शीली ने उसी संदेश के साथ एक उपन्यास प्रकाशित किया और उन्हीं उदाहरणों का उपयोग किया जो इलियटसन ने हार्वेरियन व्याख्यान में उपयोग किया था।

इलियटसन के बाल गहरे काले थे, जबकि डॉ. शीली, कम उम्र में, वापस पाने की कोशिश करते हैं। इलियटसन ने निक्कर पहनना बंद कर दिया। डॉ।

शीली को गुस्सा आ जाता है जब उसकी माँ उसे उसी तरह के कपड़े पहनने के लिए मजबूर करने की कोशिश करती है जिससे वह नफरत करती है।

यह महत्वपूर्ण है कि जब मैंने पहली बार 2002 में डॉ. शीली से संपर्क किया था। उन्हें इस बात का एहसास नहीं था कि चेहरे की विशेषताएं जीवन भर एक जैसी रहती हैं। जब मैंने उससे पूछा कि क्या वह जॉन इलियटसन जैसा दिखता है, तो नॉर्म ने उत्तर दिया, "मुझे नहीं पता!" नॉर्म मुझे एक मेडिकल छात्र के रूप में

इलियटसन और खुद की तस्वीरें भेजने के लिए सहमत हुए, क्योंकि उन्हें लगा कि उनमें कुछ समानता हो सकती है। इस अध्याय के अंत में प्रस्तुत चित्र संबंधित चेहरे के आकार की संरचना को स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं। रॉबर्ट स्नो के मामले में भी, यह तथ्य कि नॉर्म शीली ने अपने पिछले जीवन के मामले को इतने ठोस तरीके से समाप्त किया, बिना किसी संदेह के विश्वास किया कि वह इलियटसन का पुनर्जन्म है और उपस्थिति समानता पर भी ध्यान केंद्रित नहीं कर रहा है, फिर से चेहरे के भावों की स्थिरता को पुष्ट करता है एक अवतार से दूसरे अवतार तक जाना एक घटना है। वैध।

दो अतिरिक्त पिछले जीवन साथियों का निधन हो चुका है नॉर्मन शीली मामले से. उनमें से एक में एंटोन मेस्मर शामिल थे, जिन्होंने जॉन इलियटसन को गहराई से प्रभावित किया।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

मेस्मर एक ऑस्ट्रियाई डॉक्टर थे, जो 1734 और 1815 के बीच रहे। उन्होंने एक प्रकार का सम्मोहन विकसित किया जिसे "मेस्मेरिज्म" के रूप में जाना जाता है। मेस्मर ने पाया कि कुछ रोगियों को इस ट्रान्स या ध्यान अवस्था से लाभ होता है। चिकित्सा समुदाय के अन्य डॉक्टरों, जैसे जॉन इलियटसन/नॉर्म शीली, ने मेस्मर के काम का समर्थन किया।

1785 में, फ्रांसीसी सरकार ने मेस्मर के काम की जांच के लिए एक समिति बनाई, जिसमें बेंजामिन फ्रैंकलिन भी शामिल थे। समिति की रिपोर्ट ने मेस्मर का समर्थन नहीं किया और परिणामस्वरूप, उसे धोखाधड़ी माना गया। भविष्य की पीढ़ियों ने भी मेस्मर की आलोचना की, हालांकि सम्मोहन और उसके भाई, ध्यान को बाद में कई चिकित्सीय स्थितियों के लिए फायदेमंद पाया गया।

आज, एंटोन मेस्मर की पहचान जॉन काबट-ज़िन, पीएच.डी. के रूप में की गई है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में चिकित्सा समुदाय में "जागरूकता ध्यान" लाए थे। माइंडफुलनेस मेडिटेशन का उपयोग उन स्थितियों को राहत देने के लिए किया जाता है जो तनाव से बढ़ जाती हैं, और इसे मैस्मेरिज्म का एक आधुनिक संस्करण माना जा सकता है। इस कहानी का एक अद्भुत पहलू यह है कि आजकल एंटोन मेस्मर को उनके काम का श्रेय दिया जाता है, न कि उनका मजाक उड़ाया जाता है। वैसे, काबट-ज़िन के साथ मेस्मर की अनुकूलता की पुष्टि केविन रायर्सन के माध्यम से संचार करने वाली मार्गदर्शक भावना अहतुन रे ने की है। इस भावना ने पिछले जीवन का सटीक मिलान करने की क्षमता का प्रदर्शन किया है।

कई चिकित्सा संस्थानों में माइंडफुलनेस मेडिटेशन सिखाया जाता है।
इस जीवन में, डॉ. काबट-ज़िन मेडिकल अकादमी के सदस्य हैं, क्योंकि वह मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ मेडिसिन में मेडिसिन के सेवानिवृत्त प्रोफेसर हैं। मुझे यह कहानी बहुत पसंद है क्योंकि यह दिखाती है कि जिन लोगों को अपने जीवन में एक बिंदु पर बंद दिमाग वाले लोगों द्वारा डांटा जाता है, वे वास्तव में अंत में पुरस्कार का उचित हिस्सा प्राप्त कर सकते हैं।

के संबंध में एक और पूर्व जन्म का मामला सामने आया है
नॉर्म शीली में चार्ल्स डिकेंस शामिल हैं, जो जॉन इलियटसन के करीबी दोस्त माने जाते हैं। केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या डिकेंस

Machine Translated by Google

वर्तमान में अवतरित हुआ, और मुझे बताया गया कि अवतार कौन था।
मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि डिकेंस आज कौन हैं, हालाँकि दूसरी बार सोचने पर यह बहुत मायने रखता है। चार्ल्स डिकेंस का पुनर्जन्म हैरी पॉटर श्रृंखला के निर्देशक जेके राउलिंग के रूप में हुआ है।
अहतुन रे बताते हैं कि इस जीवन में, अपने पिछले जीवन की तरह, डिकेंस/राउलिंग ने लेखन के माध्यम से बच्चों के जीवन में जादू लाया। डिकेंस और राउलिंग के बीच शारीरिक समानता भी प्रभावशाली है।

संक्षेप में, जॉन इलियटसन/नॉर्म शीली मामला एक है स्वतंत्र रूप से जांचा गया मामला, जो चेहरे की विशेषताओं, प्रतिभाओं और व्यक्तित्व लक्षणों में समानता दिखाता है जो जीवन-दर-जीवन एक समान बने रहते हैं। मेस्मर/काबट-ज़िन और डिकेंस/राउलिंग के मामले अहतुन रे के माध्यम से पारित किए जाते हैं, जो एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक है जो रायर्सन के माध्यम से संचार करता है। अहतुन रे की पिछले जीवन की सटीक पहचान मिलान करने की क्षमता पर इस पुस्तक के दूसरे भाग में विस्तार से चर्चा की जाएगी।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

©द रॉयल सोसाइटी

डॉ. जॉन इलियटसन

नॉर्म शीली का योगदान

डॉ. नॉर्म शीली

Machine Translated by Google

विवरण ©बेटमैन/कॉर्बिस

चार्ल्स डिकेंस

विवरण ©मिशेल गेरबर/कॉर्बिस

जेके रॉउलिंग

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

7

अमेरिकी राजनयिकों का पिछला जीवन

वेन पीटरसन और उनका रिश्ता मैत्रेय और साईं बाबा के साथ

वेन पीटरसन संयुक्त राज्य अमेरिका के राजनयिक हैं

जो हाल ही में सेवानिवृत्त हुए हैं. उन्होंने 32 वर्षों तक अमेरिका में सेवा की है। अपने करियर के पिछले 17 वर्षों से, पीटरसन फुलब्राइट छात्रवृत्ति कार्यक्रम के निदेशक रहे हैं, जो वाशिंगटन डीसी में स्थित है लेकिन दुनिया भर में अमेरिकी दूतावासों के माध्यम से प्रसारित होता है।

हाल ही में, फुलब्राइट में अपने काम के हिस्से के रूप में, पीटरसन ने वियतनाम में एक मानवीय परियोजना पर सीनेटर जॉन केरी के साथ सीधे काम किया।

पीटरसन ने पीस कोर में अपनी अंतर्राष्ट्रीय सेवा शुरू की, जहां उन्होंने ब्राजील में एक बहुत ही सफल एसओएस कार्यक्रम की स्थापना की। निजी तौर पर वित्त पोषित यह कार्यक्रम देश की सबसे गरीब आबादी को सहायता प्रदान करता है। मेल्विन लेयर्ड, जो बाद में रिचर्ड एम. निक्सन प्रशासन में रक्षा सचिव बने, पीटरसन परियोजना के प्रत्यक्ष समर्थक थे।

पीस कॉर्प्स कार्यकाल के अंत में, पीटरसन से ब्राजील में अमेरिकी राजदूत ने संपर्क किया, जिन्होंने उन्हें केवल एक आधिकारिक राजनयिक बनने और रियो डी जनेरियो में दूतावास में काम करने के लिए कहा। पीटरसन ने स्क्रीनिंग टेस्ट पास कर लिया और पीस कॉर्प्स में उनका कार्यकाल समाप्त होने से पहले उन्हें अमेरिकी विदेश विभाग में स्वीकार कर लिया गया। अगले 13 वर्षों में, उन्होंने लैटिन अमेरिका, दक्षिण पूर्व एशिया और अंततः अफ्रीका में विभिन्न राजनयिक पदों पर कार्य किया।

पीटरसन वाशिंगटन लौट आए जहां उन्हें फुलब्राइट छात्रवृत्ति कार्यक्रम के निदेशक के पद से सम्मानित किया गया, इस पद पर वे 17 वर्षों तक रहे। अपने करियर के दौरान, पीटरसन

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

रॉबर्ट एफ. कैनेडी और उनकी पत्नी एथिल के साथ एक धन्यवाद रात्रिभोज में भाग लेने का अवसर मिला, उन्होंने राष्ट्रपति रिचर्ड एम. निक्सन के साथ एक निजी बैठक की, और उन्होंने राष्ट्रपति जॉन एफ. से मुलाकात की।
कैनेडी और राष्ट्रपति लिंडन बेन्स जॉनसन।

एक सम्मानित सेवानिवृत्त अमेरिकी राजनयिक होने के अलावा, पीटरसन आध्यात्मिक रूप से बहुत परिपक्व व्यक्ति भी हैं।
उन्होंने कई वर्षों तक ट्रांसमिशन मेडिटेशन समूहों का नेतृत्व किया है और एक्स्ट्राऑर्डिनरी टाइम्स, एक्स्ट्राऑर्डिनरी बीइंग्स पुस्तक के लेखक हैं, जिसमें पीटरसन ने मैत्रेय जैसे आध्यात्मिक गुरुओं के साथ अपने प्रत्यक्ष मुठभेड़ों का वर्णन किया है, एक आत्मा जो मानव विकास को बढ़ावा देने के लिए काम करती है। मैत्रेय का उस अर्थ में कोई भौतिक रूप नहीं है जिस अर्थ में आपका या मेरा शरीर है। इसके बजाय, मैत्रेय एक आत्मा है, अहतुन रे की तरह, जो खुद को "प्रकाश के शरीर" में प्रकट करने में सक्षम है, जो इसे देखने वालों को बहुत वास्तविक लगता है। ब्रिटिश लेखक और कलाकार बेंजामिन क्रेम ने मैत्रेय पर कई किताबें लिखी हैं और क्रेम ने ही ट्रांसमिशन मेडिटेशन की शुरुआत की थी

कार्यक्रम, जिसमें आध्यात्मिक क्षेत्र के शिक्षकों की ऊर्जा प्रतिभागियों को "संचारित" की जाती है।

दिलचस्प बात यह है कि अहतुन रे, एक आध्यात्मिक प्राणी जो केविन रायर्सन के माध्यम से संचार करता है, जिसने बॉर्न अगेन और रिटर्न ऑफ द रेवोल्यूशनरीज़ में प्रस्तुत पुनर्जन्म के कई मामलों को हल किया है, मैत्रेय को जानता है और उनका सम्मान करता है। अहतुन रे ने बताया कि सभी महान आध्यात्मिक प्राणी, जैसे मुहम्मद, बुद्ध, मूसा, यीशु, हिंदू शिक्षक और मैत्रेय, सभी मानवता को आध्यात्मिक रूप से विकसित करने में मदद करने के लिए एक सामान्य लक्ष्य के साथ काम करते हैं। अब हम पीटरसन के तीन पिछले जन्मों की जांच करेंगे, जिन्हें उन्होंने अपने आध्यात्मिक शिक्षक मैत्रेय की थोड़ी मदद से स्वयं खोजा था।

पुनर्जन्म का मामला

फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी/वेन पीटरसन

वेन 1940 के दशक में ग्रीन बे के ठीक बाहर ग्रामीण विस्कॉन्सिन में पले-बढ़े। जैसा कि मैंने देखा, एक बच्चे के रूप में उसे पिछले जन्मों की सूक्ष्म स्मृतियाँ प्राप्त होने लगीं

Machine Translated by Google

सूक्ष्म, जब तक उसे यह एहसास नहीं हो जाता कि पुनर्जन्म ही उन स्मृतियों का आधार है। उदाहरण के लिए, एक बच्चे के रूप में, जब लोग पूछते थे कि उसका नाम क्या है, तो वेन उन्हें बताने से इंकार कर देते थे, क्योंकि उनका दृढ़ विश्वास था कि उनके पास एक बेहतर नाम है जो "असली मुझे" की पहचान कराएगा। इस संबंध में वेन बताते हैं:

यह मेरे माता-पिता और मेरे बीच वर्षों से झगड़ा था। अगर उन्होंने कहा, "उसका नाम वेन है," मैं कहूंगा नहीं। मेरी मां अक्सर मुझे दूसरा नाम रखने के लिए चुनौती देती थीं, लेकिन मुझे कभी याद नहीं आया कि मेरा नाम क्या होना चाहिए, भले ही मुझे पता था कि मेरे पास एक और नाम है।

जब मैं 12 साल की उम्र में आया, तो मैंने तय कर लिया कि मेरा असली नाम फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी था। यह कोई आसमान से गिरा हुआ नाम नहीं है.

वर्षों तक फ़ॉस्करी नाम एक शब्द के रूप में मेरे दिमाग़ में घूमता रहा।

मैंने अंततः इसे फ्रांसेस्को के शब्द के साथ जोड़ दिया क्योंकि यह उचित लग रहा था। उस नाम से मेरा गहरा भावनात्मक लगाव है. एक किशोर के रूप में, मैंने ठान लिया था कि एक दिन जब मैं बड़ा हो जाऊँगा, तो मैं आधिकारिक तौर पर अपना नाम बदलकर फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी रख लूँगा।

सभी किशोर कभी न कभी अपना नाम बदलने के बारे में सोचते हैं किसी फिल्म स्टार या ऐसे नाम की नकल करना जो अधिक रोमांटिक लगता हो।

लेकिन मेरे मामले में, यह एक ऐसा नाम है जिसे मैंने कभी कहीं भी सुना या लिखा हुआ नहीं देखा है। वास्तव में, हमारे विस्कॉन्सिन समुदाय में इतालवी नाम मौजूद नहीं हैं; यह अजीब है कि एक इटालियन नाम मुझे इतना आकर्षित करता है।

गौर करें कि युवा वेन के अनुभव बारब्रो कार्लेन के साथ कितने समान हैं, जिन्होंने एक बच्चे के रूप में अपने माता-पिता को बताया था कि उसका नाम बारब्रो नहीं, बल्कि ऐनी फ्रैंक है। अंतर यह है कि वेन को इस बात का एहसास नहीं है कि फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी नाम में उसकी रुचि पिछले अवतार से जुड़ी हुई है, क्योंकि वेन के पास उस जीवनकाल की कोई दृश्य यादें नहीं हैं। इसके विपरीत, बारब्रो कार्लेन के पास ऐनी फ्रैंक होने की ज्वलंत यादें हैं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

पीटरसन ने कहा कि साल बीत गए और अमेरिकी राजनयिक मामलों में शामिल होने के बाद उन्होंने वेनिस की यात्रा की, जहां उन्हें डेजा वु की अजीब भावनाओं का अनुभव हुआ जो अलग थीं, एक ऐसा एहसास जैसे वह पहले भी वहां रहे हों। हालाँकि उन्होंने कभी कला की शिक्षा नहीं ली, लेकिन एक वयस्क के रूप में उन्हें पता चला कि वह बड़ी कुशलता से चित्र बना सकते हैं। उन्होंने पाया कि वह शास्त्रीय भवन वास्तुकला को चित्रित करने में विशेष रूप से अच्छे थे, हालांकि किसी कारण से उन्होंने केवल वेनिस के परिदृश्य को चित्रित करना चुना। जब उनके दोस्तों ने उनसे पूछा कि उनकी सारी कलाएँ वेनिस के इर्द-गिर्द क्यों घूमती हैं, तो पीटरसन इसे स्पष्ट नहीं कर सके।

1990 में एक सफलता मिली, जब पीटरसन, लगभग 50 वर्ष के थे
इतालवी नाम फ़ॉस्करी में अपनी प्रारंभिक रुचि के वर्षों बाद, उन्होंने वेनिस में जीवन की ज्वलंत यादें अनुभव कीं।
पीटरसन ने कहा कि उन्होंने उस घर का आंतरिक भाग स्पष्ट रूप से देखा जिसमें वह रहते थे।

पीटरसन को एहसास हुआ कि वह वही आदमी था जिसके पास घर था और वह उन भावनाओं का अनुभव करने लगा जो वह आदमी महसूस कर रहा था।
उन्होंने खुद को एक लंबा लाल ब्रोकेड गाउन पहने हुए देखा, जिसके बारे में उन्हें बाद में पता चला कि यह वेनिस के सीनेटर की आधिकारिक पोशाक थी।

फिर पीटरसन ने इमारत की एक खिड़की से बाहर देखा और देखा कि वह एक छोटे से नहर के किनारे एक बड़े घर की दूसरी मंजिल पर था, जिसका आकार एक फ़नल जैसा था, जो एक बहुत बड़े जलसेतु, वेनिस के ग्रैंड कैनाल की ओर जाता था। इसके बाद पीटरसन हॉल से नीचे चले गए और एक खिड़की से बाहर देखा जिससे इमारत के पीछे का दृश्य दिखाई दे रहा था। उसने देखा कि एक दीवार उसके घर को एक छोटी सी सड़क से अलग कर रही थी जो एक सफेद मेहराबदार पुल की ओर जाती थी जो एक अन्य छोटी नहर को पार करती थी। पीटरसन ने नीचे से एक महिला को उससे बात करते हुए भी सुना। उसे एहसास हुआ कि वह इतालवी बोल रही थी, और वह उसे समझ सकता था, भले ही अपने वर्तमान जीवन में, पीटरसन इतालवी नहीं बोल सकता था।

यह अनुभव, जिसके बारे में पीटरसन ने कहा कि मैत्रेय ने मदद की, बनाया
वह अपने जीवन भर के लगाव को समझते हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

नाम है फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी. वेनिस में अपने पिछले जीवन का अनुभव करने के बाद, पीटरसन ने वेनिस की इमारतों पर किताबें खरीदीं, विशेष रूप से ग्रैंड कैनाल के तट पर स्थित इमारतों पर केंद्रित। काफी खोजबीन के बाद, पीटरसन को फ़नल के आकार की नहर के पास एक घर मिला, जो ग्रैंड कैनाल में खुलती थी, जिसके पीछे एक सफेद मेहराबदार पुल था। घर बिल्कुल वैसा ही था जैसा पीटरसन ने अपनी पिछली जिंदगी की यादों में देखा था।

पीटरसन सबसे अधिक प्रभावित हुए जब उन्हें पता चला कि यह घर वेनिस गणराज्य के राजनेता और नेता फ्रांसेस्को फॉस्करी द्वारा बनाया गया था, जो 1373-1457 के बीच रहते थे।

वेनिस की अपनी अगली यात्रा पर, वेन पीटरसन ने फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी की कब्र खोजने की कोशिश की। चूँकि फ़ॉस्करी एक डोगे था, इसलिए शहर-राज्य का प्रमुख, पीटरसन ने तर्क दिया कि फ़ॉस्करी को कैथेड्रल में दफनाया गया होगा जहाँ अन्य डॉग्स को दफनाया गया था।

हालाँकि, फ़ॉस्करी की कब्र वहाँ नहीं थी।

फिर, जब वह वेनिस की सड़कों पर चल रहे थे, पीटरसन को एक छोटे से मंदिर में प्रवेश करने का अंतर्ज्ञान हुआ। वह एक चर्च के सामने, वेदी की ओर बढ़ा, जो चर्च के मुख्य हॉल से अलग थी। वहां नो एंट्री का साइन लगा हुआ है. फिर भी, पीटरसन के मन ने उसे उस रेखा को पार करने के लिए प्रेरित किया। वहाँ, वेदी के पीछे, पीटरसन को डोगे फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी की कब्र मिली!

पुनर्जन्म का मामला

लुईस वेंडरबिल्ट/वेन पीटरसन

वेन पीटरसन भी पिछले जीवन की यादों का अनुभव करते हैं जहां वह लुईस वेंडरबिल्ट हैं, जो अमेरिका के वेंडरबिल्ट कुलीन राजवंश के सदस्य फ्रेडरिक वेंडरबिल्ट की पत्नी हैं।

फ़ॉस्करी के जीवनकाल की उनकी बचपन की यादों के विपरीत, वेंडरबिल्ट के जीवन की ये यादें अधिक प्रत्यक्ष और दृश्य हैं। के जाने
इस घटना के बारे में पीटरसन का विवरण देखें।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

एक बच्चे के रूप में मेरी सबसे पुरानी स्मृति उस समय के विस्तृत चित्रण की है जब महिलाएं लंबी, खिली हुई पोशाकें पहनती थीं और लोग अभी भी घोड़े से खींची जाने वाली गाड़ियों का इस्तेमाल करते थे। मुझे विशेष रूप से एक बड़ा बलुआ पत्थर का घर, फ्रेड नाम का एक आदमी, एक साथ आने वाले दोस्त, ऊंची छत और सफेद पत्थर के फर्श वाला एक बड़ा स्वागत कक्ष याद है।

इन सब में से जो बात मुझे सबसे ज्यादा याद है वह एक महिला है जो इन सभी गतिविधियों के केंद्र में है।

यह रहस्यमय महिला कई दृश्यों का केंद्र थी जो मेरे शुरुआती वर्षों के दौरान दोहराई जाती रहीं और आज भी जारी हैं। मुझे अक्सर आश्चर्य होता था कि ये लोग कौन थे और वे मुझे इतने वास्तविक क्यों लगते थे।

एक छोटे बच्चे के रूप में मुझे लगा कि ये लोग मेरे वर्तमान जीवन का हिस्सा थे। किसी तरह वे कभी हमारे घर नहीं आये। मुझे वास्तव में लगता है कि एक दिन वे आएंगे और मुझे याद करेंगे और मैं बहुत खुश होऊंगा। मैं मान रहा हूं कि जब मैं बच्चा था, तो मैं अपने माता-पिता के साथ इन लोगों से मिला होगा और अब उन अधिकांश अंतरंग अनुभवों को भूल गया हूं। एक बच्चे के रूप में यह एकमात्र तरीका था जिससे मैं अपने सपनों में आए लोगों को स्पष्ट रूप से समझा सकता था। हालाँकि, ये लोग इस जीवन में कभी प्रकट नहीं हुए और मैं अभी भी अपने मन में उनके प्रकट होने की व्याख्या नहीं कर सकता। मुझे अपने शुरुआती प्री-स्कूल जीवन में पुनर्जन्म के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

पीटरसन को लगता है कि ये यादें अजीब हैं क्योंकि
1940 के दशक के बाद से, उनकी कल्पना को जगाने के लिए न तो टेलीविजन और न ही फिल्म थी। उन्होंने प्रतिबिंबित किया कि मध्य विस्कॉन्सिन के एक छोटे से शहर में उनके वास्तविक जीवन में उनके द्वारा देखी गई छवियों से कोई लेना-देना नहीं था। विस्कॉन्सिन में कपड़े, घर और सामाजिक शिष्टाचार उनकी स्मृति में उनके अनुभव से बहुत अलग थे। लेकिन फ्रेड नाम का एक आदमी, लहरदार पोशाक में एक महिला जो रथों और एक बड़े पत्थर के घर में यात्रा करती है

Machine Translated by Google

रेत, छोटे वेन को सब कुछ बहुत वास्तविक लगा। उलझन में, वेन अपनी माँ से इन लोगों और उस घर के बारे में पूछता है जो उसे याद है। उन्होंने पूछा कि क्या उन्हें बचपन में ऐसी जगह ले जाया गया था। उत्तर हमेशा नहीं है. हालाँकि वह यह समझाने में असमर्थ है कि उसकी यादें कहाँ से आती हैं, फिर भी वे सांत्वना का स्रोत बनी हुई हैं, और वह फ्रेड नाम के किसी व्यक्ति के प्रति उदासीन भावना रखता है।

एक युवा वयस्क के रूप में, जैसा कि ऊपर वर्णित है, वेन पीटरसन पीस कॉर्प्स में शामिल हो गए और उन्हें ब्राज़ील को सौंपा गया। रियो डी जनेरियो के लिए उड़ान न्यूयॉर्क शहर से होकर जाती है।

चूँकि वेन पहले कभी किसी बड़े शहर में नहीं गया था, इसलिए उसने बिग एप्पल शहर को देखने के लिए न्यूयॉर्क में कुछ दिनों के लिए रुकने की व्यवस्था की। न्यूयॉर्क शहर में अपने दूसरे दिन, दोपहर में, वेन फिफ्थ एवेन्यू से नीचे चला गया। वह खचाखच भीड़ से मंत्रमुग्ध हो गया। आइए वेन को कहानी बताने के लिए आमंत्रित करें, जब वह फिफ्थ एवेन्यू के किनारे पर खड़ा था।

अचानक टोपी और सफेद दस्ताने पहने एक महिला सामने आई सड़क मेरी ओर हाथ हिला रही थी और चिल्ला रही थी, "लुईस, लुईस, यहाँ आओ, यह मैं हूँ!"

वह लुईस चिल्लाता रहा और मैं स्तब्ध रह गया। मुझे तुरंत विश्वास हो गया कि वह मुझे बुला रहा है। किसी कारण से, मुझे अचानक विश्वास हो गया कि मैं लुईस हूं।

मेरा सारा ध्यान उस अपरिचित महिला पर केंद्रित था भीड़ के बीच से मेरी ओर बढ़ रहा है. मेरे मन में, मैं कोई और थी, लुईस नाम की कोई। मुझे लगा कि जो लड़की मेरी ओर बढ़ रही है वह मेरी पुरानी दोस्त है, लेकिन मैं उसका चेहरा नहीं पहचान पाया।

फिर भी, मेरे मन में इतनी राहत की अनुभूति थी कि आखिरकार किसी ने मेरी असली पहचान कर ली है। विस्कॉन्सिन का कोई युवक नहीं, बल्कि लुईस नाम की एक महिला है। यह ऐसा है जैसे मैं भूलने की बीमारी का शिकार हूं और अचानक कोई मुझे वास्तविकता में झकझोर देता है।

दुर्भाग्य से, गहरी खुशी का वह क्षण बीत गया जब टोपी और दस्ताने पहने एक महिला मेरे पास से गुजरी और मेरे ठीक पीछे खड़ी एक बूढ़ी महिला के गले में अपना हाथ रख दिया।

Machine Translated by Google

तुरंत, मेरा दिमाग हिल गया और मैं न तो हिल सकता था और न ही सोच सकता था। मैं अभी भी लुईस के रूप में उस पल को जी रहा हूं और मैं इन दो लड़कियों को देख रहा हूं और सोच रहा हूं, बेवकूफ, तुम लोग मुझे क्यों नहीं पहचानते? मैंने सोचा, मैं असली लुईस हूं।

मुझे नहीं पता कि मैं कितनी देर तक खड़ा रहा और इन दोनों महिलाओं को उनके पुनर्मिलन का आनंद लेते हुए देखता रहा, लेकिन अंततः मेरी इंद्रियाँ लौट आईं और मुझे अपने कार्यों और विचारों पर सवाल उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा।
शर्मिंदा और भ्रमित होकर, मैं अपने होटल के कमरे में लौट आया।

होटल में मैं बिस्तर पर लेटा रहा और कुछ घंटों तक क्या सोचता रहा अभी हुआ था. क्यों, मैं सोचता रहा, मैंने क्यों सोचा कि मैं लुईस था? मुझे यह इतना वास्तविक और इतना महत्वपूर्ण क्यों लगा कि मैं लुईस थी? मैंने न्यूयॉर्क में अपने प्रवास के दौरान इस अजीब अनुभव पर विचार किया, लेकिन वर्षों बाद तक इसका उत्तर नहीं मिला... फिर भी, मैं संतुष्ट था कि सदी के अंत में पिछले जन्म में मैं लुईस थी और फ्रेड मेरे पति थे। .

मैं लुईस और फ्रेड के बारे में जो कुछ जानता हूं वह न केवल पिछले जीवन की झलक है, बल्कि मैं लुईस से निकलने वाली भावनाओं को भी महसूस कर सकता हूं। मैं सहज रूप से जानता था कि वह अक्सर सामाजिक कार्यक्रमों में फ्रेडरिक से निराश रहता था। लुईस घर के बड़े रिसेप्शन हॉल में होंगे और मेहमानों का स्वागत करेंगे। उसने कुछ ऐसे कपड़े पहने हुए थे जो मुझे विस्तार से याद हैं। मैं फ्रेड को हमेशा सफेद टाई और टेलकोट में देखता हूँ। वह उस पोशाक में पूरी तरह से सहज दिखती है, लेकिन जब भी संभव हो वह सीधे एक छोटे कार्यालय/लाइब्रेरी में भाग जाएगी। मुझे अभी भी वह पुस्तकालय का दरवाज़ा स्पष्ट रूप से याद है, वह अंदर से शांत था, और फ्रेड एक ऊँचे-ऊँचे सोफे के पीछे बैठा होता था जो उसे पिछले दरवाज़े से गुजरने वाले किसी भी व्यक्ति की नज़रों से छुपाता था... समय के साथ, लुईस मेकअप करते-करते थक गया मेहमानों के वहाँ न आने का बहाना। फ्रेड.

अपने पिछले जीवन की यादों में, जब वह एक छोटा लड़का था, वेन पीटरसन को अभी भी नहीं पता कि फ्रेड और लुईस वास्तव में कौन हैं। दशक

Machine Translated by Google

फिर, 1990 के दशक में, एक सुराग तब मिला जब पीटरसन न्यूयॉर्क शहर में एक उच्च पदस्थ मित्र से मिलने जा रहे थे, उसका नाम मैरी था। उसका दोस्त वेन को आयरलैंड के दक्षिणी तट पर स्थित अपने आयरिश घर में छुट्टियों पर अपने साथ आने के लिए मजबूर करता है। मैरी ने कहा कि वे अच्छा समय बिताएंगे और कहा कि उनकी सबसे अच्छी दोस्त ग्लोरिया भी उनके साथ शामिल होगी।

वेन ने पूछा, "ग्लोरिया कौन है?" मैरी ने उत्तर दिया, "वह मेरी मित्र ग्लोरिया वेंडरबिल्ट है।" ग्लोरिया वेंडरबिल्ट के संबंध में बयान पर पीटरसन की प्रतिक्रिया यहां दी गई है।

तुरंत मेरी इंद्रियाँ एक बार फिर से स्तब्ध हो गईं जैसे कि यह वर्षों पहले न्यूयॉर्क शहर में हुआ हो जब बूढ़ी औरत ने लुईस का नाम चिल्लाया था। किसी अन्य व्यक्ति या पहचान ने मेरी चेतना पर कब्ज़ा कर लिया और मैंने कहा, “यह बहुत अच्छा है! ग्लोरिया और मैं अपने रिश्तेदारों के बारे में बात कर सकते हैं और गपशप कर सकते हैं।"

मेरी मित्र मैरी की ओर से एक क्षण का मौन था और मुझे एहसास होना शुरू हुआ कि मैंने अभी क्या कहा था। मैरी ने पूछा कि सामान्य रिश्तेदारों से मेरा क्या मतलब है, और मैंने घबराते हुए हकलाते हुए कुछ कहा क्योंकि मैंने अपने हास्यास्पद बयान के लिए एक अच्छा कारण सोचने की कोशिश की। आख़िरकार मैंने समझाया कि मुझे लगा कि ग्लोरिया का एक दिलचस्प पारिवारिक वृक्ष है। बातचीत को सफलतापूर्वक समाप्त करने के बाद मुझे एहसास हुआ कि एक पल के लिए ऐसा लग रहा था जैसे मैं किसी दूसरे जीवन में चला गया हूँ।

अनुभव इतना गहन था कि मुझे सच में विश्वास हो गया कि मैं ग्लोरिया वेंडरबिल्ट की बहन हूं और हम वास्तव में परिवार के सदस्यों के बारे में बात कर सकते हैं।
मुझे फिर आश्चर्य हुआ कि मैंने इतनी मूर्खतापूर्ण बात इतने विश्वास से क्यों कही?

मैरी के साथ मेरी बातचीत के बाद के दिनों में, मैंने ऐसा करना शुरू कर दिया
आश्चर्य है कि क्या फ्रेडरिक और लुईस वेंडरबिल्ट कभी अस्तित्व में थे। नहीं, मैंने तर्क दिया, जांच की जहमत उठाने के लिए संभावनाएं बहुत कम थीं।
हालाँकि, कुछ सप्ताह बाद जब मैं अपनी पसंदीदा किताबों की दुकान में घूम रहा था, मेरा ध्यान 1800 और 1900 के दशक की शुरुआत में अमीर परिवारों के बारे में एक किताब पर गया। मैं उस पुस्तक के कारण ही जानता था कि वह पुस्तक अस्तित्व में है

Machine Translated by Google

निचली शेल्फ पर और शेल्फ से लगभग 4-5 इंच बाहर निकला हुआ।

भले ही मैंने किताब को साफ-सुथरा रखने के लिए उसे कई बार अपने पैरों से धकेला, लेकिन जब तक मैंने उसे उठाया और कवर नहीं पढ़ा, वह कई बार बाहर निकलती रही। मैं अपने हाथों से यह जांचने के लिए घुटनों के बल बैठ गया कि शेल्फ पर ऐसा क्या था जो किताब को लाइन से बाहर निकलने के लिए मजबूर कर रहा था। स्वाभाविक रूप से, किताब के पीछे की खाली जगह के अलावा वहां कुछ भी नहीं था।

उत्सुकतावश, मैंने किताब की कीमत की झलक देखी और तुरंत उसे वापस शेल्फ पर रखना चाहा। लेकिन किसी तरह, मैं किताब को जाने नहीं दे सका, भले ही मेरा मन इसे वापस शेल्फ पर रखना चाहता था।

पुस्तक के लिए भुगतान करने के बाद भी मैं अपने आप को उस पुस्तक को खरीदने से नहीं रोक पाने से नाराज था जो मैं नहीं चाहता था।
मैं किताब घर ले गया और यह सोचकर अपनी किताबों की शेल्फ पर रख दिया कि यह एक ऐसी किताब है जिसे मैं शायद कभी नहीं पढ़ूंगा, इसलिए यह पूरी तरह से पैसे की बर्बादी थी।

हालाँकि, देर रात मुझे एक सपना आया कि मुझे यह नया पढ़ना है
किताब। इन्हीं विचारों के निरंतर व्याकुलता के कारण मुझे नींद नहीं आ रही थी, मैं नीचे गया और किताब खोली। पहले तो किसी चीज़ ने मेरा ध्यान आकर्षित नहीं किया, लेकिन जल्द ही मैंने एक पृष्ठ खोला जिसने मुझे सचमुच आश्चर्यचकित कर दिया। उस कमरे की एक रंगीन तस्वीर थी जिसकी मैं बचपन में हमेशा कल्पना करता था।

विशिष्ट छत, चिमनी, सफेद संगमरमर का फर्श और सोफे बिल्कुल एक जैसे हैं और मुझे स्पष्ट रूप से याद है। वहाँ सब कुछ ऐसा था मानो कल ही मैं कमरे से बाहर निकला हूँ।

अगला पृष्ठ और भी अधिक खुलासा करने वाला है। फिर, रंगीन तस्वीरों में, एक कार्यालय/पुस्तकालय है जिसे मैं अच्छी तरह से जानता हूं। हल्के हरे रंग का सोफ़ा जहाँ फ्रेड सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान छिपता था और दो खूबसूरत मेज़ें जो फ्रेड और उसकी पत्नी की व्यवस्था का हिस्सा थीं। आश्चर्य में डूबकर, मैंने इस दृश्य के प्रति अपने अजीब लगाव के बारे में सोचा और इस असाधारण अनुभव से मैं क्या सीख सकता हूँ।

मैंने तस्वीरों के साथ आये लेख को पढ़ना शुरू किया।
उनका कहना है कि यह घर 1800 के अंत में न्यूयॉर्क के हाइड-पार्क में फ्रेडरिक वेंडरबिल्ट द्वारा बनाया गया था। मैंने सोचा, क्या यह एक अजीब संयोग नहीं होगा, अगर इस फ्रेड वेंडरबिल्ट की लुईस नाम की पत्नी होती?

जैसे-जैसे मैंने पेज पढ़ना जारी रखा, मैं बहुत प्रभावित हो गया

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

पढ़ें कि फ्रेडरिक का विवाह लुईस एच. एंथोनी से हुआ था।
उसके बाद के पन्ने खुलते गए, खासकर जब मैंने उसके बाद आने वाली रंगीन तस्वीरों को देखा... वे तस्वीरें जिन्होंने उन कमरों को फिर से जीवंत कर दिया, जिन्हें मैंने बचपन की यादों में कैद किया था। मुझे एहसास हुआ कि मैंने एक किताब खोली है जिसमें पिछले जीवन के सभी रहस्य उजागर हुए हैं।

पीटरसन ने आगे पढ़ा कि जबकि हाइड-पार्क में उनका घर उनका पसंदीदा था, उनका मुख्य घर फिफ्थ एवेन्यू, न्यूयॉर्क में था। तथ्य यह है कि लुईस वेंडरबिल्ट एक बार फिफ्थ एवेन्यू पर रहते थे, फिफ्थ एवेन्यू पर युवा वेन के अनुभव को उजागर करते हैं, जब सफेद दस्ताने में एक बूढ़ी महिला "लुईस" कहती है और वेन को लुईस के रूप में अपने पिछले अवतार में वापस ले जाया जाता है।

"लुईस" नाम ने न केवल उनके पिछले जीवन की याद दिला दी, बल्कि वेन को बाद में पता चला कि घटना के दौरान, वह वास्तव में फ्रेड और लुईस वेंडरबिल्ट के न्यूयॉर्क शहर के गृह स्थान, फिफ्थ एवेन्यू के ठीक सामने खड़े थे। वह घटना जिसमें भौगोलिक लेआउट पिछले अनुभव को ट्रिगर करता है, जॉन बी. गॉर्डन/जेफ़ कीन के मामले में भी प्रदर्शित किया गया है।

पीटरसन को यह भी पता चला कि लुईस और फ्रेडरिक बहुत अच्छे थे
तत्वमीमांसा में रुचि, जैसा कि आज के जीवन में पीटरसन की थी।
लुईस 18वीं सदी के फ्रांस की महान मालकिनों, विशेषकर मैरी एंटोनेट की भी बहुत बड़ी प्रशंसक थीं। लुईस वेंडरबिल्ट ने अपने शयनकक्ष को फ्रांसीसी शैली के फर्नीचर से भी भर दिया। पीटरसन को यह भी पता चला कि फ्रेडरिक ने, लुईस के समर्थन से, वेंडरबिल्ट विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए धन का उपयोग किया था, और येल और कोलंबिया को भी बड़ी रकम दान की गई थी। लुईस की मृत्यु 1926 में पेरिस में हुई, जो उनके पसंदीदा शहरों में से एक था। फ्रेडरिक ने अपना बाकी जीवन ज्यादातर भीड़ से दूर एक जगह पर बिताया, 1938 में उनकी मृत्यु हो गई। फ्रेडरिक की बात करें तो पता चलता है कि आज की जिंदगी में उनकी भी पहचान हो गई है। फ्रेड एक ऐसा मित्र निकला जिसे वेन पीटरसन वर्षों से जानते थे, जिनकी रुचियाँ समान थीं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

तत्वमीमांसा में वेन और मैत्रेय के साथ। हालाँकि वेन इस व्यक्ति को कुछ समय से जानता था, लेकिन फ्रेडरिक के रूप में उसकी पहचान की पुष्टि 2004 तक नहीं की गई थी। उस समय, फ्रेडरिक और लुईस वेंडरबिल्ट मृत्यु से अलग होने के 78 साल बाद जानबूझकर फिर से मिल गए थे।

पुनर्जन्म का मामला

क्लाउड लेडौक्स/वेन पीटरसन

लुईस वेंडरबिल्ट की मैरी एंटोनेट और फ्रांसीसी फर्नीचर में रुचि होने का एक कारण है, क्योंकि वेन पीटरसन का भी उस युग में एक पिछला जीवन था। यह पुनर्जन्म का मामला अनोखा है, क्योंकि इसे दो आध्यात्मिक प्राणियों, अहतुन रे और मैत्रेय के संयुक्त प्रयासों से हल किया गया है। चूँकि वेन इतना अच्छा दोस्त बन गया था, मैंने मान लिया कि मैं उसे पिछले जन्म में पहचानता था। केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, मैंने पूछा कि क्या वेन कभी अमेरिकी क्रांति के दौरान अवतरित हुए थे। अहतुन रे, जिस मार्गदर्शक भावना के साथ मैंने केविन रायर्सन के माध्यम से काम किया है, उसने पिछले अवतारों को सटीक रूप से पहचानने की क्षमता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने मुझे बताया कि वेन वास्तव में उस समय अवतरित हुए थे, लेकिन वह फ्रांस में थे और फ्रेंच पैलेस से जुड़े हुए थे। पूछताछ करने पर अहतुन रे ने बताया कि उस जीवन में वेन का नाम "लेडौक्स" था।

उस जानकारी के साथ, मैंने इस लेडौक्स को ऐतिहासिक रूप से खोजने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। मैंने यह जानकारी वेन को दे दी और इस मामले को पीछे छोड़ दिया। सौभाग्य से, आध्यात्मिक जानवर मैत्रेय हमारी सहायता के लिए आए, उन्होंने पीटरसन को टेलीपैथी का संकेत दिया। मज़ेदार बात यह है कि वेन को अक्सर ये टेलीपैथिक संदेश तब मिलते हैं जब वह सुबह शेविंग कर रहा होता है। एक सामान्य दिन, जब वेन अपने साइडबर्न को संवार रहा था, उसे एक टेलीपैथिक संदेश मिला, "यदि आप लेडौक्स को ढूंढना चाहते हैं, तो इस पत्रिका में देखें।" उसके दिमाग में वेन ने स्पष्ट रूप से आर्किटेक्चरल डाइजेस्ट के एक विशेष अंक की कवर छवि देखी, जो मात्रा और संख्या से परिपूर्ण थी।

Machine Translated by Google

वेन ने इस अंक का आदेश दिया और जब उन्हें यह प्राप्त हुआ तो उन्होंने इसे शुरू से अंत तक पढ़ा लेकिन लेडौक्स के बारे में कुछ भी नहीं मिला। समय बीतता गया, और फिर से शेविंग करते समय, वेन को एक और टेलीपैथिक संदेश मिला, "यदि आप लेडौक्स को ढूंढना चाहते हैं, तो इस अध्याय को देखें।" फिर वेन ने अपनी आर्किटेक्चरल डाइजेस्ट पत्रिका में एक विशेष लेख देखा, जो केवल कुछ पेज लंबा था। वेन ने लेख को कई बार पढ़ा और दोबारा पढ़ा, लेकिन लेडौक्स नहीं। जब उसने एक दोस्त को लेडौक्स को न ढूंढ पाने की निराशा के बारे में बताया, तो उसके सबसे अच्छे दोस्त ने जवाब दिया, "शायद आपको करीब से देखने की ज़रूरत है। मैंने एक बार तुम्हें एक आवर्धक लेंस दिया था, तुम उसका उपयोग क्यों नहीं करते?"

वेन को शुरू में लगा कि यह एक बेवकूफी भरा विचार है, लेकिन उन्होंने अपने सबसे अच्छे दोस्त की सलाह का भी पालन किया। उन्होंने एक आदमी की तस्वीर पर ध्यान केंद्रित किया, जो लेख का विषय था, जो एक बुकशेल्फ़ के सामने बैठा था।

जब उसने आवर्धक कांच के नीचे फोटो में शेल्फ पर किताबों के शीर्षकों को देखा तो उसे कितना आश्चर्य हुआ, उसने स्पष्ट रूप से एक काली किताब देखी जिस पर सोने से लिखा हुआ था जिसका नाम क्लाउड लेडौक्स था। इसके बाद वेन ने इंटरनेट पर जाकर देखा कि यह किताब उपलब्ध है और उन्होंने इसे ऑर्डर कर दिया। जब उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया, तो उन्हें पता चला कि वह पूरी तरह से कलाकार और वास्तुकार, क्लाउड निकोलस लेडौक्स से जुड़े हुए थे, कि उनकी कला और वास्तुकला उन चित्रों के अनुरूप थी जो वेन ने वर्षों में बनाए थे। वास्तुकला को चित्रित करने की उनकी प्रतिभा लेडौक्स के जीवनकाल से ही चली आ रही है, हालांकि वेनिस के जिन परिदृश्यों को चित्रित करने के लिए उन्होंने चुना था, वे फ्रांसेस्को फॉस्करी के रूप में उनके अवतार से आए थे।

वेन ने यह भी देखा कि उसने कुछ चीज़ों पर फिर से काम किया है लेडौक्स के जीवनकाल के समकालीन डिजाइन।
उदाहरण के लिए, लेडौक्स को फ्रांस के राजा ने एक गाँव का डिज़ाइन तैयार करने का काम दिया था। लेडौक्स ने एक एकीकृत समाज बनाया, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि सुंदरता इसके सभी निवासियों के लिए पर्यावरण का हिस्सा होनी चाहिए, न केवल अभिजात वर्ग के लिए बल्कि आम लोगों के लिए भी। वेन को याद आया कि बचपन में उन्होंने भी वही यूटोपियन गांव बनाया था

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

उसके पिछवाड़े में कीचड़. इसके अलावा, लेडौक्स के जीवनकाल का अध्ययन करने से कुछ साल पहले वेन ने अपने गैराज की दीवार पर एक पेंटिंग भी बनाई थी, जो लेडौक्स के काम की प्रतिकृति है। इस भित्तिचित्र में, वेन दृश्य के लिए एक फ्रेम के रूप में एक दरवाजे के मेहराब का उपयोग करके एक परिदृश्य को चित्रित करता है। मेहराब के नीचे एक घुमावदार नीलगिरी का पेड़ है और दूर से लोगों की इमारतें देखी जा सकती हैं। लेडौक्स ने 200 साल पहले एक पुल के मेहराब को एक सुंदर फ्रेम के रूप में उपयोग करते हुए यही डिज़ाइन बनाया था। मेहराब के नीचे, दूर तक एक शहर की इमारतें दिखाई दे रही थीं और उसके सामने एक घुमावदार पेड़, जाहिरा तौर पर यूकेलिप्टस, था।

इस उदाहरण के अलावा, पुनर्जन्म के मामले में गौगुइन और पिकासो, हम एक नाटकीय उदाहरण देखेंगे कि कैसे कलात्मक विकास को अनजाने में एक अवतार से दूसरे अवतार में पुन: इंजीनियर किया जा सकता है।

साईं बाबा

मैं साईं बाबा के साथ वेन पीटरसन के रिश्ते के बारे में दो दिलचस्प कहानियों के साथ अपनी बात समाप्त करना चाहूंगा, जिन्हें कुछ लोग एक आध्यात्मिक अवतार मानते हैं जो भारत में अवतरित हुए थे। वेन का पहला अनुभव 1970 के दशक का है, जब वेन पहली बार बेंजामिन क्रेम से मिलने गए, जो पास के एक कार्यक्रम में भाषण दे रहे थे। वेन उस समय आध्यात्मिक मामलों में नए थे और जब बेंजामिन क्रेम ने कहा कि वह साईं बाबा से ऊर्जा निकाल देंगे, तो वेन को लगा कि यह एक हास्यास्पद बयान है और उन्होंने इसे गंभीरता से नहीं लिया। वेन सभागार की पिछली पंक्ति में बैठे थे और किसी कारण से, क्रेम ने वेन पर अपनी नजरें जमाईं और अपनी हथेली उठाकर वेन की ओर इशारा किया।

वेन को तब गर्मी की तीव्र और अचानक अनुभूति महसूस हुई, और वह और उसकी कुर्सी पाँच फीट पीछे धकेल दिए गए। ऊर्जा बहुत तेज़ थी और वेन को मिचली महसूस होने लगी थी। उन्होंने अंदर ही अंदर संदेश दिया, "साईं बाबा, यदि यह आपके बारे में सच है, तो कृपया रुकें।" शैली

Machine Translated by Google

तब ऊर्जा रुक जाती है। वेन स्तब्ध होकर सभागार से बाहर चला गया और शौचालय की ओर भागा, क्योंकि मतली इतनी तीव्र हो गई थी कि उसने उल्टी कर दी। प्रस्तुति के बाद, वेन की मैत्रेय, साईं बाबा और आध्यात्मिक मामलों में पूरी रुचि हो गई।

हालाँकि वेन साईं बाबा से कभी नहीं मिले, लेकिन ऐसा लगता था उनके बीच किसी प्रकार का संबंध. यहां अमेरिकी अभिनेत्री जूडिथ लाइट की कहानी है, जिन्होंने वेन की किताब पढ़ी और प्रशंसक बन गईं। कथा कुछ इस प्रकार है। पीटरसन का एक दोस्त था जो 1990 के दशक में भारत में साईं बाबा से मिलने उनके आश्रम गया था।

उनका यह मित्र साईं बाबा का अनुयायी नहीं था, बल्कि अन्य अनुयायियों के साथ था। आश्चर्य की बात यह है कि जब साईं बाबा का ध्यान इस गैर-अनुयायी की ओर गया, तो उन्हें गहरा आध्यात्मिक अनुभव हुआ और उन्होंने अप्रत्याशित रूप से 6 महीने के लिए आश्रम में रहने का फैसला किया। जब वह संयुक्त राज्य अमेरिका लौटी, तो इस महिला ने पीटरसन को साईं बाबा की एक तस्वीर दी, जिस पर साईं बाबा ने आशीर्वाद दिया और इसे एक महान उपहार माना।

पीटरसन ने इस तस्वीर को करीब दस साल तक अपने पास रखा।

जब पीटरसन 2003 में थैंक्सगिविंग अवकाश के दौरान जूडिथ लाइट से मिलने गए, तो पीटरसन को एक टेलीपैथिक संदेश मिला कि उन्हें साईं बाबा की यह तस्वीर मिस लाइट को देनी होगी।

जब उसने इसे जूडिथ को दिया तो उसने कहा, "यह तुम्हारे लिए बहुत कीमती है, वेन, क्या तुम वाकई इसे मुझे देना चाहते हो?" पीटरसन ने कहा, "मेरा मतलब यही था।" जूडिथ लाइट ने तब उत्तर दिया, "शायद साईं बाबा दयालु होंगे और एक और तस्वीर भेजेंगे।" पीटरसन ने 21 नवंबर 2003 को मिस लाइट को फोटो दी।

जनवरी 2004 में, जूडिथ लाइट को साईं बाबा की तस्वीर देने के लगभग दो महीने बाद, पीटरसन को अप्रत्याशित रूप से भारत में साईं बाबा के आश्रम से एक पत्र मिला। इस पत्र में पीछे एक नोट के साथ साईं बाबा की तस्वीर है। नोट पर 21 नवंबर 2003 की तारीख लिखी हुई थी, उसी दिन वेन पीटरसन ने जूडिथ लाइट को साईं बाबा की तस्वीर दी थी। नई तस्वीर के पीछे शिलालेख है: "आत्मा का रहस्य रूप के माध्यम से देखना है।"

पीटरसन को भेजी गई साईं बाबा की तस्वीर में एक तस्वीर भी है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

साईं बाबा के कंधे पर एक तोता, जो साईं बाबा के चेहरे को आंशिक रूप से ढक रहा है। आश्चर्यजनक रूप से, साईं बाबा की आँखें और भौहें तोते के शरीर से दिखाई दे रही थीं। साईं बाबा की यह तस्वीर वेन को उसी दिन कैसे भेजी गई, जिस दिन उन्होंने जूडिथ लाइट को भी ऐसी ही तस्वीर दी थी, जिस दिन जूडिथ ने सुझाव दिया था कि शायद साईं बाबा दयालु होंगे और वेन को एक और भेज देंगे, यह एक रहस्य बना हुआ है।

दिलचस्प बात यह है कि 4 जुलाई 1968 को छुट्टी के दिन साईं बाबा ने एक घोषणा पत्र दिया था, जिसमें उन्होंने इस बार अवतार लेने का उद्देश्य बताया था। मुझे आशा है कि इस पुस्तक में प्रस्तुत पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य उन संदेशों को ठोस वास्तविकता बनाने में मदद करेंगे जो साईं बाबा ने उस दिन व्यक्त किये थे। 4 जुलाई, 1968 को साईं बाबा ने खुलासा किया:

मैं आपके हृदय में प्रेम का दीपक जलाने आया हूं, इसे दिन-ब-दिन अधिक से अधिक चमक के साथ चमकते देखने के लिए आया हूं। मैं किसी धर्म विशेष के नाम पर नहीं आया हूं.

मैं किसी संप्रदाय या पंथ या संप्रदाय के प्रचार मिशन पर नहीं आया हूं, न ही मैं किसी सिद्धांत के लिए अनुयायियों को इकट्ठा करने आया हूं। मेरी गोद में या किसी और की गोद में जागीरदार शिष्यों को आकर्षित करने की कोई योजना नहीं है। मैं तुम्हें यह एक विश्वास, यह आध्यात्मिक सिद्धांत, यह प्रेम का मार्ग, यह प्रेम का कर्तव्य, यह प्रेम का कर्तव्य बताने आया हूं।

पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य के माध्यम से हम समझ सकते हैं
कि हम सभी आध्यात्मिक प्राणी हैं जो स्वयं को विकसित करने और अभिव्यक्त करने के उद्देश्य से इस पृथ्वी पर हैं। आइए हम बिना किसी झगड़े या विभाजन के विभिन्न मिशनों और लक्ष्यों को पूरा करें, इसके बजाय, जैसा कि साईं बाबा ने कहा, "प्रेम के मार्ग" पर चलें।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

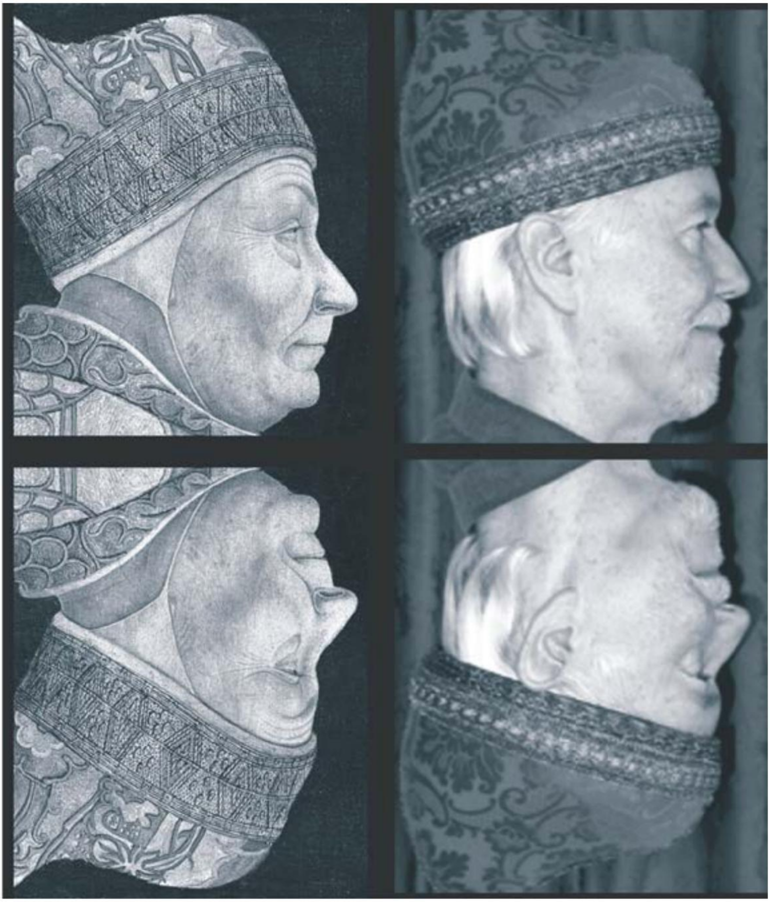

वेन पीटरसन का योगदान

विवरण ©मिशेल गेरबर/कॉर्बिस

डोगे फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी अमेरिकी राजनयिक वेन पीटरसन

Machine Translated by Google

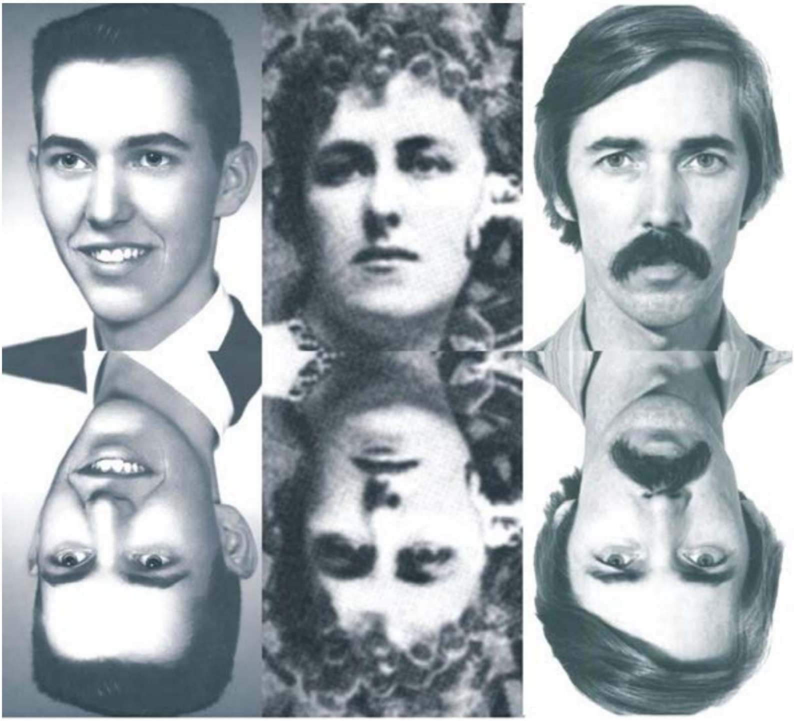

वेन पीटरसन का योगदान

वेन पीटरसन लुईस वेंडरबिल्ट वेन पीटरसन

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

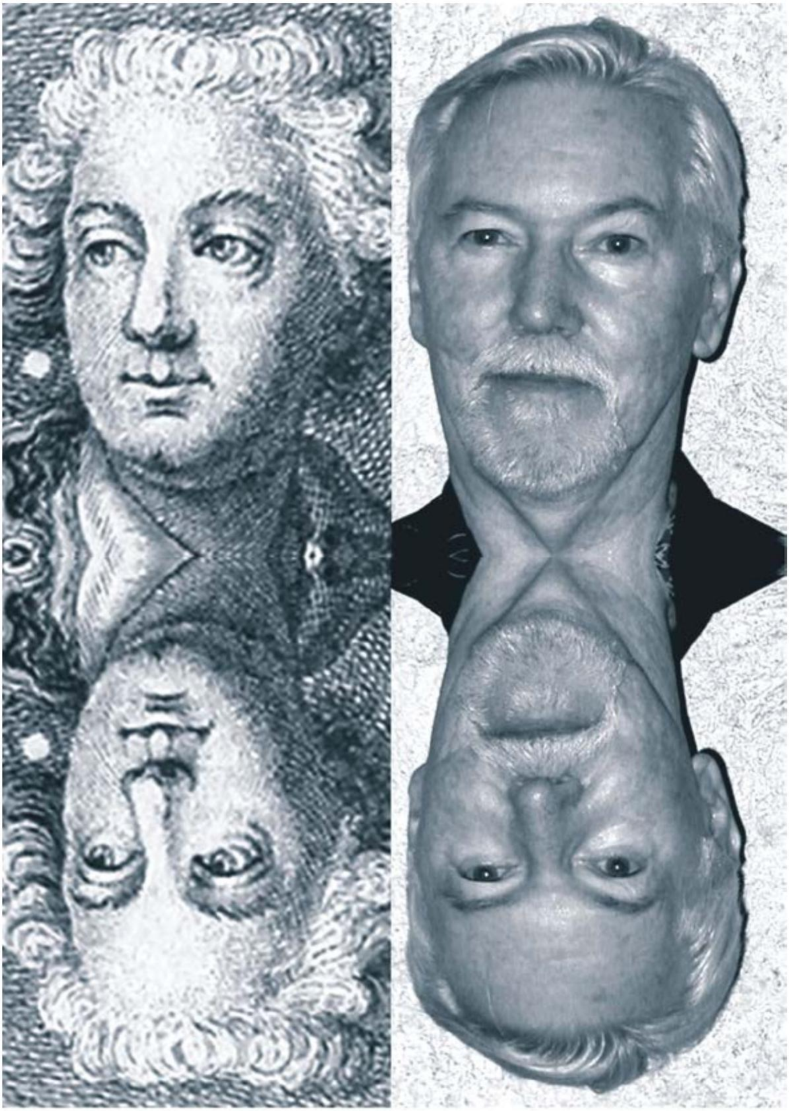

वेन पीटरसन का योगदान

क्लाउड लेडौक्स

वेन पीटरसन

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

8

पॉल गाउगिन का पुनर्जन्म और पब्लो पिकासो

पॉल गाउगिन के पुनर्जन्म के रूप में पीटर टेकैम्प

पीटर टेकैम्प की कहानी उनके बचपन के वर्षों में शुरू होती है, जब "गो-गॉन, गो-गॉन" शब्द उनके दिमाग में गूंजते रहते थे। पीटर को इन शब्दों को कलाकार पॉल गाउगिन से जोड़ने में कई दशक लग गए, और उसे यह स्वीकार करने में भी कई दशक लग गए कि वह गाउगिन का पुनर्जन्म था। चेहरे के भाव और व्यक्तित्व लक्षण भी सुसंगत हैं।

वास्तव में आश्चर्यजनक बात यह है कि रेखाचित्रों के विश्लेषण से पता चलता है कि पीटर ने अनजाने में गौगुइन के कलात्मक विकास पर फिर से काम किया था, भले ही वह कम उम्र में था।

इससे पता चलता है कि हम वास्तव में अपनी क्षमताओं को पिछली उपलब्धियों से ऊपर विकसित कर रहे हैं। जैसे-जैसे वह एक कलाकार के रूप में परिपक्व होते गए, पीटर ने एक ऐसी शैली विकसित की जो अधिक यथार्थवादी और कभी-कभी अतियथार्थवादी बन गई। जब 2005 में पीटर ने गौगुइन से प्रेरित चित्रों की एक श्रृंखला बनाने का निर्णय लिया; हम पाते हैं कि इन दोनों कलाकारों का काम लगभग अप्रभेद्य है।

पॉल गाउगिन का जन्म 7 जून, 1848 को पेरिस में हुआ था। उनके पिता एक पत्रकार थे और उनकी माँ पेरू से थीं। 1849 में, गौगुइन के पिता की दक्षिण अमेरिका की समुद्री यात्रा के दौरान मृत्यु हो गई।

फ्रांस लौटने से पहले गौगुइन ने अपना बचपन पेरू में बिताया, जहां उन्होंने बोर्डिंग स्कूल में पढ़ाई की। उनकी माँ की मृत्यु 1867 में हो गई, जब पॉल 19 वर्ष के थे। एक युवा लड़के के रूप में, गौगुइन एक नाविक बन गए, फ्रांसीसी मर्चेंट मरीन के साथ दुनिया की यात्रा की, फिर फ्रांसीसी नौसेना में शामिल हो गए। 1872 में, 24 वर्ष की आयु में, गौगुइन ने व्यवसाय की दुनिया में प्रवेश किया

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

शेयर दलाल. इस अवधि के दौरान, गौगुइन ने अपने खाली समय में पेंटिंग करना शुरू किया। अपना पूरा जीवन पेंटिंग में समर्पित करने से पहले उन्होंने दस साल से अधिक समय तक व्यवसाय जारी रखा।

1873 में, 25 साल की उम्र में, पॉल ने मेटे गाड से शादी की और अंततः इस जोड़े के पांच बच्चे हुए। गौगुइन जल्द ही अन्य कलाकारों, पिकासो और सेज़ेन के दोस्त बन गए। 28 साल की उम्र में, गौगुइन की एक पेंटिंग को पेरिस की एक प्रतिष्ठित कला प्रदर्शनी, सैलून डी'ओटोम्ने में स्वीकार किया गया था। 1884 में, गौगुइन अपने परिवार को अपनी पत्नी के गृह देश कोपेनहेगन, डेनमार्क ले गए। एक साल बाद, 1885 में, 37 साल की उम्र में, गौगुइन अपनी पत्नी से अलग हो गए और पूर्णकालिक कलाकार बनने के लिए पेरिस लौट आए। फ़्रांस लौटने पर, उनकी पहली पेंटिंग सेंट शहर का दृश्य थी।

क्लाउड, पेरिस शहर के बाहर, जिसका शीर्षक है, "पेसेज़ ए सेंट क्लाउड", जिसे 1885 में चित्रित किया गया था।

1887 में, गौगुइन ने पनामा नहर परियोजना के लिए नहर खोदने वाले के रूप में कुछ समय के लिए काम किया और फिर मार्टीनिक द्वीप समूह चले गए।
फ़्रांस लौटने पर, गौगुइन की विंसेंट वान गॉग से दोस्ती हो गई, जिन्होंने फ्रांस के दक्षिण में एक जगह आर्ल्स में उनके साथ पेंटिंग की। वान गाग और गौगुइन एक ही घर में रहते थे। इसी स्थान पर 23 दिसंबर, 1888 को वान गॉग ने अपना कान काटा था, जिसे उन्होंने एक वेश्या को दे दिया था। वान गाग ने अपना कान क्यों काटा?

अंत में, कारण अज्ञात है, सिवाय इसके कि यह वान गाग की बिगड़ती मानसिक बीमारी को दर्शाता है। गौगुइन ने बताया कि कान की घटना से एक दिन पहले वान गाग ने उसे उस्तरा से धमकाया था। वान गॉग द्वारा अपना कान काटने के अगले दिन, गौगुइन ने आर्ल्स छोड़ दिया।

फरवरी से दिसंबर 1888 तक आर्ल्स में अपने प्रवास के दौरान, गौगुइन ने काली रूपरेखा के साथ सपाट, शुद्ध रंगों का उपयोग करके पेंटिंग की शैली विकसित की जिसके लिए वह प्रसिद्ध हैं।

हालाँकि कला जगत किसी दिन गौगुइन का सम्मान करेगा, लेकिन उस समय वह न तो प्रसिद्ध था और न ही गरीब। 1891 में, 43 वर्ष की आयु में, गौगुइन ने दक्षिण प्रशांत की अपनी यात्रा के वित्तपोषण के लिए अपनी लगभग 30 पेंटिंग बेचीं, जहाँ वे अंततः ताहिती में बस गए। गौगुइन पश्चिमी सभ्यता से तंग आ चुके थे और उन्होंने इस कदम के लिए एक रास्ता तलाशा

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

सरल जीवन. अगले दो वर्षों में, गौगुइन ने दक्षिण प्रशांत के मनोरम दृश्यों को कैद किया। यह ताहिती में था कि उनकी सबसे प्रसिद्ध रचनाएँ निर्मित हुईं।

हालाँकि, गौगुइन के पास ताहिती में पैसे ख़त्म हो गए और उसे ऐसा करना पड़ा 1893 में फ़्रांस लौट आए। गौगुइन 1895 में 47 साल की उम्र में ताहिती लौट आए और फिर कभी यूरोप नहीं लौटे। गौगुइन के आखिरी पांच साल निरंतर गरीबी और बिगड़ते स्वास्थ्य में बीते।

गौगुइन इतने उदास हो गए कि उन्होंने 1897 में आत्महत्या का प्रयास भी किया, जब वह 49 वर्ष के थे। गौगुइन एक आत्मघाती हमले में बच गया। 1901 में, विकलांग और ताहिती में फ्रांसीसी अधिकारियों के साथ मतभेद के कारण, गौगुइन मार्केसस द्वीप समूह में चले गए।

8 मई, 1903 को 55 वर्ष की आयु में गौगुइन की मृत्यु हो गई और उन्हें कलवारी कब्रिस्तान में दफनाया गया।

अपने बाद के वर्षों में, गौगुइन ने लिखा, "ज्यादातर लोगों के लिए, मैं करूँगा हमेशा एक रहस्य बना रहूं, मुझे एहसास है कि लोग मुझे कम से कम समझेंगे... चाहे कुछ भी हो, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि मैं प्रथम श्रेणी की चीजें हासिल करूंगा। मैं इसे महसूस कर सकता हूं और हम देखेंगे।" गौगुइन की भविष्यवाणी सटीक निकली। 1906 में, उनकी मृत्यु के तीन साल बाद, उनके कार्यों को सैलून डी'ऑटोमने में प्रदर्शित किया गया, जहां उनकी प्रसिद्धि और लोकप्रियता शुरू हुई।

पीटर टेकैम्प का जन्म गौगुइन की मृत्यु के 47 साल बाद, 1950 में नीदरलैंड में हुआ था। पीटर के पिता कैथोलिक हैं, जबकि उनकी मां यहूदी हैं। जब पीटर 4 साल का था तब उसके माता-पिता को वैवाहिक समस्याएं हुईं और वे अलग हो गए।

पीटर को एक कैथोलिक अनाथालय में रखा गया, जहां वह एक वेदी लड़का बन गया और चर्च गाना बजानेवालों में गाया। 9 साल की उम्र में पीटर की मां ने दूसरी शादी कर ली और पीटर अपनी मां और सौतेले पिता के साथ रहने लगे।

जब वह 10 साल का था, तो उसके दिमाग में दो अक्षर बार-बार आते थे, "गो-गॉन, गो-गॉन।" छोटे पीटर को इन शब्दों में कोई मतलब नहीं था, लेकिन उसे यह पसंद आया। खेलते समय, पीटर एक चिल्लाहट के रूप में चिल्लाता था, "गो-गॉन, गो-गॉन"। लेकिन 15 साल की उम्र तक उसने पूछना शुरू नहीं किया कि "गो-गॉन" का क्या मतलब है। उन्होंने अपने स्कूल के शिक्षकों से पूछा, "गो-गॉन का क्या मतलब है?" उसके शिक्षकों ने सोचा कि वह

Machine Translated by Google

उन्होंने उनसे डच भाषा में एक शब्द पूछा और उन्हें बताया कि उन्हें समझ नहीं आया कि इस शब्द का मतलब क्या है।

शायद पीटर को वास्तव में अपने पिछले जन्म का नाम याद था, कि "गो-गॉन" "गौ-गिन" का ध्वन्यात्मक उच्चारण था। इस प्रकार का अनुस्मारक अमेरिकी राजनयिक वेन पीटरसन के मामले में भी होता है। याद आया कि बचपन में जब वेन अपने माता-पिता को बुलाते थे तो वे नाम लेकर जवाब नहीं देते थे।

हताशा में उन्होंने पूछा, "तो आप किस नाम से पुकारा जाना चाहते हैं?" वेन ने कहा, "मेरा नाम फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी है," हालांकि वह नहीं जानता था कि वह उस नाम से क्यों बुलाया जाना चाहता था। एक किशोर के रूप में, वेन इस नाम से भावनात्मक रूप से इतने जुड़ गए कि उन्होंने आधिकारिक तौर पर अपना नाम बदलने पर भी विचार किया।

वेन को यह एहसास होने में दशकों बीत गए कि पिछले जीवनकाल में, वह फ्रांसेस्को फ़ॉस्करी, एक वेनिस सीनेटर और एक कुत्ता था।
यह भी याद रखें कि बारब्रो कार्लेन, जब वह छोटा था, ने अपने माता-पिता को बताया था कि ऐनी फ्रैंक उसका असली नाम था, और डैनियल जर्दी और टीटू सिंह के मामले में, पिछले जन्मों के नाम भी एक बच्चे के रूप में याद किए जा सकते हैं।

एक किशोर के रूप में, पीटर ने पेंटिंग करना शुरू कर दिया। प्रभावशाली बात यह है कि पीटर की प्रारंभिक पेंटिंग लगभग सौ साल पहले गौगुइन की पेंटिंग से मिलती जुलती हैं, हालाँकि जब पीटर ने पेंटिंग की थी तो उन्हें गौगुइन के रेखाचित्रों के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। वास्तव में, पीटर टीकैम्प गौगुइन के रेखाचित्रों से परिचित नहीं थे, जो इस अध्याय के अंत में दिखाए गए हैं, 2003 तक, जब पीटर 53 वर्ष के थे। इन पेंसिल चित्रों के साथ, पीटर वास्तव में पिछले जीवन, पॉल गाउगिन के जीवनकाल से अपनी कला की यादें खोद रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि पीटर ने अनजाने में गौगुइन के काम को उस समय की तुलना में बहुत कम उम्र में पुन: प्रस्तुत किया जब गौगुइन ने ये रेखाचित्र बनाए थे। इस प्रकार, यह घटना दर्शाती है कि कैसे प्रत्येक जीवनकाल में हम पिछले अवतार की उपलब्धियों का पुनर्निर्माण करते हैं।

पीटर ने व्यवसाय में स्नातक की डिग्री प्राप्त की, इत्यादि

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

गौगुइन ने अपने करियर के रूप में व्यवसाय की दुनिया में प्रवेश किया। पीटर ने कई वर्षों तक विभिन्न खुदरा व्यवसायों में प्रबंधक के रूप में काम किया है। गौगुइन की तरह, पीटर भी एक विश्व यात्री बन गए, उन्होंने भारत में वाराणसी, तेल अवीव, पुर्तगाल और मिस्र जैसे स्थानों का दौरा किया, कई अवधियों तक इन स्थानों पर रहे और जीविकोपार्जन किया।

ड्राइंग द्वारा।

भित्ति चित्रण।

अंत में, पीटर संयुक्त राज्य अमेरिका चले गये। 1972 में, पीटर सभी स्थानों से, बेवजह, सेंट क्लाउड, मिनेसोटा में बस गए, जहां उन्होंने 22 साल की उम्र में गंभीरता से पेंटिंग शुरू की। यह एक पूर्णकालिक कलाकार बनने के लिए गौगुइन के कोपेनहेगन से फ्रांस लौटने के समान है। याद करें कि फ्रांस लौटने पर गौगुइन की शुरुआती पेंटिंग में से एक "पेसेज ए सेंट-क्लाउड" थी। सेंट क्लाउड, फ़्रांस और सेंट क्लाउड, मिनेसोटा के बीच क्या संबंध है? मेरा मानना है कि ऐसा होता है कि एक व्यक्ति अवचेतन रूप से उस स्थान को पहचान सकता है

पिछले जीवनकाल से उसके लिए प्रतीकात्मक अर्थ। हालाँकि पीटर को इसकी जानकारी नहीं थी
गौगुइन के जीवन के समय से ही सेंट क्लाउड का उनके लिए प्रतीकात्मक अर्थ है, मेरा मानना है कि यह उनका अवचेतन ज्ञान और उनकी आत्मा से पारित आकर्षण था जिसने पीटर के सेंट क्लाउड्स में रहने के निर्णय को प्रभावित किया।

मिनेसोटा में, पीटर ने एंजेला नाम की महिला और जोड़े से शादी की
के दो बच्चे हैं। पीटर ने खुदरा दुकानें चलाना जारी रखा और इसके अलावा, एक चित्रकार के रूप में अपना करियर बनाया। वह कला मेलों में भाग लेता है, जहाँ वह अपनी कृतियाँ बेचता है। अनेक
कई बार, लोग अनायास ही उनके पास आते थे और उन्हें पिछले जन्मों के बारे में बताते थे।
एक ने उसे बताया कि वह फ्रांस में रहता था, दूसरे ने कहा कि उसका नाम पॉल है। पीटर
मुझे नहीं पता था कि इन टिप्पणियों का क्या किया जाए, भले ही वह पुनर्जन्म के लिए तैयार थे। पीटर ने मुझे बताया कि जब वह 19 साल का था, तब उसने हरमन हेस्से का उपन्यास सिद्धार्थ पढ़ा था। उस समय, पीटर इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि पुनर्जन्म ही एकमात्र आध्यात्मिक दर्शन है जो "न्याय और औचित्य" का प्रतीक है।

वह उपलब्ध कराता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

"सभी के लिए समान अवसर"। हालाँकि, 1970 के दशक की शुरुआत में, पीटर को अभी भी पता नहीं था कि वह अपने पिछले जीवन में कौन था, और फ्रांस में उसके पिछले जीवन के बारे में सड़क के मनोविज्ञानियों की टिप्पणियाँ, जिसका नाम पॉल था, ने उसे केवल हास्यास्पद और निरर्थक महसूस कराया। कुछ भी।

1979 में सब कुछ बदल गया, जब पीटर 29 साल के थे। उनकी पत्नी एंजेला के व्यक्तित्व में भारी परिवर्तन महसूस होने लगा, वह बहुत धार्मिक हो गये। हालाँकि पीटर शुरू में अपनी पत्नी की अधिक आध्यात्मिक बनने की आवश्यकता का सम्मान करता है, लेकिन वह चिंतित हो जाता है कि उसकी समर्पित जीवनशैली बहुत अधिक होती जा रही है। एक दिन, पीटर उनके घर के एक कमरे में गया और उसने अपनी पत्नी को जलती मोमबत्तियों के बीच प्रार्थना करते हुए पाया। एंजेला उठी और उसे एक किताब सौंपी, जिसे खोलने पर उसमें लाल रंग से घिरे पॉल गाउगिन का चित्र गिरा। एंजेला ने गहरे विश्वास के साथ पीटर से कहा, "आप पॉल गाउगिन के पुनर्जन्म हैं," एक बयान वह तब से पीटर को दोहरा रही है।

एंजेला का आग्रह था कि वह पुनर्जन्मित गौगुइन था पीटर को "गो-गॉन, गो-गॉन" शब्दों पर विचार करने पर मजबूर किया, जो एक बच्चे के रूप में उसके दिमाग में गूंजते थे। पीटर ने यह भी देखा कि उसका चेहरा

विशेषताएँ गौगुइन के समान थीं। बाद में, उन्हें पता चला कि गौगुइन को अपने चित्रों की पृष्ठभूमि में चेहरे रखना पसंद है, कभी-कभी स्पष्ट, कभी-कभी छिपा हुआ, एक अभ्यास जिसे पीटर ने भी अनायास विकसित किया। हालाँकि, उसके लिए यह स्वीकार करना अभी भी बहुत अजीब था कि वह गौगुइन हो सकता है।

पीटर और एंजेला के रिश्ते में दूरियाँ बढ़ती गईं और अपनी शादी को बरकरार रखने के प्रयासों के बावजूद, अंततः दोनों अलग हो गए। पीटर अपाचे जंक्शन, एरिज़ोना चले गए, जहाँ उन्होंने एक आर्ट गैलरी खोली। पीटर को दक्षिण-पश्चिम में मूल अमेरिकी संस्कृति में उतनी ही दिलचस्पी थी जितनी गौगुइन को ताहिती जीवन में थी। इस अवधि की पीटर की पेंटिंग्स में अक्सर मूल अमेरिकी थीम शामिल होती हैं। अपाचे जंक्शन पर जाने के कुछ ही समय बाद, पीटर की मुलाकात एक महिला से होती है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जिसने पिछले जीवन में प्रतिगमन किया और पीटर ने इसे आज़माने का फैसला किया।

पीटर ने यह प्रतिगमन 1980 में किया था, जब वह 30 वर्ष के थे। पीटर उस जीवनकाल की स्मृतियों तक पहुंचने में कामयाब रहे जब वह एक चित्रकार थे। उसने एक गाँव, या शायद पेरिस की पथरीली सड़कें देखीं। उसने स्वयं को एक अँधेरे और गंदे स्टूडियो की ओर जाने वाली अँधेरी सीढ़ी पर चढ़ते देखा; ऐसा लग रहा था मानो कमरे की वर्षों से सफाई नहीं की गई हो। पीटर ने गंदे, परित्यक्त ब्रशों का अध्ययन किया और उसे अवसाद की गहरी भावना का अनुभव हुआ, एक ऐसी भावना जिसे उसने पहले कभी अनुभव नहीं किया था। उसे अकेलापन, अस्वीकृति और यह अहसास हुआ कि उसे गलत समझा गया है।

पीटर को यकीन नहीं था कि वह गौगुइन के जीवनकाल में प्रवेश करेगा, लेकिन प्रतिगमन का अनुभव शक्तिशाली था और उसने गौगुइन का और भी अधिक अध्ययन किया। उसने जो पाया, वह उसे पसंद नहीं आया। सबसे पहले, पीटर को गौगुइन की पेंटिंग शैली पसंद नहीं आई, जिसे वह "बहुत कार्टूनिस्ट, आदिम और अधूरा" मानते थे। जैसा कि पहले ही उल्लेख किया गया है, इस जीवनकाल में, पीटर ने अधिक यथार्थवादी शैली विकसित की थी। वास्तव में, 2005 में पीटर की गौगुइन-प्रेरित कला में, रंग और एहसास गौगुइन के समान ही हैं, लेकिन पीटर के चित्रण का अर्थ अधिक है। जो पेंटिंग पीटर की शैली के विकास को दर्शाती हैं उनमें गौगुइन की उनकी बेटी एलाइन की पेंटिंग और पीटर की अमांडा नामक लड़की की पेंटिंग शामिल है, जिसकी कम उम्र में मृत्यु हो गई थी। अमांडा का चित्र वास्तव में एक कलाकार का चित्रण है, क्योंकि वह एक नवजात शिशु के रूप में मर गई थी, इसलिए एलाइन और अमांडा के बीच दिखने में समानता देखना दिलचस्प है। हालाँकि, अमांडा की पेंटिंग पृष्ठभूमि में बहुत सारी विस्तृत वस्तुओं के साथ अधिक यथार्थवादी है।

इस तथ्य के अलावा कि पीटर वास्तव में गौगुइन की कला की प्रशंसा नहीं करता था, ऐसी कई अन्य चीजें थीं जो पीटर को परेशान करती थीं।
उदाहरण के लिए, पीटर को यह पसंद नहीं था कि गौगुइन को कला में करियर बनाने के लिए अपनी पत्नी और बच्चे को पीछे छोड़ने वाला माना जाता था। फिर आखिरी वाला, गौगुइन

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

यौन रोग से मृत्यु हो गई, पीटर ने सोचा कि यह सराहनीय है। संक्षेप में, पीटर को यह लड़का, गौगुइन, पसंद नहीं था।

पुनर्जन्म का मुद्दा दोबारा उठने से पहले आठ साल बीत गए, जब पीटर 38 साल के थे। 1988 में अपाचे जंक्शन पर, पीटर की दोस्ती एक लंबे, मांसल, मध्यम आयु वर्ग के हाड वैद्य से हुई।

दो महीने तक, यह दोस्त पीटर को सप्ताह में दो या तीन बार लंच या डिनर पर ले जाता था। हालाँकि इस आदमी की दयालुता के लिए आभारी, पीटर को इस आदमी की उदारता के पीछे के इरादों के बारे में चिंता होने लगी। पीटर एक विषमलैंगिक व्यक्ति है, इसलिए वह नहीं चाहता कि उसका दोस्त रोमांटिक रिश्ते की कोई अपेक्षा रखे।

पीटर ने अपनी एक बैठक में इस मुद्दे को संबोधित करने का निर्णय लिया।

जब पीटर ने इस मोटे आदमी से उसकी उदारता का कारण पूछा, तो हाड वैद्य का चेहरा लाल हो गया और वह उठा, पीटर की शर्ट को तब तक खींचा जब तक पीटर का चेहरा उसके चेहरे से केवल पांच इंच दूर नहीं रह गया और कहा, "आप पॉल गाउगिन के पुनर्जन्म हैं!"

पीटर बहुत हैरान था, क्योंकि उसने कभी अपने दोस्त को हाड वैद्य गौगुइन के बारे में एक शब्द भी नहीं बताया था
गौगुइन के रूप में पीटर के पिछले अनुभवों के बारे में जानना असंभव था! फिर हाड वैद्य ने पीटर को रिहा कर दिया और चला गया। पीटर ने उसे फिर कभी नहीं देखा। अब, पीटर को दो लोगों, उसकी पूर्व पत्नी और हाड वैद्य, जो उसके लिए लगभग पूरी तरह से अजनबी थे, ने बताया है कि वह गौगुइन का पुनर्जन्म है। बात यह है कि, पीटर अभी भी गौगुइन नहीं बनना चाहता।

एक साल बाद 1989 में, जब पीटर 39 साल के थे, तब सनक की घटनाएँ घटीं। पीटर की आर्ट गैलरी का मकान मालिक अप्रत्याशित रूप से अंदर आता है और कहता है कि पीटर को वहां से निकलना होगा। मकान मालिक ने कहा कि पीटर ने एक संधि पर हस्ताक्षर किए थे जिसमें एक धारा थी कि वह बिना किसी पूर्व सूचना के पीटर को बेदखल कर सकते थे। मकान मालिक ने तुरंत उसे बाहर निकाल दिया, क्योंकि उसे बेहतर प्रस्ताव मिला था। तो पीटर का बिजनेस जल्द ही बंद हो जाएगा. उसी सप्ताह, जिस महिला के साथ वह डेटिंग कर रहा था, वह चली गई और पीटर एक गंभीर कार दुर्घटना का शिकार हो गया, जिससे उसकी कार नष्ट हो गई। अचानक, पीटर को ऐसा महसूस हुआ

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

उसने इस दुनिया में अपना सब कुछ खो दिया था और अचानक उसे आत्महत्या का एहसास हुआ। पीटर ने रेगिस्तान में आत्महत्या करने का फैसला किया। उसने एक बंदूक और व्हिस्की की एक बोतल ली और बंजर पहाड़ों में चला गया।

सौभाग्य से, पीटर शराब पीने वाला नहीं है और हालाँकि उसने रेगिस्तान की हवा में कई गोलियाँ चलाईं, इससे पहले कि वह खुद को मार पाता, पीटर शराब से बेहोश हो गया था।

ध्यान दें कि गौगुइन ने भी आत्महत्या करने की कोशिश की थी। यह पैटर्न स्वयं को दोहराता क्यों है? मेरे अवलोकन में, हमारे पास जीवन भर एक ही ऊर्जा, एक ही जीवन का दृष्टिकोण है।

इस प्रकार, हममें भी एक ही प्रकार की समस्याएँ और संघर्ष उत्पन्न होने की प्रवृत्ति होती है; हम चुनौतियों पर भी उसी तरह प्रतिक्रिया करते हैं।
गौगुइन और टेकैम्प दोनों स्थिर जीवन जीते हैं जहां वे पारंपरिक व्यवसायों में काम करते हैं और वित्तीय सफलता का आनंद लेते हैं, लेकिन कलाकार के रूप में अपने सपनों को आगे बढ़ाने के लिए उन दोनों ने सुरक्षा को पीछे छोड़ दिया है।

नुकसान और वित्तीय संकट पर प्रतिक्रिया करते हुए, वे दोनों बहुत उदास हो जाते हैं और आत्महत्या करना चाहते हैं, भले ही वे दोनों अपने आत्महत्या के प्रयास में असफल हो जाते हैं।

हम सभी के पास एक कार्यप्रणाली होती है जो हमारे चरित्र को आकार देती है, सकारात्मक और नकारात्मक दोनों, और ये रास्ते जीवन-दर-जीवन एक जैसे बने रहते हैं। प्रतिक्रिया देने के प्रतिकूल तरीके हमें परेशानी में डाल सकते हैं, और यह आशा की जाती है कि जीवन भर, हम अपने लाभ के लिए इन लक्षणों को संशोधित कर सकते हैं। पुनर्जन्म को समझने में एक बड़ा वादा यह है कि एक बार जब हम पिछले जीवन को जान लेते हैं और हम पहले के समय से अपने व्यक्तित्व पैटर्न को सीख सकते हैं, तो हम अपने वर्तमान अवतार में अधिक जागरूक और अधिक प्रभावी हो सकते हैं।

एक अंतिम अवलोकन जो मैं करना चाहूंगा वह यह है कि सिज़ोफ्रेनिया जैसी जैविक मानसिक बीमारियाँ, जीवन भर बनी नहीं रहती हैं। ये गंभीर बीमारियाँ उस शरीर से उत्पन्न होती हैं जिसमें व्यक्ति जन्म लेता है, जैसे मधुमेह या थायरॉयड रोग, और ये नहीं होते हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जीवन भर आत्मा की स्थिति को दर्शाता है।

दूसरे शब्दों में, एक व्यक्ति एक जीवनकाल में सिज़ोफ्रेनिक हो सकता है और दूसरे में सामान्य हो सकता है।

जब पीटर अगली सुबह रेगिस्तान में जागा, तो वह हैंगओवर के बाद के लक्षण महसूस होते हैं और भयानक सिरदर्द होता है।

पीटर ने ठान लिया है कि उसे एक नई शुरुआत करने की जरूरत है और उसने फैसला किया कि उसे कैलिफोर्निया जाना होगा। पीटर ने यह भी दर्शाया कि वह गौगुइन के जीवनकाल की बात से इनकार कर रहा था और वह पिछले जीवन के संभावित संबंधों की अधिक खुले तौर पर जांच करेगा।

जब पीटर शहर लौटता है, तो वह अपने पूर्व पर्यवेक्षक, एक खुदरा स्टोर के मालिक से संपर्क करता है, और यह सुनकर प्रसन्न होता है कि न केवल उसके पूर्व मालिक के पास एटास्केडरो कैलिफ़ोर्निया में उसके लिए नौकरी है, बल्कि उसका मालिक उसे लेने के लिए एक ट्रक भी भेजेगा। ऊपर। पीटर ने प्रतिबिंबित किया कि चूँकि उन्होंने 39 साल की उम्र में गौगुइन के जीवनकाल का अधिक खुले तौर पर अध्ययन करने का निर्णय लिया था, इसलिए ऐसा लग रहा था कि चीजें उनके लिए अधिक सुचारू और सहजता से चल रही थीं; पीटर का कहना है कि जीवन उसके लिए "खिलना" शुरू हो रहा है।

पीटर एक रिटेल स्टोर का प्रबंधन करने में सफल रहा एटास्कैडेरो को हॉलिस्टर, कैलिफ़ोर्निया में एक संपूर्ण शॉपिंग सेंटर के साथ-साथ एक खुदरा स्टोर के प्रबंधन के लिए पदोन्नत किया गया था।

वहां, 1991 में उनकी मुलाकात मिशेल मोसे से हुई, जो एक स्थानीय समाचार पत्र में विज्ञापन कॉलम बेचने का काम करती थीं। पीटर, जो दुकानों और शॉपिंग सेंटरों का प्रतिनिधित्व करता है, मिशेल का ग्राहक बन जाता है और उस अखबार में विज्ञापन देता है जहां वह काम करती है। 1997 में, अपने व्यवसाय को अपने काम के साथ मिश्रित करने के प्रयास में, पीटर ने खुद ही अखबार के लिए एक लेआउट कलाकार बनने का फैसला किया। इस कार्य में मिशेल समाचार पत्र के क्षेत्र में उनके गुरु बन गये।

उस पल पीटर और मिशेल को एक-दूसरे के प्रति गहरा स्पंदन महसूस हुआ और वे घनिष्ठ मित्र बन गये।

पीटर ने गौगुइन के बारे में कहानियों सहित अपने जीवन के विवरण साझा करना शुरू किया। उस समय मिशेल पुनर्जन्म में विश्वास नहीं करती थी, लेकिन वह खुली थी। इसके बाद मिशेल पीटर को कई बातें बताती है

Machine Translated by Google

गौगुइन से जुड़ी उनकी अपनी समकालिक घटना। 1978 में, एक उपहार के रूप में, मिशेल के पिता ने दुनिया भर में जहां भी वह जाना चाहती थी, उसकी यात्रा के लिए भुगतान करने की पेशकश की।

मिशेल ने ताहिती जाने का फैसला किया और वहां रहते हुए उन्होंने गौगुइन संग्रहालय का दौरा किया। अगले वर्ष, अपने 23वें जन्मदिन पर, मिशेल पेरिस गयीं। मिशेल "वांडरिंग बीटल" (लेस ग्यूपेस बुइसोनियर) नामक एक क्रूज जहाज पर सवार होकर सीन के दर्शनीय स्थलों को देखने जाती है। दिलचस्प बात यह है कि गौगुइन ने ताहिती में "बीटल्स" नामक एक प्रकाशन का संपादन किया। पेरिस में रहते हुए, मिशेल 23 वर्ष की थी, यही वह उम्र थी जब मेटे की मुलाकात पॉल गाउगिन से हुई और उसने उससे शादी की।

पीटर एक पत्रिका पर काम करता है, जिसमें गौगुइन के बारे में उसके विचार शामिल हैं, और मिशेल पीटर को पत्रिका को संपादित करने में मदद करने की पेशकश करती है।

इस प्रकार, 1997 में, वे गौगुइन पर शोध करने और पीटर के बारे में एक कहानी लिखने में भागीदार बन गए।

कुछ ही समय बाद, उन्होंने गौगुइन के बारे में पहली किताब खोली जो मिशेल ने खरीदी थी। पीटर ने पृष्ठ पर चित्र देखा और उसने मिशेल को पुकारा, "देखो, यह तुम हो!" पीटर ने गौगुइन की पत्नी मेटे की तस्वीर देखी और उसकी मिशेल से समानता को नकारा नहीं जा सकता था।

जैसे-जैसे साल बीतते गए, पीटर और मिशेल चुपचाप इस संभावना पर विचार करते रहे कि वे पॉल और मेटे गाउगिन थे। 1999 में, पीटर फिर से चार साल के लिए दुनिया की यात्रा पर निकले, जहां भी वे गए उन्होंने भित्तिचित्र बनाए। पीटर मिशेल के संपर्क में रहता है, उसके साथ पत्र-व्यवहार करता है, ठीक उसी तरह जैसे पॉल ने भी मेटे के साथ पत्र-व्यवहार किया था जब वह ताहिती में था। इस बीच, मिशेल अपने परिवार और बचपन के प्रेमी के करीब रहने के लिए वाशिंगटन राज्य चली गईं।

जब पीटर यात्रा कर रहे थे, तो यह मिशेल ही थीं जिन्होंने गौगुइन पर गहराई से शोध करने की पहल की और उन्होंने ही पेंसिल स्केच की खोज की। मिशेल ने सबसे पहले नोटिस किया था कि पीटर ने, एक युवा व्यक्ति के रूप में, अनजाने में गौगुइन की पेंटिंग्स को दोबारा बनाया था।

2003 में जब पीटर संयुक्त राज्य अमेरिका लौटे, तो मिशेल की माँ

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

उसे ब्रेमरटन के पास एक छोटा सा अपार्टमेंट मिला और पीटर वहां चला गया। तभी मिशेल ने उसे रेखाचित्रों की तुलना दिखाई, जिससे पीटर को बहुत आश्चर्य हुआ। पीटर और गौगुइन के चित्रों के बीच तुलना उन अनुभवों की सूची में जुड़ जाती है जो तब तक बढ़ती रहती है जब तक कि पीटर को यह विश्वास नहीं हो जाता कि वह वास्तव में पॉल गौगुइन का पुनर्जन्म है।

एक दिन, जब वह ब्रेमरटन में घूम रहा था, एक भित्तिचित्र पकड़ा गया उसकी आँख. चमोरो नामक एक रेस्तरां भित्तिचित्र के बगल में था और पीटर एक कप कॉफी के लिए अंदर चला गया। जब वह अंदर के चारों ओर देखता है, तो पीटर को समुद्र तट पर दो महिलाओं की गौगुइन की चारकोल पेंटिंग प्रतीत होती है। पीटर ने रेस्तरां मालिक से पूछा कि यह स्केच कहां से आया।

परिसर के मालिक ने बताया कि स्केच मूल रूप से गुआम में उनकी परदादी का था, जिन्हें उपहार के रूप में स्केच दिया गया था। उन्होंने बताया कि गुआम के मूल निवासी चामोरो को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जापानी सेना ने भागने के लिए मजबूर किया था।

उनकी परदादी और उनका परिवार कब्जे के अंत तक गुफाओं में छिपे रहे। छिपने के दौरान वह यह स्केच अपने साथ रखते थे।

युद्ध के बाद, उनकी परदादी ने वह रेखाचित्र अपने पास रख लिया 33 वर्षों तक उसका अटारी तब तक खुला रहा जब तक कि उसने इसे अपनी बेटी, रेस्तरां मालिक की माँ, को नहीं दे दिया। जब वह 1999 में संयुक्त राज्य अमेरिका चले गए, तो वह इस स्केच को अपने साथ ले गए और फिर इसे अपने रेस्तरां की दीवार पर लटका दिया। रेस्तरां के मालिक ने पीटर से कहा कि अगर उसने स्केच को उसके सुरक्षात्मक मामले से हटा दिया, तो उसके हाथ कोयले से सने होंगे। इससे पीटर को एहसास हुआ कि स्केच कोई कॉपी नहीं, बल्कि असली चारकोल स्केच था। यदि यह गौगुइन का मूल था, जिसे पीटर सच मानते थे, तो स्केच की कीमत लाखों में हो सकती थी।

तब मालिक ने उससे कहा कि वह वित्तीय संकट में है और उसे अपना व्यवसाय चलाने के लिए धन की आवश्यकता है। स्केच की प्रामाणिकता की पुष्टि होने तक इंतजार करने के बजाय, मालिक ने कहा कि वह स्केच को पहले व्यक्ति को 5,000 डॉलर में बेच देगा।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

उस राशि का भुगतान करने को तैयार हूं। पीटर स्केच खरीदने के लिए सहमत हो गया और उसने मालिक को 5,000 डॉलर दिए। इसके बाद पीटर ने बिक्री समझौते में "यदि और कब" स्केच बेचा गया, के संबंध में एक खंड जोड़ा, तो पीटर मालिक के साथ लाभ साझा करेगा। स्केच की प्रामाणिकता जांच स्थगित कर दी गई. इस तरह, पीटर टेकैम्प के पास गौगुइन का मूल काम प्रतीत होता है। इसके अलावा, यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि पीटर ने गौगुइन की मृत्यु के 100 साल बाद 2003 में गौगुइन का स्केच खोजा था।

समकालिक घटनाएँ और उत्सव ऐसे तरीके हैं हमारी आत्माओं सहित आध्यात्मिक दुनिया, हमारे साथ संचार करती है। याद रखें कि मिशेल के पास दुनिया में कहीं भी यात्रा करने का विकल्प था और उसने ताहिती और गौगुइन संग्रहालय का दौरा करना चुना, और वह उसी उम्र में पेरिस गई जब मेटे की मुलाकात पॉल गौगुइन से हुई थी।

ये समकालिक घटनाएँ महज़ संयोग नहीं हैं, बल्कि हमारे आध्यात्मिक मार्गदर्शकों और आत्माओं द्वारा अंतर्ज्ञान और इच्छाशक्ति के रूप में अनुभव किए गए टेलीपैथिक संदेशों के माध्यम से आयोजित की जाती हैं। दरअसल, कैलिफोर्निया में पीटर की मिशेल से मुलाकात भी संयोग नहीं, बल्कि पूर्व निर्धारित थी। हम उन लोगों से मिलने की व्यवस्था, समझौते करते हैं जिन्हें हम पिछले जन्मों में जानते हैं। हम पैदा होने से पहले ही समझौते कर लेते हैं।

उसी प्रकार, गौगुइन की मृत्यु की 100वीं वर्षगाँठ पर पीटर द्वारा गौगुइन की मूल पेंटिंग की खोज भी कोई दुर्घटना नहीं है। बल्कि, मेरा मानना है कि यह आध्यात्मिक दुनिया के प्राणियों द्वारा आयोजित एक घटना है। इस घटना का उद्देश्य पीटर के इस विश्वास को मजबूत करना है कि वह गौगुइन का पुनर्जन्म है। मेरी पुस्तक, रिटर्न ऑफ द रेवोल्यूशनरीज़ में, समकालिक घटनाएँ और जन्मदिन की घटनाएँ उभर कर सामने आती हैं। प्रतीकात्मक संयोगों के माध्यम से, आध्यात्मिक दुनिया हमें संदेश भेजती रहती है।

इस बिंदु पर, जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, पीटर और मिशेल थे बहुत खुश हुए, न केवल इसलिए कि उन्हें एक ऐसा स्केच मिला जिसकी कीमत लाखों में हो सकती है, बल्कि इसलिए भी कि उन्हें एक ऐसा स्केच मिला जिसकी कीमत लाखों में हो सकती है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

क्योंकि यह संभावना और भी अधिक वास्तविक लगती है कि पीटर पॉल गाउगिन का पुनर्जन्म है। मिशेल ने इंटरनेट पर पुनर्जन्म पर शोध करना शुरू किया और उसे मेरी वेबसाइट www.johnadams मिली।

नेट पर कई पुनर्जन्म के मामले हैं, जैसा कि इस पुस्तक में दिखाया गया है। अचानक, पीटर और मिशेल को महसूस हुआ कि पुनर्जन्म के अनुभव में वे अकेले नहीं हैं; ऐसे अन्य लोग भी हैं जिन्होंने पिछले जन्मों की खोज की है।

मिशेल ने मुझे बुलाया और कहा, "डॉ. सेमकिव, हमारे पास कुछ ऐसा है जो हमें लगता है कि आपकी रुचि का होगा।

मेरा मानना है कि मेरा दोस्त, पीटर टेकैम्प, पॉल गाउगिन का पुनर्जन्म है। यह विडंबनापूर्ण लगता है, लेकिन जब कोई किसी प्रसिद्ध व्यक्ति का पुनर्जन्म होने का दावा करता है तो मैं हमेशा इस पर विश्वास नहीं करता। मैंने उनकी कहानियाँ सुनीं और नोट्स लिए।

फिर, केविन रायर्सन के साथ एक बाद के सत्र में, अहतुन रे ने पुष्टि की कि वास्तव में पीटर टेकैम्प और मिशेल मोसे पॉल गाउगिन और उनकी पत्नी मेटे के पुनर्जन्म थे।

2004 के अंत में, पीटर, मिशेल, केविन रायर्सन और मैं आमने-सामने मिले और उन्होंने अपनी कहानियाँ सुनाईं। उस बैठक में, केविन और मैं आश्वस्त हो गए कि पीटर टीकेम्प/के पुनर्जन्म के मामले

पॉल गाउगिन और मिशेल मोसे/मेटे गागुइन वास्तव में वैध थे, उनके द्वारा प्रस्तुत कहानियों के आधार पर।

इस कथा में.

मेरे अवलोकन से, पीटर टेकैम्प को वास्तव में पूरी तरह से विश्वास नहीं था कि वह 4 जुलाई, 2005 के सप्ताहांत तक गौगुइन थे, जब उन्होंने ऐसे लोगों की एक सभा में भाग लिया, जिन्हें अपने स्वयं के पिछले जीवन के बारे में ज्ञान था, जिनमें से कई अमेरिकी क्रांति के समय के थे।

इस कार्यक्रम की मेजबानी नॉर्म शीली ने मिसौरी में अपने फार्म पर की थी।

प्रतिभागियों में 6 डॉक्टर (एक विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और मानव जीनोम परियोजना के एक शोधकर्ता सहित), 6 पीएचडी, 6 प्रमुख लेखक, 2 अमेरिकी राजनयिक, 2 अमेरिकी सैन्य कप्तान, कई मनोवैज्ञानिक और एक टेलीविजन स्टार शामिल थे, जिनमें से प्रत्येक को अपने अतीत की पहचान पता थी। . जैसे-जैसे हर कोई अपनी कहानियाँ सुनाता है, पीटर और मिशेल के लिए पुनर्जन्म अधिक वास्तविक हो जाता है और तभी उन्हें सचमुच विश्वास होता है कि वे पॉल और मेटे गाउगिन हैं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

दरअसल, 4 जुलाई 2005 से पहले, पीटर टेकैम्प ने कभी ऐसा नहीं किया था गौगुइन शैली में कोई कलात्मक कार्य बनाया और वास्तव में, यह मुझे परेशान कर रहा है कि गौगुइन के पुनर्जन्म गौगुइन की तरह चित्रित नहीं हैं। 4 जुलाई की बैठक के बाद, मैंने पीटर को सुझाव दिया कि गौगुइन के समान कुछ कार्यों को चित्रित करने में कोई नुकसान नहीं होगा। और मुझे ख़ुशी है कि उनमें से कुछ रचनाएँ बाद में अनेक बन गईं। इस अध्याय के अंत में सूचीबद्ध सभी चित्र 4 जुलाई और दिसंबर 2005 के बीच चित्रित किए गए थे, जब पीटर पिकासो की कला को फिर से बना रहे थे।

अंत में, 1903 में 55 वर्ष की आयु में पॉल गाउगिन की दुखद मृत्यु हो गई। 2003 में, गौगुइन की मृत्यु के 100 साल बाद, पीटर टेकैम्प ने गौगुइन का एक मूल स्केच प्राप्त किया। 4 जुलाई 2005 को हुई बैठक में पीटर 55 वर्ष के थे, जब पीटर ने अपनी पहचान पॉल गाउगिन के रूप में बताई, उसी उम्र में गाउगिन इस दुनिया को छोड़कर चले गए।

पाब्लो के पुनर्जन्म के रूप में एलेक्जेंड्रा नेचिता पिकासो

पॉल गाउगिन मामले के अलावा, मैं आपको आश्वस्त करना चाहूंगा कि अन्य कलाकार, जिन्हें कुछ लोग 20वीं सदी के सबसे महान कलाकार मानते हैं, ने पुनर्जन्म लिया है और फिर से महान कृतियां बना रहे हैं। इस मामले ने सामान्य तरीके से मेरा ध्यान खींचा. दरअसल, पाब्लो पिकासो के पुनर्जन्म का मामला इतना स्पष्ट है कि यह लगभग अपने आप ही सुलझ गया।

केविन रायर्सन के माध्यम से संचार करने वाली मार्गदर्शक भावना अहतुन रे ने पुष्टि की है कि एलेक्जेंड्रा नेचिता पाब्लो पिकासो का पुनर्जन्म है। मैं समझाऊंगा कि कैसे पिकासो/

नेचिता मामला विकसित हुआ।

2004 की गर्मियों में, मैंने बोल्डर, कोलोराडो में पुनर्जन्म पर एक प्रस्तुति दी। उपस्थित लोगों में से एक सेवानिवृत्त अमेरिकी राजनयिक और फुलब्राइट छात्रवृत्ति कार्यक्रम के पूर्व निदेशक वेन पीटरसन के मित्र थे, जिनके पुनर्जन्म मामले पर इस पुस्तक में पहले चर्चा की गई थी। उसका सबसे अच्छा दोस्त

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

यह मुझे बताता है कि मुझे एलेक्जेंड्रा नेचिता नामक एक युवा कलाकार की जांच करनी चाहिए, क्योंकि उसका काम पिकासो के समान है और यह सुझाव दिया गया है कि वह पिकासो का पुनर्जन्म है। मुझे बताया गया कि एलेक्जेंड्रा का काम उस समय डेनवर में गैलरी एम में प्रदर्शित किया जा रहा था।

अगले दिन, मैं एलेक्जेंड्रा का काम देखने के लिए गया और मैं दंग रह गया। मैंने विश्लेषण किया है कि कैसे लेखन पैटर्न पूरे अवतार में समान रह सकते हैं, जैसे जेफ कीन के मामले में और हाले बेरी के मामले में, मैंने खुद देखा कि कैसे बेरी ने अपने आदर्श स्टार की भूमिका निभाने की क्षमताओं के साथ-साथ अपने पिछले जीवन का भी प्रदर्शन किया। पहचान, डोरोथी डैंड्रिज। हालाँकि, यह पहली बार है जब मुझे यह देखने का अवसर मिला है कि किसी चित्रकार की प्रतिभा और कलात्मक शैली को इतने नाटकीय तरीके से कैसे दोहराया जा सकता है। (रिकॉर्ड के लिए, उस समय मैं पीटर टेकैम्प और मिशेल मोसे से नहीं मिला था)। हालाँकि मैं कला में कोई विशेषज्ञ नहीं हूँ, अलेक्जेंड्रा का काम पिकासो से इतना मिलता-जुलता है कि यह आश्चर्यजनक है।

मैंने गैलरी एम के निदेशक से पूछा कि क्या इसकी तस्वीरें हैं एलेक्जेंड्रा, शायद ब्रोशर में या बिजनेस कार्ड पर, और अगर मुझे एलेक्जेंड्रा की संपर्क जानकारी मिल सके। गैलरी के निदेशक ने कहा कि उनके पास एलेक्जेंड्रा की कोई तस्वीर नहीं है और कलाकार एक निजी व्यक्ति था और उसकी व्यक्तिगत संपर्क जानकारी प्रदान नहीं की जा सकती। हालाँकि, केविन रायर्सन के साथ अगले सत्र में, मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या एलेक्जेंड्रा वास्तव में पिकासो का पुनर्जन्म था, जिसकी अहतुन रे ने पुष्टि की।

पीटर टेकैम्प, मिशेल मोशाय और के साथ मेरी मुलाकातें केविन रायर्सन, जिसका मैंने इस अध्याय में पहले वर्णन किया है, कई महीनों बाद घटित हुआ। पीटर को एलेक्जेंड्रा के बारे में पता था और उसने ऐसा कहा

वह उसकी प्रतिभा से प्रभावित हुआ। पीटर, जिसने उसे एक टेलीविजन टॉक शो में देखा था, ने सोचा कि एलेक्जेंड्रा पिकासो हो सकती है। मैंने पीटर से पूछा कि क्या एलेक्जेंड्रा पिकासो की तरह दिखती है, और उसने जवाब दिया, "मुझे कोई समानता नहीं दिखती।"

बाद में मुझे पता चला कि मामला ऐसा नहीं था।

पाब्लो पिकासो/अलेक्जेंड्रा नेचिता का मामला छिपा हुआ है

Machine Translated by Google

लगभग दो वर्षों तक. जनवरी 2006 में वैंकूवर, ब्रिटिश कोलंबिया की यात्रा के दौरान सब कुछ बदल गया।

वहां न्यूरोसर्जन डॉ. पीटर हुडोबा ने एक पुनर्जन्म प्रस्तुति को प्रायोजित किया, जहां मैं पीटर टेकैम्प को गौगुइन के पुनर्जन्म के रूप में दुनिया के सामने पेश करना चाहता हूं। हमारे प्रायोजक डॉ. हुडोबा ने सोवियत संघ में रहते हुए चिकित्सा में कई स्वर्ण पदक जीते थे। इसके बाद वे कनाडा चले गए, जहां उन्होंने सास्काटेवान विश्वविद्यालय में न्यूरोसर्जरी प्रशिक्षण के निदेशक के रूप में काम किया। शुक्र है, इस मामले में मेरे पास दो अकादमिक न्यूरोसर्जन, डॉ. हुडोबा और नॉर्म शीली हैं, जो मेरे पुनर्जन्म अनुसंधान का पुरजोर समर्थन करते हैं।

पीटर टेकैम्प, मिशेल मोसे और मैं अपने होटल के कमरे में अपनी प्रस्तुति की तैयारी कर रहे थे।

एलेक्जेंड्रा नेचिता का विषय मेरे दिमाग में आया और मैंने छवि खोजने के लिए फिर से प्रयास करने का निर्णय लिया। इंटरनेट पर, मैंने पाया कि एलेक्जेंड्रा के पास अब उसकी तस्वीरों वाली एक वेबसाइट है। मैंने तुरंत उसके चेहरे की विशेषताओं की तुलना पिकासो से की और पाया कि वे मेल खाते हैं। यद्यपि एलेक्जेंड्रा नाजुक चेहरे वाली एक खूबसूरत युवा महिला है, जबकि पिकासो एक ऐसा व्यक्ति है जिसका चेहरा झुर्रीदार दिखता है, हड्डियों की संरचना, चेहरे का आकार और सिर सामान्य रूप से, मुझे वही लगता है। जबकि मैं अहतुन रे की यह जांचने की क्षमता पर भरोसा करने का आदी हो गया हूं कि किसी व्यक्ति का पिछला जीवन मेल खाता है या नहीं, चेहरे की विशेषताओं की जांच करना महत्वपूर्ण डेटा है जो अभी तक पिकासो/नेचिता मामले में मौजूद नहीं है। तो, वैंकूवर में, पुनर्जन्मित गौगुइन और उनकी पत्नी मेटे की उपस्थिति में, मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि पिकासो का वास्तव में पुनर्जन्म हुआ था।

आइए पाब्लो पिकासो और एलेक्जेंड्रा नेचिता के इतिहास की संक्षेप में समीक्षा करें। पिकासो का जन्म 25 अक्टूबर, 1881 को मैलेगा, स्पेन में हुआ था। पिकासो ने बचपन में ही अपनी कलात्मक प्रतिभा दिखा दी थी और 15 साल की उम्र में उन्होंने बार्सिलोना के स्कूल ऑफ द फाइन आर्ट्स में प्रवेश लिया। जब वे 16 वर्ष के थे तब उनकी पेंटिंग, साइंस एंड चैरिटी ने मलागा में एक प्रदर्शनी में स्वर्ण पदक जीता था और उस समय पिकासो का बार्सिलोना में अपना स्टूडियो था।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

1900 में, पिकासो ने पेरिस की यात्रा की, जहाँ उन्होंने एडगर डेगास और हेनरी टूलूज़-लॉट्रेक जैसे आधुनिक कलाकारों के काम की प्रशंसा की। पिकासो 1904 में पेरिस चले गए और गर्टूड स्टीन और मैक्स जैकब जैसे लेखकों से उनकी दोस्ती हो गई। पिकासो ने पेरिस में रहने के दौरान पॉल गाउगिन की लोकप्रियता में वृद्धि भी देखी और पिकासो भी उनके काम से प्रभावित थे।

पिकासो ने जॉर्जेस ब्रैक के साथ मिलकर "क्यूबिस्ट" पेंटिंग शैली की शुरुआत की, जिसमें परिदृश्य छवियां छोटे क्यूब्स से बनी दिखाई देती हैं। पिकासो अमूर्त निर्माण के लिए विभिन्न सामान्य वस्तुओं का उपयोग करते हुए एक अभिनव तरीके से मूर्तिकला भी करते हैं। पिकासो रोम में बैले रसेस के लिए काम करते हुए स्थल डिजाइन में भी शामिल थे। पिकासो के शानदार करियर की परिणति लौवर, पेरिस में एक प्रदर्शनी में हुई, जो 1971 में उनके 90वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित की गई थी। इस आयोजन के साथ, पिकासो पहले जीवित कलाकार थे जिन्होंने अपनी कृतियों को लौवर में प्रदर्शित किया था।

पिकासो की मृत्यु 8 अप्रैल, 1973 को फ्रांस में हुई।

पिकासो की मृत्यु के बारह साल बाद, 27 अगस्त 1985 को रोमानिया में एलेक्जेंड्रा नेचिता का जन्म हुआ। एलेक्जेंड्रा के पिता, निको, अपनी बेटी के जन्म के समय दुःखी रूप से अनुपस्थित थे। निको ने संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने परिवार के लिए बेहतर भविष्य की तलाश में कम्युनिस्ट रोमानिया छोड़ दिया था, जब उनकी पत्नी विओरिका 6 महीने की गर्भवती थी।

निको ने 1987 तक अपनी पत्नी और बेटी को नहीं देखा, जब वे लॉस एंजिल्स में फिर से मिले।

पिकासो की तरह, एलेक्जेंड्रा ने भी कलात्मक प्रतिभा दिखाई
बहुत कम उम्र. वास्तव में, एलेक्जेंड्रा ने जैसे ही उसके तंत्रिका तंत्र के विकास की अनुमति दी, उसने पेंटिंग करना शुरू कर दिया। एलेक्जेंड्रा अपनी कलरिंग बुक के प्रति जुनूनी हो गई, जिससे उसके माता-पिता चिंतित हो गए, क्योंकि उसे उन चीजों में कोई दिलचस्पी नहीं थी जो आमतौर पर छोटी लड़कियां करती हैं, जैसे खेलना और रस्सी कूदना। उनकी पहली कलम और स्याही की पेंटिंग दो साल की उम्र में बनी थी।

जब एलेक्जेंड्रा चार साल की थी, तब उसके माता-पिता ने वास्तव में एक चौंकाने वाला अवलोकन किया था।
एलेक्जेंड्रा

Machine Translated by Google

दो चेहरों और चार आँखों वाली अमूर्त आकृतियाँ बनाना, जैसा कि पिकासो की कला में देखा जाता है। एलेक्जेंड्रा ने तुरंत अपने मूल कार्यों का एक संग्रह तैयार किया। आठ साल की उम्र में, एलेक्जेंड्रा की कला की पहली प्रदर्शनी 1 अप्रैल, 1994 को लॉस एंजिल्स सार्वजनिक पुस्तकालय में आयोजित की गई थी। एक समकालिक घटना, उसी दिन जब उनकी पहली प्रदर्शनी थी, उन्होंने लॉस एंजिल्स में पहली बार पिकासो की कलाकृति भी देखी थी। काउंटी कला. संग्रहालय।

एलेक्जेंड्रा को अभिव्यक्ति की वह स्वतंत्रता पसंद है जो वह पिकासो के काम में देखती है, जो नियमों से मुक्त है।

इसके बाद से एलेक्जेंड्रा का करियर आसमान छू गया। जैसा कि उस पर लिखा है वेबसाइट, "उन्होंने कला समीक्षकों और मीडिया का ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने दुनिया को इस दुर्लभ बाल प्रतिभाशाली कलाकार के बारे में बताना शुरू किया, जिसने ड्राइंग और रंग में महारत हासिल की है, एक ऐसा कलाकार जिसने एक अनूठी शैली में अपनी खुद की दृश्य भाषा बनाई है। , गीतात्मक, आलंकारिक और अमूर्त गोभी; एक कलाकार जो अभी 9 साल का हुआ है।"

वास्तव में, मीडिया ने उन्हें "लिटिल पिकासो" करार दिया है।

1999 में, 14 साल की उम्र में, एलेक्जेंड्रा को वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ यूनाइटेड नेशंस (यूएन) द्वारा 100 से अधिक देशों को शामिल करते हुए ग्लोबल आर्ट्स इनिशिएटिव का नेतृत्व करने के लिए चुना गया था। अपने प्रारंभिक जीवन के दौरान, एलेक्जेंड्रा संयुक्त राज्य अमेरिका में कई राष्ट्रीय टेलीविजन शो में अतिथि थीं, जिनमें सीबीएस संडे मॉर्निंग, एनबीसी टुडे, द रोजी ओ'डोनेल शो, टॉम ब्रोकॉ के साथ एनबीसी नाइटली न्यूज और ओपरा विन्फ्रे शो शामिल थे।

यदि गौगुइन और पिकासो के पुनर्जन्म के मामलों को स्वीकार कर लिया जाता है, तो इस बात पर विचार करें कि इन आत्माओं ने अपने पिछले दो जन्मों में विकास के अद्वितीय पैटर्न कैसे दिखाए हैं। पिकासो और एलेक्जेंड्रा दोनों ही बचपन में सीधे कला की ओर चले गए और किशोरावस्था में ही प्रतिभाशाली बन गए, और अपने जीवन की शुरुआत से ही दुनिया के अग्रणी कलाकार बन गए।

दूसरी ओर, पॉल गाउगिन और पीटर टेकैम्प, युवा के रूप में, स्वतंत्र दुनिया के साहसी बन गए।

वे दोनों खुद को सहारा देने के तरीके के रूप में व्यावसायिक करियर बनाने के लिए आगे बढ़े। गौगुइन और टेकैम्प स्केच बना रहे हैं

Machine Translated by Google

पेंसिल स्केच, फिर एक वयस्क के रूप में शौक के तौर पर पेंटिंग करना शुरू किया।

दोनों ने कम उम्र में ही कला को पूर्णकालिक पेशे के रूप में अपनाने का फैसला किया। गौगुइन की मृत्यु गरीब और अज्ञात में हुई और पीटर, हालांकि एक कुशल कलाकार था, इस समय अपेक्षाकृत अज्ञात था।

उम्मीद है, इन पैटर्न को सचेत रूप से बदला जा सकता है। एक बात मैं पक्के तौर पर कह सकता हूं, पीटर ने देखा कि गौगुइन का एक टुकड़ा हाल ही में 39 मिलियन डॉलर में बिका, वह अगले जीवन में निम्नलिखित परिणामों पर काम करेगा।

आइए हम इस पर भी विचार करें कि ये दो मामले इसे कैसे दर्शाते हैं

हम वास्तव में अपने पिछले जन्मों की उपलब्धियों पर खड़े हैं।

इस अध्याय के अंत में दिखाए गए गौगुइन/टीकैंप रेखाचित्र, घोड़े का सिर, घेरे में महिलाएं, बेरेट टोपी पहने पुरुष और क्राइस्ट, दर्शाते हैं कि पीटर टीकैंप ने अनजाने में गौगुइन के कलात्मक विकास के चरणों को फिर से बनाया, लेकिन पहले की उम्र में. इसी तरह, एलेक्जेंड्रा ने 4 साल की उम्र में दो आंखों और चार सिर के साथ अमूर्त आकृतियों को चित्रित करके पिकासो के विकास की फिर से कल्पना की। पिकासो 1907 में क्यूबिस्ट पेंटिंग के अग्रणी बन गए, जब वह 26 वर्ष के थे। मीडिया ने नोट किया कि एलेक्जेंड्रा ने 9 साल की उम्र में "अमूर्त क्यूबिस्ट शैली" में पेंटिंग की थी।

अंत में, मेरी राय में, अब समय आ गया है कि मानवता कला की दुनिया के दो सबसे महान नायकों, पॉल गाउगिन और पाब्लो पिकासो के पीटर टेकैम्प (www) के अवतारों को पहचाने और उनका जश्न मनाए।

peterteekamp.com) और एलेक्जेंड्रा नेचिता (www.nechita.info)।

आइए इन मामलों के माध्यम से यह समझें कि पृथ्वी पर जीवन व्यक्तिगत अभिव्यक्ति और विकास के लिए है। इस ज्ञान के साथ, आइए एक ऐसी दुनिया बनाएं जहां हम लौटने की इच्छा रखते हैं, जहां इन दो कला शिक्षकों सहित हम सभी, अनावश्यक युद्धों, संघर्षों और संघर्षों से प्रभावित हुए बिना विकसित और प्रकट हो सकें। आइए इस जीवन के आशीर्वाद का जश्न मनाएं।

Machine Translated by Google

पॉल गौगुइन पीटर टेकैम्प

हालाँकि इस छवि में अच्छी तरह से चित्रित नहीं किया गया है, पीटर टेकैम्प की "इंका नाक" गौगुइन के समान ही है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

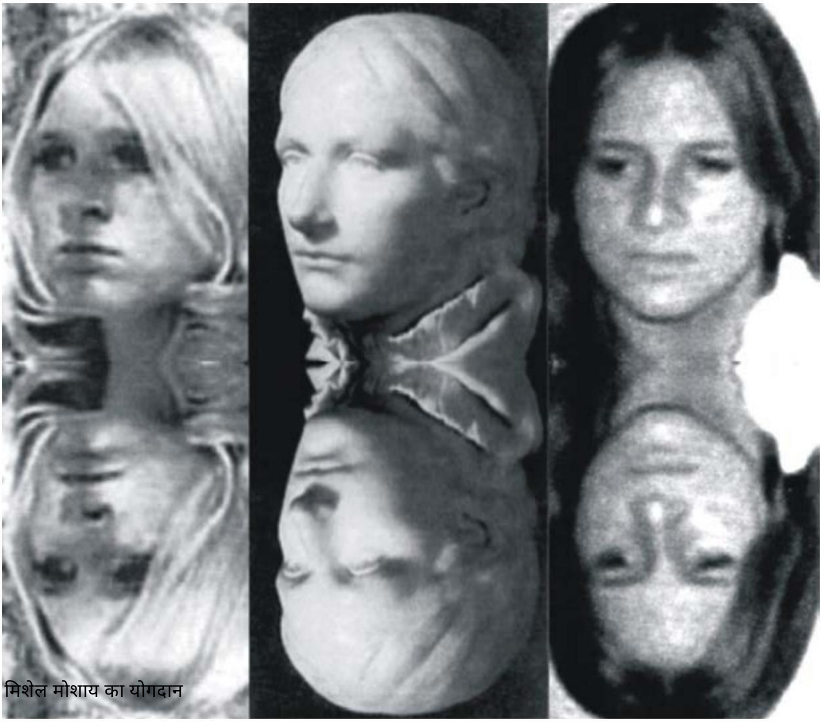

मिशेल मोशाय का योगदान

मिशेल मोसे मेटे गौगुइन मिशेल मोसे

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

गौगुइन 43 वर्ष के हैं

टीकैम्प 16 साल का

गौगुइन 41 साल के हैं

टीकैंप 22 साल का है

गौगुइन 46 वर्ष के हैं

टीकैंप 22 साल का है

गौगुइन 40 वर्ष

टीकैम्प 26 साल का है

गौगुइन की ये तस्वीरें पीटर टीकैम्प ने पहली बार कितने साल की उम्र में देखी थीं

53. इन रेखाचित्रों की तुलना से पता चलता है कि गौगुइन की कलात्मकता टीकैंप द्वारा विकास की फिर से कल्पना की गई, लेकिन पहले की उम्र में। रेखाचित्रों की यह तुलना दर्शाती है कि हम वास्तव में अपने विभिन्न पिछले जन्मों की उपलब्धियों पर खड़े हैं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

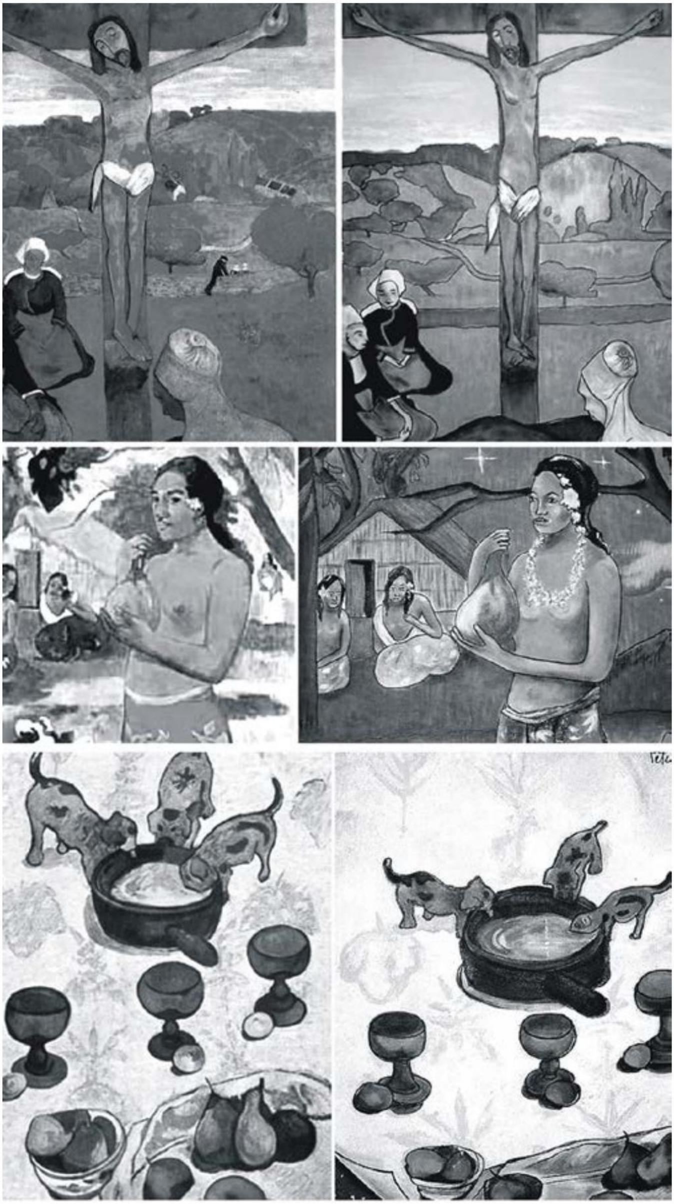

पॉल गौगुइन पीटर टेकैम्प

Machine Translated by Google

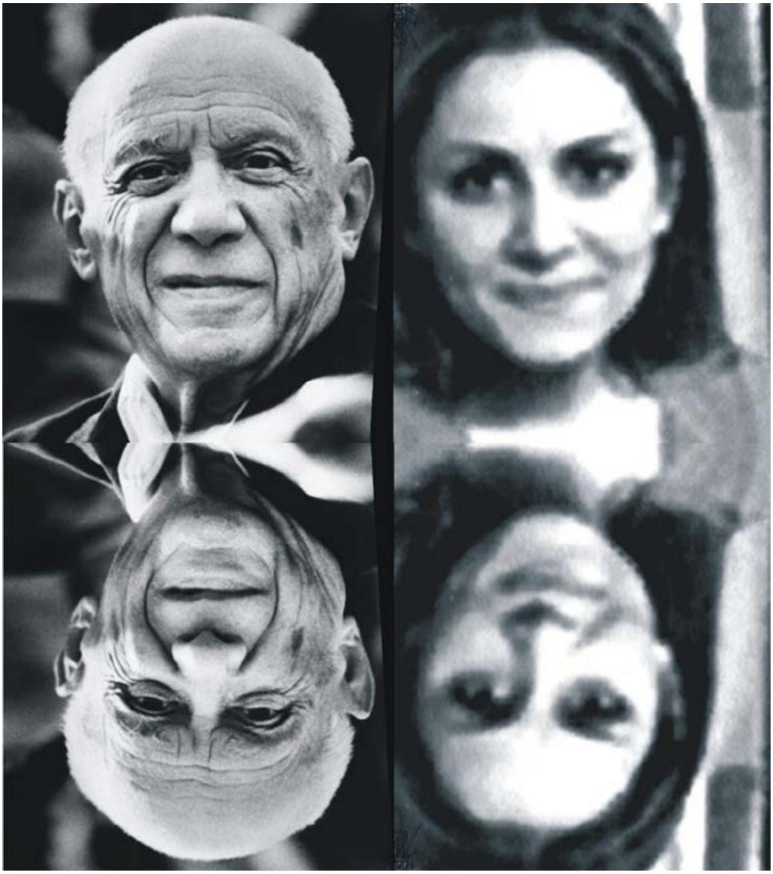

© बेटमैन/कॉर्बिस

एलेक्जेंड्रा नेचिता का योगदान

पब्लो पिकासो

एलेक्जेंड्रा नेचिता

4 साल की उम्र में एलेक्जेंड्रा ने दो चेहरे और चार आंखों वाले पिकासो जैसी आकृतियों को चित्रित करना शुरू कर दिया। एक बच्चे के रूप में, वह एक कुशल क्यूबिस्ट चित्रकार बन गए थे और मीडिया ने उन्हें "लिटिल पिकासो" करार दिया था। एलेक्जेंड्रा ने अपनी पहली कला प्रदर्शनी लगाई

8 साल की उम्र में और उसी दिन पहली बार पिकासो के काम की प्रदर्शनी देखी।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

एलेक्जेंड्रा नेचिता द्वारा लिखित "द वाइन टेस्टर" जिसे पाब्लो पिकासो के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना गया है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

9

पेनी पियर्स के तीन जीवन और विभाजित अवतार घटना

चार्ल्स पार्कहर्स्ट के रूप में पेनी पीयर्स। पुनर्जन्म

1999 में, मैं एक ई-मेल चर्चा समूह में शामिल हुआ इनप्रेजेंस कहा जाता है, जिसके सदस्यों में ऐसे लेखक शामिल हैं जिनका काम अंतर्ज्ञान और संबंधित विषयों को विकसित करने पर केंद्रित है। एक बार, मैंने अपने द्वारा किए जा रहे पुनर्जन्म अनुसंधान का वर्णन करते हुए एक ई-मेल भेजा था और मैंने पूछा था कि क्या इनप्रेज़ेंस में किसी को किसी अन्य मामले के बारे में पता है जिस पर मैं शोध कर सकता हूँ। प्रतिक्रिया देने वाले लोगों में से एक पेनी पीयर्स थे, जिन्होंने कहा कि उनके पास पिछले जीवन की एक कहानी है जो शायद घटित हुई होगी।

पीयर्स एक पेशेवर सहज ज्ञान युक्त, सलाहकार, अवधारणात्मक कौशल है संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोप और जापान में कार्यरत प्रशिक्षक और व्याख्याता। वह द इंटुएटिव वे: ए गाइड टू लिविंग फ्रॉम इनर विजडम, द प्रेजेंट मोमेंट: ए डेबुक ऑफ क्लैरिटी एंड इंट्यूशन, और ड्रीम्स फॉर डमीज़ के लेखक हैं। मैं पीयर्स से उनके मामले के बारे में और अधिक जानने के लिए सैन फ्रांसिस्को के उत्तर में नोवाटो, कैलिफ़ोर्निया में उनके घर पर मिला। यह बात है।

पीयर्स अपने अधिकांश समय देश भर में घूमते हुए बड़े हुए मध्यपश्चिम में और कुछ पूर्वी तट पर। वह 1970 के दशक की शुरुआत में न्यूयॉर्क शहर से कैलिफ़ोर्निया चले गए। पीयर्स ने एक कॉर्पोरेट कला निर्देशक और ग्राफिक डिजाइनर के रूप में काम किया, लेकिन अपने खाली समय में ध्यान और मानसिक विकास भी किया, उस समय जब कैलिफोर्निया में आत्म-सुधार आंदोलन बढ़ रहा था।

उस दौरान, एक माध्यम, जिसे मैं बॉबी जो कहता हूं, नियमित रूप से सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र का दौरा करता था।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

एक माध्यम के रूप में बॉबी जो आध्यात्मिक आत्माओं को अपने माध्यम से बोलने देता है और अपने ग्राहकों को पिछले जन्मों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। बॉबी जो, जो इस पूरी प्रक्रिया के दौरान ध्यान की स्थिति में रहे, उन्हें बताई गई जानकारी के बारे में कुछ भी याद नहीं है। पिछले जन्मों के बारे में जानकारी कथित तौर पर आकाशिक रिकॉर्ड्स, मेमोरी बैंकों या ग्रहीय इतिहास पुस्तकालयों के एक सेट के माध्यम से पहुंच योग्य है, जो आत्मा क्षेत्र में पाई जा सकती है। पीयर्स ने बॉबी जो को एक हंसमुख स्वभाव और भोले विश्वास वाला एक नाटकीय चरित्र बताया। जब वे मिले तो बॉबी जो को पीयर्स के बारे में कुछ नहीं पता था, न ही पीयर्स ने उनके निजी सत्र में उनके बारे में कोई जानकारी दी।

इस पृष्ठभूमि के कारण, पीयर्स को आश्चर्य हुआ जब उनके सत्र में बॉबी जो ने अपने पिछले जीवन के बारे में तथ्यों पर चर्चा करना शुरू किया जैसे कि वह एक विश्वकोश से पढ़ रहे हों।

बॉबी जो बताते हैं कि बहुत पहले पीयर्स का नाम चार्ल्स एच था।
पार्कहर्स्ट, कि उनका जन्म 17 अप्रैल, 1842 को फ्रामिंघम, मैसाचुसेट्स में हुआ था, एक खेत में रहते थे और बाद में एक प्रमुख मंत्री बने। पार्कहर्स्ट को पहाड़ों पर चढ़ना और अपराध से लड़ने के लिए अपने व्याख्यान मंच का उपयोग करना पसंद है।

बॉबी जो ने बाद में बताया कि पार्कहर्स्ट ने कई किताबें लिखी थीं, जिनमें शामिल हैं: ईसाई धर्म का सनी पक्ष; एन्जिल्स से थोड़ा कम; लैटिन क्रिया का विश्लेषण: संस्कृत के रूपों द्वारा चित्रित; धर्म के बिना दुनिया कैसी होती?; द ब्लाइंड मैन्स क्रेडिट एंड द प्यू; नवयुवकों से बातचीत; युवा महिलाओं से बातचीत; और न्यूयॉर्क में मेरे चालीस वर्ष। बॉबी जो ने पीयर्स को बताया कि पार्कहर्स्ट की मृत्यु 8 सितंबर, 1933 को 91 वर्ष की आयु में हो गई, और बॉबी जो ने दबे हुए स्वर में कहा, "और प्रिये, तुम स्लीपवॉकर से मर गईं और छत से गिर गईं!"

इस विशिष्ट जानकारी की गहराई के कारण, सत्र समाप्त होने के बाद, पीयर्स तुरंत निकटतम पुस्तकालय में यह देखने के लिए पहुंचे कि क्या वह बॉबी जो द्वारा बोले गए पिछले जीवन के विवरणों को सत्यापित कर सकते हैं। में

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अपनी जांच में, पियर्स कुछ मूल्यवान खोजने में कामयाब रहे। उन्होंने पाया कि चार्ल्स पार्कहर्स्ट के रिकॉर्ड थे और चार्ल्स पार्कहर्स्ट के बारे में बॉबी जो का विवरण हर विवरण में सटीक था, जिसमें पार्कहर्स्ट द्वारा लिखी गई पुस्तकों की लंबी सूची भी शामिल थी। उन्होंने महसूस किया कि पार्कहर्स्ट और उनके बीच कई गुण समान थे, और यहां तक कि शारीरिक समानताएं भी थीं। पिछले जीवन की इस पहचान पर विचार करते हुए, पीयर्स ने विचार किया कि बॉबी जो ने पार्कहर्स्ट के सभी डेटा को याद नहीं किया था।

इसके अलावा, पार्कहर्स्ट में, बॉबी जो ने एक ऐसे व्यक्ति की पहचान की है जिसकी विशेषताएं पीयर्स के करीब हैं, भले ही बॉबी जो उसके बारे में कुछ नहीं जानता हो। अंत में, जब पीयर्स ने पार्कहर्स्ट के जीवन का अध्ययन किया, तो वह इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि उनके पिछले जीवन के मैच सटीक थे।

आइए चार्ल्स पार्कहर्स्ट और पेनी पीयर्स के बीच कुछ समानताओं की जाँच करें। सबसे पहले, पार्कहर्स्ट और पीयर्स दोनों के पास प्रमुख लेखक के रूप में उपलब्धियाँ हैं। एक लेखक के रूप में पीयर्स ने छोटी उम्र से ही प्रतिभा दिखाई और एक लघु कहानी के लिए राष्ट्रीय स्कोलास्टिक पत्रिका पुरस्कार जीता। पीयर्स की 3 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, और इसके अलावा, उन्होंने कई अन्य शीर्षकों में भी योगदान दिया है, जैसे कैरोल एड्रिएन और जेम्स रेडफील्ड द्वारा द सेलेस्टाइन प्रोफेसी एंड टेन्थ इनसाइट एक्सपेरिमेंटल गाइड्स, कैरोल एड्रिएन द्वारा द पर्पस ऑफ योर लाइफ, इंटुइटिंग द फ्यूचर। विलियम कौत्ज़. अपने शैक्षणिक कार्य के अलावा, पार्कहर्स्ट ने युवाओं के लिए भी लिखा है। इसी तरह, पीयर्स कॉलेज के समय से ही बच्चों के लिए किताबें लिख रहे हैं और हाल ही में उन्होंने इन कहानियों में आध्यात्मिक विषयों को शामिल किया है।

पार्कहर्स्ट और पीयर्स दोनों की आध्यात्मिकता में रुचि है चर्च के माध्यम से मंत्रालय प्रदान करना। पार्कहर्स्ट ने एमहर्स्ट कॉलेज से स्नातक और मास्टर डिग्री हासिल की, फिर हाले, लीपज़िग और बॉन में धर्मशास्त्र का अध्ययन किया। वह मैसाचुसेट्स में विलिस्टन सेमिनरी में पढ़ाने के लिए लौट आए, और उसके बाद 6 साल के लिए लेनॉक्स, मैसाचुसेट्स में एक कांग्रेगेशनल पादरी बन गए। बाद में वह मैडिसन स्क्वायर में पुजारी बन गए

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

न्यूयॉर्क शहर में प्रीबीस्टेरियन चर्च और अपनी पीएच.डी. अर्जित की। और न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय और कोलंबिया से देवत्व में डॉक्टरेट (डीडी) की उपाधि प्राप्त की। पेनी पीयर्स का आध्यात्मिक अध्ययन से भी आजीवन जुड़ाव रहा है। जब से उसे याद आया, पीयर्स ने कहा कि "क्यों" वह शब्द था जिसने उसके व्यवहार को प्रेरित किया, और उसे विश्व धर्मों, गुप्त घटनाओं और दर्शन पर किताबें पढ़ने का शौक था। पीयर्स सभी धर्मों में मूल सत्य की खोज पर थे, और इस रुचि के परिणामस्वरूप वह एक लाइसेंस प्राप्त मंत्री बन गए। यहां तक कि उन्होंने यूनिटी चर्च में स्थानापन्न पादरी के रूप में भी काम किया।

पार्कहर्स्ट की तरह, पीयर्स की भी प्राचीन भाषाओं में स्वाभाविक रुचि थी। पार्कहर्स्ट ने ग्रीक और लैटिन पढ़ाया और संस्कृत के रूपों द्वारा चित्रित लैटिन क्रिया का विश्लेषण नामक पुस्तक लिखी।

पीयर्स ने हाई स्कूल में उन्नत लैटिन पाठ भी लिया और राष्ट्रीय लैटिन प्रतियोगिताओं में उच्च अंक प्राप्त किये। उन्हें संस्कृत और मिस्र के प्रतीकों में भी रुचि थी। पीयर्स ने कहा कि उन्होंने सपनों की एक श्रृंखला का अनुभव किया है जिसमें प्राचीन ग्रीक शब्द शामिल हैं, ऐसे शब्द जिन्हें वह अपनी रोजमर्रा की चेतना में बिल्कुल भी नहीं जानता था।

चार्ल्स पार्कहर्स्ट ने अपने व्याख्यान मंच का उपयोग सामाजिक सुधार के लिए किया और आध्यात्मिक भ्रांतियाँ। पार्कहर्स्ट ऐसे समय में न्यूयॉर्क में रहते थे जब राजनीतिक भ्रष्टाचार एक प्रमुख मुद्दा था। 1800 के दशक के अंत में सत्ता में आए राजनीतिक शासन टैमनी हॉल ने अपराध मालिकों के साथ मिलीभगत की। टैमनी हॉल पुलिस अधिकारी नियमित रूप से रिश्वत स्वीकार करते हैं, जबकि आम जनता अपना सिर रेत में छिपा लेती है और चुप रहती है। पार्कहर्स्ट, जो अपराध निवारण सोसायटी के अध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं, ने जो दिया वह शायद अमेरिकी इतिहास में सबसे प्रसिद्ध उपदेशों में से एक है, जिसमें उन्होंने भ्रष्टाचार की निंदा की।

पार्कहर्स्ट ने न्यूयॉर्क शहर को "खुले ढक्कन वाला नरक" बताया और आम जनता को कुछ करने की चुनौती दी। एक स्ट्रीट रिपोर्टर दर्शकों के बीच मौजूद था और कहानी प्रिंट में छपी, जिससे लोगों में काफी रुचि पैदा हुई और अधिकारियों ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

पार्कहर्स्ट पर हमला किया गया और उसे अपने आरोप साबित करने की चुनौती दी गई। उन्होंने अपनी जांच स्वयं की और जल्द ही तथ्यों के साथ अदालत में उपस्थित हुए। परिणाम लेक्सो जांच का उद्भव और एक सुधार सरकार, अर्थात् मजबूत सरकार का चुनाव था।

टेडी रूज़वेल्ट को नए पुलिस आयुक्त के रूप में भी चुना गया।

पार्कहर्स्ट की तरह, पीयर्स में भी सामाजिक समस्याओं के आलोचक और सुधारक की प्रवृत्ति थी। अपने कैंपस अखबार में, पेनी ने पाठ्यक्रम और विभागीय परिवर्तनों का विरोध करते हुए लेख प्रकाशित किए जो उन्हें छात्रों के लिए हानिकारक लगे। जब उन्होंने एक बड़ी कंपनी के लिए काम किया, तो उन्होंने अपने विभाग में होने वाली अनैतिक गतिविधियों के बारे में चेतावनी देने के लिए एक पत्र-लेखन अभियान चलाया।

चार्ल्स पार्कहर्स्ट और पेनी पीयर्स दोनों यहीं बड़े हुए खेती और दोनों को खेती से प्यार है. पार्कहर्स्ट ने अपनी आत्मकथा में लिखा है, "कृषि सभी सभ्यताओं की रीढ़ है। कृषि सभ्यता के साथ-साथ चलती है, जैसे शरीर आत्मा के साथ चलता है।''1 पार्कहर्स्ट आगे कहते हैं, ''भूमि पर खेती करना एक महान मौलिक कला है।''2

पीयर्स ने सात साल की उम्र में जर्नलिंग शुरू कर दी थी और उनकी अधिकांश प्रेरणा प्रकृति और कृषि से आती है। इसके अलावा, उन्होंने जो नेशनल स्कोलास्टिक मैगज़ीन पुरस्कार जीता, वह कंसास में गेहूं के खेतों के बारे में एक छोटी कहानी के बारे में था। पीयर्स को "मिट्टी पर खेती करना" भी पसंद है और जब वह 20 साल का था, तब से वह हर साल एक सब्जी का बगीचा लगाता है।

पार्कहर्स्ट और पीयर्स दोनों लंबी पैदल यात्रा का आनंद लेते हैं। पार्कहर्स्ट एक पर्वतारोहण उत्साही है जो हर साल आल्प्स में छुट्टियां मनाता है, मैटरहॉर्न, वीसहॉर्न और अन्य महान चोटियों पर चढ़ता है।

पीयर्स को भी कम उम्र से ही चढ़ाई का शौक था। तीन साल की उम्र में, वह अपने घर के बगल में एक देवदार के पेड़ पर चढ़ गए और अपने घर की दूसरी मंजिल के बाथरूम में देखा, जहाँ उनकी माँ अपना मेकअप कर रही थीं। जब पेनी की माँ ने बाहर देखा और अपनी तीन साल की बेटी को पेड़ से लहराते हुए देखा, तो उसे लगभग दौरा पड़ गया!

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

पार्कहर्स्ट की मृत्यु एक दुखद, यद्यपि हास्यप्रद घटना है

ऊंचाई के प्रति उनके प्रेम से जुड़ा हुआ है। 91 साल की उम्र में, पार्कहर्स्ट को नींद में चलने का अनुभव हुआ, जिसमें वह अपने फ़ोयर की छत से उतरे, गिर गए और उनकी मृत्यु हो गई।

दर्दनाक घटना के बाद जो प्रतीत होता है, उसमें पेनी पीयर्स बताते हैं कि वर्षों तक उन्हें बार-बार बुरे सपने आते थे, जिसमें वह एक चट्टान से नीचे गिर रहे थे, एक गिरती हुई लिफ्ट में, और एक पेड़ से गिर रहे थे। प्रत्येक सपने के अंत में, जब उसे एहसास होता कि वह मरने वाला है, तो पीयर्स घबराकर जाग जाता।

जब पीयर्स ने बॉबी जो के साथ अपना सत्र किया और पता चला कि पार्कहर्स्ट की छत से गिरने से मृत्यु हो गई है, तो उसके बुरे सपने कम हो गए। उसने एक आखिरी सपना देखा था जिसमें वह "सुपर स्लो मोशन" में एक पेड़ से गिर गया था, वह सचेत रूप से देख रहा था कि गिरने से उसकी मृत्यु कैसे हुई। उस सपने के बाद उसे फिर कभी कोई दुःस्वप्न नहीं आया।

पीयर्स का मानना है कि उन्हें पतझड़ की स्वप्न छवियां मिलीं क्योंकि पार्कहर्स्ट सो रहे थे और जब उनकी मृत्यु हुई तो वे बहुत भ्रमित थे, और अनुभव को कभी भी सचेत रूप से संसाधित नहीं किया जा सकता है। पीयर्स ने यह भी महसूस किया कि खिड़की से बाहर नींद में चलने और छत से गिरने से पार्कहर्स्ट की मृत्यु भी ऊंचे स्थानों से कूदने और पक्षी की तरह उड़ने की उसकी अवचेतन इच्छा से संबंधित थी। शायद पार्कहर्स्ट के पास भी यही इच्छा थी और उसे इसे उड़ाने का एक तरीका मिल गया। पीयर्स का मानना है कि आज भी ऊंचे स्थानों के प्रति उनमें आकर्षण है, नापसंद नहीं। सौभाग्य से, इस जीवन में पीयर्स एक मंजिला खेत-शैली के घर में रहते थे।

ऐलिस कैरी के पुनर्जन्म के रूप में पेनी पीयर्स

माध्यम के साथ अपने सत्र में, पीयर्स को इससे भी पहले के अवतार के बारे में बताया गया। बॉबी जो बताते हैं कि उस जीवन में पेनी का नाम ऐलिस कैरी था।

Machine Translated by Google

उनका जन्म 26 अप्रैल, 1820 को सिनसिनाटी, ओहियो के पास एक फार्म में हुआ था और उनकी मृत्यु 12 फरवरी, 1871 को हुई थी। पार्कहर्स्ट के मामले में, बॉबी जो ने ऐलिस कैरी द्वारा लिखी गई पुस्तकों की एक श्रृंखला सूचीबद्ध की है, जिसमें निम्नलिखित शीर्षक शामिल हैं: ऐलिस और फोबे कैरी की कविताएँ; क्लोवरनुक: पश्चिम में ऑरे पड़ोस की यादें; हाजिरा: आज के लिए एक कहानी: लाइरा और अन्य कविताएँ; क्लोवरनुक बच्चे; विवाहित, विवाह योग्य नहीं; दत्तक पुत्री, और अन्य कहानियाँ; जोसेफिन गैलरी; देशी जीवन के चित्र: गाथागीत, गीत और भजन; बिशप का बेटा, एक प्रेमी की डायरी; द बॉर्न थ्रॉल; स्नो-बेरीज़: युवा लोगों के लिए एक किताब; और छोटे लोगों के लिए गाथागीत। फिर, ऐसा लगता है कि बॉबी जो के पास बिना किसी तैयारी के सीधे बोली जाने वाली अविश्वसनीय रूप से विस्तृत जानकारी तक पहुंच है।

बॉबी जो ने पीयर्स को यह भी बताया कि ऐलिस कैरी उस जीवनकाल के दौरान अपनी छोटी बहन, फोएबे से अविभाज्य थी। बॉबी जो यह भी नोट करते हैं कि फोएबे वर्तमान में पीयर्स की छोटी बहन, पाउला है।

पुस्तक के शीर्षकों की सूची से पेनी पीयर्स, ऐलिस कैरी और चार्ल्स पार्कहर्स्ट के बीच समानताएँ स्पष्ट हैं। साफ़ है कि ये तीनों बेहतरीन लेखक हैं और तीनों ने बच्चों के लिए किताबें लिखी हैं. ऐलिस कैरी की तरह, पीयर्स एक विपुल कवि होने के साथ-साथ एक गैर-काल्पनिक लेखक भी थे।

दिलचस्प समकालिकता में, ऐलिस कैरी ने उपनाम "पैटी ली" के तहत लिखा, जो पीयर्स के पहले और मध्य नाम: "पेनी ली" से संबंधित था।

इन तीनों जिंदगियों के बीच विभिन्न भौगोलिक संबंध भी हैं। प्रतिगमन चिकित्सकों ने यह भी देखा है कि आत्माएं अक्सर एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल में वापस आती हैं।

यह लगभग वैसा ही है जैसे आत्मा परिचित स्थानों और पिछले जन्मों की स्थितियों के प्रति उदासीनता महसूस करती है। ऐसा प्रतीत होता है कि आत्मा एक जीवन पथ की योजना बना रही है जो उसे उन पूर्व स्थानों पर ले जाएगी जिन्हें वह जानता था। उदाहरण के लिए, पीयर्स ने सिनसिनाटी विश्वविद्यालय में दाखिला लिया, जहां से ऐलिस का जन्म हुआ था। यहाँ, कैरी की तरह, पीयर्स ने गंभीरता से कविता लिखना शुरू किया। कॉलेज में भी, पीयर्स की एक प्रेमिका है जो कविता भी लिखती है और लड़कियों की तस्वीरें भी बनाती है

Machine Translated by Google

कल्पना। उसकी प्रेमिका अक्सर इस काल्पनिक महिला को उसकी प्रेरणा की देवी के रूप में संदर्भित करती है और वह उसे "ऐलिस" कहता है। दिलचस्प बात यह है कि ऐलिस कैरी को ओहियो में रहने के दौरान उसके प्रेमी ने छोड़ दिया था, जिसके कारण वह अचानक न्यूयॉर्क चली गई थी। पीयर्स को आश्चर्य हुआ कि क्या उसकी कॉलेज गर्लफ्रेंड वही आदमी थी जिसने कैरी को छोड़ दिया था।

कैरी के न्यूयॉर्क चले जाने के बाद, उसकी बहन, फोएबे भी उसके साथ चली गई। ये दोनों महिलाएँ साहित्य से आजीविका कमाने के इरादे से शहर आती हैं - यह एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण काम है।

साथ में, उन्होंने कविता और कथा साहित्य की कई किताबें लिखी और प्रकाशित कीं। न्यूयॉर्क में, ऐलिस और फोबे कैरी को "द सिस्टर्स ऑफ़ द वेस्ट" के रूप में जाना जाता था, क्योंकि उस समय भी ओहियो को विकासशील अमेरिका का पश्चिमी तट माना जाता था।

कैरी बहनें कई विद्वानों और अन्य लोगों की चहेती बन गईं जब उन्होंने 15 वर्षों तक अपने घर में एक लोकप्रिय साहित्यिक सैलून की स्थापना की। उपस्थित लोगों में प्रमुख विचारक, दार्शनिक, प्रारंभिक नारीवादी, लेखक और उस समय की हस्तियां शामिल थीं, जैसे होरेस ग्रीली, एडगर एलन पो, जॉन ग्रीनलीफ व्हिटियर और पीटी बार्नम।

प्रतीत होता है कि समानांतर रास्ते में, विश्वविद्यालय से स्नातक होने और न्यूयॉर्क शहर जाने से पहले, पीयर्स ने भी अचानक ओहियो छोड़ दिया।
न्यूयॉर्क में, ऐलिस कैरी की तरह, पीयर्स जल्द ही नारीवादी और अन्य लेखकों के एक समूह में शामिल हो गईं। भौगोलिक रूप से संबंधित एक अन्य घटना में, पीयर्स का कार्यस्थल ग्रामरसी पार्क के पास है, जहां से कुछ ही ब्लॉक की दूरी पर फोएबे और ऐलिस कैरी रहते थे।

न्यूयॉर्क में, चार्ल्स पार्कहर्स्ट का जीवन भी उनके साथ जुड़ा हुआ है।

वेस्ट 80वीं स्ट्रीट पर पीयर्स का अपार्टमेंट, वेस्ट 74वीं पर चार्ल्स पार्कहर्स्ट के निवास से कुछ ही ब्लॉक की दूरी पर है। उन्होंने न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय और कोलंबिया के रात्रि स्कूलों में पढ़ाई की, जिसमें पार्कहर्स्ट भी शामिल हुए। समय के साथ, पीयर्स ब्रुकलिन के पार्क स्लोप में चले गए, जहां ऐलिस और फोएबे को ग्रीनवुड कब्रिस्तान में दफनाया गया था। एक और अजीब समानांतर में, पार्कहर्स्ट, एक बूढ़े व्यक्ति के रूप में, न्यूयॉर्क से लॉस एंजिल्स की यात्रा करता है

Machine Translated by Google

दूसरी बार शादी की. इसी तरह, पीयर्स ने कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट्स में डिजाइन में स्नातक की डिग्री पूरी करने के लिए न्यूयॉर्क छोड़ दिया और लॉस एंजिल्स चले गए। उन्होंने यह भी नोट किया कि बॉबी जो से मिलने के एक साल बाद, उनके माता-पिता चार्ल्स पार्कहर्स्ट के जन्म और बचपन के स्थान, पास के फ्रामिंघम चले गए।

अपने माता-पिता के घर की यात्राओं के दौरान, पेनी देख सकता था कि पार्कहर्स्ट कहाँ रहता था।

पेनी पीयर्स और चार्ल्स पार्कहर्स्ट की तरह, ऐलिस कैरी को भी ज्ञान में प्रारंभिक रुचि थी, यहां तक कि रात में तेज़ रोशनी में पढ़ना भी जब उनके लिए मोमबत्तियाँ उपलब्ध नहीं थीं। कैरी एक प्रकृति प्रेमी हैं और उन्हें ग्रामीण परिदृश्यों के बारे में लिखने का शौक है।

कैरी और पार्कहर्स्ट की तरह पीयर्स को भी प्रकृति से प्यार था, और वह एक सक्रिय फार्म की सेटिंग में रहता था।

जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, पेनी ने सात साल की उम्र में अपनी पत्रिका में लिखना शुरू कर दिया था और वह प्रकृति, जानवरों और कृषि से बहुत प्रेरणा लेती है। ऐलिस कैरी की तरह, पेनी ने किशोरी के रूप में लेख और कविताएँ प्रकाशित कीं।

हमें कैनसस गेहूं के खेतों के बारे में अपनी लघु कहानी के लिए जीता गया नेशनल स्कोलास्टिक मैगज़ीन पुरस्कार याद है।

एक दिलचस्प पत्र में, जॉन ग्रीनलीफ़ व्हिटियर ने एक कविता लिखी ऐलिस के लिए द सिंगर शीर्षक, जो गेहूं के संदर्भ के साथ समाप्त होता है। व्हिटियर ने ऐलिस के बारे में लिखा: उसके विनम्र होंठ गीत से मधुर हो गए,

उसके हर शब्द पर एक स्मृति मंडराती रहती है,
लौंग के खेत और पक्षियों की चहचहाहट से,
उसकी काली, फैली हुई आँखों को दर्शाया गया है,
विशाल पश्चिमी क्षितिज,
उसके शब्द खेत के फूलों को बिखेरते हैं, सुनहरे,
गेहूं की फसल जो इसके चारों ओर घूमती है

साहित्य में करियर के अलावा, ऐलिस कैरी पार्कहर्ट और पीयर्स की तरह एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। ऐलिस गुलामी के उन्मूलन में दृढ़ विश्वास रखने वाली और रक्षक है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

महिला अधिकार। वह अमेरिका के पहले महिला क्लब, द सोरोरिटी ऑफ सिस्टर्स (सोरोसिस) की पहली अध्यक्ष बनीं और जेन क्रोली, एलिजाबेथ कैडी स्टैंटन और सुसान बी. एंथोनी से मित्रता की। इसी तरह, पेनी भी न्यूयॉर्क और कैलिफोर्निया में नारीवादी आंदोलन में शामिल थीं और एक नारीवादी पत्रिका के लिए कला निर्देशक बन गईं। ऐलिस कैरी को मानवीय उत्पीड़न या किसी भी प्रकार की जबरदस्ती से नफरत है। पेनी पीयर्स ने आम जनता पर मास मीडिया और विज्ञापन के हानिकारक ब्रेनवॉशिंग प्रभावों पर शोध करने के लिए परिसर में एक गैर-लाभकारी संगठन का गठन किया।

आध्यात्मिक रूप से, ऐलिस यूनिवर्सलिस्ट चर्च के प्रति आकर्षित है और इसके सिद्धांतों को स्वीकार करती है, जिसमें पुनर्जन्म में विश्वास और मृतकों की आत्माएं जीवित लोगों के साथ संवाद कर सकती हैं। उन्होंने लिखा है:

हंसो, तुम जो कभी नहीं हंसते,
तुम्हारी मृत्यु लौट आती है; लेकिन इसे मुझसे मत लो,
...मेरे मूर्खतापूर्ण सपने,
वह हमारी नश्वर आँखें,
जो निकलता है वह धरती और आकाश को प्रतिबिंबित करता है,
साथ ही अनंत काल को भी तौल रहा है।''4

जीवनी लेखक कारू का कहना है कि ऐलिस की भी इसमें रुचि थी
अटकल. ऐलिस की बहनों और दोस्तों ने साझा किया कि वह "हर सुबह चाय के कप में हमारी कुंडली ताज़ा करके, हम में से प्रत्येक के नए भाग्य की भविष्यवाणी करती थी"। इसी तरह, पीयर्स ने अपने करियर की शुरुआत में ही परामनोविज्ञान और मानसिक क्षमताओं के विकास का अध्ययन किया।

पीयर्स ने अपने लेखन में ऐलिस कैरी और चार्ल्स पार्कहर्स्ट के लेखन में भी कई समानताएँ देखीं। उदाहरण के लिए, तीनों रोजमर्रा की जिंदगी में, इरादे में और छोटे कार्यों के माध्यम से आध्यात्मिक मूल्यों को प्रदर्शित करने के महत्व पर ध्यान केंद्रित करते हैं, और यह कि अभ्यास, प्रक्रिया और अनुभव केवल भव्य आदर्शों के बारे में बात करने से अधिक महत्वपूर्ण है। इस बिंदु को स्पष्ट करने के लिए पीयर्स ने अपनी पुस्तकों से निम्नलिखित उद्धरण चुने।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

कैरी: "सच्चा मूल्य अस्तित्व में है, न कि जो दिखता है-
हर गुजरते दिन में, दयालुता के छोटे-छोटे कार्य करने में।''5

पार्कहर्स्ट: "चरित्र एक आवेग है जो निरंतर निरंतरता के साथ बार-बार नियंत्रित होता है।"6

पीयर्स: "प्रक्रिया, जरूरी नहीं कि उत्तर, पवित्र है।"7

एक अन्य उदाहरण में, तीनों ने सत्य के बारे में लिखा। पार्कहर्स्ट ने लिखा: "सत्य, निश्चित रूप से, शाश्वत है और भगवान के रूप में मौजूद है, जबकि एक विचार केवल सत्य तक पहुंचने और उस दिमाग के साथ आने का एक प्रयास है जो इसे विकसित करता है।"8 पीयर्स ने अपनी पत्रिका में लिखा : "जानकारी मन से होती है। ज्ञान सत्य है, किसी प्राणी या आत्मा के प्रत्यक्ष अनुभव का परिणाम है। सूचना तथ्य है, ज्ञान का मात्र वर्णन है।''9

ऐलिस ने लिखा: "क्योंकि कभी-कभी, सत्य तीखा, ठंडा और क्षमा न करने वाला होता है। हमारी इच्छाओं के बावजूद, हम प्रकाश को खोलने का आग्रह करते रहेंगे; सभी चीज़ों के सादे रूप; और उस आदर्श स्थान से आत्मा अवतरित होगी; नीले आकाश की ऊंचाई से लेकर समुद्र तक, एक तारे की तरह, दुख से भरी एक जंगली सुंदरता में

और कृतज्ञता के संबंध में, पार्कहर्स्ट लिखते हैं: "हमारे पास हम सभी को खुश और आभारी बनाने के लिए पर्याप्त है यदि हम सामान्य रूप से अपने आशीर्वादों की संख्या को प्यार से गिनने के लिए पर्याप्त समय तक चुप रहें, और अपने दिलों को उन्हें महसूस करने दें और उनके साथ मिश्रित होने दें, जब तक कि हम पूर्ण नहीं हो जाते उनमें से। आराम और जागृति धन्य व्यक्ति के धैर्य के गुण के कारण प्रेम की भावना बन जाती है।''11 पियर्स ने लिखा: ''इतना धीमा हो जाओ कि आप जो चीजें महसूस करते हैं उन्हें सरल शब्दों में वर्णित कर सकें, जैसे कि आप अपनी सूची गिन रहे हों। हर चीज़ से अवगत होकर, आप अपनी दुनिया से जुड़े रहते हैं। 'स्त्री मन' आपको सद्गुण और पर्याप्तता की भावना की ओर ले जाता है, और जब आप इसे पूरी तरह से अनुभव करते हैं, तो आप सिसक सकते हैं, या प्रशंसा से भर सकते हैं, या परमानंद की भावनाओं से चमक सकते हैं।'12 ऐलिस ने लिखा: "जब मैं सोचती हूं आशीर्वाद का -आशीर्वाद

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जिसने प्रेम, हृदय, आशा, आत्मा और शरीर, वह सब कुछ जो एक नश्वर प्राणी दे सकता है, के अभयारण्य को सुशोभित किया है; एक असाधारण पवित्र इच्छा की खातिर, मैं खुश हूं, नहीं, इससे भी ज्यादा, मुझे गर्व है कि मैं जीवित हूं!''13

पीयर्स ने देखा कि वह पार्कहर्स्ट के अधिक मर्दाना, विद्वान और लिपिक पक्ष और भावनात्मक, नारीवादी, काव्यात्मक ऐलिस कैरी के बीच एक दिलचस्प संबंध प्रतीत होता है।

अपने लेखन में, पीयर्स दोनों के तत्वों को जोड़ते हैं। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि पेनी के मामले में, हालांकि लिंग और युग बदलने के साथ शैली बदल सकती है, लेकिन मूल विचार वही रहते हैं।

इन मामलों में एक और दिलचस्प समानता पिछले जन्मों के शारीरिक निशान और घावों को वापस लाने की संभावना है।

इयान स्टीवेन्सन, एमडी, ने उन बच्चों पर अपने शोध में जो पिछले जन्मों को अनायास याद करते हैं, देखा कि जब कोई व्यक्ति बाद के जीवन में चाकू या गोली के घाव जैसी दर्दनाक चोट से मर जाता है, तो उस स्थान पर एक जन्म चिन्ह पाया जाएगा। घटना। दर्दनाक चोट.

पीयर्स ने एक परिकल्पना प्रदान की कि वही विरासत में मिली घटनाएँ पुरानी बीमारियों के साथ भी हो सकती हैं। ऐलिस कैरी की मृत्यु तपेदिक से हुई, जिसका उन्होंने कई वर्षों तक सामना किया। पेनी पीयर्स का जन्म फेफड़ों की गंभीर समस्याओं के साथ हुआ था, जो उनके जीवन के पहले 15 वर्षों के दौरान क्रोनिक ब्रोंकाइटिस और निमोनिया में बदल गई। पीयर्स ने यह भी देखा कि जब चार्ल्स पार्कहर्स्ट की मृत्यु गिरने के कारण लगी चोटों से हुई, तो चोटों में से एक बायां पैर टूट गया था। पीयर्स ने देखा कि उसके बाएं पैर में कई चोटें आईं, जिसमें टखना भी टूट गया। यह सवाल कि क्या एक जीवन से बीमारी और घावों के अवशेष जीवन भर में ले जाए जा सकते हैं, एक ऐसा मामला है जिस पर आगे की जांच की आवश्यकता है।

ऐलिस कैरी/पेनी पीयर्स मामले में एक कर्म भी शामिल है ऐसा रिश्ता जो एक जीवन से दूसरे जीवन तक बना रहता है।
याद रखें कि बॉबी जो ने पीयर्स को बताया था कि ऐलिस कैरी की जीवन में फोएबे नाम की एक बहन है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

इस मामले में, फोएबे वर्तमान जीवन में पेनी की बहन पाउला है।

ऐसा लगता है कि बॉबी जो का कथन मान्य है, क्योंकि पाउला के चेहरे की विशेषताएं फोएबे कैरी से मेल खाती हैं। गुणों की विशेषताओं में भी समानताएँ होती हैं। फोएबे को अमेरिका की सबसे विनोदी महिलाओं में से एक माना जाता है, जो ग्लैमरस में हास्यास्पद देखने की क्षमता और पैरोडी प्रदर्शन करने की अपनी जबरदस्त क्षमता के लिए प्रसिद्ध है। पीयर्स ने देखा कि ये गुण पाउला के अनुरूप थे, जिन्होंने पीएच.डी. अर्जित की थी। और फोएबे की तरह मजाकिया भी माने जाते हैं। पीयर्स ने एक बार लिखा था कि पाउला को "राजनयिक स्वभाव के साथ मजाकिया और हंसमुख" बताया गया था। अधिक सामान्य अर्थ में, फोएबे को घरेलू काम करने में अरुचि होने के लिए जाना जाता है।

इस जीवन में पाउला को भी वही नापसंद है.

पाउला ने कुछ पैसे अलग रखे, ताकि वह घर का काम खुद करने के बजाय एक नौकरानी रख सके।

एक और महत्वपूर्ण समानता दो बहनों, ऐलिस और फोएबे और पेनी और पाउला के बीच के रिश्ते में भी देखी जाती है।

दोनों जोड़ों के बीच उम्र का लगभग समान अंतर है और दोनों एक-दूसरे के साथ काफी करीबी रिश्ता रखते हैं। ऐलिस और कैरी के बारे में, उनके जीवनीकारों में से एक ने लिखा: "भाइयों के बीच का रिश्ता, जो हमेशा एक-दूसरे के साथ असाधारण समझ और कोमलता के साथ व्यवहार करते थे, उनकी अनूठी एकजुटता के बारे में सबसे प्यारी चीजों में से एक था।"14 इन भाइयों के बीच भावनात्मक संबंध है इतने मजबूत कि वे व्यावहारिक रूप से एक साथ मर जाते हैं। ऐलिस की तपेदिक से मृत्यु के बाद, फोएबे इतनी दुखी हुई कि 6 महीने बाद उसकी मृत्यु हो गई।

दोनों बहनों के बीच करीबी रिश्ते आज भी कायम हैं. पाउला कहती है, "मेरे पूरे जीवन में, मेरी बहन पाउला मेरी सबसे अच्छी दोस्त थी।"

दोनों बहनों के बीच का रिश्ता शुरू से ही पुनर्जीवित हो गया था, क्योंकि पेनी याद करती है कि जब पाउला का जन्म हुआ, तो उसके मन में ईर्ष्या या भाई-बहन की प्रतिद्वंद्विता की कोई भावना नहीं थी, इसके बजाय पेनी अपनी छोटी बहन के करीब रहना चाहती थी। बाद की तारीख में, ऐसा लगता है कि पेनी ने अवचेतन रूप से एक पहचान बना ली है

Machine Translated by Google

बहन का अतीत. पेनी ने साझा किया कि एक युवा लड़की के रूप में, उसने उन नामों की एक सूची के बारे में कल्पना की थी जो वह एक दिन अपने बच्चों को देगी।
दिलचस्प बात यह है कि उनका पसंदीदा नाम फोएबे था, जिसका अर्थ उन्होंने बाद में "चमकदार और प्रतिभाशाली" समझा।

विभाजित अवतार घटना

ऐलिस कैरी/चार्ल्स पार्कहर्स्ट/पेनी पीयर्स का मामला, यदि वैध माना जाता है, तो एक दिलचस्प घटना दिखाता है। यह घटना कि एक आत्मा एक ही समय में दो अलग-अलग शरीरों में प्रकट हो सकती है। जीवन की इस श्रृंखला में सबसे प्रारंभिक अवतार ऐलिस कैरी का जन्म 1820 में हुआ और 1871 में उनकी मृत्यु हो गई। चार्ल्स पार्कहर्स्ट का जन्म 1842 में हुआ, जब ऐलिस कैरी 22 वर्ष की थीं। ऐलिस कैरी की मृत्यु 1871 में 51 वर्ष की आयु में हुई, जब पार्कहर्स्ट 29 वर्ष के थे।

ऐलिस कैरी की मृत्यु के 52 साल बाद 1933 में पार्कहर्स्ट की मृत्यु हो गई। पेनी पीयर्स का जन्म पार्कहर्स्ट की मृत्यु के 16 साल बाद 1949 में हुआ था, जहाँ से पार्कहर्स्ट की मृत्यु हुई थी। यदि हम इस कालक्रम को देखें, तो हम पाते हैं कि 1842 में पार्कहर्स्ट के जन्म और 1871 में कैरी की मृत्यु के बीच 29 वर्षों का अंतराल है। 29 वर्षों की अवधि में, ऐसा प्रतीत होता है कि एक ही आत्मा दो शरीरों में निवास करती है।

यह अनुमान लगाना दिलचस्प है कि क्या ऐलिस कैरी और चार्ल्स पार्कहर्स्ट कभी एक दूसरे से मिले। हालाँकि इस बात का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं है कि कैरी और पार्कहर्स्ट कभी मिले थे, लेकिन ऐसा लगता है कि वे एक-दूसरे के करीब थे। 1850 में, 30 साल की उम्र में, ऐलिस ओहियो से मैसाचुसेट्स में जॉन ग्रीनलीफ़ व्हिटियर के घर पर मिलने गई, जो उस जगह से ज्यादा दूर नहीं था, जहां पार्कहर्स्ट, जो उस समय 8 साल का लड़का था, फ्रेमिंघम में अपने परिवार के खेत में रहता था। ऐलिस उसी वर्ष न्यूयॉर्क चली गई।

ये दोनों फिर से एक ही भौगोलिक स्थिति 20 में थे वर्षों बाद, 1870 की गर्मियों में जब

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

ऐलिस कैरी ने नॉर्थम्प्टन, मैसाचुसेट्स में दोस्तों से मिलने के लिए न्यूयॉर्क से अपनी आखिरी यात्रा की।

उस समय पार्कहर्स्ट पास में ही रह रहा था और कुछ ही महीने बाद नवंबर में, चार्ल्स पार्कहर्स्ट ने नॉर्थम्प्टन में अपनी पहली पत्नी से शादी की। कैरी की मृत्यु के नौ साल बाद, 1880 में पार्कहर्स्ट न्यूयॉर्क चले गए। हालाँकि ऐसा लगता है कि दोनों कभी नहीं मिले, यह संभव है कि पार्कहर्स्ट कैरी को जानता हो।

जब पार्कहर्स्ट छोटे थे, कैरी एक लेखक के रूप में अपने करियर के चरम पर थे, और उस समय की लोकप्रिय पत्रिकाओं में भारी योगदान दे रहे थे। यह संभव है कि पार्कहर्स्ट ने किसी अन्य व्यक्ति ऐलिस कैरी को लिखे लेख पढ़े हों।

निष्कर्ष में, ऐलिस कैरी/चार्ल्स पार्कहर्स्ट/पेनी पीयर्स मामले दिखाते हैं कि कैसे चेहरे की विशेषताएं, व्यक्तित्व लक्षण और यहां तक कि भौगोलिक स्थान तीन जन्मों तक एक समान बने रह सकते हैं। इसके अलावा, एक समय में ऐलिस और फोएबे के बीच का रिश्ता, और दूसरे में पेनी और पाउला का रिश्ता दिखाता है कि एक अवतार से दूसरे अवतार में कर्म और भावनात्मक संबंध कैसे बनाए रखे जाते हैं।

29 वर्ष की अवधि में जब ऐलिस कैरी और चार्ल्स पारहर्स्ट एक साथ अवतरित हुए थे तो ऐसा प्रतीत होता है कि एक आत्मा एक ही समय में दो शरीरों में निवास कर सकती है।

यह घटना यह समझाने में मदद कर सकती है कि आज ग्रह पर पहले की तुलना में अधिक लोग क्यों हैं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

कांग्रेस के पुस्तकालय का योगदान

चार्ल्स पार्कहर्स्ट

पेनी पियर्स का योगदान

पेनी पियर्स

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

पेनी पियर्स का योगदान

ऐलिस कैरी

पेनी पियर्स

चार्ल्स पार्कहर्स्ट और ऐलिस कैरी का जीवनकाल 29 वर्षों तक ओवरलैप हुआ, जिससे पता चलता है कि आत्मा एक ही समय में दो शरीरों में रह सकती है,

एक ऐसी घटना

"विभाजित अवतार" कहा जाता है।

Machine Translated by Google

पाउला पीयर्स का योगदान

पाउला पियर्स फोबे कैरी पाउला पियर्स

बहनें ऐलिस और फोएबे कैरी बहनों पेनी और पाउला पीयर्स के रूप में पुनर्जन्म लेती हैं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

BORN again

भाग द्वितीय

के माध्यम से मामले सुलझाए गए

केविन रायर्सन और अहतुन रे

Machine Translated by Google

10

केविन रायर्सन का परिचय,
टॉम मैकफ़र्सन, और अहतुन रे

Machine Translated by Google

मैंने वह जानकारी एक तरफ रख दी और लगभग 12 वर्षों तक एडम्स के साथ कोई रिश्ता नहीं चाहा।

1995 के अंत में, मैं पूरी तरह से अपने मेडिकल करियर में व्यस्त था और हवाई में एक व्यापारिक यात्रा पर था।
मैं यूनोकल 76 नामक एक तेल कंपनी के चिकित्सा निदेशक के रूप में काम कर रहा था, जिसका तकिया कलाम "1776 की आत्मा" था, जो अमेरिकी क्रांति की भावना का संदर्भ था। अचानक, कहीं से भी, मुझे अपनी आत्मा से एक आदेश मिला जो मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था।

यह ऐसा था मानो एक तेज़, लेकिन सूक्ष्म आवाज़ मेरे दिमाग में आई और आदेश दिया, "एडम्स के जीवन को सीखो।" इस आवाज द्वारा दिया गया संदेश इतना मजबूत और अचूक था, इतना मजबूत कि मुझे उस शाम होनोलूलू में एक किताबों की दुकान में जाना पड़ा, जहां मैंने अमेरिकी क्रांति और जॉन एडम्स के बारे में किताबें खरीदीं।

1984 के सत्र में, मार्गदर्शक भावना ने मुझसे कहा कि अगर मैं जॉन एडम्स पर शोध करूं, तो मैं खुद को शारीरिक उपस्थिति, व्यक्तित्व और आदतों में पाऊंगा। जब मैंने 1996 के दौरान एडम्स के बारे में पढ़ा, तो मुझे बिल्कुल यही पता चला। मेरा चरित्र वही है, वही ताकत है, वही कमजोरियां हैं, और कुछ चित्रों में, जैसे क्रांतिकारी युद्ध के बाद पेरिस शांति सम्मेलन के लिए चित्रित चित्र में, मेरा चेहरा काफी हद तक एडम्स जैसा दिखता है। समय के साथ, मैंने एडम्स से जुड़े 60 लोगों की पहचान की, जो जीवन भर मेरे आसपास अवतरित होते रहे। उदाहरण के लिए, मेरा भाई, जॉर्ज, शक्ल-सूरत और चरित्र में समानता के आधार पर पीटर एडम्स, जॉन एडम्स का भाई लगता है।

दो वर्षों के दौरान, मैं धीरे-धीरे उस पर विश्वास करने लगा
यह सच हो सकता है कि मैं जॉन एडम्स का पुनर्जन्म था। यदि यह सच है, तो मुझे लगता है कि यह जानकारी यह समझने में मूल्यवान हो सकती है कि पुनर्जन्म कैसे काम करता है, लेकिन मुझे नहीं पता कि इस जानकारी का क्या करना है। निःसंदेह मैं इसे सार्वजनिक रूप से बताने के लिए तैयार नहीं था। इसके अलावा, मैं अच्छी सैलरी वाला एक डॉक्टर हूं। मैं अपनी नौकरी नहीं खोना चाहता

Machine Translated by Google

मैं इधर-उधर भटकता रहा और मुझे बताता रहा कि मैं जॉन एडम्स हूं, अगर यह गलत निकला। मुझे किसी प्रकार का प्रमाण या पुष्टि चाहिए।

मुझे नहीं पता था कि और क्या करूं, मैंने ओझाओं के पास जाना शुरू कर दिया समुदाय में, जिनकी अच्छी प्रतिष्ठा थी, यह देखने के लिए कि उन्हें क्या कहना है। सबसे पहले, मैंने माइकल तमुरा से मुलाकात की, जिन्होंने लगभग 20 वर्षों तक बर्कले साइकिक इंस्टीट्यूट का नेतृत्व किया है। माइकल के साथ मेरे सत्र में, उन्होंने कहा, "हां, आप जॉन एडम्स थे और आप संस्थापक पिताओं को वापस लाने के लिए यहां हैं।"

अच्छा लगता है, लेकिन मैं अभी भी निश्चित नहीं हूं। मैं कई अन्य मनोवैज्ञानिकों के पास गया, और उन सभी ने मुझे एक ही बात बताई, कि मैं जॉन एडम्स का पुनर्जन्म था।

मेरी बाद की यात्राओं के दौरान, अंततः मुझे केविन रायर्सन के बारे में बताया गया, एक माध्यम जिसने लगभग 30 वर्षों तक शर्ली मैकलेन के साथ काम किया और जो उनकी तीनों पुस्तकों में चित्रित है।

मुझे पता चला कि केविन एक ट्रान्स माध्यम है, जिसका अर्थ है कि जब वह काम करता है, तो वह ध्यान की स्थिति या ट्रान्स में चला जाता है और आध्यात्मिक प्राणियों को अपने माध्यम से संवाद करने की अनुमति देता है। अहतुन रे नाम की एक आत्मा केविन के माध्यम से मुझसे जुड़ी हुई है, जो खुद को न्युबियन जनजाति के एक मिस्रवासी के रूप में पेश करती है। अहतुन रे ने बताया कि वह एक इंसान के रूप में कई जन्मों की श्रृंखला के माध्यम से विकसित हुए और फिर बुद्ध, यीशु, मुहम्मद और कई अन्य आध्यात्मिक गुरुओं के रूप में आगे बढ़े। उन्होंने कहा, अहतुन रे का अंतिम अवतार मिस्र में फिरौन अखेनाटन (1379-1362 ईसा पूर्व) के शासनकाल के दौरान हुआ था, जिन्हें "एकेश्वरवाद के जनक" के रूप में जाना जाता है।

अहतुन रे ने अखेनाटन के उच्च पुजारी और सलाहकार के रूप में काम किया और इस प्रकार अहतुन रे का अंतिम अवतार लगभग 3,350 साल पहले हुआ।

मिस्र के एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक से बात करना, जो 3,000 से अधिक वर्षों से मर चुका था, मेरे लिए एक नया अनुभव था। मैं खुला हूं, लेकिन संशयवादी हूं, और शुरू से ही मैंने कभी नहीं माना कि अहतुन रे सटीक था। सामान्य ज्ञान वाले किसी भी व्यक्ति की तरह, और विशेष रूप से मेरी पृष्ठभूमि के कारण

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

विज्ञान के क्षेत्र में, मुझे यह विश्वास करने में सक्षम होने के लिए सबूत की आवश्यकता है कि अहतुन रे वैध जानकारी प्रदान कर रहा है।

सबसे पहले, अहतुन रे ने भी पुष्टि की कि मैं वास्तव में जॉन था एडम्स का पुनर्जन्म. इसके बाद मैं लगभग 60 पिछले जीवन के मेलों की एक सूची की समीक्षा करता हूं, जिनके बारे में मैंने उन लोगों के बारे में परिकल्पना की है जो जॉन एडम्स के आसपास अवतरित हुए थे, जिनके बारे में मुझे लगता है कि मैंने इस जीवन में पहचान लिया है। जैसे ही हम प्रत्येक मैच पर गए, अहतुन रे ने मुझे बताया कि मैं सही था या गलत। कुल मिलाकर, इसने मेरे लगभग 85 प्रतिशत मैचों की पुष्टि की और कहा कि शेष 15 प्रतिशत गलत थे। हालाँकि, मुझे अभी भी यकीन नहीं है कि मेरे पास अहतुन रे पर विश्वास करने का कोई कारण है या नहीं। मैं कैसे जान सकता हूँ कि उसके निर्णय वैध हैं?

एक सफलता तब मिली जब मैंने उन पहचानों के बारे में पूछना शुरू किया जिनके लिए मेरे पास कोई काल्पनिक पत्राचार नहीं था, और मैंने अहतुन रे से मुझे यह बताने के लिए कहा कि उसके पिछले जीवन में कोई व्यक्ति कौन था, या उसके वर्तमान जीवन में कौन से ऐतिहासिक व्यक्ति थे। मैंने जो पाया वह यह था कि अहतुन रे पिछले जीवन की पहचान करने में सक्षम था, जिसकी जांच करने पर वह वैध और सटीक प्रतीत हुई। उन्होंने जो मिलान किया, जब उसकी जांच की गई, तो चेहरे की विशेषताओं, गुणों, प्रतिभाओं और संबंधित कर्म वर्गीकरण में समानताएं दिखाई दीं।

इसके अलावा, कभी-कभी मिलान प्रक्रिया के बारे में इतिहास में व्यक्तियों के बारे में जानकारी इतनी छिपी हुई थी कि जानकारी प्राप्त करना इतना कठिन था कि आध्यात्मिक डेटा के सटीक स्रोत तक पहुंच के बिना अहतुन रे (या उस मामले के लिए खुद केविन रायर्सन) के लिए मैच बनाना असंभव था। .

कुछ लोग जानकारी के इस स्रोत को आकाशीय रिकॉर्ड के रूप में संदर्भित कर सकते हैं, कुछ इसे यूनिवर्सल माइंड के रूप में संदर्भित कर सकते हैं।
ऐसे मामले जो स्पष्ट रूप से अहतुन रे की पिछले जीवन से मेल खाने की क्षमता को प्रदर्शित करते हैं, उनमें अमेरिकी ग्रीन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार राल्फ नादर, खगोलशास्त्री कार्ल सागन और नील डोनाल्ड वाल्श शामिल हैं।

Machine Translated by Google

कन्वर्सेशन्स विद गॉड पुस्तक श्रृंखला के लेखक। ये मामले होंगे निम्नलिखित अध्यायों में प्रस्तुत किया जाए।

इससे पहले कि मैं अहतुन रे के माध्यम से हल किए गए मामलों पर चर्चा शुरू करूं, मैं एक किस्सा साझा करना चाहूंगा जो दर्शाता है कि केविन रायर्सन के माध्यम से प्रस्तुत मार्गदर्शक भावना पृथ्वी पर घटनाओं की निगरानी भी कर सकती है।

मेरी पुस्तक, रिटर्न ऑफ़ द रेवोल्यूशनरीज़ में, शर्ली मैकलेन को एक पुनर्जन्म वाले अमेरिकी क्रांतिकारी और स्वतंत्रता की घोषणा के हस्ताक्षरकर्ता के रूप में पहचाना गया है, जो कि अहतुन रे द्वारा पुष्टि की गई है।

मिस मैकलेन स्वयं इतनी दयालु थीं कि वह मेरी पुस्तक में शामिल होने के लिए सहमत हो गईं, हालाँकि उन्हें स्वयं इस पिछले जीवन की पहचान की सीधे पुष्टि करने के लिए मेरी पुस्तक के प्रकाशन से पहले केविन के साथ एक सत्र आयोजित करने का अवसर नहीं मिला था।

रिटर्न ऑफ द रिवोल्यूशनरीज़ के प्रकाशन के कुछ महीने बाद, मिस मैकलेन अक्टूबर 2003 में सैन फ्रांसिस्को में एकेडमी ऑफ आर्ट कॉलेज में सेमिनारों की एक श्रृंखला आयोजित कर रही थीं। मैं सैन फ्रांसिस्को में रह रहा था, इसलिए यह मेरे लिए एक अवसर था। सुश्री मैकलेन से पहली बार मिलें। बीते महीनों में, मुझे केविन से पता चला कि शर्ली ने उसके और अहतुन रे के साथ एक सत्र आयोजित किया था।

मैं स्वयं शर्ली के कार्यक्रम से एक दिन पहले केविन रायर्सन के साथ एक सत्र करने वाला था।

सत्र के दौरान, मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या मुझे शर्ली के लिए एक उपहार लाना चाहिए। अहतुन रे ने, केविन के माध्यम से अपनी गहरी बास आवाज में बात करते हुए, मुझे एक टी-शर्ट बनाने के लिए कहा, जिसके सामने क्रांतिकारी शर्ली की तस्वीर हो, जिसके नीचे एक कैप्शन हो: "अपने अगले जीवन में, मैं शर्ली मैकलेन बनना चाहता हूं"। टी-शर्ट के पीछे, अहतुन रे ने कहा कि मुझे निम्नलिखित वाक्य बनाना था: "वन हंड्रेड लाइफस्पैन ओनली गेट्स दिस अग्ली टी-शर्ट"।

अहतुन रे न केवल पिछले जीवन का सटीक मिलान कर सकता है, बल्कि उसका सेंस ऑफ ह्यूमर भी बहुत अच्छा है।

लगभग एक चमत्कार की तरह, मैं उस टी-शर्ट को बनाने में सफल रहा एक दिन और जब मैं शर्ली की बातचीत देखने गया तो मैं इसे अपने साथ ले गया। सुबह के सत्र के बाद

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अविश्वसनीय बात, मैंने शर्ली को उसके लंच ब्रेक के दौरान अपना परिचय दिया। आगे जो हुआ उसके लिए मैंने तैयारी नहीं की। दोपहर के सत्र की शुरुआत में, शर्ली ने मुझे मंच पर शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

करीब दो घंटे तक तीनतरफा बातचीत हुई
पुनर्जन्म, मेरी किताब और शर्ली पुनर्जन्म मामले के संबंध में शर्ली, उपस्थित दो से तीन सौ लोगों और मेरे बीच। भले ही मैं अपने जीवन के इस सुनहरे अवसर का आनंद ले रहा हूं, लेकिन मैं ग्रह पर सबसे प्रसिद्ध हस्तियों में से एक के साथ मंच पर होने से घबरा रहा हूं। मेरी घबराहट माइक्रोफ़ोन पकड़े हुए मेरे दाहिने हाथ तक फैल गई। मेरे दाहिने हाथ ने उसे तब तक कस कर पकड़ रखा था जब तक कि उसमें ऐंठन न होने लगी। उस समय, शायद हमारी चर्चा 40 मिनट तक चली थी, मैंने माइक्रोफ़ोन को अपने बाएँ हाथ में ले लिया। कुछ मिनटों के बाद, मेरे बाएं हाथ में ऐंठन होने लगी, जब तक कि मुझे माइक्रोफ़ोन को अपने दाहिने हाथ में वापस नहीं ले जाना पड़ा। यह माइक स्विचिंग शर्ली के साथ मंच पर मेरे प्रदर्शन के दौरान हुई।

शर्ली के साथ हुई इस घटना में सबसे आश्चर्यजनक बात यह है कि केविन
रायर्सन की मार्गदर्शक आत्माओं ने देखा कि दूसरे क्षेत्र से क्या हो रहा था। कार्यक्रम के कुछ महीने बाद और एकेडमी ऑफ आर्ट कॉलेज में शर्ली से मुलाकात के बाद केविन रायर्सन आए

एक व्याख्यान और प्रदर्शन आयोजित करने के लिए सैन फ्रांसिस्को

जनता तक चैनलिंग (आंतरिक चैनलिंग)। सत्र के दौरान, केविन के माध्यम से एक और मार्गदर्शक भावना उभरी: टॉम मैकफर्सन।
मैकफ़र्सन अक्सर शर्ली मैकलेन के सत्र के दौरान आते थे, क्योंकि टॉम का अंतिम अवतार शेक्सपियर नाटक मंडली में एक अभिनेता के रूप में था, इसलिए उनकी और शर्ली की नाटक में समान रुचि थी।

टॉम ने केविन के माध्यम से अपने आयरिश लहजे में दर्शकों को संबोधित किया और मुझे बुलाया। टॉम ने पूछा, "तो दोस्त, क्या तुम्हें रेडहेड के साथ रहना अच्छा लगा?"

निस्संदेह, लाल बालों वाले टॉम का मतलब शर्ली मैकलेन था। मैंने उत्तर दिया कि शर्ली के साथ मंच पर बिताया गया समय अद्भुत था।
टॉम ने बाद में सुझाव दिया, "लेकिन आप माइक्रोफ़ोन को एक हाथ से दूसरे हाथ तक आगे-पीछे घुमाते समय बहुत घबराए हुए थे।"

Machine Translated by Google

जब टॉम ने यह बयान दिया तो मुझे आश्चर्य हुआ, क्योंकि मैंने केविन को माइक्रोफोन घटना के बारे में कभी नहीं बताया था। फिर पूछताछ के बाद केविन ने पुष्टि की कि जब मैं शर्ली के साथ मंच पर था तो उसे माइक्रोफोन के साथ मेरी समस्या के बारे में पता नहीं था।

इससे मुझे एहसास हुआ कि केविन के गुरु पृथ्वी पर होने वाली घटनाओं पर नज़र रख सकते हैं, भले ही केविन शारीरिक रूप से कहीं भी हो।

जब से हम पहली बार मिले थे तब से लेकर अब तक मैंने केविन के साथ कई वर्षों तक काम किया है अक्टूबर 2001, हम घनिष्ठ मित्र बन गये। इसके अलावा, क्योंकि मैंने केविन के साथ 70 से अधिक सत्र किए हैं, मुझे यह भी लगता है कि अहतुन रे मेरा सबसे अच्छा दोस्त है। उन सत्रों में, अहतुन रे उतना ही गर्मजोशीपूर्ण और मानवीय है जितना आप फोन पर संपर्क कर सकते हैं। अहतुन रे में एकमात्र अंतर यह है कि फोन केविन रायर्सन है। मैकफ़रसन ने भी कई बार दौरा किया, हालाँकि अहतुन रे वह प्राथमिक मार्गदर्शक भावना थी जिसके साथ मैंने काम किया। इस परिचय के साथ, आइए अहतुन रे के माध्यम से हल किए गए मामलों की समीक्षा करें।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अधूरी पेंटिंग का विवरण
बेंजामिन वेस्ट द्वारा "पेरिस की संधि"।
विंटरथुर संग्रहालय योगदान

जॉन एडम्स

वाल्टर सेमकिव का योगदान

वाल्टर सेमकिव

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

पीटर एडम्स

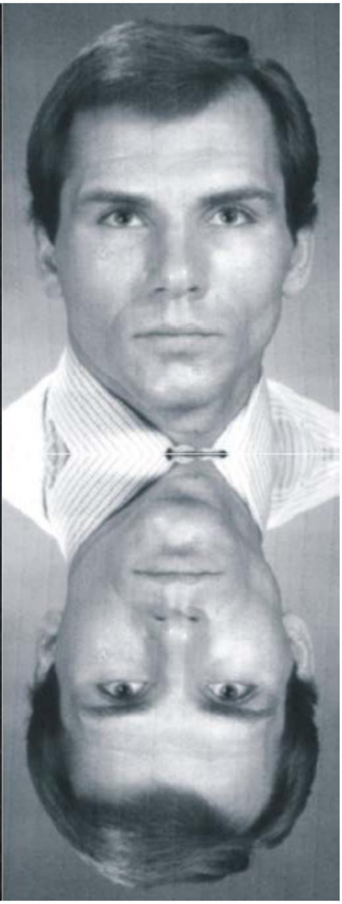

जॉर्ज सेमकिव

पीटर जॉन एडम्स का भाई है और जॉर्ज वाल्टर सेमकिव का भाई है।

यह मामला दिखाता है कि आत्माओं का पुनर्जन्म कैसे होता है

समूह और परिवार के सदस्य फिर से एक परिवार के रूप में लौट सकते हैं।

Machine Translated by Google

11

पुनर्जन्म के मामले

राल्फ नादर, कार्ल सागन, और नील डोनाल्ड वाल्श

चार्ल्स थॉमसन के पुनर्जन्म के रूप में राल्फ नादर

जैसा कि पिछले अध्याय में बताया गया है, जब 2001 के अंत में मेरे और केविन रायर्सन और अहतुन रे के बीच एक कामकाजी संबंध स्थापित हुआ, तो मैंने यह देखने का फैसला किया कि क्या अहतुन रे पिछले जीवन की पहचान से मेल खाने में सक्षम है, जिसकी मैंने पहले कल्पना नहीं की थी। उदाहरण के लिए, मुझे लगता है कि राल्फ नादर जो 2000 में अमेरिकी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बने थे, अमेरिकी क्रांतिकारी समूह का हिस्सा थे, हालांकि मुझे नहीं पता कि वह कौन थे।

केविन के साथ एक सत्र में, मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या नादेर का जन्म कभी अमेरिकी क्रांति के दौरान हुआ था, और यदि हां, तो वह कौन था। अहतुन रे ने पुष्टि की कि नादेर 18वीं शताब्दी में रहते थे और उनका नाम या तो थॉमसन या थॉमसन था। अहतुन रे ने कहा कि नादेर कॉन्टिनेंटल कांग्रेस में एक महत्वपूर्ण अभिनेता थे और अहतुन रे ने कहा कि मैं पाऊंगा कि थॉमसन के चेहरे की विशेषताएं बिल्कुल राल्फ नादर के समान थीं।

सबसे पहले, मैं इसके बारे में जानकारी ढूंढ़ते हुए निराश हो गया था अमेरिकी क्रांति के बारे में मैंने जो किताबें और अन्य स्रोत जुटाए थे, उनमें थॉमसन नाम का पात्र था। समय एक मुद्दा था, क्योंकि मैंने 30 अक्टूबर 2001 को रिटर्न ऑफ द रिवोल्यूशनरीज़ के लिए हस्ताक्षर किए थे, जो कि, जैसा कि कहा गया था, जॉन एडम्स का जन्मदिन था, और तब तक प्रकाशकों को पांडुलिपियां जमा करने की समय सीमा नजदीक आ रही थी।

Machine Translated by Google

मैंने दौरा करके नादेर मामले को एक आखिरी मौका देने का फैसला किया सैन फ्रांसिस्को पब्लिक लाइब्रेरी। मैंने कॉन्टिनेंटल कांग्रेस* और कॉन्स्टिट्यूशनल कन्वेंशन से संबंधित अमेरिकी इतिहास के अनुभागों का दौरा किया, जिसमें पुस्तकों से भरी तीन अलमारियाँ थीं। मैंने थॉमसन या थॉमसन में से किसी एक को खोजने की उम्मीद में प्रत्येक सूचकांक को व्यवस्थित रूप से देखा। लगभग सौ पुस्तकों को बिना सफलता के पढ़ने के बाद, मेरी उम्मीदें धूमिल होने लगीं।

अचानक, एक बड़ी पांडुलिपि में, जो संभवतः वर्षों से नहीं खोली गई है, मुझे सूचकांक पर चार्ल्स थॉमसन का नाम दिखाई देता है, जिसमें पृष्ठ संख्या द्वारा पहचाना गया चित्र है। क्या यह वही है जिसकी मुझे तलाश है?

जब मैं इस चित्र वाले पृष्ठ को पलटता हूं, तो मुझे राल्फ नादर का चेहरा उसकी अनोखी भौहें और एक तरफ एक ऊर्ध्वाधर चेहरे की रेखा के साथ दिखाई देता है, जो चार्ल्स थॉमसन के सममित है।

केविन रायर्सन के साथ एक बाद के सत्र में, अहतुन रे ने पुष्टि की कि राल्फ नादर क्रांतिकारी युग के चार्ल्स थॉमसन थे। इसके अलावा, चेहरे की बनावट में समानता के अलावा, मैंने पाया कि थॉमसन और नादेर के व्यक्तित्व लक्षण बहुत समान थे। दोनों उपभोक्ताओं के पैरोकार थे, दोनों ने गरीबों के लिए लड़ाई लड़ी और दोनों को कार्यालय में चुने जाने के लिए बहुत कट्टरपंथी माना जाता था। क्रांतिकारियों की वापसी में, मैं थॉमसन/नाडर मामले के लिए एक विशेष अध्याय समर्पित करता हूं, जिसमें मैं थॉमसन और नादर के लेखन के उद्धरणों की तुलना करता हूं, जो दोनों के बीच मूल्यों और विचारों में आवश्यक समानताएं दिखाते हैं।

यह मामला मेरे लिए गहरा अर्थ रखता है, क्योंकि यह दर्शाता है कि अहतुन रे में पिछले जीवन की पहचान को सटीक रूप से स्थापित करने की क्षमता है।

* ब्रिटेन के विरुद्ध स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, अमेरिकियों के पास अभी भी कोई आधिकारिक सरकार नहीं थी। इसके बजाय, कॉन्टिनेंटल कांग्रेस सभी राज्य प्रतिनिधियों से बनी एक अंतरिम संक्रमणकालीन सरकार के रूप में कार्य करती है। अपने कर्तव्यों को पूरा करने के बाद, कॉन्टिनेंटल कांग्रेस को भंग कर दिया गया और पहली आधिकारिक सरकार का जन्म हुआ। फिर, स्वतंत्रता के बाद, विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधि एक साथ एकत्र हुए और संवैधानिक सम्मेलन की स्थिति में संविधान का मसौदा तैयार किया जिसने संयुक्त राज्य अमेरिका के कानूनी आधार को जन्म दिया।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

डेविड रिटेनहाउस के पुनर्जन्म के रूप में कार्ल सागन

चार्ल्स थॉमसन फिलाडेल्फिया में एक अमेरिकी क्रांतिकारी थे।

थॉमस पेन फिलाडेल्फिया में रह रहे थे जब उन्होंने अपना पैम्फलेट, कॉमन सेंस लिखा था। पुस्तिका कॉमन सेंस, अपने सीधे तर्कों के साथ कि ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता की आवश्यकता क्यों थी, सबसे अधिक बिकने वाला लेखन बन गया जिसने लोगों की भावनाओं और स्थिति को प्रभावित करने में मदद की, और क्रांतिकारी युद्ध शुरू करने में मदद की। कॉमन सेंस के इतिहास के बारे में पढ़ते समय मुझे पता चला कि फिलाडेल्फिया निवासी डेविड रिटनहाउस एक संपादक के रूप में काम करते थे। जब मैंने केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में रिटनहाउस के बारे में पूछा तो मुझे इस आदमी के बारे में बस इतना ही पता था। विशेष रूप से मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या रिटेनहाउस ने अभी पुनर्जन्म लिया है।

जब अहतुन रे ने कहा कि डेविड रिटेनहाउस ने कार्ल सागन के रूप में पुनर्जन्म लिया है, तो मुझे यकीन हो गया कि वह गलत थे।

उस समय तक, मैंने देखा था कि आत्माएं स्वयं को एक ही तरीके से, जीवन-दर-जीवन अभिव्यक्त करती थीं, और वे समान प्रतिभाओं को प्रदर्शित करती थीं। मेरे लिए इसका कोई मतलब नहीं था कि रिटनहाउस, जिन्हें मैं फिलाडेल्फिया क्रांति में बहुत कम जाना जाता था, एक विश्व-प्रसिद्ध खगोलशास्त्री के रूप में पुनर्जन्म लेंगे। मैंने निर्धारित किया कि अहतुन रे से गलती हुई थी और मुझे पुनर्जन्म पहचान मिलान बनाने के लिए एक विश्वसनीय स्रोत होने की उसकी क्षमता पर कुछ हद तक संदेह था। लेकिन यह पता चला कि मैं गलत था.

जब मैंने रिटनहाउस के बारे में अधिक शोध किया, तो मुझे पता चला कि वह एक उपकरण निर्माता था जिसने अमेरिका की पहली दूरबीन बनाई थी। मुझे यह भी पता चला कि वह एक गणितज्ञ थे, जिन्होंने दूरबीन से अपने अवलोकनों के आधार पर एक तारामंडल बनाया था - जो एक तारामंडल का अग्रदूत था, जो सौर मंडल को बड़ी सटीकता से दर्शाता है। बाद में मुझे रिटनहाउस का एक चित्र मिला और पाया कि उसका चेहरा कार्ल सागन जैसा ही था। यह सब मेरे कामकाजी रिश्ते की शुरुआत में ही घटित हुआ

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

केविन रायर्सन और जब मुझे एहसास हुआ कि यह अहतुन रे ही था जिसने यह मैच बनाया था, जो वर्तमान में मुझे अविश्वसनीय रूप से सटीक लगता है, मुझे एहसास हुआ कि कुछ बहुत बड़ा हो रहा था, कि मेरे पास अतीत और वर्तमान अवतारों में आत्माओं की सटीक पहचान करने में सक्षम संसाधन था .

नील डोनाल्ड वाल्श पुनर्जन्मित पादरी के रूप में विलियम वाल्टर

मेरे पुनर्जन्म शोध में, केविन रायर्सन से मिलने से पहले ही, मैंने यह निर्धारित कर लिया था कि लेखक मैरिएन विलियमसन और डॉक्टर जॉन हेगेलिन बोस्टन में क्रांतिकारियों का हिस्सा थे। हेगेलिन महर्षि महेश योगी की नेचुरल लॉ पार्टी के तहत राष्ट्रपति पद के लिए दौड़ रहे हैं। अहतुन रे ने बाद में इस मैच की पुष्टि की, 60 मैचअप के हिस्से के रूप में मैंने हमारे पहले कुछ सत्रों में उनके साथ चर्चा की थी। वे जॉन एडम्स के करीबी बोस्टन क्रांतिकारी थे। वास्तव में, मैरिएन विलियमसन की पुष्टि जॉन एडम्स की पत्नी अबीगैल एडम्स के रूप में की गई है। समकालिक घटनाएँ हमें पहली बार 2001 में वेलेंटाइन डे पर एक साथ लाएँगी, जब मैरिएन अबीगैल के पुनर्जन्म के रूप में रिटर्न ऑफ़ द रेवोल्यूशनरीज़ में शामिल होने के लिए सहमत हुई। जॉन हेगेलिन ने, बोस्टन के एक प्रतिभाशाली वकील, जेम्स ओटिस के पुनर्जन्म की पुष्टि की, जिन्होंने रिट ऑफ असिस्टेंस, एक अवैध खोज और जब्ती कानून के संबंध में ब्रिटेन को न्याय के दायरे में लाकर क्रांतिकारी आंदोलन को बढ़ावा देने में मदद की।

हाल के दिनों में सबसे ज्यादा बिकने वाली किताब के लेखक नील डोनाल्ड वाल्श हैं पुस्तक श्रृंखला कन्वर्सेशन्स विद गॉड, विलियमसन और हेगेलिन दोनों से काफी परिचित हो गई है। वाल्श और विलियमसन ने 2000 में हेगेलिन की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी का समर्थन किया और साथ में, वाल्श और विलियमसन ने ग्लोबल रेनेसां एलायंस की स्थापना की।

इतना कहने के बाद, मैंने सवाल किया कि क्या निएले भी अंदर थी

Machine Translated by Google

अमेरिकी क्रांति के दौरान बोस्टन। केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, अहतुन रे ने खुलासा किया कि वॉल्श वास्तव में बोस्टन में एक पादरी थे जो जॉन और अबीगैल एडम्स के अच्छे दोस्त थे, और वह उस समय जॉन हेगेलिन के सहयोगी भी थे। मैंने अहतुन रे से पूछा कि उस समय नील का क्या नाम था। अहतुन रे को सूचित किया गया

नील को रेवरेंड वाल्टर के नाम से जाना जाता था और वह एक सदस्य था
फ्रीमेसन के, जिन्होंने एंग्लिकन मुद्दे का भी समर्थन किया।

रेवरेंड वाल्टर इतिहास की किताबों में नहीं हैं, लेकिन मैं उन्हें न्यू इंग्लैंड वंशावली और ऐतिहासिक सोसायटी (एनईजीएचएस) के माध्यम से ढूंढने में सक्षम था। हार्वर्ड विश्वविद्यालय से एक जीवनी भी उपलब्ध है जो इस बात की पुष्टि करती है कि वह एक फ्रीमेसन थे। बाद में जॉन एडम्स की डायरियों की खोज से पता चला कि वाल्टर नाम का केवल एक पुजारी एडम्स परिवार को जानता था। पादरी विलियम वाल्टर थे, जिनका जन्म 7 अक्टूबर 1737 को हुआ था। वाल्टर को लंदन के बिशप द्वारा इंग्लैंड में पादरी के रूप में अपना लाइसेंस प्राप्त हुआ था। रेवरेंड वाल्टर फिर बोस्टन लौट आए और जुलाई 1764 में ट्रिनिटी चर्च में मंत्रालय में शामिल हो गए। 4 अप्रैल, 1768 को वाल्टर को ट्रिनिटी का चांसलर चुना गया।

पादरी विलियम वाल्टर से संबंधित जॉन एडम्स की डायरियाँ, दिनांक 24 मई, 1773, नीचे संलग्न हैं। रिकॉर्ड में दो अन्य व्यक्तियों, कर्नल और मेजर ओटिस का भी उल्लेख है, जो पिता और पुत्र थे। बेटा, मेजर ओटिस, जेम्स ओटिस को संदर्भित करता है, जिसे उसके वर्तमान जीवन में जॉन हेगेलिन के रूप में पहचाना गया है। आइए अब जॉन एडम्स के नोट्स पर नजर डालें। मैंने स्पष्टता के लिए पात्रों की वर्तमान पहचान को कोष्ठक में रखा है।

जॉन एडम्स ने लिखा:

सैंडविच के पार्सन विलियम के साथ व्हीलराइट्स में शाम बिताई... विलियम्स ने पूरी रात कर्नल ओटिस और उनके बेटे मेजर (जॉन हेगेलिन) के बारे में कहानियाँ सुनाते हुए बिताई।

मेजर (जॉन हेगेलिन) लेफ्टिनेंट कर्नल का असाइनमेंट लेटर प्राप्त करने के लिए, सरकार के मित्र के रूप में गवर्नर के सामने अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए पार्सन वाल्टर (नीले डोनाल्ड वाल्श) को काम पर रखता है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

मेजर (जॉन हेगेलिन) ने अपने मैन्युफैक्चरिंग हाउस में लिबर्टी लिखी है... कर्नल ओटिस आम लोगों की बड़ी सभा को पढ़ते हैं, एलन लिबर्टी की सुंदरता के बारे में बोलते हैं और इसे एक उत्कृष्ट कृति के रूप में अनुशंसित करते हैं।1

ध्यान दें कि मेजर जेम्स ओटिस/जॉन हेगेलिन ने ब्रिटिश साम्राज्य सरकार के भीतर उच्च सैन्य रैंक हासिल करने के लिए पार्सन वाल्टर/नीले डोनाल्ड वाल्श की मदद ली थी।

कृपया याद रखें कि यह घटना अमेरिकी क्रांति से पहले हुई थी और कई देशभक्त नेताओं ने स्वतंत्रता की घोषणा से पहले ब्रिटिश व्यवस्था में नेतृत्वकारी भूमिकाओं में काम किया था।

धार्मिक नेता और पादरी समुदाय के नेता हैं, और यही कारण है कि रेवरेंड विलियम वाल्टर/नीले डोनाल्ड वाल्श जेम्स ओटिस/जॉन हेगेलिन को सरकार में अधिक प्रभाव हासिल करने में मदद करने की स्थिति में हैं।

यह भी ध्यान दें कि यह स्थिति हेगेलिन और वाल्श से जुड़ी वर्तमान घटनाओं के समान है। 2000 के राष्ट्रपति अभियान के हिस्से के रूप में, हेगेलिन ने वाल्श को धन उगाहने वाली सहायता के रूप में इस्तेमाल किया, जैसे ओटिस ने लेफ्टिनेंट कर्नल के पद के लिए अपने अभियान में रेवरेंड वाल्टर का इस्तेमाल किया था। इसलिए यहां हम जॉन हेगेलिन और नील डोनाल्ड वाल्श के बीच एक कार्मिक संबंध प्राप्त करने में सफल हुए हैं, यदि प्रस्तावित अतीत की पहचान वैध है।

रेवरेंड वाल्टर ने बीच में तटस्थ रवैया बनाए रखने की कोशिश की उनकी मण्डली में वफादार और क्रांतिकारी। इस प्रकार, कोई अप्रत्याशित घटना घटित होने तक वाल्टर देशभक्तों और वफादारों दोनों के संपर्क में रहता है। फरवरी 1776 में, जब पेन का सामान्य ज्ञान हलचल पैदा कर रहा था, रेवरेंड वाल्टर पर पैट्रियट सेना में चेचक फैलाने का आरोप लगाया गया था।

उस समय चेचक के टीके का आविष्कार नया ही हुआ था, लेकिन इस बात पर बहुत विवाद था कि क्या यह इलाज से ज्यादा नुकसान पहुंचाता है।

जिन लोगों को टीका लगाया गया है वे समय के साथ दूसरों में बीमारी फैला सकते हैं, इसलिए जो लोग

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनूदित

टीका लगाए गए व्यक्ति को अस्थायी संगरोध में प्रवेश करना होगा।

जो घटना सामने आई उसमें एक छोटा बच्चा शामिल था जिसने रेवरेंड पर आरोप लगाया था वाल्टर पर उस पर जबरन टीका लगाने का आरोप लगाया। लड़के का दावा है कि रेवरेंड वाल्टर ने उसे पैट्रियट आर्मी बेस पर जाने के लिए कहा जहां लड़के को चेचक हो गया था। इससे देशभक्तों को बीमारी होने का खतरा है। हालाँकि यह कल्पना करना कठिन है कि यह कहानी सटीक है, कुछ बोसोनियन लोग इस कहानी को स्वीकार करते हैं और वाल्टर पर देशभक्तों के भीतर चेचक फैलाने की कोशिश करने का आरोप लगाते हैं। उन्होंने उसे वफादार और गद्दार करार दिया। परिणामस्वरूप, रेवरेंड वाल्टर के घर में तोड़फोड़ की गई और उन्हें 1776 में इंग्लैंड में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

1777 के वसंत में, जब क्रांतिकारी युद्ध चल रहा था, वाल्टर न्यूयॉर्क लौट आए, और उन्हें तीसरी अंग्रेजी बटालियन का पादरी नियुक्त किया गया। इस क्षमता में, रेवरेंड वाल्टर अक्सर उन देशभक्तों की देखभाल करते थे जो युद्धबंदी थे। एक जीवनी लेखक ने लिखा है कि "वाल्टर देशभक्त बंदियों के प्रति दयालु होने के लिए प्रसिद्ध थे"2। देशभक्त कैदियों के लिए यह सेवा अहतुन रे के कथन के अनुरूप है कि वाल्श ने क्रांतिकारियों को सुरक्षा और सहायता प्रदान की थी। यह भी दिलचस्प है कि रेवरेंड वाल्टर ने जेल के कैदियों से भी मुलाकात की, क्योंकि नील डोनाल्ड वाल्श ने आज जेल के कैदियों को किताबें उपलब्ध कराने के लिए एक विशेष कार्यक्रम बनाया था। इसलिए, विलियम वाल्टर और नील डोनाल्ड वाल्श दोनों का जेल के कैदियों की सेवा करने का एक समान इतिहास है।

दिसंबर 1783 में, रेवरेंड वाल्टर इंग्लैंड लौट आए और जुलाई 1784 में लंदन में उनका स्वागत करने के लिए वह अबीगैल एडम्स से मिलने गए। अबीगैल हाल ही में अपने पति जॉन से मिलने पहुंची थीं, जो ब्रिटेन में अमेरिकी मंत्री के रूप में कार्यरत थे। यह यात्रा क्रांतिकारी युग के दौरान विलियम वाल्टर/नीले डोनाल्ड वाल्श और अबीगैल एडम्स/मैरिएन विलियमसन के बीच एक कार्मिक संबंध को प्रदर्शित करती है।

जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, वर्तमान समय में, मैरिएन विलियमसन ने इसकी स्थापना की है वाल्श के साथ वैश्विक पुनर्जागरण गठबंधन जिसे सह-संस्थापक कहा जाता है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जुलाई और अगस्त 1787 में, रेवरेंड वाल्टर बोस्टन लौट आए और उन्हें एक एंग्लिकन चर्च में प्रचार करने के लिए आमंत्रित किया गया, जो इंग्लैंड के चर्च से आया था।

इंग्लैंड में अपने निर्वासन से पहले, वाल्टर को अमेरिका में एंग्लिकन सूबा की स्थापना का समर्थन करने के लिए जाना जाता था, जिससे स्वतंत्रता-उन्मुख अमेरिकियों में नाराजगी थी।

एंग्लिकन चर्चों के साथ उनकी संगति और एंग्लिकन बिशप के रूप में उनका व्यवसाय अहतुन रे के कथन के अनुरूप है कि वाल्श ने क्रांतिकारी युग में अपने जीवन के दौरान एंग्लिकन मिशन का समर्थन किया था। यह भी ध्यान दिया जाता है कि रेवरेंड वाल्टर एक फ्रीमेसन थे और मेसन कार्यक्रमों में उपदेश देते थे। एक पर्यवेक्षक ने लिखा, "डॉ. वाल्टर एक कट्टर मेसन थे क्योंकि उन्होंने संगठन का उद्देश्य मानव जाति के लिए प्रेम विकसित करना देखा था।

इंग्लैंड से लौटने के बाद जैसे-जैसे साल बीतते गए, बोस्टन के निवासियों को रेवरेंड वाल्टर वापस मिल गए और समय के साथ, उन्हें बोस्टन में क्राइस्ट चर्च का चांसलर नियुक्त किया गया।

रेवरेंड वाल्टर कैम्ब्रिज के क्राइस्ट चर्च में भी अक्सर प्रचार करते थे। 5 दिसंबर, 1800 को उनकी मृत्यु हो गई और उन्हें मेसोनिक सम्मान के साथ क्राइस्ट चर्च के नीचे एक पारिवारिक कब्रगाह में दफनाया गया। विलियम वाल्टर के सम्मान में ट्रिनिटी चर्च के भीतर एक स्मारक खिड़की बनाई गई थी। पादरी वाल्टर सात बच्चों को छोड़ गए।

ऐतिहासिक विवरणों के अलावा जो अहतुन रे के लिए उपयुक्त हैं क्रांतिकारी युग में वाल्श का वर्णन और अबीगैल एडम्स/मैरिएन विलियमसन और जेम्स ओटिस/जॉन हेगेलिन के साथ कार्मिक संबंध, रेवरेंड वाल्टर और वाल्श के बीच समानताएं और चरित्र लक्षण देखे जाते हैं।

उदाहरण के लिए, मुझे बताया गया कि वॉल्श को सार्वजनिक स्थानों पर रहना और अच्छे कपड़े पहनना पसंद है। वॉल्श ने स्वयं इस पर अपने अहंकार का सार्वजनिक रूप से मजाक उड़ाया था। जॉन हेगेलिन के लिए आयोजित धन उगाहने वाले कार्यक्रमों में, वॉल्श ने बताया कि जब वह दूर थे

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

एक वयस्क के रूप में उसकी सबसे बड़ी चिंता उसके "बाल" और हेयर स्टाइल है।
यह इस बात के अनुरूप है कि बोस्टन में महिलाएं रेवरेंड वाल्टर को कैसे याद करती हैं। इनमें से एक महिला ने कहा:

डॉ. वाल्टर बहुत सुन्दर, लम्बे और सुगठित व्यक्ति थे।
जब वह सड़क पर होता है, तो वह अपने पुरोहिती वस्त्र के ऊपर नीले कपड़े का एक लंबा कोट पहनता है; एक पूर्ण-बूट वाला विग**, साफ़ और कड़ा; एक त्रिकोणीय टोपी; काले रेशमी पतलून के साथ बढ़िया सामग्री की काली घुटने की टोपियाँ; और एक चौकोर जूता, चाँदी के बकल के साथ

वाल्श, जैसा कि मैं समझता हूं, अच्छे जूते पहनना भी पसंद करते हैं।
वाल्श एक पूर्व अभिनेता और रेडियो व्यक्तित्व भी हैं। ये भूमिकाएँ पादरी वाल्टर के संबंध में दिए गए कथनों पर भी अच्छी तरह फिट बैठती हैं: "उनका सारा ध्यान कपड़ों, पार्टियों, बैठकों और नाटकों पर था;"5 "उनकी आवाज़ संगीत की तरह स्पष्ट थी, और स्वर भी अच्छा था।" 6

वॉल्श ने अपनी पत्नी नैन्सी के प्रति बहुत प्यार और भावना दिखाई।
यह उन शब्दों से स्पष्ट होता है जो वह अपनी पत्नी का वर्णन करने के लिए उपयोग करता है
उनकी पुस्तकों का परिचय.
उदाहरण के लिए, कन्वर्सेशन्स विद गॉड, पुस्तक 3 में, वाल्श लिखते हैं:

इसके बाद, मैं अपनी अद्भुत जीवन साथी नैन्सी की सराहना और धन्यवाद करना चाहूंगा, जिन्हें यह पुस्तक समर्पित है।
जब मैं नैन्सी के बारे में सोचता हूं, तो मेरे कृतज्ञता और धन्यवाद के शब्द उसके कार्यों के सामने निरर्थक लगते हैं, और मैं निराश महसूस करता हूं कि मुझे यह व्यक्त करने का कोई तरीका नहीं मिल रहा है कि वह कितनी अद्भुत है। ये तो मैं ही जानता हूं. इसके बिना मेरा काम संभव नहीं होगा.

यह प्यार भरा रिश्ता रिश्ते के अनुरूप है
रेवरेंड वाल्टर अपनी पत्नी लिडिया लिंडे के साथ, जिनसे उन्होंने 30 को शादी की थी

** विग का यह मॉडल अक्सर ब्रिटिश सिविल सेवकों, बालों द्वारा उपयोग किया जाता है
एक लंबा नकली जो नीचे की ओर मुड़ा हुआ होता है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

सितंबर 1766। जब मैंने रेवरेंड वाल्टर के बारे में पढ़ा तो मुझे सबसे ज्यादा आश्चर्य तब हुआ जब उन्होंने 1789 में अपनी प्यारी पत्नी को खो दिया था। यह उल्लेखनीय है कि वाल्टर अपने अंतिम संस्कार में उपदेश को मुश्किल से पूरा कर पाए थे।

एक पर्यवेक्षक ने कहा, "अपनी पत्नी को समर्पित अंतिम संस्कार का उपदेश लगभग उसके आंसुओं में डूब गया।"7 अपनी पत्नी के लिए रेवरेंड वाल्टर की भावनाओं की गहराई वाल्श के नैन्सी के प्रति गहरे प्रेम में परिलक्षित होती है।

पादरी वाल्टर और वाल्श के बीच एक और समानता यह है कि उन दोनों ने अत्यधिक लोकप्रिय आध्यात्मिक और आध्यात्मिक कार्य किए। निःसंदेह, वॉल्श ने कन्वर्सेशन्स विद गॉड श्रृंखला लिखी है, जिसकी लाखों में बिक्री हुई है। इसी तरह, रेवरेंड वाल्टर ने प्रमुख उपदेश दिए जिनमें आध्यात्मिक गुणवत्ता थी।

पादरी वाल्टर के बारे में निम्नलिखित उद्धरण इस बात को स्पष्ट करते हैं।
"इस युवा उपदेश की लोकप्रियता आश्चर्यजनक है।"8 वाल्टर के एक उपदेश के संबंध में, एक श्रोता ने लिखा, "आध्यात्मिक, लेकिन अच्छी तरह से बोला गया और स्थिति के अनुकूल।"9

सबसे विशेष रूप से, 18वीं शताब्दी में रेवरेंड वाल्टर ने दिया था
अलौकिक लोगों के संदर्भ से जुड़े उपदेश। इस अंक की विषयवस्तु इसकी सामग्री के अनुरूप है

भगवान के साथ बातचीत, पुस्तक 3 जिसमें वाल्श "अत्यधिक विकसित प्राणियों" के बारे में लिखते हैं जो अलौकिक (ईटी) प्राणी हैं।
वाल्श ने लिखा है कि ये अत्यधिक विकसित जीव विकासवादी पैमाने पर मनुष्यों की तुलना में महान और अधिक उन्नत थे।
आइए हम 18वीं शताब्दी में लिखे गए रेवरेंड विलियम वाल्टर के शब्दों पर विचार करें, जब उन्होंने ईश्वर को ब्रह्मांड बनाने का वर्णन किया था, जिसमें ग्रहों पर जीवित चीजें थीं और बुद्धि के विभिन्न स्तर थे।

उसने कहा, और देखो! सूर्य जो महान सभा में इतनी चमक से प्रकट होते हैं, अचानक प्रकट होते हैं; हर्शेल या न्यूटन की नज़र में जो सूर्य...गिने नहीं जा सकते: वह शासन करता है, और देखता है! सूर्य ग्रहों और उनके उपग्रहों से घिरा हुआ है, जो शारीरिक आत्माओं के निवास के लिए तैयार हैं। ये असंभव नहीं है

Machine Translated by Google

अनगिनत दुनिया के निवासी जो अपनी केंद्रीय अग्नि के चारों ओर अंतहीन रूप से घूमते रहते हैं, सौर मंडल के बाहर एक सौर मंडल बनाते हैं, जो बुद्धि के विभिन्न स्तरों और खुशी प्राप्त करने के विभिन्न तरीकों से संपन्न होते हैं, यही कारण है कि उनकी रचना की गई थी।10

तो रेवरेंड विलियम वाल्टर प्राणियों के बारे में बात कर रहे थे जो दूसरे ग्रहों पर रहते हैं, उनमें से प्रत्येक का खुशी प्राप्त करने का अपना तरीका है। यह बुद्धिमान अलौकिक प्राणियों के बारे में वाल्श के संदेश के अनुरूप है जो अपने तरीके से विकसित हुए हैं।

संक्षेप में, अहतुन रे जो जानकारी प्रदान करता है ऐसा प्रतीत होता है कि नील डोनाल्ड वाल्श के पिछले जीवन की पहचान रेवरेंड विलियम वाल्टर के व्यक्तित्व से हुई थी। इसके अलावा, विलियम वाल्टर और जेम्स ओटिस/जॉन हेगेलिन और अबीगैल एडम्स/मैरिएन विलियम्स के बीच एक कार्मिक संबंध मैच मौजूद है।

बौद्धिक गुणों और रुचियों की विशेषताएँ भी सुसंगत प्रतीत होती हैं। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, चेहरे का आकार भी उपयुक्त है, खासकर आंख और माथे के क्षेत्र में। इन सभी कारणों से, ऐसा लगता है कि नील डोनाल्ड वाल्श वास्तव में रेवरेंड थे

पिछले जन्म में विलियम वाल्टर। अहतुन रे ने नील की पत्नी नैन्सी की पहचान लिडिया लिंडे के रूप में की, जिसे विलियम वाल्टर बहुत प्यार करते थे। तो, हम देखते हैं, यह प्रेम कहानी जारी है।

अंत में, चार्ल्स थॉमसन/राल्फ नादर, डेविड रिटनहाउस/कार्ल सागन और रेवरेंड विलियम वाल्टर के तीन मामले बताते हैं कि अहतुन रे पिछले जीवन से मेल खाने में सक्षम हैं। ये तीन मामले मेरे लिए बहुत ठोस हैं, लेकिन वाल्टर/वाल्श मामला सबसे सार्थक है, क्योंकि अहतुन रे एक व्यक्ति, रेवरेंड विलियम वाल्टर के बारे में बहुत विशिष्ट जानकारी प्रदान करता है, जो इतिहास की किताबों में सूचीबद्ध नहीं है, हालांकि व्यापक शोध के बाद, अहतुन रे ने इस मामले के बारे में जो कुछ भी कहा, उसकी पुष्टि की जा सकती है। इसके अलावा, जब मैंने इस पुनर्जन्म मामले पर नील डोनाल्ड वॉल्श को जानकारी भेजी और मैंने कहा कि मैंने तर्क दिया कि पिछले जन्म में, वह रेवरेंड विलियम वाल्टर थे,

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

कि उनकी सबसे अच्छी दोस्त मैरिएन विलियमसन अबीगैल एडम्स थीं और जॉन हेगेलिन जेम्स ओटिस नाम के एक बोस्टन रिवोल्यूशनरी थे, नील डोनाल्ड वाल्श ने मुझे फोन किया और कहा, "मुझे लगता है कि यहां कुछ है।" निएले बाद में रेवरेंड विलियम वाल्टर के पुनर्जन्म के रूप में रिटर्न ऑफ रिवोल्यूशनरीज़ में शामिल होने के लिए सहमत हुए। कन्वर्सेशन्स विद गॉड के मालिक की ओर से, मुझे एक मान्यता प्राप्त अनुभव के रूप में उनकी स्वीकृति प्राप्त है।

Machine Translated by Google

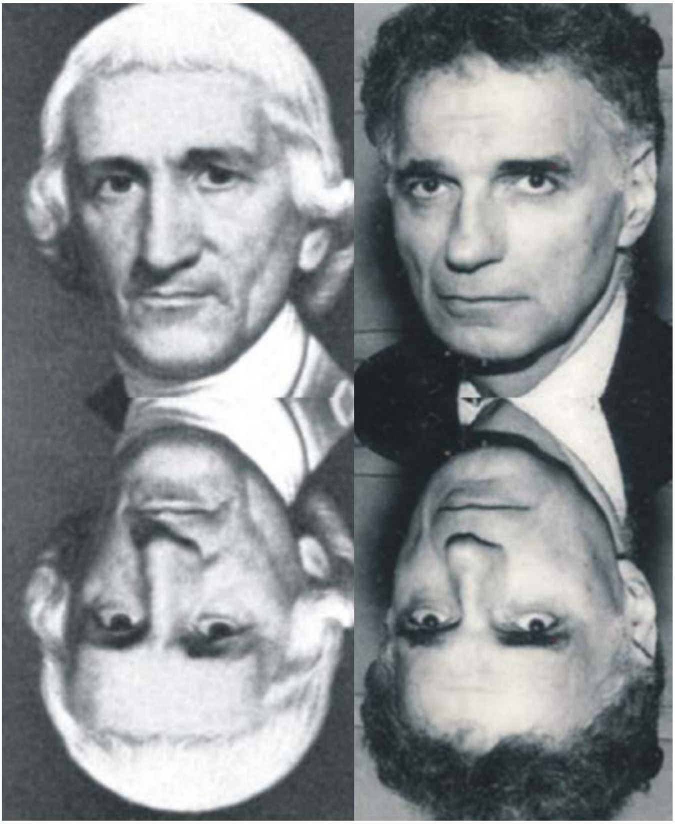

श्रीमती पॉल बार्टलेट के संग्रह से

चार्ल्स थॉमसन

फोटो बेवर्ली एन द्वारा

राल्फ नादर

जब डॉ. सेमकीव ने शर्ली मैकलेन की तीन पुस्तकों में चित्रित एक ट्रान्स माध्यम केविन रायर्सन के माध्यम से संचार करने वाले एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक अहतुन रे से पूछा कि अमेरिकी क्रांति के दौरान राल्फ नादर कौन थे, अहतुन रे कहते हैं कि नादेर एक महाद्वीपीय थे

थॉमसन नाम के कांग्रेस नेता. शोध से पता चला है कि चार्ल्स थॉमसन कांग्रेस के सचिव थे और उनके चेहरे की विशेषताएं और व्यक्तित्व लक्षण बिल्कुल नादेर के समान थे। इस मामले ने डॉ. सेमकिव को अहतुन रे पर गंभीरता से प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया।

Machine Translated by Google

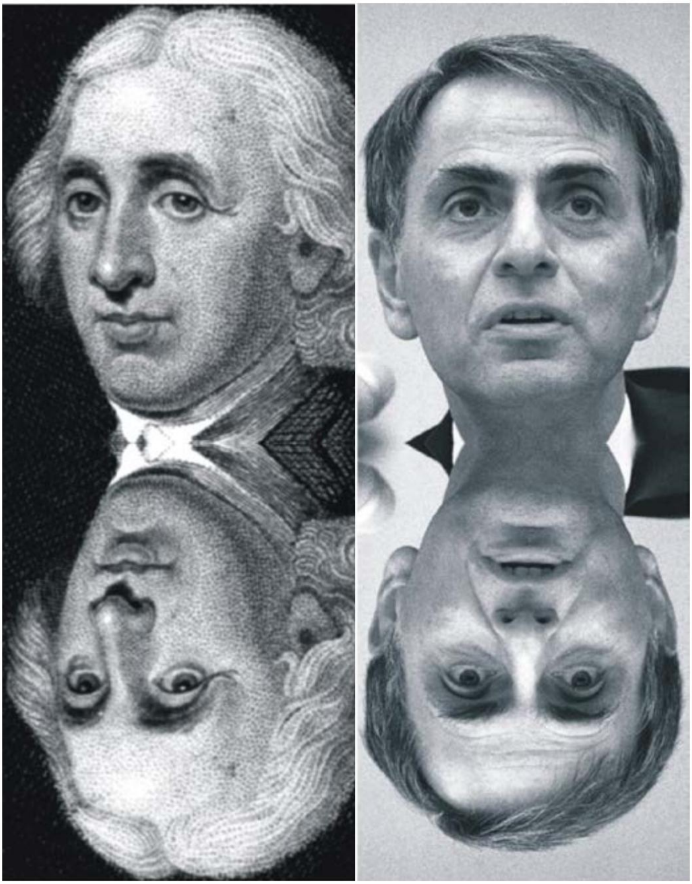

एडवर्ड का योगदान
सैवेज, डेविड रिटनहाउस, एलएलडी, एफआरएस,
येल विश्वविद्यालय, आर्ट गैलरी, माबेल

विवरण © बेटमैन/कॉर्बिस

डेविड रिटनहाउस

कार्ल सैगन

डेविड रिटेनहाउस, जो एक अमेरिकी क्रांतिकारी थे, ने अमेरिका की पहली दूरबीन और तारामंडल का अग्रदूत बनाया, जो हमारे सौर मंडल का सटीक चित्रण करता है।

उनका पुनर्जन्म खगोलशास्त्री कार्ल सागन के रूप में हुआ था।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

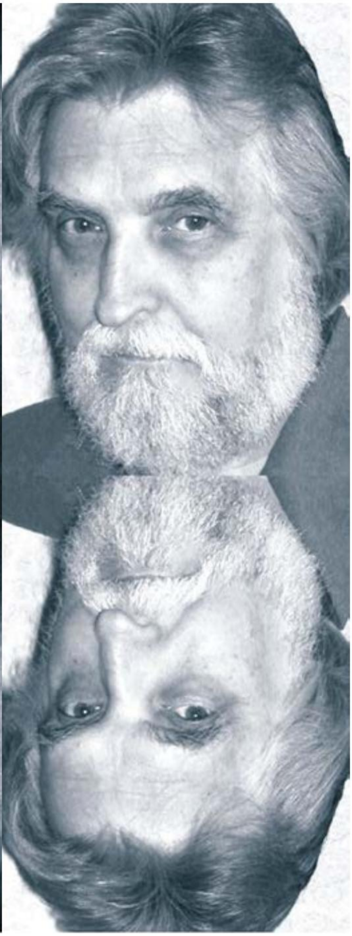

विवरण, वर्जीनिया हिस्टोरिकल सोसायटी,
रिचमंड, वर्जीनिया

फोटो वाल्टर सेमकिव द्वारा

रेवरेंड विलियम वाल्टर

नील डोनाल्ड वाल्श

"कन्वर्सेशन विद गॉड" के लेखक वाल्श, पुस्तक में पादरी वाल्टर के पुनर्जन्म के रूप में प्रदर्शित होने के लिए सहमत हुए

"क्रांतिकारियों की वापसी"। यह मामला नाटकीय रूप से अहतुन रे की पिछले जीवन की पहचान बनाने की क्षमता को प्रदर्शित करता है

मेल खाता है.

Machine Translated by Google

12

जॉर्ज डब्ल्यू बुश, बिल क्लिंटन और अल गोर का पुनर्जन्म मामला; यहाँ ज़ेनोग्लॉसी घटना है

मैं क्रांति के केवल कुछ ही मामले प्रस्तुत करूंगा

अमेरिका शायद दिलचस्प होगा. इन मामलों की अधिक गहन चर्चा रिटर्न ऑफ़ रिवोल्यूशनरीज़ में पाई जा सकती है।

चूंकि जॉर्ज डब्ल्यू बुश संयुक्त राज्य अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति हैं, इसलिए उनके मामले पर अधिक विस्तार से चर्चा की जाएगी। हालाँकि जॉर्ज डब्ल्यू बुश, बिल क्लिंटन और अल गोर के सभी मामलों की पुष्टि केविन रायर्सन के गुरु, अहतुन रे द्वारा की गई है, लेकिन वे सभी शुरू में सहज मार्गदर्शन के माध्यम से सामने आए थे। इस बिंदु पर, मैं एक उदाहरण प्रस्तुत करना चाहता हूं कि सहज ज्ञान युक्त मार्गदर्शिकाएँ कितनी उपयोगी हो सकती हैं।

इस उदाहरण में, ज़ेनोग्लॉसी का एक मामला, जिसमें एक व्यक्ति ऐसी भाषा बोल सकता है जो उसने पहले नहीं सीखी है, सहज आध्यात्मिक मार्गदर्शन के माध्यम से खोजा गया है।

इस कहानी में मेरा सबसे अच्छा दोस्त, इगोर शॉकेटमैन शामिल है, जो एक रूसी पियानोवादक है, मेरी मुलाकात सैन फ्रांसिस्को में हुई थी। जॉन एडम्स के रूप में अपने पिछले जीवन पर शोध के आरंभ में, शारीरिक उपस्थिति, व्यक्तित्व लक्षणों और रुचियों में समानता के आधार पर, मैं एक परिकल्पना पर पहुंचा कि इगोर जॉन एडम्स को ज्ञात फ्रांसीसी अदालत का सदस्य था। फिर, अहतुन रे ने इगोर और फ्रांसीसी की पहचान की पुष्टि की। हालाँकि, मैंने यह पहचान गुप्त रखी क्योंकि इगोर नास्तिक था। अतीत में, जब भी मैंने इगोर को पुनर्जन्म के सिद्धांतों के बारे में बताया, मुझे लगा कि वह मुझ पर हंस रहा था और किसी बात पर विश्वास नहीं कर रहा था।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

कोई भी शब्द। इस वजह से, मैंने उनसे पुनर्जन्म के बारे में चर्चा न करना सीख लिया।

एक रात, मैं इगोर की रसोई में उसके और इगोर की प्रेमिका होली के साथ बैठा था। होली और इगोर छह महीने से एक साथ हैं।

इगोर अक्सर होली के बारे में बात करता है, लेकिन मैं उसे अक्सर नहीं देख पाता, क्योंकि वह एक अलग शहर, सिएटल में रहता है, जहां वह गणित में मास्टर डिग्री के लिए अध्ययन कर रहा है। जब मैं इगोर की रसोई में बैठा था, अचानक, कहीं से, मुझे एक मजबूत अंतर्ज्ञान, एक टेलीपैथिक संदेश मिला। मेरे अंदर से एक आवाज आई, "उन्हें अभी बताओ, उन्हें अभी बताओ।" इससे मुझे आश्चर्य हुआ, क्योंकि मैं अक्सर ऐसे कड़े शब्दों के रूप में संदेश सुनने का आदी नहीं हूं। दरअसल, ऐसा लग रहा था कि संदेश मेरे बाहर से आ रहा है।

मुझे तुरंत एहसास हुआ कि आवाज इगोर के बारे में पिछली जानकारी का जिक्र कर रही थी, लेकिन मैं इगोर की पिछली पहचान का खुलासा नहीं करने पर अड़ा रहा। मैंने आंतरिक आवाज या मार्गदर्शक आत्मा के साथ बहस करने की भी कोशिश की, जो भी हो, और मैंने चुपचाप सोचा, आवाज से प्रतिक्रिया सुनने की उम्मीद करते हुए, "मैं आपको एक फ्रांसीसी के रूप में इगोर के पिछले जीवन के बारे में क्यों बताऊं?"

सबसे पहले, इगोर इस पर कभी विश्वास नहीं करेगा। दूसरा, मैं उसे एक साल पहले बता सकता था, अब मैं उसे क्यों बताऊं?"

मेरे मन में उठे सवालों का कोई जवाब नहीं मिला.

हालाँकि पहले तो मैं अनिच्छुक था, फिर भी मैंने सोचा कि यह घटना, पहले टेलीपैथिक संदेश के साथ, इतनी अजीब और शक्तिशाली थी कि मुझे इसे नज़रअंदाज नहीं करना चाहिए था।

इसे ध्यान में रखते हुए, मैंने इगोर और होली से ज़ोर से कहा, "इगोर, क्या तुम्हें जॉन एडम्स के संबंध में मेरे द्वारा किए गए पुनर्जन्म अनुसंधान के बारे में याद है? ठीक है, मेरा मानना है कि अमेरिकी क्रांति के दौरान, आप एक फ्रांसीसी व्यक्ति थे जिसे जॉन एडम्स जानते थे और जब एडम्स राज्य सचिव के रूप में पेरिस में थे, तब उन्होंने आपके साथ काम किया था।" इस बिंदु पर, मुझे उम्मीद थी कि इगोर इस जानकारी पर जोर से हंसेंगे, लेकिन इसके बजाय, क्या घटित

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अगले ने वास्तव में मुझे प्रभावित किया। होली, इगोर की प्रेमिका ने कहा, "यह वास्तव में अजीब है, क्योंकि अपनी नींद में इगोर फ्रेंच में बात करता है!"

इगोर ने बाद में स्वीकार किया कि यह सच था; उन्हें कई बार बताया गया था कि वह नींद में फ्रेंच भाषा बोलते हैं, हालाँकि जब वह जागते थे तो वह फ्रेंच नहीं बोल पाते थे। इगोर रूसी हैं और उन्होंने कभी फ्रेंच भाषा का अध्ययन नहीं किया है। पुनर्जन्म अनुसंधान में, ऐसी भाषा में बोलने की घटना जिसका पहले कभी अध्ययन नहीं किया गया है, "ज़ेनोग्लॉसी" कहलाती है। ज़ेनोग्लॉसी एक बहुत ही दुर्लभ घटना है जिसके बारे में माना जाता है कि यह पिछले जीवन के ज्ञान को वर्तमान अवतार में प्रवाहित करता है। याद करें कि रेखाचित्र दिखाते हैं कि कैसे पीटर टेकैम्प कम उम्र में गौगुइन के कलात्मक विकास को फिर से बनाने में सक्षम थे। कोई ज़ेनोग्लॉसी की कल्पना कर सकता है

एक ऐसी ही घटना के रूप में, जिसमें किसी भाषा का ज्ञान पिछले जन्मों से अनजाने में प्राप्त किया जाता है। इगोर के मामले में, वह ज़ेनोग्लॉसी का एक प्रकार प्रदर्शित करता है, जिसमें वह फ्रेंच बोल सकता है, एक ऐसी भाषा जो उसने कभी नहीं सीखी है, लेकिन केवल अपनी नींद की अवस्था में।

ज़ेनोग्लॉसी की दुर्लभता को देखते हुए, इगोर की रसोई में हुई घटना ने यह साबित करने में मदद की कि मैं अपनी परिकल्पना में सही रास्ते पर था कि इगोर एक फ्रांसीसी व्यक्ति था जिसे जॉन एडम्स जानता था। मुझे यह भी एहसास हुआ कि अंतर्ज्ञान, या टेलीपैथिक संदेश, जिसने मुझे होली की उपस्थिति में फ्रांस के पिछले जीवन के बारे में इस जानकारी पर चर्चा करने के लिए प्रेरित किया, वह इतनी उपयुक्त थी कि वह ही थी जो यह बताएगी कि इगोर अपनी नींद में फ्रेंच बोल रहा था, क्योंकि मुझे इस पर विश्वास नहीं था। इस तरह की चीज़ों के बारे में अपने संशयपूर्ण दृष्टिकोण को देखते हुए, इगोर ने स्वयं मुझे यह जानकारी प्रदान करने के लिए स्वेच्छा से काम किया।

उसी तरह, बुश, क्लिंटन और गोर से जुड़े पुनर्जन्म के मामलों को सहज मार्गदर्शन के माध्यम से हल किया जा सकता है।
2000 या उसके आसपास, केविन रायर्सन से मिलने से पहले, मैं एक क्रांतिकारी के रूप में जॉन हेगेलिन के लिए किए गए मैच पर विचार कर रहा था।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अमेरिका, जेम्स ओटिस। महर्षि महेश योगी के अनुयायी हेगेलिन, महर्षि महेश योगी द्वारा समर्थित संगठन नेचुरल लॉ पार्टी के तहत संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। मैंने मन में सोचा, यदि जेम्स ओटिस का पुनर्जन्म हुआ और वह राष्ट्रपति पद के लिए दौड़े, तो शायद अन्य अमेरिकी क्रांतिकारियों का भी पुनर्जन्म हुआ और वे भी राजनीति में सक्रिय हुए।

जैसे ही मैंने इस संभावना पर विचार किया, एक अप्रत्याशित सुराग आया बिल क्लिंटन के संबंध में मेरे मन में, "रैंडोल्फ़्स में खोजें"। मुझे एहसास हुआ कि सहज आवाज थॉमस जेफरसन के पूर्वजों, वर्जीनिया के रैंडोल्फ परिवार को संदर्भित करती है।

मैंने तुरंत अपने कंप्यूटर पर एक विश्वकोश की खोज की और पीटन रैंडोल्फ को पाया, जो दिखने और व्यक्तित्व में बिल क्लिंटन से मेल खाता था।

पीटन की नाक की नोक का आकार भी गेंद जैसा है जो क्लिंटन की पहचान है।

जब मैं जॉर्ज डब्लू. बुश और अल गोर के बारे में सोचता हूं, तो मुझे जॉर्ज वाशिंगटन और उनके जनरलों के बारे में एक हरी किताब देखने के लिए एक बहुत ही विशिष्ट सहज मार्गदर्शन मिलता है जिसे मैंने शेल्फ पर रखा है।
जैसे ही मैंने किताब पढ़ी, मुझे तुरंत पता चला कि बुश की डैनियल मॉर्गन से काफी समानताएं थीं, जिन्होंने कॉन्टिनेंटल रेंजर्स का नेतृत्व किया था, जो पैट्रियट सेना के भीतर एक इकाई थी जो विशेष बल इकाई के बराबर थी। अल गोर की जनरल होरेशियो गेट्स से गहरी समानता है। बाद में, जब मैंने केविन रायर्सन के साथ काम करना शुरू किया, तो अहतुन रे ने क्लिंटन, बुश और गोर से इन जोड़ियों की पुष्टि की। आइए अब हम डेनियल मॉर्गन/जॉर्ज डब्लू. बुश और होरेशियो गेट्स/अल गोर के पुनर्जन्म के मामलों की समीक्षा करें, जो आपस में घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं। गेट्स और मॉर्गन का पिछले जीवन का घनिष्ठ संबंध दिलचस्प है, यह देखते हुए कि बुश और गोर 2000 के राष्ट्रपति चुनाव में एक-दूसरे के खिलाफ गए थे।

आइए सबसे पहले गेट्स/गोर मामले पर चर्चा करें। होने के अलावा चेहरे की बनावट लगभग समान है, होरेशियो गेट्स और अल्बर्ट गोर के व्यक्तिगत गुण भी समान हैं। जैसा

Machine Translated by Google

उदाहरण के लिए, दोनों की प्रतिष्ठा आयोजकों और टेक्नोक्रेट के रूप में है।

होरेशियो गेट्स सेना को युद्ध के लिए तैयार करने में माहिर हैं। वह एक पेशेवर सैनिक था, जिसे एक इतिहासकार ने "सैन्य संगठनकर्ता के रूप में एक दुर्लभ क्षमता" के रूप में वर्णित किया है।1 गेट्स, कई अवसरों पर, अनुशासनहीन और हतोत्साहित सैनिकों को ऐसी लड़ाकू इकाइयों में बदल सकते थे जिनकी ब्रिटेन भी प्रशंसा करता था। यह महत्वपूर्ण था, क्योंकि अंग्रेज़ अमेरिकी सैनिकों को महज़ नौसिखिया मानते थे, जो कई मायनों में वे थे। कॉन्टिनेंटल कांग्रेस ने भी होरेशियो गेट्स की प्रशासनिक क्षमताओं को मान्यता दी और गेट्स को अंततः युद्ध बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया गया, जिससे तकनीकी रूप से गेट्स जॉर्ज वाशिंगटन से ऊंचे पद पर आसीन हो गये।

हालाँकि गेट्स सैन्य अनुशासन के प्रवर्तक थे, फिर भी उन्हें आम सैनिकों की गहरी परवाह थी। शायद यह भारतीय और फ्रांसीसी युद्धों के दौरान एक लड़ाई से उत्पन्न हुआ था, जिसमें गेट्स राइफल की गोली से घायल हो गए थे; एक पैदल सैनिक ने उसकी जान बचाते हुए उसे युद्ध के मैदान से खींच लिया। जनरल गेट्स ने हमेशा यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि उनके सैनिकों को पर्याप्त भोजन और आश्रय मिले। उनके पास अपने सैनिकों के साथ शिविर लगाने का सिद्धांत था और इस तरह गेट्स ने उनके सैनिकों के दिलों और प्रशंसा पर कब्जा कर लिया। सैमुअल एडम्स ने अपने लोगों के साथ गेट्स के संबंधों का वर्णन इस प्रकार किया: "उनके पास अपने सैनिकों का प्यार जीतने की कला थी, खासकर इसलिए क्योंकि वह हमेशा थकान और खतरे में उनके साथ थे।"2

अल गोर को एक आयोजक और प्रशासक के रूप में समान क्षमताओं वाला बताया गया है। जहां होरेशियो गेट्स सेना को संगठित करने में विशेषज्ञ थे, वहीं गोर सरकार की पेचीदगियों में विशेषज्ञ थे।

कुछ लोग इस मामले पर गोर को टेक्नोक्रेट कहते हैं। होरेशियो गेट्स और अल गोर के जीवन में अन्य समानताएँ भी हैं।

भारतीय और फ्रांसीसी युद्ध (1754-1763) और क्रांतिकारी युद्ध (1775-1782) के बीच की अवधि में, गेट्स "शराब पीने और जुए" के दौर से गुज़रे,3 के अनुसार

Machine Translated by Google

एक इतिहासकार का नोट. अल गोर के पास पार्टी करने के दिनों का अपना इतिहास है, और जब गोर हार्वर्ड में थे तो वे उन्हीं "जुआ" चरणों से गुज़रे थे। तब गेट्स को एक धार्मिक मोड़, एक गहन व्यक्तिगत आध्यात्मिक अनुभव का अनुभव हुआ। गोर को भी धार्मिक या रहस्यमय अनुभवों का अनुभव हुआ, जैसा कि होरेशियो गेट्स का आध्यात्मिक रूपांतरण हुआ था।

इन आध्यात्मिक अनुभवों के बाद, गोर ने यह पूछने की आदत अपना ली, "यीशु क्या करेंगे?" जटिल मामलों के बारे में सोचते समय.

आइए साराटोगा की लड़ाई पर वापस जाएं। होरेशियो गेट्स/ अल्बर्ट गोर हतोत्साहित और अराजक उत्तरी सेना की कमान संभाल रहे हैं, जिसे वह एक शक्तिशाली लड़ाकू इकाई में बदल देते हैं। अपने प्रतिद्वंद्वी की सैन्य रणनीति, इलाके और सोच के बारे में गेट्स की बेहतर समझ के कारण साराटोगा में जीत हुई और बड़ी संख्या में ब्रिटिश सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया। वास्तव में, अमेरिकी धरती पर ब्रिटिश सैनिकों के पांचवें हिस्से (5,700 पुरुष) ने उस दिन अपने हथियार डाल दिए। यह अमेरिकी महाद्वीपीय सेना की पहली जीत थी, और इस उपलब्धि ने उपनिवेशवादियों को आशा दी कि वे ब्रिटेन के खिलाफ अपने युद्ध में सफल हो सकते हैं, जिसके पास दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेना थी।

इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह साराटोगा की जीत थी जिसने आश्वस्त किया फ्रांस ब्रिटेन के खिलाफ संघर्ष में अमेरिका के साथ शामिल होगा, अमेरिका के हितों के लिए सैन्य और वित्तीय सहायता तैनात करेगा। जॉन एडम्स, जो उस समय पेरिस में राजदूत थे, ने एक सैन्य घटना के अंतर्राष्ट्रीय महत्व के बारे में निम्नलिखित बयान दिया जिसने दुनिया को हिलाकर रख दिया: "जनरल गेट्स यूरोप में अब तक के सबसे अच्छे वार्ताकार हैं।"4 गेट्स का बातचीत का हथियार साराटोगा का उत्पादन किया गया था। (यह तब हुआ जब एडम्स पेरिस में थे, और विषय से हटकर, वहां उन्हें इगोर के रूप में पुनर्जन्म लेने वाले एक फ्रांसीसी व्यक्ति के बारे में पता चला, जो हमारा सबसे अच्छा दोस्त था जो नींद में फ्रेंच बोलता है)।

वर्षों बाद, यॉर्कटाउन पर छापे के दौरान, अमेरिकियों को केवल फ्रांसीसी नौसेना और सैनिकों की मदद से जीत मिली। के समर्थन के बिना

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

लुई XVI, यॉर्कटाउन में जीत, जिसने क्रांतिकारी युद्ध को प्रभावी ढंग से समाप्त कर दिया, कभी हासिल नहीं किया जा सका। अमेरिका की पहली रणनीतिक जीत और फ्रांस को अमेरिका का सहयोगी बनने के लिए प्रेरित करने वाले साराटोगा के महत्व को अधिक महत्व नहीं दिया जा सकता है।

इस महत्वपूर्ण युद्ध में उनकी भूमिका के कारण, कुछ इतिहासकारों का मानना है कि गेट्स को अमेरिकी राष्ट्र के संस्थापक पिताओं में से एक माना जाना चाहिए।

हालाँकि होरेशियो गेट्स/अल्बर्ट गोर सर्वोच्च जनरल थे साराटोगा में, वह डेनियल मॉर्गन की मदद के बिना लड़ाई नहीं जीत पाता, जो उस समय कर्नल के पद पर था। साराटोगा में, कर्नल मॉर्गन एक विशिष्ट स्नाइपर कोर या राइफल दस्ते का नेतृत्व करते हैं, जिसे कॉन्टिनेंटल रेंजर्स कहा जाता है। जैसा कि उल्लेख किया गया है, डेनियल मॉर्गन को अहतुन रे द्वारा वर्तमान राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के रूप में पुनर्जन्म होने की पुष्टि की गई है।

आइए हम अमेरिकी क्रांति में मॉर्गन के योगदान के इतिहास की संक्षेप में समीक्षा करें।

डैनियल मॉर्गन को 17 साल की उम्र में वर्जीनिया फ्रंटलाइन में पदार्पण करते समय कठोर भाषण और अपमानजनक व्यवहार के लिए जाना जाता था। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि जॉर्ज डब्ल्यू बुश को भी बोलने में कठिनाई होती देखी गई है, और यह यहां तक कि थी 2000 के राष्ट्रपति अभियान के दौरान अनुमान लगाया गया था कि उन्हें डिस्लेक्सिया* हो सकता है। भारतीय और फ्रांसीसी युद्धों के दौरान, मॉर्गन वर्जीनिया रेंजर्स में शामिल हो गए और उन्होंने केंटकी राइफल दस्ते के साथ अपने कौशल का विकास किया। क्रांतिकारी युद्ध के दौरान, मॉर्गन के साहस, दृढ़ संकल्प और नेतृत्व क्षमताओं के आधार पर, जॉर्ज वॉशिंगटन ने उन्हें देश के पहले विशेष बलों के कमांडर के रूप में चुना। महाद्वीपीय सेना के पाँच सौ सदस्यों को, उनकी निशानेबाजी और युद्ध क्षमता के लिए चुना गया, एकत्र किया गया।

उन्हें आधिकारिक तौर पर रेंजर्स के रूप में जाना जाता है, लेकिन कई लोग यूनिट को मॉर्गन राइफल स्क्वाड के रूप में संदर्भित करते हैं। रेंजर्स सेना की मुख्य इकाइयों में से एक थे जिन्होंने क्रांति के दौरान कई महत्वपूर्ण लड़ाइयों में भाग लिया था।

* डिस्लेक्सिया एक सीखने का विकार है जो मुख्य रूप से लिखित भाषा के पाठ, विशेष रूप से पढ़ने और वर्तनी के साथ कठिनाइयों में प्रकट होता है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

विभिन्न लड़ाइयों में मॉर्गन ने स्वयं असाधारण साहस, सहनशक्ति और शारीरिक शक्ति दिखाई है। अंत में मॉर्गन को ब्रिगेडियर जनरल बना दिया गया।

यह उल्लेख किया गया है कि अक्सर पिछले जन्मों के प्रतीक हो सकते हैं वर्तमान अवतारों में पाए जाते हैं। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि जॉर्ज डब्लू. बुश टेक्सास रेंजर्स से जुड़े थे, एक बेसबॉल टीम जिसका वह कभी हिस्सा थे, जो वर्जीनिया और कॉन्टिनेंटल रेंजर्स के प्रति डैनियल मॉर्गन की भक्ति को दर्शाता है।

होरेशियो गेट्स की तरह मॉर्गन ने सबसे पहले भारतीय और फ्रांसीसी युद्धों में सैन्य कार्रवाई की। इस युद्ध में मॉर्गन भी घायल हो गए, साथ ही होरेशियो गेट्स/अल्बर्ट गोर भी घायल हो गए। लड़ाई के दौरान, मॉर्गन के चरित्र लक्षणों की निगरानी की जाती है और उन्हें रिकॉर्ड किया जाता है। मॉर्गन एक प्रकार का असभ्य व्यक्ति है। एक इतिहासकार का कहना है कि युद्ध के दौरान, मॉर्गन और उसके दोस्तों ने "शराब पीने, लड़ने और भारतीय महिलाओं के साथ कामुक छेड़खानी" करके अधिकारियों को "दिमाग से बाहर" कर दिया था। ये विशेषताएँ सैनिक अवधि समाप्त होने के बाद भी देखी जा सकती हैं। उसी इतिहासकार ने लिखा:

"फ्रांसीसी युद्ध" के बाद के वर्ष डैनियल मॉर्गन के लिए स्वतंत्र और उन्मत्त थे। वह या तो शराबखाने में लड़ाई के कारण या अपने पेय के बिल या जुए के कर्ज का भुगतान न करने के कारण लगातार कानून की समस्या में था। लेकिन 1763 से, जब मॉर्गन ने कानूनी तौर पर 16 वर्षीय अबीगैल करी से शादी की, तो उसके व्यवहार में एक बड़ा बदलाव आया। वह बस गया, एक खेत खरीदा... और अधिक समृद्ध और शांतिपूर्ण जीवन का आनंद लेने लगा। उनके जीवन के तरीके में बदलाव ने जल्द ही उनके ग्रामीण समुदाय के अधिक प्रभावशाली सदस्यों का सम्मान जीत लिया।5

यह दिलचस्प है कि जॉर्ज डब्लू. बुश को येल में अपनी पार्टी के दिनों पर गर्व था। बाद में, बुश कानून में उलझ गए और उन्हें शराब के नशे में गाड़ी चलाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। हम सभी कल्पना कर सकते हैं कि बीसवीं शताब्दी में डेनियल मॉर्गन को भी नशे में गाड़ी चलाने के लिए जुर्माना लगाया गया था। फिर मॉर्गन, बुश की तरह

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

टेक्सास में मतदाताओं का सम्मान अर्जित करते हुए, अधिक शांत और गंभीर हो गए। जैसे जब मॉर्गन एक ग्रामीण समुदाय के निवासी थे, जॉर्ज डब्लू. बुश टेक्सास के छोटे से शहर क्रॉफर्ड में अपनी भूमि और कृषि भूमि के प्रति अपने प्रेम के लिए प्रसिद्ध थे।

होरेशियो गेट्स की कमान में डेनियल मॉर्गन ने खेला
साराटोगा की लड़ाई में एक महत्वपूर्ण भूमिका। तो होरेशियो गेट्स/
साराटोगा में जीत के बाद अल्बर्ट गोर ने डैनियल मॉर्गन/जॉर्ज डब्लू. बुश को गले लगाया और कहा, "मॉर्गन, आपने चमत्कार कर दिया है।"6 युद्ध के बारे में कांग्रेस को अपनी रिपोर्ट में, पुरस्कार विजेता जनरल गेट्स ने लिखा, "सैनिकों कर्नल मॉर्गन की कमान की बहुत अधिक प्रशंसा नहीं की जानी चाहिए। 9 यह जीत मॉर्गन के लिए इतनी महत्वपूर्ण थी कि सेवानिवृत्ति के समय मॉर्गन ने अपने घर को "साराटोगा" कहा।

मॉर्गन और उनके लोग वैली फोर्ज में जॉर्ज वाशिंगटन के साथ एक शीतकालीन निवास साझा करते हैं। बाद में, मॉर्गन एक बार फिर होरेशियो गेट्स के साथ जुड़ गए, जिन्हें दक्षिणी सेना का कमांडर नियुक्त किया गया। दुर्भाग्य से, गेट्स दक्षिण में उतने सफल नहीं रहे जितने साराटोगा में थे।

बाद में, मॉर्गन को दक्षिण में एक स्वतंत्र कमान दी गई।
इसी युद्धक्षेत्र में मॉर्गन, जो अब एक ब्रिगेडियर जनरल हैं, का स्वर्णिम करियर था। लड़ाई कैरोलिनास में काउपेंस नामक स्थान पर हुई थी।

जब रात हो गई और सैनिकों को सुबह तक रुकना पड़ा, तो ब्रिटिश घात लगाए सैनिक मॉर्गन, उसके राइफलमैन और अमेरिकी नियमित लोगों का पीछा कर रहे थे। मॉर्गन ने एक युद्ध रणनीति तैयार की जिसमें उनके राइफलमैन और मिलिशिया ने एक पहाड़ी के नीचे एक युद्ध रेखा बनाई। सुबह में, जैसे ही ब्रिटिश सैनिक आगे बढ़े, मॉर्गन के स्नाइपर्स ने दो राउंड गोलियां चलाईं, फिर भाग गए। ब्रिटिशों ने अमेरिकी सैनिकों के भागने को आगे बढ़ने के संकेत के रूप में लिया, लेकिन नियमित अमेरिकी सैनिकों द्वारा एक पहाड़ी की चोटी पर घात लगाकर हमला किया गया। काउपेंस में अमेरिका की जीत की मोटे तौर पर द पैट्रियट की अंतिम लड़ाई में फिर से कल्पना की गई है। काउपेंस को "सामरिक युद्ध की उत्कृष्ट कृतियों में से एक" के रूप में वर्णित किया गया है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

डैनियल मॉर्गन के रूप में जॉर्ज डब्लू. बुश के कथित पिछले जीवन पर एक और प्रतिबिंब में, मैं एक पेंटिंग का उल्लेख करना चाहूंगा जो जॉर्ज डब्लू.
जब बुश टेक्सास के गवर्नर थे तो उन्हें दीवार पर लटका दिया गया था। यह पेंटिंग बुश की आत्मकथा के पिछवाड़े में भी पाई गई थी, जिसमें दृढ़ निश्चयी पहाड़ी लोगों को दर्शाया गया था। इस पेंटिंग में पहाड़ी लोगों का एक समूह एक पहाड़ी से टकरा रहा है। इस दृश्य में एक अनाम घुड़सवार को दिखाया गया है जिसकी आँखों में दृढ़ निश्चय है, वही रूप हम डैनियल मॉर्गन के चित्रों में देखते हैं। पेंटिंग में दिखाई गई पहाड़ियाँ वास्तव में वर्जीनिया पहाड़ों के समान हैं। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि यदि कोई एक पेंटिंग होती जिसे डेनियल मॉर्गन अपनी दीवार पर टांगना चाहते, तो वह जॉर्ज डब्ल्यू. बुश की पसंदीदा होती।

डैनियल मॉर्गन को बुश के सैन्य प्रबंधन में भी देखा गया था
अफगानिस्तान में युद्ध का. जब विश्व व्यापार केंद्र के विनाश के बाद युद्ध शुरू हुआ, तो बुश ने अपराधियों के संबंध में एक बयान दिया: "हम उन्हें उनके छेद से बाहर निकाल देंगे और उन्हें पकड़ लेंगे।" बोलने का यह तरीका एक माउंटेन मैन, वर्जीनिया रेंजर, डैनियल मॉर्गन के चरित्र को दर्शाता है।

इसके अलावा, अपने राष्ट्रपति पद की अस्थायी शुरुआत के बाद, जॉर्ज डब्ल्यू.
बुश ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर आपदा से निपटा और निश्चित रूप से, युद्ध छेड़ने में, जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने अपना असली स्वभाव दिखाया।

मेरा मानना है कि इस भूमिका में बुश का शांत आचरण अमेरिकी क्रांति के सबसे साहसी और प्रभावी सैनिकों में से एक के रूप में उनके पिछले अनुभवों को दर्शाता है। लेकिन आइए हम इस कथन को न मानें

हमें युद्ध के मार्ग पर चलने के लिए प्रोत्साहित करें। जैसा कि पहले अध्याय में कहा गया है, इस पुस्तक को लिखने की मुख्य प्रेरणाओं में से एक ग्रह से युद्ध को खत्म करना था। कोई भी समूह "बुरा" नहीं है. वास्तविकता यह है कि हम हिंदू, सिख, ईसाई, यहूदी और मुसलमान केवल धार्मिक मान्यताओं से अलग हैं जो एक जीवन से दूसरे जीवन में बदल सकते हैं। एक बार जब हम सार्वभौमिक मानव के रूप में अपने वास्तविक स्वरूप को समझ लेते हैं, जो इन सभी अनुभवों से गुजरे हैं और पिछले जन्मों में विभिन्न अन्य धर्मों को अपनाया है, केवल

Machine Translated by Google

तभी कड़वाहट और शत्रुता पर विजय पाई जा सकती है। तभी अलगाव का भ्रम टूटेगा।

मध्य पूर्व में बढ़ता संघर्ष, जिसके दौरान प्रसारित हुआ बुश प्रशासन ने एक यूरोपीय सहयोगी के साथ पिछले जीवन के कर्म संबंधी संबंध का प्रदर्शन किया है। क्रांतिकारी युद्ध के दौरान, फ्रांसीसी सैन्य नेता, मार्क्विस डी लाफायेट, अमेरिकी पक्ष में शामिल हो गए। लाफायेट ने अमेरिकियों के साथ लड़ाई लड़ी और जॉर्ज वाशिंगटन के करीबी दोस्त बन गए। लाफायेट ने देखा कि अमेरिकी क्रांति केवल संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक मिशन नहीं थी, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक उद्देश्य थी। वह लक्ष्य है दुनिया में लोकतंत्र की स्थापना करना.

आज, अमेरिका के पास एक समय यूरोप के अन्य सहयोगी भी हैं आतंकवाद के विरुद्ध अमेरिका के युद्ध में प्रेस द्वारा उन्हें "चीयरलीडर" करार दिया गया। ब्रिटिश प्रधान मंत्री टोनी ब्लेयर ने एक सामान्य उद्देश्य के लिए अमेरिका के साथ जुड़ने के प्रयास में क्रॉफर्ड में जॉर्ज डब्लू. बुश के खेत में समय बिताया है। यह लाफयेट की भूमिका के समान है, हालांकि इस बार सामान्य लक्ष्य आतंकवाद है। उसी भूमिका के आधार पर जो ब्लेयर वर्तमान में निभा रहा है, साथ ही उपयुक्त चेहरे की विशेषताओं के आधार पर, मैं एक परिकल्पना पर आया हूं कि टोनी ब्लेयर मार्क्विस डी लाफायेट का पुनर्जन्म है।

केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, अहतुन रे ने इस पहचान की पुष्टि की।

अंत में, मैं एक बार फिर उस व्यक्तित्व की ओर ध्यान दिलाना चाहूँगा गुण और लक्षण जीवन-दर-जीवन एक जैसे ही रहते हैं। जिस तरह होरेशियो गेट्स और अल गोर ने संगठन की महारत और विस्तार की महारत का प्रदर्शन किया है, उसी तरह डैनियल मॉर्गन और जॉर्ज डब्लू. बुश दोनों में "रेंजर" के गुण हैं। मेरा मानना है कि बंदूकों के प्रति बुश का आकर्षण एक बंदूक सैनिक के रूप में उनके पिछले जीवन से जुड़ा है।

वैसे, होरेशियो गेट्स और डेनियल मॉर्गन दोस्त हैं जॉन एडम्स. जॉन और सैमुअल एडम्स कॉन्टिनेंटल कांग्रेस में होरेशियो गेट्स के सबसे मजबूत समर्थक थे।

वे ही आदेशों की पैरवी कर रहे हैं

Machine Translated by Google

फौज। यह जानना भी दिलचस्प है कि अल गोर को 2000 के चुनावों के दौरान अपने पिछले जीवन के संबंध के बारे में पता चला। एक मित्र के माध्यम से, मैं एक प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक, उरी गेलर से भी परिचित हुआ, जिन्होंने नवंबर 2000 में चुनाव के दिन से पहले गुरुवार को मेरा साक्षात्कार लिया था। अंतर्राष्ट्रीय रेडियो शो उरी गेलर में, मैंने गोर के बीच पिछले जीवन के संबंधों के एक तथ्य को उजागर किया था। , बुश, और क्लिंटन, और क्रांति के दौरान उनकी पहचान। हालाँकि मुझे पहले इसका एहसास नहीं था, लेकिन यह पता चला है कि उरी गेलर अल गोर का सबसे अच्छा दोस्त है। साक्षात्कार के बाद, उरी गेलर ने अल गोर को मेरे शोध के परिणामों और क्लिंटन, गोर और बुश के पिछले जीवन के संबंधों के बारे में सूचित करने के लिए व्हाइट हाउस से संपर्क किया।

डैनियल मॉर्गन, एक क्रूर संघवादी, जॉन एडम्स का सहयोगी भी है। डैनियल मॉर्गन को लगता है कि जेफरसनियन रिपब्लिकन "संविधान को नष्ट करने" की कोशिश कर रहे हैं।

डैनियल मॉर्गन/जॉर्ज डब्लू. बुश राष्ट्रपति पद पर एडम्स का समर्थन करने और जेफरसनियन रिपब्लिकन का विरोध करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधि सभा के सदस्य बने। प्रतिनिधि सभा के सदस्य के रूप में, मॉर्गन ने अपने राज्य में जेफरसन के तथाकथित "विभाजक" के खिलाफ अपने वर्जीनिया मिलिशिया को तैनात करने की भी धमकी दी।

तो हम देख सकते हैं कि जीवन-दर-जीवन, चेहरे की विशेषताएं, व्यक्तित्व लक्षण और कर्म संबंध बने रहते हैं। इसके अलावा, एक जीवनकाल के दौरान युद्ध के मैदान में भागीदार (गेट्स और मॉर्गन) अगले जीवन में राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी (गोर और बुश) बन सकते हैं। एक और कार्मिक संबंध जिसे मैं अब खोलना चाहता हूं, उसमें कमांडर-इन-चीफ, जॉर्ज वॉशिंगटन शामिल हैं, जो गेट्स और मॉर्गन के वरिष्ठ हैं, जिनका आज टॉमी फ्रैंक्स के रूप में पुनर्जन्म हो रहा है, जो अफगानिस्तान और इराक में संयुक्त राज्य अमेरिका के सैनिकों की कमान संभालते हैं। इस मामले में, हम भूमिकाओं का आदान-प्रदान देख सकते हैं। जहाँ डेनियल मॉर्गन वाशिंगटन को रिपोर्ट करते थे, वर्तमान में, वाशिंगटन/

फ्रैंक्स अपने सर्वोच्च कमांडर, मॉर्गन/बुश को रिपोर्ट करता है।
जहाँ वाशिंगटन ने क्रांति के समय राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया,

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

बुश संयुक्त राज्य अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति हैं।

अंत में, बुश, गोर और क्लिंटन के मामले सुलझ गये सहज मार्गदर्शन के माध्यम से और फिर केविन रायर्सन के गुरु अहतुन रे द्वारा इसकी पुष्टि की गई। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि जॉन एडम्स भी अंतर्ज्ञान की शक्ति में विश्वास रखते थे। इसके अलावा, एडम्स ने अपने जीवन के अंत में, अपना जीवन तत्वमीमांसा के अध्ययन के लिए समर्पित कर दिया और यहां तक कि जेफरसन को पुनर्जन्म की अवधारणा के बारे में भी लिखा।

ऐसा प्रतीत होता है कि मैंने वही जारी रखा है जो जॉन एडम्स ने रखा था।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

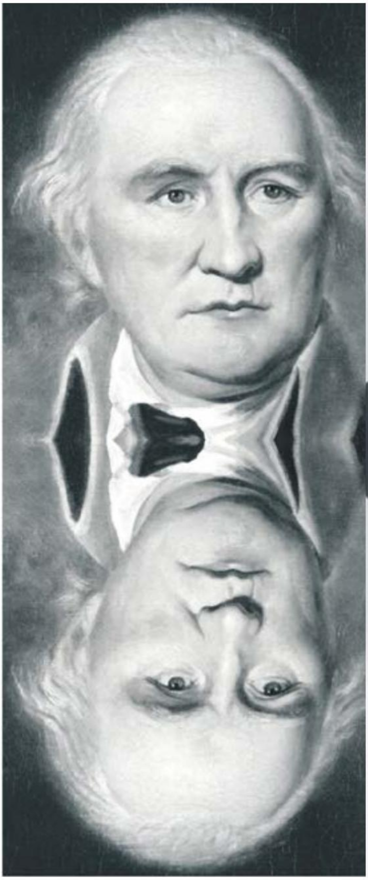

कांग्रेस के पुस्तकालय का योगदान

रॉबर्ट ट्रिप्पेट, सिपा द्वारा विस्तृत फोटो

डेनियल मॉर्गन

जॉर्ज डब्ल्यू बुश

अमेरिकी क्रांति के दौरान, डैनियल मॉर्गन ने पैट्रियट सेना की एक विशेष बल इकाई, कॉन्टिनेंटल रेंजर्स का नेतृत्व किया। मॉर्गन ने जॉर्ज वाशिंगटन को सूचना दी, जिनकी पहचान अब अमेरिकी जनरल टॉमी फ्रैंक्स के रूप में की गई है।

मॉर्गन को बाद में जनरल के पद पर पदोन्नत किया गया संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिनिधि सभा के लिए निर्वाचित।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

13

ओपरा विन्फ्रे और अमेरिकी क्रांति

कब मैं पहले से ही मानता हूं कि अहतुन रे, केविन रायर्सन की मार्गदर्शक भावना, पिछले जीवन की पहचान का सटीक मिलान करने में सक्षम है, मुझे सेलिब्रिटी पुनर्जन्म के मामलों को सुलझाने में दिलचस्पी है। आज के समाज में सबसे प्रसिद्ध महिलाओं में से एक ओपरा विन्फ्रे हैं और केविन के साथ एक सत्र में, मैंने ओपरा के पिछले जीवन के बारे में पूछा।

जवाब सुनकर मैं हैरान रह गया.

अहतुन रे ने कहा कि ओपरा संवैधानिक सम्मेलन में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थीं, एक उन्मूलनवादी थीं, और "तीन-पांचवें खंड" पर बहस में शामिल थीं। जब मैंने क्रांति के दौरान अहतुन रे से ओपरा के नाम के बारे में पूछा, तो उसने इन शब्दों में उत्तर दिया, "एक मिनट रुकें," जैसा कि जब मैं अधिक विशिष्ट जानकारी मांगता हूं तो उसकी आदत होती है। एक विराम के बाद, जिस अवधि के दौरान अहतुन रे को आकाशीय रिकॉर्ड्स की जाँच करने के लिए माना जाता है, उन्होंने खुलासा किया कि ओपरा का नाम विल्सन था। संवैधानिक कन्वेंशन के प्रतिभागियों की जांच में, जेम्स विल्सन नाम अहतुन रे द्वारा प्रदान किए गए विवरण में फिट बैठता है। बाद के सत्रों में, अहतुन रे ने इस मैच की पुष्टि की।

जेम्स विल्सन का जन्म 1741 में स्कॉटलैंड में हुआ था। बिना डिग्री हासिल किए कई विश्वविद्यालयों में दाखिला लेने के बाद, वह 1765 में फिलाडेल्फिया आ गए। इसके बाद विल्सन पेंसिल्वेनिया के कार्लिस्ले की स्कॉटिश बस्ती में बस गए।

एक बेहद सफल वकील के रूप में अपने काम के अलावा, विल्सन ने फिलाडेल्फिया कॉलेज में अंग्रेजी साहित्य पढ़ाया। बाद में वह क्रांतिकारी आंदोलन में शामिल हो गए जब वह कार्लिस्ले कमेटी ऑफ कॉरेस्पोंडेंस के अध्यक्ष बने। यह मैट

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

उसे पेंसिल्वेनिया पैट्रियट में चार्ल्स थॉमसन/राल्फ नादर नामक एक पत्र-लेखक के संपर्क में रखा गया। विल्सन ने जल्द ही उपनिवेशों और इंग्लैंड के बीच संबंधों पर एक प्रभावशाली पोस्टर लिखा और बाद में तर्क दिया कि संसद को उपनिवेशों पर शासन करने का कोई अधिकार नहीं था। यह पोस्टर नेता के रूप में विल्सन की स्थिति को ऊपर उठाता है और 1775 में उन्हें कॉन्टिनेंटल कांग्रेस में एक प्रतिनिधि के रूप में निर्वाचित किया गया।

कॉन्टिनेंटल कांग्रेस में, विल्सन ने सेना में सेवा की भारतीय मामलों से संबंधित समितियाँ और समितियाँ। चार्ल्स थॉमसन/राल्फ नादर को भी भारतीय मामलों में विशेषज्ञता हासिल है, इसलिए बहुत संभव है कि जेम्स विल्सन/ओपरा विन्फ्रे और थॉमसन/नादर के बीच इस मुद्दे पर चर्चा हुई हो। हालाँकि पेन्सिलवेनिया में इंग्लैंड के साथ संबंध तोड़ने के बारे में बहुत संदेह था, कार्लिस्ले में अपने मतदाताओं के साथ चर्चा के बाद, जेम्स विल्सन ने 2 जुलाई, 1776 को स्वतंत्रता के लिए मतदान किया। विल्सन ने 2 अगस्त, 1776 को घोषणा पर हस्ताक्षर किए।

जैसे-जैसे क्रांतिकारी युद्ध जारी रहा, कई आर्थिक कठिनाइयों का अनुभव हुआ। 1779 में, भोजन की कमी थी, और उच्च मुद्रास्फीति ने कागजी मुद्रा को बेकार कर दिया।

हताशा में, एक भीड़, जिसके सदस्य विल्सन को एक अमीर आदमी मानते थे जिसने आर्थिक अराजकता पैदा की थी, ने विल्सन और उनके घर में फंसे उनके 35 साथियों पर हमला कर दिया, जिसे फोर्ट विल्सन कहा जाता था। आग्नेयास्त्रों से गोलीबारी की गई और संघर्ष में दोनों पक्षों के कई लोग मारे गए। इस घटना को फोर्ट विल्सन दंगा कहा गया था, और विल्सन के साथ किले में जीवित बचे लोगों में से एक, शर्ली मैकलेन का पूर्व-जीवन व्यक्तित्व था।

क्रांति के दौरान, शर्ली मैकलेन और जेम्स विल्सन/ओपरा विन्फ्रे वर्षों से कई व्यापारिक सौदों में निकटता से शामिल थीं। परिणामस्वरूप, 1781 में, विल्सन/विनफ्रे बैंक नॉर्थ अमेरिका के निदेशक बन गए, जो शर्ली मैकलेन के दिमाग की उपज थी। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि जब शिकागो स्थित ओपरा का टॉक शो पहली बार शुरू हुआ, तो शर्ली

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

मैकलेन पहले अतिथियों में से एक थे।

हालाँकि, संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए जेम्स विल्सन की सबसे बड़ी सेवा बाद में 1787 के संवैधानिक सम्मेलन में एक प्रतिनिधि के रूप में हुई। विल्सन सम्मेलन के सबसे प्रभावशाली सदस्य थे, उनके प्रतिद्वंद्वी केवल जेम्स मैडिसन थे। यहां तक कि मिरेकल ऑफ फिलाडेल्फिया पुस्तक में कैथरीन ड्रिंकर बोवेन ने विल्सन को "संघीय सम्मेलन का अज्ञात नायक" कहा है। इतिहासकार लॉर्ड ब्रायस ने सम्मेलन में विल्सन को "सर्वोत्तम कारणों वाले सबसे गहरे विचारकों और बहस करने वालों" में से एक के रूप में संदर्भित किया।

और कहती है कि, "वह सोचती है कि जब वह चुनती है, तो दूसरों से स्वतंत्र होकर, एक विशेषता जो तूफानी समय को आमंत्रित करती है।"2 ओपरा भी अपने विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने के लिए जानी जाती है।

राष्ट्रीय विधायी प्रणालियों में प्रतिनिधित्व लागू करने के तरीकों के बारे में बहस में, विल्सन ने "तीन-पांचवां खंड" सामने रखा। हालाँकि विल्सन ने गुलामी का विरोध किया, लेकिन इस बात पर समझौता करना पड़ा कि गुलामों को गुलाम रखने वाले राज्य की आबादी में कैसे गिना जाएगा, जो बदले में एक राज्य से राष्ट्रीय कांग्रेस में प्रतिनिधियों की संख्या निर्धारित करेगा।

उत्तरी राज्यों ने कहा कि दासों की गिनती नहीं की जानी चाहिए, क्योंकि उनके पास मतदान का अधिकार नहीं था, जबकि दक्षिणी राज्यों ने दासों को राज्य की आबादी में शामिल करने की मांग की। अंततः एक समझौते पर निर्णय लिया गया कि किसी राज्य के प्रतिनिधियों की संख्या निर्धारित करने के लिए किसी राज्य की गुलाम आबादी को तीन-पांचवें से गुणा किया जाएगा। दूसरे शब्दों में, एक गुलाम की गिनती एक व्यक्ति के तीन-पाँचवें हिस्से के बराबर होगी।

संवैधानिक सम्मेलन के अपना कार्य समाप्त करने के बाद और ए

नई संघीय सरकार का गठन हुआ, जॉर्ज वाशिंगटन ने विल्सन को सर्वोच्च न्यायालय के पहले न्यायाधीशों में से एक नियुक्त किया। 1798 में विल्सन की मृत्यु हो गई।

जेम्स विल्सन और ओपरा विन्फ्रे के व्यक्तित्व के कई गुण समान हैं। ओपरा के बारे में अद्वितीय गुणों में से एक यह है कि बचपन से ही उन्होंने भाषण और भाषण के लिए एक प्राकृतिक प्रतिभा दिखाई है। तीन साल की उम्र में उन्होंने दे दी

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अपने चर्च की मण्डली के सामने एक पाठ।
वयस्कों ने ओपरा की प्रशंसा की, जबकि अन्य बच्चों ने उसकी प्रतिभा से ईर्ष्या करते हुए उसकी आलोचना की। सात साल की उम्र में तीसरी कक्षा में उन्हें एक चर्च समूह में भाषण देने के लिए 500 डॉलर का भुगतान किया गया था, जो गरीबी में पैदा हुए और सुअर फार्म में पले-बढ़े किसी व्यक्ति के लिए एक आश्चर्यजनक उपलब्धि थी। जीवनी लेखक जॉर्ज मैयर उनकी तटस्थता और "दर्शकों को बांधे रखने" की स्वाभाविक क्षमता पर टिप्पणी करते हैं। सत्रह साल की उम्र में, ओपरा ने व्हाइट हाउस में युवाओं पर एक सम्मेलन के साथ-साथ एक राष्ट्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लिया। ओपरा ने चर्चों में बोलना जारी रखा और महिलाओं के अधिकारों में आजीवन रुचि विकसित की।

मैयर ने दिखाया है कि कैसे "ओपरा एक सभा या दर्शकों के सामने खड़ी होगी और उन शब्दों को उछालेगी जो महिलाओं की समानता का प्रतिनिधित्व करते हैं।"4

जेम्स विल्सन एक महान वक्ता भी हैं। एक इतिहासकार ने लिखा, "विल्सन सबसे महान शुरुआती कांग्रेसी वक्ताओं में से एक थे।" 5 थॉमस किंडिग ने टिप्पणी की, "जेम्स विल्सन के भाषण की शक्ति, उनकी प्रस्तुति में जुनून और बहस में उनके द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले तर्क पर कई सदस्यों द्वारा सकारात्मक टिप्पणी की गई थी। कांग्रेस का।"6 यह ओपरा की शैली को दर्शाता है, जैसा कि पूर्व-गुलाम महिलाओं के बारे में ओपरा के भाषणों पर मायर की टिप्पणियों में परिलक्षित होता है, जिनकी ओपरा प्रशंसा करती है। मैयर ने लिखा, "एक किशोर के रूप में, उनके बारे में उनके भावुक और वाक्पटु भाषणों ने मान्यता और पुरस्कार जीतना शुरू कर दिया।"7

संवैधानिक सम्मेलन में, केवल जेम्स मैडिसन ही थे
विल्सन से अधिक प्रभाव और केवल दो अन्य लोगों ने विल्सन से अधिक भाषण दिये। विल्सन के ये गुण ओपरा के अनुरूप हैं, जो मैयर की टिप्पणियों से प्रदर्शित होता है कि ओपरा में "शब्द को स्पष्ट करने" की क्षमता है। मिरेकल एट फिलाडेल्फिया में बोवेन ने लिखा है कि, "कन्वेंशन के रिकॉर्ड में, जब विल्सन बोलने के लिए खड़े हुए तो ऐसा लगा मानो पेज पर बिजली का करंट आ गया हो।" बोवेन ने बाद में कहा कि विल्सन की आवाज़ "स्पष्ट और शक्तिशाली आवाज़" थी।

Machine Translated by Google

जैसे ही संवैधानिक सम्मलेन ख़त्म हुआ, वहाँ था डर है कि अस्वीकृत प्रतिनिधि नए संविधान पर हस्ताक्षर नहीं करेंगे। एकता बनाने के प्रयास में, बेंजामिन फ्रैंकलिन ने एक भाषण लिखा और अपने समर्थकों को सप्ताहांत के अवकाश पर भाषण पर चर्चा करने के लिए अपने घर पर आमंत्रित किया। जेम्स विल्सन ने भाग लिया और अगले सोमवार को फ्रैंकलिन का भाषण पढ़ने के लिए चुना गया। भाषण काम कर गया. संविधान पर हस्ताक्षर होने के बाद, फिलाडेल्फिया ने 4 जुलाई 1788 को एक उत्सव मनाया और इसमें सत्रह हजार लोग शामिल हुए। भीड़ शहर के बंदरगाह के पास, बुश हिल की तलहटी में "यूनियन ग्रीन" नामक एक नई जगह पर बस गई। जेम्स विल्सन को एक बार फिर भाषण देने के लिए चुना गया। दस टोस्ट बनाये गये। उगते सूरज की ओर से हर बार एक तुरही बजती थी और तोपों की आवाज़ सुनाई देती थी।

दिन के अंत में, फिलाडेल्फिया एक झिलमिलाती रोशनी से जगमगा उठा और बेंजामिन रश ने अपने प्रसिद्ध शब्द लिखे, "चाहे कुछ भी हो, हम एक राष्ट्र बनेंगे।" इन उदाहरणों में, हम देखते हैं कि जेम्स विल्सन को बार-बार सार्वजनिक समारोहों में बोलने के लिए चुना गया था, जैसे ओपरा को कम उम्र से बोलने के लिए चुना गया था। ऐसा लगता है कि ओपरा का भाषण का उपहार विल्सन की भाषण प्रतिभा की निरंतरता है।

विल्सन और ओपरा दोनों को कड़ी मेहनत करने वाले, महत्वाकांक्षा से प्रेरित और स्पष्ट दिमाग से संपन्न बताया जा सकता है। ओपरा की तरह विल्सन का जन्म भी साधारण परिस्थितियों में हुआ था। इतिहासकार स्टीफन कॉनराड लिखते हैं कि विल्सन ने "कड़ी मेहनत और बुद्धिमत्ता के माध्यम से प्रसिद्धि और भाग्य हासिल किया।" 23 साल की उम्र में फिलाडेल्फिया में प्रवास करने के बाद, विल्सन ने जल्दी ही खुद को प्रमुख हस्तियों के साथ जोड़ा और एक आकर्षक कानूनी प्रैक्टिस की स्थापना की। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, विल्सन ने बाद में अमेरिकी स्वायत्तता के पक्ष में एक राजनीतिक पोस्टर लिखा और बाद में कॉन्टिनेंटल कांग्रेस में एक नेता बन गए। बेंजामिन फ्रैंकलिन ने विल्सन को "मेरे विद्वान सहयोगी" के रूप में संदर्भित करना पसंद किया और बेंजामिन रश ने विल्सन के दिमाग को "प्रकाश की किरण" के रूप में संदर्भित किया।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

यह ओपरा की जीवनशैली को भी दर्शाता है। ओपरा की बुद्धिमत्ता के बारे में पहले ही पता चल गया था जब शिक्षकों ने तय किया कि वह किंडरगार्टन को छोड़कर सीधे पहली कक्षा में जा सकती है। ओपरा विल्सन की कड़ी मेहनत की प्रकृति को भी प्रदर्शित करती है। मैयर ने किशोर ओपरा के बारे में लिखा, "उसमें महत्वाकांक्षा की चिंगारी और महान बनने का दृढ़ संकल्प था।" कहा जाता है कि ओपरा को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करने की जेसी जैक्सन की सलाह से प्रेरणा मिली थी। ओपरा के टेलीविजन निर्माता ने भी टिप्पणी की कि उन्होंने कभी किसी और को ओपरा जितनी मेहनत करते नहीं देखा, और उन्होंने ओपरा के बारे में टिप्पणी की, "उनकी सहनशक्ति अद्भुत है।"10

गौरतलब है कि जेम्स विल्सन और ओपरा दोनों ने एक प्रदर्शन किया
किताबों से प्यार. एक वकील और क्रांतिकारी के रूप में अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद, विल्सन ने फिलाडेल्फिया कॉलेज में अंग्रेजी साहित्य पढ़ाया। ओपरा ने किताबों के प्रति शुरुआती प्रेम दिखाया; अपनी दादी के खेत में बचपन के दौरान, ओपरा का जीवन पढ़ने के इर्द-गिर्द घूमता रहा। ओपरा अपने द्वारा पाले गए पशुओं को बाइबल कहानियाँ ज़ोर से पढ़ती है।

अपनी शुरुआती किशोरावस्था में, परेशानी और अकेलेपन के दौरान, ओपरा अपनी किताबों में डूबी रहती थीं।

वर्षों बाद, उनका शो दिन में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला कार्यक्रम बन गया और उनका बुक क्लब सांस्कृतिक रूप से प्रभावशाली संस्थान बन गया।

जेम्स विल्सन भी गुलामी के ख़िलाफ़ एक शुरुआती आवाज़ थे। अपने क्रांति-पूर्व पोस्टर, ब्रिटिश संसद के विधायी प्राधिकरण की प्रकृति और विस्तार पर विचार, में विल्सन ने लिखा, “सभी मनुष्य स्वभाव से समान और स्वतंत्र हैं। किसी को भी उसकी सहमति के बिना किसी दूसरे के अधिकार को उचित ठहराने का अधिकार नहीं है।'' हालाँकि यह पोस्टर मुख्य रूप से ब्रिटिश शासन पर लक्षित है, यह कथन विल्सन के आदर्शों को दर्शाता है। कॉन्टिनेंटल कांग्रेस में, विल्सन ने गुलामी के प्रति अपना विरोध उस समय व्यक्त किया जब कई लोगों ने उपनिवेशों के बीच एकता बनाए रखने के लिए इस मुद्दे को एक तरफ रख दिया था।

ओपरा के लिए मानव दासता भी एक मुद्दा है। उसके शो में और
फिल्में, ओपरा प्रभाव की खोज करती हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अफ्रीकी अमेरिकियों के मानस की गुलामी।

इस संदर्भ में ओपरा कहती हैं, "गुलामी हमें खुद से नफरत करना सिखाती है।" यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि अमेरिका में एक काला नागरिक होना ओपरा के जीवन का एक केंद्रीय मुद्दा है, लेकिन वह पूरी तरह से काले मुद्दों की पहचान नहीं करती है। ओपरा निर्माता शेरी बर्न्स ने कहा, "वह एक सार्वभौमिक महिला हैं; वह काली चीजों से आगे जा सकता है।''11

विल्सन और ओपरा दोनों ही अमीर माने जाते हैं और दोनों ही समाज के "उच्च" वर्ग से जुड़े हुए हैं। हालाँकि ओपरा ने अपने काले वंश के प्रति निष्ठा दिखाई है, मायर ने ओपरा के बारे में लिखा है, "वह खुद को एक श्वेत शक्ति संरचना के साथ रखती है और सफल और अमीर अश्वेतों के समान सामाजिक-आर्थिक वर्ग को साझा करती है।" जो अपनी उंगलियों के झटके से लिमोसिन, बढ़िया भोजन, चार्टर जेट ऑर्डर करने में सक्षम थी।''12 ओपरा का सिद्धांत अपने धन का नियंत्रण किसी और को सौंपने के बजाय, अपने वित्त और गतिविधियों का नियंत्रण स्वयं लेना है।

ये लक्षण जेम्स विल्सन में देखे गए लक्षणों के अनुरूप हैं।

एक इतिहासकार का कहना है, "विल्सन ने अपने व्यापारिक हितों को बढ़ाते हुए, अमीर कुलीन समूहों और रिपब्लिकन के साथ पहचान जारी रखते हुए अपनी नई अर्जित राजनीतिक स्थिति को मजबूत किया।" विल्सन को अंततः फिलाडेल्फिया के सबसे धनी निवासियों में से एक माना जाता था। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, जब 1779 में मुद्रास्फीति अधिक थी और भोजन का अकाल पड़ा, तो धन की इस छवि का विल्सन और उनके धनी सहयोगियों पर उल्टा प्रभाव पड़ा।

1779 के पतन में, एक सशस्त्र भीड़ द्वारा रॉबर्ट मॉरिस और 30 से अधिक अन्य अभिजात लोगों का जेम्स विल्सन के घर में पीछा किया गया। गोलीबारी शुरू हो गई और दोनों तरफ से लोग हताहत हुए।

स्थानीय सैनिकों को फोर्ट विल्सन दंगा के नाम से जाने जाने वाले स्थान में फंसे समूह को बचाना होगा।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जबकि विल्सन और ओपरा दोनों धन के लिए महत्वाकांक्षाएँ प्रदर्शित करते हैं उपलब्धि हासिल करने के अलावा, उनमें पैसे खर्च करने की भी प्रवृत्ति होती है। एक युवा महिला के रूप में, जब ओपरा से एक सौंदर्य प्रतियोगिता में पूछा गया कि वह दस लाख डॉलर के साथ क्या करेगी, तो उसने जवाब दिया कि वह "पैसा चाहने वाली मूर्ख" होगी। यह भविष्यवाणी विभिन्न घटनाओं में सच साबित हुई। मैयर के जीवनी लेखक ने उल्लेख किया है कि 1988 और 1990 के बीच ओपरा ने निजी सामान पर $35 मिलियन डॉलर खर्च किए।

इसके अलावा, जब प्रमुख स्टाफ सदस्यों या उनके रिश्तों के साथ समस्याएं उत्पन्न होती हैं, तो ओपरा की तत्काल प्रतिक्रिया इस उम्मीद में भारी मात्रा में पैसा खर्च करना, उपहार देना, छुट्टियां देना, नए घर खरीदना आदि होती है, इस उम्मीद में कि उसकी उदारता से चीजें सुलझ जाएंगी।

जेम्स विल्सन भी एक ऐसे व्यक्ति हैं जो बहुत सारा पैसा खर्च करते हैं, लेकिन व्यापार के अवसरों और भूमि सट्टेबाजी के क्षेत्र में अधिक।
जेम्स विल्सन ने इलिनोइस में सीमांत भूमि खरीदी और इलिनोइस वबाश कंपनी के अध्यक्ष चुने गए। विडंबना यह है कि इस तरह, विल्सन के पास उस ज़मीन का स्वामित्व था जो बाद में शिकागो शहर बन गया, वह शहर जिसे ओपरा ने अपनी सभी गतिविधियों के लिए अपने घर और मुख्यालय के रूप में अपनाया था। "पैसा चाहने वाला मूर्ख" उपनाम विल्सन पर भी लागू होता है, क्योंकि उसके खर्च और सट्टेबाजी के कारण विल्सन दिवालिया हो गया। जेम्स विल्सन/

ओपरा विन्फ्रे को कर्ज बकाया के लिए जेल में भी रहना पड़ा।

जेम्स विल्सन की तरह, ओपरा सरकार से जुड़ी रही हैं कार्य प्रणाली और प्रायोजित कानून है। ओपरा ने राष्ट्रीय बाल संरक्षण अधिनियम के पारित होने का मार्गदर्शन करने के लिए इलिनोइस के पूर्व गवर्नर जेम्स थॉम्पसन को नियुक्त किया, जो बाल दुर्व्यवहार करने वालों को बाल देखभाल से जुड़ी नौकरियां लेने से रोकने में मदद करता है। इस कानून को "ओपरा अधिनियम" के रूप में भी जाना जाता है, और जब राष्ट्रपति क्लिंटन ने इस पर हस्ताक्षर कर इसे कानून बनाया तो ओपरा भी मौजूद थीं। दिलचस्प बात यह है कि जेम्स विल्सन के रूप में ओपरा ने क्रांति के समय में क्लिंटन को पीटन रैंडोल्फ के रूप में पहचाना होगा। जेम्स विल्सन/ओपरा

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

विन्फ्रे 1775 में प्रथम महाद्वीपीय कांग्रेस के लिए चुने गए।
पीटन रैंडोल्फ/बिल क्लिंटन ने अक्टूबर 1775 में अपनी अचानक और अप्रत्याशित मृत्यु तक प्रथम महाद्वीपीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

अंतिम समानता में, ओपरा और विल्सन दोनों वजन बढ़ाने की प्रवृत्ति प्रदर्शित करते हैं। जेम्स मैडिसन ने यह भी कहा कि जेम्स विल्सन "मोटे होते हैं"।

जॉन एडम्स में भी यह प्रवृत्ति थी, जैसा कि कुछ वर्षों में मेरी भी थी। ऐसा लगता है कि अत्यधिक भूख की विशेषता भी एक ऐसी विशेषता है जिसे जीवन से जीवन तक ले जाया जा सकता है। ऐसा लगता है कि ओपरा ने इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण करना सीख लिया है, क्योंकि हाल के वर्षों में वह काफी सुंदर दिखने लगी हैं। ऐसा लगता है कि जेम्स विल्सन डाइट पर हैं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

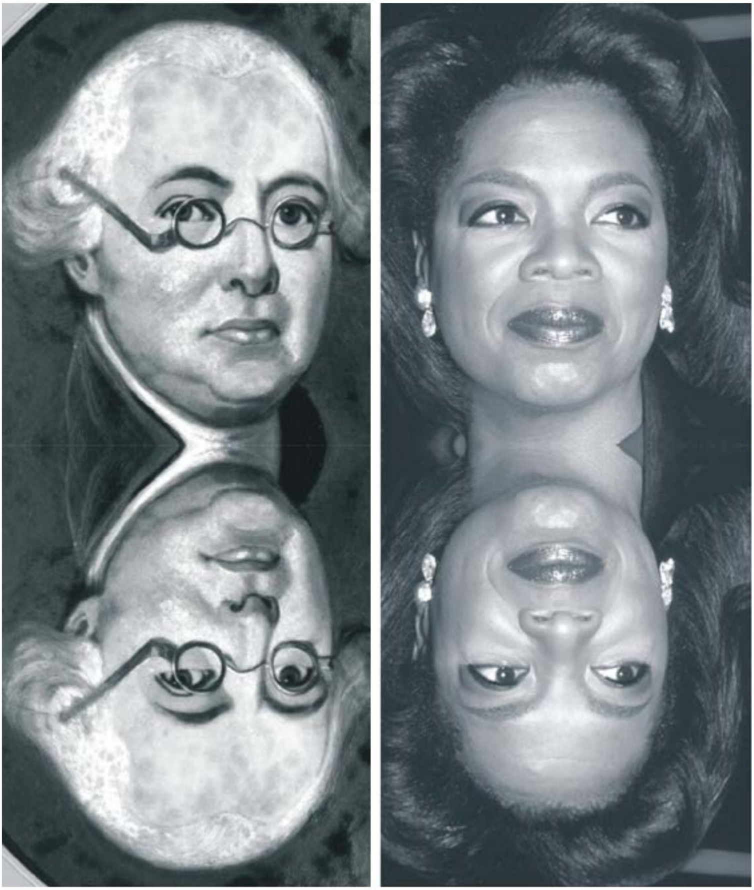

फोलिप फिशबोर्न व्हार्टन द्वारा,
स्वतंत्रता राष्ट्रीय ऐतिहासिक पार्क

विवरण © एरियल रामरेज़/
कॉर्बिस

जेम्स विल्सन

ओपराह विन्फ़्री

जेम्स विल्सन को अमेरिकी क्रांति के वक्ताओं में से एक माना जाता है। ओपरा ने कम उम्र से ही सार्वजनिक रूप से बोलने की प्रतिभा दिखाई। फिलाडेल्फिया में, विल्सन

अंग्रेजी साहित्य पढ़ाया, जो प्रतिबिंबित हुआ
ओपरा के बुक क्लब में.

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

14

पुनर्जन्म के रूप में हैले बेरी

डोरोथी डैंड्रिज,
एक आत्मीयता का मामला

अपने वर्षों के पुनर्जन्म अनुसंधान को करने में, मैं
ध्यान दें कि कभी-कभी, लोग अपने पिछले जीवन के व्यक्तित्व लक्षणों से आकर्षित होते हैं। मैंने यह अक्सर देखा है कि मैंने इस प्रकार के पुनर्जन्म मामले को नाम दिया है। मैं उन्हें "आत्मीयता के मामले" कहता हूं, जिससे वर्तमान में एक व्यक्ति उन लोगों के साथ गहरा बंधन दिखाता है जो वे पिछले अवतार में थे।

जब हैले बेरी ने अभिनेत्री डोरोथी डैंड्रिज के बारे में फिल्म बनाने के लिए बहुत कुछ त्याग किया और बहुत कुछ किया, तो यह अनुमान लगाना स्वाभाविक है कि हैले डोरोथी का पुनर्जन्म है। यह सिद्धांत इस तथ्य से समर्थित है कि हाले और डोरोथी के चेहरे की विशेषताएं बिल्कुल एक जैसी हैं। केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, अहतुन रे ने डोरोथी डैंड्रिज/हैल बेरी जोड़ी की अनुकूलता की पुष्टि की।

यह मामला न केवल यह जोड़ा, आत्मीयता के मामले का एक उदाहरण है
यह इस बात का भी उदाहरण है कि किसी लक्ष्य को पूरा करने के लिए आत्मा का पुनर्जन्म कैसे हो सकता है। 8 सितंबर, 1965 को डोरोथी डैंड्रिज की मृत्यु हो गई; जबकि हैले बेरी का जन्म ठीक तीन साल बाद 14 अगस्त 1968 को हुआ था।

डोरोथी और हाले दोनों का जन्म क्लीवलैंड, ओहियो में हुआ था। 1954 में, डैंड्रिज को कारमेन जोन्स में उनकी भूमिका के लिए ऑस्कर के लिए नामांकित किया गया था, लेकिन उन्हें पुरस्कार नहीं मिला, क्योंकि उस समय हॉलीवुड में अफ्रीकी अमेरिकियों के साथ अभी भी भेदभाव किया जाता था। हाले बेरी के रूप में, मार्च 2002 में डोरोथी डैंड्रिज ने अपना सपना पूरा किया।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

इस मामले में आश्चर्यजनक बात यह है कि वह दोस्ती कायम रहती है दो जीवन. जब हाले डोरोथी डैंड्रिज के बारे में एक फिल्म बना रही थी, तो वह डोरोथी डैंड्रिज के करीबी दोस्तों में से एक, गेरी ब्रैंटन के करीब हो गई, जो उस समय 70 वर्ष के थे।

एक साक्षात्कार में, ब्रैंटन ने डैंड्रिज और बेरी के बीच बड़ी समानताओं का उल्लेख किया। वो कहता है:

"आश्चर्यजनक है, और उसने (डैंड्रिज की भूमिका) बहुत अच्छे से निभाई।" बेर जब ब्रैंटन से पूछा गया कि वह डैंड्रिज से कितना मिलता-जुलता है, तो वह भयभीत हो गया। ब्रेंटन ने कहा, "मुझे लगता है कि हैले का निजी जीवन बहुत चौंकाने वाला है क्योंकि यह बहुत समान है।"

"गेरी, श्श्श," बेरी ने कहा। लेकिन ब्रैंटन ने जारी रखा। "वे दोनों खूबसूरत लोग हैं, बाहर से तो खूबसूरत हैं लेकिन अंदर से कहीं ज्यादा खूबसूरत हैं। उदार और मज़ेदार,'' उन्होंने कहा। ''विश्वास करना मुश्किल है।

और जब मैंने पहली बार हाले को देखा, तो मैं बहुत चकित हो गया, सचमुच स्तब्ध रह गया। वे बहुत-बहुत समान हैं।"

हाले बेरी स्वयं कहती हैं कि उनका जीवन डैंड्रिज के समान है —"हॉलीवुड में होने के नाते, एक मुख्य अभिनेत्री की तरह बनना और महसूस करना चाहती हूं, लेकिन एक ऐसी इंडस्ट्री में जहां हमारे लिए कोई जगह नहीं है।

मेरा संघर्ष भी उनके जैसा ही रहा है, एक महिला प्रधान के रूप में अपने लिए जगह बनाने की कोशिश करना। और, हालाँकि उसने मेरे लिए दरवाज़ा खोल दिया है, क्योंकि उसे कभी भी उस तरह से नहीं जाना गया जिस तरह से उसे जाना जाना चाहिए, मैं अभी भी उसके जैसी ही स्थिति में हूँ।"

लेकिन 2002 में ऑस्कर नाइट के बाद, यह सच नहीं रहा।
उस अवसर पर, हैले बेरी सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का ऑस्कर जीतने वाली अफ्रीकी अमेरिकी बन गईं।

हाले बेरी और डोरोथी डैंड्रिगे के संबंध में एक दिलचस्प बात घटी, जैसा कि 2003 में रिपोर्ट किया गया था।
फिल्म बनाते समय, डोरोथी डैंड्रिज का परिचय देते हुए, हाले को एक पोशाक मिलती है जो कभी डोरोथी की थी, जिसे वह घर पर रखती है।
सुरक्षा के लिए कपड़ों को कागज और प्लास्टिक में रखा जाता है। आइए देखें कि हैले बेरी का इस घटना के बारे में क्या कहना है:

"एक रात मैं घर पर था

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

दोस्त और चाय पी रहे थे तभी हमने शोर सुना। पहले तो मुझे लगा कि यह सिर्फ चायदानी से पानी टपक रहा है, फिर मुझे एहसास हुआ कि आवाज़ कमरे से आ रही थी, और रैपिंग पेपर हिल रहा था-

अकेला! मैं और मेरे दोस्त तुरंत वहां से भाग गये!"

"तब घर पर एक और अजीब बात घटी जब मैं शर्ट पहन रहा था। मैं घर पर हूं और घर की नौकरानी ने कहा कि उसने मेरे बाथरूम में मेरी ड्रेसर कुर्सी को ऊपर की ओर हिलते हुए सुना है। और रेफ्रिजरेटर का दरवाज़ा अपने आप खुल गया। मैंने कोई मज़ाक नहीं किया।"

"जब फिल्म खत्म हो गई, तो मैं शर्ट लेना चाहता था, लेकिन मुझे इसे उतारना पड़ा। फिर सब कुछ सामान्य हो गया।''1

हाले बेरी ने इन घटनाओं की व्याख्या इस प्रकार की कि डोरोथी डैंड्रिज का भूत उसके घर में था। मैं खुद नहीं जानता कि इस मनोविश्लेषणात्मक घटना के घटित होने का कारण क्या है, लेकिन मैं किसी अन्य अवसर पर अहतुन रे से पूछूंगा कि वह क्या सोचता है। शायद यह हाले बेरी की अपनी आत्मा या एक मार्गदर्शक आत्मा थी, जो उसे एक संदेश देने की कोशिश कर रही थी। हम अगले अध्याय में मनोविश्लेषणात्मक घटनाओं के बारे में और अधिक जानेंगे, जिसमें उरी गेलर भी शामिल हैं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

योगदान करें mptv.net

विवरण © रूफस एफ. फोल्क्स/कॉर्बिस

डोरोथी डैंड्रिज

हैली बैरी

डोरोथी डैंड्रिज एक ऐसी अभिनेत्री हैं जिन्होंने ऑस्कर नहीं जीता, आंशिक रूप से क्योंकि वह भेदभाव के युग में काली थीं।

हाले ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का ऑस्कर जीतकर डोरोथी का सपना पूरा किया। डोरोथी के बारे में एक फिल्म बनाते समय, हाले ने अपने पिछले जीवन के साथ एक मजबूत बंधन प्रदर्शित किया

व्यक्तित्व, एक घटना जिसे "एफ़िनिटी केस" कहा जाता है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

15

उरी गेलर, डैनियल डुंगलास होम, और एरियल शेरोन

उरी गेलर, जिन्होंने अपने चम्मचों को मोड़कर प्रसिद्धि अर्जित की मन, ग्रह पर सबसे अद्भुत व्यक्तियों में से एक है।

एक मित्र, परामनोविज्ञानी और रूट्स ऑफ कॉन्शसनेस के लेखक जेफ़री मिशलोवे ने सबसे पहले यह संदेह किया था कि गेलर 19वीं सदी के डेनियल डुंगलास होम का पुनर्जन्म था, जो गेलर की तरह ही मनोविश्लेषणात्मक घटनाओं से चिंतित था।

केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, अहतुन रे ने पुष्टि की कि उरी गेलर होम का पुनर्जन्म था।

जैसा कि जॉर्ज डब्ल्यू से जुड़े अध्याय में बताया गया है। बुश, बिल क्लिंटन, और अल गोर, उरी गेलर ने 2000 में अपने रेडियो शो में मेरा साक्षात्कार लिया, इसलिए मेरे पास उनका ई-मेल पता और फोन नंबर है। होम के साथ उसकी पहचान की पुष्टि करने के बाद मैंने उरी को चित्रों के साथ एक संदेश भेजा जिसमें उसके चेहरे की विशेषताओं की होम से तुलना की गई। जब मुझे लगभग एक सप्ताह तक उरी के बारे में कोई जानकारी नहीं मिलती, तो मैं उसे फोन करता हूँ। जब मैंने उससे बात की, तो उरी काफी खुश लग रहा था कि मैंने उसके लिए पिछले जीवन की पहचान बना ली है।

उन्होंने कहा कि उन्होंने मेरा ई-मेल नहीं देखा है; वह बताते हैं कि उन्हें हर दिन सैकड़ों पत्र मिलते हैं। जब मैं कुछ पृष्ठभूमि जानकारी समझाने की कोशिश कर रहा था, तो उरी ने एक अधीर प्रश्न के साथ मेरी बात काट दी, "तो फिर मैं कौन हूं?" मैंने कहा, "आप डेनियल डी. होम हुआ करते थे।" गेलर ने फिर कहा, “डैनियल डुंगलास होम! हे भगवान, मेरी गर्दन पर बाल बिल्कुल खड़े हो गए! मैं होम जानता हूं, मैंने लिखा भी

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

उसके बारे में।" मैंने गेलर को सूचित किया कि मैंने उसके मामले को अपनी पुस्तक में शामिल करने की अनुमति मांगी है। इससे पहले कि और कुछ कहा जा सके, गेलर ने कहा कि उसे ई-मेल ढूंढना होगा

मैंने तुरंत और उसने जल्दी से विदा ली. दो सप्ताह बाद, उरी रिवोल्यूशनरीज़ में डेनियल डी. होम के पुनर्जन्म के रूप में प्रदर्शित होने के लिए सहमत हो गया।

इस मामले को प्रस्तुत करते समय, मैं सबसे पहले डैनियल डी. होम और उरी गेलर का संक्षिप्त जीवनी विवरण दूंगा। फिर मैं जीवन इतिहास, व्यक्तित्व, मानसिक या अलौकिक क्षमताओं और उनकी मध्यम क्षमताओं के सामान्य लक्षणों की विस्तार से समीक्षा करूंगा। इस बिंदु पर आइए हम उपयोग किए जाने वाले कुछ शब्दों की समीक्षा करें।

आइए हम एक माध्यम को ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित करें जो एक मध्यस्थ, एक "कनेक्टर" के रूप में कार्य करता है, जो आध्यात्मिक प्राणियों को मनुष्यों से जोड़ने का काम करता है।

दूसरी ओर, अलौकिक सिध्दियों को हम उन क्षमताओं के रूप में सोचेंगे जो किसी बाहरी आध्यात्मिक व्यक्ति की भागीदारी के बिना, किसी व्यक्ति के भीतर पहले से मौजूद हैं। अलौकिक क्षमता का एक उदाहरण टेलीपैथी है, जिसमें विचार एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक प्रसारित होते हैं। एक पूर्वाभास, जिससे भविष्य की घटना देखी जा सकती है, एक और असाधारण घटना है। दूर देखना एक और अलौकिक क्षमता है जिसके द्वारा दूर स्थानों में होने वाली घटनाओं को मन से देखा जा सकता है। निःसंदेह, एक व्यक्ति के पास दोनों प्रकार की प्रतिभा हो सकती है और उसके भीतर असाधारण क्षमता के साथ-साथ एक माध्यम की क्षमता भी हो सकती है।

इस पुस्तक में हमने जिन माध्यमों का सामना किया है उनमें केविन भी शामिल है
रायर्सन और बॉबी जो, जिन्हें पेनी पीयर्स में दिखाया गया है
मामला।

एक भौतिक माध्यम को ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया जाता है जो असामान्य भौतिक घटनाएं उत्पन्न करता है, जैसे कि फर्नीचर को तैराना।
यदि किसी को भौतिक माध्यम के रूप में संदर्भित किया जाता है, तो इसका मतलब है कि उड़ने वाली घटना किसी बाहरी प्राणी, जैसे आत्मा, के कारण होती है।
माध्यम आत्मा के लिए एक मध्यस्थ के रूप में कार्य करता है, ताकि गैर-अवतरित प्राणी वस्तुओं, या घटनाओं को ऊपर उठाने का कारण बन सके।

Machine Translated by Google

दूसरा, भौतिक आयाम पर। सामान्य तौर पर, माध्यमों को यह समझ में नहीं आता कि जिस भावना को वे संचारित करते हैं वह मँडराने जैसी भौतिक घटनाएँ कैसे पैदा करती है। टेलीकिनेसिस या साइकोकाइनेसिस ऐसे शब्द हैं जो एक ही चीज़ को व्यक्त करते हैं और केवल मन के कारण होने वाले शारीरिक प्रभावों को संदर्भित करते हैं। ये दो शब्द यह परिभाषित नहीं करते हैं कि भौतिक प्रभाव किसी बाहरी आध्यात्मिक व्यक्ति के कारण होते हैं या घटना से संबंधित किसी इंसान के कारण होते हैं।

डैनियल होम का जन्म 1833 में स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग के पास हुआ था। चार साल की उम्र में, डैनियल ने असाधारण प्रतिभा दिखाई, उदाहरण के लिए, वह घटनाओं को जानने में सक्षम था, जैसे कि परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु, जो भौगोलिक रूप से दूर के स्थानों में हुई थी।
जब डेनियल 9 वर्ष के थे, तब उनका परिवार संयुक्त राज्य अमेरिका चला गया, फिर कनेक्टिकट में बस गया। 1820 में, जब होम 17 वर्ष का था, अचानक उसके आसपास टेलीकेनेटिक घटनाएँ घटीं।

वर्णित पहली घटनाओं में से एक कुर्सी पर घटित होती है जब वह नाश्ता कर रहा होता है तो वह अचानक अपने आप घर के करीब चला जाता है। घर भी दूसरों की तरह ही हैरान था और उसने टिप्पणी की, "हमारे नाश्ते में इस तरह की गड़बड़ी का कारण क्या है?"1 तब से, कमरे के चारों ओर फर्नीचर का हिलना, यहाँ तक कि मंडराना, घर के चारों ओर एक नियमित घटना बन गई है। प्रमुख विद्वानों ने होम की शक्ति पर ध्यान दिया, जिनमें न्यूयॉर्क सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जॉन डब्ल्यू एडमंड्स भी शामिल थे।

1855 में होम लंदन, इंग्लैंड चला गया। होम ने आत्माओं से बात करने के लिए सभाएं आयोजित करना शुरू कर दिया, जिसने अमीर और प्रभावशाली लोगों का ध्यान आकर्षित किया, जिन्होंने बदले में होम को आवास और भोजन प्रदान किया। होम सत्र बैठकों के लिए कभी शुल्क नहीं लेता, लेकिन वह उपहारों से इनकार नहीं करता। आवश्यकता पड़ने पर होम सार्वजनिक प्रदर्शन आयोजित करके पैसा कमाता है। वह दुनिया में सबसे प्रसिद्ध माध्यम बन गया और देश के शासकों द्वारा उसकी मांग की गई। होम फ्रांस के सम्राट नेपोलियन तृतीय का करीबी बन गया। नेपोलियन III विशेष रूप से होम से प्रभावित हुआ जब आत्मा ने मेज पर दस्तक दी और सवालों के जवाब दिए

Machine Translated by Google

उन्होंने शब्दों के माध्यम से नहीं, बल्कि अपने मन में प्रस्ताव रखा।

रोम में, होम की मुलाकात साचा नाम की एक महिला से होती है, जो रूसी शाही परिवार की वंशज है। उससे मिलने के बाद, होम को एक आभास होता है, जहां वह जानता है कि साचा उसकी पत्नी बनेगी।

रूस के ज़ार अलेक्जेंडर द्वितीय ने व्यक्तिगत रूप से विवाह को अपना आशीर्वाद दिया और ज़ार होम का घनिष्ठ मित्र बन गया। 1859 में, साचा और होम का ग्रेगोइरे नाम का एक बेटा हुआ, जिसे ग्रिचा उपनाम दिया गया था। अलेक्जेंडर द्वितीय, ज़ार, ग्रिचा के गॉडपेरेंट्स बने। जैसे-जैसे उसका बेटा बड़ा होता है, होम को पता चलता है कि ग्रिचा की उपस्थिति से मनोविश्लेषणात्मक घटनाएँ बढ़ जाती हैं।2

दुर्भाग्य से, होम को तपेदिक हो गया और उसकी पत्नी, साचा भी इसकी चपेट में आ गई। शादी के केवल चार साल बाद ही होम ने अपनी प्रिय पत्नी को तपेदिक के कारण खो दिया। उनकी मृत्यु के बाद, होम एक कलाकार बनकर वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने की आशा से, मूर्तिकला का अध्ययन करने के लिए रोम चले गए। 1863 में, उन्होंने अपनी आत्मकथा, इंसीडेंट्स ऑफ़ माई लाइफ़ का पहला संस्करण प्रकाशित किया, हालाँकि किताब का अधिकांश भाग वास्तव में उनके वकील द्वारा लिखा गया था। 1869 में, सेंट विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान के प्रोफेसर अलेक्जेंडर अक्साकॉफ़।

पीटर्सबर्ग और होम के एक मित्र ने रूसी अदालत में अपने संबंधों के माध्यम से उन्हें सर विलियम क्रुक्स से मिलवाया। क्रुक्स एक प्रसिद्ध ब्रिटिश वैज्ञानिक हैं जो प्रख्यात अमेरिकी अध्यात्मवादी केट फॉक्स का अध्ययन करते हैं। सर विलियम क्रूक्स ने 1870 में गृह अध्ययन किया।

विभिन्न प्रलेखित घटनाओं के बीच, क्रुक्स ने होम को दो मौकों पर मंडराते हुए देखा और एक आत्मा को कमरे के चारों ओर अकॉर्डियन बजाते हुए उड़ते देखा (क्रूक्स की पत्नी के डर से चिल्लाने के बाद वह आत्मा गायब हो गई)। विभिन्न सत्रों में, होम अक्सर अकॉर्डियन का केवल एक सिरा पकड़ता है, जबकि एक अदृश्य स्पिरिट हाथ वाद्ययंत्र के कीबोर्ड को बजाएगा।

अक्सर, बजाए जा रहे संगीत को बहुत सुंदर बताया जाता है, मानो वह किसी दूसरी दुनिया से आया हो। अन्य अवसरों पर, राग काफी सामान्य है, जैसे "गॉड सेव द क्वीन" गीत।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह कोई चाल नहीं है, सर विलियम

Machine Translated by Google

क्रुक्स ने एक लोहे का पिंजरा बनाया, जिसमें अकॉर्डियन रखा गया था।
होम ने पिंजरे के शीर्ष के माध्यम से अकॉर्डियन का एक सिरा पकड़ रखा है जबकि एक अदृश्य हाथ कैद संगीत वाद्ययंत्र की धुन बजा रहा है। इस तरह के प्रयोगों की एक श्रृंखला के बाद, 1871 में क्रुक्स ने घोषणा की कि होम की क्षमताएँ वास्तविक थीं। उनके कामकाजी संबंधों के परिणामस्वरूप, क्रुक्स और होम सबसे अच्छे दोस्त बन गए। अध्यात्मवाद के बारे में वैज्ञानिक समुदाय की सोच बंद थी और क्रुक्स को केट फॉक्स और डैनियल होम पर अपने शोध के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। हालाँकि, वर्षों बाद, क्रुक्स को ब्रिटिश एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट का अध्यक्ष चुना गया

विज्ञान की।

जिस अवधि के दौरान सर विलियम क्रुक्स के साथ प्रयोग हुए, डैनियल होम की मुलाकात रूसी शाही परिवार के एक अन्य सदस्य जूली डी ग्लौमेलिन से हुई। जूली ने नोट किया कि उनके परिचय के समय, एक आवाज ने उसे बताया कि उसका पति यहीं है।

उन्होंने अक्टूबर 1871 में शादी कर ली। जूली घर के प्रति बहुत समर्पित थीं और वह उनके बारे में दो किताबें लिखती थीं। इसके बाद के वर्षों में होम ने मनोविश्लेषणात्मक घटनाओं का प्रदर्शन जारी रखा और मार्क ट्वेन जैसी विश्व हस्तियों से दोस्ती की। होम की 21 जून, 1886 को फ्रांस के नीस में तपेदिक से मृत्यु हो गई।

उरी गेलर का जन्म ठीक 20 दिसंबर 1946 को इज़राइल में हुआ था
डेनियल डी. होम की मृत्यु के 60 वर्ष बाद। पहली असामान्य घटना तब घटी जब वह 3 या 4 साल का था।

इस घटना का वर्णन उनकी आत्मकथा 'माई स्टोरी' में किया गया है।
जब वह अपने घर के सामने एक अरबी बगीचे में खेल रहा था, तो सूर्य के समान चमकीली एक चाँदी की रोशनी उस पर पड़ी। उसके कानों में तेज़ आवाज़ सुनाई दी, माथे में दर्द हुआ, फिर वह हार गया

जागरूकता।

जब उरी जागा, तो उसे पता चला कि उसके साथ कुछ महत्वपूर्ण घटित हुआ है, हालाँकि वह अभी तक समझ नहीं पाया था कि यह क्या था।
अगले वर्षों में, उरी को पता चला कि उसके पास टेलीपैथिक क्षमताएं हैं, जैसे कि करने की क्षमता

Machine Translated by Google

जानो, मन में क्या चल रहा है। वह अपनी माँ से जुड़ा एक उदाहरण बताता है, जिसे अपने दोस्तों के साथ ताश खेलना पसंद था। उरी को पता चलता है कि उसे ठीक-ठीक पता है कि उसकी माँ ने कितना पैसा जीता या हारा है, इससे पहले कि वह इसके बारे में एक भी शब्द बोल पाता। जब उरी 9 साल का था, तो वह मासूमियत से घर पर मशरूम का सूप खा रहा था, तभी उसका चम्मच अनायास मुड़ गया और गर्म सूप उसकी गोद में गिर गया।

एक क्षण बाद, चम्मच का सिरा टूट गया, मानो चम्मच के हैंडल का कनेक्शन पिघल गया हो। उरी अपनी माँ की तरह ही आश्चर्यचकित था।

उरी गेलर के पिता इजरायली सेना में एक स्टील टैंक सार्जेंट थे और उनकी माँ एक दर्जी के रूप में काम करती थीं। अंततः इस जोड़े का तलाक हो गया और उरी और उसकी माँ भूमध्य सागर में साइप्रस द्वीप पर चले गए, जहाँ टेलीपैथिक और साइकोकाइनेटिक घटनाएँ जारी रहीं। एक किशोर के रूप में, उरी गेलर को जीवन में पूर्वनिर्धारित पथ का ज्ञान था। 1950 के दशक में उरी ने अपनी शिक्षिका जूली एग्रोटिस से कहा कि वैज्ञानिक उनका अध्ययन करेंगे और वह विश्व शांति के लिए काम करेंगे। उरी और उसकी मां बाद में तेल अवीव लौट आए और जब वह सैन्य सेवा की उम्र में पहुंचे, तो उरी इजरायली सेना में भर्ती हो गए। जून 1967 में छह दिवसीय युद्ध छिड़ गया और एक पैराशूट सैनिक उरी ने रमाला के पास लड़ाई को प्रत्यक्ष रूप से देखा।

लड़ाई में उनके दोनों हाथों और सिर में चोट लग गई।

जब गेलर अपनी चोटों से उबर रहे थे, तब उनसे पूछा गया बच्चों के लिए एक अवकाश शिविर में परामर्शदाता के रूप में काम करना। शिविर में, गेलर ने टेलीपैथी और चम्मच मोड़ने वाले प्रदर्शनों से बच्चों का मनोरंजन किया। फिर उरी की मुलाकात 12 या 13 साल के लड़के शिमशोन श्रत्रंग से होती है, जिसका उपनाम शिपी है। वे दोनों एक-दूसरे के साथ प्रतिध्वनित होने लगे और गेलर ने देखा कि उसकी टेलीपैथिक क्षमताएं और धातु झुकने की घटना शिपी के आसपास बढ़ गई थी।3 दोनों करीबी दोस्त बन गए। शिपी ही वह व्यक्ति था जिसने गेलर को एक बड़े सार्वजनिक मंच पर अपना शो प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया और अंततः उसका प्रबंधक बन गया।

शिपी ने उसे अपनी जैविक बहन हन्ना से भी मिलवाया।

Machine Translated by Google

वर्षों बाद, उरी गेलर हन्ना से शादी करेगा।
शादी में गायक माइकल जैक्सन भी दूल्हे के साथी के तौर पर शामिल हुए थे.

संयुक्त राज्य अमेरिका की एक डॉक्टर, एंड्रीजा पुहरिच को अलौकिक घटनाओं में रुचि है और वह उरी गेलर को देखने के लिए इज़राइल आती है। उन्हें तुरंत एक जुड़ाव महसूस हुआ और उरी ने अपनी आत्मकथा में लिखा, "जिस क्षण मैंने एंड्रीजा को देखा, मुझे अंतर्ज्ञान से पता चल गया कि मैं उसके साथ काम कर सकता हूं।" गेलर ने यह भी देखा कि शिपी और हन्ना भी पुहारिच को पसंद करते थे। इज़राइल में प्रारंभिक शोध किए जाने के बाद, पुहारिच ने स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआरआई) के वैज्ञानिकों को पत्र लिखकर सिफारिश की कि वे औपचारिक रूप से गेलर की क्षमताओं की जांच करें। 1972 और 1973 में एसआरआई में गेलर की प्रतिभा का परीक्षण किया गया। इन प्रयोगों को अंजाम देने वाले वैज्ञानिकों में अपोलो अंतरिक्ष यात्री एडगर मिशेल, पीएच.डी.; रसेल टार्ग, पीएच.डी., एक भौतिक विज्ञानी; और हैल पुथॉफ़, पीएच.डी., एक क्वांटम भौतिक विज्ञानी। जब एसआरआई में प्रायोगिक प्रयोग किए जा रहे थे, गेलर की मुलाकात रॉकेट वैज्ञानिक वर्नर वॉन ब्रौन से भी हुई। गेलर ने वॉन ब्रॉन की शादी की अंगूठी को मोड़ दिया, जब वह वॉन ब्रॉन के हाथ में थी।

एसआरआई में शोध का फोकस टेलीपैथिक प्रयोगों पर था और अंत में, प्रमुख ब्रिटिश जर्नल, नेचर में एक वैज्ञानिक पत्र प्रकाशित हुआ, जिसमें गेलर की टेलीपैथिक क्षमताओं को वास्तविक बताया गया।

इसके बाद गेलर का जून 1974 में किंग्स कॉलेज, लंदन में दोबारा परीक्षण किया गया। प्रोफेसर जॉन टेलर ने इन प्रयोगों का पर्यवेक्षण किया और एसआरआई के शोध के विपरीत, उन्होंने गेलर की मनोविश्लेषणात्मक क्षमताओं की जांच की। प्रयोगशाला की स्थितियों में, एक धातु का तार अपने आप मुड़ता हुआ देखा गया और पीतल का एक टुकड़ा अपने आप 20 फीट तक चला गया। फिर तांबे का एक टुकड़ा तैरने लगा और पहले पीतल के टुकड़े के साथ जुड़ गया। एक सीधी लोहे की छड़ अपने आप चली गई और प्रोफेसर टेलर के पैरों पर आकर झुकी हुई पाई गई। इसके अलावा किंग्स कॉलेज की प्रयोगशाला में, गेलर केवल कम्पास पर ध्यान केंद्रित करके उसे 40 डिग्री तक घुमाने में भी सक्षम थे और उन्होंने उपकरण में सुई को सक्रिय कर दिया।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

गीजर केवल अपने दिमाग से नापता है। घटना की निगरानी के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरण संकेत देते हैं कि गेलर के कार्यों के दौरान कोई विद्युत शक्ति, चुंबकीय क्षेत्र या विकिरण उत्पन्न नहीं होता है।

बिर्कबेक कॉलेज के वैज्ञानिक प्रोफेसर डेविड बोहम, जो लंदन विश्वविद्यालय का हिस्सा है, गेलर का मूल्यांकन करने वाला अगला अकादमिक वैज्ञानिक था। गेलर द्वारा बोहम को एक उज्ज्वल और संवेदनशील व्यक्ति के रूप में वर्णित किया गया है और उन दोनों के बीच एक विशेष संबंध विकसित होता है। क्वांटम भौतिक विज्ञानी के रूप में बोहम ने अल्बर्ट आइंस्टीन और नील्स बोह्र के साथ काम किया था, और वह परमाणु को विभाजित करने के पहले प्रयासों में शामिल लोगों में से एक थे। बिर्कबेक में प्रयोगों को देखने के लिए कई मेहमानों को भी आमंत्रित किया गया था, जिनमें काल्पनिक लेखक आर्थर सी. क्लार्क भी शामिल थे, जिन्होंने 2001: ए स्पेस ओडिसी लिखी थी।

बिर्कबेक कॉलेज में, प्रयोगशाला की स्थितियों में, गेलर ने मुड़ी हुई चाबियाँ बनाईं और फिर से उन्होंने अपने दिमाग से गीजर गेज को घुमाया। गेलर वैनेडियम कार्बाइड के आधे क्रिस्टल भी बनाता है, जिसे प्लास्टिक ट्यूब में सील करके विघटित किया जाता है। अंत में, प्रोफेसर जॉन टेलर और प्रोफेसर डेविड बोहम ने उरी गेलर के समर्थन में लिखा, यह स्वीकार करते हुए कि उनकी मनोवैज्ञानिक क्षमताएं वास्तविक थीं। उन्होंने यह भी ध्यान दिया कि गेलर द्वारा प्रदर्शित घटनाएँ भौतिकी के ज्ञात नियमों से पूरी तरह बाहर हैं।

स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट, किंग्स कॉलेज और बिर्कबेक कॉलेज में प्रयोग 1970 के दशक में आयोजित किए गए थे।
तब से, उरी गेलर ने अपनी मनोविश्लेषणात्मक क्षमताओं का प्रदर्शन जारी रखा है, विश्व नेताओं और मशहूर हस्तियों के साथ दोस्ती की है, और विभिन्न मीडिया के माध्यम से अपना संदेश देना जारी रखा है। संदेश यह है कि ये ताकतें मानव मस्तिष्क में कुछ असाधारण और कुछ ऐसी चीज़ों का संकेत देती हैं जिनकी व्याख्या करना अभी बाकी है। उरी की आशा है कि मानव क्षमता को और अधिक तलाशने के लिए मानवता इन ताकतों की जांच करेगी। साथ ही, उन्होंने बार-बार कहा कि उनकी सबसे बड़ी इच्छा शांति थी

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

विश्व और इन शक्तियों के कारण वह अपने पास उपलब्ध मंचों का उपयोग सहिष्णुता और समझ के प्रवक्ता बनने के लिए करेगा।

डेनियल डी. होम और उरी गेलर घटना की तुलना

मुझे संदेह है कि उरी गेलर डेनियल डी. होम का पुनर्जन्म है।
मैं यह दिखाने की कोशिश में डैनियल डी. होम और उरी गेलर की टेलीपैथिक और साइकोकाइनेटिक क्षमताओं की समीक्षा करूंगा कि इन दोनों व्यक्तियों की प्रतिभाएं समान हैं।

फिर, मैं उनके व्यक्तित्व लक्षणों की तुलना करूँगा।
इस तरह, मैं एक और उदाहरण दिखाने की उम्मीद करता हूं कि कैसे प्रतिभाएं, योग्यताएं, रुचियां और व्यक्तित्व एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल तक सुसंगत रहते हैं। आइए सबसे पहले उन प्रतिभाओं पर चर्चा करें जो डेनियल होम और उरी गेलर में समान हैं।

पूर्वाभास, टेलीपैथी और दूर से देखना

होम: 4 साल की उम्र में, डैनियल होम ने पहली बार घटनाओं का वर्णन किया जो उससे दूर हुआ। क्या यह एक टेलीपैथिक घटना थी, जहां विचार उत्सर्जित हुए थे, या दूरदर्शिता का एक रूप था, यह स्पष्ट रूप से नहीं कहा जा सका। 17 साल की उम्र में, होम ने सटीक भविष्यवाणी की थी कि उसकी माँ 42 साल की उम्र में मर जाएगी। उसकी माँ की मृत्यु के बाद, यह बताया गया कि होम अभी भी आत्मा क्षेत्र में उसके साथ लगातार संपर्क में था। इस संचार को एक टेलीपैथिक घटना के रूप में देखा जा सकता है जिसमें एक आत्मा शामिल है।

होम में 13 साल की उम्र में एक दृश्य टेलीपैथिक संदेश है, जिसमें इरविन नाम का बचपन का सबसे अच्छा दोस्त प्रकट होता है और अपने दाहिने हाथ से तीन घेरे बनाता है। इरविन और होम ने वर्षों पहले एक समझौता किया था कि जो लोग पहले मरेंगे उनमें से एक दूसरे के साथ संवाद करने का प्रयास करेगा। होम इस दृष्टि अर्थ की सटीक व्याख्या करता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

इरविन की मृत्यु 3 दिन पहले हो गई थी।5 बाद में, होम को ध्रुवीय महासागर में अपने भाई की मृत्यु का आभास हुआ। होम का भाई, एडम, वास्तव में ध्रुवीय क्षेत्रों की जांच कर रहे एक जहाज के अधिकारियों के साथ भालू का शिकार करते समय मर गया।

गेलर: गेलर की सबसे प्रारंभिक अभिव्यक्तियों में से एक

अलौकिक क्षमताएँ उसकी माँ के मन को पढ़ने की क्षमता थी। एक बच्चे के रूप में उरी बार-बार यह बताने में सक्षम था कि उसकी माँ ने कार्ड गेम में कितने पैसे जीते या हारा। बाद में, उरी को टेलीपैथिक तरीके से पता चलता है कि उसकी माँ एक कार दुर्घटना में है। साइप्रस में, उसे पता चला कि वह अपने सहपाठियों से टेलीपैथिक रूप से उत्तर और संपूर्ण निबंध लेकर, बिना पढ़ाई किए, स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण कर सकता है।

उरी गेलर को खतरे और मौत के कई पूर्वाभास हो चुके थे। एक बच्चे के रूप में, चिड़ियाघर की यात्रा के दौरान, उरी को महसूस हुआ कि एक खतरनाक स्थिति उत्पन्न हो गई है और उसे तुरंत जगह छोड़ने की इच्छा हुई। बाद में पता चला कि एक शेर अपने पिंजरे से भाग गया था और चिड़ियाघर में कई आगंतुकों का पीछा कर रहा था। एक किशोर के रूप में, उरी को टेलीपैथिक रूप से पता चलता है कि उसके सौतेले पिता को एक आपातकालीन चिकित्सा स्थिति के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वह अस्पताल चला गया और सीधे चौथी मंजिल की ओर चला गया, जहां उसके सौतेले पिता की निगरानी की जा रही थी। उरी अपने सौतेले पिता को उसकी स्थिति या उसके सौतेले पिता के स्थान के बारे में किसी बाहरी सूचना के बिना ढूंढता है। वह यह भी जानता था कि उसके सौतेले पिता की मृत्यु हो जायेगी।

जब उसके पिता उरी को स्टील की जंजीरों वाले एक सैन्य वाहन में ले जाते हैं और जैसे ही वे एक खड़ी बैंक पर चढ़ने लगते हैं, तो उन्हें एहसास होता है कि खतरा आसन्न है और उरी जिद करता है कि उसके पिता बैंक छोड़ दें। कुछ सेकंड बाद, भारी वाहन की स्टील की एक चेन टूट गई, जिससे वाहन किनारे पर होने पर पलट गया।

जब छह दिवसीय युद्ध छिड़ जाता है और उरी युद्ध में जाने के लिए तैयार होता है, तो उसे पूर्वाभास होता है कि उसके साथ कुछ होगा, जैसे कि घायल होना, लेकिन वह यह भी जानता है कि वह मरेगा नहीं। ये सच निकला

Machine Translated by Google

घटित होना। जब वह एक बख्तरबंद वाहन के शीर्ष पर अवराम नाम के एक दोस्त को देखता है, तो उरी को एक पूर्वाभास होता है कि अवराम युद्ध में मर जाएगा, जो अगले दिन होता है।

जब युद्ध के बाद उरी गेलर ने बच्चों के शिविर में प्रदर्शन किया, तो टेलीपैथी, जैसे कि बच्चों के दिमाग में आने वाली संख्याओं का सही अनुमान लगाना, उनकी प्रदर्शित प्रतिभाओं में से एक थी। जैसा कि पहले चर्चा की गई है, उरी गेलर की टेलीपैथिक क्षमताओं को स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट में वैज्ञानिक रूप से सिद्ध किया गया है। एसआरआई में किए गए परीक्षणों में दृश्य से छिपी हुई छवि को फिर से बनाने का प्रयास शामिल था। इस क्षमता को दृश्य टेलीपैथी माना जा सकता है, हालाँकि "दूरदर्शिता" शब्द का भी प्रयोग किया जा सकता है।

वस्तुओं का संचलन, तैरना और हेरफेर

घर: घर में होने वाली आम घटनाओं में से एक है भारी फर्नीचर सहित वस्तुओं का हिलना और तैरना।

एक दिलचस्प बात यह है कि मेज पर रखी वस्तुएं, जो तैरती हैं और क्षैतिज रूप से घूमती हैं, मेज पर चिपकी हुई सी रहती हैं। मोमबत्ती की लपटें झुकी हुई मेज पर ऊपर की ओर अपनी दिशा बनाए रखती थीं।

इसलिए, आग की लपटें गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देती हुई प्रतीत हो रही थीं। कुर्सियाँ, लैंप और अन्य घरेलू सामान अपने आप हिलेंगे, और अकॉर्डियन और पियानो अपने आप बजेंगे जैसे कि किसी अदृश्य हाथ से हिल रहे हों। चमकते हाथ दिखाई देंगे, दर्शकों को छूएंगे, या वस्तुएं उठाएंगे, फिर गायब हो जाएंगे। भाप जैसे बादल अनायास प्रकट होंगे और फिर गायब हो जायेंगे। सर विलियम क्रूक्स ने इनमें से कई घटनाओं को नियंत्रित परिस्थितियों में देखा। इन घटनाओं के कारण, एक पर्यवेक्षक ने होम पर टिप्पणी की, "यह जो महान आकर्षण प्रदर्शित करता है वह निर्जीव वस्तुओं के साथ इसका रहस्यमय संबंध है।"6

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

गेलर: किंग्स कॉलेज में नियंत्रित प्रयोगशाला स्थितियों के तहत, वस्तुएं कमरे में अपने आप घूमती दिखाई दीं, एक हाथ का कंपास 40 डिग्री विचलित हो गया और एक गीजर गेज सक्रिय हो गया। बिर्कबेक कॉलेज में, नियंत्रित परिस्थितियों में, चाबियाँ मोड़ दी जाती हैं, एक गीगर गेज सक्रिय हो जाता है, और वैनेडियम कार्बाइड क्रिस्टल का आधा हिस्सा अलग हो जाता है। जब उरी गेलर अभिनेता जिमी स्टीवर्ट के घर पर थे, स्टीवर्ट की लाइब्रेरी में दरियाई घोड़े की एक चट्टान पर नक्काशी अचानक घर के खुले प्रांगण में दिखाई दी। एक महिला मित्र के घर पर, एक बंद अलमारी में 1000 ईसा पूर्व की मिस्र की एक मूर्ति अचानक दिखाई देती है।

जब उरी गेलर इंग्लैंड के रास्ते में हवाई जहाज पर थे, तो उनका कैमरा, जो उन्होंने अपनी सीट के नीचे रखा था, अनायास ही उनके सामने तैरने लगा। डॉ पर

एंड्रीजा पुहारिच, गेलर की उपस्थिति से पहले, एक प्राचीन भारी दीवार घड़ी अपने आप कमरे में सरक गई, बिल्कुल वैसी ही जैसी घटना होम ने अनुभव की थी। गेलर ने यह भी कहा कि एक ऐशट्रे एक मेज से उछलकर फर्श पर आ गई और एक फूलदान दूसरे कमरे से चला गया और एक मेज पर आ गिरा। इन घटनाओं की घटनाएँ होम द्वारा उत्पन्न घटनाओं के समान हैं।

बेशक, उरी गेलर की खासियत चम्मच और अन्य धातु की वस्तुओं को अपने दिमाग से मोड़ना था।

हालाँकि धातु का झुकना होम की सामान्य घटनाओं में से एक के रूप में रिपोर्ट नहीं किया गया है, लेकिन होम और गेलर की घटनाओं में एक समानता यह है कि यह भौतिकी के सामान्य नियमों से अलग है।

होम और गेलर दोनों की घटनाओं में गुरुत्वाकर्षण के नियम की समाप्ति, बाहरी ताकतों के बिना वस्तुओं की गति जो उन्हें प्रेषित होती है और उनका उद्भव शामिल है/

गायब होना

अंत में, टिप्पणी, "यह महान आकर्षण प्रदर्शित करता है निर्जीव वस्तुओं के साथ इसका रहस्यमय संबंध है," होम और गेलर पर समान रूप से लागू होता है।

Machine Translated by Google

हिलता हुआ कमरा

होम: होम सेन्स प्रदर्शन करता है
नेपोलियन तृतीय और फ्रांस की महारानी के लिए नियमित। इनमें से एक घटना में, यह देखा गया कि पूरा कमरा हिल गया।
एलिजाबेथ ब्राउनिंग, एक ब्रिटिश कवि, ने भी कहा कि एक सत्र सत्र के दौरान, कमरा भूकंप की तरह हिल गया।

गेलर: जब डॉ. के कमरे में प्राचीन घड़ी सरकती चली गई।
गेलर का घर. एंड्रीजा पुहारिच, गेलर ने भी देखा कि "कमरा हिल गया"।

जीवित प्राणियों का तैरना/स्थानांतरण

घर: सत्र के दौरान घर तैरता हुआ दिखता है
विभिन्न आयोजनों में. सर विलियम क्रूक्स ने इनमें से दो घटनाओं का अवलोकन किया।
सबसे प्रसिद्ध होम होवरिंग कार्यक्रम 16 दिसंबर, 1867 को एशले हाउस, लंदन में हुआ, जो उस समय एडारे परिवार के स्वामित्व में था।

घर एक कमरे की खिड़की से क्षैतिज रूप से तैरता है और फिर इमारत से बाहर दूसरे कमरे की खिड़की की ओर तैरता है, जब तक कि वह इमारत में फिर से प्रवेश नहीं कर जाता। जब होम इमारत से बाहर निकला, तो वह जमीन से ठीक 50 फीट ऊपर था। उस वक्त कई गवाह मौजूद थे.

गेलर: नियमित बहाव की घटनाएं अभी तक उरी गेलर की क्षमताओं का हिस्सा नहीं हैं, हालांकि वह इस क्षमता के अधिक उन्नत संस्करणों में दिखाई देते हैं। 9 नवंबर, 1975 को, उरी गेलर ने एक घटना का जिक्र किया जिसमें उन्हें मैनहट्टन में ईस्ट साइड से स्थानांतरित कर दिया गया था।

ओस्सिनिंग, न्यूयॉर्क में डॉ. एंड्रीजा पुहारिच का घर, लगभग तुरंत ही। मैनहट्टन और ओस्सिनिंग लगभग 40 मील दूर हैं।
अपनी आत्मकथा, माई स्टोरी में, गेलर ने बताया है कि वह मैनहट्टन की सड़क पर चल रहा था, अपने घर जा रहा था, जब उसे अचानक महसूस हुआ कि उसे चूसा जा रहा है। अगली बात जो उसे पता चली, वह यह कि वह फ़ोयर में एक शीशे के शीशे से गिर गया था। गेलर कांच की मेज पर जा गिरा, जिससे कांच की सतह टूट गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना से कुछ समय पहले गेलर को मैनहट्टन में देखा था और पुहारिच घर पर था

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

ओस्सिनिंग, जब उसने उरी गेलर को घिसा-पिटा और स्तब्ध पाया।6

एक अन्य घटना में, पुहारिच का कुत्ता रसोई के फर्श से घर के बाहर सड़क पर चला गया, जो तब हुआ जब गेलर वहां था।7

लोगों में मध्यमवादी क्षमताओं को ट्रिगर करने की क्षमता अन्य

होम: यह ध्यान दिया जाता है कि डैनियल होम, प्रिंस की उपस्थिति में नेपल्स के राजा का भाई लुइगी, माध्यम की क्षमता स्वयं प्रकट करता है।

गेलर: उरी गेलर के रेडियो के बारे में सबसे आश्चर्यजनक चीजों में से एक 1970 के दशक में साक्षात्कार यह था कि गेलर के रेडियो शो के दौरान हजारों श्रोताओं ने अपने घरों में धातु के झुकने की सूचना दी थी। इसके अलावा, वर्षों से बंद पड़ी दीवार घड़ियाँ और घड़ियाँ अनायास ही फिर से काम करने लगीं। यही घटना तब घटित हुई जब उरी गेलर के बारे में एक अखबार में लेख प्रकाशित हुआ, जब पाठकों को एक साथ पूर्व निर्धारित और समायोजित समय पर धातु को मोड़ने के लिए आमंत्रित किया गया। लोगों के घरों में धातु को मोड़ने और घड़ियों की मरम्मत करने की क्षमता शुरू करने की घटना लंदन, जर्मनी, डेनमार्क, स्वीडन, फिनलैंड और जापान में भी हुई। डेनमार्क में गेलर का कार्यक्रम सुन रही एक महिला ने शिकायत की कि कुछ हुआ ही नहीं. कुछ क्षण बाद, उसके चश्मे का धातु का फ्रेम उसकी नाक पर मुड़ गया। अन्य लोगों में मनोविश्लेषणात्मक क्षमताओं को कैसे जागृत किया जा सकता है, इसके और भी अधिक आश्चर्यजनक प्रदर्शन में, रेडियो प्रसारण ने गेलर के समान क्षमताओं वाले 15 बच्चों की पहचान की। इसके बाद प्रोफेसर जॉन टेलर ने किंग्स कॉलेज में इन बच्चों का अध्ययन किया। उन्होंने पाया कि ये बच्चे हर बार कोशिश करने पर धातु को 80% मोड़ने में सक्षम थे, गेलर के समान दर।8

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

ऐसा माना जाता है कि ताकत माध्यम के बाहर से आती है; प्रभावशीलता में भिन्नता है

होम: होम बार-बार कहता है कि सत्ता की ताकतें उसके बाहर से आती हैं और उन पर उसका कोई नियंत्रण नहीं है। सत्रों में, वह इस बात की गारंटी नहीं दे सके कि घटनाएँ प्रकट होंगी और उन्होंने नोट किया कि शक्तियों की शक्ति भिन्न-भिन्न थी।

होम को एक बार उनके आध्यात्मिक मार्गदर्शकों या "नियंत्रकों" द्वारा सलाह दी गई थी कि उनकी शक्तियां ठीक एक वर्ष के लिए अस्थायी रूप से गायब हो जाएंगी, और ठीक वैसा ही हुआ।

यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि हर किसी की तरह, होम अक्सर अपने द्वारा उत्पादित घटनाओं से आश्चर्यचकित होता है। कभी-कभी, जब होम सत्र के बाद समाधि से जागता है

समाप्त किया और बताया कि जब वह अचेतन स्थिति में था तब क्या हुआ, उसे विश्वास नहीं हुआ कि वर्णित घटनाएँ वास्तव में घटित हुई थीं। अमेरिकी लेखक नथानिएल हॉथोर्न ने होम के बारे में लिखा कि वह "अपने अलौकिक प्रदर्शन से किसी अन्य व्यक्ति की तरह ही हैरान थे, वह इसके द्वारा उत्पन्न घटनाओं से हैरान और भयभीत थे।"9

गेलर: उरी गेलर ने बार-बार कहा है कि उनकी शक्तियां उनके बाहर से आती हैं। गेलर ने लिखा, "मुझे लगा कि ये ताकतें मुझसे बहुत दूर से आ रही हैं, ऐसा लगा जैसे मैं उनके बीच से एक पाइप की तरह गुजर रहा हूं।"10 "इसके अलावा, मैं हमेशा यह ध्यान रखता हूं कि ये शक्तियां या ऊर्जाएं मेरी नहीं हैं: वे केवल ब्रह्मांडीय ताकतों से उधार ली गई हैं जो ने इसे मुझे भेज दिया है।''11 गेलर ने यह भी देखा कि इन बलों की ताकत अलग-अलग हो सकती है, न ही वह यह अनुमान लगाने में सक्षम था कि वे कब मजबूत या कमजोर होंगे। जबकि गेलर को होम के अपने "नियंत्रकों" से मौखिक निर्देश नहीं मिले हैं, लेकिन उन्हें मिलते हैं।

उदाहरण के लिए, एक बार आधी रात में एक आवाज ने गेलर को जगाया और घोषणा की, "एंड्रीजा को एक किताब लिखनी चाहिए।" 12 डैनियल होम की तरह, उरी गेलर अक्सर उन घटनाओं से आश्चर्यचकित रह जाते थे जो उन्होंने खुद पैदा की थीं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

ताकत शरारती हो सकती है

होम: एक सेशन सत्र के दौरान, जिसे होम ने एक मेज पर करने की कोशिश की, उसकी अपनी कुर्सी, जिस पर होम बैठा था, कुछ फीट पीछे खिसक गई। घर भी दूसरों की तरह ही आश्चर्यचकित था। डरते-डरते अपनी कुर्सी वापस मेज पर रखते हुए, उन्होंने अपने मेहमानों को समझाया कि उस रात सेनाएँ "शरारती" थीं।

गेलर: उरी गेलर होम द्वारा अनुभव की गई स्थिति के समान ही स्थिति का वर्णन करने में सक्षम थे। गेलर ने लिखा है, “यह बुद्धि या ऊर्जा या शक्ति- जो भी वे हैं, ब्रह्मांड में दिखाई देने वाले जोकरों की तरह हैं। वे अक्सर ऐसी चीजें करते हैं जिनकी मुझे उम्मीद नहीं होती।''13 उदाहरण के लिए, जब स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट में गेलर का मूल्यांकन किया जा रहा था, तो वह, एडगर मिशेल और अन्य शोधकर्ता दोपहर का भोजन कर रहे थे।

जब वह आइसक्रीम खा रहा था, गेलर को उसके मुँह में एक छोटा धातु का तीर मिला। उनकी पहली प्रतिक्रिया रेस्तरां के प्रबंधन का विरोध करना था। तभी, मेज पर तीरों की एक पूँछ दिखाई दी। एडगर मिशेल को तब एहसास हुआ कि दो टुकड़ों ने तीर के आकार में एक टाई क्लिप बनाई है जिसे उन्होंने वर्षों पहले खो दिया था।

ताकत सुरक्षात्मक हो सकती है

होम: यह नोट किया गया कि कम से कम एक अवसर पर बल

बल ने घर को चोट से बचाया। विशेष रूप से, होम एक गिरे हुए पेड़ के रास्ते से तैरता है।14

गेलर: उरी गेलर ने कई घटनाओं का वर्णन किया है, जिसमें उनका मानना है कि उनकी शक्तियों को नियंत्रित करने वाली बुद्धिमत्ता ने उन्हें नुकसान या परेशानी से बचाया है। सबसे स्पष्ट में से एक सैन्य अभ्यास के दौरान होता है। अपनी सैन्य प्रशिक्षण अवधि के दौरान, गेलर को एक विस्तारित प्रशिक्षण दौड़ में एक भारी मशीन गन ले जाना था। चूंकि ड्रिल में बंदूक चलाना शामिल नहीं था, इसलिए उन्होंने मशीन गन से भारी स्पेयर पार्ट्स निकाले और उन्हें अपने कमरे में छोड़ दिया।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अप्रत्याशित रूप से, एक अचानक ड्रिल का आदेश दिया गया जिसमें गेलर को राइफल को फिर से जोड़ने के तुरंत बाद फायर करना था। गेलर ने मशीन गन को स्थापित करने के लिए कदम उठाए, यह जानते हुए कि यह स्पेयर पार्ट्स के बिना फायर नहीं करेगा। उसे चिंता थी कि उसे अपने किए की कड़ी सज़ा मिलेगी। जब उसने ट्रिगर दबाया, तो गेलर यह देखकर आश्चर्यचकित रह गया कि राइफल से ठीक से फायर हुआ। जब वह कमरे में लौटा, तो उसने पाया कि स्पेयर पार्ट्स बिल्कुल वहीं थे, जहां उसने उन्हें छोड़ा था।

फर्क सिर्फ इतना था कि उसने उन्हें साफ छोड़ दिया था, जबकि जब वह वापस आया तो वे गंदे और चिकने थे, जैसे कि उनका इस्तेमाल राइफल चलाने के लिए किया गया हो।

तो ऐसा लगता है कि स्पेयर पार्ट्स को सैन्य प्रशिक्षण मैदान में ले जाया गया था, फिर मशीन गन को फायर करने का कार्य पूरा होने के बाद गेलर के कमरे में वापस कर दिया गया था।15

सुरक्षा के दो अन्य उदाहरण उरी गेलर में लिखे गए हैं आत्मकथात्मक पुस्तक. जब वह किशोर था और साइप्रस में रह रहा था, उरी एक काली गुफा में खो गया था। जैसे ही वह जीवित बाहर निकलने के लिए बेताब था, उसका कुत्ता, जिसे उरी ने कुछ मील दूर घर पर छोड़ा था, रहस्यमय तरीके से गुफा में दिखाई दिया। फिर उरी का कुत्ता उसे सुरक्षित बाहर ले जाता है। एक अन्य अवसर पर, गेलर भूमध्य सागर में गोता लगा रहा था। एक शार्क निकली और उसका चक्कर लगाने लगी. जैसे ही शार्क हमला करने वाली थी, गेलर ने अपनी आँखें बंद कर लीं और अपनी भाले की बंदूक से शार्क पर अंधाधुंध गोली चला दी। जब उसने आँखें खोलीं तो शार्क नज़रों से ओझल थी।

वध देखना

होम: यह बताया गया कि होम में भयानक भूत थे, जिससे वह रोने और कांपने लगा।16

गेलर: ट्रान्स में रहते हुए, उरी गेलर ने "दैट" नामक एक कविता लिखी दिन"। यह कविता उस समय के बारे में है जब "हवा पीली हो गई", "धूल गिर गई", "वे।"

Machine Translated by Google

आकाश खोल दिया", और "मुझे अंत पता है"।17 गेलर ने पृथ्वी पर होने वाली एक भयानक तबाही के बारे में कविता की व्याख्या की।
हालाँकि वे इन कविताओं को पूरी तरह से समझ नहीं पाए और स्वीकार करते हैं कि ये महान साहित्यिक कृतियाँ नहीं थीं, गेलर ने कहा, "मैं उन्हें गहराई से महसूस कर सकता था।"18

मिशन की भावना और ईश्वर में विश्वास

होम: हालाँकि डैनियल होम को यह समझ में नहीं आता कि उनकी क्षमताएँ कहाँ से आती हैं, उन्हें लगता है कि शक्ति का यह प्रदर्शन मानव जाति के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। जब वे पहली बार मिले, तो होम ने अपनी भावी पत्नी साचा से कहा, "मैडेमोसेले (मिस), मुझे विश्वास है कि आप हमेशा यह ध्यान में रखेंगी कि मुझे एक मिशन सौंपा गया है। एक महान और पवित्र मिशन।''19

घर भी लगातार ईश्वर में महान विश्वास व्यक्त करता है। साइकोकाइनेटिक शो प्रस्तुत करने के बाद, होम ने कहा, "भगवान अच्छा है ना?
उसके कानून अद्भुत हैं, है ना?

गेलर: उरी गेलर, जिसे यह भी समझ नहीं आता कि कहां
उसकी शक्तियाँ कहाँ से आती हैं, यह भी महसूस करता है कि इन रहस्यमय शक्तियों के बारे में संदेश फैलाना उसके हित में है। गेलर ने लिखा, "एक बात जो मैं निश्चित रूप से जानता हूं वह यह है कि मैं इन घटनाओं को प्रदर्शित करने के लिए मजबूर महसूस करता हूं, न केवल जीविका के लिए, बल्कि इसलिए क्योंकि मुझे पता है कि यहां से कुछ महत्वपूर्ण निकलने वाला है, लेकिन मुझे यह भी नहीं पता कि यह क्या है। "21 गेलर ने निम्नलिखित संबंधित बयान भी दिया, "मैं यह विश्लेषण करने की कोशिश कर रहा हूं कि मेरा दिल जितना संभव हो उतने लोगों के साथ संवाद करने के लिए क्यों प्रेरित होता है... मैं लोगों को और अधिक जानने देने के लिए प्रेरित होता हूं, किसी न किसी तरीके से उन्हें बता देता हूं। "22

उरी गेलर भी अक्सर ईश्वर में अपने आंतरिक विश्वास को व्यक्त करते हैं और विश्व शांति उनकी सबसे बड़ी इच्छा है। उन्होंने लिखा, "मैं प्यार की ताकत और हर जगह के लोगों में दृढ़ता से विश्वास करती हूं। मुझे भी पूरा विश्वास है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

ईश्वर के बारे में... और मेरा दृढ़ विश्वास है कि अगर हमें जीवित रहना है तो इस दुनिया में शांति होनी चाहिए।''23

हालाँकि यह अटकलें हैं, मुझे आश्चर्य है कि डैनियल होम और उरी गेलर जो बड़ी तबाही के सपने देखते हैं, क्या वे मिशन की भावना को व्यक्त करते हैं जो वे दोनों व्यक्त करते हैं। ऐसा लग रहा था जैसे कि जिन शक्तियों के द्वारा उन्होंने मानवता दिखाई है वे किसी तरह एक बड़ी तबाही से बचने में मदद करेंगी, जो भविष्य में घटित होने की संभावना थी।

मैं यह भी प्रश्न करता हूं कि क्या वही दर्शन जॉन द्वारा प्रकाशितवाक्य की पुस्तक से अनुभव किया गया था, जो नए नियम में लिखे गए प्रलय के दिन के दर्शन की ओर ले जाता है। शायद ये दर्शन इस बात की भविष्यवाणी नहीं हैं कि क्या होगा, बल्कि क्या हो सकता है, अगर मानवता उस चरण से आगे विकसित नहीं हुई होती जहां संघर्षों को सुलझाने के लिए अभी भी हिंसा का इस्तेमाल किया जाता था। यदि हम आध्यात्मिक प्राणी के रूप में अपनी वास्तविक पहचान को बेहतर ढंग से समझते हैं, तो संभवतः परमाणु युद्ध के खतरों के लिए उपयुक्त विनाशकारी आपदा के दृश्यों से बचा जा सकता है। ऐसा लगता है कि यह डेनियल होम मिशन के साथ-साथ चल रहा उरी गेलर मिशन भी है।

अर्थ जो भी हो, आकाश में मेरे अपने आध्यात्मिक सलाहकार, अहतुन रे, ऊपर वर्णित विश्लेषण से सहमत हैं।

स्थापित धर्मों का सम्मान

घर: हालाँकि घर 19वीं सदी का सबसे प्रसिद्ध भौतिक माध्यम था, इसने स्थापित धर्मों के प्रति सम्मानजनक रवैया बनाए रखा। होम एक समय में रोमन कैथोलिक थे और यहां तक कि पोप पायस IX से भी मिले थे। जब होम ने सच्चा से विवाह किया, तो वह ग्रीक ऑर्थोडॉक्स चर्च में परिवर्तित हो गया। उनकी मृत्यु के बाद, होम मूर्तिकला सीखने के लिए रोम लौट आए। कैथोलिक धर्म में उनके पिछले रूपांतरण के बावजूद, पोप की सरकार ने जादू टोना का उपयोग करने के आरोप में उन्हें रोम से निष्कासित कर दिया। होम इस घटना को दुःख के साथ देखता है, क्योंकि उसे लगता है कि एक प्रबुद्ध चर्च को उसके काम में दिलचस्पी लेनी चाहिए। निष्कासन थोड़ा अजीब मोड़ के साथ आया। जब घर मिलता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

रोम के पुलिस प्रमुख जब अपने ऊपर लगे आरोपों को सुनने पहुंचे तो उनके साथ काम करने वाली आत्माओं या ताकतों ने अचानक होम के समर्थन में प्रमुख की मेज पर दस्तक दे दी। हालाँकि ऐसा हुआ, फिर भी घर को छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।24

गेलर: सबसे लोकप्रिय भौतिक माध्यम होने के बावजूद 20वीं सदी, उरी गेलर अभी भी स्थापित धर्मों के प्रति सम्मान का रवैया रखता है। गेलर का पालन-पोषण यहूदी पृष्ठभूमि में हुआ था और जब उन्होंने हन्ना से शादी की तो उन्होंने पारंपरिक यहूदी विवाह किया।

हाल ही में गेलर ने दिवंगत पोप जॉन पॉल द्वितीय से भी आशीर्वाद मांगा और प्राप्त किया। एक समय पोप के आशीर्वाद को उनकी वेबसाइट www.urigeller.com पर गर्व से प्रदर्शित किया गया था।

व्यक्तित्व लक्षणों की समानताएँ

डेनियल डी. होम और उरी गेलर दोनों में कई विशेषताएं समान हैं सामान्य। समानताओं में से एक में उनकी आत्मकथा के शीर्षक शामिल हैं। होम ने अपनी पुस्तक का नाम 'इंसीडेंट्स ऑफ माई लाइफ' रखा, जबकि गेलर ने अपनी पुस्तक का नाम 'माई स्टोरी' रखा। वाक्यांश "माई लाइफ" और "माई स्टोरी" समान हैं। करियर के संबंध में, होम और गेलर दोनों के पास भौतिक माध्यम होने के अलावा कोई पेशा नहीं है, एक ऐसा व्यवसाय जिसके लिए प्रत्येक ने अच्छी तरह से अनुकूलित किया है। होम और गेलर दोनों ने शो के मास्टर के रूप में प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। उदाहरण के लिए, होम को दर्शकों द्वारा पसंद किया गया बताया गया है, यहाँ तक कि छोटे बच्चों द्वारा भी। उरी गेलर ने कहा कि वह बचपन से ही एक स्टेज अभिनेता या फिल्म स्टार बनना चाहते थे। जब गेलर ने पहली बार एक सार्वजनिक कार्यक्रम पेश किया, तो उन्होंने पाया कि उन्होंने वास्तव में इसका आनंद लिया। उन्होंने उल्लेख किया है कि वह एक "कलाकार हैं जो अपनी आवाज़ से आगे बढ़ना पसंद करते हैं"।

होम और गेलर दोनों ने संगीत के प्रति झुकाव दिखाया कला। होम ने निपुणता के साथ पियानो बजाया, जबकि गेलर ने स्वाभाविक रूप से पियानो बजाया, सुनकर इसे बजाना सीखा। घर पर मूर्तिकला सीखना; गेलर एक चित्रकार हैं और उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में कई प्रदर्शनियाँ की हैं

Machine Translated by Google

कई साल। घर को सुंदर माना जाता है और वह बहुत मिलनसार है, क्योंकि उसे विभिन्न प्रकार के लोगों से मिलना और बातचीत करना पसंद है। इसी तरह उरी गेलर के साथ भी। होम और गेलर यात्रा के लिए एक समान पसंद के साथ-साथ अपने पसंदीदा भौगोलिक क्षेत्र को भी साझा करते हैं। होम का जन्म स्कॉटलैंड में हुआ, वे संयुक्त राज्य अमेरिका चले गए, फिर अपना मुख्यालय लंदन ले गए। वहां से उन्होंने पूरे यूरोप की व्यापक यात्रा की। उरी गेलर का जन्म इज़राइल में हुआ था, वे अस्थायी रूप से मैनहट्टन में रहे, फिर लंदन के पास इंग्लैंड में बस गए। वहां से, होम की तरह, गेलर ने भी अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करते हुए बड़े पैमाने पर यात्रा की।

लेखन शैली भी सुसंगत रहती है। तुलनात्मक उद्देश्यों के लिए, मैंने होम द्वारा अपने बेटे ग्रिचा को लिखे गए एक पत्र का चयन किया है, साथ ही उरी गेलर: माई स्टोरी के दो पत्रों का भी चयन किया है। दिलचस्प बात यह है कि होम का पत्र तब लिखा गया था जब वह सैन फ्रांसिस्को क्रॉनिकल के लिए एक समाचार पत्र संवाददाता होने का नाटक कर रहा था, जिसने फ्रेंको-प्रशिया युद्ध के दौरान पेरिस पर हमले को कवर किया था। "आवाज़"

डैनियल होम द्वारा लिखे गए इस पत्र में उरी गेलर स्पष्ट है, कम से कम मेरे कानों और दिमाग में। इस पत्र में राजा का तात्पर्य प्रशिया के राजा विल्हेम प्रथम से है, जो होम के पुराने मित्र, फ्रांस के सम्राट, नेपोलियन III के साथ युद्ध में था। होम के पत्र के बाद गेलर का साइप्रस का वर्णन आता है, क्योंकि उसे यह बचपन से याद है। दूसरे लेख में, गेलर एक घटना का वर्णन कर रहे हैं जिसमें उन्होंने और यात्रियों के एक समूह ने धातु के ईंधन पाइप को अपने दिमाग से मोड़कर स्पष्ट रूप से एक क्रूज जहाज को स्थिर कर दिया था।

लेख में, गेलर ने इसे एक सीमावर्ती घटना के रूप में संदर्भित किया, क्योंकि वह पूरी तरह से आश्वस्त नहीं थे कि एक मनोवैज्ञानिक घटना के कारण पाइप झुक गए थे। आइए अब हम डैनियल होम के अपने बेटे को लिखे पत्र की जांच करें।

25 अक्टूबर, 1870

प्रिय ग्रिचाकु,

मैंने अभी भी आपसे नहीं सुना है लेकिन मुझे पता है कि यह एक डाक त्रुटि थी।

Machine Translated by Google

पोस्ट में देरी हो रही है और अभी भी हो रही है क्योंकि असॉल्ट राइफलों को आगे लाया जाना जारी है। यहां हालात बहुत खराब हैं; और मुझे दोबारा घर आना अच्छा लगेगा। 21 तारीख को हमारी भयानक लड़ाई हुई। मैं इसके बीच में था और घायलों को वापस लाने में मदद की।

यह एक भयानक दृश्य था और अब भी यह एक भयानक सपने जैसा लग रहा था। मैं तुम्हें तुरंत सब कुछ बता दूँगा।

20 तारीख को, मैं वर्सेल्स से लगभग तीन या चार मील दूर एक खूबसूरत गेस्टहाउस देखने गया; और वहीं, राजा आए और हमारी लंबी बातचीत हुई।

मैंने उस दिन स्ट्रासबर्ग से लिए गए कागज के एक टुकड़े पर लिखा था
इसने आत्मसमर्पण कर दिया... मैं वास्तव में आप सभी को देखने और उन घंटों को गिनने की आशा करता हूं जब मैं मुक्त हो सकता हूं।25

निम्नलिखित लेख मेरी कहानी से लिए गए हैं, जो इसमें प्रकाशित हुआ है
1975, होम द्वारा ग्रिचा को अपना पत्र लिखने के लगभग 100 साल बाद।

किसी भी बच्चे की तरह, मैं अक्सर रोमांच के लिए यात्रा करता हूँ। साइप्रस एक द्वीप है और समुद्र ने मुझे हमेशा प्रभावित किया है। साइप्रस के चारों ओर का समुद्र सुंदर है। मुझे उससे प्यार हो गया है। समुद्र इतना साफ है कि आप पानी में आठ मीटर तक एक सिक्का गिरा सकते हैं और फिर भी उसे नीचे देख सकते हैं। मैंने स्कूल में एक दोस्त से स्नॉर्कलिंग के बारे में सीखा और इसका दीवाना हो गया। साइप्रस के चारों ओर का पानी क्रिस्टल की तरह इतना साफ है कि आप समुद्री जानवरों और पौधों के सुंदर पैटर्न देख सकते हैं, ये सब एक रोमांचक नई दुनिया है।26

कुछ घटनाएँ सीमा पर हैं। इनमें से एक हुआ
जब मेरे दो सबसे करीबी दोस्तों, बायरन और मारिया जेनिस ने मुझे पुनर्जागरण क्रूज जहाज पर बोर्डो से इटली तक की यात्रा पर अपने साथ जाने के लिए आमंत्रित किया। बायरन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक कॉन्सर्ट पियानोवादक के रूप में जाने जाते हैं, और उनकी पत्नी, मारिया, जो गैरी कूपर की बेटी हैं, एक अद्भुत कलाकार हैं। यह एक म्यूजिकल क्रूज़ है. बायरन ने पियानो बजाया, और जहाज के डेक पर हंगेरियन स्ट्रिंग चौकड़ी के सदस्य भी थे।27

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

डैनियल होम और उरी गेलर की लेखन शैली एक समान है, जिसमें वे दोनों छोटे वाक्यों का उपयोग करते हैं, जो "सुंदर", "अद्भुत", "भयानक" और "डरावना" जैसे विविध विशेषणों से भरे होते हैं।

होम और गेलर मित्रों और सहकर्मियों से प्राप्त प्रतिष्ठित उपाधियों या उपाधियों का उल्लेख करना पसंद करते हैं। इन तीन उद्धरणों में रोमांच की भावना प्रकट होती है और बच्चों जैसी मासूमियत भी नजर आती है।

कर्म संबंध और प्रकटीकरण

डैनियल डी. होम और उरी गेलर का अध्ययन करते समय, मुझे होम के सहयोगियों और उरी गेलर के आसपास के लोगों के बीच एक काल्पनिक पिछले जीवन के रिश्ते का पता चला। अहतुन रे ने इन जोड़ियों की पुष्टि की है. मैं पिछले जीवन के अधिकांश रिश्तों के बारे में विस्तार से नहीं बताऊंगा, हालांकि मैं नेपोलियन III से जुड़े कुछ रिश्तों पर चर्चा करूंगा।

होम की पहली पत्नी, सच्चा, की पहचान आज उरी गेलर की पत्नी हन्ना के रूप में की गई है। डेनियल होम और साचा का ग्रिचा नाम का एक बेटा है। वर्तमान में, ग्रिचा शिपी, हन्ना का भाई और उरी गेलर का युवा मित्र और प्रबंधक है। इस वजह से, एक विवाहित जोड़ा फिर से एक हो गया है और सच्चा का बेटा लौट आया है और सच्चा/हन्ना की बड़ी बहन की भूमिका निभाता है। पाठकों को याद होगा कि एक माध्यम के रूप में होम की क्षमता तब मजबूत होती है जब होम का बेटा ग्रिचा मौजूद होता है। यह घटना फिर से घटित हुई है, जब ग्रिचा/शिपी मौजूद थे, तब उरी गेलर की टेलीपैथिक और धातु झुकने की क्षमता भी मजबूत हो गई थी। होम की दूसरी पत्नी, जूली डी ग्लौमेलिन, इस जीवन में याफ़ा नाम की एक महिला थी, जिससे छह-दिवसीय युद्ध में शामिल होने के तुरंत बाद गेलर को प्यार हो गया। हालाँकि उनका दीर्घकालिक रिश्ता कभी विकसित नहीं हुआ, उरी गेलर ने लिखा कि वह हमेशा याफ़ा से प्यार करेंगे।

होम का मिस्टर एंड मिसेज डी. जार्विस नाम के एक कलाकार जोड़े से गहरा संबंध है। इस जीवन में, परिवार

Machine Translated by Google

जार्विस बायरन और मारिया जेनिस हैं, जो कलाकार-महिला युगल हैं जिनका उल्लेख क्रूज जहाजों के बारे में लेखों में किया गया है। उरी गेलर ने देखा कि जब वह जार्विस/जेनिस परिवार से पहली मुलाकात के दौरान मिले तो उन्हें अपनेपन का एहसास हुआ।

न्यायाधीश जॉन एडमंड्स न्यूयॉर्क सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश थे जिन्होंने कनेक्टिकट में रहने के दौरान होम को अपने मध्यम कौशल का प्रदर्शन जारी रखने का समर्थन किया था। इस जीवनकाल में, एडमंड्स एक लॉ स्कूल के डीन अम्नोन रुबिनस्टीन थे, जिन्होंने उरी गेलर को अपनी शक्तियों की वैज्ञानिक मान्यता और परीक्षण करने का प्रस्ताव दिया था।

होम की क्षमताओं में वैज्ञानिक जांच का समर्थन करने वाले रसायन विज्ञान के रूसी प्रोफेसर, अलेक्जेंडर अक्साकॉफ़ थे, जिन्होंने बाद में होम को सर विलियम क्रुक्स से परिचित कराया। इस जीवन में, पुनर्जन्मित अक्साकॉफ़ ने एक समान भूमिका निभाई, स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों से उरी गेलर का परिचय कराया। इस जीवन में अक्साकॉफ़ की पहचान डॉ. एंड्रीजा पुहारिच के रूप में की गई है।

बेशक, होम का अध्ययन करने वाले सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक सर विलियम क्रुक्स थे। डेनियल डी. होम/उरी गेलर पर एक बार फिर से शोध करने के लिए क्रूक्स ने भी 20वीं सदी में पुनर्जन्म लिया। सर विलियम की पहचान दिवंगत प्रोफेसर डेविड बोहन के रूप में की गई है।

डेनियल डी. होम विशेष रूप से देश के दो नेताओं के करीबी थे। एक था अलेक्जेंडर द्वितीय, रूस का ज़ार, जो होम के बेटे ग्रिचा का गॉडफादर बन गया। वर्तमान में, अलेक्जेंडर द्वितीय को एक अन्य राज्य प्रमुख के रूप में पुनर्जन्म दिया गया है, जो फिर से डैनियल होम/उरी गेलर से निकटता से संबंधित है।

अलेक्जेंडर द्वितीय ने मेक्सिको के पूर्व राष्ट्रपति जोस लोपेज़ पोर्टिलो के रूप में पुनर्जन्म लिया। होम के करीबी राज्य का एक अन्य प्रमुख नेपोलियन III था। नेपोलियन III के पुनर्जन्म में सबसे महत्वपूर्ण और दिलचस्प पिछले जीवन की पहचान का मामला शामिल है जिसका हमने कभी सामना किया है।

नेपोलियन तृतीय को आज के जीवन में उरी गेलर के नाम से ज्ञात इजराइल के नेता के रूप में पहचाना जाता है और उनके साथ संक्षिप्त फोटो भी ली गई थी। वर्तमान नेपोलियन III की पहचान एरियल शेरोन के रूप में की गई है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

नेपोलियन III और एरियल शेरोन के बीच शारीरिक समानता अद्भुत है और उनके व्यक्तित्व लक्षण लगभग समान हैं।

नेपोलियन III, शेरोन की तरह, एक हिंसक सैन्य शासक था, जिसे कुछ लोग अत्याचारी मानते थे।

वह उन सभी शत्रुओं को नष्ट कर देता है जो उसका विरोध करते हैं। उसी समय, नेपोलियन III को अपने लोगों, विशेषकर आम लोगों की बहुत परवाह थी, और वह उनकी समृद्धि बढ़ाने की कोशिश करता था।

एरियल शेरोन की तरह नेपोलियन तृतीय भी लोकतंत्र का समर्थक था। इन गुणों के कारण आम जनता ने नेपोलियन III का समर्थन किया और उसे सत्ता के लिए चुना। हालाँकि, लोकतांत्रिक सुधारों और अपने निरंकुश शासन के बीच संतुलन बनाना, सम्राट के लिए बहुत बड़ी कुशलता की बात थी। नेपोलियन III को अंततः फ्रांस से निर्वासित कर दिया गया जब वह फ्रेंको प्रशिया युद्ध हार गया।

जब अहतुन रे ने नेपोलियन III और एरियल शेरोन के बीच जोड़ी की पुष्टि की, तो मैंने पूछा कि नेपोलियन III का आज इज़राइल में पुनर्जन्म कैसे हो सकता है? वह कौन सा कार्मिक तर्क है कि नेपोलियन तृतीय इस्राएलियों का नेता बन गया? मैं यह भी पूछता हूं कि नेपोलियन III और एरियल शेरोन के दो अवतारों के दौरान ऐसी सैन्यवादी प्रवृत्ति क्यों थी।

अहतुन रे ने कहा कि फ्रांसीसी पैलेस मामलों में, यहूदी विरोधी विचार उच्च स्तर पर थे। उस पूर्वाग्रह को दूर करने के लिए, अदालत के सदस्यों ने यहूदी संस्कृति में अवतरित होने का विकल्प चुना। सैन्यवादी प्रकृति के बारे में एक सवाल के जवाब में, अहतुन रे ने कहा कि शेरोन हमेशा से ऐसी नहीं थी। वास्तव में, पिछले अवतारों में, शेरोन शांतिवादी प्रतीत होता है, उसे युद्ध में शामिल होना पसंद नहीं है। महत्वपूर्ण मोड़ 13वीं शताब्दी में, एशिया में जीवन की अवधि के दौरान हुआ, जब शेरोन एक ताओवादी था। चंगेज खान के हमले में, एरियल शेरोन के गांव को खान की सेना की रक्षा के लिए ढाल के रूप में इस्तेमाल किया गया था। चंगेज खान का विरोध करने वाली सेनाओं ने शेरोन के रहने वाले गांव को नष्ट कर दिया और उसमें रहने वाले सभी लोग मारे गए। उसी जीवनकाल में एरियल शेरोन ने शांतिवादी होने का अपना विचार त्याग दिया और यह निर्णय लिया

Machine Translated by Google

भविष्य में, वह अपने लोगों, अपने समूह को हमलों से बचाएगा।
अहतुन रे के अनुसार, इस तरह शेरोन का सैन्यवादी दृष्टिकोण सामने आया।

हालाँकि चंगेज खान के युग में जीवन की अभी तक निष्पक्ष पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन नेपोलियन III के रूप में उनका जीवनकाल वैध लगता है। यदि ये जीवन-पर्यंत पहचान जोड़े हैं जो मेल खाते हैं, तो नेपोलियन III और एरियल शेरोन के मामले से बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

मैंने बार-बार कहा है कि हम अपने धार्मिक या जातीय रुझान को एक जीवन से दूसरे जीवन में बदल सकते हैं।
नेपोलियन III एक ईसाई था, जबकि शेरोन एक यहूदी थी। विभिन्न धर्मों और जातीय समूहों के होने का लाभ यह है कि बाद के अवतारों में, हम अपने जीवन में विविधताओं का अनुभव कर सकते हैं।

यदि हमारे पास ईश्वर की पूजा करने और जीवन जीने के विभिन्न तरीके नहीं होते तो जीवन इतना दिलचस्प नहीं होता। विभिन्न धर्म और जातीय संस्कृतियाँ सुंदर रचनाएँ हैं, कई पीढ़ियों का काम हैं। हालाँकि, आनंद लेने योग्य कला के कार्य बनने के बजाय, धर्म और जातीय संस्कृति अलगाव और विभाजन का केंद्र बन गए हैं।

हमसे गलती यह होती है कि हम अपने वास्तविक स्वरूप को भूल जाते हैं
हम विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों में कई बार पुनर्जन्म लेने वाली आत्माएँ हैं। हम भूल जाते हैं कि हम वास्तव में कौन हैं और हम किसी विशेष धर्म, या एक जातीय समूह, एक जाति, एक संस्कृति, या एक राष्ट्र के साथ अपनी पहचान बढ़ा लेते हैं। यह मानव जाति की एक बड़ी गलतफहमी है जो गलत कार्यों, हिंसा और युद्ध की ओर ले जाती है।

यह जीवन की बहुत बड़ी बर्बादी है.

महासंकट की छाया को दूर करने के लिए हमें अपने अंदर से अपनी पहचान के प्रति अपनी सोच को बदलना होगा।
हमें अपने आप को यहूदी, मुस्लिम, ईसाई, ताओवादी, बौद्ध और हिंदू नहीं समझना चाहिए, क्योंकि हम सभी पिछले जन्मों में ये सब रहे हैं। यदि हम इस पहचान को बदलने में सक्षम नहीं हुए, तो कभी शांति नहीं होगी, केवल विभाजन और युद्ध होगा। आइए मानवता को परिपक्वता के उच्च स्तर तक आगे बढ़ाएं, आइए इस पहचान में बदलाव लाएं। केवल

Machine Translated by Google

इस प्रकार, रहस्योद्घाटन की पुस्तक में जॉन, डैनियल होम और उरी गेलर द्वारा देखी गई महान आपदा के सपने को समाप्त किया जा सकता है।

तभी, वे फिर नहीं रोएँगे। यह हमारी शक्ति की पहुंच में है. दरअसल, यह इतनी साधारण पहचान को देखने का बदलाव है। आइए हम अपने घरों और प्रार्थना स्थलों से, पहाड़ों की चोटियों से और घाटियों से चिल्लाएँ कि यह परिवर्तन होगा। आइए अपने बच्चों को आत्म-जागरूकता में इस बदलाव के बारे में सिखाएं। आइए शांति प्राप्त करने का निर्णय लें!

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

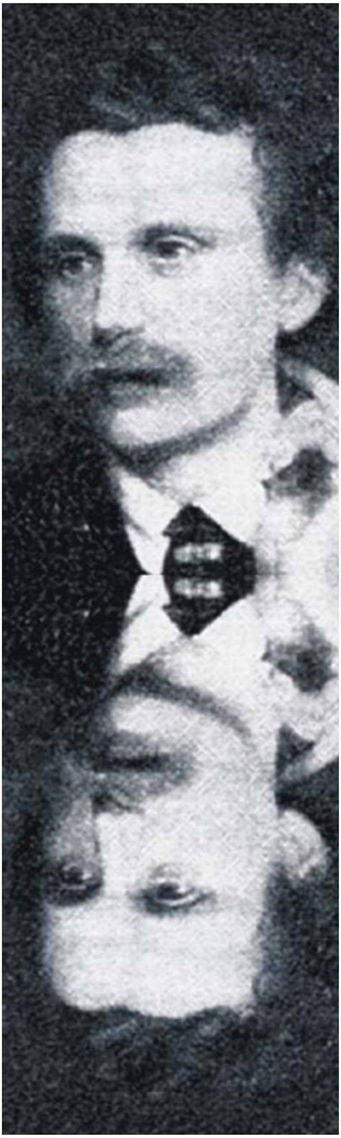

उरी गेलर का योगदान

डैनियल डुंगलास होम

उरी गेलर

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

उरी गेलर

डैनियल डुंगलास होम उरी गेलर

डीडी होम 19वीं शताब्दी का सबसे प्रसिद्ध भौतिक माध्यम था, जिसने वस्तुओं को उड़ने, टेलीपैथी का अनुभव करने और उरी गेलर की तरह सटीक पूर्वाभास कराया। होम और गेलर के व्यक्तित्व लक्षण और यहां तक कि लेखन शैली भी मेल खाती है। उरी गेलर अपने पिछले जीवन के पहचान साथी का समर्थन करता है, जिसे वह डीडी होम के पुनर्जन्म के रूप में पहचानता है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

विवरण © हॉल्टन-ड्यूश/कॉर्बिस

नेपोलियन तृतीय

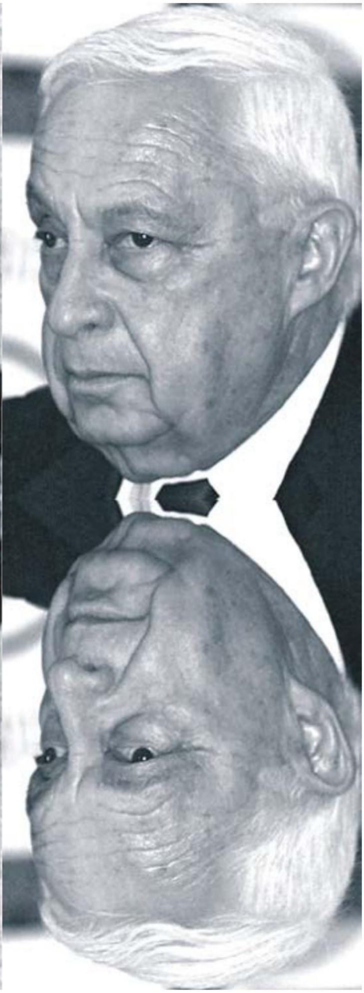

विवरण © एएफपी/कॉर्बिस

एरियल शेरॉन

नेपोलियन III डीडी होम की शारीरिक अभिव्यक्तियों और मानसिक क्षमताओं से बहुत प्रभावित हुआ, खासकर जब उसने शब्दों में नहीं, बल्कि अपने दिमाग में जो सवाल उठाए थे, उनका जवाब दिया गया था।

Machine Translated by Google

16

नास्त्रेदमस और रबेलैस का पुनर्जन्म

"आग ने दुनिया के केंद्र से पृथ्वी को हिला दिया,
न्यू सिटी के चारों ओर डर पैदा हो जाएगा।

"आसमान 45 डिग्री पर जलेगा,
आग ग्रेट न्यू सिटी की ओर बढ़ रही है,
कुछ ही देर में, एक तेज़ लौ उठी।"

ये वाक्य नास्त्रेदमस ने 1555 में लिखे थे.
जब 11 सितंबर, 2001 को न्यूयॉर्क में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला हुआ, तो कई लोगों ने इसकी व्याख्या लगभग 500 साल पहले नास्त्रेदमस द्वारा की गई भविष्यवाणी की पूर्ति के रूप में की। जो बात इस भविष्यवाणी को असाधारण तरीके से फिट करती प्रतीत होती है, वह यह तथ्य है कि दूसरा आत्मघाती विमान 45 डिग्री के कोण पर झुके हुए पंखों के साथ दूसरे टॉवर से टकराया। इस भविष्यवाणी के कारण नास्त्रेदमस में एक नई रुचि पैदा हुई। अब मैं पुष्टि करूंगा कि नास्त्रेदमस का पुनर्जन्म एक अनुभवी पेशेवर मनोवैज्ञानिक, हंस क्रिश्चियन किंग के व्यक्तित्व में हुआ है।

मैं हंस क्रिश्चियन किंग से 7 दिसंबर 2003 को मिला, जब मैं थ्री मीडियम नामक एक प्रस्तुति में भाग ले रहा था।
निस्संदेह, हंस शो में दिखाए गए तीन माध्यमों में से एक है। मेरी योजना प्रत्येक वक्ता से यह पूछने की थी कि क्या वे केविन रायर्सन और अहतुन रे के साथ अपने शोध के माध्यम से मुझे अपने पिछले जीवन की जाँच करने की अनुमति देंगे। मेरा अनुभव है कि कभी-कभी, जब मैं अहतुन रे से पिछले जीवन के मैच के बारे में पूछता था, तो वह जानकारी देने से इनकार कर देता था। हो सकता है कि मामला बहुत संवेदनशील हो, या हो सकता है कि जिस व्यक्ति से पूछा जा रहा है वह संवेदनशील न हो

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

पिछले जीवन की पहचान जानने के लिए तैयार हैं। हालाँकि, मैंने देखा कि अगर मुझे किसी व्यक्ति से उनके पिछले जीवन की समीक्षा करने की अनुमति मिलती है, तो यह अधिक संभावना है कि अहतुन रे सहयोग करने के लिए तैयार होंगे।

जब मैंने हंस को अपना परिचय दिया तो उसने गर्मजोशी से मेरा स्वागत किया। जब मैंने उससे हाथ मिलाने के लिए हाथ बढ़ाया तो उसने दोनों हाथों से मेरा हाथ पकड़ लिया। मैं उनके बेहद प्रेमपूर्ण व्यक्तित्व से प्रभावित हुआ। जब मैंने पूछा कि क्या मैं ऐतिहासिक रूप से पहचाने जाने योग्य व्यक्ति अहतुन रे से उसके पिछले जीवन की पहचान के बारे में पूछ सकता हूं, तो वह तुरंत इस प्रस्ताव पर सहमत हो गया।

जब मैंने हंस के पिछले अवतार अहतुन रे के बारे में पूछताछ की कोई भी जानकारी देने से इनकार कर दिया. मैंने यह दावा करते हुए विरोध किया कि हंस ने मुझे अनुमति दी थी, तो वह मुझे अपनी पिछली पहचान क्यों नहीं देगा।

अहतुन रे ने उत्तर दिया, "हम मिस्टर किंग को तुरंत बताएंगे," उन्होंने कहा, "यह एक दिलचस्प बात है।"

मैं केविन रायर्सन के साथ हंस के लिए एक सत्र स्थापित करने की कोशिश कर रहा था, जब हम सभी जनवरी 2004 में एक सप्ताहांत में लास वेगास में निर्धारित थे। हालाँकि एक सत्र की योजनाएँ काम नहीं कर सकीं, हम सभी एक शनिवार की रात को एक साथ रात्रिभोज करने में कामयाब रहे। मैंने हंस और केविन को एक साथ बैठाया, ताकि वे बात कर सकें। मैंने हंस को केविन से यह प्रश्न पूछते हुए सुना, "अहटुन रे मेरे पिछले जीवन की पहचान वाल्टर को क्यों नहीं देगा?"

केविन ने उत्तर दिया, "इसका आम तौर पर मतलब है कि कुछ महत्वपूर्ण बात है जो आत्मा आपको तुरंत बताना चाहती है।"

रात और सप्ताहांत बिना किसी महत्वपूर्ण घटना के समाप्त हो गए। हालाँकि मैं खुद केविन के साथ हंस के लिए एक सत्र आयोजित करने में कामयाब नहीं हुआ, मैंने खुद हंस के साथ एक सत्र आयोजित किया जिसका वर्णन मैं नीचे करूंगा। एक या दो सप्ताह बाद, मैंने इस स्थिति पर विचार किया, "अहतुन रे हंस को पिछले जीवन की पहचान क्यों नहीं देगा?"

किसी कारण से यह मुझे हमेशा अजीब लगता है कि हंस तीन शब्दों के साथ एक नाम का उपयोग करता है, हंस क्रिश्चियन किंग। मैं जानता हूं कि जब लोग पुनर्जन्म लेते हैं, तो वे अक्सर अपने नामों के उन संस्करणों का उपयोग करना चुनते हैं जो उनके पास हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

पिछले जन्मों जैसी ही बारीकियाँ, हालाँकि उस समय मैंने जानबूझकर नामों के संबंध के बारे में नहीं सोचा था। मैं हंस क्रिश्चियन किंग मामले के बारे में सोचता रहा और वह पिछले जन्म में कौन रहा होगा। चुपचाप, मैं अपने मन में "हंस क्रिश्चियन किंग" नाम दोहराता रहा और अचानक, "मिशेल डी नास्त्रेदम" नाम मेरी चेतना में प्रकट हुआ। मुझे एहसास हुआ कि मिशेल डी नास्त्रेदम, नास्त्रेदमस का असली नाम, हंस क्रिश्चियन किंग के समान ही था।

मैं जल्दी से नास्त्रेदमस के चित्र के लिए ऑनलाइन गया और मुझे मिल गया कि इस ऋषि की केवल एक ऐतिहासिक रूप से सटीक छवि है, जो उनके बेटे, सीज़र नास्त्रेदम द्वारा बनाई गई है, और हंस का चेहरा बिल्कुल नास्त्रेदमस से मेल खाता है। केविन रायर्सन के साथ एक बाद के सत्र में, अहतुन रे ने पुष्टि की कि हंस क्रिश्चियन किंग नास्त्रेदमस का पुनर्जन्म था।

जब मुझे यह पुष्टि मिली, तो मैंने आरोन हंट, हंस को फोन किया। कार्यकारी निजी सहायक, उसे समाचार बताने के लिए। हारून को सुखद आश्चर्य हुआ। मैंने एरोन से हंस को इस मैच के बारे में बताने के लिए कहा।

जब हारून ने हंस को उसकी पिछली जिंदगी की पहचान बताने के लिए फोन किया, तो अनुमान लगाएं कि हंस टेलीविजन पर कौन सा कार्यक्रम देख रहा है? हंस नास्त्रेदमस के बारे में एक शो देख रहा था।

हंस ने 40 वर्षों से अधिक समय तक मानसिक अध्ययन करके जीवनयापन किया। उन्हें मियामी हेराल्ड द्वारा अमेरिका के शीर्ष पांच मनोविज्ञानियों में से एक नामित किया गया है, और हंस की सिफारिश येल-शिक्षित मनोचिकित्सक, डॉ. द्वारा की गई है। ब्रायन वीज़, मेनी लाइव्स, मेनी मास्टर्स के लेखक। मानसिक अध्ययन करने में, हंस चार मार्गदर्शक आत्माओं के साथ काम करता है।

जब उन्हें अपने पिछले जीवन की पहचान नास्त्रेदमस के रूप में बताई गई, तो हंस ने अपनी मार्गदर्शक आत्माओं से पूछा कि क्या यह सच है, कि वह नास्त्रेदमस का पुनर्जन्म था। हंस के गुरुओं ने उसे बताया कि यह सच है। बाद में, जब मैंने हंस से पूछा कि क्या मैं नास्त्रेदमस के रूप में उसके पिछले जीवन की पहचान को जनता के सामने प्रकट कर सकता हूँ,

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

हंस ने मुझे अनुमति दी. जब मैंने उससे कहा, "लोग इसके लिए आपका मज़ाक उड़ा सकते हैं," हंस ने बस उत्तर दिया, "सत्य ही सत्य है।"

पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य से पता चलता है कि लोग जीवन-दर-जीवन समान व्यक्तित्व गुण और अक्सर समान प्रतिभाएँ साझा करते हैं। जब मैं जनवरी 2004 में लास वेगास में था, इससे पहले कि मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचता कि हंस नास्त्रेदमस था, मैंने हंस के साथ एक सत्र किया था। दिलचस्प बात यह है कि वे सभी सत्र मेरे भविष्य के बारे में थे। फिर मैंने हंस द्वारा निर्मित सीडी का ऑर्डर दिया, जिसमें उनके द्वारा विभिन्न ग्राहकों के साथ किए गए नमूना सत्र शामिल थे। इन सभी सत्रों में

हंस को अपने ग्राहकों के भविष्य की भविष्यवाणी करते देखा जाता है।

हालाँकि, की सार्वजनिक छवि में अंतर है
नास्त्रेदमस और हंस क्रिश्चियन किंग का व्यक्तित्व।
नास्त्रेदमस को उनकी भविष्यवाणियों के कारण "विनाश का पैगंबर" कहा जाता है। दूसरी ओर, मैं हंस को "दीपक और प्रेम का पैगंबर" मानता हूं। मुझे लगता है कि नास्त्रेदमस, जो एक डॉक्टर के रूप में शिक्षित थे, जिन्होंने पेरिस में ब्लैक प्लेग के पीड़ितों का इलाज करने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी, को स्पष्ट रूप से गलत समझा गया है।

नास्त्रेदमस ने स्पष्ट रूप से हंस क्रिश्चियन किंग के समान मानवतावादी स्वभाव साझा किया। उनके लेखन, लेस प्रोफेटीज़, जिसके लिए उन्हें "विनाश के पैगंबर" के रूप में जाना जाता है, बस मिशेल डी नास्त्रेदम के संपूर्ण व्यक्तित्व को कवर करता है।

हंस क्रिश्चियन किंग/नास्त्रेदमस मामला एक और दिलचस्प माध्यमिक मामले की ओर ले जाता है। नास्त्रेदमस ने फ्रेंकोइस रबेलैस नामक व्यक्ति के साथ मेडिकल स्कूल में प्रवेश लिया।

हालाँकि एक डॉक्टर के रूप में शिक्षित, रबेलैस फ्रांसीसी इतिहास के सबसे बुद्धिमान लेखकों में से एक बन गए। उन्हें दो दिग्गजों, गर्गेंटुआ और पेंटाग्रे के बारे में एक काल्पनिक महाकाव्य लिखने के लिए जाना जाता है। रबेलैस की जांच करने पर, मुझे सहज और सहज सुराग मिलते हैं कि रबेलैस ने वर्तमान समय में एक डॉक्टर और अन्य लेखक के रूप में पुनर्जन्म लिया है, जिन्होंने दिग्गजों को शामिल करते हुए एक काल्पनिक महाकाव्य भी लिखा है। मेरी परिकल्पना यह है कि रबेलैस का पुनर्जन्म जुरासिक पार्क के लेखक माइकल क्रिक्टन के रूप में हुआ है, जिसकी बाद में अहतुन रे ने पुष्टि की।

Machine Translated by Google

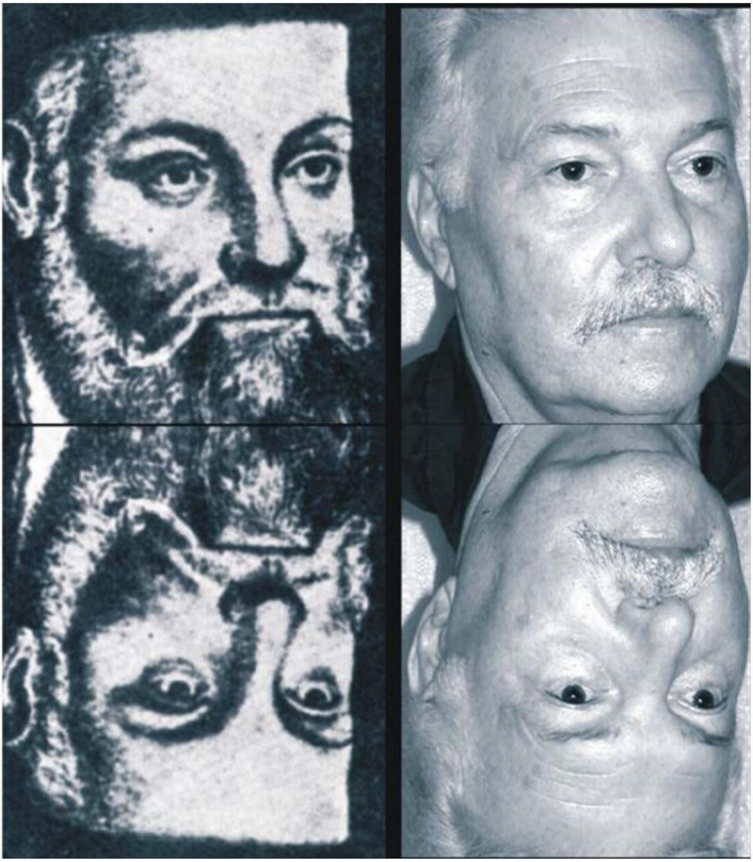

फोटो वाल्टर सेमकिव द्वारा

नोस्ट्राडमस

हंस क्रिश्चियन किंग

हंस क्रिश्चियन किंग ने तब से एक मानसिक रोगी के रूप में काम किया है

वह 19 वर्ष का था, उसका अध्ययन भविष्य के बारे में है और उसे अमेरिका के शीर्ष पांच मनोविज्ञानियों में से एक माना गया है। किंग इस दावे का समर्थन करते हैं कि वह नास्त्रेदमस का पुनर्जन्म हैं।

Machine Translated by Google

17

लॉरेल और हार्डी पुनर्जन्म

पसंद पिछले अध्यायों में उल्लिखित, 2001 के उत्तरार्ध और 2002 की शुरुआत में कई महीनों की अवधि में केविन रायर्सन के साथ काम करने के बाद, मुझे एहसास हुआ कि अहतुन रे, मार्गदर्शक भावना जिसने उनके माध्यम से संचार किया, वह पिछले जीवन की पहचान बना सकती है मेल खाता है. शुद्ध। इस बिंदु पर, मैंने हर समय मशहूर हस्तियों के बारे में पूछना शुरू कर दिया। वर्तमान पात्रों से मैं उनके पिछले जीवन के बारे में पूछता हूं, ऐतिहासिक शख्सियतों से मैं पूछता हूं कि क्या उन्होंने वर्तमान जीवन में पुनर्जन्म लिया है।

जिस जोड़ी के बारे में मैंने सबसे पहले पूछा था वह लॉरेल और हार्डी* थी, मैं विशेष रूप से इस युगल समूह के इतिहास में सबसे प्रसिद्ध और कॉमेडी का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे हमेशा उनकी फिल्में पसंद आईं। इसके अलावा, मैं लॉरेल और हार्डी के बारे में थोड़ा भावुक महसूस करता हूं क्योंकि वे मेरे पिता को हंसा सकते हैं।

मेरे पिता एक दयालु, उदार और प्यार करने वाले व्यक्ति थे, लेकिन वे जीवन भर विभिन्न चिकित्सीय विकारों से पीड़ित रहे, और एक उदासी और गंभीर मनोदशा उन पर हावी रही। हालाँकि यह बदल जाएगा, हम अक्सर लॉरेल और हार्डी की फ़िल्में देखते हैं। यह सुनना आश्चर्यजनक है कि मेरे पिताजी इतनी ज़ोर से हंस सकते हैं।

लगभग 2003 से शुरू करते हुए, मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या लॉरेल और हार्डी हैं वर्तमान में पुनर्जन्म हुआ था।

---

* लॉरेल और हार्डी एक कॉमेडी टीम की जोड़ी हैं, जिसमें पतले स्टेन लॉरेल (1890-1965) और हट्टे-कट्टे ओलिवर हार्डी (1892-1957) शामिल हैं। वे 20वीं सदी के मध्य में अपनी फिल्मों के साथ-साथ पूरे अमेरिका और यूरोप में मंचीय प्रस्तुतियों के लिए प्रसिद्ध थे। इस कॉमेडी टीम को सिनेमा के इतिहास में सबसे प्रसिद्ध कॉमेडी जोड़ियों में से एक माना जाता है।

Machine Translated by Google

अहतुन रे ने उत्तर दिया कि उनका पुनर्जन्म हुआ है, लेकिन वह उनकी पहचान मुझे नहीं बताएंगे; इसने निश्चित रूप से मुझे आकर्षित किया।
जब मैंने पूछा कि वह उनकी पहचान उजागर क्यों नहीं करना चाहते, तो अहतुन रे ने बस जवाब दिया, "हम आपको अभी नहीं बता सकते।" उसके बाद के वर्षों के दौरान, मैंने पहचान संबंधी परिकल्पनाएँ उत्पन्न करके उनके दावे को भेदने की कोशिश की। मैंने पूछा कि क्या आज के दुबले-पतले हास्य कलाकार स्टेन लॉरेल के पुनर्जन्म हो सकते हैं और क्या हट्टे-कट्टे हास्य कलाकार ओलिवर हार्डी के पुनर्जन्म हो सकते हैं। मेरी सभी परिकल्पनाओं के विपरीत, अहतुन रे का कहना है कि कथित मैच गलत है और वह आज भी यह बताने से इनकार करते हैं कि लॉरेल और हार्डी कौन हैं। मेरे द्वारा सोचे जा सकने वाले सभी संभावित साझेदारों को ख़त्म करने के बाद, मैंने हार मान ली और लगभग एक साल तक इस बारे में भूल गया।

इस बिंदु पर, मैं उस एक कारण की ओर ध्यान दिलाना चाहूँगा मैं अहतुन रे की पिछले जीवन से मेल खाने की क्षमता पर भरोसा करने का आदी क्यों हो गया हूं, इसका कारण यह है कि वह प्रस्तावित जीवन साथी पर केवल "रबर स्टैंप" नहीं लगाता है। दूसरी ओर, जब मैंने उनके बारे में पूछताछ की तो अधिकांश प्रस्तावित जोड़ियों को अहतुन रे ने गलत माना। जब मैंने खुद पिछले जीवन को समझने की कोशिश की, तो अहतुन रे अक्सर कहते थे कि मैं सटीक नहीं था, लेकिन जब अहतुन रे की असली पहचान का पता चला और बाद में अहतुन रे द्वारा पुष्टि की गई, तो यह पता चला कि सब कुछ एक साथ स्पष्ट रूप से वास्तविक मामले के रूप में उभरा।

उदाहरण के लिए, गीतकार चोपिन के साथ मेरा गहरा रिश्ता है, और मैं आज के जीवन में उसकी पहचान का पता लगाने की कोशिश करता हूं। मैंने कई जोड़ी परिकल्पनाएँ बनाई हैं और अहतुन रे उन सभी से असहमत हैं।

जब मैंने अंततः सही युग्मन परिकल्पना बनाई, जिसकी पुष्टि अहतुन रे ने की, तो यह बहुत उचित निकली और चेहरे की विशेषताएं पिछली धारणाओं की तुलना में अधिक समान थीं।

इसके अलावा, कभी-कभी, जब उस व्यक्ति से संपर्क किया जाता है जो इस पहचान का विषय है,

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

यह व्यक्ति स्वतंत्र रूप से इस पहचान को साबित करेगा।
दूसरे शब्दों में, जिन विषयों की पहचान की पुष्टि की गई है, वे बताएंगे कि वे पहले से ही जानते हैं कि वह कथित पहचान का पुनर्जन्म है: या तो प्रत्यक्ष यादों के माध्यम से या अन्य माध्यमों से। 5 साल की अवधि, 70 सत्रों और 1,000 से अधिक पुनर्जन्म मामलों के डेटाबेस में अहतुन रे के साथ मेरे अनुभव ने मुझे पिछले जीवन की पहचानों से सटीक मिलान करने की उनकी क्षमता पर एक परिप्रेक्ष्य दिया।

आइए लॉरेल और हार्डी मामले पर वापस जाएं। अहतुन रे के बाद से स्टेन और ओली की वर्तमान पहचान को उजागर नहीं करना चाहता और वह उनकी वर्तमान पहचान के बारे में मेरी कई परिकल्पनाओं को खारिज कर देता है, मैं उनके पिछले जीवन की पहचान के बारे में धारणा बनाना छोड़ देता हूं। एक या दो साल बीत गए जब मेरी रुचि अचानक फिर से जागृत हो गई जब मैंने रोलिंग स्टोन पत्रिका का एक पुराना कवर देखा, जिसे हमारी नर्स मेडिकल क्लिनिक में लाई थी, जिस पर एक छोटा सा शीर्षक था, "सर्वश्रेष्ठ नई कॉमेडी टीम"। इस नर्स की मेरे पुनर्जन्म अनुसंधान में हमेशा रुचि रही है और पिछले कुछ वर्षों में उसने मेरे लिए एक तरह के "स्काउट" के रूप में काम किया है, मीडिया में पुनर्जन्म के मामलों को उजागर किया है, इत्यादि, जिसे मैं बाद में आगे बढ़ाऊंगा। हालाँकि, वह लॉरेल और हार्डी में मेरी रुचि के बारे में कुछ नहीं जानता था।

मुझे पत्रिका में किसी नई कॉमेडी टीम के बारे में कुछ भी नहीं मिला, लेकिन मेरे मन में बहुत प्रबल अंतर्ज्ञान था कि मुझे नई कॉमेडी टीमों के लिए इंटरनेट पर खोज करनी चाहिए। जैसा कि पिछले अध्यायों में बताया गया है, सहज ज्ञान युक्त मार्गदर्शन ने मुझे पिछले जीवन की पहचान को पहचानने में अच्छी मदद की है।

यह नवंबर 2005 में हुआ, जब मैं इंटरनेट पर खोज कर रहा था, मुझे एक साइट पर एक शो का विज्ञापन मिला, जिसका शीर्षक था "कॉमेडी के इतिहास में दुनिया का सबसे मजेदार शो, दो भाइयों द्वारा प्रस्तुत, दो घंटे से भी कम समय में, केवल बीस डॉलर से कम में"

, जिसे जनवरी 2006 में न्यू में दिखाया जाएगा
यॉर्क. मैंने दो भाइयों, जोश और डैनी बाचर की तस्वीर देखी, और मेरे चेहरे पर एक बड़ी मुस्कान आ गई। स्वाभाविक रूप से ये दोनों भाई ही नहीं

Machine Translated by Google

अजीब लग रहे थे, लेकिन वे अजीब तरह से लॉरेल और हार्डी की तरह लग रहे थे जिनके चेहरे भी अजीब थे। मैं सहजता से और गहराई से महसूस करता हूं कि मैंने उन्हें पा लिया है। जोश, बड़ा भाई, पतला स्टेन लॉरेल चरित्र है और डैनी थोड़ा मोटा ओलिवर हार्डी है। वास्तव में, स्टेन और ओलिवर और जोश और डैनी के बीच दिखने में एकमात्र बड़ा अंतर यह है कि ओलिवर हार्डी का वजन डैनी से बहुत अधिक है।

केविन रायर्सन के साथ अगले सत्र में, आख़िरकार लॉरेल और हार्डी के लिए पहले प्रस्तावित परिकल्पनाओं को अस्वीकार कर दिया गया था, अहतुन रे ने पुष्टि की कि जोश और डैनी बाकर एक कॉमेडियन टीम हैं जो स्टेन लॉरेल और ओलिवर हार्डी की टीम का पुनर्जन्म है। स्टैन लॉरेल का जन्म 1890 में इंग्लैंड के उल्वरस्टन में हुआ था, जबकि ओलिवर हार्डी का जन्म संयुक्त राज्य अमेरिका में जॉर्जिया के हार्लेम में हुआ था। स्टेन ने ग्लासो में एक हास्य अभिनेता के रूप में काम किया और अंततः संयुक्त राज्य अमेरिका आ गए, जहां वह एक यात्रा समूह में शामिल हो गए जिसमें चार्ली चैपलिन भी शामिल थे। यही वह समूह था जो उन्हें लॉस एंजेल्स ले आया। ओलिवर ने एक बच्चे के रूप में यात्रा संगीत में प्रदर्शन करना शुरू किया और एक वयस्क के रूप में, कैलिफ़ोर्निया चले गए और अपने निर्माता, हैल रोच के साथ अनुबंध किया। रोच के लिए काम करने वाले निर्देशक लियो मैककेरी लघु फिल्मों के लिए एक कॉमेडी टीम बनाना चाहते थे जिसमें एक पतला आदमी और एक मोटा आदमी शामिल हो। मैककेरी ने प्रोजेक्ट पर स्टेन लॉरेल और ओलिवर हार्डी को एक साथ लाया और एक कॉमेडी टीम का जन्म हुआ जो 20 से अधिक वर्षों तक चलेगी।

यह विश्वास करते हुए कि मैंने लॉरेल और हार्डी के पुनर्जन्म को दो भाइयों के रूप में पाया है, मैंने सोचना शुरू कर दिया कि पुनर्जन्म और जीवन की यांत्रिकी कैसे काम करती है। यदि स्टैन-ओली/ जोश-डैनी मामले सच हैं, तो 1926 में अटलांटिक पार से शामिल हुई एक कॉमेडी टीम अब दो भाइयों के रूप में फिर से एकजुट हो गई है, जो 80 साल बाद न्यूयॉर्क शहर में एक बार फिर से कॉमेडी का मंचन करने के लिए तैयार हैं।

मैंने न्यू सिटी के लिए थिएटर से संपर्क किया, जहां जोश और डैनी प्रदर्शन करेंगे और शो के लिए टिकट खरीदेंगे

Machine Translated by Google

वे। मैंने बैचर बॉयज़ से, जैसा कि वे जाने जाते थे, मुझसे संपर्क करने के लिए कहा, एक संदेश छोड़ते हुए कि मैं हॉलीवुड में उनके लिए कुछ कनेक्शन ढूंढ सकता हूँ।

कुछ दिनों बाद डैनी बाकर ने मुझसे संपर्क किया। उन विभिन्न तरीकों पर चर्चा करने के बाद जिनसे मैं उनके करियर में मदद कर सकता हूं, मैंने डैनी को अपनी किताब के बारे में बताया और फिर डैनी को स्वतंत्र रूप से शोध किए गए मामलों से उभरे पुनर्जन्म के सिद्धांतों के बारे में ध्यान से समझाया, फिर मैं केविन रायर्सन के साथ जो काम कर रहा था। .

मैंने डैनी से पूछा कि क्या उनमें किसी प्रकार की आध्यात्मिक पकड़ है और उन्होंने उत्तर दिया, "हम यहूदी पैदा हुए थे।" मैं बता सकता हूं कि डैनी को आश्चर्य होने लगा था कि यह बातचीत कहां जा रही है और इसका उनके कॉमेडी कार्य से क्या लेना-देना है। फिर मैंने ध्यान से कहा, "आपको और जोश को केविन रायर्सन के माध्यम से संचार करने वाले मिस्र के आध्यात्मिक मार्गदर्शक अहतुन रे द्वारा लॉरेल और हार्डी के पुनर्जन्म साबित किया गया है।"

थोड़ी देर बाद डैनी ने जवाब दिया, "मैं इस पुनर्जन्म वाली बात के बारे में नहीं जानता, लेकिन आपने जो कहा है वह बहुत दिलचस्प है क्योंकि कॉमेडी के मामले में अब तक हमारे जीवन में सबसे बड़ा प्रभाव लॉरेल और हार्डी का है।" हमारी बातचीत को जारी रखते हुए, मैंने जोश और डैनी को अपनी किताब और बार्ब्रो कार्लेन का एक वीडियोटेप भेजा, जिसमें उन्होंने खुद को ऐनी फ्रैंक का पुनर्जन्म बताया था, जो मेरे लिए, पुनर्जन्म के सबसे ठोस मामलों में से एक है। मैंने न्यूयॉर्क में उनके शो में भाग लेने की योजना बनाई क्योंकि एक, मैं पुनर्जन्म वाले लॉरेल और हार्डी से मिलना चाहता था, और दूसरा, मैं यह देखना चाहता था कि क्या जोश और डैनी लोगों को लॉरेल और हार्डी की तरह हंसा सकते हैं।

फिर मैंने पूर्वी तट की अपनी यात्रा की प्रभावशीलता को अधिकतम करने के लिए न्यूयॉर्क में एक पुनर्जन्म प्रस्तुति की व्यवस्था की।

मैं अक्टूबर 2005 में न्यूयॉर्क शहर में एक न्यू लाइफ एक्सपो में बोल रहा था, जहां न्यू जर्सी में सेंटर फॉर मेटाफिजिक्स के निदेशक हैरियट वाग्निएरे ने मुझसे संपर्क किया, जिन्होंने पूछा कि क्या मैं वेन, न्यू जर्सी में उनके केंद्र में बोल सकता हूं। किसी दिन. बाद में। उस समय मैंने कहा था

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

मैं उनसे मिलना चाहता था, लेकिन मुझे नहीं पता था कि मैं इस क्षेत्र में कब लौटूंगा, क्योंकि मैं कैलिफोर्निया में रहता हूं। अब, चूँकि मैं बैचर बॉयज़ को देखने के लिए न्यूयॉर्क में हूँ, मैंने हैरियट से यह देखने के लिए संपर्क किया कि क्या मैं जनवरी 2006 में उसी सप्ताहांत में उनके स्थान पर बात कर सकता हूँ।

हालाँकि मैंने डैनी से कहा था कि मैं लॉरेल और हार्डी की पहचान के बारे में अपना मुँह तब तक बंद रखूँगा जब तक कि दोनों भाई इसे स्वीकार नहीं कर लेते, मैं इस रहस्य को हैरियट के साथ साझा करने के अलावा कुछ नहीं कर सका। मैंने उनसे कहा कि मैं लॉरेल और हार्डी का पुनर्जन्म देखने के लिए न्यूयॉर्क आया हूं।

हैरियट को आश्चर्य हुआ और उसने पूछा, "क्या मैं जान सकता हूँ कि वे कौन हैं?"

पिछले जीवन की पहचान को गुप्त रखने की कोशिश में एक पल के लिए विचार करने के बाद, मैंने हैरियट को चेतावनी दी कि मैं उसे केवल तभी बताऊंगा जब वह इस पहचान को किसी के सामने प्रकट नहीं करेगी। हैरियट सहमत है और मैं लॉरेल और हार्डी की पुनर्जन्म वाली पहचान का रहस्य उजागर करता हूं। हैरियट ने फिर कहा, "मैं जोश और डैनी बाचर को जानता हूं, मैं वेन में हाई स्कूल में पढ़ाता था और वे मेरे छात्र थे!" जब हैरियट ने ऐसा कहा, तो मैं इस संयोग से थोड़ा अचंभित रह गया, लेकिन साथ ही, मुझे पुनर्जन्म अनुसंधान परियोजना के हिस्से के रूप में समकालिक घटनाओं के घटित होने की उम्मीद करने की आदत हो गई थी।

अंततः, इस भाग्यशाली संयोग के परिणामस्वरूप वेन, न्यू जर्सी में एक स्थान पर मेरी प्रस्तुति के लिए न्यू जर्सी सेंटर फॉर मेटाफिजिक्स का प्रायोजन मिला, जो जोश और डैनी के माता-पिता के रहने के स्थान से केवल पांच मिनट की दूरी पर स्थित था।

मैंने 14 जनवरी, 2006 को जोश और डैनी शो देखा और मैं ज़ोर से हँसा, ठीक उतना ही जितना मैं स्टेन और ओली की हरकतों पर हँसा था। भले ही वे एक अलग पीढ़ी के हैं, वे स्टेन और ओली की तरह ही प्यारे और एक-दूसरे के पूरक हैं। जोश, दुबला-पतला बड़ा भाई, मासूम, कभी-कभी घबराए हुए व्यक्ति की भूमिका निभाता है, जो योजना के काम न करने पर अचानक गिर सकता है और शिकायत कर सकता है, जबकि डैनी, थोड़ा मोटा भाई, अधिक आधुनिक, बुद्धिमान और अधिक सांसारिक चरित्र निभाता है। जो जोश के अजीब व्यवहार पर लड़खड़ाने से खुद को रोक नहीं सका।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

उनके शो के बारे में जिस चीज़ ने मुझे सबसे अधिक प्रभावित किया वह थी वह मूक फ़िल्म जो जोश और डैनी ने अपने शो के लिए बनाई थी। यह मूक फिल्म उतनी ही मजेदार थी, जितनी हैल रोच द्वारा बनाई गई कोई भी मूक फिल्म, गतिशील हास्य, ढीले गोरिल्ला, पुलिस वाले, दयनीय अंधी लड़की से भरी हुई थी, जिसने गलती से डैनी को अपनी सफेद छड़ी से उसके शरीर पर एक शरारती प्रहार कर दिया था। मूक फिल्म में, और पूरे शो में स्पष्ट रूप से स्पष्ट, जोश और डैनी ने लॉरेल और हार्डी की हास्य शैली को दोहराया, जैसा कि पीटर टेकैम्प ने पॉल गाउगिन की कलात्मक शैली की पुनर्कल्पना की, और एलेक्जेंड्रा नेचिता ने, जिन्होंने बहुत कम उम्र में, पिकासो के काम की पुनर्कल्पना की। .

इस तथ्य पर विचार करें कि इस आधुनिक युग में बहुत सी कॉमेडी टीमें अपने शो के हिस्से के रूप में 1920 के दशक की शैली में मूक कॉमेडी फिल्में नहीं बनाती हैं। जब तक मैंने जोश और डैनी द्वारा बनाई गई फिल्म नहीं देखी, तब तक मैंने खुद कभी भी आधुनिक मूक फिल्म नहीं देखी थी।

मुझे तब सम्मानित महसूस हुआ जब जोश और डैनी, अपने माता-पिता, जोएल और जेन के साथ, अगले दिन वेन, न्यू जर्सी में पुनर्जन्म अनुसंधान पर मेरी प्रस्तुति में शामिल हुए। हम हेरियट वैगनिएर की मदद से अपनी सभा को एक संयोग के रूप में देख सकते हैं, लेकिन इसे काम पर आध्यात्मिक मार्गदर्शन के रूप में भी माना जा सकता है।

कैप्टन रॉबर्ट स्नो के मामले को याद करें और कैसे उनकी पत्नी उन्हें न्यू ऑरलियन्स ले आईं, जहां उन्हें एक कुबड़ी महिला का चित्र मिला, साथ ही कैरोल बेकविथ के रूप में उनका पिछला जीवन भी मिला। हालांकि कैप्टन स्नो और हैरियट वैगनेयर की पत्नियों के पास टेलीपैथिक आवाज नहीं हो सकती है जो उन्हें बताए कि क्या करना है, अंतर्ज्ञान और इच्छा घटनाओं के समन्वय में समान रूप से प्रभावी हो सकती है।

जबकि बैचर बॉयज़ और उनके माता-पिता ऐसा दावा नहीं करते हैं जोश और डैनी लॉरेल और हार्डी के पुनर्जन्म हैं, वे कुछ बहुत दिलचस्प रिश्ते देखते हैं। स्टैन लॉरेल की मृत्यु के 11 साल बाद जोश का जन्म 22 अगस्त 1976 को हुआ था। जब जोश का जन्म हुआ, तो उनके चचेरे भाई सैली ने उन्हें लॉरेल और हार्डी गुड़िया का एक सेट दिया था। सैली और जेन बाचर, जोश की मां, घनिष्ठ मित्र हैं और वे स्वयं भी इसी प्रकार की हैं

Machine Translated by Google

सैली के पति लॉरेल और हार्डी जैसे जोड़ों का अवलोकन किया। जोएल और जेन बाचर ने कहा कि जोश को तुरंत लॉरेल और हार्डी गुड़िया से प्यार हो गया और वे उसके पसंदीदा खिलौने बन गए।

ओलिवर हार्डी की मृत्यु के लगभग 20 साल बाद डैनी का जन्म 15 जनवरी 1978 को हुआ था। इसके बाद के वर्षों में, जोश ने लॉरेल और हार्डी गुड़िया के साथ खेला, इतना कि जब डैनी का जन्म हुआ, तो गुड़िया के केवल रबर के सिर ही बचे थे। अपने पूरे बचपन में, जोश और डैनी ने स्टेन और ओली की गुड़िया के सिर के साथ खेलना जारी रखा और आज, 29 साल बाद भी, उनके पास वह खिलौना है।

जोश और डैनी अक्सर लॉरेल और हार्डी की नकल करते थे; जोश हमेशा स्टेन था और डैनी हमेशा ओली था। डैनी ने अपने खिलौनों पर ओलिवर की तरह मूंछें बनाईं
खुद ओली की मूंछें काले कपड़े से बनी हुई थीं, जिन्हें उसने अपने होठों से चिपका लिया था
पारदर्शी फीता। जब डैनी ने ओली की मूंछें पहनीं, तो जोश ने अपने सिर के ऊपरी हिस्से को खुजलाते हुए स्टेनली की नकल की।

जोश और डैनी ने जब भी संभव हुआ स्टेन और ओली की भूमिका निभाई और जोएल ने जेन बाचर ने याद दिलाया कि छोटे लॉरेल और हार्डी (उम्मीद है) के साथ बाहर यात्रा करना, खरीदारी करना या घर का काम करना चुनौतीपूर्ण था, हालांकि मनोरंजक था। बहुत सी चीज़ें नहीं, जैसे पियानो या कारें जो उनके कारण नष्ट हो गईं)। इसके अलावा, एक अदालत के वकील, श्री बाचर ने मुझे बताया कि उनके जन्मदिन पर बच्चे उन्हें लॉरेल और हार्डी की मूक फिल्में दिखाने के लिए मजबूर करेंगे, जो स्थानीय पुस्तकालय से उधार ली गई थीं। जैसे-जैसे वे बड़े हुए, जोश और डैनी ने अन्य पुराने और नए हास्य कलाकारों के साथ मिलकर लॉरेल और हार्डी पर आधारित एक कॉमेडी शो विकसित किया, जिसका समापन उनके ऑफ-ब्रॉडवे डेब्यू के रूप में हुआ।

जनवरी 2006 न्यूयॉर्क में।

जबकि बैचर्स यह दावा नहीं करते हैं कि जोश और डैनी स्टेन लॉरेल और ओलिवर हार्डी के पुनर्जन्म हैं, वे स्वीकार करते हैं कि यह समझ में आता है। मेरे लिए, जोश और डैनी आत्मीयता के मामलों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिनसे व्यक्ति आकर्षित होते हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अपने निजी अतीत पर. जैसा कि देखा गया है, आत्मीयता के सबसे नाटकीय मामलों में से एक हैले बेरी है, जिसे उसकी अपनी आदर्श डोरोथी डैंड्रिज के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना गया है।

हाले ने डोरोथी का ऑस्कर जीतने का सपना पूरा किया है और वह अभिनय में अपना करियर बनाने को लेकर उत्साहित हैं।

उसी तरह, मेरे निर्णय में, स्टेन लॉरेल और ओलिवर हार्डी का जोश और डैनी बाचर के रूप में पुनर्जन्म हुआ है। उनका स्व-घोषित मिशन, जैसा कि जोएल बाचर ने कहा था, "ऐसी दुनिया में खुशी और हँसी लाना है जहाँ हँसी गुणवत्तापूर्ण हो"। स्टैन और ओली के लिए, मैं खुशी से घोषणा करता हूं, "वापस स्वागत है।" मुझे पूरी उम्मीद है कि आपके कॉमेडी सपने सच होंगे और भविष्य में, अपने बुढ़ापे में, आप अपने जीवन पर विचार करेंगे और जानेंगे कि आपने एक बार फिर "एक और बड़ी गड़बड़ी" पैदा कर दी है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जोश (बाएं) और डैनी (दाएं)
बाकर की पहचान कर ली गई है

स्टेन लॉरेल (बीच में बाएँ) और ओलिवर हार्डी (दाएँ बीच में)

के पुनर्जन्म के रूप में।

इस प्रकार, हास्य जोड़ी लॉरेल और हार्डी का दो

भाइयों के रूप में पुनर्जन्म हुआ है।

बच्चों के रूप में, जोश और डैनी ने हर अवसर पर स्टेन और

ओली की नकल की, डैनी ने अपने होठों पर "ओली"

मूंछें चिपका लीं।

वयस्कों के रूप में, जोश और डैनी अपने लोक रंगमंच की

शुरुआत में एक कॉमेडी टीम बन गए।

उन्होंने स्टेन और ओली की कॉमेडी शैली को फिर से खोजा और

यहां तक कि अपनी खुद की मूक फिल्म भी बनाई।

जोश और डैनी के माता-पिता को पता चला कि वे वास्तव

में लॉरेल और हार्डी के पुनर्जन्म हो सकते हैं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

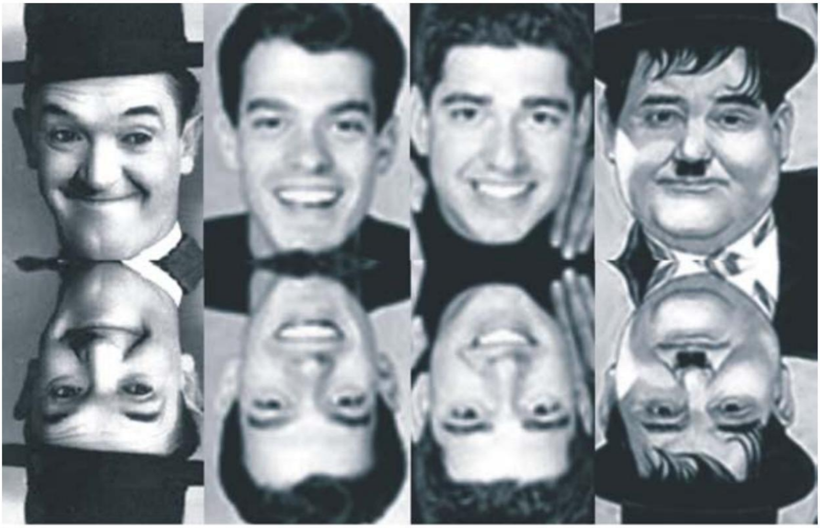

लॉरेल और हार्डी © बेटमैन/कॉर्बिस

जोश और डैनी बार्चर: जोश और डैनी बार्चर का योगदान

स्टेन लॉरेल जोश बाकर डैनी बाकर ओलिवर हार्डी

Machine Translated by Google

BORN again

भाग III

महापुरूषों के पुनर्जन्म का मामला

भारत, इंडोनेशिया और फिलीपींस

Machine Translated by Google

18

राष्ट्रपति अब्दुल कलाम

पुनर्जन्म के रूप में

टीपू सुल्तान, विक्रम साराभाई अस

हैदर अली का पुनर्जन्म, और भारतीय मिसाइलों के पुत्र

एपीजे अब्दुल कलाम को मिसाइल (रॉकेट) कार्यक्रम का जनक माना जाता है भारत; इस वजह से उन्हें अक्सर "मिसाइल मैन" उपनाम दिया जाता है। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक विक्रम साराभाई हैं, और उनके सम्मान में, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन की सबसे बड़ी सुविधा को विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र कहा जाता है। आइए रॉकेट अनुसंधान के क्षेत्र में इन दो भारतीय नेताओं का अध्ययन करें।

अब्दुल कलाम दक्षिणी भारत के मद्रास क्षेत्र के द्वीप शहर रामेश्वरम में पले-बढ़े। एक बच्चे के रूप में, वह और उसका सबसे अच्छा दोस्त, जलालुद्दीन, अक्सर दोपहर में टहलने जाते थे, भगवान और आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा करते थे। हालाँकि अब्दुल का पालन-पोषण एक मुस्लिम के रूप में हुआ था, फिर भी वह और जल्लालुदीन भगवान शिव की पूजा करने वाले एक हिंदू मंदिर में भी गए। एक अनुष्ठान के रूप में, वे मंदिर के चारों ओर घूमते हैं और अपना सम्मान व्यक्त करते हैं और ऐसा करते समय, जलालुद्दीन और अब्दुल उनके बीच से गुजरते हुए "ऊर्जा के प्रवाह को महसूस करते हैं"।1 बाद में, गंगा के पास शिवानंद शयनगृह का दौरा करते समय, अब्दुल ने "एक मजबूत कंपन महसूस करने" का वर्णन किया ” जैसे ही वह हॉस्टल में दाखिल हुआ।

.2 एक अन्य अवसर पर, अब्दुल ने एक घटना का जिक्र किया जहां उसके पिता ने उसके करियर में उन्नति का जश्न मनाने के लिए मस्जिद में एक समारोह का आयोजन किया था, “मैं ईश्वर की शक्ति को अपने पिता के माध्यम से मेरे पास और वापस ईश्वर की ओर प्रवाहित होते हुए महसूस कर सकता था; हम सभी गहन प्रार्थना में हैं।”3

आध्यात्म के प्रति रुचि ने अब्दुल कलाम का साथ कभी नहीं छोड़ा

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

उन्होंने विज्ञान और अध्यात्मवाद को कभी भी विरोधाभासी नहीं माना। वास्तव में, कलाम ने कहा है कि उनके लिए, "ज्ञान आध्यात्मिक संवर्धन और आत्म-प्राप्ति का मार्ग बन गया है।" इसके अलावा, ट्रांसफार्मर, शिव की अग्नि, उनकी रगों में दौड़ती प्रतीत होती है। आग एपीजे अब्दुल कलाम के लेखन का एक प्रमुख पहलू है। उनकी आत्मकथा का शीर्षक है, विंग्स ऑफ फायर, और उनके द्वारा लिखी गई एक अन्य पुस्तक का शीर्षक है, इग्नाइटेड माइंड्स, जो भारतीय बच्चों और भारत को अधिक परिष्कृत और विकसित देश बनाने की उनकी क्षमता को संदर्भित करती है। .

एक बच्चे के रूप में, अब्दुल उड़ने में सक्षम होने का सपना देखता था, इत्यादि लियोनार्डो दा विंची, उन्होंने पक्षियों को उड़ाना सीखा।

बाद में अपने जीवन में, जब वह छोटा था, अब्दुल ने इंजीनियर बनने के लिए मद्रास इंस्टीट्यूट फॉर टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में प्रवेश किया। यहां भी उनकी रुचि उड़ने वाली मशीनों में बढ़ती गई। अपनी आत्मकथा में, उन्होंने एमआईटी में प्रदर्शित हवाई जहाजों और उनकी प्रणालियों के प्रति अपनी प्रशंसा का वर्णन किया है। उन्होंने लिखा, "मुझे हवाई जहाजों के प्रति एक अजीब आकर्षण महसूस हुआ, और अन्य छात्रों के अपने कमरे में लौटने के बाद भी मैं उनके पास बैठा रहता था, और पक्षियों की तरह आकाश में स्वतंत्र रूप से उड़ने की मानवीय इच्छा की प्रशंसा करता था।"5 वास्तव में, महत्वाकांक्षा और इच्छा कलाम की थी उस समय की सबसे बड़ी उपलब्धि भारतीय वायु सेना में एक अधिकारी बनना था। कलाम ने आवेदन प्रक्रिया में प्रवेश किया और जब वायु सेना चयन बोर्ड द्वारा उन्हें अस्वीकार कर दिया गया, तो पायलट बनने का अवसर चूक जाने से उनका मोहभंग हो गया।

भले ही उनका पायलट बनने का सपना पूरा हो चुका था, अब्दुल कलाम ने रक्षा मंत्रालय में नौकरी की, जहाँ वे तकनीकी विकास और उत्पादन निदेशालय के वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक बन गये। कलाम विमान नहीं उड़ाएंगे, लेकिन वह इसे डिजाइन करने में शामिल रहेंगे। एक परियोजना में, कलाम ने एक युद्ध होवरक्राफ्ट बनाने के लिए एक टीम का नेतृत्व किया और उन्होंने इस वाहन को उड़ाया भी, भले ही वह जमीन से केवल इंच की ऊंचाई पर था। प्रगति के अगले चरण में प्रोफेसर विक्रम साराभाई के साथ एक साक्षात्कार शामिल था, जब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति कलाम को भर्ती करने में रुचि रखती थी

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

"रॉकेट इंजीनियर" का पद भरें।

जल्द ही कलाम और साराभाई के बीच एक रिश्ता विकसित हो गया। कलाम साराभाई की गर्मजोशी, साथ ही उनके कर्तव्यनिष्ठ स्वभाव, उनकी संक्रामक आशावादिता और दूरदर्शिता से प्रभावित हुए।

साराभाई, जैसा कि कलाम ने कुछ समय से देखा था, एक प्रर्वतक, प्रयोगकर्ता और नेता थे जिन्होंने अपने लोगों को विश्वास और विश्वास दिखाकर प्रेरित किया कि वे सफल होंगे। दिशा प्रदान करने के बजाय, साराभाई विचारों के आदान-प्रदान का समर्थन करते हैं जो किसी समस्या के सामान्य समाधान की ओर ले जाता है। विक्रम साराभाई के बारे में कलाम के लेखन के लहजे से पता चलता है कि वर्षों से, अब्दुल के मन में साराभाई के लिए गहरा प्यार और प्रशंसा थी, जो किसी भी अन्य पेशेवर समकक्ष से कहीं अधिक थी। जब विक्रम साराभाई की उनके करियर के स्वर्णिम युग में, 52 वर्ष की आयु में अचानक और अप्रत्याशित रूप से दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई, तो उन्हें बहुत दुख हुआ। कलाम ने बाद में विक्रम साराभाई को भारतीय विज्ञान का महात्मा गांधी करार दिया।

इसके अलावा अब्दुल कलाम की रुचि विज्ञान में भी थी भारत को आत्मनिर्भर बनाने और समाज की प्रगति घरेलू प्रौद्योगिकी के विकास से हो, न कि पश्चिम से आयातित प्रौद्योगिकी से हो, इसके लिए अटूट जुनून रखता है। हालाँकि, उनके सबसे मूल्यवान अनुभवों में से एक मिसाइल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत के अग्रदूतों के योगदान की पश्चिमी स्वीकृति से आता है। इस अनुभव का दृश्य मैरीलैंड में नासा की वॉलॉप्स फ़्लाइट सुविधा का है। भारत के मिसाइल कार्यक्रम में प्रमुख इंजीनियर के रूप में, कलाम को रॉकेट प्रक्षेपण तकनीकों पर छह महीने के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए नासा द्वारा आमंत्रित किया गया है।

वॉलॉप्स में, कलाम रिसेप्शन लॉबी में लटकी हुई एक पेंटिंग देखते हैं, जिसमें युद्ध के दृश्य को दर्शाया गया है जिसमें आने वाले सैनिकों पर रॉकेट लॉन्च किए जाते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि रॉकेट दागने वाले सभी सैनिक गहरे रंग के थे, जबकि रॉकेट का निशाना ब्रिटिश वर्दी पहने सफेद सैनिक थे।

Machine Translated by Google

कलाम ने करीब से देखा और महसूस किया कि यह पेंटिंग टीपू सुल्तान की सेना और भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक ताकतों के बीच एक लड़ाई थी। टीपू सुल्तान को उनके पिता हैदर अली के साथ रॉकेट विकास का अग्रदूत माना जाता है। कलाम इस बात से काफी आश्चर्यचकित थे कि नासा की सुविधा में भारतीयों को सम्मानित किया गया, जबकि घर पर अधिकांश भारतीय टीपू सुल्तान के बारे में भूल गए थे।

हालाँकि चीन रॉकेट का आविष्कार करने वाला पहला देश था, जिसका उपयोग उन्होंने औपचारिक उद्देश्यों के लिए किया था, हैदर अली और टीपू सुल्तान वह थे जिन्होंने सैन्य उद्देश्यों के लिए रॉकेट विकसित किए थे। जिस नवाचार ने हैदर अली और टीपू सुल्तान द्वारा इस्तेमाल किए गए रॉकेटों को अधिक प्रभावी बनाया, वह लोहे की परतों का उपयोग था, जिसके परिणामस्वरूप अधिक दबाव वाला पोत और परिणामस्वरूप, लंबी दूरी थी। इनमें से कुछ रॉकेट 1,000 गज (914.4 मीटर) तक भी उड़ सकते हैं।

रॉकेट के आधार में 8 इंच लंबी और 2-3 इंच व्यास वाली एक स्टील ट्यूब होती है। रॉकेट के पतवार में 4 फुट लंबी बांस की छड़ी शामिल थी। डिज़ाइन को विशेष उद्देश्यों और प्रभावों के लिए बदला जा सकता है।

उदाहरण के लिए, हैदर अली के कुछ रॉकेटों में धातु की ट्यूबें होती हैं जो रॉकेट के उड़ने पर चिंगारी छोड़ सकती हैं, जिससे उसके रास्ते में आने वाली वस्तुओं में आग लग सकती है। लंदन के वूलविच आर्टिलरी संग्रहालय में प्रदर्शित टीपू सुल्तान के दो रॉकेटों के सिर पर तलवार की धार है। टीपू सुल्तान ने एक पहिएदार रॉकेट लांचर भी विकसित किया जो एक के बाद एक कई रॉकेट दाग सकता था। ऐसा अनुमान है कि टीपू सुल्तान की सेना में 27 ब्रिगेड थे, जिन्हें कुशून कहा जाता था। प्रत्येक ब्रिगेड को 200 रॉकेट सैनिकों का एक दस्ता सौंपा जाता है, जिसे जर्क कहा जाता है। टीपू सुल्तान ने फ़तहुल मुजाहिदीन नामक एक सैन्य मैनुअल लिखा, जिसमें उनकी सैन्य इकाइयों की संरचना और कार्य की रूपरेखा दी गई थी।

हमने स्वतंत्र रूप से शोध किये गये पुनर्जन्म में देखा है
मामले, जैसे कि पॉल गाउगिन/पीटर टेकैम्प, एलेक्जेंड्रा नेचिटा/पाब्लो पिकासो, और फ्रांसेस्को फोस्कारी/के मामले

वेन पीटरसन, रुचियां, जुनून और प्रतिभाएं जीवन भर कैसे जारी रह सकती हैं। अब हम एपीजे अब्दुल कलाम के मामले में इस घटना को देख रहे हैं, क्योंकि मेरे सहयोग से

Machine Translated by Google

केविन रायर्सन, अहतुन रे ने पुष्टि की कि कलाम टीपू सुल्तान के पुनर्जन्म हैं। अहतुन रे ने यह भी पुष्टि की कि कलाम के महान शिक्षक, विक्रम साराभाई, टीपू सुल्तान के पिता हैदर अली के अवतार हैं। पिता और पुत्र के रूप में, हैदर अली और टीपू सुल्तान ने मैसूर राष्ट्र का निर्माण किया, जबकि शिक्षक और छात्र के रूप में, विक्रम साराभाई और अब्दुल कलाम ने भारत के अंतरिक्ष और मिसाइल कार्यक्रम का निर्माण किया, जिससे दुनिया के देशों के बीच भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी। वास्तव में, भारत के अंतरिक्ष और मिसाइल कार्यक्रमों में कलाम की सेवाएँ भारत के लिए महाशक्तियों की सूची में शामिल होने का टिकट हैं।

आइए हैदर अली और टीपू सुल्तान के बारे में और जानें, जिन्होंने 38 वर्षों की अवधि तक मैसूर नामक क्षेत्र पर शासन किया।

मैसूर दक्षिण भारत का एक जिला है, जो बेंगलुरु से 140 किलोमीटर दूर है। हैदर अली का जन्म 1722 के आसपास हुआ था। उनके जन्म के सटीक वर्ष के संबंध में विभिन्न स्रोत थोड़े भिन्न हैं।

हैदर अली के पिता फ़तेह मोहम्मद थे और उनका एक भाई शाबिज़ था, जो मैसूर सेना में सैनिक बन गया। हैदर अली अपने भाई के साथ युद्ध में शामिल हुए और सैन्य सेवा में उपलब्धियाँ दर्ज करने में सफल रहे। उन्होंने सैन्य इंजीनियरिंग में भी रुचि दिखाई, पांडिचेरी में फ्रांसीसी सैनिकों का दौरा किया, जहां उन्होंने फ्रांसीसी तकनीकी अधिकारियों के कौशल की प्रशंसा की।

हैदर अली को "बहुत मजबूत याददाश्त" और "तीखी नज़र" के लिए जाना जाता है।

अपनी सैन्य विशेषज्ञता के कारण, 1755 में, हैदर अली को मैसूर के बुदिकोट में सैन्य कमांडर नियुक्त किया गया था। हैदर अली उत्कृष्ट संगठनात्मक कौशल प्रदर्शित करते हैं।

उन्होंने महसूस किया कि ब्रिटिश और फ्रांसीसी औपनिवेशिक शक्तियों ने सैन्य कमान की एक कुशल प्रणाली बनाई थी और उन्होंने उसी तरह से अपने सैनिकों को संगठित किया।

हैदर अली ने ब्रिटिश और फ्रांसीसी हथियारों पर आधारित सैन्य उपकरण भी बनाए। अंत में, 1757 में मैसूर की पूरी सेना उनकी कमान सौंप दी गई। जब हैदर अली ने हमलावर मराठा सैनिकों को हराया, तो उनके प्रतिद्वंद्वी हिंदू समूह, मैसूर के हिंदू महाराजा

Machine Translated by Google

उन्हें फ़तेह बहादुर की उपाधि से सम्मानित किया गया। 1761 में हैदर अली को मैसूर का मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया और जब 1766 में महाराजा की मृत्यु हो गई, तो हैदर अली स्वयं मैसूर के शासक बन गए।

इस क्षमता में हैदर अली ने स्वयं को एक महान प्रशासक साबित किया। यह उल्लेख किया गया है कि उनमें "एक साथ कई चीजों पर ध्यान देने की क्षमता थी, ताकि वह किसी भी गतिविधि से विचलित हुए बिना, एक नाटकीय प्रदर्शन देखते समय, पढ़े गए पत्र को सुन सकें, आदेश दे सकें।"7 उनके शासनकाल के दौरान , हैदर अली ने मैसूर के बुनियादी ढांचे की मरम्मत की, सड़कों - सड़कों और उद्यानों का निर्माण किया। बैंगलोर और सेरिंगपट्टम की सुरक्षा भी अली द्वारा बनाई गई थी। वह अन्य मान्यताओं के प्रति सहिष्णु है। हैदर अली लोगों के साथ कूटनीतिक भी हैं और यह ध्यान दिया जाता है कि उनका कोई व्यक्तिगत दुश्मन नहीं है।

दुर्भाग्य से, उनके शासनकाल के दौरान सैन्य अभियान जारी रहे।
पहला मैसूर युद्ध 1767 में शुरू हुआ, जब अंग्रेजों ने मराठों, जो उत्तरी और मध्य भारत के क्षेत्रों को नियंत्रित करते थे, और हैदराबाद के निज़ाम के साथ गठबंधन किया। निज़ाम एक राजवंश के शासक का नाम था, जिसने हैदराबाद को अपनी राजधानी बनाए रखा। हैदर अली ने मद्रास और दक्षिण भारत पर शासन किया। हालाँकि इस गठबंधन में ब्रिटिश, मराठा और निज़ाम शामिल थे, हैदर अली इस ब्रिटिश नेतृत्व वाली सेना को हराने में सक्षम थे। इसके बाद हुई शांति संधि में, यदि मैसूर पर अन्य शक्तियों द्वारा हमला किया गया तो अंग्रेजों को हैदर अली की मदद करने की आवश्यकता थी।

जब 1771 में मराठों ने फिर से मैसूर पर आक्रमण किया, तो अंग्रेजों ने अपना वादा तोड़ दिया और हैदर अली की मदद करने से इनकार कर दिया। इसके चलते अली को फ्रांस के साथ गठबंधन करना पड़ा।

दूसरा मैसूर युद्ध 1780 में शुरू हुआ जब अंग्रेजों ने इस क्षेत्र में फ्रांसीसी सेना पर हमला करने की योजना बनाई और हैदर अली ने अंग्रेजों की मदद करने से इनकार कर दिया। इसके बाद अंग्रेजों ने मराठों और हैदराबाद के निज़ाम के साथ फिर से गठबंधन किया और हैदर अली और मैसूर पर युद्ध की घोषणा की। द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध के दौरान, पोलिलुर की लड़ाई (10 सितंबर 1780) में, हैदर अली और टीपू सुल्तान रिकॉर्ड करने में कामयाब रहे

Machine Translated by Google

बड़ी जीत। उनकी जीत में मदद करने वाले कारकों में से एक यह था कि ब्रिटिश गोला-बारूद गाड़ियों में से एक को मैसूर रॉकेट द्वारा सफलतापूर्वक जला दिया गया था।

हैदर अली ने युद्ध में 80,000 पुरुषों और 100 तोपों का नेतृत्व किया और अक्टूबर 1780 में, उन्होंने जीत हासिल की और अर्कोट पर विजय प्राप्त की। हालाँकि, 1781 में, वह मद्रास के पास हार गया। यह बताया गया कि हैदर अली की पीठ पर एक प्युलुलेंट ट्यूमर था, जिसके कारण युद्ध के बीच 7 दिसंबर 1782 को चित्तूर के बाहर उनके बेस पर उनकी मृत्यु हो गई। जब उन्हें अपने पिता की मृत्यु की खबर मिली, तो टीपू सुल्तान ने 90,000 सैनिकों के साथ चित्तूर पर चढ़ाई की और मैसूर सेना की कमान संभाली। इसके बाद टीपू सुल्तान बैंगलोर के बंदरगाह में ब्रिटिश-आधिपत्य वाले किले में चले गए और फ्रांसीसी इंजीनियरों की मदद से छापेमारी शुरू कर दी। हालाँकि, यह लड़ाई उस समय हुई जब ब्रिटेन और फ्रांस अमेरिकी क्रांतिकारी युद्ध के बाद शांति संधि में प्रवेश कर रहे थे। तब फ्रांसीसी इंजीनियर जो टीपू सुल्तान की सहायता कर रहे थे, उन्हें अपनी सहायता वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। फ्रांसीसी पलायन से क्रोधित टीपू सुल्तान को हमले को बचाव में बदलने के लिए मजबूर होना पड़ा। टीपू सुल्तान अंततः 1783 में दूसरा मैसूर युद्ध जीतकर अंग्रेजों के खिलाफ जीत दर्ज करने में कामयाब रहे। जनवरी 1784 में हस्ताक्षरित एक समझौते के माध्यम से टीपू सुल्तान द्वारा नियंत्रित क्षेत्र का बड़े पैमाने पर विस्तार किया गया।

आइये अब टीपू सुल्तान के जीवन की समीक्षा करते हैं। उनका जन्म 10 दिसंबर 1750 को देवनहल्ली में हुआ था। टीपू को बचपन से ही एक सैन्य नेता के रूप में शिक्षा मिली और 15 वर्ष की उम्र से वह अपने पिता के साथ सैन्य अभियानों में शामिल हो गये। टीपू सुल्तान को पढ़ाई करना बहुत पसंद है, उन्होंने एक पुस्तकालय में लगभग 2,000 किताबें भी एकत्र की हैं। विशेष रूप से, टीपू ने गणित और विज्ञान का अध्ययन किया। उन्हें बहुत गतिशील बताया गया है

व्यक्ति।

अपने पिता की मृत्यु के बाद, टीपू सुल्तान ने मैसूर पर अधिकार कर लिया उन्हें एक न्यायप्रिय और महान शासक माना जाता था।
यह अपने लोगों की समृद्धि बढ़ाने के लिए गतिशील रूप से काम करता है। उदाहरण के लिए, कृषि को विकसित करने के लिए टीपू सुल्तान ने सिंचाई के लिए बाँध और जलाशय बनवाए

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

खेतों के साथ-साथ बाजारों तक माल पहुंचाने के लिए सड़कों का निर्माण भी किया जा रहा है। टीपू सुल्तान ने कच्छ, मास्क्वाट और जेद्दा में कारखानों का निर्माण करके उद्योग भी विकसित किया। उन्होंने ओमान, फारस और तुर्की जैसे पड़ोसी देशों के साथ व्यापार तेज कर दिया।

टीपू ने किले और महल बनवाये। एक मुस्लिम के रूप में, टीपू ने मैसूर में शराब पर प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन वह अपनी गैर-मुस्लिम प्रजा के साथ अच्छा व्यवहार करता है। उन्होंने विदेशी विशेषज्ञों को कांच, दर्पण और जहाज निर्माण के कारखाने बनाने के लिए आमंत्रित किया। वह अपने राज्य को भारत का सबसे समृद्ध देश बनाने के लिए कृतसंकल्प थे। टीपू सुल्तान दुनिया भर के नवीनतम वैज्ञानिक विकास के बारे में भी जानकारी लेता है।

टीपू सुल्तान अपने देश की आज़ादी के बड़े समर्थक थे औपनिवेशिक शासन से और इस संबंध में, वह पूरे भारत में अपना प्रभाव फैलाने की ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की योजनाओं से भी सावधान थे। टीपू ने फ्रांस, तुर्की के सुल्तान और अफगानिस्तान के अमीर के साथ गठबंधन किया। 1787 में, टीपू ने फ्रांस के साथ अपने गठबंधन को मजबूत करने के प्रयास में, पेरिस में एक प्रतिनिधिमंडल भी भेजा, जो लुई XVI से मिला।

अंग्रेज़ टीपू सुल्तान की बढ़ती शक्ति से अवगत हो गये हैदराबाद के निज़ाम और मराठों के साथ एक बार फिर गठबंधन किया, फिर 1790 में तीसरा मैसूर युद्ध शुरू हुआ। जनवरी 1791 में, लॉर्ड कॉर्नवालिस ने वेल्लोर में ब्रिटिश सैनिकों की कमान संभाली, और बैंगलोर की घेराबंदी शुरू करने के लिए दृढ़ संकल्प किया। जैसे ही कॉर्नवालिस मुगली दर्रे से आगे बढ़े, उन पर टीपू सुल्तान के रॉकेट सैनिकों ने हमला कर दिया

यदि आप इसके बारे में सोचते हैं, तो शायद मैरीलैंड में नासा की वॉलॉप्स फ़्लाइट सुविधा की लॉबी में प्रदर्शित पेंटिंग, जो अब्दुल कलाम को प्रमाण की भावना देती है, कलाम के भीतर एक अचेतन स्मृति या अहसास पैदा करती है कि यह एक ऐसी लड़ाई है जिसका नेतृत्व उन्होंने एक बार किया था। अगर

कलाम वास्तव में टीपू सुल्तान के पुनर्जन्म हैं, वॉलॉप्स में उन्हें रॉकेट तकनीक में उनके योगदान के लिए मान्यता मिलती है, जिसका आविष्कार उन्होंने 200 साल से भी पहले किया था।

हालाँकि, अंत में टीपू सुल्तान युद्ध में हार गया

Machine Translated by Google

तीसरा मैसूर. 22 मार्च 1792 को अपनी राजधानी सेरिंगपट्टम में हस्ताक्षरित एक संधि में, टीपू सुल्तान को अपना आधा राज्य छोड़ना पड़ा और अंग्रेजों और उनके सहयोगियों को युद्ध की लूट के 33 मिलियन रुपये का भुगतान करना पड़ा।

1792 में अपनी हार के बाद, टीपू सुल्तान ने फ्रांसीसी सहायता से अपनी सेना का पुनर्निर्माण किया। अंग्रेजों ने इसे सेरिंगपट्टम की संधि का उल्लंघन माना, जिसके कारण 1798 में मैसूर पर उनका आक्रमण हुआ और चौथे मैसूर युद्ध की शुरुआत हुई। अंततः टीपू को उसकी राजधानी सेरिंगपट्टम में घेर लिया गया। एक बार फिर टीपू सुल्तान की रॉकेट सेना युद्ध में शामिल हो गई। टीपू ने युद्ध के मैदान में घुड़सवारी करके कैद से बचने की कोशिश की, लेकिन सीने में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसके शरीर के दाहिनी ओर दूसरा घाव तब हुआ जब उसका घोड़ा उसके नीचे गिर गया। टीपू सुल्तान के रक्षकों ने उसकी मदद की और उसे ब्रिटिश सैनिकों के सामने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, यह जानते हुए कि उसे माफ कर दिया जाएगा। टीपू सुल्तान ने मना कर दिया. एक ब्रिटिश सैनिक टीपू की रत्नजड़ित तलवार की बेल्ट को पकड़ने की कोशिश करता है। टीपू ने, भले ही वह खुद घायल हो गई थी, तलवार खींच ली और सैनिक के घुटने पर घाव कर दिया। जवाबी कार्रवाई में, ब्रिटिश सैनिक ने अपनी राइफल निकाली और टीपू सुल्तान के सिर में गोली मार दी, जिससे तुरंत मौत हो गई। यह मई 1799 में हुआ था। टीपू सुल्तान को तब "गुम्बज़" में दफनाया गया था, जो उसने एक पारिवारिक कब्र में बनवाया था, जहाँ उसे हैदर अली और उसकी माँ फातिमा बेगम के साथ दफनाया गया था।

एक क्षण में हम देखेंगे कि विक्रम साराभाई और अब्दुल कलाम के मामलों में व्यक्तित्व लक्षण कैसे सुसंगत रहते हैं।

सबसे पहले, मैं यह टिप्पणी करना चाहूंगा कि आज के जीवन में अन्य कर्म संबंधों का भी नवीनीकरण हुआ है और मिसाइल प्रौद्योगिकी विकसित करने पर साराभाई और कलाम के साथ काम करने वाले कई इंजीनियर और वैज्ञानिक हैदर अली और टीपू सुल्तान के युग के दौरान भी उनके साथ थे, जैसा कि पुष्टि की गई है अहतुन रे, केविन रायर्सन की मार्गदर्शक भावना। उदाहरण के लिए, हैदर अली के मंत्री मुहम्मद सादिक का कथित तौर पर विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र के पहले निदेशक ब्रह्म प्रकाश के रूप में पुनर्जन्म हुआ था। यहां तक की

Machine Translated by Google

प्रख्यात रॉकेट वैज्ञानिक वर्नर वॉन ब्रॉन भी टीपू सुल्तान के साथ थे, शायद सुल्तान के भरोसेमंद कमांडर बुरहानुद्दीन के रूप में।

आइए विक्रम के बीच सामान्य व्यक्तित्व लक्षणों की समीक्षा करें साराभाई और हैदर अली.

• रंगीन कपड़े। हैदर अली को चमकीले रंग के कपड़े पसंद हैं, जैसे विक्रम साराभाई को, जो चमकीले रंग के कपड़े पहनते हैं।

• प्रशासन में प्रतिभा. जैसा कि ऊपर वर्णित है, हैदर अली के पास एक है मजबूत याददाश्त और पैनी पकड़। वह अपने क्षेत्र पर शासन करने में विभिन्न प्रकार के कार्य भी आसानी से कर पाता है। विक्रम साराभाई एक प्रतिभाशाली प्रबंधक भी हैं, जो न केवल भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को चला रहे हैं बल्कि अपने परिवार की दवा, रसायन, कांच, कृषि और इंजीनियरिंग कंपनियों के संचालन का प्रबंधन भी कर रहे हैं। हैदर अली की तरह, विक्रम साराभाई को भी अक्सर एक साथ कई काम करते हुए, औद्योगिक गतिविधियाँ चलाते हुए और एक ही समय में अपने छात्रों को पढ़ाते हुए देखा जाता है।

• समस्या समाधान करने की कुशलताएं। हैदर अली एक सैन्य कमांडर है जो समस्याओं को हल करने के तरीके खोजने में बहुत अच्छा है, रचनात्मक तरीके से अवसर खोजने में सक्षम है। अब्दुल कलाम ने यह भी कहा कि विक्रम एक चतुर प्रबंधक थे, जो कभी-कभी सोच के पारंपरिक पैटर्न का पालन नहीं करते थे, जो भारत के कम कर्मचारियों और कम वित्तपोषित अंतरिक्ष कार्यक्रम को चलाने में सफल रहे।

• विदेशी सैन्य उपकरणों की इंजीनियरिंग। हैदर अली ने कथित तौर पर फ्रांसीसी और ब्रिटिश सैन्य उपकरणों की चोरी की। विक्रम साराभाई ने एक रूसी RATO मोटर का अधिग्रहण किया, जिसका उपयोग प्रतिकूल परिस्थितियों में उड़ान भरते समय जेट की सहायता के लिए किया जाता है, जिसका उपयोग भारतीय RATO मोटर को डिजाइन करने के लिए किया गया था। अब्दुल कलाम ने इस प्रयास में भाग लिया।

• खुला। कहा जाता है कि हैदर अली ''खुले और किसी से भी बातचीत करने के लिए तैयार'' थे। कथित तौर पर विक्रम साराभाई भी इस पर विचार कर रहे हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

हर कोई बराबर है. ऐसा कहा जाता था कि एक नौकरानी भी उनके पास खुलकर आ सकती थी और उनसे खुलकर बातचीत कर सकती थी।

अब आइए टीपू सुल्तान और अब्दुल कलाम के व्यक्तित्व में समानताओं की जाँच करें।

• सरल. टीपू सुल्तान साधारण खाना खाता है और खुरदरी चटाई पर सोता है। अब्दुल कलाम के पास भी साधारण कमरे हैं और जब भी उन्हें अधिक आलीशान आवास की पेशकश की जाती है तो वे अक्सर इसे स्वीकार करने से इनकार कर देते हैं, जिसमें थुम्बा में वहाना 3 उपग्रह प्रक्षेपण टीम का नेतृत्व करना भी शामिल है।

• साधारण कपड़े. टीपू सुल्तान बेहद साधारण कपड़े पसंद करते हैं अपने पिता के विपरीत, जो रंगीन कपड़े पहनना पसंद करते हैं। अब्दुल कलाम को हमेशा सादे कपड़े पसंद थे और जब भारत के पहले उपग्रह के सफल प्रक्षेपण के बाद उन्हें प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी से मिलने के लिए आमंत्रित किया गया था, तो उन्होंने बैठक के लिए केवल सादे कपड़े और सैंडल पहने थे।

• परहेज़। टीपू सुल्तान अपने और अपने क्षेत्र दोनों के लिए शराब पर प्रतिबंध रखता है। कहा जाता है कि टीपू सुल्तान भी महिलाओं के मोह में नहीं पड़ता था. अब्दुल कलाम शराब से परहेज़ करते हैं, शाकाहारी हैं और ब्रह्मचारी हैं।

• कविता। टीपू सुल्तान एक अच्छे कवि के रूप में जाने जाते हैं। अब्दुल कलाम को कविता लिखना अच्छा लगता था और उनकी कविताएँ उनकी जीवनी, विंग्स ऑफ फायर में भी मिलती हैं। अब्दुल कलाम ने माई जर्नी और द लाइफ ट्री शीर्षक से कविता की किताबें भी प्रकाशित की हैं।

• अध्यात्मवादी वैज्ञानिक। टीपू सुल्तान को धार्मिक प्रेम बहुत पसंद था किताबें, लेकिन उन्हें नवीनतम वैज्ञानिक खोजों में भी बहुत रुचि थी। अब्दुल कलाम कई पवित्र ग्रंथों के विद्यार्थी थे और यहां तक कि वे मानसिक दार्शनिक रुडोल्फ स्टीनर से भी परिचित थे, जो आध्यात्मिक विज्ञान के विकास को आगे बढ़ाने के अपने प्रयासों के लिए प्रसिद्ध थे।

• नवाचार। टीपू सुल्तान को नवप्रवर्तन के प्रति "महान जुनून" के लिए जाना जाता है। यह ट्रिक एक नई माप प्रणाली, एक नया कैलेंडर, मुद्रा और एक समस्या निवारण मार्गदर्शिका बनाती है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

सैन्य समस्या. टीपू ने एक जहाज निर्माण कारखाना बनाया और इस परियोजना के हिस्से के रूप में, उन्होंने जहाज निर्माण के लिए एक गैर-चुंबकीय मिश्र धातु विकसित की। अब्दुल कलाम ने सामग्री विज्ञान में भी रुचि दिखाई और मिश्र धातुओं में रुचि को स्वीकार किया जिसे धातु मिश्र धातुओं के समान देखा जा सकता है। एक बहुत ही विशिष्ट समानता में टीपू सुल्तान के पहिये वाले रॉकेट लॉन्चर का विकास शामिल है जो लगातार रॉकेट लॉन्च कर सकता है।

अपनी पुस्तक, इग्नाइटेड माइंड्स में, अब्दुल कलाम ने गर्व के साथ लिखा है कि भारत ने पिनाका नामक एक आधुनिक मल्टी-पिट रॉकेट लॉन्चर का उत्पादन किया है। टीपू सुल्तान की तरह, अब्दुल कलाम एक अग्रणी प्रर्वतक थे।

• बहादुर। टीपू सुल्तान कहते थे, "शेर की तरह एक दिन जीना भेड़ की तरह सौ साल जीने से बेहतर है।" अब्दुल कलाम ने कहा, "मैं पूर्णता की ओर साहस और दृढ़ता की डोर पसंद करता हूं।"

• हार्ड वोकर. ऐसा कहा जाता है कि टीपू सुल्तान सुबह से लेकर सुबह तक काम करते हैं अपने लोगों के कल्याण के लिए आधी रात। अब्दुल कलाम प्रतिदिन 18 घंटे काम करने के लिए जाने जाते हैं और उन्हें काम में लगे रहने वाले व्यक्ति के रूप में जाना जाता है।

• देश की प्रगति के लिए समर्पण। टीपू सुल्तान ने तकनीकी प्रगति और आर्थिक विकास के मामले में अपने क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए अथक प्रयास किया। यहां तक कि वह अपनी सामाजिक चेतना को प्रतिबिंबित करने के लिए खुद को "टीपू सुल्तान का नागरिक" भी कहते हैं।

अब्दुल कलाम भी भारत को एक विकसित, समृद्ध और विश्व शक्ति बनाने के लिए समान रूप से प्रयास करने के लिए प्रेरित हैं, जैसा कि उनकी पुस्तक, इंडिया 2020, ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियम में जोर दिया गया है।

• घरेलू उपलब्धियों और स्वतंत्रता पर गर्व। टीपू सुल्तान भारत में ब्रिटिश उपस्थिति से नाराज़ थे और उन्होंने ब्रिटिश और ईस्ट इंडिया कंपनी को इस क्षेत्र से बाहर निकालने के लिए लड़ाई लड़ी। इस प्रयास को शुरू करने के लिए टीपू ने फ्रांस के साथ गठबंधन किया, हालांकि ब्रिटेन के साथ शांति संधि पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद जब फ्रांसीसी युद्ध से हट गए तो उन्हें निराशा हुई। अब्दुल कलाम

Machine Translated by Google

प्रमुख उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के घरेलू उत्पादन के प्रबल समर्थक थे, इसका मुख्य कारण कलाम की यह समझ थी कि विदेशी प्रौद्योगिकियों और उत्पादों पर निर्भरता भारत को कमजोर कर देगी। वैसे, कलाम फ्रांस के साथ एक मिसाइल परियोजना में शामिल थे, जो उसी तरह समाप्त हो गई, जब फ्रांस अचानक पीछे हट गया। यह लगभग वैसा ही है जैसे अब्दुल कलाम अपने साथ टीपू सुल्तान के अनुभव लेकर आए, जिसके कारण वे न केवल राजनीतिक रूप से, बल्कि तकनीकी रूप से भी भारत की स्वतंत्रता के लिए प्रयास करते रहे।

निःसंदेह, टीपू सुल्तान और अब्दुल कलाम में जो समानता है वह रॉकेटों में उनकी रुचि है। जैसा कि वॉलॉप्स में उनके अनुभव से पता चलता है, अब्दुल कलाम ने टीपू सुल्तान में बहुत रुचि दिखाई है।

1991 में बैंगलोर की यात्रा के दौरान कलाम ने श्रीरंगपट्टनम में टीपू सुल्तान के महल को देखने की इच्छा व्यक्त की।

यह भी ध्यान दिया जाता है कि कलाम को अक्सर इस बात का दुख होता है कि रॉकेट के क्षेत्र में अग्रणी के रूप में टीपू सुल्तान की उपलब्धियों को काफी हद तक भुला दिया गया है, यहां तक कि टीपू सुल्तान के अपने क्षेत्र में भी, भले ही "टीपू सुल्तान शहीद की स्मृति में व्याख्यान" नियमित रूप से बैंगलोर में आयोजित किए जाते हैं। विडंबना यह है कि 30 नवंबर 1991 को मंच पर अब्दुल कलाम वक्ता थे। कलाम ने लंदन के पास वूलविच आर्टिलरी संग्रहालय का भी दौरा किया और कहा कि जब उन्होंने टीपू के रॉकेट देखे तो उन्हें बहुत खुशी हुई।

इस संबंध में, टीपू सुल्तान/अब्दुल कलाम मामला वास्तव में "आत्मीयता मामले" का एक और उदाहरण है, जिसमें एक व्यक्ति अपने पिछले जीवन की पहचान से आकर्षित होता है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

© हरीश त्यागी/ईपीए/कॉर्बिस

टीपू सुल्तान ए पी जे अब्दुल कलाम

टीपू सुल्तान ने अपने पिता के साथ मिलकर युद्ध में रॉकेट के इस्तेमाल की शुरुआत की थी। भारत के "मिसाइल मैन" डॉ. कलाम की पहचान टीपू सुल्तान के पुनर्जन्म के रूप में की जाती है।

Machine Translated by Google

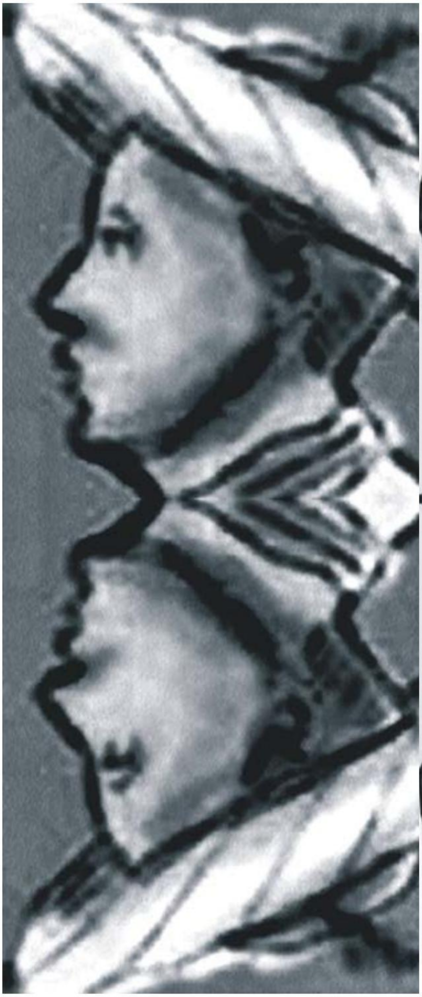

हैदर अली

विक्रम साराभाई

हैदर अली और उनके बेटे टीपू सुल्तान ने 38 वर्षों तक मैसूर पर शासन किया है। अली को सैन्य उपकरणों, रॉकेटों में रुचि थी और वह एक चतुर प्रशासक थे। अली का विक्रम साराभाई के रूप में पुनर्जन्म हुआ है

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक और अब्दुल कलाम के शिक्षक।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

19

इंदिरा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, और 1857 का स्वतंत्रता संग्राम

भारत कई मायनों में विदेशी शासन के अधीन है इसकी ऐतिहासिक सीमा का. यही वास्तविकता अब्दुल कलाम को आहत करती है और इसने उन्हें घरेलू प्रौद्योगिकी के विकास पर जोर देने के लिए प्रेरित किया है, ताकि भारत आत्मनिर्भर बन सके। भारत में ब्रिटिश उपनिवेशीकरण के कारण कई संघर्ष हुए, जिनमें हैदर अली और टीपू सुल्तान के इतिहास में बताए गए संघर्ष भी शामिल हैं। इस अशांति में बहुत क्रूरता देखी गई है और अशांति के बाद कई घृणित कार्य किए गए हैं।

1947 में भारत को आजादी मिलने के बाद, जातीय और धार्मिक मतभेदों के कारण देश में फिर से उथल-पुथल और रक्तपात शुरू हो गया।

आशा है कि इस पुस्तक के अध्यायों में पुनर्जन्म के जो साक्ष्य मिलेंगे, वे देशों और विभिन्न मूल के लोगों के बीच हिंसा को कम करने में मदद करेंगे। निम्नलिखित मामलों में, हम देखेंगे कि आत्माएँ राष्ट्रीय, जातीय और नस्लीय संबद्धताएँ कैसे बदल सकती हैं। इस ज्ञान के साथ, आइए अब हम एक-दूसरे पर हावी होने की कोशिश न करें।

आइए हम अपनी उपलब्धियों या खुद को नष्ट करने के बजाय एक सामंजस्यपूर्ण ग्रह बनाने के लिए अपनी ऊर्जा का उपयोग करें।

भारत के मुख्य पात्रों के पिछले जीवन की जांच में, एक जिन लोगों में मेरी दिलचस्पी थी उनमें जवाहरलाल नेहरू की बेटी, प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी थीं। केविन रायर्सन के साथ अपने सत्र से पहले, मैंने मिस गांधी के बारे में पढ़ा था और मैं इस बात से प्रभावित हुआ कि वह इतनी मजबूत किरदार थीं। मैंने सोचा कि वह कोई प्रभावशाली व्यक्ति होगा

Machine Translated by Google

पिछले। मैं यह भी सोचता हूं कि वह पिछले जन्म में लगभग निश्चित रूप से एक आदमी था, क्योंकि पिछले इतिहास में, आम तौर पर केवल पुरुष ही पदों तक पहुंचने या सत्ता पर कब्जा करने में सक्षम रहे हैं। इंदिरा गांधी के पिछले जीवन के साथ-साथ उनके पिता के पिछले अवतारों पर चर्चा करने से पहले, आइए हम जवाहरलाल नेहरू और उनकी बेटी इंदिरा के जीवन की संक्षेप में समीक्षा करें।

जवाहरलाल नेहरू का जन्म 14 नवंबर, 1889 को हुआ था। नेहरू वे प्रमुख राजनेताओं के परिवार से थे, क्योंकि उनके पिता ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया था। नेहरू मोहनदास गांधी के संघर्ष से प्रभावित थे। 1924 में, नेहरू को इलाहाबाद क्षेत्रीय कंपनी का अध्यक्ष चुना गया और दो साल तक इस क्षेत्र के मुख्य कार्यकारी रहे। बाद में उन्होंने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव के रूप में कार्य किया। नेहरू भारत के उन राजनीतिक नेताओं में से एक थे जिन्होंने भारत को एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र के रूप में अवधारणा दी। फांढी के समर्थन से, 26 जनवरी 1930 को, नेहरू ने भारत की स्वतंत्रता की घोषणा की, जिसके कारण उनकी गिरफ्तारी हुई और हिरासत में लिया गया।

अपनी रिहाई के बाद, नेहरू को 1936 में भारतीय कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। द्वितीय विश्व युद्ध ने ब्रिटेन से स्वतंत्रता चाहने वालों की योजनाओं को बाधित और विलंबित किया, लेकिन 13 अगस्त, 1942 को भारतीय कांग्रेस ने भारत से ब्रिटेन से स्वतंत्र होने का आग्रह किया। ब्रिटिश शासन की हड़ताल और बहिष्कार के बाद ब्रिटिश सरकार ने कांग्रेस कार्यसमिति को गिरफ्तार कर लिया।

हजारों भारतीय स्वतंत्रता प्रदर्शनकारियों को जेल में डाल दिया गया और पुलिस द्वारा मार डाला गया।

द्वितीय विश्व युद्ध समाप्त होने के बाद, 15 अगस्त 1947 को भारत एक स्वतंत्र राष्ट्र बन गया, जिसके प्रधानमंत्री नेहरू थे।

वह 27 मई 1964 को अपनी मृत्यु तक उस पद पर बने रहे।

जवाहरलाल और कमला नेहरू की बेटी इंदिरा गांधी का जन्म 19 नवंबर, 1917 को हुआ था। इंदिरा देश की राजनीतिक पृष्ठभूमि में पली-बढ़ीं और एक समय वह देश की युवा नायिका बन गईं, जो अपने पिता की राजनीतिक क्रांति की योजनाओं को स्कूल बैग में लेकर चलती थीं, टाल-मटोल करती थीं। ब्रिटिश जांच. 1936 में उनकी माँ की तपेदिक से मृत्यु हो गई। 1942 में, उन्होंने फ़िरोज़ गांधी से शादी की, जो एक राजनीतिक कार्यकर्ता थे, लेकिन परिवार से संबंधित नहीं थे

Machine Translated by Google

महात्मा गांधी के साथ. इसके तुरंत बाद, भारत को ब्रिटिश शासन से मुक्त कराने के उद्देश्य से महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने के लिए इंदिरा और फ़िरोज़ गांधी को गिरफ्तार कर लिया गया। 1944 में, इंदिरा ने अपने पहले बच्चे, राजीव गांधी को जन्म दिया, उसके दो साल बाद संजय गांधी को जन्म दिया। जब उनके बेटे बड़े हुए तो इंदिरा खास तौर पर संजय के करीब हो गईं।

इसके बाद इंदिरा अपने पिता की मदद के लिए नई दिल्ली में बस गईं। 1959 में, इंदिरा स्वयं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष चुनी गईं। 1964 में, वह संसद के लिए चुनी गईं और 1966 में, इंदिरा अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए भारत की तीसरी प्रधान मंत्री बनीं। हालाँकि लोगों ने सोचा कि उन्हें कोई और चला सकता है, लेकिन इंदिरा एक अविश्वसनीय रूप से मजबूत राजनीतिज्ञ साबित हुईं। वह अपनी राजनीतिक शक्ति का उपयोग काफी अप्रत्याशित तरीकों से करता है।

1971 में भारतीय लोगों के बीच इसकी लोकप्रियता अपने चरम पर पहुंच गई जब भारत ने एक क्षेत्रीय युद्ध में पाकिस्तान को हरा दिया।

इंदिरा के शासन में, 1974 में, भारत ने एक भूमिगत अभियान चलाया परमाणु परीक्षण. अब्दुल कलाम इस प्रयास का समर्थन करते हैं और हालाँकि इसके कारण पाकिस्तान भी अपनी परमाणु शक्ति विकसित कर रहा है, कलाम इस बात पर अड़े हैं कि दोनों देशों की परमाणु शक्ति ने क्षेत्र में शांति बनाए रखी है।

इंदिरा गांधी के शासनकाल के दौरान, भारत ने तथाकथित हरित क्रांति में अपना कृषि उत्पादन भी विकसित किया और भारत खाद्य निर्यातक बन गया। 1975 में एक संकट उत्पन्न हुआ जब एक अदालत ने उन्हें गैरकानूनी प्रचार प्रथाओं का दोषी पाया और अदालत ने उन्हें इस्तीफा देने का आदेश दिया। आत्मसमर्पण करने के बजाय, इंदिरा ने देश में आपातकाल की घोषणा कर दी। इंदिरा ने अपने दुश्मनों के साथ व्यवहार में सत्तावादी और एकतरफा तरीके से काम किया, जिसमें अपने विरोधियों को हिरासत में रखना भी शामिल था।

इंदिरा ने अपने बेटे संजय को अपनी सरकार में अधिक शक्तियाँ दीं, जिससे भारतीयों को बहुत निराशा हुई, खासकर जब संजय ने जबरन नसबंदी जैसे अलोकप्रिय कार्यक्रमों का नेतृत्व किया। परिणामस्वरूप, इंदिरा गांधी को अविश्वास प्रस्ताव मिला और उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

1977. इसके बाद नई सरकार ने भ्रष्टाचार के आरोप में इंदिरा और संजय को गिरफ्तार कर लिया। यह आरोप पुख्ता सबूत हासिल करने में सफल नहीं हुआ, जिससे इंदिरा के प्रति आम जनता में सहानुभूति पैदा हो गई।

वर्ष 1980 वह समय था जब इंदिरा गांधी वापस लौटीं भारत के प्रधान मंत्री के रूप में उनके पद के लिए, लेकिन वह वर्ष भी जब उनके लिए एक बड़ी त्रासदी हुई, जब संजय गांधी की मृत्यु हो गई। संजय एक निजी विमान में खतरनाक युद्धाभ्यास कर रहे थे जब वह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। संजय संसद के लिए चुने गए थे और जब उनकी मृत्यु हो गई, तो इंदिरा ने संजय के पद के लिए अपने दूसरे बेटे राजीव का समर्थन किया, जिसे बाद में उन्होंने जीत लिया।

1984 में एक और संकट आया, जिसमें जरनैल सिंह बिहिंदरावाले नामक एक सिख नेता शामिल थे, जो भारत में सिखों के साथ समान व्यवहार के लिए दबाव डालते रहे।

भारत के पंजाब क्षेत्र से लिए गए क्षेत्र से एक अलग सिख राज्य, खालिस्तान के स्वतंत्र राज्य का गठन करने का भी अनुरोध किया गया था। इलाके में सिखों और हिंदुओं के बीच हिंसा भड़क उठी है. एक समय भिंडरावाले ने सिख धर्म के सबसे पवित्र स्थान स्वर्ण मंदिर में शरण लेने का फैसला किया। इंदिरा गांधी ने भारतीय सैनिकों को भिंडरावाले से छुटकारा पाने का आदेश दिया।

ब्लू स्टार कहे जाने वाले इस ऑपरेशन में, सैन्य कर्मियों और सिख आतंकवादियों दोनों की ओर से भारी हताहत होने के अलावा, मंदिर को भी नुकसान पहुँचाया गया, जिसे सिख मंदिरों में सबसे पवित्र माना जाता है। ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी की उनके ही सिख अंगरक्षक ने हत्या कर दी थी। उनकी मृत्यु के बाद सिख विरोधी दंगे हुए, जिसमें हजारों सिख मारे गए।

ऐसा लगता है कि इंदिरा गांधी को पहले से ही इसका अंदाज़ा था मौत। अपनी हत्या से कुछ ही दिन पहले उन्होंने लिखा था, "अगर मैं अप्राकृतिक मौत मरूं जैसा कि कुछ लोग डरते हैं और दूसरे योजना बनाते हैं, तो मैं जानता हूं कि हिंसा केवल हत्यारे के दिमाग और कार्यों में होगी, मेरी मौत में नहीं... और हर बूंद में" मेरा खून नये भारत को जन्म देगा!" उनकी मृत्यु के बाद, राजीव गांधी ने भारत के प्रधान मंत्री का पद संभाला।

Machine Translated by Google

1857 का स्वतंत्रता संग्राम

इंदिरा गांधी वास्तव में एक मजबूत नेता थीं, जो कभी-कभी सत्तावादी थीं और सैन्य या राजनीतिक बल का उपयोग करने में संकोच नहीं करती थीं। केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, मैंने इंदिरा गांधी के पिछले जीवन के बारे में पूछा। अहतुन रे, मिस्र की मार्गदर्शक आत्मा, जिनका अंतिम अवतार 3,000 साल से भी अधिक पहले हुआ था, ने कहा कि इंदिरा गांधी सिपाही विद्रोह की एक प्रमुख नेता थीं। अहतुन रे ने बाद में पुष्टि की कि इंदिरा गांधी नाना साहब का पुनर्जन्म थीं। नाना साहब के बारे में अधिक स्पष्ट रूप से समझने के लिए, आइए हम ईस्ट इंडिया कंपनी के माध्यम से भारत में ब्रिटिश प्रवेश के इतिहास की समीक्षा करें।

1600 में ब्रिटिश व्यापारियों द्वारा एक कंपनी बनाई गई, जो ब्रिटिश साम्राज्य द्वारा भारत में व्यापार करने के लिए विशेष अधिकार दिए गए थे। ईस्ट इंडिया कंपनी ने सबसे पहले 1608 और 1615 में अपने जहाज़ उतारे; सर थॉमस रो सूरत में एक फैक्ट्री बनाने के लिए मुगल सम्राट जहांगीर से अनुमति लेने में कामयाब रहे। मुग़ल साम्राज्य, जो एक मुस्लिम राजवंश था, ने 1526 से भारतीय उपमहाद्वीप पर शासन किया था। ईस्ट इंडिया कंपनी पूरे भारत में विकसित हुई और उसने अपनी सेना विकसित करना शुरू कर दिया, जिसने भारत के विभिन्न हिस्सों में चुनौती देना और सत्ता पर नियंत्रण करना शुरू कर दिया। 1773 में, लॉर्ड नॉर्थ के भारतीय अधिनियम ने ब्रिटिश सरकार को ईस्ट इंडिया कंपनी पर अधिक नियंत्रण दिया और भारत में एक ब्रिटिश गवर्नर जनरल नियुक्त किया गया।

तब से, ब्रिटिश सैन्य विस्तार में तेजी आई है और हैदर अली और टीपू सुल्तान जैसे देशी शासकों के खिलाफ युद्ध छेड़े गए हैं। इसके अलावा, ब्रिटेन ने विराम के सिद्धांत को भी पारित किया, जिसमें कहा गया था कि जब किसी देश या क्षेत्र का शासक बिना किसी प्रत्यक्ष पुरुष उत्तराधिकारी के मर जाता है, या यदि शासक को ब्रिटिश द्वारा अक्षम समझा जाता है, तो ब्रिटेन को उस क्षेत्र पर कब्ज़ा करने का अधिकार है। उस शासक का.

वर्ष के विद्रोह से पहले के 8 वर्षों में

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

1857, गवर्नर-जनरल जेम्स ब्राउन-रामसे ने 250,000 वर्ग मील के क्षेत्र को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के क्षेत्र में शामिल करने की घोषणा की थी। जब कंपनी संपत्ति जब्त कर लेती है, तो वे मृत मालिक की विरासत की संपत्ति भी नीलाम कर देती है; इससे अंग्रेजों के प्रति नफरत बढ़ती है। दरअसल, जब विद्रोह हुआ, तब तक अंग्रेजों ने लगभग पूरे भारत पर कब्ज़ा कर लिया था। इन घटनाओं के बाद अंग्रेजों द्वारा मूल निवासियों पर कर लगाया गया और विभिन्न आर्थिक नीतियां लागू की गईं, जिससे किसानों को कठिनाई हुई।

इसके अलावा अंग्रेज़ देश पर प्रशासनिक नियंत्रण भी रखते थे और सैन्य रूप से, पश्चिमी संस्कृतियों को पेश किया गया, जिससे और अधिक अशांति और नफरत पैदा हुई। इसके अलावा, भारतीयों ने ब्रिटिश अदालत प्रणाली को अपने प्रति अनुचित माना, उनका आरोप था कि जब भारतीय आबादी के खिलाफ अत्याचार और क्रूरता बरती गई तो अंग्रेजों ने अपने स्वयं के कानून लागू नहीं किए। इस घटना के साक्ष्य 1856 और 1857 में हाउस ऑफ कॉमन्स में प्रस्तुत किये गये।

इसी क्रम में 1857 का स्वतंत्रता संग्राम, जिसे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम भी कहा जाता है, छिड़ गया। हालाँकि, अंग्रेज़ों ने इसे आज़ादी की लड़ाई नहीं माना, बल्कि ऐतिहासिक रूप से इसे महान ब्रिटिश विद्रोह, भारतीय विद्रोह, सिपाही विद्रोह और 1857 के विद्रोह के रूप में जाना जाता है। अंग्रेजों को स्पष्ट रूप से महसूस हुआ कि वे भारत के शासक थे, हालाँकि वे मूल निवासी थे। आम तौर पर उपनिवेशित होना पसंद नहीं करते। यह स्वीकार करना होगा कि ब्रिटेन से भारत की आजादी वास्तव में 20वीं सदी के मध्य तक नहीं हुई थी।

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का मुख्य ट्रिगर एक नई राइफल, 1853 एनफील्ड (पी/53) का आगमन था, जिसमें एक कारतूस का उपयोग किया जाता था जिसे उपयोग के लिए लोड करने से पहले काटना पड़ता था। ये राइफलें सिपाहियों के लिए थीं, जो मूल भारतीयों के सैनिक थे जिन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी का पक्ष लिया था। सिपाही सैनिक प्रशिक्षित ब्रिटिश अधिकारियों की कमान में थे

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

इंग्लैंड में, कंपनी के अपने सैन्य स्कूल में। सिपाही सेना की तीन मुख्य इकाइयाँ थीं, जो बंगाल, मद्रास और बॉम्बे में स्थित थीं, जिनमें कुल 257,000 लोग थे।

सिपाहियों ने अपने ब्रिटिश नेताओं के प्रति विभिन्न प्रकार के द्वेष का अनुभव किया, एक ऐसी स्थिति जिसने अपने ही देशवासियों के खिलाफ लड़ना और भी कठिन बना दिया, जब अंग्रेजों ने सिपाहियों को मूल निवासियों के खिलाफ लामबंद कर दिया।

नई राइफल और उसके गोले के आगमन के कारण

अविश्वास की डिग्री तब और गहरी हो गई जब अफवाहें फैलने लगीं कि कारतूसों के कागज के आवरण पर चरबी या गोमांस लगाया गया था। मुस्लिम सैनिकों के लिए, वे चर्बी लगी आस्तीन को काटना स्वीकार नहीं कर सकते थे, जबकि हिंदू सिपाही सैनिकों के लिए, बैल के तेल से बनी आस्तीन को काटना स्पष्ट रूप से उनके धर्म के विरुद्ध था। हालाँकि अंग्रेजों ने सिपाहियों को समझाने की कोशिश की और आस्तीन के लिए मोम या वनस्पति तेल के उपयोग का दावा किया, लेकिन सिपाही सैनिकों को राजी नहीं किया जा सका; और जवाब में, ब्रिटिश कमांडर जॉर्ज एंसन ने सख्त रुख अपनाया और उन लोगों को अनुशासित किया जिन्होंने राइफलों का उपयोग करने से इनकार कर दिया था।

फरवरी 1857 में बेहरामपुर में 19वीं रेजीमेंट ने विद्रोह कर दिया।

जैसा कि मार्च में बैरकपुर में 34वीं रेजिमेंट ने किया था। इसके अलावा उसी महीने, एक सिपाही को एक ब्रिटिश अधिकारी पर हमला करने के लिए फाँसी दे दी गई।

लगभग एक महीने बाद, कारतूस और नई राइफलों का उपयोग करने से इनकार करने वाले 85 सिपाहियों को कैद कर लिया गया। पूर्ण विद्रोह 10 मई 1857 को भड़क उठा, जब मेरठ में एक सिपाही घुड़सवार सेना अपने कमांडरों के खिलाफ हो गई और अन्य रेजिमेंटों ने भी उसका पीछा किया। सिपाही सैनिक 11 मई को दिल्ली पहुंचने और लाल किले को जीतने में कामयाब रहे, जहां अंतिम मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर द्वितीय रहते थे। सिपाहियों सिपाही ने बहादुर शाह को अपना सिंहासन पुनः प्राप्त करने और स्वतंत्रता के लिए इस युद्ध का नेता बनने के लिए मना लिया।

इस प्रकार बहादुर शाह को भारत का सम्राट घोषित किया गया और उसने अपनी संप्रभुता की पुष्टि के लिए अपने नाम पर मुद्रा का उत्पादन किया।

Machine Translated by Google

नाना साहब और प्रथम स्वतंत्रता संग्राम

तीरेक धुनु पंट का जन्म बॉम्बे से लगभग तीस मील पूर्व में घाट की तलहटी में एक छोटे से गाँव में हुआ था। धुनू पुंट, जिन्हें बाद में नाना साहब के नाम से जाना गया, को मराठा परिसंघ के एक क्षेत्रीय नेता, अंतिम ब्राह्मण पेशवा (महल के प्रमुख) बाजा राव द्वितीय ने गोद लिया था। 1817 में, किर्की में एक युद्ध हुआ, जहां बाजा राव की सेना को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया की सैन्य ताकत ने जीत लिया। बाजा राव ने आत्मसमर्पण कर दिया और शांति संधि के हिस्से के रूप में, उन्हें ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा पेंशन दी गई। बदले में, बाजा राव को अपने क्षेत्र की सत्ता और नेतृत्व के सभी अधिकार छोड़ने पड़े। बाजा राव और उनके परिवार को कानपुर से 12 मील दूर एक छोटे से शहर बिठूर ले जाया गया, जहां वे बाद में बस गए।1

1851 में बाजा राव की मृत्यु हो गई। नाना साहब, तब लगभग 32 वर्ष के थे। बाजा राव की पेंशन जारी रखने के लिए ब्रिटिश सरकार से याचिका दायर की। नाना ने लंदन में एक दूत भी भेजा, लेकिन ब्रिटिश वेतन अभी भी निलंबित था। जबकि ऐतिहासिक सूत्रों का कहना है कि पेंशन की हानि ही वह कारण थी जिसके कारण नाना अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह में शामिल हुए थे, पेंशन का मुद्दा वास्तव में अपेक्षाकृत छोटा है।

बड़ी समस्या यह थी कि नाना साहब मराठों के नेता, हिंदू पेशवा के दत्तक पुत्र थे, जो अपने पिता सहित, भारत में ब्रिटिश शासन के कारण अपनी ही भूमि में बहिष्कृत हो गए थे।

हालाँकि नाना साहब को ब्रिटिश शासन से नफरत थी, लेकिन अपने पिता की तरह, नाना शालीन थे और ब्रिटिश लोगों के साथ मेलजोल रखते थे।
कानपुर में उनकी मित्रता हिलर्सडन नाम के एक अंग्रेज जज से हुई।
जब सिपाही विद्रोह की खबर कानपुर पहुंची, तो नाना साहब ने हिलर्सडन को बिठूर भागने की सलाह दी, जहाँ नाना हिलर्सडन, उसकी पत्नी और कानपुर के कोषाध्यक्ष की देखभाल कर सकते थे।

खजांची और उसके संबंधित दल बिठूर चले गए और 22 मई 1857 को नाना साहब ने 200 सशस्त्र मराठों के साथ वहां पद संभाला।2

जब विद्रोही सिपाही रेजीमेंटों में प्रवेश हुआ
बिठूर, घुड़सवार सेना का एक प्रतिनिधि सिपाही अधिकारी

Machine Translated by Google

दूसरे और देशी इन्फैंट्री सैनिकों ने नाना से संपर्क किया और घोषणा की, "महाराजा, यदि आप हमारे साथ हैं तो एक राज्य आपका इंतजार कर रहा है, लेकिन यदि आप हमारे दुश्मनों के साथ हैं तो मृत्यु आपका इंतजार कर रही है।" नाना ने उत्तर दिया, “इंग्लैंड से मुझे क्या लेना-देना? मैं पूरी तरह से आपके पक्ष में हूं।''3

नाना के लिए, जो अब सिपाहियों को अपने राजा के रूप में पूजते हैं, सिपाहियों में शामिल होना अपने पिता के सिंहासन को फिर से हासिल करने और मराठा संघ को सत्ता बहाल करने का एक तरीका है। उसकी योजना कानपुर को जीतने और समुद्र तक अपने क्षेत्र का विस्तार करने की थी।

6 जून, 1857 को, नाना ने 10,000 से अधिक लोगों की सिपाही विद्रोही सेना का नेतृत्व करते हुए कानपुर शहर में प्रवेश किया, जहाँ नाना ने खुद को मराठा शासक घोषित किया। जल्द ही एक नई सरकार की स्थापना हुई, जिसके मुखिया नाना थे और नाना का विरोध करने वाले सभी लोगों को जेल में डाल दिया गया।

उसी दिन, नाना साहब ने ब्रिटिश कमांडर जनरल ह्यू व्हीलर को एक पत्र भेजा, जो लगभग 900 ब्रिटिश सैनिकों की सेना के साथ कानपुर के बाहर डेरा डाले हुए था। नाना साहब ने कहा कि वह और सिपाही उन पर हमला करने के लिए तैयार थे।

इसके तुरंत बाद, व्हीलर ने मैदानी इलाकों में विद्रोही पैदल सैनिकों को देखा अर्धचंद्राकार आकृति बनाते हुए युद्ध संरचना में पंक्तिबद्ध, बैनर उड़ रहे थे, युद्ध की तुरही बज रही थी और घुड़सवार सेना तैयार थी।
फिर पैदल सेना विभाजित हो गई, जिससे नाना साहब को पंक्ति में सबसे आगे अपना स्थान लेने की अनुमति मिल गई। इसके बाद लड़ाई और अराजकता शुरू हुई और कई दिनों तक चली। नाना साहब जीते और बाद में उन्होंने कानपुर में सरकार स्थापित की।

इसी अवधि के दौरान एक घटना घटी जिसे कानपुर नरसंहार के नाम से जाना जाता है। लगभग एक हजार ब्रिटिश सैनिक और उनमें शरण लेने वाले लोग गंगा के पास, कानपुर में एक दीवार वाले शस्त्रागार में सिपाहियों से इस उम्मीद में छिप गए कि ब्रिटिश सेना उन्हें बचा लेगी। सिपाहियों ने तीन सप्ताह तक गोला बारूद डिपो की घेराबंदी की और 25 जून, 1857 को इसके निवासी, अब केवल 400 थे

Machine Translated by Google

लोग, हार मान लो. शेष लोगों को नावों के माध्यम से सुरक्षित बाहर निकलने का वादा किया गया, जहां उन्हें गंगा के तट पर ले जाया जाएगा।

जब अंग्रेज नावों में घुसे, तो सिपाहियों ने उन पर गोलियां चला दीं, जिसमें तीन को छोड़कर बाकी सभी मारे गए। नाना साहब को ऐतिहासिक रूप से कानपुर नरसंहार के लिए दोषी ठहराया गया है, लेकिन कम से कम एक ब्रिटिश लेखक, जीडब्ल्यू फॉरेस्ट का तर्क है कि सिपाही सैनिकों ने अपनी मर्जी से काम किया। फॉरेस्ट ने लिखा है कि, "जब नदी के किनारे नरसंहार चल रहा था, एक सैनिक सावदा गेस्टहाउस में सरपट दौड़ा, जहां नाना ठहरे हुए थे और उन्हें सूचित किया कि उनके दुश्मनों, जिनमें उनकी पत्नियाँ और बच्चे भी शामिल थे, का वध किया जा रहा है...

बाद में नाना ने जवाब दिया कि महिलाओं और बच्चों को ख़त्म करना वास्तव में अनावश्यक था, और फिर नरसंहार को रोकने के आदेश के साथ सैनिकों को वापस जाने का आदेश दिया।

अत: ऐसा प्रतीत होता है कि नाना साहब स्वयं उपस्थित नहीं थे हमले के समय और कुछ राहत भरी खबर यह है कि सिपाही सैनिकों ने वहां अकेले ही कार्रवाई की। तट पर हुई घटना के बाद, जीवित बचे लोगों, जिनमें अनुमानित रूप से लगभग 73 ब्रिटिश महिलाएं और 124 छोटे बच्चे थे, को बीबीघर की एक इमारत में लाया गया।

15 जुलाई, 1857 को एक भीड़ वापस लौटी और जहाज़ पर सवार सभी लोगों को मार डाला।

अंत में, ब्रिटिश नियंत्रण वापस पाने में कामयाब रहे भारतीय क्षेत्र और वे अंग्रेजों की मौत का बदला लेने में उतने ही क्रूर थे। सितंबर 1857 में नई दिल्ली पर पुनः कब्ज़ा कर लिया गया। बहादुर शाह ज़फ़र ने आत्मसमर्पण कर दिया और उन्हें जेल में डाल दिया गया। 22 सितंबर 1857 को ब्रिटिश मेजर विलियम हॉडसन ने बिना किसी आदेश के अकेले कार्रवाई करते हुए दिल्ली गेट पर बहादुर के बेटों मिर्जा मुगल, मिर्जा खिज्र सुल्तान और मिर्जा अबू बक्र को गोली मार दी। अगले दिन उनके सिर बहादुर के सामने लाये गये। विद्रोह में शामिल होने वाले सिपाही सैनिकों को तोप के मुँह से बाँध दिया गया और फिर उड़ा दिया गया। नाना साहब को कानपुर से हटा दिया गया और ऐसा माना जाता है कि वह नेपाल भाग गये।

Machine Translated by Google

उस समय की क्रूरता की कल्पना करना कठिन है, हालाँकि क्रूर कृत्य आज भी जारी हैं। जैसा कि मैंने इन पन्नों में कई बार कहा है, मेरी गहरी इच्छा यह है कि पुनर्जन्म के सबूत बर्बर कृत्यों को कम करने में मदद कर सकते हैं, जो वास्तव में, कर्म के दृष्टिकोण से, केवल हिंसा को जन्म देते हैं। पुनर्जन्म के मामलों का अध्ययन करते समय, यह देखना दुखद है कि कैसे व्यवहार और पैटर्न खुद को दोहराते रहते हैं। यदि हम इन पैटर्नों के प्रति अधिक जागरूक हो सकते हैं, जिन्हें हम अनजाने में दोहराते रहते हैं, तभी हम अपना व्यवहार बदल सकते हैं। जब हमें यह एहसास होगा कि हम किसी भी देश, जाति, धर्म और जातीय पृष्ठभूमि में पैदा हो सकते हैं, तभी हम समझेंगे कि इन मतभेदों के कारण एक-दूसरे से लड़ना मूर्खता है। हमें यह भी एहसास होगा कि एक समूह का दूसरे समूह पर हावी होना, उस पर अत्याचार करना गलत है। स्वार्थी इच्छाओं पर आधारित अल्पकालिक लाभ केवल उल्टा असर डालेंगे और अन्य अवतारों में पीड़ा का कारण बनेंगे।

आइए हम नाना साहब के पुनर्जन्म के मामलों पर लौटते हैं

बहादुर शाह जफर. याद रखें कि मिस्र के आध्यात्मिक मार्गदर्शक अहतुन रे, जो केविन रायर्सन के माध्यम से संचार करते हैं, ने सूचित किया है कि नाना साहब ने इंदिरा गांधी के रूप में पुनर्जन्म लिया है। चेहरे की विशेषताओं के विश्लेषण से पता चलता है कि नाना और इंदिरा की चेहरे की विशेषताएं वास्तव में समान हैं। नाना साहब और इंदिरा गांधी की

विशेषताओं की समीक्षा करने पर कुछ विशेषताएँ सुसंगत भी लगती हैं। विशेष रूप से, नाना और इंदिरा दोनों ही सत्तावादी होने और सैन्य बल का उपयोग करने की प्रवृत्ति दिखाते हैं। जब नाना ने कानपुर पर कब्ज़ा किया, तो उन्होंने अपने विरोधियों को जेल में डाल दिया, ठीक उसी तरह जब इंदिरा गांधी ने 1975 में देश में आपातकाल की घोषणा की, जहाँ उन्होंने अपने विरोधियों को जेल में डाल दिया। नाना अपने सिंहासन और सत्ता को पुनः प्राप्त करने के लिए सैन्य बल का उपयोग करते हैं। उग्रवादियों से मुकाबला करने के लिए इंदिरा गांधी ने ऑपरेशन ब्लू स्टार के आदेश दिए. हालाँकि, हिंसा से हिंसा ही प्राप्त होगी।

जब मैंने बहादुर शाह जफर के बारे में पढ़ा और

Machine Translated by Google

उनका चित्र देखकर मुझे तुरंत जवाहरलाल नेहरू की याद आ गई। लोग समूहों के समूहों में अवतार लेते हैं और अन्य जन्मों में शुरू किए गए काम को जारी रखने के लिए पुनर्जन्म ले सकते हैं। जॉर्ज डब्ल्यू बुश, अल गोर, बिल क्लिंटन और राल्फ नादर सभी अमेरिकी क्रांति का हिस्सा थे और आज अमेरिकी राष्ट्रपति की राजनीति में फिर से भाग लेने के लिए उनका पुनर्जन्म हुआ है। अहतुन रे ने बाद में पुष्टि की कि बहादुर शाह ज़फ़र ने वास्तव में नेहरू के रूप में पुनर्जन्म लिया था। बहादुर शाह का चरित्र कैसा था? बहुत कम जानकारी है, हालांकि फॉरेस्ट बहादुर शाह के बारे में कहते हैं, "वह एक शांत और विचारशील व्यक्ति थे, शब्दों के शौकीन थे।"5

इस प्रकार प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दो नेता 1857 में सिपाही सैनिकों द्वारा प्रक्रिया शुरू करने के 90 साल बाद, 1947 में भारत की स्वतंत्रता की उपलब्धि का हिस्सा बनने के लिए, पिता और बेटी के रूप में पुनर्जन्म लिया गया था।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

नाना साहब

इंदिरा गांधी

© बेटमैन/कॉर्बिस

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

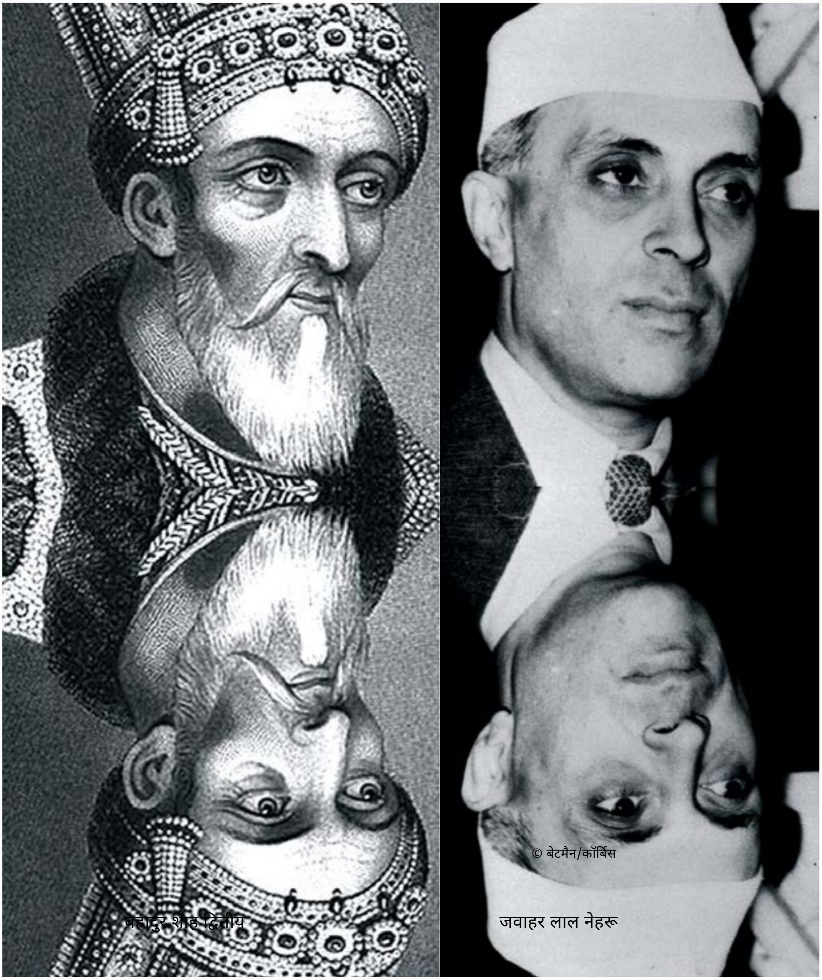

बहादुर शाह द्वितीय

जवाहर लाल नेहरू

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

20

पुनर्जन्म के रूप में बेनज़ीर भुट्टो

जवाहर लाल नेहरू; डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर का अमेरिका में पुनर्जन्म

कब यह जानते हुए कि मैं 2006 में नई दिल्ली में रिग्रेशन थेरेपी की दूसरी विश्व कांग्रेस में बोलूंगा, मैंने पुनर्जन्म के उन मामलों पर शोध किया जिनमें भारतीयों की रुचि हो सकती है। केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में मैंने जिन भारतीय स्वतंत्रता नेताओं के बारे में पूछा उनमें से एक जवाहरलाल नेहरू थे। मुझे सुखद आश्चर्य हुआ जब अहतुन रे ने कहा कि नेहरू वर्तमान में अवतरित हुए हैं।

अहतुन रे ने मुझे बताया कि जवाहरलाल नेहरू का पुनर्जन्म पाकिस्तान की सबसे प्रमुख महिला राजनीतिज्ञ बेनज़ीर भुट्टो के रूप में हुआ है। सत्र के बाद, मुझे तुरंत भुट्टो की तस्वीरें मिलीं और देखा कि उनके चेहरे की विशेषताएं जवाहरलाल नेहरू से मेल खाती थीं।

यदि इस मामले को स्वीकार कर लिया जाता है, तो यह दिखाता है, जैसा कि बारब्रो कार्लेन/ऐनी फ्रैंक, जेम्स विल्सन/ओपरा विन्फ्रे और पाब्लो पिकासो/एलेक्जेंड्रा नेचिता के मामलों में, कैसे अतीत की प्रतिभाएँ बाद के जीवनकाल में जल्दी उभर सकती हैं। साथ ही, जैसा कि विल्सन/विन्फ्रे और पिकासो/नेचिटा मामलों से पता चलता है, हम देख सकते हैं कि लिंग एक अवतार से दूसरे अवतार में कैसे बदल सकते हैं, भले ही चेहरे की विशेषताएं और चेहरे की कुछ हड्डियों की संरचना सुसंगत रहती हो। इन मामलों में कॉस्मेटिक प्रकृति के परिवर्तन होते हैं, लेकिन चेहरे की विशेषताओं का मूल आकार वही रहता है।

यह मामला जवाहरलाल नेहरू के अन्य पिछले जन्मों के संबंध में भी दिलचस्प है/

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

पिछले अध्यायों में बेनज़ीर भुट्टो, अर्थात् बहादुर शाह ज़फ़र। बहादुर शाह ज़फ़र अंतिम जीवित मुग़ल शासक थे, जिनसे भारत में ब्रिटिश शासन के कारण उनकी शक्ति छीन ली गई थी। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान, सिपाही के सैनिकों द्वारा बहादुर शाह ज़फ़र को भारत का सम्राट बनाया गया था, हालाँकि उनका नया शासन अल्पकालिक था। तो तीन जन्मों की इस श्रृंखला में, प्रत्येक भूमिका में एक राष्ट्रीय नेतृत्व की स्थिति शामिल है, हम देख सकते हैं कि आत्मा एक मुस्लिम पुरुष, एक हिंदू पुरुष और एक मुस्लिम महिला के रूप में अवतारों के बीच कैसे यात्रा करती है। अगर हम गौर करें तो बहादुर शाह जफर/जवाहरलाल नेहरू/बेनजीर भुट्टो की आत्मा के तीन अवतारों पर कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। कृपया ध्यान दें कि स्वतंत्र रूप से शोध किए गए पुनर्जन्म के मामलों में, जिनमें वर्जीनिया विश्वविद्यालय में इयान स्टीवेन्सन द्वारा अध्ययन भी शामिल है, आत्माओं का पुनर्जन्म बहुत जल्दी हो सकता है, यहां तक कि कुछ दिनों के भीतर भी।

जवाहरलाल नेहरू/बेनज़ीर भुट्टो के मामले में, एक प्रतिभा

इन दोनों अवतारों में राजनीतिक मामलों को कम उम्र से ही देखा जा सकता है। नेहरू का जन्म 14 नवंबर, 1889 को हुआ था। उनके पिता, मोतीलाल नेहरू, राजनीति में शामिल थे, इस प्रकार नेहरू को अपना राजनीतिक करियर शुरू करने में मदद मिली। नेहरू जब युवा थे, तब उन्हें यूरोप भेजा गया और उनकी शिक्षा कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज में हुई। अपने देश लौटने और अपने देश के राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले उन्हें पश्चिमी संस्कृति का अनुभव करने का अवसर मिला। कालान्तर में नेहरू भारत के प्रथम प्रधानमन्त्री बने।

बेनज़ीर भुट्टो भी बिल्कुल ऐसे ही रास्ते पर चलीं.

भुट्टो के पिता ज़ुल्फ़िकार अली भुट्टो, पाकिस्तान के पूर्व प्रधान मंत्री हैं। सोलह साल की उम्र में, बेनजीर भुट्टो को हार्वर्ड विश्वविद्यालय के रैडक्लिफ कॉलेज में स्वीकार कर लिया गया। हार्वर्ड से राजनीति विज्ञान की डिग्री के साथ स्नातक होने के बाद, बेनजीर ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में दाखिला लिया, जहां उन्होंने दर्शनशास्त्र, राजनीति और अर्थशास्त्र में डिग्री के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की। ऑक्सफ़ोर्ड में रहते हुए, 1977 में, बेनज़ीर भुट्टो को ऑक्सफ़ोर्ड यूनियन का अध्यक्ष चुना गया, जिसे दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित बहस समूह माना जाता है। बहुत कठिन समय के बाद, वह पाकिस्तान लौट आया है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जब उनके पिता को जेल में डाल दिया गया और फाँसी दे दी गई, बेनजीर भुट्टो 35 साल की उम्र में पाकिस्तान की प्रधान मंत्री बनने वाली पहली महिला बनीं। भुट्टो वास्तव में मुस्लिम-बहुल देश में सरकार का नेतृत्व करने वाली पहली महिला हैं।

अतः हम जीवन के विकास में समानताएँ देख सकते हैं जवाहरलाल नेहरू और बेनजीर भुट्टो की. दोनों का जन्म राजनीतिक परिवारों में हुआ था, दोनों ने प्रमुख पश्चिमी विश्वविद्यालयों में शिक्षा प्राप्त की थी जहाँ उन्होंने महान प्रतिभा का प्रदर्शन किया और दोनों अपने जीवन के आरंभ में ही राजनीतिक नेता बन गए। नेहरू की घटना/

भुट्टो का दो जन्मों में राजनेताओं के परिवार में अवतरित होना कोई संयोग नहीं है। आत्माएं उन स्थितियों में अवतार लेने की योजना बना सकती हैं जो उन्हें किसी विशेष अवतार में अपने वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेंगी। एक अच्छा उदाहरण डॉ. भीमराव रामजी अम्बेडकर का मामला है।

अम्बेडकर को भारत के प्रमुख वास्तुकार के रूप में याद किया जाता है संविधान मानव समानता का समर्थक होने के साथ-साथ भारत में जाति व्यवस्था के उन्मूलन का भी समर्थक है।

अंबेडकर का जन्म 1891 में हुआ था। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क से डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अपनी शिक्षा जारी रखी। 1923 में, अम्बेडकर ने पारिया सहित वंचितों की जीवन स्थितियों और नागरिक अधिकारों में सुधार के लिए बहिष्कृत हितकारिणी सभा की स्थापना की। इस आंदोलन का एक फोकस इन लोगों के लिए शिक्षा प्रदान करना है, ताकि उन्हें बेहतर नौकरियां मिल सकें।

1927 में, उन्होंने एक आंदोलन शुरू किया जिसने पारिया को चवदार झील से पानी लेने की अनुमति दी। अपने पूरे जीवन में, अम्बेडकर ने भारत में जाति व्यवस्था को खत्म करने और गरीबी में पैदा हुए लोगों की आजीविका में सुधार करने में मदद करने के लिए संघर्ष किया है। 1956 में उनकी मृत्यु हो गई।

जब मैंने मिस्र के आध्यात्मिक मार्गदर्शक अहतुन रे से पूछा कि कौन केविन रायर्सन के माध्यम से डॉ. के बारे में संचार करता है।
भीमराव रामजी अम्बेडकर, मुझे यह सुनकर ख़ुशी हुई कि अम्बेडकर का भी पुनर्जन्म हुआ है। अहतुन रे का कहना है कि अंबेडकर रॉबर्ट एफ कैनेडी के पोते के रूप में लौटे हैं

Machine Translated by Google

और अम्बेडकर ने अंतर्राष्ट्रीय मामलों में काम शुरू कर दिया है। याद करना
कि जॉन एफ कैनेडी और रॉबर्ट एफ कैनेडी के समय में अमेरिका में नागरिक अधिकार समानता आंदोलन अपने चरम पर था।

कैनेडी परिवार ने अमेरिका में नस्लीय भेदभाव को नष्ट करने के प्रयासों में मार्टिन लूथर किंग का समर्थन किया।

नस्लीय रूप से भेदभाव करने वाला दक्षिण, गुलामी का अवशेष, संयुक्त राज्य अमेरिका में जाति व्यवस्था के समान है।

कैनेडी परिवार में अवतरित होकर डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की आत्मा आज उनके कार्यों की नींव रख रही है।

अम्बेडकर का पुनर्जन्म मेव टाउनसेंड के रूप में हुआ है, जो
अम्बेडकर से उल्लेखनीय समानता है। मेव चश्मा भी पहनता है जिसका स्टाइल भीमराव के चश्मे से काफी मिलता-जुलता है।
मेव कैथलीन कैनेडी टाउनसेंड की बेटी हैं, जो रॉबर्ट एफ कैनेडी की सबसे बड़ी बेटी हैं।

कैथलीन कैनेडी टाउनसेंड स्वयं एक राजनीतिज्ञ हैं और उन्होंने मैरीलैंड के लेफ्टिनेंट गवर्नर के रूप में कार्य किया है। मेव का जन्म 1980 के आसपास हुआ था। वह जॉन एफ द्वारा स्थापित संगठन पीस कॉर्प्स में शामिल होने वाली कैनेडी परिवार की पहली सदस्य थीं।

कैनेडी. पीस कॉर्प में अपनी सेवा के दौरान, उन्होंने अफ्रीका के मोज़ाम्बिक की यात्रा की, जहाँ उन्होंने क्विसिको शहर में एक पुस्तकालय बनाने के लिए धन जुटाया, जिसकी आबादी लगभग 2,000 है। क्विसिको में, मेव एक छोटे से सीमेंट के कमरे में रहती है, वह स्थानीय भाषा सीखती है, और उसने स्थानीय स्कूलों में पढ़ाया है। इन कृत्यों में, मेव डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर के काम को दोहराते हैं, जो शिक्षा के माध्यम से वंचितों की जीवन स्थितियों में सुधार करते हैं। आने वाले वर्षों में मेव टाउनसेंड के विकास का अनुसरण करना दिलचस्प होगा।

अंत में, मैं दो टिप्पणियाँ करना चाहूँगा।
पहला जाति के मुद्दे से संबंधित है। इस पुस्तक में प्रस्तुत पुनर्जन्म अनुसंधान से पता चलता है कि महान अनुभव और विशेषज्ञता वाली आत्माएं किसी भी जाति, धर्म, सामाजिक आर्थिक वर्ग या जाति में पैदा हो सकती हैं। एक उत्कृष्ट उदाहरण में ओपरा विन्फ्रे शामिल हैं, जो जेम्स विल्सन की तरह समाज में सर्वोच्च सामाजिक-आर्थिक वर्ग से संबंधित हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अमेरिकी क्रांतिकारी. हालाँकि, ओपरा के रूप में अपने जीवनकाल के दौरान, उनका जन्म कठिन परिस्थितियों में एक गरीब अफ्रीकी-अमेरिकी परिवार में हुआ था। हालाँकि, जैसा कि विल्सन ने दिखाया था, वह प्रतिभा तब उभरकर सामने आई जब वह एक बच्ची थी, जिसके कारण वह दुनिया की सबसे प्रभावशाली महिलाओं में से एक बन गई।

दुनिया में अपनी अभिव्यक्ति में आत्मा का अनुभव किसी की प्रतिभा और स्थिति को निर्धारित करता है, न कि उस जाति को जिसमें उसने जन्म लिया है।

दूसरा, मैं यह बताना चाहूंगा कि जवाहरलाल नेहरू/
बेनज़ीर भुट्टो मामला एक और विभाजित पुनर्जन्म मामले का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें एक आत्मा खुद को अलग कर सकती है और एक समय में दो शरीरों में निवास कर सकती है। जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु 27 मई 1964 को हुई थी, जबकि बेनज़ीर भुट्टो का जन्म 21 जून 1953 को हुआ था।

इसलिए, नेहरू और भुट्टो का जीवन लगभग 11 वर्षों तक ओवरलैप होता है। हालाँकि पहले तो इस विभाजित पुनर्जन्म की घटना को समझना थोड़ा मुश्किल था, लेकिन वास्तव में यह अजीब नहीं था। अहतुन रे ने संकेत दिया कि आज पृथ्वी पर लगभग पाँच प्रतिशत आत्माएँ इस घटना में सक्षम हैं। इसके अलावा, 11 वर्षों का ओवरलैप, जैसा कि नेहरू/भुट्टो के मामले में देखा गया, कोई अतिशयोक्ति नहीं है।

याद करें कि पेनी पीयर्स के बहुत ही ठोस मामले में, ऐलिस केरी और चार्ल्स पार्कहर्स्ट के रूप में उनके जीवनकाल में 29 साल का ओवरलैप हुआ था।

तो हम देख सकते हैं, इस पृथ्वी लोक में भी, आत्मा मनुष्य जितना सोचते हैं उससे अधिक मजबूत हो सकती है।

Machine Translated by Google

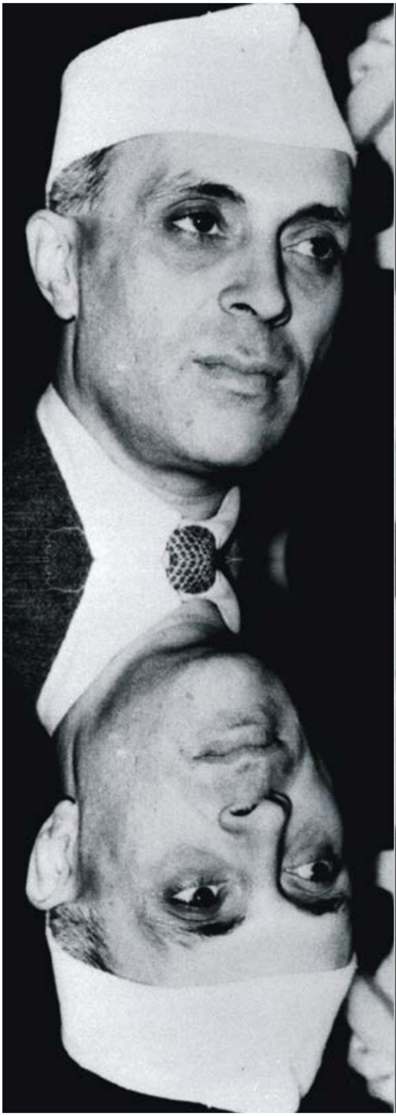

©बेटमैन/कॉर्बिस

जवाहर लाल नेहरू

©रॉयटर्स/कॉर्बिस

बेनजीर भुट्टो

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

©बेटमैन/कॉर्बिस

भीमराव रामजी अम्बेडकर

भीमराव अम्बेडकर भारतीय संविधान के निर्माता, जाति व्यवस्था के खिलाफ लड़ने वाले और पारिया के शूरवीर थे। डॉ. अम्बेडकर का पुनर्जन्म रॉबर्ट एफ की पोती मेव टाउनसेंड के रूप में हुआ है।

कैनेडी, जो पीस कॉर्प्स में अपनी सेवा के दौरान मोजाम्बिक में वंचितों की मदद के लिए काम करती हैं।

Machine Translated by Google

21

शाहरुख खान ए.एस
साधोना बोस का पुनर्जन्म

के पिछले जीवन की जांच के अलावा
भारतीय राजनीतिक किंवदंती, मुझे प्रदर्शन कलाओं, विशेषकर भारतीय फिल्म सितारों से जुड़े पुनर्जन्म के मामलों में भी दिलचस्पी है। केविन रायर्सन के साथ सत्र में, मैं शाहरुख खान के बारे में पूछता हूं, जिन्हें भारत का संस्कारी सितारा बताया गया है।

शाहरुख खान के मामले में, अहतुन रे ने पुष्टि की कि खान साधोना बोस का पुनर्जन्म है, जो 1914 से 1973 तक जीवित रहे।

साधोना कलकत्ता की एक अभिनेत्री और नर्तकी हैं। साधोना है
शास्त्रीय भारतीय नृत्य में प्रशिक्षित, लेकिन वह बैले भी करती हैं। 1929 में, उन्होंने अलीबाबा के स्टेज संस्करण में अन्ना पावलोवा के साथ भी प्रदर्शन किया। उनकी सबसे प्रसिद्ध फिल्म राज नर्तकी है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में कोर्ट डांसर शीर्षक के तहत रिलीज़ हुई थी। साधोना बोस शो रिदम ऑफ विक्ट्री की निर्माता भी हैं, जो एक मनोरंजन शो है जिसमें 40 नर्तक शामिल हैं।

साधोना बोस/शाहरुख खान के मामले में, चेहरे की विशेषताओं में एक मजबूत समानता स्पष्ट है। बचपन में शाहरुख खान एक सनकी स्वभाव वाले मिलनसार व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे। स्कूल में, उसे शिक्षकों और मशहूर हस्तियों की नकल करके अपने सहपाठियों का मनोरंजन करने में मज़ा आता है।

शाहरुख खान को शुरू से ही थिएटर में रुचि थी और अंततः उन्होंने फिल्म और पत्रकारिता में मास्टर डिग्री हासिल की।

यदि पुनर्जन्म के मामले को स्वीकार किया जाए, तो साधोना बोस की नृत्य प्रतिभा शाहरुख खान के करियर की शुरुआत में ही स्पष्ट हो गई थी, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के निर्देशक और अभिनेता बैरी जॉन के संरक्षण में एक नर्तक के रूप में प्रदर्शन किया था। जॉन एनी गेट का निर्माण करते हैं

Machine Translated by Google

योर गन दिल्ली में अपने एक्शन ग्रुप थिएटर के साथ। शाहरुख खान ने जॉन से एक भूमिका मांगी और उन्हें प्रोडक्शन में एक पुरुष नर्तक के रूप में लिया गया। बैरी जॉन ने शाहरुख खान की प्रतिभा पर टिप्पणी की, "उनकी नकल करने और मजाक करने की क्षमता, उनका नृत्य कौशल और उनका जिमनास्टिक उत्कृष्ट हैं।"1 शाहरुख खान विज़ार्ड ऑफ ओज़ सहित अन्य संगीत फिल्मों में भी दिखाई दिए हैं, और लगातार जुड़े हुए हैं उत्पादन में। - संगीत निर्माण. 2004 में, वह यूरोप और उत्तरी अमेरिका के विभिन्न स्थानों पर दो महीने की नृत्य और गीत यात्रा पर निकलीं।

शाहरुख खान की कहानी का एक दिलचस्प हिस्सा उनका रोमांस है और गौरी छिबा से शादी। शाहरुख खान मुस्लिम हैं, जबकि गौरी छिबा हिंदू हैं। इस वजह से, उनकी प्रेम कहानी में रोमियो और जूलियट की विशेषताएं हैं, अर्थात् उनके धार्मिक मतभेद उनके रिश्ते में जटिलताएं पैदा करते हैं। एक समय तो गौरी छिबा शाहरुख खान को बताए बिना ही अपना मन शांत करने के लिए मुंबई चली गईं। इस अप्रत्याशित विदाई से रुख खान को एहसास हुआ कि उन्हें गौरी के साथ रहना चाहिए। भले ही उसे मुंबई में गौरी की सटीक लोकेशन का पता नहीं है, फिर भी वह उसकी तलाश में वहां जाता है।

यह जानते हुए कि गौरी को समुद्र तट बहुत पसंद हैं, मुंबई में अपनी खोज के आखिरी दिन, वह एक टैक्सी ड्राइवर से पूछती है कि उसे अपने प्रेमी को खोजने के लिए किस समुद्र तट पर जाना चाहिए।

ड्राइवर ने शाहरुख खान को अक्सा बीच ट्राई करने के लिए कहा और वाकई वहां उन्हें गौरी मिलीं। जोड़े ने गले लगाया और महसूस किया कि वे एक साथ रहने के लिए ही बने हैं। सामान्य तौर पर, जब लोगों के बीच एक मजबूत आकर्षण होता है, जैसा कि शाहरुख खान और गौरी छिबा के रिश्ते में दिखाया गया है, तो आमतौर पर पिछले जन्म में एक रिश्ता होता है। पिछले युगों, पिछले कई जन्मों से इन दो लोगों के बीच संबंधों के इतिहास की जांच करना दिलचस्प है। दो युगों में एक जोड़े के फिर से एक साथ आने की घटना वास्तव में हमारे अगले मामले में प्रदर्शित होती है, जिसमें अमिताभ बच्चन और उनकी पत्नी जया शामिल हैं।

एक आखिरी बात जिसे समझाने की जरूरत है, वह है साधोना बोस का मामला/

Machine Translated by Google

शाहरुख खान एक और विभाजित पुनर्जन्म मामले का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहां एक आत्मा को एक ही समय में दो भौतिक शरीरों में निवास करते हुए देखा जाता है। साधोना बोस की मृत्यु 1973 में हुई, जबकि शाहरुख खान का जन्म 1965 में हुआ, जिसका मतलब है 8 साल की एक टकराती हुई समय अवधि।

विभाजित अवतारों को दर्शाने वाले अन्य मामलों में जवाहरलाल नेहरू/बेनजीर भुट्टो का मामला और पेनी पीयर्स के पिछले जीवन के बहुत महत्वपूर्ण और ठोस मामले शामिल हैं, जिनके जीवन में 29 वर्षों की अतिव्यापी अवधि थी। हालाँकि विभाजित पुनर्जन्म की घटना पहली बार में भ्रमित करने वाली हो सकती है, लेकिन वास्तव में यह उतनी अजीब नहीं है। अहतुन रे ने कहा कि आज पृथ्वी पर पुनर्जन्म लेने वाली लगभग पाँच प्रतिशत आत्माएँ एक ही समय में एक से अधिक भौतिक शरीरों में रहने की क्षमता रखती हैं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

©टिम ग्राहम/कॉर्बिस

साधोना बोस शाहरुख खान

Machine Translated by Google

22

अमिताभ और जया बच्चन, रेखा, सोनिया और राहुल गांधी, और अमेरिकी गृह युद्ध

एक मामले की जांच करते समय मैंने एक घटना देखी अमिताभ बच्चन का मामला यह है कि थिएटर से प्यार करने वाली आत्माएं नाटक अभिनेता/अभिनेत्री के रूप में अपनी क्षमताओं को विकसित करने के लिए विभिन्न देशों में अवतरित हो सकती हैं। ऐतिहासिक रूप से, थिएटर-प्रेमी आत्माएं अक्सर इंग्लैंड और फ्रांस में अवतरित हुईं, क्योंकि यूरोपीय महलों और प्रमुख शहरों ने अभिनेताओं के लिए जगह प्रदान की। दरअसल, आज हमारे कई पसंदीदा फिल्म सितारे एलिज़ाबेथन युग के अभिनेता थे, जो विलियम शेक्सपियर से संबंधित थे। आज के समय में, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका थिएटर प्रेमियों के लिए लोकप्रिय गंतव्य हैं, इन देशों में तेजी से बढ़ते फिल्म उद्योगों के कारण।

उपलब्धि और सार्वजनिक मान्यता का स्तर अक्सर जीवन-दर-जीवन एक समान बना रहता है, जो कि सही भी है। पाब्लो पिकासो/अलेक्जेंड्रा नेचिटा और पॉल गाउगिन/पीटर टेकैम्प के मामलों को याद करें और बाद के अवतारों में प्रतिभा और करियर विकास कैसे परिलक्षित हुआ। उसी तरह, महान अभिनेता सदियों तक महान अभिनेता बनकर लौटते हैं, भले ही स्थान, देश और बोली जाने वाली भाषा बदल जाए। निम्नलिखित पैराग्राफों में, हम देखेंगे कि कैसे 19वीं सदी के अमेरिका में गृह युद्ध के दौरान अवतरित हुए महान अभिनेताओं की आत्माएं वर्तमान में लौट आई हैं, जिनमें से कई भारत में और कुछ संयुक्त राज्य अमेरिका में हैं।

केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, मैंने पूछा कौन

Machine Translated by Google

अमिताभ बच्चन अपने पिछले जन्म में। जवाब सुनकर मैं हैरान रह गया. अहतुन रे ने मुझे बताया कि अमिताभ बच्चन विक्टोरियन युग के सर्वश्रेष्ठ शेक्सपियर अभिनेता माने जाने वाले अमेरिकी एडविन बूथ के पुनर्जन्म हैं। हालाँकि, एक विश्व स्तरीय अभिनेता के रूप में एडविन की प्रतिष्ठा उनके भाई, जॉन विल्क्स बूथ, जिन्होंने अब्राहम लिंकन की हत्या की थी, के आपराधिक कृत्यों से धूमिल हो गई थी।

जब अहतुन रे ने कहा कि अमिताभ एडविन हैं, तो मैंने तुरंत बूथ और बच्चन की तस्वीरें खोजीं और तुरंत पाया कि कुछ तस्वीरों में, उनकी समानता काफी उल्लेखनीय थी।

उनके व्यक्तित्वों का अध्ययन करने पर, संभवतः सबसे उल्लेखनीय समानता यह है: यद्यपि वे जाने-माने अभिनेता हैं, फिर भी वे दोनों काफी शर्मीले हैं।

अमिताभ बच्चन खुले तौर पर स्वीकार करते हैं कि उन्हें सामाजिक परिस्थितियों में बहुत अजीब महसूस हो सकता है और उन्हें किसी सभा में एक कोने में अकेले खड़े होकर शीतल पेय पीते हुए देखा जाता है।

निम्नलिखित उद्धरण एडविन बूथ से संबंधित हैं, हालाँकि ये अमिताभ बच्चन के बारे में भी लिखा जा सकता है.
एडविन को एक शर्मीले लड़के के रूप में वर्णित किया गया है, "जब उसके अधिक सक्रिय भाई-बहन खेलते हैं और घुड़सवारी प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं तो वह एक तरफ खड़ा रहता है। पारिवारिक चर्चाओं में भी वह ज्यादा नहीं बोलते थे।
इसके बजाय वह पीछे खड़े होकर सुनने और अपनी बड़ी-बड़ी अंधेरी आँखों से दूसरों को देखने में संतुष्ट था।'1 इसके अलावा, 'एडविन सामाजिक समारोहों में शर्मीले हैं। वह अक्सर एक कोने में बैठा रहता था और किसी से बात नहीं करता था...

जो लोग उन्हें अच्छी तरह से जानते थे, उन्होंने कहा कि एडविन को मंच के अलावा हर जगह मंच से डर लगता था।''2

बाद में, एडविन बूथ और अमिताभ बच्चन पर शोध करते हुए, मैं पता चला कि पूरे एडविन बूथ परिवार का पुनर्जन्म अमिताभ बच्चन के साथ हुआ था। उदाहरण के लिए, अमिताभ की पत्नी जया भादुड़ी की बाद में अहतुन रे ने एडविन बूथ की दूसरी पत्नी मैरी मैकविकर्स के रूप में पुष्टि की। इसके अलावा, एडविन बूथ के बच्चे आज के जीवन में एक बार फिर उनके बच्चे हैं। भारतीय अभिनेत्री रेखा, जिन्होंने 20 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया है

Machine Translated by Google

अमिताभ बच्चन के साथ, उनकी पहचान एडविन बूथ की पहली पत्नी मैरी डेवलिन के रूप में की गई है।

आइए एडविन बूथ के जीवन पर चर्चा करें। एडविन का जन्म 13 नवंबर, 1833 को मैरीलैंड में हुआ था। उनके पिता जूनियस ब्रूटस बूथ मूल रूप से लंदन के थे और एक सफल अभिनेता बने।

कोवेंट गार्डन थिएटर के बाहर, जुनिसू की मुलाकात अपनी भावी पत्नी, मैरी एन होम्स से होती है, जो फूल बेच रही है। मैरी ने अपनी मुलाकात से कुछ समय पहले जुनियस को कोवेंट गार्डन में एक्शन करते देखा था।

इस जोड़े ने अमेरिका में प्रवास करने का फैसला किया और मैरीलैंड में बस गए। गर्मियों में, जुनिसु ब्रूटस बूथ अपने परिवार के साथ अपने खेत पर रहता है, क्योंकि गर्मी की गर्मी में थिएटर बहुत गर्म और घुटन भरा होता है, और फिर पतझड़, सर्दियों और वसंत ऋतु में पूरे अमेरिका की यात्रा करता है। विक्टोरियन काल में एक थिएटर स्टार का जीवन ऐसा ही था। शो के पूरे कलाकार देश भर में यात्रा करने के बजाय, केवल शो के सितारे यात्रा करेंगे, और प्रत्येक शहर में रहने वाले अभिनेताओं द्वारा उनकी सहायता की जाएगी। सितारे और सहायक कलाकार मानक नाटकों को दिल से जानते हैं और वे थोड़े से अभ्यास के साथ एक शो पेश कर सकते हैं।

जब जुनियस घर पर होता है तो उसे अपने बच्चों को किताबें पढ़ना अच्छा लगता है, अपने विशाल पुस्तकालय से पढ़ने के विकल्प बनाना। हालाँकि उनके पास कोई उच्च शिक्षा नहीं थी, जुनियस को साहित्य पसंद था और वह सभी क्लासिक्स से परिचित थे। जूनियस ब्रूटस बूथ में एक कट्टर हिंदू की तरह आध्यात्मिकता है, क्योंकि वह अपने बच्चों को पूर्ण शाकाहारी बनाकर बड़ा करते हैं और वह अपने फार्म पर किसी भी जानवर को मारने की अनुमति नहीं देते हैं। उसने अपने खेत को चलाने में मदद के लिए दास रखने के बजाय वेतनभोगी श्रमिकों को काम पर रखा। मैरीलैंड उत्तर और दक्षिण के बीच एक सीमावर्ती राज्य है, इसलिए यहां दास रखना कानूनी था।

जूनियस ने एक शहर से दूसरे शहर, थिएटर से थिएटर तक यात्रा की वसंत पतझड़ के लिए. शायद अपने परिवार से अलग होने के कारण होने वाले अकेलेपन से निपटने में मदद करने के लिए, जुनियस में अत्यधिक शराब पीने की प्रवृत्ति होती है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

यात्रा. मैरी की इस समस्या का समाधान यह था कि युवा एडविन को उसके पिता के साथ एक यात्रा पर भेजा जाए, उनके निजी सहायक और कार्यवाहक के रूप में कार्य किया जाए, फिर नाट्य प्रदर्शनों में सहायक भूमिकाएँ निभाना शुरू किया जाए।

जुनियस और एडविन जहां भी गए शेक्सपियर का प्रदर्शन किया। जुनियस को एक अभिनेता के रूप में एडविन की छिपी प्रतिभा का एहसास हुआ और एक दिन उन्होंने अपने बेटे को बताया कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है और उन्हें रिचर्ड III में मुख्य भूमिका निभाने के लिए कहा। जूलियस की बीमारी नकली थी या असली यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। हालाँकि, दर्शकों को एडविन का प्रदर्शन पसंद आया और थिएटर दर्शकों को तब और भी आश्चर्य हुआ जब उन्हें पता चला कि रिचर्ड की भूमिका निभाने वाला अभिनेता जूनियस बूथ नहीं, बल्कि उनका बेटा एडविन था, जो उस समय केवल 17 वर्ष का था।

1852 में, जूनियस और एडविन ने सैन फ्रांसिस्को की यात्रा करने का फैसला किया, जब उन्होंने कैलिफोर्निया में चल रही "सोने की दौड़" के बारे में सुना। अभिनेता पहाड़ी लोगों और नवोदित लोगों का मनोरंजन करके बहुत सारा पैसा कमा सकते हैं।
पश्चिमी तट की असफल यात्रा के बाद, जुनियस ब्रूटस बूथ ने घर लौटने का फैसला किया, जबकि एडविन ने अपना अभिनय करियर स्थापित करने के लिए सैन फ्रांसिस्को में रहने का फैसला किया। जब एडविन सिएरा पर्वत के खनन शहरों में काम कर रहे थे, एडविन, जिन्हें बार-बार पूर्वाभास होता था, को लगा कि उनके पिता के साथ कुछ बुरा हुआ है। एक सह-अभिनेता को सैन फ्रांसिस्को से एडविन के लिए एक संदेश मिला, जिसमें घोषणा की गई कि जुनियस की मृत्यु हो गई है, और वह तुरंत एडविन के पास गया और उसे बुरी खबर सुनाई।

हालाँकि, एडविन को कुछ क्षण पहले ही संदेश का आभास हो गया था। जूनियस को मिसिसिपी नदी में नौकायन करते समय तंत्रिका संबंधी बुखार हो गया था और मैरीलैंड वापस जाते समय रास्ते में उसकी मृत्यु हो गई।

अमिताभ को पहले से ही पूर्वाभास होने के लिए भी जाना जाता है। अमिताभ बच्चन की द लीजेंड में, उनकी जीवनी लेखिका, भावना सोमाया, टोरंटो में एक घटना का वर्णन करती हैं

Machine Translated by Google

अमिताभ एक शो के लिए रिहर्सल कर रहे हैं: "जब आप 'झुम्मा चुम्मा' की धुन पर नाचते हैं, तो कोई नहीं जान सकता कि आपके दिमाग में क्या है।
आपका दिल बैठ जाता है और आपके पूर्वाभास निराधार नहीं हैं। होटल में वापस, बुरी खबर आपका इंतजार कर रही है।
तुम्हारे पिता बाथरूम में फिसल गये और अस्पताल चले गये।
अगली रात के लिए, आप भारत की साप्ताहिक यात्रा करते हैं, पाँच दिन मुंबई में और एक सप्ताहांत अमेरिका में बिताते हैं। वे जेट लैग, चिंता और तनाव के दिन थे।''3

आइए गोल्ड रश के दौरान कैलिफोर्निया वापस चलें। 1854 में, एडविन की मुलाकात एक अंग्रेजी अभिनेत्री लॉरा कीन से हुई, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में लोकप्रिय थी, और जिसे, हम बाद में देखेंगे, एडविन बूथ, जेम्स विल्क्स बूथ और अब्राहम लिंकन के जीवन में एक नाटकीय भूमिका निभाने के लिए नियत थी। . दिलचस्प बात यह है कि अहतुन रे के अनुसार, लॉरा कीन का वर्तमान में निकोल किडमैन के रूप में पुनर्जन्म हुआ है।

हालाँकि पहली नज़र में चेहरे की अनुकूलता स्पष्ट नहीं है, उचित पोज़ में कीन और किडमैन के चित्रों के विश्लेषण से हड्डी की संरचना और चेहरे के आकार का मिलान पता चलता है। कीन/

किडमैन की पहचान वास्तव में अमिताभ बच्चन पर मेरे शोध से लगभग एक साल पहले ही समझ में आ गई थी, जिसके बारे में मैं इस अध्याय में आगे चर्चा करूंगा।

एक युवा महिला के रूप में, लौरा कीन ने एक बारमेड के रूप में काम किया, हालांकि उन्हें साहित्य का शौक था और जब वह पेय पेश करती थीं तो अक्सर शेक्सपियर का उद्धरण देती थीं। उनके ग्राहक अक्सर उन्हें उनके बालों के कारण "रेड लॉरा" उपनाम देते हैं, जो कि किडमैन की एक शारीरिक विशेषता है। कीन का विवाह जॉन टेलर नामक ब्रिटिश सशस्त्र बल अधिकारी से हुआ है और दंपति की दो बेटियाँ हैं। घटनाओं के एक अप्रत्याशित मोड़ में, टेलर को अचानक गिरफ्तार कर लिया गया, मुकदमा चलाया गया, दोषी पाया गया और जेल जहाज पर भेज दिया गया। लौरा को कभी नहीं बताया गया कि उसके पति को कहाँ निर्वासित किया गया था, हालाँकि, उसे संदेह था कि उसे ऑस्ट्रेलिया में एक ब्रिटिश उपनिवेश में भेजा जा रहा था। अपने पति के चले जाने के बाद, लौरा एक अभिनेत्री के रूप में जीवनयापन करने की कोशिश करती है और उसकी प्रतिभा को तुरंत पहचान लिया जाता है। इंग्लैंड के दौरे के बाद, उन्होंने न्यूयॉर्क में प्रदर्शन किया, फिर सैन फ्रांसिस्को गए, जहां

Machine Translated by Google

उन्होंने और एडविन बूथ दोनों ने द लव चेज़ में मुख्य भूमिकाएँ निभाईं।

एक नये अंतर्राष्ट्रीय अवसर ने नाटक मंडली में हलचल मचा दी। ए कुछ अभिनेता ऑस्ट्रेलिया से सैन फ़्रांसिस्को लौट आए और उन्होंने बताया कि उन्होंने वहां प्रदर्शन करके भारी मुनाफ़ा कमाया है। लौरा कीन को अपने पति को खोजने की इच्छा थी; फिर लौरा, एडविन और कुछ दोस्त जुलाई 1854 में ऑस्ट्रेलिया के लिए रवाना हुए।

लौरा को पता चलता है कि उसका पति वास्तव में मेलबर्न में कैद है, उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है, जिसमें नरमी की कोई संभावना नहीं है।
न ही उसे अपने पति से मिलने का अधिकार मिला, जो जाहिर तौर पर उसके लिए बहुत निराशाजनक था। ऑस्ट्रेलिया का दौरा आर्थिक रूप से भी उतना ही निराशाजनक था, हालाँकि एडविन, जो यात्रा पर 21 वर्ष के हो गए, को उनके शो के लिए बहुत अच्छी समीक्षाएँ मिलीं। हालाँकि, एडविन, लॉरा और अन्य लोग 1855 में वापस घर आ गए। एडविन ने कैलिफोर्निया में एक और साल बिताया और 5 सितंबर, 1856 को वह मैरीलैंड में अपनी मां और भाइयों से मिलने के लिए घर वापस चले गए।

इस समय, अभिनेता जोसेफ जेफरसन दिखाई दिए। अहतुन रे द्वारा टॉम क्रूज़ की पुष्टि जोसेफ जेफरसन के पुनर्जन्म के रूप में की गई है, और हम देखेंगे कि निकोल किडमैन और टॉम क्रूज़ का जीवन, जो आज पति-पत्नी हैं, लिंकन के समय में कैसे आपस में जुड़े हुए थे। जोसेफ जेफरसन का जन्म 1829 में फिलाडेल्फिया में हुआ था।

इस प्रकार, जोसेफ एडविन से केवल कुछ वर्ष बड़ा था, जिसका जन्म 1833 में हुआ था। जोसेफ के माता-पिता दोनों अभिनेता थे और परिवार ने देश भर में यात्रा की थी, विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शन किया था।

इस पृष्ठभूमि में, जोसेफ़ कम उम्र से ही मंच पर दिखाई देने लगे, जो टॉम क्रूज़ के करियर पथ को दर्शाता है।

जब जेफरसन छोटे थे, आयोवा के दौरे के बाद, परिवार को बसने का अवसर मिला जब उनके पिता को इलिनोइस की राजधानी स्प्रिंगफील्ड में एक थिएटर बनाने के लिए एक भागीदार मिला। एक समस्या तब उत्पन्न हुई जब नगर परिषद, जिसके सदस्य थिएटर को परेशानी का स्रोत मानते थे, ने कार्यक्रम स्थल के उद्घाटन को रोकने की कोशिश की

Machine Translated by Google

बहुत महंगी लाइसेंस फीस. धार्मिक समूह थिएटर को "राक्षस की मांद" मानते हैं और वे स्प्रिंगफील्ड में ऐसी जगह नहीं चाहते हैं। एक युवा वकील, जो थिएटर से प्यार करता है, मामले को अदालत में ले जाने के लिए सहमत होकर बचाव में आता है। युवा वकील अब्राहम लिंकन ने केस जीत लिया और थिएटर खुल गया। ऐसा माना जाता है कि यह घटना 1839 में घटी थी, जब जोसेफ जेफरसन दस साल के थे, जिन्होंने अपनी बाद की आत्मकथा में लिंकन द्वारा थिएटर के बचाव का दस्तावेजीकरण किया था।

यह दिलचस्प होगा यदि टॉम क्रूज़ इस आत्मकथा को पढ़ें, जिसे हम उनकी अपनी आत्मकथा मान सकते हैं, यह देखने के लिए कि क्या विचार और शैली में कोई समानता पाई जा सकती है।

1857 तक, जोसेफ जेफरसन, जो अभी भी एक अभिनेता के रूप में संघर्ष कर रहे थे, ने व्यवस्था की रिचमंड, वर्जीनिया में एक थिएटर, जहां 24 साल के एडविन रोमियो एंड जूलियट में मुख्य भूमिका निभाएंगे। जेफरसन और उनकी पत्नी, मार्गरेट क्लेमेंट्स लॉकयर, एक युवा अभिनेत्री, मैरी डेवलिन को घर लाए थे, जो उस समय 16 वर्ष की थी। जब एडविन और मैरी ने रोमियो और जूलियट में स्टार भूमिकाएँ निभाईं, तो उन्हें प्यार हो गया। एडविन ने अपने टूरिंग और अभिनय करियर को जारी रखने के लिए रिचमंड छोड़ दिया और 1860 में एडविन और मैरी ने शादी कर ली।

1858 में, जोसेफ जेफरसन/टॉम क्रूज़ और उनकी पत्नी न्यूयॉर्क चले गए, जहां लौरा कीने/निकोल किदामन ने ब्रॉडवे पर अपना थिएटर खोला। कीन ने अपने सह-कलाकार के रूप में मुख्य भूमिका निभाने के लिए जोसेफ जेफरसन को काम पर रखा। तो हम देखते हैं, वर्तमान में, निकोल किडमैन और टॉम क्रूज़ 19वीं सदी के पेशेवर रिश्ते को दोहरा रहे हैं।

कीन और जेफरसन के बीच संबंध कथित तौर पर अस्थिर थे।
हालाँकि यह कीन ही थे जिन्होंने थिएटर खोला था, जेफरसन ने नाटकों के चयन को ख़राब माना, जिसके परिणामस्वरूप केवल एक छोटा दर्शक वर्ग ही मिला।
दूसरी ओर, जोसेफ जेफरसन को यह जानने की आदत थी कि दर्शक क्या चाहते हैं और जिन नाटकों को वह दिखाने के लिए कीन को मनाने में कामयाब रहे, जैसे कि ब्रांडीवाइन का क्रांतिकारी युद्ध नाटक ब्लैंच लोकप्रिय हो गया।

टॉम क्रूज़ के व्यक्तित्व में जोसेफ जेफरसन जारी है

Machine Translated by Google

ऐसा शो प्रस्तुत करने का कौशल प्रदर्शित करें जो आर्थिक रूप से सफल हो।

जेफरसन द्वारा अनुशंसित एक और नाटक, जिसमें उनकी मुख्य भूमिका थी, ब्रिटिश नाटककार टॉम टेलर द्वारा लिखित माई अमेरिकन कजिन था। इस कॉमेडी में, जेफरसन द्वारा अभिनीत आसा ट्रेंकार्ड को एक संपत्ति विरासत में मिलती है और वह अपने कुलीन रिश्तेदारों से मिलने के लिए इंग्लैंड जाता है। यह शो एक बड़ी सफलता थी और इसने जोसेफ जेफरसन के साथ-साथ सह-अभिनेता ईएच सोथर्न और उनकी अभिनेत्री पत्नी वर्जीनिया हार्नड के करियर को एक बड़ी छलांग प्रदान की। जोसेफ जेफरसन और वर्जीनिया हार्नड के बीच कोई संबंध होना चाहिए, क्योंकि वर्तमान समय में, हार्नड का टॉम क्रूज़ की पूर्व पत्नी, मिमी रोजर्स के रूप में पुनर्जन्म हुआ है।

हालाँकि लौरा कीन के थिएटर को दर्शकों का पूरा आनंद मिलता रहा, लेकिन कीन और जेफरसन के रिश्ते में दूरियाँ बढ़ती गईं। जोसेफ जेफरसन ने अंततः सीज़न के अंत में नाटक समूह से हटने का फैसला किया। जाने से पहले, उन्होंने कीन से, जिन्होंने अमेरिकी नाटक के अधिकार खरीदे थे, पूछा कि क्या वह अवर अमेरिकन कजिन शो को कहीं और प्रदर्शित कर सकते हैं।

कीन ने मना कर दिया और कीन और जोसेफ का ब्रेकअप हो गया।

अवर अमेरिकन कजिन के लेखक टॉम टेलर की पहचान पुलित्जर पुरस्कार विजेता नाटककार डेविड मैमेट के रूप में की गई है।

टेलर का जन्म 1817 में हुआ था और उन्होंने बहुत कम उम्र से ही रंगमंच के प्रति आकर्षण दिखाया था और अपने बचपन के दोस्तों के साथ अस्तबल में नाटकीय रचनाएँ की थीं। एक युवा व्यक्ति के रूप में, टेलर ने कैम्ब्रिज में अध्ययन किया और यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन में अंग्रेजी साहित्य के प्रोफेसर बन गए।

टेलर अपने नाटकों में स्वाभाविक और तेज़ गति वाले संवाद के लिए जाने जाते हैं। उनके कार्यों में स्टिल वॉटर रन डीप (1855) शामिल हैं; पीड़ित (1857); चुनाव लड़ा (1859); ओवरलैंड रूट (1860); लीव मैन का टिकट (1863); ऐनी बोलिन (1875); और जोन ऑफ आर्क (1871)। 1880 में टेलर की मृत्यु हो गई।

1947 में जन्मे डेविड मैमेट अपने बेजोड़, नाटकीय और तेज़-तर्रार संवाद के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने अपने काम ग्लेनगैरी ग्लेन रोज़ के लिए पुलित्जर जीता, और वह कई सफल नाटकों के लेखक हैं

Machine Translated by Google

द पोस्टमैन ऑलवेज रिंग्स ट्वाइस, द वर्डिक्ट, द अनटचेबल्स और स्टीव मार्टिन की फिल्म द स्पैनिश प्रिज़नर। छात्रों के लिए टॉम टेलर और डेविड मैमेट के कार्यों का विश्लेषण करना और उनकी साहित्यिक शैलियों में समानताएं और अंतर देखना बहुत दिलचस्प होगा।

विषयांतर से हटकर, आइए एडविन बूथ कहानी पर वापस आएं/ अमिताभ बच्चन। एडविन और मैरी डेवलिन ने 7 जुलाई, 1860 को शादी की। उस वर्ष बाद में, अब्राहम लिंकन, जिन्होंने विकासशील पश्चिमी राज्यों में गुलामी के प्रसार का विरोध किया, राष्ट्रपति चुने गए। 20 दिसम्बर, 1860 को दक्षिणी राज्य संघ से अलग हो गये। लिंकन का उद्घाटन समारोह 4 मार्च, 1861 को हुआ और 12 अप्रैल, 1861 को कॉन्फेडरेट समर्थकों द्वारा दक्षिण कैरोलिना में फोर्ट समर पर हमले के साथ, अमेरिकी गृहयुद्ध छिड़ गया।

अपने भाई, जॉन विल्क्स बूथ, एक राजनीतिक कार्यकर्ता के विपरीत दक्षिण का दृढ़ता से समर्थन किया, एडविन ने उत्तर का समर्थन किया, क्योंकि उन्होंने गुलामी का भी विरोध किया था। हालाँकि एडविन पूरी तरह से लिंकन के पीछे थे और संघ के पक्ष में थे, जिसके कारण दोनों भाइयों के बीच फूट पड़ गई, एडविन को एक राजनीतिक दंभ के रूप में भी पहचाना जाने लगा। राजनीतिक मामलों में उनकी रुचि नहीं थी, जो अमिताभ बच्चन के साथ भी सुसंगत है, जिन्होंने भारतीय संसद के सदस्य के रूप में एक अवधि तक सेवा करने के बावजूद कहा कि राजनीति में प्रवेश करना उनके लिए एक गलती थी। एडविन बूथ के अनुसार, बच्चन के लिए राजनीति विदेशी क्षेत्र थी।

1861 में, एडविन और मैरी इंग्लैंड गए, जहां एडविन ने कई शो किए। लंदन से, यह जोड़ी ब्रिटिश प्रेस के नजरिए से अमेरिकी गृहयुद्ध को देखने की दिलचस्प स्थिति में है। एडविन को यह सुनकर आश्चर्य हुआ कि लंदन टाइम्स ने दक्षिण का समर्थन किया। एडविन ने अनुमान लगाया कि यह ब्रिटिश कुलीन शैलियों के कारण था, जो उत्तर के बजाय दक्षिण अमेरिकियों में परिलक्षित होते थे। 9 दिसंबर, 1861 को उनकी बेटी एडविना का जन्म लंदन में हुआ।

युगल संयुक्त राज्य अमेरिका लौटता है और एडविन को पता चलता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

कि उनका सबसे अच्छा दोस्त, रिचर्ड कैरी, एंटीएटम की लड़ाई में मारा गया था, जिसमें 24,000 लोग मारे गए थे या घायल हुए थे। स्मरण रहे कि जॉन बी. गॉर्डन के अवतार में जेफ कीन भी उस युद्ध में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। लिंकन ने मुक्ति उद्घोषणा करने के लिए एंटीएटम का उपयोग किया, जिसने विद्रोही राज्यों में दासों को मुक्त कर दिया, लेकिन एडविन के गृह राज्य मैरीलैंड सहित संघ के प्रति वफादार सीमावर्ती राज्यों में नहीं।

हालाँकि गृह युद्ध जारी रहा, एडविन का करियर आगे बढ़ता रहा और उनकी आय और संपत्ति में वृद्धि हुई। नवंबर 1862 में, एडविन बोस्टन संग्रहालय में प्रदर्शन कर रहे थे, जब उन्हें जबरदस्त प्रशंसा या समीक्षाएँ मिलीं। मैरी और एडविना बोस्टन के बाहर, डोरचेस्टर के पास एक ग्रामीण घर में किराए पर रह रहे थे।

इसके बाद एडविन ने न्यूयॉर्क की यात्रा की, जहां उन्होंने खचाखच भरे दर्शकों के सामने हेमलेट की भूमिका निभाई।

न्यूयॉर्क में रहते हुए, उन्हें खबर मिली कि मैरी डोरचेस्टर में बीमार हैं। न्यूयॉर्क से वापस बोस्टन के लिए ट्रेन पकड़ते समय, उन्हें एक और पूर्वाभास हुआ, जिसका वर्णन उन्होंने बाद में एक मित्र को लिखे पत्र में किया: "हर बार जब मैं खिड़की से बाहर देखता हूं, तो मैं मैरी को मृत देखता हूं, उसके गले में एक सफेद कपड़ा बंधा हुआ है और ठोड़ी।

, मैंने उसे देखा था

स्पष्ट रूप से, कम से कम लगभग एक दर्जन बार।'4 जब वह बोस्टन पहुंची, तो एक दोस्त आया और उसे उठाया और उसे मैरी की स्थिति के बारे में जानकारी दी। एडविन को मैरी के भाग्य के बारे में पता चल गया था और जब वह घर पहुंचा और मैरी के कमरे में दाखिल हुआ, तो एडविन ने उसे बिल्कुल वैसा ही देखा जैसा उसने उसे देखा था, बिस्तर पर उसकी गर्दन और ठोड़ी के चारों ओर एक सफेद चादर थी, ताकि वह गर्म रहे। मैरी की मृत्यु के बाद, एडविन ने मंच पर लौटने से इनकार कर दिया और 21 सितंबर, 1863 तक दोबारा प्रदर्शन नहीं किया।

याद रखें कि अमिताभ बच्चन को भी पूर्वाभास होता है और एडविन की पहली पत्नी मैरी डेवलिन को आज के जीवन में रेखा के रूप में पहचाना जाता है, जिन्होंने अमिताभ की कई फिल्मों में मुख्य भूमिका निभाई थी।
डेवलिन और रेखा के बीच शारीरिक समानताएँ स्पष्ट हैं।
तो हम यहां एक जोड़े को देखते हैं

Machine Translated by Google

विवाह और मंच पर, प्रारंभिक मृत्यु से अलग हो जाने पर, बाद के समय में वापस आ सकते हैं और फिर से एक साथ प्रदर्शन करना जारी रख सकते हैं। यह जानना दिलचस्प है कि रेखा का जन्म अमिताभ से एक दिन पहले 10 अक्टूबर को हुआ था, जिनका जन्म 11 अक्टूबर को हुआ था और दोनों ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत एक ही वर्ष 1969 में की थी।

न्यूयॉर्क में, लौरा कीन ने अपना थिएटर खो दिया था और अपनी आय बनाए रखने के लिए, कीन अपने लोकप्रिय नाटक, अवर अमेरिकन कजिन को सड़कों पर ले आईं। अप्रैल 1865 में, वह वाशिंगटन डीसी में फोर्ड थिएटर खोलने की तैयारी कर रहे थे।

राजधानी में जश्न का माहौल था, क्योंकि 9 अप्रैल को दक्षिण ने आत्मसमर्पण कर दिया था। युद्ध चार साल तक चला और इसके परिणामस्वरूप 620,000 लोग मारे गए। 14 अप्रैल, 1865 को, अब्राहम और मैरी लिंकन ने राष्ट्रपति की बालकनी पर बैठकर अवर अमेरिकन कजिन शो में भाग लिया। इससे पहले, जॉन विल्क्स बूथ ने फोर्ड थिएटर में प्रदर्शन किया था और जब जॉन ने द मार्बल हार्ट का प्रदर्शन किया था तब अब्राहम लिंकन भी उपस्थित थे। लिंकन जॉन विल्क्स बूथ के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हैं और एक संदेश भेजते हैं कि वह अभिनेता से मिलना चाहते हैं, लेकिन जॉन ने मना कर दिया। दक्षिण के आत्मसमर्पण के बाद, जॉन ने उस संस्कृति के विनाश के लिए लिंकन को दोषी ठहराया जिसकी वह प्रशंसा करते थे। एक बच्चे के रूप में, जॉन ने दक्षिण के अभिजात वर्ग के साथ एक बोर्डिंग स्कूल में पढ़ाई की थी। युवा दक्षिणी अभिजात वर्ग के सदस्यों के साथ उनके मैत्रीपूर्ण संबंध थे। दरअसल, जॉन विल्क्स बूथ खुद को दक्षिणी अभिनेता मानते हैं। दक्षिण के पतन के बाद, जॉन ने लिंकन की हत्या करके बदला लेने का फैसला किया, यह सोचकर कि वह संघ का नायक बन जाएगा।

दुखद बात यह है कि जॉन विल्क्स बूथ के दिल में अभी-अभी प्यार पनपा है और लुसी हेल नाम की एक खूबसूरत युवा लड़की, जो न्यू हैम्पशायर के पूर्व सीनेटर जॉन पी. हेल की बेटी है, जो कट्टर उन्मूलनवादी और लिंकन समर्थक दोनों हैं, को हाल ही में स्पेन में राजदूत नियुक्त किया गया है। . हेल्स उसी वाशिंगटन होटल में ठहरे थे जहाँ जॉन विल्क्स बूथ ठहरे थे। लूसी और जॉन की मुलाकात वहां जनवरी 1865 में हुई। इस जोड़े में प्यार हो गया और लूसी ने कहा कि जब उसका परिवार वहां से लौटा

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

स्पेन, वे शादी कर रहे हैं। उस समय, उनका प्यार केवल तीन महीने का था, लेकिन लूसी अपनी बातों में ईमानदार थी।

जॉन ने 14 अप्रैल, 1865 को लुसी के साथ रात्रि भोज किया और जाते समय उसने ओथेलो से उद्धृत किया, "परी, प्रार्थना में, मेरे सभी पापों को याद किया जाए।"5

भागने की योजना सहित अंतिम तैयारी करने के बाद, जॉन फोर्ड थिएटर की ओर जाता है। थिएटर क्लर्क को जानने के बाद, जॉन आसानी से राष्ट्रपति की बालकनी पर चढ़ने में सक्षम हो गया और लिंकन के सिर में बिल्कुल नजदीक से गोली मार दी। फिर वह मंच पर कूद गया, चिल्लाया "सिक सेम्पर टायरानिस" ("अत्याचारियों के साथ हमेशा ऐसा ही होता है"), फिर भाग गया। दर्शक चौंक गए और फिर घबरा गए। यह लॉरा कीन/निकोल किडमैन ही थीं जिन्होंने मंच से चिल्लाकर माहौल को शांत किया, "भगवान के लिए, अपने सामान्य ज्ञान का उपयोग करें और जहां हैं वहीं रहें, सब कुछ ठीक हो जाएगा!"6 जब राष्ट्रपति की बालकनी से किसी ने पानी मांगा , लौरा कीन खून से लथपथ लिंकन के लिए ब्रांडी की एक बोतल लेकर आई, जिसके चारों ओर दो डॉक्टर मौजूद थे जिन्होंने उसके घाव की जांच की। जब डॉक्टरों में से एक ने लिंकन को ब्रांडी का एक घूंट देने के लिए कहा, तो वह लौरा ही थी जिसने लिंकन के शरीर में तरल प्रवेश करते ही राष्ट्रपति का सिर पकड़ लिया।

, कौन लेटा

निकोल किडमैन की पहचान लॉरा कीन के पुनर्जन्म के रूप में की गई थी

2004 में, बहुत पहले ही मुझे अमिताभ बच्चन के पिछले जीवन में दिलचस्पी हो गई थी। मैं हॉलीवुड मशहूर हस्तियों के पिछले जीवन को उजागर करने की कोशिश कर रहा हूं और अहतुन रे से निकोल के बारे में पूछा। उस समय, अहतुन रे ने मुझसे कहा, “श्रीमती। जब लिंकन को गोली मारी गई तब किडमैन मंच पर थे।

मैं अभिनेत्री के नाम को पहचानने के लिए पर्याप्त इतिहास नहीं जानता, लेकिन जब मैंने लिंकन की हत्या की जांच की, तो अहतुन रे ने पुष्टि की कि किडमैन कीन था। कीन/किडमैन की पहचान उजागर होने के बाद, टॉम क्रूज़ की पहचान जोसेफ जेफरसन के रूप में की गई।

लिंकन को फोर्ड थिएटर से दसवीं स्ट्रीट पर पास के एक घर में ले जाया गया। युद्ध सचिव, एडविन एच. स्टैंटन, इस स्थान पर पहुंचे और तुरंत स्थिति पर नियंत्रण कर लिया।

स्टैंटन ने जनरल यूलिसिस एस. ग्रांट, उपराष्ट्रपति एंड्रयू जॉनसन और मुख्य न्यायाधीश को आवश्यक नोटिस भेजे

Machine Translated by Google

पीछा करना। स्टैंटन जॉन विल्क्स बूथ, जो संदिग्ध हत्यारा है, की जांच का नेतृत्व भी कर रहे हैं।

जब ये घटनाएँ सामने आ रही थीं, जोसेफ जेफरसन/
टॉम क्रूज़ लैटिन अमेरिका जाने वाले जहाज पर यात्रा कर रहे हैं।
जेफ़रसन ने अधिकांश समय ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड का दौरा किया था
गृह युद्ध। उन्हें लिंकन की मृत्यु के बारे में तब तक पता नहीं चला
अगले महीने, जब वह पेरू पहुंचा। लिंकन शूटिंग की रात एडविन बूथ/अमिताभ बच्चन बोस्टन थिएटर में प्रदर्शन करते हुए।

रात के अंधेरे में, 26 अप्रैल, 1865 के शुरुआती घंटों में, यूनियन सैनिकों ने जॉन विल्क्स बूथ को बॉलिंग ग्रीन, मैरीलैंड के बाहर एक खलिहान में छिपा पाया, जहां बाद में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई।

युद्ध सचिव, एडविन स्टैंटन ने पुष्टि की कि बूथ के शव को गुप्त रूप से ओल्ड आर्सेनल जेल ले जाया गया, जहां उसे एक भंडारण कक्ष के फर्श के नीचे दफनाया गया था। स्टैंटन व्यक्तिगत रूप से उस कमरे की चाबी रखता है जहां बूथ को दफनाया गया है। उन्हें चिंता थी कि यदि बूथ का शव दक्षिण के हाथों में पड़ गया, तो यह समाप्त हो चुके संघर्ष के लिए एक नया ट्रिगर हो सकता है। स्टैंटन बूथ के सह-साजिशकर्ता होने के आरोपी लोगों के सैन्य परीक्षणों के लिए भी जिम्मेदार हैं।

एडविन बूथ, अब्राहम लिंकन की हत्या के कृत्य से स्तब्ध
अपने भाई-बहन द्वारा, मंच पर लौटने से पहले तुरंत 18 महीने के लिए खुद को अलग-थलग कर लिया।

आत्म-निर्वासित निर्वासन की उस अवधि के दौरान, उन्होंने अपनी माँ की ओर से अपने भाई के शव को छुड़ाने के लिए लड़ाई लड़ी ताकि उसे ठीक से दफनाया जा सके। इस प्रयास में उन्होंने एडविन स्टैंटन को सीधा पत्र लिखा, हालाँकि उन्हें कोई उत्तर नहीं मिला। जनवरी 1866 में जैसे ही एडविन न्यूयॉर्क में मंच पर लौटने के लिए तैयार हुए, अफवाहें फैल गईं कि एडविन के खिलाफ बदला लिया जाएगा। हालाँकि, जब वह बिक चुके विंटर गार्डन थिएटर के एक मंच पर हेमलेट के रूप में दिखाई दिए, तो उन्हें दर्शकों से खड़े होकर सराहना मिली।

एडविन शिकागो जाते रहे, जहां उन्होंने मैकविकर थिएटर में प्रदर्शन किया। एक बार फिर मंच पर जताया गया
प्यार शादी में बदल गया। एडविन

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

रोमियो एंड जूलियट में अपनी सह-कलाकार मैरी मैकविकर, जो थिएटर मालिक की बेटी थी, के साथ मुख्य भूमिका निभाई। मैरी ने अपने हास्यबोध और अपने "दिल के आकार के" चेहरे से एडविन को मंत्रमुग्ध कर दिया।7 अमिताभ बच्चन के जीवन में भी कोई था जिसका चेहरा "दिल के आकार का" था, वह थीं उनकी पत्नी जया। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, जया को मैरी मैकविकर के पुनर्जन्म के रूप में, केविन रायर्सन की मार्गदर्शक भावना, अहतुन रे द्वारा पुष्टि की गई है।

जया ने अमिताभ बच्चन के साथ फिल्म जंजीर में अभिनय किया, जो 1973 में एक लोकप्रिय फिल्म बन गई। उसी वर्ष दिसंबर में, अमिताभ की नायिका जया बच्चन बन गईं। अपनी शादी के बाद, जया ने पारिवारिक जीवन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सिनेमा की दुनिया से एक छोटा ब्रेक लिया।

मैकविकर थिएटर में अपने प्रदर्शन के बाद, मैरी एडविन के साथ उनके निरंतर दौरे पर शामिल हुईं। इस अवधि के दौरान, एडविन न्यूयॉर्क शहर में एक बहुत ही भव्य थिएटर के निर्माण की प्रक्रिया में थे। बूथ थिएटर का भव्य उद्घाटन 3 फरवरी, 1869 को हुआ, जब एडविन केवल 35 वर्ष के थे।

उद्घाटन की रात, एडविन और मैरी ने एक बार फिर रोमियो और जूलियट की भूमिका निभाई। इसी अवधि के दौरान एडविन ने मैरी के सामने प्रस्ताव रखा और 7 जून, 1869 को उन्होंने शादी कर ली। जया की तरह, मैरी भी पारिवारिक जीवन की तैयारी के लिए शादी के बाद मंच से सेवानिवृत्त हो गईं। मैरी गर्भवती हो गईं और 4 जुलाई, 1870 को एक बेटे, एडविन जूनियर का जन्म हुआ। एक कठिन जन्म हुआ, और छोटे एडगर (एडविन जूनियर) को मस्तिष्क क्षति हुई और वह केवल कुछ ही घंटे जीवित रहे।

अपने बेटे की मृत्यु के बाद, मैरी गहरे अवसाद में पड़ गई, जो उसे जीवन भर समय-समय पर परेशान करती रही। आधुनिक समय में, निश्चित रूप से एंटीडिप्रेसेंट थेरेपी का उपयोग किया जाएगा, लेकिन विक्टोरियन युग में, मौजूदा उपचार अभी भी अप्रभावी थे।

हालाँकि, मैरी अभी भी एडविन के साथ यात्रा करती है और जब भी जरूरत पड़ती है, आश्चर्यजनक लचीलापन दिखाती है। उन्होंने दक्षिण का दौरा किया और फिर सैन फ्रांसिस्को गए, जहां 1876 में, आठ सप्ताह के खेल में एडविन ने 50,000 डॉलर कमाए। उस समय बहुत बड़ी संख्या थी. तो, जैसे अमिताभ बच्चन, एडविन

Machine Translated by Google

न केवल उन्हें अपने समय के महानतम अभिनेताओं में से एक माना जाता था, बल्कि वह एक ऐसे अभिनेता भी थे जो बड़े पैमाने पर दर्शकों को आकर्षित कर सकते थे और मुनाफा कमा सकते थे।

1880 में, एडविन मैरी और उनकी बेटी एडविना को यूरोप के दौरे पर ले गये। लंदन में, मैरी, जो पुरानी खांसी से पीड़ित थी, को उन्नत तपेदिक का पता चला था। इस समय से मैरी की शारीरिक और मानसिक स्थिति में गिरावट जारी रही और 13 नवंबर, 1881 को मैरी की मृत्यु हो गई।

मैरी की मृत्यु के बाद, एडविना उनके पिता की यात्रा साथी बन गईं।
विषय से थोड़ा हटकर, अहतुन रे ने पुष्टि की है कि एडविना, एडविन की बेटी और उनकी पहली पत्नी, मैरी डेवलिन, का वर्तमान में अमिताभ और जया की बेटी श्वेता बच्चन के रूप में पुनर्जन्म हुआ है। इसी तरह, अहतुन रे ने कहा कि बच्चन के बेटे, अभिषेक, मैरी मैकविकर के बेटे एडविन जूनियर का पुनर्जन्म थे, जिनकी जन्म के समय मृत्यु हो गई थी। यदि इन मामलों को स्वीकार कर लिया जाता है, तो हम देख सकते हैं कि कैसे पूरे परिवार का पुनर्जन्म और पुनर्मिलन किया जा सकता है।

1882 में, एडविन और एडविना फिर से इंग्लैंड के लिए रवाना हुए और उसी वर्ष दिसंबर में, वे बर्लिन गए, जहाँ एडविन को उत्कृष्ट समीक्षाएँ मिलीं। चार अन्य जर्मन शहरों में शो के बाद, वे ऑस्ट्रिया गए। तो हम देखते हैं कि एडविन भी अमिताभ बच्चन की तरह ही एक अंतरराष्ट्रीय स्टार बन गए। जब वह संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने घर लौटे, तो एडविन ने अपनी थिएटर यात्राओं से मोटी कमाई करना जारी रखा। उदाहरण के लिए, अपने 1886-1887 के दौरे पर एडविन ने 200,000 डॉलर कमाए। तो हम देख सकते हैं कि आज के "बिग बी" के रूप में जाने जाने से पहले, बच्चन विक्टोरियन युग में पहले से ही "बिग बी" थे।

अपने करियर को समाप्त करने के लिए, एडविन बूथ ने न्यूयॉर्क के ग्रामरसी पार्क क्षेत्र में "द प्लेयर्स" नामक एक क्लब की स्थापना की, जो अभिनेताओं और अन्य पेशेवरों के लिए एक साथ आने और विचारों का आदान-प्रदान करने का स्थान था। जब 1880 में नए साल की पूर्वसंध्या पर द प्लेयर्स की शुरुआत हुई तो एडविन पीठासीन अधिकारी थे। मुख्य कमरे में, जुनियस ब्रूटस बूथ के चित्र के नीचे, एडविन ने अपने पिता के नाम का टोस्ट बनाया, "चलो एक पेय लें

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

इस प्यार के प्याले से, अतीत की स्मृति चिन्हों से, मेरे पिता के प्याले से।
आइए, अब इस चित्र के नीचे सर्वकालिक खिलाड़ियों की समृद्धि का जश्न मनाएं।"

अहतुन रे ने बताया कि एडविन के प्रिय पिता, जुनियस ब्रूटस बूथ, का पुनर्जन्म बच्चन के दिवंगत प्रिय पिता, हरिवंशराय श्रीवास्तव बच्चन के रूप में हुआ है। यह कथन चेहरे की विशेषताओं की मजबूत समानता और शेक्सपियर और साहित्य के साझा प्रेम द्वारा समर्थित है। जुनियस की मृत्यु 1852 में हुई, जबकि हरिवंशराय बच्चन का जन्म 1907 में हुआ था। हरिवंशराय ने कैम्ब्रिज में अंग्रेजी साहित्य में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की, दिल्ली में येट्स पर शोध प्रबंध लिखा* उन्होंने हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा बनाने की परियोजना पर सरकार के लिए काम किया। हरिवंशराय मधुशाला काव्य के साथ-साथ कई अन्य काव्य पुस्तकें लिखने के लिए प्रसिद्ध हैं। वह शेक्सपियर, विशेष रूप से मैकबेथ और ओथेलो का हिंदी में अनुवाद करने वाले पहले व्यक्ति थे। अपने साहित्यिक योगदान के लिए, उन्होंने 1976 में पद्म भूषण पुरस्कार जीता।

जूनियस ब्रूटस बूथ को अंग्रेजी साहित्य भी पसंद है, भले ही उन्होंने कॉलेज की शिक्षा प्राप्त नहीं की। वह शास्त्रीय साहित्य में स्व-सिखाया गया छात्र था और मैरीलैंड में अपने खेत में, वह अक्सर अपने बच्चों को मिल्टन, डांटे, कीट्स और शेली की चुनी हुई रचनाएँ पढ़ाता था। बेशक, जूनियस अपने समय के सबसे प्रसिद्ध शेक्सपियर अभिनेताओं में से एक थे और जैसा कि पहले चर्चा की गई थी, हरिवंशराय शेक्सपियर का हिंदी में अनुवाद करने वाले पहले व्यक्ति थे और उन्होंने अपना काम अमिताभ को समर्पित किया था।

जब सभी जीवन को पवित्र मानने, शाकाहार का अभ्यास करने और अपने खेत में जानवरों की हत्या की अनुमति न देने की बात आती है तो जुनियस में आध्यात्मिकता की प्रबल भावना होती है। जूनियस अपने बेटे एडविन को सलाह देते हैं, जो विक्टोरिया मंच पर "बिग बी" बन जाता है, जबकि हरिवंशराय "बिग बी" को सलाह देते हैं।

---

* आयरिश मूल के लेखक। द एबी थिएटर, डबलिन में आयरिश नेशनल थिएटर कंपनी के संस्थापक। उन्होंने द काउंटेस कैथलीन (1892) सहित कई लघु नाटक लिखे। उनकी कविता, द विंडिंग स्टेयर (1929) जैसी कविताओं के संग्रह के रूप में प्रकाशित हुई, जिसमें प्रारंभिक प्रेम कविताओं से लेकर उनके बाद के जीवन के जटिल प्रतीकात्मक कार्य शामिल हैं। उन्होंने 1923 में साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार जीता।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

वर्तमान (अमिताभ).

एक अंतर, जुनियस को एक अभिनेता के रूप में जाना जाता है, जबकि हरिवंशराय को एक कवि के रूप में याद किया जाता है। आत्माएँ जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में ध्यान केंद्रित कर सकती हैं, हालाँकि आमतौर पर समान रुचियाँ बनी रहती हैं। ऐसे में रुचि साहित्य में है। दोनों में अंतर यह है कि जुनियस को शराब से छोटी-मोटी दिक्कत है, जबकि हरिवंशराय बिल्कुल भी शराब नहीं पीते.

यह एक ऐसी घटना है जिसे मैंने कई पुनर्जन्म मामलों में देखा है, कि जब किसी व्यक्ति को एक जीवनकाल में नशीली दवाओं या अवैध पदार्थों के उपयोग से समस्या होती है, तो अगले जीवनकाल में आत्मा का हानिकारक पदार्थों से कोई संबंध नहीं होता है। बस अब।

अमिताभ की मां तेजी बच्चन ने भी इस बात की पुष्टि की है
अहतुन रे एडविन बूथ की मां के पुनर्जन्म के रूप में, जिनका विवाह से पहले का नाम मैरी ऐनी होम्स है। एक दृश्य सादृश्य देखने को मिलता है।
एडविन की एशिया नाम की एक बहन है, जिसका उसके भाई, जॉन विल्क्स बूथ के साथ घनिष्ठ संबंध है, हालांकि वह उत्तर का समर्थन करता है और जॉन के समान राजनीतिक जुनून नहीं रखता है। हालाँकि, जॉन की मृत्यु के बाद, एशिया ने भावी पीढ़ियों के साथ अपने अच्छे गुणों को साझा करने के प्रयास में, जॉन के साथ अपने संबंधों के बारे में एक किताब लिखी। हाल के दिनों में, एशिया बूथ ने अपने भाई-बहन के बारे में एक किताब भी लिखी है, भले ही वह पिछले जन्म का भाई-बहन हो। आसिया का पुनर्जन्म भावना सोमाया के रूप में हुआ है, जिन्होंने अमिताभ बच्चन की जीवनी द लीजेंड लिखी थी, जिसे ऊपर अमिताभ के पूर्वाभास के संदर्भ के रूप में उद्धृत किया गया था।

इस एशियाई पहचान की पुष्टि अहतुन रे ने की है।

आख़िरकार मुझे समझ आया कि बच्चन परिवार के इंदिरा गांधी के परिवार से घनिष्ठ संबंध थे। सबसे खास बात यह है कि मुझे बताया गया है कि तेजी और इंदिरा सबसे अच्छी दोस्त हैं। यदि यह सच है और यदि बच्चन परिवार के सदस्य गृह युद्ध के दौरान अमेरिका में रहते थे, तो यह संदिग्ध है कि क्या इंदिरा गांधी का भी उस युग में पुनर्जन्म हुआ था। जब मैं पूछता हूँ

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अहतुन रे से इस सवाल पर उन्होंने जवाब दिया, "वह एडविन स्टैंटन, युद्ध सचिव हैं, आप समानताएं देखेंगे।" निस्संदेह, इससे मुझे आश्चर्य हुआ। मैंने तस्वीरों की जांच की और वास्तव में, स्टैंटन के साथ इंदिरा गांधी की कुछ तस्वीरों में चेहरे की विशेषताओं में समानता देखी जा सकती है।

मैंने यह भी पाया कि उनकी संपत्तियाँ समान हैं।

एक सामान्य विशेषता किसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए बल प्रयोग करने का दृढ़ संकल्प है। स्टैंटन का मानना था कि युद्ध का लक्ष्य गुलामी को समाप्त करना था और इसे पूरा होने तक सैन्य बल का उपयोग किया जाना चाहिए। यह रवैया इंदिरा गांधी द्वारा ऑपरेशन ब्लू स्टार को दी गई मंजूरी के समान है, जिसकी चर्चा पिछले अध्याय में की गई थी। स्टैंटन ने अपने कार्यों में निर्णायक रूप से कार्य किया और जब उन्हें युद्ध सचिव नियुक्त किया गया तो उन्होंने सभी टेलीग्राफ लाइनों पर कब्जा कर लिया और प्रेस को सेंसर कर दिया, जनता को जानकारी नियंत्रित की।

यह इंदिरा गांधी के कार्यों के समान है, जब उन्हें राजनीतिक संकट और विरोध का सामना करना पड़ा था।

नाना साहब के रूप में इंदिरा गांधी के पहले से प्रस्तावित पिछले जीवन की समानता स्टैंटन के गुलामी के अंत के समर्थन में भी देखी जा सकती है जो एक स्वतंत्र भारत बनाने के प्रयासों के अनुरूप है। नाना के समय में, उत्पीड़क अंग्रेज थे, जबकि गृहयुद्ध में, गुलाम मालिक उत्पीड़क थे। इस शक्ति का उपयोग करने के संकल्प का स्वभाव नाना साहब में भी मिलता है।

इस बिंदु पर, मैं उस अवलोकन पर जोर देना चाहूंगा हमारी कार्यप्रणाली आम तौर पर एक जीवन से दूसरे जीवन में नहीं बदलती है। पिकासो के पुनर्जन्म जैसे चित्र, लॉरेल और हार्डी के पुनर्जन्म को आज भी लोगों को हंसाने में आनंद आता है। इसी प्रकार, राज्य सत्ता के क्षेत्र में काम करने वाली आत्माएं वापस आकर इन भूमिकाओं में काम करना पसंद करती हैं। हालाँकि, हमें यह समझना चाहिए कि कर्म का चक्र भी हिंसा से संचालित होता है, हिंसा का परिणाम केवल हिंसा ही होता है और जो तलवार से जीता है वह भी तलवार से ही मरेगा। दीर्घकालिक, एक-दूसरे के साथ युद्ध करना किसी के भी दीर्घकालिक लक्ष्य में नहीं है। सबसे ज्यादा हिंसा यहीं से आती है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जीवन कैसे चलता है इसकी अज्ञानता और यह राष्ट्रीयता, नस्ल और नस्ल के संदर्भ में कथित मतभेदों पर आधारित है। ऐनी फ्रैंक जैसे मामले/
बार्ब्रो कार्लेन और इस पुस्तक में शामिल कई अन्य लोग दर्शाते हैं कि हम इन रिश्तों को जीवन-दर-जीवन बदल सकते हैं। साक्ष्य या पुनर्जन्म के अस्तित्व द्वारा लाए गए इस ज्ञान के साथ, आइए हम हिंसा के इस चक्र को समाप्त करें।

यदि ये मामले वैध हैं, तो एडविन स्टैंटन/इंदिरा गांधी, मैरी ऐनी होम्स बूथ/तेजी बच्चन, हरिवंशराय श्रीवास्तव बच्चन/जूनियस ब्रूटस बूथ, और एडविन बूथ/ क्यों थे?

भारत लौटेंगे अमिताभ बच्चन? मेरा मानना है कि गृहयुद्ध के दौरान इन आत्माओं के बीच कर्म बंधन बने थे। बूथ उस समय शेक्सपियर के मुख्य अभिनेता थे और स्टैंटन इस भावनात्मक समय में सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक हस्तियों में से एक थे।

यह स्टैंटन को था कि एडविन बूथ ने अपनी मां की ओर से जॉन के शरीर को वापस करने के लिए लिखा था। इस भौतिक संसार में, हम आलोचनात्मक और क्षमा न करने वाले होते हैं। आध्यात्मिक जगत में, मेरा मानना है कि क्षमा और मेल-मिलाप की जीत होती है।

जीवन के दौरान उत्पन्न भावनाओं के बीज के विरुद्ध, भविष्य के अवतारों के एक समूह के लिए नियति का एक जटिल जाल उभरेगा।

वैसे, खूबसूरत लुसी हेल, जिन्हें जॉन विल्क्स बूथ से प्यार हो गया था और उनकी मृत्यु से कुछ महीने पहले ही उनकी सगाई हुई थी, वर्तमान में उनकी पहचान स्वर्गीय राजीव गांधी की पत्नी सोनिया गांधी के रूप में की गई है। सोनिया के बेटे राहुल गांधी को लुसी के पिता, न्यू हैम्पशायर एबोलिशनिस्ट सीनेटर जॉन पी. हेल के पुनर्जन्म के रूप में पुष्टि की गई है।

आज के फिल्मी दिग्गजों के साथ अमिताभ बच्चन का एक अंतिम पुनर्जन्म संबंध है, जो एडविन बूथ के जीवनकाल से जुड़ा है। इसमें अब्राहम और मैरी लिंकन के बेटे रॉबर्ट टॉड लिंकन शामिल थे। यह घटना लिंकन की हत्या से पहले 1863 या 1864 में घटी थी। रॉबर्ट टॉड लिंकन एक ट्रेन के बगल वाले प्लेटफार्म पर खड़े थे।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जब ट्रेन अचानक चलने लगी तो रॉबर्ट का संतुलन बिगड़ गया और वह प्लेटफॉर्म से नीचे गिर गया। अचानक, उसकी शर्ट का कॉलर पकड़ लिया गया और तब तक खींचा गया जब तक वह बच नहीं गया।

मददगार एडविन बूथ थे, जिन्हें रॉबर्ट ने तुरंत पहचान लिया और उन्हें धन्यवाद दिया।

अमिताभ बच्चन के पिछले जीवन पर शोध शुरू करने से एक या दो साल पहले, केविन रायर्सन के साथ मेरे सहयोग के दौरान, रॉबर्ट टॉड लिंकन के पुनर्जन्म के बारे में मुझे पता चला था। मैंने अहतुन रे से हॉलीवुड निर्देशक स्टीवन स्पीलबर्ग के पिछले जीवन के बारे में पूछा, और अहतुन रे ने कहा कि स्पीलबर्ग अब्राहम लिंकन के सबसे बड़े बेटे, रॉबर्ट टॉड थे। इससे मुझे आश्चर्य हुआ. बाद में मैंने रॉबर्ट टॉड लिंकन और स्टीवन स्पीलबर्ग के बीच मजबूत समानता देखी। हालाँकि इस मैच ने मुझे पहले तो आश्चर्यचकित कर दिया, लेकिन आगे विचार करने पर यह समझ में आया। लिंकन को थिएटर बहुत पसंद था और आज जनता की चेतना को प्रभावित करने का सिनेमा से बेहतर तरीका क्या हो सकता है? स्पीलबर्ग द्वारा बनाई गई सभी सामाजिक रूप से सार्थक फिल्मों के बारे में सोचें।

आगे के शोध और केविन के साथ अतिरिक्त सत्रों के साथ रायर्सन के अनुसार, यह पता चला कि लिंकन के चार बेटे पुनर्जन्म ले चुके थे और हॉलीवुड में सक्रिय थे। दरअसल, मैंने सुना है कि इनमें से दो बेटे लिंकन के बारे में एक फिल्म बनाने पर विचार कर रहे थे।

लिंकन की पत्नी मैरी लिंकन आधुनिक जीवन में खुद एक वकील बन गई हैं और फिल्म निर्माण उद्योग में उनकी भूमिका रही है। ईमानदार इब्राहीम/अबे भी प्रकट हुए

हमारे साथ वापस आओ.

1893 में एडविन बूथ की मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु के बाद, जोसेफ जेफरसन ग्रामरसी पार्क में प्लेयर्स क्लब के दूसरे अध्यक्ष बने। 1905 में जेफरसन की मृत्यु हो गई।

लौरा कीन की आत्मा दूसरी ओर एडविन और जोसेफ की प्रतीक्षा कर रही थी, जब 1873 में उनकी मृत्यु हो गई। हम जानते हैं कि ये आत्माएं नई जगहों पर प्रकट हुई हैं। अब पर्दा बंद हो जाएगा, क्योंकि कहानी ख़त्म हो गई है।

Machine Translated by Google

एवर्ट जेन्सन वेन्डेल संग्रह,
हार्वर्ड थियेटर संग्रह,
ह्यूटन लाइब्रेरी

© सुचेता दास/रॉयटर्स/कॉर्बिस

एडविन बूथ — अमिताभ बच्चन

एडविन बूथ विक्टोरियन युग के महानतम शेक्सपियर अभिनेताओं में से एक बन गए। यंग बूथ और बच्चन में गहरी समानता थी। बच्चन को शेक्सपियरियन शैली का एक प्रतिभाशाली अभिनेता बताया गया है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

हार्वर्ड थियेटर संग्रह,
ह्यूटन लाइब्रेरी

मैकमिलियन इंडिया लिमिटेड

मैरी मैकविकर्स

जया बच्चन

एडविन बूथ की मुलाकात मैरी मैकविकर्स से तब हुई जब वह अपने पिता के थिएटर में प्रदर्शन कर रहे थे। एडविन और मैरी ने "रोमियो एंड जूलियट" में मुख्य भूमिकाएँ निभाईं, उन्हें एक-दूसरे से प्यार हो गया और बाद में उन्होंने शादी कर ली।

मैरी का पुनर्जन्म जया बच्चन के रूप में हुआ है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

एवर्ट जेन्सन वेन्डेल संग्रह,
हार्वर्ड थियेटर संग्रह,
ह्यूटन लाइब्रेरी

मैरी डेवलिन बूथ

रेखा

एडविन बूथ की पहली पत्नी मैरी डेवलिन एक अभिनेत्री थीं, जिनसे उनकी मुलाकात तब हुई थी जब उनकी जोड़ी "रोमियो एंड जूलियट" में मुख्य भूमिका में थी। शादी के दो साल बाद मैरी डेवलिन की मृत्यु हो गई।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

© कॉर्बिस

एडविन स्टैंटन

© बेटमैन/कॉर्बिस

इंदिरा गांधी

अहतुन रे के अनुसार, इंदिरा गांधी गृह युद्ध के दौरान लिंकन के युद्ध सचिव एडविन स्टैंटन थे।

एडविन के भाई, जॉन विल्क्स बूथ द्वारा लिंकन को गोली मारने के बाद, एडविन स्टैंटन ने कार्यभार संभाला।

जेडब्ल्यू बूथ के मारे जाने के बाद, स्टैंटन ने उसका शव बरामद किया।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

हेल हाउस संग्रहालय
वुडमैन इंस्टीट्यूट, डोवर
न्यू हैम्पशायर

© बेटमैन/कॉर्बिस

लूसी हेल

सोनिया गांधी

लिंकन की हत्या करने से कुछ महीने पहले लुसी हेल की मुलाकात जेडब्ल्यू बूथ से हुई थी और उसकी सगाई भी हो चुकी थी।

उनके पिता, लुसी पी. हेल, गुलामी के उन्मूलन के लिए लड़ने वाले एक अमेरिकी सीनेटर और लिंकन के समर्थक थे। जॉन पी. हेल का पुनर्जन्म सोनिया गांधी के बेटे राहुल गांधी के रूप में हुआ है।

Machine Translated by Google

23

शिव बाबा और उनका पिछला जीवन

अगस्त्यर और वल्लालर के रूप में;

एडवर्ड डी वेरे के पुनर्जन्म के साथ और

विलियम शेक्सपियर

योग एकता प्राप्त करने का विज्ञान है
दिव्यता या ईश्वर के साथ व्यक्तिगत आत्मा। योग शब्द संस्कृत से आया है जिसका अर्थ है "जोड़ना" या "एकजुट होना"। पश्चिम में बहुत से लोग सोचते हैं कि योग शारीरिक व्यायाम और आसन की एक श्रृंखला है, जो योग का सिर्फ एक अनुशासन है जिसे हठ योग कहा जाता है।

सही मायने में योग का तात्पर्य ईश्वर के साथ एकता की जागरूकता से है। ऐसे संतों की एक वंशावली है जो इस दुनिया में योग, क्रिया योग का एक रूप लाए, जिसकी उत्पत्ति भारत के तमिलनाडु नामक क्षेत्र में हुई, जो बंगाल की खाड़ी पर स्थित है और श्रीलंका के द्वीप राष्ट्र के पास है।

परंपरा कहती है कि पहले संतों या "सिद्धों" में से एक थे
अगस्त्यर, जिन्होंने बाद में बाबाजी को दीक्षा दी, जिन्हें सबसे महान क्रिया योग संत माना जाता है। बाबाजी का जन्म भारत के तमिल क्षेत्र में वर्ष 203 ईस्वी में हुआ था और उनकी शिक्षाएँ पूरे समय में फैली हुई हैं।

अगस्त्यर और बाबाजी के अलावा, 16 अन्य संत हैं जिन्होंने क्रिया योग में निहित सभी ज्ञान में योगदान दिया।
हाल ही में, बाबाजी की शिक्षाओं और क्रिया योग के विज्ञान को परमहंस योगानंद द्वारा लोकप्रिय बनाया गया है, जिन्होंने योगी की आत्मकथा लिखी और सेल्फ रियलाइजेशन फेलोशिप की स्थापना की।

आज, तमिल के जीवित संत या सिद्ध हैं
भारत के जिन क्षेत्रों के लिए पश्चिम की यात्रा भी की है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

क्रिया योग के ज्ञान को साझा करें, जो परमात्मा के साथ एकता प्राप्त करने का विज्ञान है। इस सिद्ध का नाम शिव बाबा है, इन्हें श्री शिव, श्री गुरुजी, गुरुजी और ब्रज़ी के नाम से भी जाना जाता है। शिव बाबा डॉ. वेन डायर के आध्यात्मिक शिक्षक हैं, जिनकी पुस्तक, मेनिफेस्ट योर डेस्टिनी, शिव बाबा की शिक्षाओं पर आधारित है।

वास्तव में, डॉ. डायर ने यह पुस्तक बाबा को "गुरुजी" (महान शिक्षक) के रूप में समर्पित की थी।

निम्नलिखित समीक्षा में, शिव बाबा के कुछ पिछले जीवन पर चर्चा की जाएगी। शिव बाबा ने स्वयं इन पिछले जीवन की पहचानों को स्वीकार किया।

बाबा के संबंध में पुनर्जन्म के मामलों की पुष्टि अहतुन रे ने भी की है। मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि शिव बाबा ने मेरे शोध का समर्थन किया और उन्होंने पुष्टि की है कि मैं जॉन एडम्स का पुनर्जन्म हूं। हम इस विश्वास को साझा करते हैं कि पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य विश्व शांति बनाने में मदद कर सकते हैं।

वास्तव में, शिव बाबा ने कलियुग की घोषणा की है अंधकार का युग समाप्त हो गया है और चमत्कारों का युग, या सत्य का युग आ गया है। मेरा मानना है कि पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य, जो अब दुनिया में सामने आ रहे हैं, सत्य के इस नए युग को लाने में मदद करेंगे। आइए अब हम अगस्त्यर और रामलिंगम, जिन्हें वल्लालर के नाम से भी जाना जाता है, के रूप में शिव बाबा के पिछले जीवन पर चर्चा करें।

अगस्त्यर/शिव बाबा

परंपरा यह है कि अगस्त्य ने तिब्बती हिमालय में कैलाश पर्वत पर भगवान शिव, भगवान के एक पहलू, से अपनी दीक्षा प्राप्त की। जैसा कि यह महत्वपूर्ण है, अहतुन रे ने यह भी पुष्टि की कि शिव बाबा वर्तमान में भगवान शिव के रूप में जाने जाने वाले भगवान के इस पहलू के साथ अपनी चेतना को एकजुट करने की प्रक्रिया में हैं। इसके बाद अगस्त्य ने कैलाश पर्वत से दक्षिण भारत के तमिल क्षेत्र की यात्रा की।

तमिल के कोर्ट्रलम शहर में, अगस्त्यर ने बाबाजी को दीक्षा दी, जिनका जन्म वर्ष, हम ध्यान दें, 203 ईस्वी है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अगस्त्यर को भारत के सबसे प्रसिद्ध संतों में से एक माना जाता है। वह एक गतिशील व्यक्ति हैं.

अपनी पुस्तक, बाबाजी और 18 सिद्ध योगी परंपरा में, एम. गोविंदन बताते हैं कि अगस्त्यर, "हालांकि ऊंचाई 5 फीट से कम थी, ... एक प्रसिद्ध सेनानी, शिकारी और तीरंदाज था, जिसने अपने बर्बर दुश्मनों पर विजय प्राप्त की, और प्राचीन में हरक्यूलिस की तरह खाने-पीने के मामले में ग्रीस का कोई मुकाबला नहीं था।"

अगस्त्य के जीवन का वर्णन महाकाव्य महाभारत में किया गया है। शिव बाबा अगस्त्यर से इस मायने में भिन्न थे कि वे अब महान शिकारी, खाने वाले या पीने वाले नहीं थे।

दूसरी ओर, समस्त जीवन के प्रति प्रेम उनका सबसे बड़ा गुण है। हालाँकि, अगस्त्यर और शिव बाबा के बीच कुछ दिलचस्प समानताएँ हैं। आइए इसकी जांच करें
बाहर।

भाषा/साहित्य में रुचि

अगस्त्यर को तमिल भाषा का जनक माना जाता है, जिसे तमिल व्याकरण पर उनके काम में दिखाया गया है, जिसमें भाषा के सिद्धांतों पर 12,000 कथन हैं।

शिव बाबा, जिनका धर्मनिरपेक्ष नाम भास्करन पिल्लई है, ने अपनी औपचारिक शिक्षा भारत के मदुरै विश्वविद्यालय में प्राप्त की, जहाँ वे एक रिसर्च फेलो थे और अंग्रेजी साहित्य में मास्टर डिग्री हासिल की, साथ ही तुलनात्मक साहित्य में मास्टर ऑफ लेटर्स की डिग्री भी हासिल की।

प्राचीन इतिहास, धर्म का इतिहास, धर्मशास्त्र, आदि में रुचि
ध्यान

अगस्त्यर ने कैंडा पूरनम लिखा, जो प्राचीन इतिहास पर एक कृति है जिसमें 1,000 से अधिक छंद हैं। उन्होंने धर्म और धर्मशास्त्र पर कई किताबें भी लिखीं, जिनमें कैलिकियानम,

पूर्णा सूस्त्रु, और अगस्त्यार डुंडाकुम नूरू। अगस्त्य ध्यान में भी निपुण थे और जैसा कि वर्णित है, उन्हें कैलाश पर्वत पर ज्ञान प्राप्त हुआ था
तिब्बती पर्वतों में.

शिव बाबा ने अपनी पीएच.डी. प्राप्त की। विश्वविद्यालय में धार्मिक अध्ययन में
पिट्सबर्ग. फिर वह समन्वयक के रूप में कार्य करता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

एशियाई अध्ययन कार्यक्रम के अंतर्गत भारतीय अध्ययन, और बौद्ध ध्यान सिखाता है। शिव बाबा को संयुक्त राष्ट्र में विश्व धर्म सम्मेलन में हिंदू धर्म पर एक वक्ता के रूप में भी आमंत्रित किया गया था और उन्होंने हिंदू धर्म विश्वकोश के संपादक के रूप में भी काम किया था।

शिव बाबा एक ध्यान गुरु हैं और उन्होंने आत्मज्ञान प्राप्त कर लिया है।

धार्मिक समारोहों और अनुष्ठानों में रुचि

अगस्त्यर ने दीक्षावेदी लिखी, जो तंत्र-मंत्र, जादू और प्रार्थना माला के उपयोग से संबंधित एक कृति है।

शिव बाबा अपने छात्रों को "असाधारण रूप से सुंदर जीवन जीने" की चुनौती देते हैं, और उन्हें अपनी इच्छाओं को पूरा करना सिखाते हैं।
बेशक, यह प्रक्रिया वेन डायर की पुस्तक, मेनिफेस्ट योर डेस्टिनी में पूरे संदेश में सन्निहित है, जिसे उन्होंने बाबा को समर्पित किया है। शिव बाबा को विभिन्न प्रकार के अनुष्ठानों में रुचि है।

मुझे हाल ही में एक वैज्ञानिक एहसास हुआ कि अनुष्ठान कैसे काम कर सकते हैं। बड़ी संख्या में शोध अध्ययनों के मेटा-विश्लेषणों ने लोगों की यादृच्छिक संख्या पीढ़ी के परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता का प्रदर्शन किया है। दूसरे शब्दों में, जब लोग अपना ध्यान यादृच्छिक संख्या जनरेटर मशीनों पर केंद्रित करते हैं और यह प्रभावित करने का प्रयास करते हैं कि क्या ये मशीनें अधिक 1 या 0 उत्पन्न करती हैं, तो यह वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो गया है कि लोग वास्तव में इस यांत्रिक और विद्युत प्रक्रिया के परिणाम को प्रभावित कर सकते हैं। इन प्रयोगों से पता चलता है कि इच्छाशक्ति वास्तव में भौतिक दुनिया को प्रभावित कर सकती है। इस प्रकाश में, हम अनुष्ठान को एक शारीरिक गतिविधि के रूप में देख सकते हैं जो वांछित परिणाम प्राप्त करने के उद्देश्य से इच्छाशक्ति को ठोस तरीके से केंद्रित करता है।

चिकित्सा, औषध विज्ञान और वनस्पति विज्ञान में रुचि

अगस्त्यर ने चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, फार्मेसी और विभिन्न रोगों के उपचार में पौधों और जड़ी-बूटियों के उपयोग पर कई किताबें लिखीं।
इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि उन्हें हिप्पोक्रेट्स माना जाता है
तमिल क्षेत्र.

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

पिछले दो दशकों से, शिव बाबा उपचार के लिए औषधीय पौधों के अनुसंधान और उपयोग में शामिल रहे हैं, और एक वेबसाइट के माध्यम से दुनिया भर में सभी औषधीय पौधों को उपलब्ध कराने की योजना बना रहे हैं, जिसे वह प्रबंधित करेंगे। बाबा ने सिद्ध चिकित्सा पर कई सम्मेलनों को प्रायोजित किया है

और वह एड्स पीड़ितों को बेहतर स्वास्थ्य का आनंद लेने में मदद करने के लिए सेमिनार आयोजित करता है।

विज्ञान में रुचि

अगस्त्यर ने चिकित्सा, रसायन विज्ञान और खगोल विज्ञान सहित विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर सैकड़ों किताबें लिखीं।

शिव बाबा की सबसे प्रसिद्ध आकांक्षाओं में से एक आध्यात्मिकता और विज्ञान को जोड़ना है। उन्हें न्यूरोसाइकोलॉजी में प्रशिक्षित किया गया है, जिसका उपयोग वे योगी और तांत्रिक ज्ञान की व्याख्या करने के लिए करते हैं क्योंकि यह मनोविज्ञान से मन और शरीर के बीच एक कड़ी के रूप में संबंधित है। जिस प्रकार अगस्त्य की रुचि खगोल विज्ञान में थी, उसी प्रकार बाबा वैदिक ज्योतिष के विशेषज्ञ थे। शिव बाबा ने कई विश्वविद्यालय सम्मेलनों में भाग लिया है और उन्हें नोबेल पुरस्कार विजेताओं के साथ पैनल चर्चा में शामिल किया गया है, जिसमें प्रिंसटन के यूजीन विग्नर भी शामिल हैं, जिन्होंने भौतिकी में नोबेल पुरस्कार जीता था।

नेतृत्व गुणवत्ता समानताएँ

अगस्त्यर भारत में तमिलों के एक क्षेत्रीय नेता थे और उन्हें एक बहादुर योद्धा के रूप में वर्णित किया गया था, जिन्होंने आक्रमणकारियों से अपने लोगों की रक्षा की थी। उन्हें पहला तमिल सिद्ध भी माना जाता है, जिन्होंने क्रिया योग परंपरा की स्थापना में मदद की।

अपने आध्यात्मिक पहलू के अलावा, शिव बाबा व्यवसाय विकास और नेतृत्व कौशल पर अग्रणी उद्योग मालिकों के सलाहकार के रूप में भी कार्य करते हैं।

वह न्यूयॉर्क शहर में एक कंप्यूटर कंपनी के प्रमुख हैं और उन्होंने त्रिपुत्र फाउंडेशन की स्थापना की है, जिसका मिशन दुनिया भर में भूख मिटाने में मदद करना है। वर्तमान में, त्रिपुत्र फाउंडेशन भारत में हर दिन 1,500 लोगों को खाना खिलाता है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

कुल मिलाकर, हम देख सकते हैं कि अगस्त्यर और शिव बाबा बहुत कुछ साझा करते हैं समान लक्षण. हालाँकि अगस्त्यर की सटीक छवियां उपलब्ध नहीं हैं, अहतुन रे द्वारा शिव बाबा को अगस्त्यर के पुनर्जन्म के रूप में पुष्टि की गई है।

रामलिंगम/वल्लालर

आइए अब हम रामलिंगम, जिन्हें वल्लालर के नाम से भी जाना जाता है, के शिव बाबा के एक और बहुत ही दिलचस्प पिछले जीवन की जाँच करें।

रामलिंगम दक्षिण भारत में सबसे लोकप्रिय सिद्धों में से एक हैं। उनमें दैवीय परिवर्तन हुआ और उन्होंने इस उपलब्धि का वर्णन करते हुए 40,000 छंद लिखे। हर दिन लाखों स्कूली बच्चे रामलिंगम की लिखी कविताएँ गाते हैं।

रामलिंगम का जन्म 5 अक्टूबर, 1823 को तमिल गांव मारुदुर में हुआ था। उनके परिवार का नाम पिल्लई है। 5 महीने की उम्र में, रामलिंगम को शुद्धिकरण के लिए एक हिंदू मंदिर में ले जाया गया।

समारोह के दौरान, मंदिर में पवित्रता का माहौल इतना उज्ज्वल हो गया कि मुख्य पुजारी रामलिंगम के पास भागे और घोषणा की कि वह भगवान की संतान हैं।

रामलिंगम एक प्रतिभाशाली बालक थे और 5 वर्ष की उम्र में उन्होंने एक शिक्षक से कुछ शिक्षा प्राप्त करने के बाद, उन्होंने ईश्वर की स्तुति करते हुए आनंददायक कविताएँ लिखना शुरू कर दिया।
नौ साल की उम्र में, 9 पिल्लई स्ट्रीट, मद्रास, भारत में अपने पारिवारिक घर में, रामलिंगम ने स्टेशनरी एकत्र की और खुद को अपने कमरे में बंद कर लिया। बाद में उन्होंने वह लिखा जिसे "स्तोत्र और भजनों की लहर" के रूप में जाना जाता है।

12 साल की उम्र में उनके भाई, जो एक धार्मिक शिक्षक हैं, ने पूछा बीमारी के कारण रामलिंगम उनकी जगह लेंगे।
मण्डली इस छोटे लड़के की शिक्षा से इतनी प्रभावित हुई कि उन्होंने व्याख्यान की श्रृंखला को पूरा करने के लिए रामलिंगम को चुना।
अपने विकास के वर्षों के दौरान, उन्होंने "पवित्र अनुग्रह के अवतरण" की लालसा करते हुए कविताएँ लिखना जारी रखा।

1846 में जब रामलिंगम 26 वर्ष के हुए, तब तक उन्होंने छात्रों को आकर्षित करना शुरू कर दिया था। उस समय वेलायुथा मुदालियर नाम का एक छात्र शिष्य बन गया

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

प्रिंसिपल, जिसने अगले 25 वर्षों तक रामलिंगम के जीवन का दस्तावेजीकरण किया।

1860 में, 37 वर्ष की आयु में, रामलिंगम वडालुर चले गये गाँव और गरीबों को खाना खिलाने के लिए घर बनाया। 3 दिन तक चले इसके उद्घाटन समारोह में करीब 10,000 लोगों को खाना खिलाया गया. रामलिंगम सभी प्राणियों के प्रति दया सिखाते हैं, जानवरों की हत्या की निंदा करते हैं और कई लोगों को शाकाहार में परिवर्तित करते हैं।

रामलिंगम ने अपने कई आध्यात्मिक छंदों की रचना रात में की। उनके मुख्य शिष्य, वेलायुथा मुदालियर, भगवान के लिए अपनी कविताओं को प्रकाशित करने के लिए रामलिंगम से आशीर्वाद मांगने में कामयाब रहे, जो 1867 में द डिवाइन सॉन्ग ऑफ ग्रेस शीर्षक के तहत प्रकाशित हुए थे।
काव्यात्मक रूप में लिखे गए दिव्य गीत में, रामलिंगम ईश्वर और आत्मा के गुणों के साथ-साथ उनके द्वारा किए गए आध्यात्मिक परिवर्तनों का भी वर्णन करते हैं।

क्योंकि रामलिंगम आध्यात्मिक रूप से विकसित हो गए हैं, उनके भौतिक शरीर का रंग सुनहरा है, क्योंकि उन्होंने "प्रेम का शरीर" विकसित कर लिया है। जैसे-जैसे उन्होंने ईश्वर की स्तुति करना जारी रखा, तब उन्होंने "प्रकाश का शरीर" विकसित किया। इस बिंदु पर, उसके भौतिक शरीर को अब स्पर्श से महसूस नहीं किया जा सकता था और इसके अलावा, प्रकाश के इस शरीर की कोई छाया नहीं थी। इस परिवर्तन के साथ, रामलिंगम भगवान के साथ एक हो गए हैं।

न केवल रामलिंगम का हल्का शरीर स्पर्श करने योग्य नहीं है, इसे फोटोग्राफ द्वारा भी कैद नहीं किया गया है। रामलिंगम के शिष्यों ने रामलिंगम की आकृति और उनके हल्के शरीर को कैद करने के लिए मद्रास के एक प्रसिद्ध फोटोग्राफर, मैसिलमनी मुदालियर को बुलाया था। मासिलामनी मुदालियर ने 8 अलग-अलग मौकों पर रामलिंगम की तस्वीर लेने की कोशिश की, लेकिन तस्वीरों में केवल रामलिंगम के कपड़े ही दिखे। उनका शव कैमरे में कैद नहीं हुआ. इस अवधि के दौरान, रामलिंगम ने अपनी टेलीपैथिक, चमत्कारी और उपचार क्षमताओं का प्रदर्शन किया।

1870 में, रामलिंगम वडालुर से तीन मील दक्षिण में मेट्टुकुप्पम नामक शहर में एक छोटी सी झोपड़ी में रहने चले गये। यह कुटिया आज भी विद्यमान है। मेट्टुकुप्पम में, रामलिंगम ने अपने शिष्यों को एक मंदिर बनाने का आदेश दिया, जिसके केंद्र में एक वर्ग था

Machine Translated by Google

1.5 मीटर ऊँचा कांच, जिसमें आग जल रही हो। बॉक्स आत्मा का प्रतिनिधित्व करता है, जो ईश्वर या प्रेम के सर्वोच्च प्रकाश के साथ एक है।

इस अवधि के दौरान, रामलिंगम ने बारी-बारी से एकांत में समय बिताया या "सार्वभौमिक आध्यात्मिक सभाओं" में व्याख्यान दिया, जैसा कि एम. गोविंदम ने बाबाजी और 18 सिद्ध क्रिया योग परंपरा में वर्णित किया है। थियोसोफिकल सोसायटी की संस्थापक मेरी मैडम एचपी ब्लावट्स इसी दौरान पहली बार रामलिंगम से परिचित हुईं और उनसे इतनी प्रभावित हुईं कि उन्होंने लिखा कि रामलिंगम थियोसोफिकल सोसायटी के नेता के लिए एक मजबूत उम्मीदवार थे।

30 जनवरी, 1874 को, 50 वर्ष की आयु में, रामलिंगम ने ईश्वर में विलीन होने और भौतिक क्षेत्र छोड़ने का निर्णय लिया। उन्होंने अपने शिष्यों को एक बयान लिखा, "प्रिय शिष्यों, मैं कुछ समय के लिए आपकी दृष्टि से दूर रहूँगा...
मैं अब इस शरीर में हूं और कुछ ही क्षणों में मैं उनके बनाए सभी शरीरों में प्रवेश कर जाऊंगा।

दरवाज़ा बंद कर दो और बाहर से ताला लगा दो। वह कमरा, अगर खोला गया, तो खाली होगा।

रामलिंगम ने मेट्टुकुप्पम में अपनी झोपड़ी के कमरे में प्रवेश किया
फिर दरवाज़ा बंद कर दिया गया. उनके शिष्य झोपड़ी में ही रहे, लेकिन उस कमरे के बाहर जहां रामलिंगम एकांतवास में थे। उस देर रात, जब उनके शिष्य पाठ कर रहे थे, "सर्वोच्च प्रकाश का प्यार, हमारे पास आओ", एक चमत्कार हुआ। एम. गोविंदन ने घटना का जिक्र करते हुए कहा, "अचानक, रामलिंगम के कमरे से बैंगनी रोशनी की एक चमक निकली, जो रामलिंगम के "उनके सभी निर्मित निकायों" में एकीकरण का संकेत दे रही थी।

क्योंकि, बाद में जब कमरा खोला गया तो वह खाली निकला।
रामलिंगम बिना किसी सुराग के गायब हो गए हैं।"

रामलिंगम के लापता होने की पुलिस रिपोर्ट मिलने के बाद, ब्रिटिश औपनिवेशिक अधिकारियों ने गहन जांच की। ग्रामीणों से पूछताछ की गई और अधिकारियों द्वारा झोपड़ी का सावधानीपूर्वक निरीक्षण किया गया। एम।

गोविंदन ने लिखा, "अपने संदेह का समर्थन करने के लिए कोई सबूत नहीं मिलने पर, उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि रामलिंगम एक महान आत्मा थे जो खाली हवा में गायब हो गए थे।" 1878 में प्रकाशित आधिकारिक पुस्तक में रामलिंगम के लापता होने का मामला दर्ज किया गया था

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

इंग्लैंड, दक्षिण आरकोट जिले का मैनुअल।

रामलिंगम ने अपने परिवर्तनों और लेखन के कई वृत्तांत छोड़े। वह बताते हैं कि तमिल संत मणिकावाकर ने अपनी उपलब्धि हासिल की थी 7वीं शताब्दी ई. में, अपने सामने एक हल्के शरीर में परिवर्तन।

ध्यान देने योग्य बात यह है कि शिव बाबा यह भी कहते हैं कि वह मणिकावकाकर का पुनर्जन्म हैं, जो पिछले जीवन की पहचान है, जिसकी पुष्टि अहतुन रे ने भी की है। अपने व्याख्यानों में, बाबा कहते हैं कि उन्हें याद है कि प्रकाश में कैसे परिवर्तित होना है, जैसा कि उन्होंने तब किया था जब वे मणिकावाकर और रामलिंगम बने थे।

अगस्त्यर, रामलिंगम और शिव बाबा के समान लक्षण

आइए अब हम शिव बाबा की जीवन श्रृंखला में देखे गए सामान्य पैटर्न, साथ ही इन मामलों में दर्शाए गए पुनर्जन्म के सिद्धांतों की जांच करें।

बाल जादू और पुनर्जन्म, प्रारंभिक आयु से आध्यात्मिक अध्ययन

सबसे पहले, हम देखते हैं कि पुनर्जन्म की व्याख्या में बाल विलक्षणता की घटना, जिसकी चर्चा पिछले अध्यायों में की गई है, को कैसे समझा जा सकता है। रामलिंगम जब केवल 5 महीने के थे, तब उन्हें एक हिंदू पुजारी ने भगवान के बच्चे के रूप में पहचान लिया था। रामलिंगम ने 6 साल की उम्र में भगवान के लिए छंद लिखना शुरू कर दिया था और 12 साल की उम्र में मण्डली को धर्म सिखाने में सक्षम थे। बचपन से रामलिंगम की आध्यात्मिक प्रतिभा को उनके पिछले जीवन में अगस्त्यर और मणिकावाकर के रूप में ध्यान की महारत के प्रतिबिंब के रूप में देखा जा सकता है। .

इस वर्तमान जीवन में, शिव बाबा ने वही प्रवृत्तियाँ दिखाई हैं। के तौर पर बालक, उन्होंने अपना अधिकांश समय मंदिर के अंदर, रामेश्वरम द्वीप पर बिताया, जहाँ वे बड़े हुए थे। शिव बाबा का उपनाम पिल्लई, रामलिंगम के समान ही है। रामलिंगम की तरह, शिव बाबा भी बहुत कम उम्र से आध्यात्मिक अध्ययन में डूबे रहे, उन्होंने ज्ञान प्राप्त किया और कई लोगों के शिक्षक रहे।

Machine Translated by Google

नींद की कम जरूरत, रात में काम

रामलिंगम सोने के बजाय रात में भगवान के लिए अपने छंद लिखना पसंद करते थे।

शिव बाबा को अपनी आध्यात्मिक गतिविधियाँ रात में भी करना पसंद है बताते हैं कि उन्हें अक्सर कई-कई दिनों तक नींद नहीं आती।

गरीबों को खाना खिलाना

रामलिंगम ने गरीबों को खाना खिलाने के लिए एक घर बनाया और इसके उद्घाटन के समय 10,000 लोगों को 3 दिनों तक खाना खिलाया गया।

इसी तरह, बाबा श्री शिव ने त्रिपुत्र फाउंडेशन की स्थापना की है, जो भारत में हर दिन 1,500 लोगों को खाना खिलाती है।

हल्का शारीरिक विकास

रामलिंगम ने प्रकाश का शरीर विकसित कर लिया था, जैसा कि उन्होंने अपने पिछले जीवन में मणिकावाकर के रूप में किया था।

शिव बाबा कहते हैं कि उन्हें याद है कि यह परिवर्तन कैसे करना है।

हालाँकि, हममें से अधिकांश की उपलब्धियाँ इतनी महान नहीं हैं, शिव बाबा की मणिकावाकर और रामलिंगम जैसे अपने जीवनकाल में प्रकाश के पिंड बनाने की क्षमता एक ऐसी घटना का प्रतिनिधित्व करती है जो हम सभी पर लागू होती है। अर्थात्, पूरे अवतार में, हम समान शक्तियों, प्रतिभाओं और कमजोरियों का प्रदर्शन करते हैं; हम ऊर्जाओं की एक सुसंगत श्रृंखला प्रतीत होते हैं।

जब हमें आत्मा के रूप में बनाया गया था, तो ऐसा लगता था मानो हमें एक रंग दिया गया था, जिसके द्वारा हमें कुछ गुण दिए गए थे, जो कई जन्मों तक बने रहे। यदि कोई अत्यंत आक्रामक ऊर्जा से युक्त है, जिसका प्रतीक संभवतः लाल रंग है, जबकि उच्च बुद्धि का प्रतीक पीला रंग है, तो हम

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

कई अवतारों में बौद्धिक रूप से आक्रामक होने की प्रवृत्ति होगी। यदि हम प्रचुर मात्रा में भावनाओं के साथ निर्मित हुए हैं, जिसका प्रतीक नीला रंग है, तो हम बाद के कई जन्मों में संवेदनशील और प्रेमपूर्ण रहेंगे।

यदि कोई व्यक्ति ऊर्जा के एक पैटर्न या विशिष्टता के साथ बनाया गया है जो अनुकूल है ईश्वर के साथ मिलन के लिए, तो वह व्यक्ति कई जन्मों में एक रहस्यवादी, पुजारी या शिक्षक बन जाएगा। बाद के जीवनकालों के दौरान, हम अपने मूल या अद्वितीय ऊर्जा स्पेक्ट्रम का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करना सीखकर प्रगति करते हैं।

इसके अलावा, एक अत्यधिक विकसित आत्मा के रूप में, मैं सुझाव देना चाहूंगा कि शिव बाबा के पास ऊर्जाओं का एक स्पेक्ट्रम है जो सृजन के रहस्यों का अनुभव करने और इस जीवन और पिछले जीवन दोनों में प्रकाश से शरीर बनाने की उनकी क्षमता में सहायता करता है। रामलिंगम का प्रकाश में परिवर्तन

दो पुस्तकों में गहराई से शोध और दस्तावेजीकरण किया गया है

आर तुलसीराम द्वारा लिखित, अरुत पेरुम जोथी और डेथलेस बॉडी शीर्षक से, मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित। 1980 में प्रकाशित इन दोनों पुस्तकों में 1800 हैं

पन्ने.

शिव बाबा ने मुझे ये दो दुर्लभ पुस्तकें दी हैं, और यह विरासत पाकर मैं बहुत सम्मानित और आभारी महसूस कर रहा हूँ।

अंत में, मैं तर्क दूंगा कि शिव बाबा अपने पिछले अवतारों की तरह ही एक जीवित तमिल संत हैं। उनसे बातचीत में बाबा ने कहा कि हमारा एक साझा लक्ष्य है, एक वैश्विक आध्यात्मिकता लोकतंत्र बनाने में मदद करना, जहां सभी लोग समान और एकजुट हों; जिसमें परस्पर विरोधी धार्मिक सिद्धांतों के कारण होने वाले मतभेदों को दूर कर दिया गया है।

पुनर्जन्म के मामले

एडवर्ड डी वेरे और विलियम शेक्सपियर

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

शिव बाबा का विलियम शेक्सपियर के साथ हमेशा गहरा रिश्ता रहा है, जो शिव बाबा और अगस्त्यर के साहित्य और भाषा के प्रति प्रेम के अनुरूप है। इंग्लैंड में रहने के दौरान बाबा शेक्सपियर की कब्र पर भी गए, जहां उन्हें गहरे भावनात्मक अनुभव हुए।

मेरी राय में, यह संबंध इसलिए उत्पन्न होता है, क्योंकि पिछले अवतार में शिव बाबा और विलियम शेक्सपियर का जीवन घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ था। केविन रायर्सन के साथ मेरे सहयोग से, शिव बाबा को ऑक्सफोर्ड के 17वें अर्ल, एडवर्ड डी वेरे के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना जाता है, जिन्हें कुछ लोग विलियम शेक्सपियर के कई नाटकों का सच्चा लेखक मानते हैं।

मुझे कहना होगा कि शिव बाबा को स्वयं लगा कि वह शेक्सपियर हो सकते हैं। यदि अहतुन रे सही है, तो यह एक "सांकेतिक जुड़ाव" का प्रतिनिधित्व करेगा, जहां दो आत्माओं का जीवन पिछले जन्मों में एक साथ जुड़ा हुआ है और एक दूसरे से अलग करना मुश्किल है।

आइए इस अनिश्चितता को पीछे छोड़ें और एडवर्ड डी वेरे, विलियम शेक्सपियर के जीवन और ब्रिटेन के महानतम मंच व्यक्तित्व के संभावित वर्तमान अवतारों को देखें।

एडवर्ड डी वेरे का जन्म 1550 में हुआ था और उनकी मृत्यु 1604 में हुई थी, जबकि शेक्सपियर का जन्म 1564 में हुआ था और उनकी मृत्यु 1616 में हुई थी। इसलिए, शेक्सपियर के जन्म के समय डी वेरे 14 वर्ष के थे और वे 40 वर्षों की अवधि तक एक साथ रहे। जिस समयावधि में डे वेरे और शेक्सपियर को बातचीत करने का सबसे अधिक अवसर मिला वह 1585-1604 के बीच था, वह समय था जब शेक्सपियर लंदन में डे वेरे के घर पर एक अभिनेता और नाटककार थे।

एडवर्ड डी वेरे और शेक्सपियर को उनके साथियों द्वारा उत्कृष्ट नाटककार माना जाता था। जब 1598 में फ्रांसिस मेरेज़ ने अपना पल्लाडिस टैमिया: विट्स ट्रेजरी, ग्रीक, लैटिन और इतालवी कवियों के साथ हमारे अंग्रेजी कवियों का एक तुलनात्मक प्रवचन प्रकाशित किया, तो शेक्सपियर और एडवर्ड डी वेरे को इंग्लैंड के महानतम लेखकों के रूप में उद्धृत किया गया। मेर्स ने, विशेष रूप से, डी वेरे की कॉमेडी की प्रशंसा की, जबकि शेक्सपियर को उनके नाटकों के लिए प्रशंसा मिली।

आइए ऑक्सफोर्ड के 17वें अर्ल के रूप में एडवर्ड डी वेरे के जीवन पर एक नज़र डालें। जब वह छोटा था, एडवर्ड एक बच्चे के रूप में बड़ा हुआ

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अदालत में परवरिश, क्योंकि जब वह बच्चा था तभी उसके पिता की मृत्यु हो गई थी।
एडवर्ड एक पालक बच्चे के रूप में महल में रहता था और जब तक वह 21 वर्ष का नहीं हो गया, तब तक भूमि का प्रबंधन राज्य द्वारा किया जाता था। डी वेरे ने ऑक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज से मास्टर ऑफ आर्ट्स की डिग्री प्राप्त की। फिर जब वह 25 वर्ष के थे, तो वह यूरोपीय दौरे पर गए, इटली, जर्मनी और फ्रांस का दौरा किया। डी वेरे विशेष रूप से इटली के शौकीन थे और इतालवी में धाराप्रवाह इंग्लैंड लौटने के बाद, उन्हें "इटली का अर्ल" उपनाम दिया गया था।

30 साल की अवधि में कई प्रतिष्ठित साहित्यिक विद्वानों द्वारा डी वेरे को अदालत में सबसे बेहतरीन कवियों में से एक माना गया था। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, डे वेरे ने नाटक भी लिखे, हालाँकि उनमें से कोई भी आज तक जीवित नहीं है। डी वेरे ने दो थिएटर कंपनियों, ऑक्सफ़ोर्ड बॉयज़ और ऑक्सफ़ोर्ड मेन को प्रायोजित किया।

ऐसा प्रतीत होता है कि डी वेरे ने दर्शन, धर्म, चिकित्सा और साहित्य में भी छात्रों को प्रायोजित किया है। इन विषयों पर कई पुस्तकें उन्हें समर्पित थीं। कला और साहित्य के लिए उनका वित्तीय समर्थन अत्यधिक हो सकता है, क्योंकि डे वेरे को अपनी ज़मीनें बेचनी पड़ीं, और 1586 में उन्हें अपने जीवन के लिए शाही पेंशन प्राप्त हुई। डी वेरे ने 1580 के दशक में सेना में दो बार सेवा की। उनकी मृत्यु 1604 में, शेक्सपियर के गृहनगर, लंदन के ठीक बाहर, स्ट्रैटफ़ोर्ड में हुई।

ऑक्सफोर्ड के अर्ल एडवर्ड डी वेरे में नई रुचि 1920 में पैदा हुई, जब जे. थॉमस लूनी ने एक किताब लिखी जिसमें उन्होंने कहा कि डी वेरे शेक्सपियर के नाटकों के सच्चे लेखक थे। इस बयान को लेकर आज भी विवाद जारी है. हालाँकि, बहुमत का मानना है कि शेक्सपियर ने कम से कम अपने अधिकांश नाटक स्वयं लिखे। यह कल्पना करना दिलचस्प है कि इन दोनों लोगों के बीच वास्तव में क्या संबंध था, यह देखते हुए कि शिव बाबा, जो डी वेरे के पुनर्जन्म थे, स्ट्रैटफ़ोर्ड (शेक्सपियर) के कवि के इतने करीब महसूस करते थे और शेक्सपियर की कब्र पर बहुत भावुक महसूस करते थे।

विलियम शेक्सपियर का पुनर्जन्म

मैं शिव बाबा की तरह ध्यान में निपुण नहीं हूँ,

Machine Translated by Google

मेरे पास उरी गेलर की तरह मनोवैज्ञानिक क्षमताएं भी नहीं हैं, और हालांकि मैं आभा नहीं देख सकता, मुझे कभी-कभी सहज, टेलीपैथिक, संदेश मिलते हैं जो निष्कर्ष की ओर ले जाते हैं। जॉर्ज डब्लू. बुश, बिल क्लिंटन और अल गोर के पुनर्जन्म के सभी मामलों को शुरू में सहज संदेशों द्वारा हल किया गया था, जिसमें मुझे बताया गया था कि इन पात्रों के पिछले जीवन की पहचान को कहां देखना है। उस टेलीपैथिक संदेश को याद करें जो मुझे तब मिला था जब मैं अपने मित्र इगोर की रसोई में था, जिससे बाद में पता चला कि वह नींद में फ्रेंच बोलता था। चूँकि इगोर ने कभी फ़्रेंच का अध्ययन नहीं किया, यह ज़ेनोग्लॉसी के एक रूप का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें यह सोचा जाता है कि भाषा कौशल पिछले जन्मों से प्राप्त किए जाते हैं।

मुझे एक सहज संदेश भी मिला जिससे विलियम शेक्सपियर के वर्तमान जीवन की पहचान हुई। कृपया ध्यान रखें कि हमने कई मामलों की समीक्षा की है, जिनमें डॉ. द्वारा स्वतंत्र रूप से अध्ययन किए गए मामले भी शामिल हैं। वर्जीनिया विश्वविद्यालय में इयान स्टीवेन्सन ने दिखाया कि लोग पिछले जीवन की मृत्यु के कुछ दिनों से लेकर दशकों तक बहुत जल्दी पुनर्जन्म ले सकते हैं।

इसलिए, यह निश्चित रूप से उम्मीद की जानी चाहिए कि विलियम शेक्सपियर ने 1616 में अपनी मृत्यु के बाद से कई जीवन जीए होंगे। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि इन समयों में उनका अवतार हुआ होगा।

शेक्सपियर आज के जीवन की एक पहचान कैसे बन सकते हैं वह इस प्रकार है। नवंबर 2005 में, मैं एक क्लिनिक में डॉक्टर के रूप में अपना काम कर रहा था और काम के दौरान घायल हुए कर्मचारियों का इलाज कर रहा था। एक नाटक में अभिनय के दौरान एक अभिनेता एक बड़ी खदान में गिर गया और उसकी पसलियों में चोट लग गई। वह इलाज के लिए हमारे क्लिनिक में आये. जैसे ही यह अभिनेता मेरे कार्यालय में आया और बोलना शुरू किया, मुझे एक टेलीपैथिक, सहज ज्ञान युक्त संदेश मिला जो मेरे बाहर से आया हुआ प्रतीत हुआ, "वह आपको शेक्सपियर की वर्तमान पहचान बताएगा।"

मैं इस संदेश से बहुत आश्चर्यचकित था, उतना ही आश्चर्यचकित भी

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

समय पर मुझे इगोर की रसोई में संदेश मिलता है। इसका एक कारण यह है कि मैंने पहले कभी शेक्सपियर के अवतारों की जांच के बारे में नहीं सोचा था और जब अभिनेता आए तो मैं निश्चित रूप से इस बारे में नहीं सोच रहा था। इसके अलावा, मैं उसी प्लेग्रुप के अन्य घायल अभिनेताओं का इलाज करता था और शेक्सपियर के वर्तमान के बारे में सोचा था -दिन में पहचान सामने नहीं आई। अंत में, जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, जिस बात ने मुझे वास्तव में प्रभावित किया वह यह थी कि यह अंतर्ज्ञान मेरे बाहर से आया था, जिसका अर्थ है कि इसकी टेलीपैथिक प्रकृति है।

बेशक, यह जल्द ही पता चल गया, यह अभिनेता विलियम शेक्सपियर का बहुत बड़ा प्रशंसक था और उनके एक नाटक को करते समय उसे चोट लग गई थी। शेक्सपियर की कविता की कालजयी प्रकृति का वर्णन करते हुए इस अभिनेता ने मुझसे कहा, "400 वर्षों के बाद भी और कौन उद्धृत किया जा रहा है?" जैसे ही उन्होंने इस महान नाटककार पर अपना एकालाप जारी रखा, मुझे यकीन था कि वह वास्तव में मुझे बताएंगे कि आधुनिक समय में शेक्सपियर की पहचान कौन थी, और जब उन्होंने अपनी समीक्षा समाप्त की, तो मैंने दो प्रश्न पूछे: "आज के सभी नाटककारों में से, सबसे अधिक कौन है?" शेक्सपियर की तरह? ” और "ऐसी शैली में कौन लिखता है जिसका काम लंबे समय तक चलेगा?"

अभिनेता ने बिना किसी हिचकिचाहट के उत्तर दिया, "अगस्त विल्सन, उनका नाटक नाटक बहुत लंबे समय तक चलेगा।"

मैं थिएटर का शौकीन नहीं हूं और हालांकि मैंने खुद कभी विल्सन का नाम नहीं सुना है, लेकिन जब उनका नाम पुकारा जाता है, तो मुझे गहरा विश्वास होता है कि यह आदमी, ऑगस्ट विल्सन, वास्तव में शेक्सपियर का पुनर्जन्म है। एक या दो दिन के दौरान, मैंने चित्रों की जांच की और पाया कि विल्सन की चेहरे की विशेषताएं वास्तव में शेक्सपियर के समान थीं। मैंने तो यह भी पाया है कि थिएटर समीक्षकों ने उन्हें "अमेरिका का शेक्सपियर" करार दिया है।

जब मैं केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में था, अहतुन रे ने इस पहचान की पुष्टि की। आइए हम इन दोनों लोगों के जीवन की संक्षेप में समीक्षा करें।

इस किरदार के बारे में अपेक्षाकृत कम जानकारी है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

शेक्सपियर. शेक्सपियर की जन्मतिथि अनिश्चित है, लेकिन रिकॉर्ड बताते हैं कि उनका बपतिस्मा 26 अप्रैल, 1564 को हुआ था। इसलिए, माना जाता है कि उनका जन्म 23 अप्रैल, 1564 को हुआ था। विलियम शेक्सपियर के जॉन और मैरी आर्डेन के पुत्र थे। जॉन, पिता, स्ट्रैटफ़ोर्ड में एक प्रमुख शहर अधिकारी थे, जो लंदन से सौ मील उत्तर-पश्चिम में एक क्षेत्र था।

हालाँकि विलियम स्ट्रैटफ़ोर्ड में पले-बढ़े, लेकिन उनके बारे में बहुत कम जानकारी है बचपन। ऐसा माना जाता है कि उनकी शिक्षा ग्रामर स्कूल के माध्यम से ही हुई थी। जब विलियम शेक्सपियर 18 साल के थे, तब उन्होंने ऐनी हैथवे से शादी की, जो उनसे आठ साल बड़ी थीं और एक बच्चे की मां बनने वाली थीं। कुछ महीने बाद 1583 में उनकी बेटी, सुज़ैन ऐनी का जन्म हुआ। 1592 में इस जोड़े के घर जुड़वां बच्चों का जन्म हुआ, एक बेटा हैमनेट और एक बेटी जिसका नाम जूडिथ था। हैमनेट की ग्यारह साल की उम्र में बीमारी से मृत्यु हो गई।

ऐसा माना जाता है कि शेक्सपियर 1585 के आसपास या उसके बाद लंदन चले गए थे। 1592 में शेक्सपियर को लेखक रॉबर्ट ग्रीन का प्रसिद्ध और ऐतिहासिक अपमान मिला, जिन्होंने शेक्सपियर को "नौसिखिया रेवेन" कहा था, जो नाटककारों के बराबर माने जाने के लायक नहीं था। जो अतीत में सफल हुए थे. उस समय।

इस टिप्पणी से पता चलता है कि 1592 में भी, जब शेक्सपियर 28 वर्ष के थे, उन्होंने पहले से ही एक लेखक के रूप में ध्यान आकर्षित करना शुरू कर दिया था।

लंदन में, शेक्सपियर ने लॉर्ड चेम्बरलेन्स मेन नामक कंपनी में एक अभिनेता, लेखक और भागीदार के रूप में काम किया। 1603 में जब जेम्स प्रथम इंग्लैंड का राजा बना, तो जेम्स शेक्सपियर की कंपनी का प्रायोजक बन गया, जिसे अब किंग्स मेन के नाम से जाना जाता है।

शेक्सपियर 1611 में सेवानिवृत्त हुए, 1590 से साहित्यिक विरासत बनाते हुए-

प्रारंभिक वर्षों से 1611 तक, लगभग बीस वर्ष की अवधि। यदि शेक्सपियर का जन्म 23 अप्रैल, 1564 को हुआ था, तो उन्होंने अपनी मृत्यु का समय ठीक-ठाक रखा है, क्योंकि उनकी मृत्यु 23 अप्रैल, 1616 को 52 वर्ष की आयु में हुई थी। विलियम शेक्सपियर ने अपनी कब्र में लिखा था:

Machine Translated by Google

प्रिय मित्रों, यीशु के लिए, सहन करो,
यहां दबी हुई धूल को खोदने के लिए.
धन्य है वह जिसने इन पत्थरों को छोड़ दिया,
परन्तु शापित है वह जो मेरी हड्डियों को हिलाता है।

विलियम शेक्सपियर, जैसा कि ऊपर बताया गया है, का पुनर्जन्म अगस्त विल्सन के रूप में हुआ था। इसकी पुष्टि अहतुन रे ने की है. ऑगस्ट विल्सन, जिनका असली नाम फ्रेडरिक ऑगस्ट किटेल है, का जन्म 27 अप्रैल, 1945 को पिट्सबर्ग, पेंसिल्वेनिया में हुआ था।

ध्यान दें कि रिकॉर्ड से पता चलता है कि शेक्सपियर का बपतिस्मा 26 अप्रैल को हुआ था, इसलिए ऐसा लगता है कि कवि का "समय" थोड़ा गड़बड़ था। विल्सन का जन्म डेज़ी विल्सन नाम की एक अफ्रीकी-अमेरिकी महिला से हुआ था। उनके पिता, फ्रेडरिक किटेल नाम के एक जर्मन बेकर, एक ऐसे पिता थे जो विल्सन के साथ नहीं थे। 1965 में जब किटेल की मृत्यु हुई, तो उनके बेटे ने अपना नाम बदलकर ऑगस्ट विल्सन रख लिया।

जब उनकी माँ ने पुनर्विवाह किया, तो परिवार पिट्सबर्ग में "द हिल" नामक एक गरीब अफ्रीकी-अमेरिकी वर्ग में चला गया, जहाँ श्वेत पड़ोसियों का प्रभुत्व था।

हाई स्कूल में, ऑगस्ट अक्सर नस्लीय उपहास और बदमाशी का शिकार होता था जिसके कारण अंततः उसे स्कूल छोड़ना पड़ा। इसके बाद ऑगस्ट को पिट्सबर्ग की कार्नेगी लाइब्रेरी में एक घर मिला, जहां उन्होंने स्वयं साहित्य का अध्ययन किया, क्योंकि ऐसा माना जाता है कि शेक्सपियर ने स्वयं-सिखाया था। उन्होंने पुस्तकालय में इतना समय बिताया कि कार्नेगी ने उन्हें एक उपाधि से सम्मानित किया, जो पुस्तकालय द्वारा जारी की गई एकमात्र उपाधि थी।

1968 में, रॉब पेनी के साथ, ऑगस्ट ने ब्लैक होराइज़न की स्थापना की
हिल जिले में रंगमंच. ब्लैक होराइजन पर अगले 10 वर्षों तक विल्सन ने नाटक लिखे और निर्देशित किये।

उन्होंने और पेनी ने कुंटू लेखक कार्यशाला शुरू की, जो आज भी सक्रिय है।

विल्सन 1978 में सेंट पॉल, मिनेसोटा चले गए, जहां उन्होंने मिनेसोटा म्यूजियम ऑफ साइंस के लिए काम किया, शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए स्क्रिप्ट लिखी। अपने बिलों का भुगतान करने के लिए एक स्थिर नौकरी के साथ, अपने खाली समय में, विल्सन एक महाकाव्य नाटक श्रृंखला पर काम करना शुरू कर देता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जो अमेरिका में काले अनुभव का एक दृश्य खोलेगा, थिएटर जाने वालों के लिए, जो ज्यादातर गोरे थे, नस्लवाद के कारण हुए भावनात्मक घावों और घावों को उजागर करेगा। स्मरण में, अभिनेता चार्ल्स डटन सहित कई लोगों ने माना कि अमेरिका में अलगाव को समाप्त करने में विल्सन का योगदान मार्टिन लूथर किंग के बराबर था।

विल्सन अपने काम मा के साथ एक प्रमुख नाटककार के रूप में उभरे
रेनीज़ ब्लैक बॉटम, जिसने उन्हें 1985 में टोनी पुरस्कार नामांकन के साथ-साथ कई अन्य पुरस्कार भी दिलाए। फिर भी
लंदन टाइम्स प्रभावित हुआ, क्योंकि होली हिल समीक्षक ने मा रेनी के ब्लैक बॉटम को "एक अद्भुत पहला नाटक" बताया, और विल्सन को "होनहार नया नाटककार" कहा। शिकागो ट्रिब्यून के रिचर्ड क्रिस्टियनसेन ने ब्रॉडवे पर नाटक के प्रदर्शन के बाद कहा, "विल्सन की भाषा की शक्ति सनसनीखेज है।"

1987 में, ऑगस्ट विल्सन के नाटक फेंसेस ने नाटक के लिए पुलित्जर पुरस्कार जीता। अपने काम द पियानो लेसन के लिए, विल्सन ने एक और पुलित्जर पुरस्कार जीता। ये बस कुछ ही हैं, ऑगस्ट विल्सन ने अपने करियर में जो कई पुरस्कार जीते हैं, उससे उन्हें "मास्टर स्टोरीटेलर" और "अमेरिका के शेक्सपियर" की प्रतिष्ठा मिली है।

1990 में, विल्सन सिएटल चले गए, जहां का मौसम लंदन के समान था, और उन्होंने सिएटल को एक थिएटर शहर बनाने में मदद की। यहीं पर उन्होंने अफ्रीकी अमेरिकियों के जीवन के बारे में अपनी दस नाटक श्रृंखलाएँ पूरी कीं। दिलचस्प बात यह है कि विल्सन का एक नाटक, जिसे किंग हेडली II कहा जाता है, संरचना और शैली दोनों में पूरी तरह से शेक्सपियरियन है। जून 2005 में, विल्सन को लीवर कैंसर का पता चला और 2 अक्टूबर 2005 को स्वीडिश मेडिकल सेंटर, सिएटल में 60 वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु हो गई। उनकी तीसरी पत्नी, कॉन्स्टैन्ज़ा रोमेरो और उनके दो बच्चे जीवित हैं। उनके सम्मान में, ब्रॉडवे, न्यूयॉर्क पर वर्जीनिया थिएटर का नाम बदलकर अगस्त विल्सन थिएटर कर दिया गया।

एक दिलचस्प सवाल जो पूछा जा सकता है वह है क्यों
शेक्सपियर उन परिस्थितियों में अवतरित हुए जिनका उन्होंने अनुभव किया, अर्थात्

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

गरीब और भेदभाव वाली जाति में? मैंने अहतुन रे से इसके बारे में पूछा और उसका जवाब सच्चाई को दर्शाता है। अहतुन रे ने कहा कि शेक्सपियर की आत्मा 20वीं सदी के अफ्रीकी अमेरिकियों की दुर्दशा को देख रही थी, यह बताने लायक एक कहानी थी और वह, शेक्सपियर, जानते थे कि उनके पास इसे बताने का कौशल है।

जॉनी डेप और रॉबर्ट रोसेन का पिछला जीवन

शेक्सपियर के समय की कई अन्य आत्माओं का भी आज पुनर्जन्म हुआ है। उदाहरण के लिए, अहतुन रे ने पुष्टि की है कि लोकप्रिय अभिनेता जॉनी डेप एलिज़ाबेथन नाटक अभिनेता नाथन फील्ड का पुनर्जन्म हैं। अहतुन रे की क्षमताओं का भी अच्छी तरह से प्रदर्शन हुआ जब मैंने उनसे पूछा कि इस जीवन में विलियम कैमडेन कौन थे।

कैमडेन शेक्सपियर के समकालीन, पुरावशेष संग्रहकर्ता, छात्र और इतिहासकार थे। वे वेस्टमिंस्टर स्कूल में प्रधान शिक्षक बने, जहाँ उन्होंने महत्वाकांक्षी और प्रतिभाशाली नाटककारों को पढ़ाया।

अहतुन रे ने कहा कि कैमडेन का पुनर्जन्म हुआ था कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स, थिएटर, फिल्म और टेलीविजन स्कूल के डीन। अहतुन रे का तात्पर्य रॉबर्ट रोसेन से है।

जब मैंने रोसेन की खोज की, तो न केवल उसके चेहरे की विशेषताएं बहुत उल्लेखनीय रूप से मेल खाती थीं, बल्कि उसकी गतिविधि का क्षेत्र भी वही था।

रोसेन खुद को एक शिक्षक, आलोचक और संरक्षणवादी बताते हैं, जो विलियम कैमडेन की तरह युवाओं को नाटकीय कलाओं के बारे में पढ़ाते हैं।

तो जैसा कि कवि ने कहा है, जीवन एक नाट्य मंच के अलावा और कुछ नहीं है ऐसा लगता है कि हमारी भूमिकाएँ बार-बार उभरती रहती हैं। हालाँकि, इस नाटक के बारे में जागरूकता के साथ आइए हम त्रासदियों से आगे बढ़ें और ऐसी जगहें बनाएँ जहाँ हम खुशी के साथ लौट सकें।

मानव विकास का एक मॉडल

जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, वेन डायर शिव बाबा के शिष्य थे। पता चला कि डॉ. डायर भी इसके लिए तैयार हो गये

Machine Translated by Google

रिवोल्यूशनरीज़ की वापसी के मामलों में से एक, जहां उन्हें 18 वीं शताब्दी के अमेरिका में एक पुजारी, वक्ता, लेखक और महान जागृति आंदोलन के नेता जोनाथन एडवर्ड्स के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना जाता है। एपीजे अब्दुल कलाम वेन डायर के प्रशंसक हैं। अपनी पुस्तक, इग्नाइटेड माइंड्स में, कलाम ने डायर की पुस्तक, मेनिफेस्ट योर डेस्टिनी में मानव विकास के एक मॉडल का उल्लेख किया है, जिसमें मनुष्य विकास के चार चरणों से गुजरता है: एथलीट, योद्धा, राजनेता और आत्मा चरण। अहतुन रे भी इन मूलभूत चरणों से सहमत हैं, हालाँकि वे इन चरणों को कहते हैं: शुद्ध, योद्धा, दार्शनिक और आध्यात्मिक मनुष्य।

मूल विचार यह है कि एक बार जब हम भगवान के निवास से एक निर्दोष प्राणी के रूप में बाहर निकलते हैं, तो हमें आत्म-शक्ति विकसित करनी चाहिए; इससे पहले कि हम और अधिक उन्नत चरणों में जा सकें, हमें एक स्वतंत्र और मजबूत चरित्र बनाना होगा। एक बार जब हम अपने भीतर, अपनी पहचान में सुरक्षित हो जाते हैं, तो हम केवल ईश्वर के साथ एक और मिलन की ओर बढ़ सकते हैं, जैसा कि शिव बाबा ने अतीत में किया था और वह अब फिर से दोहरा रहे हैं।

मध्य चरण में मानव जाति के लिए एक के बाद एक समस्याएँ उत्पन्न होती हैं, जहाँ अहंकार हावी हो जाता है और खुद को उन लोगों से अलग कर लेता है जो खुद से अलग हैं। हम अपनी आत्माओं के बजाय अपने आस-पास जो कुछ है, जैसे हमारे जातीय समूह से पहचान करते हैं। जैसा कि मेरे मित्र अहतुन रे ने कहा है, "सबसे बड़ा पाप अलगाव है।"

अब पुनर्जन्म की जो समझ हमारे पास है, उसके साथ आइए हम इस पाप से दूर हटें और आध्यात्मिक मनुष्य के रूप में मानव विकास के उच्च चरणों की ओर बढ़ें। आइए इस जीवन पत्र को साकार करें।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

शिव बाबा का योगदान

रामलिंगम (वल्लालर) शिव बाबा रामलिंगम (वल्लालर)

शिव बाबा को पता चला कि वह पुनर्जन्म है

रामलिंगम और अगस्त्यर। इन दो पिछले जन्मों की पुष्टि अहतुन रे ने भी की है। शिव बाबा इस पुस्तक में प्रस्तुत पुनर्जन्म अनुसंधान का समर्थन करते हैं। शिव बाबा का शेक्सपियर की आत्मा के साथ-साथ वेन डायर से भी घनिष्ठ संबंध है, जिन्होंने अपनी पुस्तक मेनिफेस्ट योर डेस्टिनी बाबा को समर्पित की थी।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

©सुसान जोहान शेक्सपियर का योगदान सुसान जोहान

जन्मस्थान ट्रस्ट

अगस्त विल्सन विलियम शेक्सपियर अगस्त विल्सन

पुनर्जन्म अनुसंधान से पता चलता है कि लोगों का पुनर्जन्म बहुत जल्दी हो सकता है, यहाँ तक कि कुछ दिनों या वर्षों के भीतर भी।

इसलिए, 1616 में अपनी मृत्यु के बाद से शेक्सपियर के कई जीवनकाल हो सकते हैं। शेक्सपियर का हाल ही में अगस्त विल्सन के रूप में पुनर्जन्म हुआ था, जिन्हें "अमेरिका का शेक्सपियर" कहा जाता है, जिन्होंने दो पुलित्जर पुरस्कार जीते थे और जिनके नाम पर एक ब्रॉडवे थिएटर था। न्यूयॉर्क शहर में।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

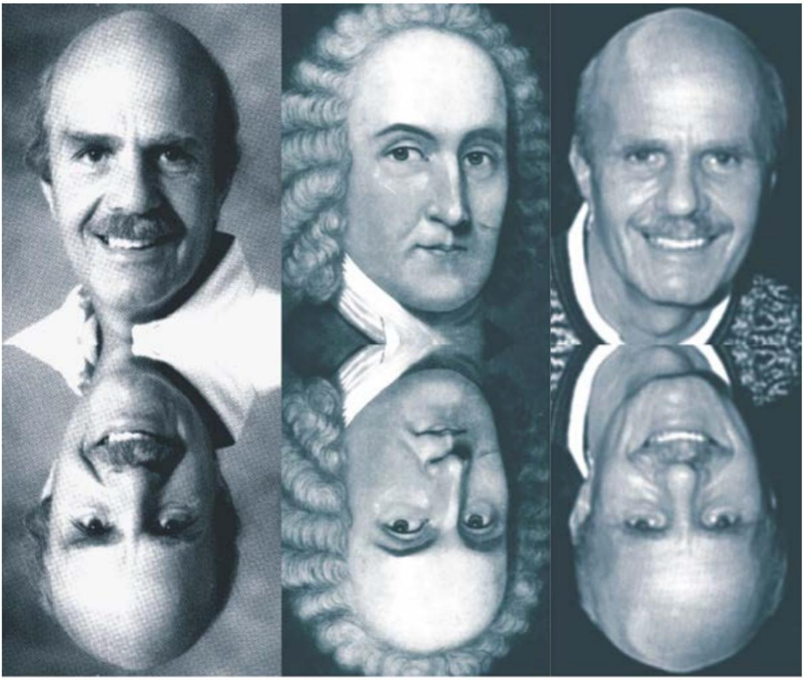

वेन डायर कांग्रेस के पुस्तकालय का योगदान वेन डायर

वेन डायर जोनाथन एडवर्ड्स वेन डायर

Machine Translated by Google

24

प्रशांत नेपोलियन:

सोएकर्नो, हट्टा और फर्डिनेंड मार्कोस का पिछला जीवन

इंडोनेशियाई राष्ट्र के पिता और हवाई के साथ उनका संबंध

जब मेरी मित्र ब्रेंडा यानी-मैकरे, जो कि एक इंडोनेशियाई नागरिक हैं, ने सुझाव दिया कि पुस्तक बॉर्न अगेन को इंडोनेशिया में प्रकाशित किया जाए, तो मैंने पूछा कि इस देश में पुनर्जन्म के कौन से मामले पाठकों के लिए दिलचस्प होंगे। विषय से थोड़ा हटकर, ब्रेंडा को पिछले जीवन प्रतिगमन थेरेपी में प्रशिक्षित किया जाता है, जिसमें ग्राहकों को पिछले अवतारों की यादों तक पहुंचने में मदद करने के लिए विश्राम तकनीकों का उपयोग किया जाता है। पुस्तक के पहले भाग में प्रस्तुत पुलिस कप्तान रॉबर्ट स्नो के मामले में, एक प्रतिगमन उन्हें पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य की ओर ले जाता है क्योंकि स्नो ऐतिहासिक रूप से अपने पिछले जीवन की यादों को मान्य करने का प्रबंधन करता है।

ब्रेंडा ने कहा कि सोएकरनो, जिन्हें का जनक माना जाता है
इंडोनेशियाई राष्ट्र, जांच के लिए एक महत्वपूर्ण आंकड़ा है।
ब्रेंडा ने सोएकरनो से जुड़े एक अन्य राजनेता, जिसका नाम मोहम्मद हट्टा था, का सुझाव दिया। दक्षिण प्रशांत/दक्षिणपूर्व एशियाई से एक और नेता
राष्ट्र, जिसने मुझे अपने पिछले जीवन के बारे में चिंतित किया है, वह फिलीपींस का फर्डिनेंड मार्कोस है।

केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, मैंने अहतुन रे से सोएकरनो के पिछले जीवन के बारे में पूछा। अहतुन रे ने कहा कि पिछले जीवनकाल में, सोएकरनो हवाईयन शाही परिवार का सदस्य था जो सिंहासन के उत्तराधिकारियों में से एक बन गया, लेकिन अंत में राजा नहीं बन सका।

अहतुन रे बताते हैं कि हवाईवासियों की संख्या में गिरावट देखी गई थी और पश्चिमी देशों के विदेशियों द्वारा हवाईयन शक्ति को मूल निवासियों से वंचित कर दिया गया था।

Machine Translated by Google

सोएकर्नो ने अपने मूल निवासियों द्वारा शासित एक मजबूत राष्ट्र की स्थापना के दृढ़ संकल्प के साथ हवाईयन शाही परिवार के हिस्से के रूप में अपना अवतार छोड़ दिया। अपने हृदय में उस आदर्श को लेकर उनका इंडोनेशिया में पुनर्जन्म हुआ। जब मैंने मोहम्मद हट्टा के बारे में पूछा तो अहतुन रे ने कहा कि वह भी शाही परिवार से करीब से जुड़े हुए थे.

लेकिन सिंहासन के उत्तराधिकार की पंक्ति में नहीं।

आइए अब हवाई के थोड़ा इतिहास की समीक्षा करें, ताकि यह समझ सकें कि इस द्वीप साम्राज्य की कहानी में सोएकरनो और हट्टा की आत्माएं कहां हैं। यह अनुमान लगाया गया है कि हवाई के शुरुआती निवासी मार्केसस द्वीप और ताहिती से बड़ी डोंगियों से आए थे, संभवतः 500 के आसपास। ये निवासी अपने साथ नारियल, केले, गन्ना, शकरकंद और तारो सहित कृषि फसलें लाए थे। वे मुर्गियाँ और सूअर जैसे पशु भी लाए जिन्हें उन्होंने पाला। ये शुरुआती निवासी सैकड़ों वर्षों तक हवाई द्वीप में अलग-थलग रहते थे।

यूरोपीय लोगों ने 1500 में प्रशांत महासागर की खोज शुरू की-
एक। 1778 में, ब्रिटिश नाविक और खोजकर्ता कैप्टन कुक ने इन द्वीपों की खोज की और उन्हें तत्कालीन एडमिरल्टी के प्रथम लॉर्ड, जॉन मोंटेगु, जिन्हें सैंडविच के चौथे अर्ल के रूप में भी जाना जाता है, के नाम पर सैंडविच द्वीप समूह का नाम दिया।

एकीकृत हवाईयन साम्राज्य के गठन में शामिल था
नेता का नाम कामेहामेहा है, जिसका अर्थ है "अकेला व्यक्ति"।
कामेहामेहा बहुत सामाजिक व्यक्ति नहीं हैं, लेकिन उनका कद बड़ा है और वह एक महान योद्धा हैं। समय के साथ, उन्होंने स्थानीय आदिवासी प्रमुखों द्वारा शासित आठ अलग-अलग द्वीपों को नियंत्रित किया और हवाई का निर्माण किया जिसे हम आज जानते हैं।

कामेहामेहा के जन्म का वर्ष निश्चित रूप से ज्ञात नहीं है। एक किंवदंती कहती है कि उनका जन्म 1758 में हुआ था, जबकि अन्य स्रोतों का कहना है कि उनका जन्म 1737 में हुआ था।

यह ज्ञात है कि वह हवाई के बड़े द्वीप पर पले-बढ़े और जब इसके शासक अलापी की मृत्यु हो गई, तो द्वीप के शाही परिवार के युद्धरत गुटों के बीच युद्ध छिड़ गया। कामेहामेहा ने कलोनिओपु नामक एक शाही सदस्य के लिए लड़ाई लड़ी।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

इसके बाद कामेहामेहा की जीत हुई और उन्हें नए राजा का दाहिना हाथ नियुक्त करके उनकी सेवाओं के लिए पुरस्कृत किया गया।

इस क्षमता में, कामेहामेहा कैप्टन कुक से मिलने गए जब कुक ने 1779 में बिग आइलैंड का दौरा किया था। ऐसा माना जाता है कि उन्होंने कैप्टन कुक के जहाज, एचएमएस डिस्कवरी पर रात बिताई होगी। यह कामेहामेहा का श्वेत व्यक्ति से पहला परिचय था, जो एक विजेता के रूप में उनके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जब 1782 में कलोनिओपु की मृत्यु हो गई, तो बिग आइलैंड के कोना क्षेत्र के आदिवासी प्रमुखों ने कलानिओपु के उत्तराधिकारी के बजाय कामेहामेहा को राजा की उपाधि की पेशकश की। उसने स्वीकार कर लिया और फिर वारिस को युद्ध में हरा दिया। युद्ध और रक्तपात के माध्यम से, कामेहामेहा ने हवाई के बड़े द्वीप पर नियंत्रण कर लिया।

हालाँकि, कामेहामेहा संतुष्ट नहीं थीं और उन्होंने तुरंत शेष हवाई द्वीपों पर अपना ध्यान केंद्रित किया। इस प्रयास में उनकी सफलता ब्रिटिश और अमेरिकी व्यापारी व्यापारियों के साथ उनके सहयोग के कारण थी, जिन्होंने उन्हें आग्नेयास्त्र बेचे थे। इसहाक डेविड और जॉन यंग दो पश्चिमी लोग हैं जो कामेहामेहा के सैनिकों को युद्ध में आग्नेयास्त्रों का उपयोग करने के लिए प्रशिक्षित करते हैं, जिसका उपयोग वह अपने दुश्मनों को हराने के लिए करता है।

हालाँकि, आग्नेयास्त्रों, साथ ही रम और पश्चिमी लोगों द्वारा लाए गए संक्रामक रोगों के परिणामस्वरूप मूल हवाईयन आबादी में तेजी से गिरावट आई। 1700 के दशक के अंत में कामेहामेहा के शासनकाल के दौरान, अनुमानित मूल निवासी हवाई आबादी लगभग 300,000 थी। 1938 में इन मूल निवासियों की संख्या लगभग 40,000 ही थी।[1]

1795 में, कामेहामेहा ने लगभग 1,000 डोंगियों में 10,000 सैनिकों की सेना के साथ आसपास के द्वीपों पर छापे की एक श्रृंखला शुरू की। सबसे प्रसिद्ध लड़ाइयों में से एक ओहू पर हुई, जहां उसकी सेनाएं अपने प्रतिद्वंद्वी, कलानिकुपल की सेना का सामना करने के लिए वाइकीकी और वाइलिया के तटों से पाली वॉचडॉग की चोटियों तक उभरीं। कामेहामेहा सेना ने अपने 400 दुश्मनों को पाली चट्टानों से 1,000 फीट ऊपर कूदने के लिए मजबूर किया।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

कामेहामेहा का अब अपने आसपास के सभी द्वीपों पर नियंत्रण है

काउई और निहाऊ को छोड़कर, जिस पर उसने अंततः 1810 में विजय प्राप्त की। वह अब सभी हवाई द्वीपों का राजा है और उसके सभी संघर्षों के लिए, पश्चिमी लोगों ने उसे "प्रशांत का नेपोलियन" करार दिया है। उसे अपने वंशजों से अलग पहचानना शुरू करने के लिए, अंततः हवाईवासियों ने उसका नाम रखा

कामेहामेहा I.

कामेहामेहा ने कानूनी निर्माण करके द्वीप राष्ट्र को और एकीकृत किया और कर प्रणाली, जिसका उपयोग उसने अपने पूरे साम्राज्य में किया। उसने केवल उन्हीं मूल निवासियों को द्वीपों को विदेशियों के हाथों से दूर रखने की अनुमति दी, जो भूमि के मालिक थे। कामेहामेहा ने हवाई में मानव बलि की प्रथा को समाप्त कर दिया, लेकिन वह हवाई के पारंपरिक कानून और धर्म कापू के अनुयायी थे। 8 मई, 1819 को उनकी मृत्यु हो गई। उनके वंशज अगले 53 वर्षों तक 12 दिसंबर, 1872 तक हवाई पर शासन करते रहे, जब राजा कामेहामेहा वी की मृत्यु हो गई। एक नए राजवंश, एक नए शाही परिवार के उद्भव के साथ, मोहम्मद हट्टा और सोएकरनो के पिछले जीवन के बारे में कहानियाँ सामने आएंगी।

जब तक राजा कामेहामेहा वी की मृत्यु हुई, हवाई सरकार एक संविधान और एक प्रतिनिधि परिषद के साथ एक संवैधानिक राजतंत्र में विकसित हो गई थी, जिसमें राजा या रानी राज्य या कार्यकारी शक्ति के प्रमुख थे। राजाओं और रानियों के पास अपने उत्तराधिकारियों को नियुक्त करने का विशेषाधिकार है, लेकिन यदि राजा शाही परिवार के किसी सदस्य को नियुक्त नहीं करता है जो सिंहासन का उत्तराधिकारी होगा, तो कानून कहता है कि एक प्रतिनिधि परिषद एक व्यक्ति को राजा नियुक्त करेगी।

चूँकि राजा किसी उत्तराधिकारी की नियुक्ति नहीं करता था, इसलिए परिषद को राजा नियुक्त करने का कार्य दिया गया। पसंदीदा उम्मीदवार, विलियम सी.
लुनालिलो ने नियुक्ति से इनकार कर दिया और खुले आम चुनाव कराने के लिए कहा। उनके चुनावी प्रतिद्वंद्वी डेविड कलाकौआ हैं, जो अधिक पारंपरिक विचारधारा वाले हैं और अधिक मूल हवाईवासियों को सरकार में लाना चाहते हैं। इस समय तक विदेशियों को भूमि का स्वामित्व अधिकार दे दिया गया था और हवाई की सरकार पर विदेशियों का प्रभुत्व था।

लुनालिलो विजेता है

Machine Translated by Google

आम चुनाव और 2 जनवरी, 1873 को हवाई के राजा बने।

हालाँकि, लुनालिलो का शासनकाल लंबे समय तक नहीं चला, क्योंकि 3 फरवरी 1874 को उनकी मृत्यु हो गई। प्रतिनिधि सभा ने 14 फरवरी 1874 को डेविड कलाकौआ को राजा नियुक्त किया, और उनके राज्यारोहण के साथ, कलाकौआ राजवंश शुरू हुआ।

डेविड कलाकौआ का जन्म 16 नवंबर, 1836 को हुआ था। उनके माता-पिता हाई चीफ सीज़र कलुआइकु कपाकेआ थे, जिन्हें आमतौर पर कपाकेआ कहा जाता था। उनकी मां हाई चीफटेस अनालिया केओहोकालोल थीं।

जब वह 1874 में राजा बने, तब उनकी उम्र 37 वर्ष थी। राजा कलाकौआ ने पिछले वर्षों में दबा दी गई हवाईयन परंपराओं को पुनर्जीवित करके एक ऐतिहासिक विरासत बनाई।

उदाहरण के लिए, कलाकौआ ने हुला नृत्य को फिर से प्रस्तुत करने पर जोर दिया। हुला नृत्य को प्रोटेस्टेंट मिशनरियों द्वारा दबा दिया गया है। वह राष्ट्रीय खेल के रूप में सर्फिंग का भी समर्थन करते हैं।

अपने भाइयों की तरह वह एक संगीतकार थे और उन्होंने उस गीत की रचना की जो अब हवाईयन राष्ट्रगान, हवाई पोनोई है। वह हवाईयन संगीत में यूकुलेले के उपयोग के भी समर्थक थे, जिसने छोटे उपकरण को हवाई का प्रतीक बना दिया। इस रोमांचक सांस्कृतिक गतिविधि को बढ़ाने में उनकी उपलब्धियों के कारण, कलाकौआ को "खुशी का राजा" के रूप में जाना जाता है।

राजा के रूप में अपनी नियुक्ति के बाद, कलाकौआ ने अपने छोटे को नियुक्त किया भाई, प्रिंस विलियम पिट लेलेयोहोकू, उनके उत्तराधिकारी होंगे।
याद रखें कि जब मैंने अहतुन रे से पूछा कि अतीत में सोएकरनो की पहचान क्या थी, तो अहतुन रे ने कहा कि वह शाही परिवार का सदस्य था जो सिंहासन का उत्तराधिकारी बन गया, लेकिन राजा नहीं बना। अधिक विशेष रूप से, उन्होंने कहा कि सोएकरनो हवाई में एक युवा राजकुमार था। केविन रायर्सन के साथ एक बाद के सत्र में, अहतुन रे ने पुष्टि की कि सोएकरनो अपने पिछले अवतार में राजा कलाकौआ, प्रिंस विलियम पिट लेलेओहोकू के छोटे भाई थे।

लेलेइहोकू अल्पायु था, केवल 22 वर्ष का था, 1855 में पैदा हुआ और 1877 में आमवाती बुखार से उसकी मृत्यु हो गई। लेलेइहोकू एक प्रतिभाशाली संगीतकार थे और उन्होंने हवाईयन युद्ध मंत्र की रचना की, जिसका उपयोग आज भी हवाईयन स्वतंत्रता आंदोलन द्वारा किया जाता है, जो हवाई को वापस चाहता है।

Machine Translated by Google

हवाईवासियों के लिए. वह राजकुमारी रूथ कीलिकोलानी के माध्यम से पिछले कामेहामेहा राजवंश के स्वामित्व वाली कई भूमि के उत्तराधिकारी हैं, जिन्होंने जन्म के समय लेलेइहोकू को गोद लिया था।

गोद लेने की यह प्रथा, जिसे "हनाई" कहा जाता है, आमतौर पर शाही परिवार के किसी सदस्य को उच्च सामाजिक स्थिति तक पहुंचाने के लिए की जाती थी।
उसके कारण, लेलेइहोकू काफी धन-संपत्ति वाला राजा बनने के लिए तैयार था।

जब उनके बड़े भाई, राजा कलाकौआ संयुक्त राज्य अमेरिका गए, तो लेलेइहोकू ने राजकुमार रीजेंट के रूप में शासन संभाला, लेकिन जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, कम उम्र में उनकी मृत्यु ने उन्हें राजा बनने से रोक दिया। अपने छोटे से जीवन में, उन्होंने हवाई में शाही परिवार को सत्ता खोते हुए देखा, क्योंकि राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य पर विदेशियों का प्रभुत्व बढ़ता जा रहा था। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, अहतुन रे ने कहा कि लेलेइहोकू की मृत्यु उस देश के मूल निवासियों द्वारा शासित एक मजबूत देश स्थापित करने की इच्छा से हुई।

अगले अध्याय में, हवाई का इतिहास जिसकी हम जांच करेंगे वह हवाईयन शाही परिवार का पतन है, एक नाटक जिसमें रानी लिलिउओकलानी शामिल है, जो राजा कलाकौआ की बहन है, जो 1891 में राजा की मृत्यु के बाद शासक बनी थी। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि "खुशी के राजा" का शासनकाल दुखद माहौल में समाप्त हुआ क्योंकि उसके शासनकाल के दौरान मूल आबादी काफी कम हो गई थी, जिसका बड़ा कारण चिकनपॉक्स रोग था जो हवाई से प्रसारित हुआ था।

विदेश में.

1874 में जब कलाकौआ राजा बना, तो अनुमानतः 82% जनसंख्या मूल हवाईवासी थे। सत्रह साल बाद, उनके शासनकाल के अंत में, विदेशियों के प्रवास और चेचक के प्रकोप के कारण, मूल निवासी आबादी का केवल 50% रह गए।2 इसके अलावा कलाकौआ प्रशासन के दौरान मुंह बनाने के लिए अमेरिकी नौसेना को एक ऋण पर हस्ताक्षर किए गए थे पर्ल नदी को एक बंदरगाह में बदल दिया, जिसने द्वीपों में अमेरिका के लिए और भी मजबूत आधार प्रदान किया।

डेविड कलाकौआ और विलियम पिट लेलेयोहोकू की बहन के रूप में,
रानी लिलिउओकलानी के माता-पिता एक ही हैं, हाई चीफ कपाकेआ और हाई चीफटेस केओहोकालोले। जब लिलिउओकलानी

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

सत्ता में रहते हुए, उनका मानना था कि यह उनके लोगों की इच्छा है, उन्होंने एक नए संविधान का मसौदा तैयार करने की कोशिश की, जिसने गरीब हवाईयन मूल निवासियों, साथ ही एशिया के निवासियों को मतदान का अधिकार दिया, और विधायिका को शाही वीटो शक्ति प्रदान की। चूंकि अमेरिका और यूरोप के निवासी नए संविधान के तहत सत्ता खो देंगे, लिलिउओकलानी से छुटकारा पाने के लिए एक आंदोलन शुरू किया गया था।

इस प्रतिरोध आंदोलन में एक प्रमुख व्यक्ति लॉरिन एंड्रयूज थे
थर्स्टन, एक मिशनरी का बेटा, जो वकील और होनोलूलू विज्ञापनदाता अखबार का प्रकाशक बन गया।

थर्स्टन, हवाई पर अमेरिकी नियंत्रण के प्रबल समर्थक, "हवाईयन लीग" नामक एक गुप्त राजनीतिक संगठन के सदस्य थे, जिसने राजनीतिक तख्तापलट की तैयारी में राइफलमैनों का एक दस्ता बनाया था।

वास्तव में, थर्स्टन, राज्य से राजनीतिक सत्ता पर नियंत्रण लेने के लिए, लिलिउओकलानी के पूर्ववर्ती, राजा कलाकौआ के खिलाफ पहले सैनिकों का उपयोग करना चाहता था। इसके बजाय, कलाकौआ को "संगीन अधिनियम" पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया, जिसने विधायिका को राजा के वीटो को पलटने और यूरोपीय और अमेरिकियों को मतदान का अधिकार देने की शक्ति दी, लेकिन एशियाई लोगों को नहीं। यह बायोनेट कानून था जो लिलिउओकलानी को विरासत में मिला था, जिसे वह एक नए कानून से बदलना चाहती थी।3

1892 में, "हवाईयन मास्टरी क्लब" का गठन किया गया। थर्स्टन
इस समूह का नेता है. राजनीतिक आधार पर एक "सुरक्षा समिति" का भी गठन किया गया था कि हवाई में अमेरिकी खतरे में थे, भले ही राज्य के पास कोई महत्वपूर्ण सैन्य शक्ति नहीं थी। थर्स्टन भी इस समिति के एक प्रमुख सदस्य हैं। 15 जनवरी, 1893 को, थर्स्टन ने हवाई के लिए अमेरिकी राज्य सचिव, जॉन एल. स्टीवंस से संपर्क किया और उन्हें सूचित किया कि रानी, नए कानून बनाने के प्रयास में, सरकार के खिलाफ क्रांति कर रही थी।4 थर्स्टन ने तब सुरक्षा के माध्यम से समिति ने अनुरोध किया कि अमेरिकी सैनिकों को एक बल जहाज से उतारा जाए। अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए अमेरिकी समुद्र.5

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

16 जनवरी, 1893 को सचिव स्टीवंस ने अमेरिकी नौसैनिकों और नाविकों को आदेश दिया प्रमुख सरकारी इमारतों पर कब्ज़ा करने के लिए विमानवाहक पोत यूएसएस बोस्टन से । अगले दिन, 17 जनवरी 1893 को, दो साल से कम समय तक शासन करने के बावजूद, रानी लिलिउओकलानी को पदच्युत कर दिया गया। 1 फरवरी, 1893 को सचिव स्टीवंस ने हवाई को अमेरिकी संरक्षित राज्य घोषित किया।

लिलिउओकलानी ने अपनी सरकार को उखाड़ फेंकने का विरोध किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ग्रोवर क्लीवलैंड द्वारा गठित एक जांच में पाया गया कि यह तख्तापलट वास्तव में नाजायज था। दिसंबर 1893 में, हवाई के नए अमेरिकी सचिव ने हवाई की अनंतिम सरकार से लिलिउओकलानी को बहाल करने के लिए कहा, लेकिन इस अनंतिम सरकार ने इनकार कर दिया। अमेरिकी कांग्रेस की बाद की जांच में सत्ता हथियाने की साजिश रचने वालों के कार्यों का समर्थन किया गया और 4 जुलाई, 1894 को हवाई को एक गणतंत्र घोषित किया गया, साथ ही एक अमेरिकी संरक्षित राज्य भी घोषित किया गया।

लिलिउओकलानी ने होनोलूलू में रहना जारी रखा, हालाँकि उसके बाद के वर्षों में तख्तापलट अराजक था और एक अंतराल के दौरान, उसे घर में नजरबंद कर दिया गया था। बाद में उन्होंने अपने जीवन के बारे में एक किताब लिखी जिसका शीर्षक था, हवाई की रानी द्वारा हवाई की कहानी। उन्होंने कई गाने भी लिखे. 1917 में उनकी मृत्यु हो गई

79 साल के.

हवाईयन शाही परिवार और क्रांतिकारियों का जन्म हुआ है वापस इंडोनेशिया में

प्रिंस लेलेइहोकू की मृत्यु 10 अप्रैल, 1877 को हुई। लेलेइओहोकू का जन्म उत्तराधिकारी के रूप में हुआ था। हवाई का सिंहासन, लेकिन एक ऐसे देश में जहां मूल आबादी घट रही थी और विदेशी राजनीतिक सत्ता पर नियंत्रण करने लगे थे। सोएकरनो, जिन्हें हमने लेलेइओहोकू के पुनर्जन्म के रूप में प्रस्तावित किया है, का जन्म 6 जून 1901 को 24 वर्ष में हुआ था।

लेलेइहोकू की मृत्यु के बाद। सोएकर्नो का जन्म एक द्वीप राष्ट्र में हुआ था डचों द्वारा उपनिवेश बनाया गया। अपने करियर में, सुकर्णो ने इंडोनेशिया को नीदरलैंड से आजादी दिलाने और देश के मूल निवासियों द्वारा नियंत्रित एक स्वतंत्र राज्य स्थापित करने में मदद की। ऐसा करने से वह

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है, लेलेइहोकू की इच्छा पूरी करें
अहतुन रे द्वारा.

जबकि लेलेइहोकू एक संगीतकार के रूप में जाने जाते थे, सोएकरनो ने नागरिक अध्ययन किया इंजीनियरिंग, हालाँकि उन्होंने अपनी रुचि वास्तुकला पर केंद्रित की, जिसमें कला के तत्व हैं। सुकर्णो एक स्वतंत्रता आंदोलन के नेता थे और विशेष रूप से इंडोनेशियाई नेशनल पार्टी के नेता थे। जब जापानियों ने इंडोनेशिया पर आक्रमण किया, तो सुकर्णो ने इंडोनेशिया के लिए डचों से स्वतंत्रता प्राप्त करने के एक रास्ते के रूप में जापान के साथ सीमित सहयोग को देखा। 7 सितंबर, 1944 को जापान के प्रधान मंत्री ने इंडोनेशिया के लिए स्वतंत्रता का वादा किया। 17 अगस्त, 1945 को सोएकरनो ने अपने साथी मोहम्मद हट्टा के साथ इंडोनेशिया गणराज्य को एक स्वतंत्र और संप्रभु राज्य घोषित किया। सोएकरनो पहले राष्ट्रपति और हट्टा पहले उपराष्ट्रपति बने।

सोएकरनो ने 1945 से 1967 तक इंडोनेशिया के राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया राष्ट्रपति अशांत थे और वह कई संकटों और हत्या के प्रयासों से बचने में सफल रहे।

हालाँकि कुछ लोग उन्हें एक सख्त नेता मानते हैं, लेकिन यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि उनके शासनकाल के दौरान राजनीतिक कुचलने और फाँसी की घटनाएँ नहीं हुईं, जो निश्चित रूप से उनके समकालीनों के अन्य राजनीतिक शासनों में नहीं हुईं। वास्तव में, यह नोट किया गया था कि सोएकरनो के अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध थे।

सोएकरनो द्वारा बनाया गया एक सांस्कृतिक आदेश, जो हमें लेलेयोहोकू की याद दिलाता है युग, इंडोनेशिया में पश्चिमी संगीत के आयात पर प्रतिबंध था, इसलिए वह मूल निवासी था इंडोनेशियाई संगीत को अपनी लोकप्रियता बनाए रखने के अधिक अवसर मिलेंगे। हम लेलेयोहोकू की हवाई युद्ध जैसी रचनाओं की फिर से याद दिला दी जाएगी अहतुन रे के अनुसार, जप और उसकी इच्छा, हवाई की संपत्ति बनी रहे मूल निवासी हवाईवासियों का।

प्रिंस विलियम पिट लेलेयोहोकू के संबंध में मोहम्मद हट्टा कौन हैं? याद करना अहतुन रे ने बताया कि हट्टा हवाईयन शाही परिवार से निकटता से जुड़ा हुआ था, लेकिन वह सिंहासन के उत्तराधिकार की कतार में नहीं था।

हवाईयन शाही परिवार पर शोध करने के बाद, मैंने अनुमान लगाया कि हट्टा था लेलेइहोकू के पिता, हाई

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

मुख्य सीज़र कलुआइकु कपाकेआ, जिसकी पुष्टि बाद में अहतुन रे ने की। इस प्रकार, हवाई साम्राज्य के दौरान पिता और पुत्र, कपाकेआ और लेलेइओहोकू, जो मूल हवाई आबादी की गिरावट और मूल हवाईयन लोगों की घटती राजनीतिक शक्ति के गवाह थे, को स्वदेशी इंडोनेशियाई लोगों के लिए एक राष्ट्र स्थापित करने में मदद करने के लिए हट्टा और सोएकरनो के रूप में एक साथ पुनर्जन्म हुआ था।

अब, इंडोनेशिया गणराज्य की जनसंख्या 220 मिलियन से अधिक है। इसका राष्ट्रीय आदर्श वाक्य "भिन्नेका तुंगगल इका" है, जिसका अर्थ है "अलग लेकिन फिर भी एक"। यह आदर्श वाक्य विविध समूहों को संदर्भित करता है, जिनमें धार्मिक समूह - जैसे मुस्लिम, ईसाई, हिंदू और बौद्ध - और कई अन्य आदिवासी समूह शामिल हैं जो इस विशाल लेकिन एकजुट द्वीपसमूह राष्ट्र में निवास करते हैं।

दुनिया में अन्य जगहों की तरह, इंडोनेशियाई लोगों को भी उनके जातीय समूह और मूल धर्म के अनुसार अलग किया जा सकता है, जिससे अंतर-समूह संघर्ष हो सकता है।

और वाकई ऐसा इंडोनेशिया में हुआ है. मेरी आशा है कि बॉर्न अगेन में प्रस्तुत पुनर्जन्म का साक्ष्य, जो दर्शाता है कि आत्मा धार्मिक, राष्ट्रीय, नस्लीय और जातीय संघों को एक जीवन से दूसरे जीवन में बदल सकती है, जैसा कि ऐनी फ्रैंक/बारब्रो कार्लेन के मामले में, और भी अधिक शांति ला सकता है। इंडोनेशिया. और दुनिया।

यदि इस अध्याय में प्रस्तावित पुनर्जन्म का मामला स्वीकार कर लिया जाए, यह देखना दिलचस्प होगा कि हवाई द्वीप से एक आत्मा समूह इंडोनेशिया में कैसे कूदता है, जो इस आत्मा समूह विकास नाटक का एक और अध्याय है। इससे हमें आश्चर्य होता है कि क्या हवाई द्वीप के अन्य ऐतिहासिक शख्सियतों जैसे कामेहामेहा प्रथम, राजा डेविड कलाकौआ और रानी लिलिउओकलानी का भी इंडोनेशियाई द्वीपसमूह में अवतार था। सीज़र कपाकेआ की तरह/

मोहम्मद हट्टा राजा कलाकौआ और रानी लिलिउओकलानी के पिता थे, किसी को उम्मीद होगी कि कलाकौआ और लिलिउओकलानी के इंडोनेशिया में हट्टा और रानी से संबंधित अवतार होंगे।

Soekarno. हम इन मामलों पर फिर कभी चर्चा करेंगे.

Machine Translated by Google

नेपोलियन चतुर्थ के रूप में फर्डिनेंड मार्कोस और उनका अतीत अवतार

एक अन्य व्यक्ति जिसके बारे में मैंने पूछा वह फर्डिनेंड मार्कोस थे, जो फिलीपींस के राष्ट्रपति थे। आश्चर्यजनक रूप से, अहतुन रे का कहना है कि मार्कोस का पिछला अवतार फ्रांसीसी नेपोलियन राजवंश में से एक के रूप में था। अहतुन रे का कहना है कि यह सबसे प्रसिद्ध नेपोलियन नेपोलियन बोनापार्ट नहीं है, जिसे बॉर्न अगेन के अंतिम अध्याय में पुनर्जन्म मामले में चित्रित किया गया है। हालाँकि, मार्कोस फ्रांसीसी शाही परिवार के सदस्य थे। चूंकि नेपोलियन III की पहचान आज एरियल शेरोन के रूप में की गई है, जिसकी चर्चा उरी गेलर पर पिछले अध्याय में की गई थी, अब कई अन्य नेपोलियन नहीं बचे हैं। बाद में, अहतुन रे ने पुष्टि की कि मार्कोस नेपोलियन चतुर्थ था, जिसे युवावस्था में नेपोलियन यूजीन, प्रिंस इंपीरियल के नाम से जाना जाता था।

1856 में जन्मे नेपोलियन यूजीन सम्राट के पुत्र थे
नेपोलियन III और महारानी यूजनी डी मोंटिजो। नेपोलियन बोनापार्ट इस राजकुमार के चाचा थे। जब वह बड़ा हो रहा था, फ्रांस राजनीतिक उथल-पुथल के दौर की ओर बढ़ रहा था, फ्रांस ने 1870 में पड़ोसी प्रशिया पर युद्ध की घोषणा की। नेपोलियन III 14 वर्षीय नेपोलियन यूजीन के साथ अग्रिम पंक्ति में लड़ाई में शामिल हो गया। फ्रांसीसी सेना विफल रही और सेडान की लड़ाई में नेपोलियन III और शेष फ्रांसीसी सैनिकों को प्रशिया सेना के सामने आत्मसमर्पण करना पड़ा। फ्रांसीसी सम्राट और उनका परिवार निर्वासन में ग्रेट ब्रिटेन भाग गए, इस उम्मीद में कि एक दिन बोनापार्ट राजवंश बहाल हो जाएगा।

जब 1873 में इंग्लैंड में उनके पिता की मृत्यु हो गई, तो बोनापार्ट के कट्टर समर्थकों द्वारा राजकुमार को नेपोलियन चतुर्थ घोषित किया गया।
अपने परिवार की सैन्य परंपरा को जारी रखने के लिए उत्सुक होकर, उन्होंने वूलविच में ब्रिटिश रॉयल मिलिट्री अकादमी में प्रवेश लिया। बाद में वह रॉयल आर्टिलरी के हिस्से के रूप में ब्रिटिश सशस्त्र बल में शामिल हो गए। 1879 में ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका में ज़ुलु साम्राज्य के बीच ज़ुलु युद्ध छिड़ गया। ज़ुलु राष्ट्र के नेता सेत्सवेयो, अंग्रेजों के प्रति शत्रुतापूर्ण थे जो इस क्षेत्र पर कब्ज़ा करना चाहते थे। नेपोलियन चतुर्थ, एक लेफ्टिनेंट

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

ब्रिटिश सैनिकों ने अपने राजनीतिक संबंधों का उपयोग करते हुए ज़ुलु युद्ध में लड़ने के लिए भेजा।

अंग्रेज़ इस फ्रांसीसी अभिजात को उन क्षेत्रों में भेजकर उनकी रक्षा करना चाहते थे जिन्हें वे ज़ुलु सैनिकों से मुक्त मानते थे।

हालाँकि, एक ग़लत अनुमान तब हुआ जब 1 जून 1879 को नेपोलियन चतुर्थ को ब्रिटिश सेना द्वारा एक स्कैनिंग मिशन में भाग लेने की अनुमति दी गई। नियंत्रण लेने के प्रति उत्साहित नेपोलियन चतुर्थ ने ब्रिटिश अभियान दल के नेता का नेतृत्व संभाला और समूह को ज़ुलु क्षेत्र में आगे और आगे निर्देशित किया। जब वे दोपहर को रुके, तो समूह पर 40 ज़ुलु योद्धाओं ने घात लगाकर हमला कर दिया।

23 वर्ष की आयु के नेपोलियन चतुर्थ की उस दिन विभिन्न चाकू के घावों से मृत्यु हो गई।

फर्डिनेंड मार्कोस का जन्म 38 साल बाद 1917 में हुआ था

नेपोलियन यूजीन, उनका जन्म खुद को साबित करने के जुनून के साथ हुआ था और फिलीपींस विश्वविद्यालय में उन्होंने खुद को एक एथलीट, डिबेटर और छात्र के रूप में स्थापित किया। उन्होंने कानून की डिग्री के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की। द्वितीय विश्व युद्ध छिड़ने पर उन्होंने एक सैन्य अधिकारी के रूप में कार्य किया। मार्कोस ने बाटन की लड़ाई में जापानी सेना से लड़ाई की और इस लड़ाई के परिणामस्वरूप युद्ध बंदी के रूप में पकड़ लिया गया। अपनी रिहाई के बाद, मार्कोस, अपने कथन के अनुसार, गुरिल्ला बलों में शामिल हो गए और बेसांग दर्रे की लड़ाई में भाग लिया।

युद्ध के बाद, मार्कोस एक महत्वाकांक्षी राजनीतिज्ञ बन गए।

पहले एक कांग्रेस सदस्य के रूप में निर्वाचित होकर, फिर 1965 में राष्ट्रपति पद पर आसीन होकर। उनकी सरकार की सबसे बड़ी विरासत सड़क, पुल और बिजली संयंत्र प्रणाली का बुनियादी ढांचा है जिसे उन्होंने फिलीपींस के सशस्त्र बलों को एक कार्यबल के रूप में तैनात करके बनाया था। नागरिक पक्ष के तकनीकी विशेषज्ञों के साथ।

मार्कोस फिलिपिनो के लिए "बागोंग लिपुनन" या "नए समाज" का प्रतीक हैं। इस नई सोसाइटी के हिस्से के रूप में, दंगों, प्रदर्शनों और व्यापक हिंसा से उत्पन्न मार्शल लॉ की अवधि के दौरान, मार्कोस ने विदेशियों, विशेषकर चीनियों के स्वामित्व वाले व्यवसायों को जब्त कर लिया और उन्हें फिलिपिनो को दे दिया।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

हालाँकि यह विचार शुरू में राष्ट्रवादी था, अंत में, मार्कोस ने व्यवसाय और उससे जुड़ी संपत्ति अपने परिवार के सदस्यों और राजनीतिक समर्थकों को दे दी।

इसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ, जो मार्कोस की विरासत का हिस्सा बन गया, जैसा कि उनके द्वारा बनाया गया बुनियादी ढांचा था। भ्रष्टाचार, गिरते स्वास्थ्य और अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बेनिग्नो एक्विनो की हत्या की स्वीकारोक्ति के कारण उनका राष्ट्रपति पद समाप्त हो गया और फिलीपींस से उनका प्रस्थान हो गया।

मार्कोस के अंतिम दिन नेपोलियन चतुर्थ के समान पैटर्न को दोहराते हुए निर्वासन में बिताए गए थे। वास्तव में, कुछ पर्यवेक्षकों का कहना है कि अपने परिवार के सदस्यों और समर्थकों को व्यवसाय और धन देकर, मार्कोस एक नया राजवंश बनाने का इरादा रखते थे।

इसके अलावा, मार्कोस को कई फ्रांसीसी सम्राटों की तरह एक तानाशाह के रूप में जाना जाता था। किसी को आश्चर्य होता है कि क्या नेपोलियन राजवंश के अंत, जिसे नेपोलियन चतुर्थ ने देखा और अनुभव किया, ने मार्कोस को एक साम्राज्य को फिर से स्थापित करने की महत्वाकांक्षा के लिए प्रेरित किया।

वैसे, अहतुन रे ने प्रसिद्ध फर्डिनेंड की पत्नी इमेल्डा मार्कोस को नेपोलियन चतुर्थ की उपपत्नी के रूप में पुष्टि की है। यह जानना दिलचस्प होगा कि क्या बोनापार्ट के अन्य समर्थकों ने मार्कोस द्वारा बनाई गई नई सोसायटी के हिस्से के रूप में फिलीपींस में पुनर्जन्म लिया।

प्रशांत नेपोलियन

यद्यपि राजा कामेहामेहा प्रथम को यूरोपीय लोगों द्वारा "प्रशांत का नेपोलियन" करार दिया गया था, मैं "नेपोलियन" शब्द का अधिक सामान्यतः उपयोग करना चाहूंगा, एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जो नेतृत्व करने और सत्ता के पदों पर कब्जा करने के लिए प्रेरित था।

इस विचार को स्पष्ट करने के लिए, आइए पूछें कि कोई समूह इसमें क्यों शामिल होगा सत्तारूढ़ हवाई में इंडोनेशिया में शासन करने के लिए पुनर्जन्म लिया जाएगा? नेपोलियन III का इज़राइल के नेता एरियल शेरोन के रूप में और नेपोलियन चतुर्थ का फिलीपींस के नेता के रूप में पुनर्जन्म क्यों हुआ? शासकों का पुनर्जन्म शासकों के रूप में क्यों होता है?

मेरे प्रस्तावित उत्तर की अधिक विस्तार से समीक्षा की गई है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

इस पुस्तक के भाग IV का शीर्षक है "आत्मा की उत्पत्ति और पुनर्जन्म का उद्देश्य"। इस खंड में, यह तर्क दिया गया है कि आत्माएं एक विशेष ऊर्जा पैटर्न, ऊर्जा के एक स्पेक्ट्रम या पैटर्न के साथ बनाई जाती हैं, जो उन्हें जीवन के एक विशेष पथ पर निर्देशित करती है।

इसलिए, कलाकार कलाकार के रूप में पुनर्जन्म लेते हैं, और लेखक लेखन के नए कार्यों को बनाने के लिए फिर से पैदा होते हैं, और जो आत्माएं सत्ता और नेतृत्व की ओर आकर्षित होती हैं, वे नेता बनने की इच्छा के साथ पुनर्जन्म लेती हैं। इस वजह से, मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि पिछले युगों में नेपोलियन जैसी आत्माओं का शाही परिवारों में पुनर्जन्म हो, ताकि उन्हें नेता बनने का अवसर मिले। नये युग में ये आत्माएँ व्यक्तिगत पहल से नेतृत्व की स्थिति तक पहुँचने में सफल रहीं।

जिस तरह हम सभी आध्यात्मिक विकास की प्रक्रिया से गुजरते हैं, उसी तरह नेताओं को भी समय के साथ विकसित और परिपक्व होना चाहिए। क्रूरता, स्वार्थ के लिए सत्ता का प्रयोग और भ्रष्टाचार नेतृत्व की अपरिपक्वता के रूप हैं। युद्ध अपरिपक्वता का भी परिचायक है।

नेपोलियन प्रकार की युवा आत्माओं ने मानव जाति को सबसे अधिक कष्ट पहुँचाया है। हालाँकि, नेताओं ने सभ्यता के सबसे महान स्मारक और बुनियादी ढाँचे भी बनाए हैं। हर किसी की तरह नेता भी कर्म के नियम से बच नहीं पाते।

मुझे आशा है कि पुनर्जन्म के साक्ष्य नेताओं, प्रशांत नेपोलियन, साथ ही विश्व नेपोलियन को अपना काम अधिक सावधानी और विवेक के साथ करने पर मजबूर कर देंगे। जैसे-जैसे नेता अपने व्यक्तिगत विकास में परिपक्व होंगे, दुनिया की सभ्यता विकसित होगी।

नए समाज जो शांतिपूर्ण और समृद्ध हों, वास्तव में बनाए जा सकते हैं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

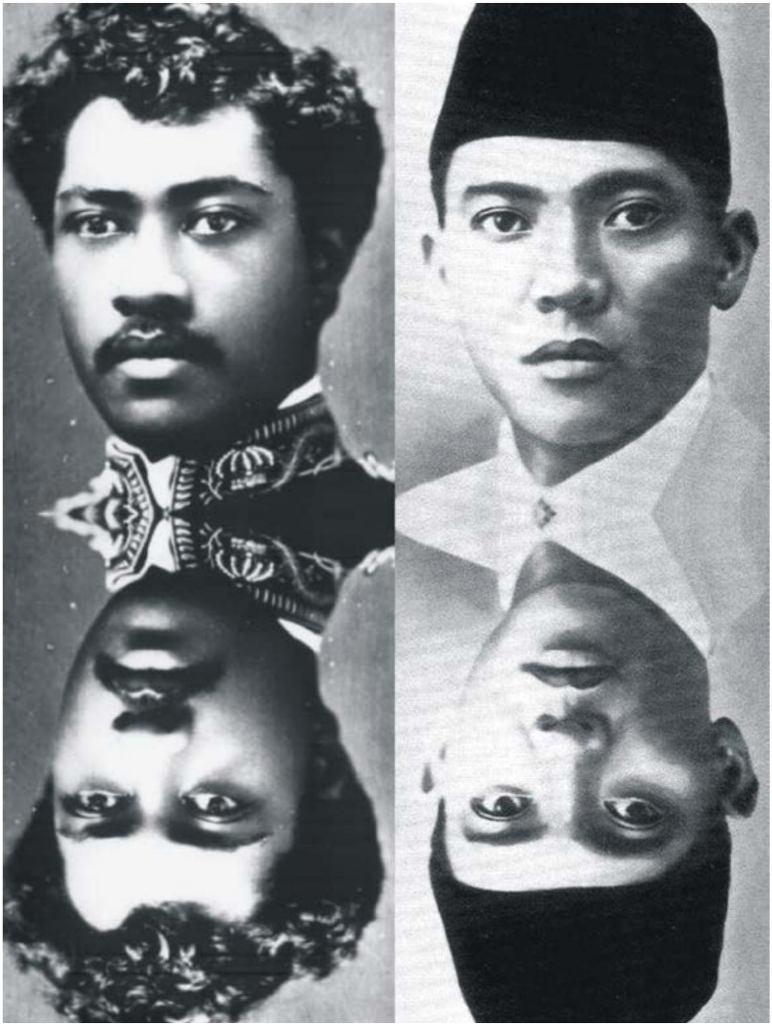

लेलिओहोकु Soekarno

विषम आँखों पर ध्यान दें. अहतुन रे के अनुसार, सोएकरनो सिंहासन के वंश में हवाई में एक राजकुमार, लेलेयोहोकू था। उनके पिता हाई चीफ कपाकेआ थे,

जिनका पुनर्जन्म मोहम्मद हत्ता के रूप में हुआ।

Machine Translated by Google

कपाकेआ

मोहम्मद हट्टा

कपाकेआ एक हवाईयन उच्च प्रमुख है जो राजा कलाकौआ, रानी लिलिउओकलानी और राजकुमार लेलेइओहोकू के पिता हैं, जिनका सोएकरनो के रूप में पुनर्जन्म हुआ था। कपाकेया का दोबारा जन्म मोहम्मद हट्टा के रूप में हुआ। इस प्रकार, हवाईयन राजाओं के समय हट्टा सोएकरनो के पिता थे।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

नेपोलियन चतुर्थ

फर्डिनेंड मार्कोस

नेपोलियन चतुर्थ को इंग्लैंड में निर्वासित कर दिया गया। वह अफ्रीकी ज़ुलु युद्ध में ब्रिटिश सैनिकों में शामिल हो गए। नेपोलियन चतुर्थ की ज़ुलु सैनिकों के हाथों मृत्यु हो गई, फिर उसका पुनर्जन्म हुआ फिलीपींस में फर्डिनेंड मार्कोस के रूप में।

Machine Translated by Google

25

हेनरी ओपुकाहिया, लिखित हवाईयन भाषा के अग्रदूत और इंडोनेशिया में उनका पुनर्जन्म हुआ

में बॉर्न अगेन के इंडोनेशियाई संस्करण को प्रकाशित करने की प्रक्रिया में, एक अन्य व्यक्ति है जिसके पिछले जीवन की पहचान की मैं पुष्टि करना चाहता हूं। वह व्यक्ति इहिपासिको फाउंडेशन के संस्थापक हांडाका विजजानंद हैं, जो एक संस्था है जो इंडोनेशिया में बुद्धधर्म के प्रकाशन, शिक्षा और प्रशिक्षण का कार्य करती है।

हांडाका के साथ काम करते हुए मैंने पाया कि वह एक बेहद प्रभावशाली युवा व्यक्ति थे। उन्होंने एक फार्मासिस्ट के रूप में शिक्षा प्राप्त की, फिर एक फार्मास्युटिकल निर्यात व्यवसाय में, अपने परिवार के प्रति एक समर्पित पिता के रूप में, लेकिन फिर भी उन्हें अध्यात्म और बौद्ध धर्म पर किताबें लिखने, संपादित करने और प्रकाशित करने का समय मिल जाता है।

व्यक्ति एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल में समान गतिविधियाँ करते रहते हैं, और जिन लोगों ने एक अवतार में किताबें लिखीं, उन्होंने अक्सर पिछले अवतारों में किताबें लिखीं। पिछले जन्मों का पता लगाना भी आसान है जो लेखकों के लिए ऐतिहासिक रूप से सत्यापन योग्य हैं, क्योंकि वे लिखित रिकॉर्ड छोड़ गए हैं। इस वजह से, मैं हांडाका के पिछले जीवन के बारे में जानने को उत्सुक था।

केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, अहतुन रे ने कहा कि हांडाका का एक मूल हवाईयन के रूप में भी अवतार था जो लिखित हवाईयन भाषा के निर्माण में शामिल था। जब मैंने उनसे पूछा कि मैं इस व्यक्ति को कैसे ढूंढ सका, तो उन्होंने कहा कि यह व्यक्ति ऐतिहासिक रूप से प्रसिद्ध था और ऐसा केवल एक ही चरित्र था।

कुछ खोज करने के बाद, मुझे एक लेख मिला जिसका शीर्षक था, हेनरी ओपुकाहिया: द यूथ हू चेंज्ड

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

हवाई, बेट्टी फुलार्ड-लियो द्वारा लिखित, जिसमें वह लिखना:

बाइबिल का अनुवाद करने और रिकॉर्डिंग करने में ओपुकाहिया का काम व्याकरण की किताब/शब्दकोश में हवाईयन भाषा/ वर्तनी, ने मिशनरियों के लिए हवाईयन में पहली हवाईयन पाठ्यपुस्तकों और बाइबल कहानियों को मुद्रित करने का मार्ग प्रशस्त किया।6

मुझे ओपुकाहिया का एक चित्र मिला और मैंने देखा कि यह हांडाका से मिलता जुलता है। केविन रायर्सन के साथ अगले सत्र में, मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या यही वह व्यक्ति है जिसका वह जिक्र कर रहे थे। मेरा मतलब है, मैंने पूछा कि क्या हंडका विजयानंद हेनरी ओपुकाहिया के पुनर्जन्म थे। अहतुन रे ने पुष्टि की कि यह मैच सही था।

जब मैंने हंडाका के साथ यह जानकारी साझा की, तो उन्हें और उनके परिवार को तुरंत इस मैच से जुड़ाव महसूस हुआ, इसके कारणों के बारे में जल्द ही बताया जाएगा। आइए सबसे पहले हवाईयन भाषा के इस प्रणेता के जीवन पर नजर डालें।

ऐसा माना जाता है कि ओपुकाहिया का जन्म 1792 में हवाई के बड़े द्वीप पर हुआ था। एक बच्चे के रूप में, वह वृद्ध जनजातीय नेता अलापी की मृत्यु के बाद हुई अराजकता और युद्ध के बीच बड़े हुए। जैसा कि इस अध्याय में पहले बताया गया है, कामेहामेहा, जो बाद में पूरे हवाई द्वीप का शासक बन गया, अलापी की मृत्यु के बाद बड़े द्वीप पर नियंत्रण को लेकर संघर्ष में उलझ गया। शाही परिवार के दो गुटों के बीच हुए इस युद्ध में ओपुकाहिया के माता-पिता दोनों मारे गए। उसके बाद उनका पालन-पोषण एक चाचा ने किया जो एक पुजारी या "कहुना" थे।

बाद में उन्होंने "कापू" के उल्लंघन के कारण अपनी चाची को खो दिया, जिसका अर्थ है एक वर्जित या धार्मिक नियम जिसे तोड़ा नहीं जा सकता। बेट्टी फुलार्ड-लियो इस घटना से संबंधित हैं:

ओपुकाहिया, जिसकी उम्र लगभग 10 से 12 वर्ष आंकी गई थी उस समय बूढ़ी, अपनी युवा बहन को पीठ पर लादकर सैनिकों के हमले से भाग गई। सैनिकों द्वारा फेंका गया भाला निशाने पर लगा और उसकी नवजात बहन की मृत्यु हो गई। ओपुकाहिया बच गई, लेकिन वह सैनिक था जिसने उसके माता-पिता को मार डाला था जो अगले डेढ़ साल के लिए उसका रक्षक बन गया।

Machine Translated by Google

इस समय के दौरान, ओपुकाहिया को पता चलता है कि पास के मंदिर में एक कहुना उसका चाचा है, इसलिए उसे अपनी दादी और चाचा के साथ रहने की अनुमति है। जब वह पास के एक गांव में अपनी चाची से मिलने गई थी, तो सैनिक आए और कापू कानून का उल्लंघन करने के लिए उसकी चाची को हिरासत में ले लिया, लेकिन ओपुखैया एक बार फिर घर में एक छेद के माध्यम से भागकर खुद को बचाने में कामयाब रही।

उसने देखा कि कैसे एक सैनिक ने उसकी चाची को चट्टान से फेंक दिया जिससे उनकी मृत्यु हो गई।7

यह कितना दुखद है कि जनजातीय युद्धों से अनाथ ओपुकाहिया हो गया है इतनी अधिक हिंसा देखने के लिए।

यह समझ में आता था कि वह अधिक शांतिपूर्ण जगह की तलाश में हवाई क्यों छोड़ना चाहता था। जब ट्रायम्फ नामक एक जहाज़ डॉक करता है, तो उसका कप्तान, ब्रिंटनॉल नाम का एक व्यक्ति ओपुकाहिया और होपू, एक अन्य हवाईयन लड़के को रात का खाना खाने और जहाज पर रहने के लिए आमंत्रित करता है।

फिर, 16 साल की उम्र में, ओपुकाहिया को जहाज पर रहने और जहाज की यात्राओं में शामिल होने की अनुमति दी गई। ट्रायम्फ पर अपनी यात्राओं के बारे में, बेट्टी फुलार्ड-लियो लिखती हैं:

नाविकों ने ओपुकाहिया हेनरी को बुलाया, और उसका अंतिम नाम इस तरह लिखा जैसे कि उन्होंने इसका उच्चारण "ओबूकिया" किया हो।
अगले दो वर्षों के लिए, ओपुकाहिया ट्रायम्फ के ऊपर से रवाना हुआ सील द्वीप (अलास्का और जापान के बीच) के लिए रवाना हुए, हवाई लौटे, फिर मकाओ, और केप ऑफ गुड होप का चक्कर लगाया, फिर 1809 में न्यूयॉर्क पहुंचे। जहाज पर उन्होंने रसेल हबर्ड नामक एक ईसाई नाविक से दोस्ती की, जिन्होंने पढ़ाना शुरू किया। ओपुकाहिया को कैसे पढ़ना और लिखना है, अक्सर बाइबल को अपनी मूल अध्ययन सामग्री के रूप में उपयोग करते हैं।
8

जब जहाज संयुक्त राज्य अमेरिका में उतरा, तो ओपुकाहिया कैप्टन ब्रिंटनॉल और उनके परिवार के साथ रहने के लिए न्यू हेवन, कनेक्टिकट चले गए। वहां उन्होंने अपनी शिक्षा जारी रखी और ईसाई धर्म के बारे में सीखा, जो उन्हें अपने मूल हवाईयन धर्म से अधिक दिलचस्प लगा, जिसमें मूर्तियों की पूजा की जाती थी। कुछ समय तक, वह येल कॉलेज के अध्यक्ष के परिवार के साथ रहे जो बहुत वफादार थे। जीविकोपार्जन के लिए, वह कनेक्टिकट और न्यू हैम्पशायर में खेतों पर काम करता है, हालाँकि वह

Machine Translated by Google

जब भी वह संभव हो सीखता रहे।

1814 में, ओपुकाहिया ने कनेक्टिकट में चर्च समूहों में सार्वजनिक भाषण देना शुरू किया। इसके अलावा, उन्होंने बाइबिल का हवाईयन में अनुवाद करना शुरू किया, और उन्होंने एक हवाईयन शब्दकोश और व्याकरण पुस्तक का निर्माण किया। फुलार्ड-लियो ने अपने लेख में अपनी कहानी जारी रखी है:

कनेक्टिकट में लोगों ने मिशनरियों को विदेशी देशों, विशेषकर हवाई में भेजने के बारे में बात करना शुरू कर दिया है, क्योंकि कुछ युवा, मूल ईसाई (जैसे ओपुकाहिया) मार्ग प्रशस्त करने में सक्षम होंगे। ओपुकाहिया येल कॉलेज में पढ़ाई करके अपने जिज्ञासु दिमाग को भरना जारी रखती है। उन्होंने न केवल लैटिन, हिब्रू, ज्यामिति और भूगोल सीखा, बल्कि मेमोयर्स ऑफ हेनरी ओबुकियाह नामक पुस्तक में अपनी जीवन कहानी लिखकर अपनी अंग्रेजी भी विकसित की। 1815 में, उन्होंने अपना व्यक्तिगत इतिहास लिखना समाप्त कर दिया और उन्होंने अपने विश्वासों के बारे में अपनी भावनाओं का विवरण देते हुए एक डायरी लिखनी शुरू की।9

वास्तव में, ओपुकाहिया को एक मिशनरी प्रशिक्षण से गुजरना पड़ा ताकि वह ईसाई संदेश को अपनी मातृभूमि, हवाई और बाकी दुनिया में फैला सके। दुर्भाग्य से एक मिशनरी मिशन में भाग लेने का अवसर मिलने से पहले, ओपुकाहिया को टाइफस हो गया और 17 फरवरी, 1818 को उसकी मृत्यु हो गई। अपने जीवन के अंत और उस पर इसके प्रभाव के बारे में, बेट्टी फुलार्ड-लियो लिखती हैं:

शोक मनाने वालों ने उनके चेहरे पर एक स्वर्गीय मुस्कान देखी। वह 26 साल का है.
उनके कुछ अंतिम शब्द थे "अलोआ ओए" - जिसका अनुवाद उनकी स्मृति में "माई" के रूप में होता है
प्यार
तुम्हारे साथ।"

उनकी मृत्यु के बाद उनके जीवन के बारे में पुस्तिकाएँ मुद्रित और वितरित की गईं। इस पुस्तक ने 14 मिशनरियों को स्वेच्छा से उनका संदेश सैंडविच द्वीप समूह तक ले जाने के लिए प्रेरित किया।

23 अक्टूबर, 1819 को थैडियस पर सवार होकर यात्रा करने वालों में से केवल सैमुअल रग्गल्स ही ओपुकाहिया से व्यक्तिगत रूप से मिले थे। बाइबिल का अनुवाद करने और व्याकरण/शब्दकोश/वर्तनी पुस्तक में हवाईयन को रिकॉर्ड करने में ओपुकाहिया के काम ने मिशनरियों के लिए हवाईयन में पहली हवाईयन परिचयात्मक पाठ्यपुस्तकों और बाइबिल कहानियों को मुद्रित करने का मार्ग प्रशस्त किया।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

ओपुकाहिया का शव कनेक्टिकट के कॉर्नवाल में एक पहाड़ी कब्रिस्तान में दफनाया गया है, जहां वह 185 वर्षों से रह रही है।

1993 में, डेबोरा ली के नेतृत्व में उनके वंशजों का एक समूह, उनके अवशेषों को बिग आइलैंड में वापस लाया। उनके अवशेषों को दक्षिण कोना में कीलाकेकुआ खाड़ी के पास, नेपो ओपो-ओ में काहिकोलू कब्रिस्तान में फिर से दफनाया गया। एक पट्टिका कब्र को चिह्नित करती है, जिसका रख-रखाव का ओह ओला होउ द्वारा किया जाता है, जो इस धर्मनिष्ठ और दृढ़निश्चयी युवक की उपलब्धियों को संरक्षित करने के लिए गठित एक समूह है, जिसके बारे में माना जाता है कि वह ईसाई धर्म में परिवर्तित होने वाला पहला हवाईयन था-

वह युवा जिसका उत्साह उसके आगमन का कारण था। 1820.10 में हवाई में प्रथम मिशनरी

बॉर्न अगेन में प्रस्तुत मामलों में, हमने एक बार फिर देखा है कि कैसे प्रवृत्तियाँ, दृष्टिकोण, प्रतिभाएँ और जीवनशैली एक अवतार से दूसरे अवतार में खुद को दोहरा सकती हैं। हंडाका विजयानंद ओपुकाहिया से संबंधित हैं क्योंकि उनके बीच कई समानताएं मौजूद हैं, जैसे:

- धर्मग्रंथों का अनुवाद: ओपुकाहिया ने बाइबिल का हवाईयन में अनुवाद किया। हांडाका ने बौद्ध धर्मग्रंथों का इंडोनेशियाई में अनुवाद किया।

- अनुवादित शब्दकोश का निर्माण: ओपुकाहिया को अंग्रेजी के लिए पहले शब्दकोश या मूल शब्दकोश के निर्माण के लिए जाना जाता है/ हवाईयन अनुवाद. हांडाका पाली (पुरानी भारतीय) में लिखे गए बौद्ध ग्रंथों को इंडोनेशियाई में स्थानांतरित करने की सुविधा के लिए एक समान अनुवादित शब्दकोश पर काम कर रहा है।

- सार्वजनिक वक्ता: जिस तरह ओपुकाहिया चर्च समूहों में आम जनता को व्याख्यान देते हैं, उसी तरह हांडाका बौद्ध धर्म और व्यक्तित्व विकास पर सार्वजनिक व्याख्यान देते हैं।

- मिशनरी कार्य: ओपुकाहिया ने प्रदर्शन करने के लिए प्रशिक्षण लिया ईसाई मिशनरी कार्य, हालाँकि मिशनरी के रूप में सेवा शुरू करने से पहले ही उनकी मृत्यु हो गई। हंडाका कई वर्षों से मिशनरी कार्य कर रहे हैं और हाल ही में उन्होंने मेदान और आचे में सेवा की है, जो 2004 के अंत में सुनामी से प्रभावित हुए थे।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

हांडाका ने नोट किया कि दोनों जीवनकालों के बीच मुख्य अंतर यह है कि उन्होंने ओपुकाहिया के रूप में अपने जीवन में ईसाई धर्म की सेवा की, जबकि उन्होंने अपने वर्तमान अवतार में बौद्ध धर्म की सेवा की। इसमें अधिक सार्वभौमिक और समग्र दृष्टिकोण भी है, जो पुनर्जन्म में विश्वास करने वाले लोगों की विशेषता है।

अहतुन रे ने खुलासा किया है कि इंडोनेशिया में हांडाका परिवार हवाई में ओपुकाहिया परिवार के हिस्से के रूप में भी अवतरित हुए थे, जिनमें से कुछ को, हम जानते हैं, हिंसक मौतों का सामना करना पड़ा था। हेनरी ओपुकाहिया/हंडाका विजजानंद के पुनर्जन्म के मामले में, हम आध्यात्मिक विकास में मनुष्य के सूक्ष्म जगत पथ को देखते हैं। ओपुकाहिया का जन्म आदिवासी युद्धों और सख्त धार्मिक नियमों और वर्जनाओं की भूमि में हुआ था। वर्जनाओं को तोड़ने पर यातना और यहां तक कि मौत भी हो सकती है। ओपुकाहिया ने हवाई छोड़ दिया और ईसाई धर्म में विश्वास करने लगा, एक ऐसा धर्म जो क्षमा, दान और दूसरों के साथ वैसा ही व्यवहार करने पर केंद्रित है जैसा हम चाहते हैं कि दूसरे हमारे साथ करें।

हालाँकि, ईसाई अभी भी अन्य विश्वास प्रणालियों वाले लोगों से अलग हैं और इन मतभेदों पर युद्ध लड़े गए हैं।

अपने वर्तमान जीवन में, हांडाका ने बौद्ध धर्म अपनाया, जो करुणा को महत्व देता है और पुनर्जन्म का पालन करता है।

पुनर्जन्म और विशेष रूप से पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य यह दिखाते हैं कि हम धर्म, राष्ट्र, नस्ल और जातीयता के साथ अपने संबंधों को एक अवतार से दूसरे अवतार में बदल सकते हैं, एक सार्वभौमिक विश्वदृष्टि का अंतिम स्रोत है। आइए आशा करें कि पुनर्जन्म से संबंधित साक्ष्य पूरी दुनिया में फैलेंगे, जिससे ग्रह पर अधिक शांति और सहिष्णुता आएगी। आइए हम इंडोनेशिया में पुनर्जन्म के साक्ष्य प्रस्तुत करने में सहायता के लिए हेनरी ओपुकाहिया/हांडाका विजयानंद को धन्यवाद दें।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

हेनरी ओपुकाहिया हंडका विजयानंद

हेनरी ओपुकाहिया एक युवा हवाईवासी थे जिन्होंने पहली बार बाइबिल का लिखित अनुवाद किया था

हवाईयन। उनका इंडोनेशिया में हंडाका विज्जानंद के रूप में पुनर्जन्म हुआ।

मिशनरी और धार्मिक पाठ अनुवाद के मामले में दोनों में बहुत समानता है। मुख्य अंतर यह है कि उन्होंने हेनरी के रूप में ईसाई धर्म की सेवा की, जबकि अपने वर्तमान अवतार में उन्होंने बौद्ध धर्म की सेवा की।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

BORN again

भाग IV

की उत्पत्ति

आत्मा और पुनर्जन्म का उद्देश्य

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

26

परिचय और IISIS:

एक विज्ञान की स्थापना

आध्यात्मिक ज्ञान

आज तक बॉर्न अगेन का फोकस इसी पर रहा है
वर्तमान मामले जो पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य दर्शाते हैं। मेरी राय में, पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य से आध्यात्मिक विज्ञान को बढ़ावा मिलेगा जो मानवता को अधिक तेज़ी से और शांतिपूर्ण तरीके से विकसित करने में मदद करेगा।

पुनर्जन्म के मामलों की दो श्रेणियां प्रस्तुत की गई हैं
बोर्न अगेन में. एक श्रेणी उन मामलों से संबंधित है जिन पर स्वतंत्र रूप से शोध किया गया है या स्वयं द्वारा
वर्णित किया गया है, जैसे कि डॉक्टर द्वारा अध्ययन किए गए मामले। वर्जीनिया विश्वविद्यालय में इयान स्टीवेन्सन ने रॉबर्ट स्नो, जेफ कीन, नॉर्म शीली, बारब्रो कार्लेन और अन्य जैसे मामलों को स्वतंत्र रूप से हल किया।

दूसरी श्रेणी में केविन रायर्सन के साथ मेरे द्वारा किए गए सहयोग के माध्यम से हल किए गए मामले शामिल हैं, जिसमें उनके आध्यात्मिक मार्गदर्शक अहतुन रे ने पिछले जीवन की पहचानों की सटीक भविष्यवाणी करने की क्षमता का प्रदर्शन किया है। जैसा कि पहले बताया गया है, अहतुन रे एक आत्मा है जो पृथ्वी पर एक विकासवादी चक्र से गुज़री है, जिसने 1350 ईसा पूर्व से पुनर्जन्म न लेने का विकल्प चुना है।

इसके बजाय, अहतुन रे ने तीन हजार से अधिक वर्षों तक, आध्यात्मिक दुनिया से अपने दृष्टिकोण से मानव जाति के विकास का अवलोकन किया।

अगर कुछ साल पहले किसी ने मुझसे कहा होता कि मैं एक किताब लिखूंगा

Machine Translated by Google

एक ट्रान्स माध्यम और मिस्र के एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक के साथ सहयोग करते हुए, मैं स्पष्ट रूप से सोचूंगा कि यह बहुत दूर की कौड़ी है। हालाँकि, केविन के साथ 6 वर्षों से अधिक समय तक काम करने और हर महीने उसके साथ एक या दो सत्र करने के दौरान, मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूं कि अहतुन रे एक आत्मा है जो केविन की अपनी आत्मा से अलग है, और अहतुन रे की पहुंच आंशिक रूप से लोगों तक है। इसे यूनिवर्सल माइंड या जिसे कुछ अन्य लोग आकाशीय रिकॉर्ड कहते हैं, के रूप में देखें।

जानकारी के इन स्रोतों तक पहुँचने की अहतुन रे की क्षमता उसे पुनर्जन्म के मामलों को सटीक रूप से हल करने की अनुमति देती है। इस क्षमता के कारण, मुझे वह एक मूल्यवान शोध भागीदार लगा, जिसका हृदय भी बहुत अच्छा था। इसके अलावा, मुझे केविन एक अद्भुत दोस्त भी लगा। वह ईमानदार, नैतिक और उज्ज्वल दिमाग वाला है।

केविन ने अहतुन रे जैसी मार्गदर्शक आत्माओं को मानव जाति के साथ संवाद करने की अनुमति देकर एक अनूठी सेवा प्रदान की है। मैं, कई अन्य लोगों की तरह, उन्हें दुनिया का सबसे अग्रणी ट्रान्स माध्यम मानता हूं, और मैं अक्सर उन्हें आज के एडगर कैस के रूप में संदर्भित करता हूं।

बॉर्न अगेन में, मैंने पुनर्जन्म के मामलों को संकलित किया है जो पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य प्रदान करते हैं।

यह न केवल इस बात का प्रमाण देने के लिए है कि पुनर्जन्म वास्तविक है, बल्कि उन पैटर्न और विशेषताओं को भी रेखांकित करने का प्रयास है जो दर्शाते हैं कि पुनर्जन्म कैसे काम करता है। पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य समय के साथ बढ़ते जाएंगे क्योंकि अधिक से अधिक लोग अपने ऐतिहासिक रूप से सत्यापित पिछले जीवन को याद करते हैं, या उन्हें किसी न किसी तरीके से ढूंढते हैं।

इंटरनेट और जनसंचार माध्यमों के विकास के कारण, पुनर्जन्म का वस्तुनिष्ठ साक्ष्य प्रदान करने वाली जानकारी दुनिया भर में तेजी से प्रसारित होगी।

यदि हम स्वीकार करते हैं कि पुनर्जन्म वास्तविक है, तो आने वाले प्रश्न स्वाभाविक रूप से पुनर्जन्म के उद्देश्य और आध्यात्मिक दुनिया की प्रकृति के इर्द-गिर्द घूमेंगे। दुर्भाग्य से, कुछ

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

हममें से अधिकांश लोग आत्मा की दुनिया को नहीं समझ सकते। पुनर्जन्म के उद्देश्य को समझाने की कोशिश में, हमें उन आत्माओं पर भरोसा करना होगा जो इसे प्रत्यक्ष रूप से अनुभव कर सकते हैं, ऐसे लोग जिनके पास अद्वितीय प्रतिभाएं हैं जैसे कि मनोविज्ञान। इसके अलावा, हम स्वयं आत्मा की दुनिया के निवासियों की गवाही पर आधारित हो सकते हैं, जैसे अहतुन रे और अन्य आत्मा मार्गदर्शक जो जॉन/जॉन और टॉम मैकफरसन सहित केविन रायर्सन के माध्यम से संवाद करते हैं।

जॉन, केविन की मार्गदर्शक भावना हमें नए नियम के सुसमाचारों को समझने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। उन्होंने खुद को एस्सेन्स के सदस्य, यीशु के शिष्य और यहां तक कि प्रेरित जॉन के रूप में भी पहचाना, जिन्होंने जॉन का सुसमाचार लिखा था। जॉन के संदेशों की सामग्री का केविन की पुस्तक, स्पिरिट कम्युनिकेशन, द सोल्स पाथ में गहराई से अध्ययन किया जा सकता है। वास्तव में, पुस्तक में जॉन के संदेशों का प्रतिलेखन स्पष्ट शैलीगत समानताओं के साथ भी, एक नए रूप में जॉन के सुसमाचार का निर्माण करता है।

मैं केविन को उनकी पुस्तक से मिली जानकारी का उपयोग करने की अनुमति देने के लिए धन्यवाद देता हूँ।

निम्नलिखित पृष्ठों में, आत्मा के विकास के संबंध में बाइबिल की कई अवधारणाओं की जांच की जाएगी। चूंकि जॉन, केविन रायर्सन की मार्गदर्शक भावना ने खुद को प्रेरित जॉन के रूप में पहचाना है, अन्य धार्मिक अवधारणाओं की तुलना में जूदेव-ईसाई अवधारणाओं पर अधिक ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा, अहतुन रे ने कहा है कि उन्होंने अपने अवतार के दौरान यीशु की मार्गदर्शक आत्मा के रूप में कार्य किया जिसके कारण उन्हें सूली पर चढ़ाया गया और पुनरुत्थान हुआ। मेरा पालन-पोषण संयुक्त राज्य अमेरिका में कैथोलिक माता-पिता द्वारा हुआ, इसलिए मेरा मुख्य धार्मिक अनुभव यहूदी-ईसाई अवधारणाएँ थीं। मुझे खेद है कि अन्य धार्मिक अवधारणाओं को बाद के अध्यायों में समान अवसर नहीं मिला है। मुझे आशा है कि भविष्य के प्रकाशनों में इस कमी को दूर किया जा सकेगा।

अन्य लोगों से मैंने इस अनुभाग में योगदान देने के लिए कहा है
बोर्न अगेन ऐसे व्यक्ति होते हैं जिनके पास मानसिक प्रतिभा होती है और जिनके पास अनुभव होता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

सीधे नीचे सूचीबद्ध आत्माओं और आध्यात्मिक प्राणियों की दुनिया के साथ। जो लोग उनके और उनके काम के बारे में अधिक जानना चाहते हैं, उनके लिए मैंने केविन रायर्सन सहित उनकी वेबसाइटों के पते प्रदान किए हैं।

इको बॉडी	www.echobodine.com
जूडी गुडमैन	www.judygoodman.com
वेन पीटरसन	www.waynepeterson.com
केविन रायर्सन	www.kevinryerson.com
माइकल तमुरा	www.michaeltamura.com

मैंने आत्मा की उत्पत्ति और पुनर्जन्म के उद्देश्य को समझाने में मदद के लिए विभिन्न स्रोतों, जैसे थियोसोफी और ऐलिस बेली के कार्यों से भी विचार लिए हैं। किसी भी स्रोत से सामग्री प्रस्तुत करने से पहले, मैंने यह निर्धारित करने के लिए अहतुन रे से परामर्श किया है कि क्या ये अवधारणाएँ मान्य हैं। इस प्रकार, इस खंड की जानकारी को कम से कम आध्यात्मिक क्षेत्र के निवासी, एक आत्मा की स्वीकृति प्राप्त हुई है जिसने एक सत्यापन योग्य अतीत की पहचान बनाने में दक्षता का प्रदर्शन किया है। इस प्रकार अहतुन रे इस खंड में मार्गदर्शक दीपक है।

मैं यह भी बताना चाहूंगा कि मुझे लगता है कि इस पुस्तक में प्रस्तुत सामग्री एक प्रारंभिक बिंदु है।

समय के साथ, अन्य सामग्रियां उन लोगों से सामने आएंगी जो आध्यात्मिक क्षेत्रों का अनुभव कर सकते हैं और जो नई खोजों और विकास में योगदान देंगे। हमने IISIS (विज्ञान, अंतर्ज्ञान और आत्मा के एकीकरण संस्थान) नामक एक संगठन बनाया है जो पुनर्जन्म अनुसंधान और आध्यात्मिक क्षेत्रों के बारे में सीखने के लिए समर्पित है।

आईआईएसआईएस के माध्यम से, हम पुनर्जन्म का यथासंभव वैज्ञानिक तरीके से अध्ययन करेंगे। हमें उम्मीद है कि हम पुनर्जन्म के मामलों को एकत्र करने, दाखिल करने और उनका विश्लेषण करने के लिए एक उपयोगी विश्व नेटवर्क स्थापित करने में सक्षम होंगे।

इसके अलावा, हम सामाजिक परिवर्तनों को सुविधाजनक बनाने के लिए भी समर्पित हैं पुनर्जन्म का वह वस्तुनिष्ठ साक्ष्य ला सकता है, क्योंकि यह साक्ष्य बताता है कि व्यक्ति ऐसा कर सकते हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अपने धार्मिक संबंधों, राष्ट्रीयता और जातीय पृष्ठभूमि को एक अवतार से दूसरे अवतार में बदलना। यह हमारी ईमानदार आशा और लक्ष्य है कि जब इस शोध का प्रसार किया जाएगा, तो धर्म, नस्ल, राष्ट्रीयता और जातीय पृष्ठभूमि में मतभेदों पर आधारित संघर्षों को कम किया जा सकता है। IISIS के बारे में अधिक जानने के लिए, www.iisis.net पर जाएँ।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

27

ब्रह्मांड और आत्माओं का निर्माण

बिग बैंग* और भौतिक ब्रह्मांड का निर्माण

अहतुन रे के अनुसार, जॉन के गॉस्पेल में सृजन की कहानी काफी सटीक रूप से वर्णित है। मैं इस कहानी को अहतुन रे और योहानेस के स्पष्टीकरण के साथ प्रस्तुत करूंगा, जैसा कि केविन रायर्सन की पुस्तक, स्पिरिट कम्युनिकेशन: द सोल्स पाथ में प्रकाशित हुआ है।

जैसा कि पहले ही उल्लेख किया गया है, मार्गदर्शक आत्मा जो नरम और शांत आवाज़ में बात करती थी और खुद को जॉन कहती थी, उसने खुद को प्रेरित जॉन के रूप में पेश किया था, जो जॉन के सुसमाचार का लेखक भी था। यह भावना केविन रायर्सन के माध्यम से संचार करती है।

भौतिक ब्रह्मांड का निर्माण, भिक्षु, आत्माएं, और
द्विध्रुवीय-द्विध्रुवीय

योहानेस और अहतुन रे के अनुसार, भगवान ने बिग बैंग घटना में भौतिक ब्रह्मांड का निर्माण किया, जिसके बारे में वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यह लगभग 14 अरब साल पहले हुआ था। ईश्वर इसे एक रचनात्मक कार्य के रूप में करता है और भौतिक ब्रह्मांड को ईश्वर का शरीर माना जा सकता है।

अहतुन रे ने कहा कि ईश्वर ने हमसे जुड़ी आत्माओं को बनाया है
बिग बैंग के बाद लगभग "एक नैनोसेकंड" ब्रह्मांड। हम कल्पना कर सकते हैं कि आत्माएं

---

* बिग बैंग उन वैज्ञानिक सिद्धांतों में से एक है जो ब्रह्मांड के विकास और प्रारंभिक स्वरूप की व्याख्या करता है। यह सिद्धांत बताता है कि ब्रह्मांड का निर्माण लगभग 13,700 मिलियन वर्ष पहले हुए एक विशाल विस्फोट से हुआ था। इस विस्फोट से पूरे ब्रह्मांड में भारी मात्रा में पदार्थ फैल गया। ये सामग्रियां फिर इस ब्रह्मांड में सितारों, ग्रहों, ब्रह्मांडीय धूल, क्षुद्रग्रहों, उल्काओं, ऊर्जा और अन्य कणों के रूप में भर जाती हैं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

यह ईश्वर के छोटे-छोटे टुकड़ों के रूप में बिखर जाता है, ईश्वर के छोटे-छोटे टुकड़े जो ईश्वर से उत्पन्न होते हैं। मैंने अहतुन रे से पूछा, "भगवान ने आत्माओं को क्यों बनाया?" उन्होंने उत्तर दिया, “ईश्वर ने ब्रह्मांड और आत्माओं की रचना की क्योंकि ईश्वर विविधता के माध्यम से एकता व्यक्त करना चाहते थे। ईश्वर विविधता व्यक्त करना चाहता है।”

मैंने अहतुन रे से यह भी पूछा कि क्या ऐसे अन्य देवता हैं जिन्होंने अन्य बिग बैंग घटनाओं के माध्यम से अन्य ब्रह्मांडों का निर्माण किया, ऐसे ब्रह्मांड जो शायद अन्य आयामों में मौजूद हैं।
अहतुन रे कहते हैं कि ईश्वर एक ही है।

जैसा कि आत्मा संचार में वर्णित है और अहतुन रे, भगवान द्वारा पुष्टि की गई है
इस ब्रह्माण्ड से जुड़ी सभी आत्माओं को एक ही समय में बनाया।

मैंने अहतुन रे से पूछा कि बिग बैंग से पहले क्या था। अहतुन रे का कहना है कि वहाँ एक "शून्यता है,

शुद्ध चेतना।" अहतुन रे ने फिर उसे जोड़ा

ईश्वर की पिछली अभिव्यक्तियाँ थीं और एक ब्रह्मांड था जो हमारे ब्रह्मांड से पहले अस्तित्व में था। वह ब्रह्मांड जो बिग बैंग से पहले अस्तित्व में था, जिसके बारे में माना जाता है कि यह 14 अरब साल पहले हुआ था। पिछले ब्रह्मांड की ये पहले से मौजूद आत्माएं हमारे बिग बैंग घटना के बाद भी अस्तित्व में रहीं। इस प्रकार, भले ही ब्रह्मांड की भौतिक संरचना बिग बैंग घटना के माध्यम से नष्ट हो गई और फिर से बनाई गई, आत्माएं कायम रहीं।

अहतुन रे बताते हैं कि हमारे बिग बैंग से पहले मौजूद आत्माओं का एक हिस्सा हमारे वर्तमान ब्रह्मांड में अवतार लेने के लिए सहमत हुआ। मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या ये आत्माएँ अपने पिछले जन्मों की योग्यताएँ, प्रतिभाएँ और आशीर्वाद अपने साथ लायी हैं। अहतुन रे ने कहा कि वे उसे ले गए, और मानव जाति के महान नेता जैसे बुद्ध, मूसा, यीशु, कृष्ण और अन्य हमारे ब्रह्मांड के निर्माण से पहले मौजूद थे। वे और हजारों लोग मानवता का मार्गदर्शन और सेवा करने के लिए भौतिक जीवन में पुनर्जन्म लेने के लिए सहमत हुए। ये अनुभवी आत्माएं भौतिक जीवन में प्रवेश करती हैं

आत्माओं के समान द्वार

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

एक नया, 14 अरब वर्ष पहले बिग बैंग के एक नैनोसेकंड बाद।

मोनाड**, हमारी आत्मा और ऊर्जा स्पेक्ट्रम

जब भगवान ने हमें बनाया, तो हम अद्वितीय गुणों से संपन्न थे जो हमारे पूरे अस्तित्व में हमारे भीतर बने रहे। यही कारण है कि, विभिन्न अवतारों के माध्यम से, हम समान स्वभाव, प्राथमिकताएं और प्रतिभा प्रदर्शित करते हैं। पिछले अध्याय में, हमने देखा कि पॉल गाउगिन का एक कलाकार के रूप में पुनर्जन्म हुआ है, पीटर टेकैम्प के व्यक्तित्व में। इसी तरह, पाब्लो पिकासो का पुनर्जन्म कलाकार एलेक्जेंड्रा नेचिता के रूप में हुआ है।

अमेरिकी क्रांति में एक सैन्य नायक जनरल डैनियल मॉर्गन का जॉर्ज डब्ल्यू बुश के रूप में पुनर्जन्म हुआ है, जो एक राजनीतिक नेता हैं जो सैन्य शक्ति के साथ समस्याओं का सामना करते हैं। अमेरिकी गृहयुद्ध के जनरल जॉन बी. गॉर्डन का सहायक मुख्य अग्निशमन अधिकारी जेफ के रूप में पुनर्जन्म हुआ है

कीन, जो नोट करते हैं कि अग्निशमन विभाग में काम करना खतरे और रैंक संरचना से निपटने के मामले में सेना में काम करने के समान है।
लॉरेल और हार्डी को एक बार फिर कॉमेडियन जोड़ी, बैचर बॉयज़ के रूप में पुनर्जन्म मिला है।

व्यक्तित्व और आध्यात्मिक विकास के गुणों को बेहतर ढंग से समझने के लिए, हम "मोनैड" और आत्मा की परिभाषाओं के बीच अंतर करेंगे।
हम "मोनैड" शब्द का उपयोग हमारे आध्यात्मिक शरीर रचना के उस हिस्से का वर्णन करने के लिए करेंगे जो ईश्वर के साथ एकता में रहता है, अस्तित्व के एक स्तर पर रहता है जो ईश्वर चेतना का निवास है। यदि हम ईश्वर से अंकुरित होते हैं, तो मोनाड को वह अंकुर माना जा सकता है जो बेल पर रहता है जो कि ईश्वर है। मोनाड को "आत्मा" का पर्याय माना जा सकता है।

हम "आत्मा" को एक सन्यासी प्रक्षेपण के रूप में परिभाषित करेंगे जो विभिन्न आयामों या अन्य क्षेत्रों से होकर गुजरती है जिन्हें आमतौर पर "निचले" क्षेत्रों के रूप में वर्णित किया जाता है।

** मोनाड (ग्रीक से, मोनास, "इकाई"; मोनोस, "अकेला"), ईश्वर या प्रथम अस्तित्व, या सभी प्राणियों की समग्रता के लिए शब्द है। मोनाड स्रोत या एकता, पूर्ण या अविभाजित है।

Machine Translated by Google

जहाँ सन्यासी या आत्मा निवास करती है। आत्मा अनुभव प्राप्त करने और पहचान बनाने के लिए निचले आयामों की यात्रा करती है। आत्मा हमारे जीवन-पर्यन्त अनुभवों का भण्डार है।

प्राचीन मिस्रवासी पुनर्जन्म में विश्वास करते थे और उन्होंने व्यक्ति की आध्यात्मिक शारीरिक रचना को भी भागों में विभाजित किया था, जिनमें से मुख्य थे "बा" और "का"। हालाँकि "बा" और "का" के बारे में मिस्रवासियों की समझ कुछ अलग है, अहतुन रे का कहना है कि हमारी चर्चा के प्रयोजनों के लिए, हम देख सकते हैं कि "बा" मोनड के बराबर है और "का" आत्मा के बराबर है।

मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या भिक्षुओं और आत्माओं का निर्माण एक ही समय में हुआ था। उनका कहना है कि चेहरे की बनावट का कंकाल भी उसी समय बनाया गया था जब भिक्षु और आत्मा का निर्माण किया गया था, और यह कंकाल आत्मा की गणितीय संपत्ति है। किसी व्यक्ति के चेहरे की अनूठी रूपरेखा को विभिन्न अवतारों में आकर्षक या अनाकर्षक माना जा सकता है, जो किसी विशेष अवतार पर हावी होने वाले शारीरिक लक्षणों पर निर्भर करता है, जैसे कि चेहरे और दांतों की स्थिति, वजन, इत्यादि। सामाजिक मानदंड, जिसे समाज उचित मानता है, वह इस बात पर भी प्रभाव डालेगा कि किसी व्यक्ति को आकर्षक या अनाकर्षक के रूप में देखा जाता है या नहीं। यद्यपि हम एक ही हड्डी की संरचना, मूल चेहरे की उपस्थिति को बरकरार रखते हैं, हम वैकल्पिक रूप से, जीवन से जीवन तक, आकर्षक या सामान्य के रूप में देखे जा सकते हैं।

योयो हाथ में पकड़ा हुआ एक खिलौना है, जो एक डोरी के माध्यम से घूमता है और फिर वापस हाथ में आ जाता है।

हम सन्यासी या आत्मा और हमारी आत्मा के बीच संबंध को समझाने के लिए योयो सादृश्य का उपयोग करेंगे। कल्पना करें कि मोनाड एक यो-यो से जुड़ा हुआ एक धागा है, और यह यो-यो उस स्थान पर मोनाड से जुड़ा हुआ है जो भगवान का निवास है। मोनाड ईश्वर के विस्तार की तरह है, ईश्वर का अंश है, लेकिन उसका अपना अस्तित्व है।

यद्यपि योयो, या आत्मा, ईश्वर से दूर निचले आयामों में भटकती है, यह हमेशा अपने तारों से सन्यासी से जुड़ी रहती है। हिंदू दर्शन में, यहां तक कि एक है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

सन्यासी और आत्मा के बीच इस गतिशील संबंध का वर्णन करने के लिए शब्द, "अंतकरण"। अंतकरण को "इंद्रधनुष पुल" के नाम से भी जाना जाता है।

अब जब हमने भिक्षुओं और आत्माओं के बीच अंतर कर लिया है, तो आइए देखें कि हम अद्वितीय गुणों के साथ कैसे निर्मित हुए हैं।

आइए हम कल्पना करें कि मोनाड, हमारे जीवन की चमक जो ईश्वर से आती है, एक प्रिज्म की तरह है जो सफेद रोशनी को अपवर्तित करती है। जब हम किसी प्रिज्म की कल्पना करते हैं, तो हम आमतौर पर इसकी कल्पना एक त्रिकोण के रूप में करते हैं और हम प्रिज्म से अलग होने वाले सात रंगों, दृश्य प्रकाश स्पेक्ट्रम के सात रंगों की कल्पना कर सकते हैं।

आइए कल्पना करें कि हम भिक्षुओं को अपने स्वयं के अनूठे प्रिज्म के साथ बनाया गया है जो रंगों या ऊर्जाओं के संयोजन का उत्सर्जन करता है जो हमें चित्रित करते हैं।

कुछ भिक्षुओं में ऊर्जा स्पेक्ट्रम होता है जहां लाल प्रमुख रंग होता है, जबकि अन्य भिक्षुओं में मुख्य रूप से हरा रंग होता है, अन्य पीले या नीले रंग का उत्पादन करते हैं। हम इस विशिष्ट ऊर्जा स्पेक्ट्रम को अपना "ऊर्जा पैटर्न" या "ऊर्जा स्पेक्ट्रम" कहेंगे।

यो-यो की हमारी सादृश्यता में, हमारा मोनाड या प्रिज्म हमारी आत्मा के लिए प्रकाश का एक अनूठा स्पेक्ट्रम, यो-यो का गोल भाग, उत्पन्न करता है। जब हम एक भौतिक शरीर में अवतरित होते हैं, तो हमारी आत्मा ऊर्जा के इस स्पेक्ट्रम को हमारे अंदर संचारित करती है। कल्पना कीजिए कि आत्मा एक विकासशील भौतिक शरीर पर एक होलोग्राम, या त्रि-आयामी छवि पेश करने में सक्षम है। इस ऊर्जा होलोग्राम में वह कंकाल शामिल है जिसमें हमारी हड्डियाँ और ऊतक विकसित होंगे, जिसके परिणामस्वरूप हमारी विशिष्ट उपस्थिति और विशेष रूप से चेहरे का आकार होगा।

होलोग्राम हमारे ऊर्जा स्पेक्ट्रम को भी संचारित करते हैं, जो बाद में हमारे गुणों, क्षमताओं और रुचियों में परिलक्षित होता है।

इस प्रकार, आपकी आत्मा एक गतिशील ऊर्जा संरचना है और वही संचालित होती है आपका अवतार. आप भौतिक शरीर में अपनी आत्मा का एक होलोग्राफिक प्रक्षेपण हैं। हालाँकि, आपकी आत्मा आपसे कहीं अधिक है, क्योंकि आप एक विशेष समय और स्थान पर अपनी आत्मा का केवल एक केंद्र बिंदु हैं। तुम्हारी आत्मा तो तुम हो, लेकिन तुम्हारी आत्मा समग्र रूप से संयुक्त है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

उनके पास अवतार था. हममें से अधिकांश का अपनी आत्माओं के साथ कोई सचेतन संबंध नहीं है, लेकिन कुछ का ऐसा है, जैसा कि पिछले जन्मों की स्मृतियों से पता चलता है। आध्यात्मिक प्रगति की एक विशेषता हमारी आत्मा के साथ अधिक जागरूक संबंध है।

इस बिंदु पर आइए उन तरीकों का पता लगाएं जिनसे हम अपने ऊर्जा स्पेक्ट्रम, ऊर्जा या रंगों के अपने अनूठे सेट को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं, जो हमें वह बनाता है जो हम हैं।

Machine Translated by Google

28

सात किरणों की अवधारणा

थियोसोफिकल साहित्य में वर्णित एक व्यक्तित्व मॉडल, जिसका उपयोग मैं आत्मा की प्रकृति को बेहतर ढंग से समझने के लिए करना चाहता हूं उसे "सात किरणें" कहा जाता है। मैं इस मॉडल का उल्लेख कर रहा हूं क्योंकि यह इस अवधारणा के अनुरूप है कि प्रत्येक व्यक्ति के पास रंगों के संयोजन से युक्त एक विशिष्ट रंग या ऊर्जा स्पेक्ट्रम होता है। मैं विभिन्न प्रकार की किरणों को चित्रित करने के लिए ऐतिहासिक आकृतियों का उपयोग करूँगा। यह वर्गीकरण ऐलिस बेली और बेंजामिन क्रेम जैसे लेखकों के साथ-साथ अहतुन रे से लिया गया है। मैं यह भी जानता हूं कि अन्य स्रोत व्यक्तियों को थोड़े अलग तरीकों से वर्गीकृत कर सकते हैं।

इन विभिन्न वर्गीकरणों को हम इस अर्थ में समझ सकते हैं कि हम केवल एक प्रकार की किरणों से नहीं बने हैं। बल्कि, हम विभिन्न आकारों की सात फुहारों वाले एक फव्वारे की तरह हैं। हममें से कुछ लोग एक प्रकाश की प्रधानता उत्सर्जित करते हैं, जबकि अन्य विभिन्न किरणों के संयोजन का उत्सर्जन करते हैं। समझने की कुंजी यह है कि हमारे पास ऊर्जा का एक अनूठा पैटर्न है, ऊर्जा का एक स्पेक्ट्रम जो एक अवतार से दूसरे अवतार में प्रकट होता है। सात किरणों का संक्षेप में वर्णन इस प्रकार किया जा सकता है।

पहली किरण: इच्छाशक्ति की ऊर्जा, जो फोकस पैदा करती है शक्ति और प्रभाव पर.

फर्स्ट रे ऊर्जा से भरपूर ऊर्जावान व्यक्ति सरकार, सेना, कॉर्पोरेट संरचनाओं आदि में नेतृत्व पदों की ओर आकर्षित होते हैं।

फर्स्ट रे व्यक्तियों को एक्शन पसंद है और वे

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

पुलिस और अग्निशमन नौकरियों जैसे कार्य-उन्मुख व्यवसायों का आनंद लें। एथलीट इच्छाशक्ति की ऊर्जा का भी प्रदर्शन करते हैं। फर्स्ट रे प्रकारों के ऐतिहासिक उदाहरणों में अलेक्जेंडर द ग्रेट, इंदिरा गांधी, लियोनिद ब्रेझनेव, जोसेफ स्टालिन और निकिता ख्रुश्चेव शामिल हैं।

फर्स्ट रे प्रकार के लोग अक्सर अपने महान साहस के लिए पहचाने जाते हैं, लेकिन वे जबरदस्त नुकसान भी कर सकते हैं। यह उपयोगी हो सकता है यदि कोई पुराना संगठन या एजेंसी बदलाव के दौर से गुजर रही है, लेकिन पतन आमतौर पर संसाधनों और बुनियादी ढांचे को बर्बाद कर देता है। अंततः, संघर्ष अनावश्यक है, और मानवता विकासवादी विकास के मामले में आगे बढ़ेगी जब फर्स्ट रे प्रकार अपनी नेतृत्व क्षमताओं को नष्ट करने के बजाय निर्माण पर केंद्रित करेंगे। वास्तव में, जितने अधिक प्रकार के फर्स्ट रेज़ विकसित हुए हैं, वे सेना के बजाय सरकार और निगमों में नेतृत्व की भूमिका निभाएंगे।

प्रथम किरणों की ऊर्जा से जुड़े व्यक्ति का एक उदाहरण फ्रांस के सम्राट नेपोलियन बोनापार्ट हैं, जिन्होंने कई देशों पर विजय प्राप्त की, लेकिन महान विनाश और पीड़ा भी पैदा की। हालाँकि इस मामले में आगे की जाँच की आवश्यकता है, नेपोलियन का पुनर्जन्म जनरल इलेक्ट्रिक के पूर्व सीईओ जैक वेल्च के रूप में हुआ है। इस मामले की पहचान उस सहयोग से हुई जो मैंने केविन रायर्सन और अहतुन रे के साथ किया था। जैक वेल्च ने GE को सफलतापूर्वक एक घरेलू उपकरण निर्माता से एक विविध बहुराष्ट्रीय कंपनी में बदल दिया है।

वेल्च, नेपोलियन की तरह, असाधारण रूप से सक्षम थे वह नेता जिसने अपने करियर के दौरान अपने क्षेत्र का अत्यधिक विस्तार किया था। आज, वेल्च युद्ध के मैदान के बजाय बोर्डरूम में अपने फर्स्ट रे के गुणों को व्यक्त करते हैं।

यह बहुत अधिक विकसित नेतृत्व क्षमताओं की अभिव्यक्ति है और अहतुन रे की भविष्यवाणी है कि वेल्च भविष्य में ऐसी कंपनियां बनाने के लिए पुनर्जन्म लेंगे जो कई लोगों के लिए बहुत उपयोगी होंगी।

Machine Translated by Google

फर्स्ट रे ऊर्जा के दुरुपयोग को अधिकांश हिंसा और अपराध के कारण के रूप में भी देखा जा सकता है, जहां एक व्यक्ति की इच्छा दूसरे पर अनुचित तरीके से थोपी जाती है। दुर्भाग्य से, जनसंचार माध्यमों के माध्यम से, अन्य लोगों के प्रति इच्छा की अभिव्यक्ति को एक्शन और डरावनी फिल्मों में भी महिमामंडित किया जाता है। "टर्मिनेटर" होना इतना लोकप्रिय हो गया है कि यह स्कूल में गोलीबारी की घटनाओं जैसे दुखद तरीकों से फर्स्ट रे ऊर्जा के दुरुपयोग को प्रोत्साहित करता है।

फर्स्ट रेज़ के मुद्दों पर अधिक ध्यान दिया जाएगा किसी भी अन्य किरणों की तुलना में क्योंकि यह वह ऊर्जा है जो सबसे अधिक समस्याओं का कारण बनती है और व्यक्तियों और राष्ट्रों के लिए सबसे नकारात्मक कर्म का निर्माण करती है।

वास्तव में, फर्स्ट रे ऊर्जा के दुरुपयोग को बढ़ाने के बजाय कम करने के लिए किसी भी स्कूल के पाठ्यक्रम में "क्रोध प्रबंधन" पाठ्यक्रम शामिल किया जाना चाहिए।

दूसरी किरण: प्रेम-ज्ञान की ऊर्जा, जो मानवीय स्थिति को बेहतर ढंग से समझने और मानवीय गरिमा को ऊपर उठाने की इच्छा पैदा करती है।

दूसरी किरण के ऊर्जा-समृद्ध पैटर्न वाले व्यक्ति सामाजिक व्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान का उपयोग करने के लिए समर्पित हैं। दूसरी किरण की ऊर्जा वाली आत्माएं सामाजिक अन्याय और पीड़ा को समाप्त करने के अंतिम लक्ष्य के साथ, सक्रिय रूप से समाज की मदद करने की इच्छा से प्रेरित होती हैं। वे अक्सर करिश्माई, व्यावहारिक व्यक्ति होते हैं जो सहानुभूति प्रदर्शित करते हैं। वे दुनिया के शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। कई बार, उन्होंने लिखित रचनाएँ लिखीं जो उस युग की सामाजिक स्थितियों का प्रतिनिधित्व करती थीं।

दूसरे रे के प्रकारों के ऐतिहासिक उदाहरणों में महात्मा गांधी, विलियम शेक्सपियर, कार्ल जंग, लाउ त्से, लियो टॉल्स्टॉय, कृष्णमूर्ति और निकोलाई गोगोल शामिल हैं। अहतुन रे ने संकेत दिया है कि टॉक शो होस्ट ओपरा विन्फ्रे, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और पूर्व अमेरिकी उपराष्ट्रपति अल गोर सेकेंड रे प्रकार के हैं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

तीसरी किरण: रचनात्मक बुद्धि की ऊर्जा, जो उत्पादन करती है
ऐसी वस्तुएँ बनाने की इच्छा जिनका व्यावहारिक मूल्य हो।

तीसरी किरण की ऊर्जा से चिह्नित आत्माएं व्यावहारिक अनुप्रयोगों में विज्ञान, गणित और अन्य विषयों का उपयोग करती हैं। वे दुनिया के इंजीनियर और वास्तुकार होने के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के निर्माता भी हैं। इतिहास के उदाहरणों में अलेक्जेंडर ग्राहम बेल, मैडम क्यूरी और एंटोनी लावोइसियर शामिल हैं। अहतुन रे ने प्रस्तावित किया है कि थॉमस एडिसन और फ्रैंक लॉयड राइट थर्ड रे के प्रकार थे। अर्थशास्त्रियों को तीसरी किरण की ऊर्जा को व्यक्त करने वाले के रूप में भी देखा जा सकता है। दुनिया के सबसे प्रसिद्ध आर्थिक सिद्धांतकारों में से एक, एडम स्मिथ की पुष्टि अहतुन रे ने आज के संयुक्त राज्य अमेरिका के अर्थशास्त्री जेफरी सैक्स, द एंड ऑफ पॉवर्टी: इकोनॉमिक पॉसिबिलिटीज फॉर आवर टाइम के लेखक के रूप में की है।

चौथी किरण: कलात्मक ऊर्जा और सौंदर्य।

चौथी किरण की आत्माएं दुनिया के कलाकार, संगीतकार और अभिनेता हैं। इतिहास के चौथे रे प्रकारों में लियोनार्डो दा विंची, पाब्लो पिकासो, पॉल गाउगिन, वोल्फगैंग अमाडेस मोजार्ट, लुडविग वान बीथोवेन, फ्रेड्रिक चोपिन, जिमी हेंड्रिक्स और लुई आर्मस्ट्रांग शामिल हैं। वर्तमान भारत में, अभिनेता अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान चौथी किरण के प्रकारों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

फोर्थ रे टाइप में हैंस क्रिश्चियन एंडरसन और एडवर्ड ग्रिग भी शामिल हैं, ऐसे कलाकार जिनका आज भी पुनर्जन्म हुआ है। हंस क्रिश्चियन एंडरसन का जन्म 1805 में डेनमार्क में हुआ था।

एक बच्चे के रूप में, उन्हें कहानियाँ सुनाना और नाटक बनाने के लिए कठपुतलियों का उपयोग करना बहुत पसंद था, यहाँ तक कि उन्होंने एक मंच भी बनाया जहाँ उनके कठपुतली पात्र अभिनय करते थे।
एक युवा व्यक्ति के रूप में, नाजुक और स्त्री स्वभाव वाले एंडरसन को अक्सर उसके दोस्त चिढ़ाते थे, जो उससे सवाल करते थे कि वह लड़का है या लड़की।

एक वयस्क के रूप में, एंडरसन ने बड़े पैमाने पर यात्रा की और अपनी यात्राओं के बारे में कहानियाँ लिखीं, जो प्रसिद्ध यात्रा रिकॉर्ड बन गईं। फिर उन्होंने लिखा

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

थम्बेलिना, द अग्ली डकिंग और द प्रिंसेस एंड द पीआ जैसी परीकथाएँ और कहानियाँ, जो साहित्यिक क्लासिक्स बन गईं।

अपने जीवन के बाद में, वह इंग्लैंड गए और कुछ सप्ताह तक चार्ल्स डिकेंस के साथ रहे। डिकेंस, जैसा कि हमने बॉर्न अगेन के पहले भाग में चर्चा की थी, का पुनर्जन्म हैरी पॉटर श्रृंखला की लेखिका जेके राउलिंग के रूप में हुआ है। 1875 में एंडरसन की मृत्यु हो गई।

हंस क्रिश्चियन एंडरसन का एरिक के रूप में पुनर्जन्म हुआ है बर्गलुंड, एक कहानीकार और अंतर्राष्ट्रीय एल्बम रिकॉर्डिंग वाले कलाकार। एरिक ने अपने और एंडरसन के बीच कई समानताएँ देखी हैं। उदाहरण के लिए, एरिक याद करते हैं कि उनकी युवावस्था में लोग अक्सर सोचते थे कि वह लड़का है या लड़की। इसके अलावा, उन्हें कहानी कहने का गहरा शौक है और एंडरसन की तरह वह भी कम उम्र से ही कठपुतली कलाकार रहे हैं। मिनेसोटा के मूल निवासी, जहां स्कैंडिनेविया के कई अप्रवासी संयुक्त राज्य अमेरिका में बस गए, एरिक न्यूयॉर्क शहर चले गए। वहां उन्होंने सेंट्रल पार्क स्थित एक थिएटर में बड़ी संख्या में दर्शकों के लिए कठपुतली शो प्रस्तुत किया, जिसमें सैकड़ों बच्चे शामिल थे।

दशकों पहले इसी समय एरिक को अपने अतीत का पता चला था अवतार. न्यूयॉर्क में रहने के दौरान उनकी नजर हंस क्रिश्चियन एंडरसन की एक मूर्ति पर पड़ी। उन्होंने अपने और मूर्ति के बीच आश्चर्यजनक शारीरिक समानताएँ देखीं। इसके अलावा, उस पल में, एरिक सहज रूप से और निश्चित रूप से जानता था कि वह अपने पिछले जीवन में एंडरसन था। इसके बाद के वर्षों में, उन्होंने यह जानकारी अपने तक ही सीमित रखी।

जीवन चलता रहा और न्यूयॉर्क में रहते हुए एरिक ने यह सीखा उन्होंने आयरिश वीणा बजाई और जल्द ही वह रिकॉर्ड एल्बम जारी करने वाले संगीतकार बन गए। एंडरसन की तरह, उन्होंने फिर बहुत यात्रा की, दुनिया भर में संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किए। उनके प्रदर्शन में, उनका वीणा संगीत उनके कहानी कहने के कौशल के साथ जुड़ा हुआ है।

मैं एरिक से 2007 में मिला था और मैं गवाही दे सकता हूं कि, एक कहानीकार के साथ-साथ एक संगीतकार के रूप में, वह अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली है। पुनर्जन्म में मेरी रुचि को जानकर, एरिक

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

एंडरसन के साथ उसके पिछले जीवन के संबंधों के बारे में उसकी कहानी मेरे साथ साझा करें। बाद में, केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, अहतुन रे ने पुष्टि की कि एरिक वास्तव में हंस क्रिश्चियन एंडरसन का पुनर्जन्म था। एरिक इस समय सार्वजनिक मंचों पर अपने पुनर्जन्म मामले पर चर्चा कर रहे हैं।

एरिक ने मुझे पॉल नाम के एक कनाडाई संगीतकार के बारे में बताया आर्मिटेज, जो स्पष्ट रूप से मानते थे कि वह नॉर्वेजियन संगीतकार एडवर्ड ग्रिग का पुनर्जन्म हो सकते हैं।

ग्रिग का जन्म 1843 में हुआ और मृत्यु 1907 में हुई।

पॉल ने ग्रिग के रूप में अपनी कथित पिछले जीवन की पहचान के संबंध में एक पुस्तिका लिखी है। अपनी कहानी में, पॉल बताते हैं कि वह आध्यात्मिक सहित कई त्योहारों और सम्मेलनों में एक कीबोर्ड संगीतकार के रूप में प्रदर्शन करते हैं। इसके अलावा वह ग्राहकों के लिए "म्यूजिकल सोल पोर्ट्रेट्स" भी बनाते हैं, जो उनकी आजीविका कमाने के तरीकों में से एक है।

अप्रैल 2001 में, मानसिक प्रतिभा की एक महिला की पॉल से आध्यात्मिक मुलाकात हुई कैलिफोर्निया के माउंट शास्ता में त्योहार। पॉल द्वारा रचित एक म्यूजिकल सोल पोर्ट्रेट को सुनने के बाद, इस मानसिक व्यक्ति ने, ध्यान की स्थिति में, कागज के एक टुकड़े पर "ग्रिग" शब्द लिखा और पॉल को दे दिया।

पॉल बताते हैं कि कई मौकों पर, उनके संगीत समारोहों या आध्यात्मिक सम्मेलनों के बाद, लोगों ने उनके सामने पिछले जीवन की पहचान का प्रस्ताव रखा है।

उदाहरण के लिए, किसी ने एक बार उनसे कहा था कि वह बीथोवेन का पुनर्जन्म थे, जबकि अन्य ने उन्हें मोजार्ट का पुनर्जन्म माना था। पॉल हमेशा अपने दिल में जानता था कि उसकी प्रस्तावित पिछले जीवन की पहचान सच नहीं थी। इसलिए, जब पॉल को "ग्रिग" शब्द वाला एक पेपर दिया गया तो जो हुआ वह पूरी तरह से अप्रत्याशित था।

पॉल ने साझा किया कि जब उन्होंने "ग्रिग" शब्द पढ़ा, तो उनमें उछाल आ गया उनके शरीर में गहरी भावनात्मक ऊर्जा दौड़ गई और निकटता की भावना महसूस हुई जो किसी दूसरी दुनिया से महसूस होती थी। अपनी कहानी में, पॉल ने लिखा है कि यह एक डेजा वु अनुभव के समान है, केवल कुछ भी 'याद' नहीं किया जाता है। इस प्रकार की प्रतिक्रिया न्यूरोसर्जन और न्यूरोसर्जन द्वारा भी अनुभव की जाती है

Machine Translated by Google

TENS यूनिट के आविष्कारक, डॉ. नॉर्म शीली, पीएच.डी., जब उसने पहली बार जॉन इलियटसन का नाम सुना, जो पिछले जन्म में उसकी पहचान थी।

इसे पिछले अध्याय बॉर्न अगेन में समझाया गया था।

कुछ सप्ताह बाद, जब पॉल कनाडा के वैंकूवर में अपने घर लौटा, तो वह अपनी कार चला रहा था और गलती से उसने अपना रेडियो एक शास्त्रीय संगीत चैनल पर चालू कर दिया। हालाँकि पॉल को एक शास्त्रीय संगीतकार के रूप में प्रशिक्षित किया गया था, वह अब इस प्रकार का संगीत शायद ही कभी सुनता हो। हालाँकि, रेडियो पर बजने वाले संगीत का उन पर गहरा प्रभाव पड़ा। उस क्षण के बारे में, पॉल ने लिखा: "मैंने रेडियो पर एक शास्त्रीय संगीत गीत बजते हुए देखा

सचमुच मुझे झकझोर कर रख दिया।

मैंने इस गीत के बारे में पहले कभी नहीं सुना है, न ही इस संगीत का शीर्षक या संगीतकार जानता हूँ। लेकिन जब मैं अपनी कार में बैठा और इसे सुन रहा था तो मैं इस संगीत की सुंदरता में इतना खोया हुआ और खोया हुआ था।

जब मैं सुनता हूं, तो मुझे इस गीत के हार्मोनिक भाग की एक विशेष विशेषता स्पष्ट रूप से याद आती है, जो एक संगीतकार के रूप में मेरे भीतर पूरी तरह से गूंजती है।

रेडियो उद्घोषक ने बाद में कहा कि संगीत तैयार किया गया था

एडवर्ड ग्रिग द्वारा। हालाँकि पॉल इस अनुभव से प्रभावित हुआ, फिर भी उसने ग्रिग के बारे में जानने का प्रयास नहीं किया। जब पॉल अपने एक मित्र से मिलने गया और ग्रिग से संबंधित घटनाओं का वर्णन किया, तभी उसके मित्र ने संगीत का एक विश्वकोश निकाला। पॉल जब ग्रिग का चित्र देखता है तो आश्चर्यचकित हो जाता है, क्योंकि पॉल का चेहरा उससे उल्लेखनीय रूप से मिलता जुलता है। न केवल उसके चेहरे की बनावट बहुत सुसंगत थी, बल्कि पॉल, जो अभी भी जवान था, के बाल भी ग्रिग की तरह घने, सफेद थे। पॉल ने यह भी देखा कि ग्रिग की संगीत रचना शैली उनसे काफी मिलती-जुलती थी, एक ऐसा अवलोकन जिसे मैं स्वयं इन दो कलाकारों की रचनाओं को सुनने के बाद मजबूत करने में सक्षम था।

अब मैं एक कहानी साझा करना चाहता हूं जो इंगित करती है कि एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक भी पॉल की कहानी का हिस्सा था। यूरोप में रहते हुए, अपने नियंत्रण से परे परस्पर संबंधित घटनाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से, पॉल अंततः

Machine Translated by Google

एडवर्ड ग्रिग के घर का दौरा करने में सक्षम था और वहां उन्हें ग्रिग के भव्य पियानो को बजाने की विशेष अनुमति दी गई थी।
इस घर वापसी कार्यक्रम में एक तस्वीर ली गई थी. इस फोटो के बैकग्राउंड में दीवार पर एक पुराना चित्र लटका हुआ देखा जा सकता है, जिसमें ग्रिग को अपने सफेद बालों को पीछे खींचकर वही पियानो बजाते हुए दिखाया गया है। वर्तमान में कैप्चर की गई तस्वीर के फोकस में, पॉल ग्रिग का पियानो बजा रहा है, उसी चेहरे की प्रोफ़ाइल और समान बालों के साथ, एक दर्पण जैसी छवि बना रहा है। यह एक रोमांचकारी छवि है.

2007 में केविन रायर्सन के साथ एक बाद के सत्र में, मैंने अहतुन से पूछा यदि पॉल वास्तव में ग्रिग का पुनर्जन्म था। मुझे यह रेखांकित करने की आवश्यकता है कि अहतुन रे किसी के पिछले जीवन की पहचान के प्रस्ताव को स्वचालित रूप से मंजूरी नहीं देता है। अक्सर, उन्होंने कहा कि उनकी प्रस्तावित पिछले जीवन की पहचान गलत थी। अहतुन रे के साथ 6 वर्षों तक काम करते हुए, उनकी निश्चितता के बारे में मेरे निष्कर्षों पर भरोसा किया जा सकता है।

इस मामले में अहतुन रे ने पुष्टि की कि पॉल आर्मिटेज वास्तव में एडवर्ड ग्रिग का पुनर्जन्म था। एरिग बर्गलुंड की तरह, पॉल अब अपने पुनर्जन्म मामले पर खुलकर चर्चा करते हैं। इसके अलावा, एरिक और पॉल ने विभिन्न संगीत कार्यक्रमों में एक साथ प्रदर्शन किया। मेरी राय में, हम वास्तव में भाग्यशाली हैं कि हम एक बार फिर हंस क्रिश्चियन एंडरसन और एडवर्ड ग्रिग की प्रतिभा का आनंद लेने में सक्षम हैं। हमारे पात्रों के बारे में अधिक जानने के लिए, आप यहां खोज सकते हैं: www.

erikberglund.com और www.paularmitagemusic.com।

माइकल एंजेलो इतिहास के सबसे प्रसिद्ध कलाकारों में से एक हैं, और कोई उनसे फोर्थ रे प्रकार की श्रेणी में आने की उम्मीद करेगा। बेंजामिन क्रेम द्वारा यह भी सुझाव दिया गया है कि माइकल एंजेलो ने फर्स्ट रे की ऊर्जा का भी प्रदर्शन किया, जो माइकल एंजेलो के कार्यों, जैसे डेविड की मूर्ति, सिस्टिन चैपल के भित्तिचित्र और बेसिलिका के गुंबद द्वारा प्रदर्शित विशाल पैमाने और शक्ति में प्रकट हुई। सेंट पीटर का.

माइकल एंजेलो ने पॉल-फेलिक्स मोंटेज़ के व्यक्तित्व में आधुनिक जीवन में पुनर्जन्म लिया है, जिन्होंने एक बार फिर "महान कलाकृति" का निर्माण किया।
माइकल एंजेलो/मोंटेज़ मामले पर बाद में जादुई बच्चों पर एक अध्याय में चर्चा की जाएगी।

Machine Translated by Google

पाँचवीं किरण: विज्ञान की ऊर्जा, जो उत्पादन करती है
यह समझने की इच्छा कि ब्रह्मांड कैसे काम करता है।

जिन व्यक्तियों की ऊर्जा पद्धति पाँचवीं किरण से समृद्ध होती है वे दुनिया के रसायनज्ञ, जीवविज्ञानी और भौतिक विज्ञानी बन जाते हैं। पांचवीं किरण की ऊर्जा वाली आत्माएं भौतिक दुनिया के रहस्यों को उजागर करने की इच्छा के साथ पैदा होती हैं। पाँचवीं किरण वाली आत्माएँ व्यावहारिक वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी निर्माता हैं। पाँचवीं किरण प्रकार शुद्ध विज्ञान और सिद्धांत के दायरे में अधिक रहता है। अहतुन रे ने प्रस्तावित किया है कि अल्बर्ट आइंस्टीन और निकोलस कोपरनिकस पांचवीं किरण के प्रकार थे।

वैसे, कॉपरनिकस का पुनर्जन्म हो चुका है और अब वह वही काम कर रहा है जो उसने अतीत में किया था। कॉपरनिकस एक बार फिर ग्रहों की गति पर एक वैश्विक विशेषज्ञ है और उसने नासा के मार्स रोवर प्रोजेक्ट के नेता के रूप में कार्य किया है। अहतुन रे ने पुष्टि की है कि कोपरनिकस का पुनर्जन्म कॉर्नेल विश्वविद्यालय में खगोल विज्ञान के प्रोफेसर स्टीवन डब्ल्यू स्क्वॉयरेस के रूप में हुआ है।

कॉपरनिकस की तरह, स्क्वॉयर को हमारे सौर मंडल के ग्रहों और चंद्रमाओं जैसी बड़ी वस्तुओं में रुचि थी। वह कार्ल सागन के छात्र थे। सागन, अपने पिछले अवतार में, हमें याद है, अमेरिका के पहले खगोलशास्त्री डेविड रिटेनहाउस थे।

कोपरनिकस/स्क्वायर और दोनों के पुनर्जन्म के मामले
रिटनहाउस/सागन अपने करियर पथ में उल्लेखनीय समानताएँ दिखाते हैं, आंशिक रूप से उनके अवतारों में पाँचवीं किरण की ऊर्जा की अभिव्यक्ति के कारण। हालाँकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि कुछ व्यवसायों में विभिन्न ऊर्जा किरणों वाले लोग शामिल हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, मेडिकल डॉक्टर फिफ्थ रे टाइप में आ सकते हैं यदि वे अनुसंधान-उन्मुख हैं, जिसमें थर्ड रे टाइप भी शामिल है यदि वे मेडिकल आविष्कारक हैं, सेकेंड रे टाइप यदि वे चिकित्सा से संबंधित सामाजिक और नैतिक मुद्दों में रुचि रखते हैं, या सेकेंड रे टाइप में आते हैं। रे प्रकार यदि वे चिकित्सा से संबंधित सामाजिक और नैतिक मुद्दों में रुचि रखते हैं। पहला यह कि क्या उनका रुझान मेडिकल स्टाफ लीडर या अस्पताल निदेशक बनने का है।

छठी किरण: भक्ति की ऊर्जा, जो पैदा करती है

Machine Translated by Google

धर्म के लिए, या किसी मिशन के लिए, या दूसरों के लिए सेवा करने की इच्छा।

ऐसे व्यक्ति जिनके पास बहुत अधिक छठी किरण ऊर्जा थी, वे बन गए दुनिया के पुजारी, रब्बी और विद्वान। दैनिक स्तर पर, छठी किरण की भक्ति की ऊर्जा को मातृ प्रकाश या मातृवादी वृत्ति के रूप में देखा जा सकता है। आमतौर पर माताओं और महिलाओं में अपने बच्चों और अपने परिवार, अपने प्रियजनों के प्रति समर्पित होने की प्रवृत्ति होती है। मदर टेरेसा छठी किरण प्रकार का एक उत्कृष्ट उदाहरण हैं, जिन्होंने न केवल ईसाई चर्च की सेवा की, बल्कि खुद को उन लोगों की सेवा के लिए भी समर्पित कर दिया जो बीमार हैं।

अन्य प्रकार की छठी किरणों के ऐतिहासिक उदाहरणों में सेंट थॉमस, सेंट ऑगस्टीन, थॉमस एक्विनास, सेंट जॉन द क्रॉस और पोप पॉल जॉन II शामिल हैं। पैगंबर मूसा को छठी किरण के एक प्रकार के रूप में भी देखा जा सकता है, हालांकि वह यहूदी राष्ट्र के नेता के रूप में पहली किरण के गुणों को भी प्रदर्शित करते हैं।

अहतुन रे ने संकेत दिया है कि मार्टिन लूथर किंग, एक ईसाई मंत्री, जिन्होंने अहिंसक प्रदर्शनों के माध्यम से अमेरिका को नस्लीय भेदभाव से बाहर निकाला, छठे रे प्रकार के थे। किंग ने अफ्रीकी अमेरिकियों को गुलामी के अवशेषों से बाहर निकालने के लिए ईसाई चर्च और धर्म को अपने वाहन के रूप में इस्तेमाल किया।

छठी किरण प्रकार की प्रबुद्ध आत्मा का एक उदाहरण है यीशु, जिन्हें उनके शिष्यों द्वारा रब्बी कहा जाता था, लेकिन बाद में उन्होंने धार्मिक मतभेदों को पार कर लिया। दिलचस्प बात यह है कि, स्वयं यीशु के भी पिछले अवतार थे, जिनमें पुराने नियम में दर्ज एक अवतार भी शामिल है, जिसकी चर्चा बाद के अध्याय में की जाएगी।

सातवीं किरण: संगठनात्मक ऊर्जा, जो प्रभावी प्रणाली बनाने की इच्छा पैदा करती है।

सातवीं किरण ऊर्जा से समृद्ध लोग ऐसे सिस्टम और संगठन बनाना पसंद करते हैं जो गतिशील परिणाम देते हैं। सातवीं किरण प्रकार व्यवस्थित करना पसंद करते हैं

Machine Translated by Google

एक कुशल कार्यशील इकाई में भागों को अलग करना। सातवें रे की आत्माओं का झुकाव उन संगठनों की ओर हो सकता है जहां कार्य प्रणाली बनाने और लागू करने का अवसर हो जैसे कि सरकार या अन्य बड़े संगठनों में। राजनीतिक वैज्ञानिक जो कानून बनाने का आनंद लेते हैं जो समाज को प्रभावी ढंग से कार्य करने में मदद कर सकता है, उन्हें भी सातवें रे प्रकार के रूप में माना जा सकता है। जबकि प्रथम रे प्रकार संगठन का नेता बनना चाह सकता है, सातवीं किरण प्रकार संगठन और प्रणाली का निर्माता है।

यदि हम एक संगीत सादृश्य का उपयोग करते हैं, जहां चौथा रे प्रकार हो सकता है एक एकल संगीतकार होने के नाते, एक विशेष उपकरण के साथ सुंदर संगीत बनाने के लिए, सेवेंथ रे प्रकार एक कंडक्टर बनना चुनता है जो एक संयुक्त और जटिल ध्वनि बनाने के लिए कई संगीत वाद्ययंत्रों का आयोजन करता है। टेलीविजन शो या फिल्मों के निर्माता जो लेखकों, अभिनेताओं, संगीतकारों, कैमरामैन और अन्य लोगों को एक साथ मिलाते हैं, उन्हें सातवें रे प्रकार के रूप में देखा जा सकता है। सातवीं किरणों की आत्माओं ने सोचा कि एक टीम एक व्यक्ति की तुलना में अधिक परिणाम दे सकती है।

अमेरिकी क्रांति से सातवें रे प्रकार के उदाहरण अगले भाग में दिए जाएंगे।

सेवन रेज़ मॉडल व्यक्तित्व को समझने में उपयोगी है, जो एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल तक सुसंगत रहता है।

कौन सी रोशनी या किरणें आपकी पहचान हैं?

यह काफी हद तक और इसलिए किरणें हैं जिन्हें आप पहचानते हैं और प्रकट करते हैं जो आपको एक अवतार से दूसरे अवतार में अलग करेगी। जैसा कि पहले ही चर्चा की जा चुकी है, प्रकट किरणों में, हम स्वयं को प्रकाश के विभिन्न रंग संयोजनों को उत्सर्जित करने वाले फव्वारे के रूप में देखते हैं।

क्योंकि हम सभी के पास एक विशेष ऊर्जा स्पेक्ट्रम है बाकियों से भिन्न, हममें से प्रत्येक के पास विकास का एक अलग मार्ग है। प्रथम किरण के प्रभुत्व वाला व्यक्ति विकास का जो मार्ग व्यक्त करता है, वह उससे भिन्न होगा

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

ऐसे व्यक्ति जो चौथी किरण की ऊर्जा को व्यक्त करते हैं।
पहली किरणें जीवन की उन अवधियों का अनुसरण करेंगी जहां नेतृत्व और इच्छाशक्ति को व्यक्त किया जा सकता है, जबकि चौथी किरण के प्रकार विभिन्न प्रकार के अवतारों के माध्यम से कलात्मक क्षमताओं का विकास करेंगे। जीवन की विविधता और समृद्धि उन योगदानों की विविधता से आती है जो सात अलग-अलग किरणें हमारी दुनिया में करती हैं।

सात किरणें व्यक्तित्व मॉडलों में से एक हैं जो भिक्षुओं और आत्माओं को समझने में उपयोगी हैं। मोनाड एक प्रिज्म के रूप में कार्य करता है जो भगवान की सफेद रोशनी को एक अद्वितीय स्पेक्ट्रम में अलग करता है। भिक्षु इस ऊर्जा को आत्मा तक पहुंचाता है।

आत्मा, बदले में, भौतिक शरीर पर केंद्रित एक होलोग्राम बनाती है, एक होलोग्राम जिसमें मोनैड और आत्मा ऊर्जा के स्पेक्ट्रम के साथ-साथ प्रतिभा और क्षमताएं होती हैं जो आत्मा ने अपने अवतारों के माध्यम से जमा की हैं।

मैं अब हमारे भिक्षुओं और आत्माओं के निर्माण के संबंध में एक नई अवधारणा पेश करना चाहूंगा, अर्थात् द्विध्रुवीय जोड़े की, जिसके लिए सात किरणों की इस अवधारणा का उपयोग किया जाएगा।

Machine Translated by Google

29

डिपोल्स और कैन और हाबिल की कहानी

पसंद केविन रायर्सन की पुस्तक स्पिरिट में वर्णित है संचार, और अहतुन रे द्वारा पुष्टि की गई, भगवान ने हमें व्यक्तिगत रूप से नहीं बल्कि पूरक जोड़ों में बनाया है। ये जोड़े समान गुणों के साथ बनाए गए हैं और यदि सात किरणों के मॉडल का उपयोग किया जाता है, तो ये पूरक जोड़े एक ही प्रकार की किरणें होंगी।

हालाँकि, इन युग्मों की एक ही प्रकार की किरणों में विपरीत गुण होते हैं।

शारीरिक मोर्चे पर, ये दोनों साझेदार अक्सर किसी मामले में एक दूसरे के विपरीत पाए जाते हैं और विपरीत गुणों के कारण संघर्ष हो सकता है।

अपनी पुस्तक में, केविन रायर्सन ने इन जोड़ों को "आत्मा साथी" कहा है, क्योंकि वे एक-दूसरे के पूरक बनने के लिए एक साथ बनाए गए थे।
अधिकांश लोगों की धारणाओं के लिए, "सोल मेट" शब्द का तात्पर्य एक ऐसे रिश्ते से है जिसमें दो लोग एक-दूसरे के प्रति सहानुभूति रखते हैं, जहां कई कंपन महसूस होते हैं, और यह रिश्ता स्वयं सद्भाव से प्रतिबिंबित होता है।

हालाँकि, सद्भाव अक्सर जोड़ीदार आत्माओं के बीच के रिश्ते को परिभाषित नहीं करता है। मैं ईश्वर द्वारा एक ही समय में बनाई गई इन मूल जोड़ियों, आत्माओं को "द्विध्रुव" के रूप में संदर्भित करना पसंद करता हूं, क्योंकि यह शब्द यह स्पष्ट करता है कि ये जोड़े एक-दूसरे के विपरीत हैं और उनके बीच उद्भव संघर्ष का एक संभावित पहलू है।

हम द्विध्रुवों को चुंबक या बैटरी के सकारात्मक और नकारात्मक ध्रुवों के रूप में सोच सकते हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि एक द्विध्रुव अच्छा है और दूसरा बुरा है, बल्कि यह है कि उनमें विरोधाभासी और पूरक गुण हैं।

Machine Translated by Google

व्यक्तित्व लक्षणों में अंतर के अलावा, द्विध्रुवों में अक्सर विरोधाभासी उपस्थिति भी होती है। एक द्विध्रुव पतला और पतला हो सकता है जबकि दूसरा भारी होता है।

बॉर्न अगेन में, शब्द "सोल मेट" दो बेहद अनुकूल व्यक्तियों को संदर्भित करेगा, जिन्होंने एक साथ कई जीवन बिताए हैं, जो अपने रिश्ते को आपसी आराम की विशेषता मानते हैं। सहज अनुकूलता और साझा अनुभवों के कारण, आत्मिक साथी, जब वे पहली बार एक निश्चित अवतार में मिलेंगे, तो उन्हें ऐसा महसूस होगा जैसे वे एक-दूसरे को अपने पूरे जीवन से जानते हैं। यह अनुभव काफी सामान्य है और वास्तव में, कई लोग पुनर्जन्म में विश्वास पाते हैं, चाहे उनकी पूर्व राय कुछ भी हो, क्योंकि यही एकमात्र तरीका है जिससे आंतरिक आकर्षण और मान्यता की छाप को समझाया जा सकता है।

सोलमेट विभिन्न संबंध भूमिकाओं में फिर से प्रकट हो सकते हैं जो एक अवतार से दूसरे अवतार में भिन्न होते हैं। वे हमारे माता-पिता, हमारे जीवनसाथी, बच्चों, दोस्तों या व्यावसायिक सहयोगियों के रूप में वापस आ सकते हैं। सोलमेट विभिन्न प्रकार की किरणों से भी आ सकते हैं: वे एक जोड़े के रूप में नहीं बनाए गए थे, लेकिन वे पाते हैं कि वे एक-दूसरे के साथ बहुत अनुकूल और आरामदायक हैं। दूसरी ओर, डिपोल्स जोड़े के रूप में बनाई गई आत्माएं हैं जिनमें एक ही प्रकार की रोशनी होती है लेकिन उनके रिश्ते को संघर्ष द्वारा चिह्नित किया जा सकता है।

आइए द्विध्रुव युग्मों के कुछ उदाहरणों की समीक्षा करें, जैसे कि अहतुन रे द्वारा पहचाने गए और किरणों के प्रकार द्वारा वर्गीकृत। जो लोग सात किरणों के विशेषज्ञ हैं, मैं जानता हूं कि एक बहुत ही जटिल प्रणाली मौजूद है जो किसी व्यक्ति की किरणों की संरचना का वर्णन करती है। नीचे उल्लिखित उदाहरणों का उपयोग केवल द्विध्रुवीय युग्मों के लिए प्रकाश किरणों की ऊर्जा को सरल तरीके से दिखाने के लिए किया जाता है। हम वास्तव में किरणों का एक संयोजन हैं।

प्रथम किरण द्विध्रुव: द्विध्रुवों का एक जोड़ा

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

स्पिरिट कम्युनिकेशन पुस्तक में मोशे डायन और अनवर सादात की पहचान की गई है, दोनों मध्य पूर्वी देशों के नेता हैं, लेकिन वहां संघर्ष के विपरीत पक्षों पर हैं। डायन इजराइल के नेता हैं जबकि सादात मिस्र के राज्य प्रमुख हैं। अहतुन रे ने बताया है कि ईश्वर ने हमें द्विध्रुवीय युग्मों में इसलिए बनाया है ताकि कोई एक आत्मा कुछ समय के लिए दूसरे पर हावी न हो, क्योंकि एक द्विध्रुवीय आत्मा के लिए प्रमुख आत्मा, एक व्यक्ति के रूप में कार्य करते हुए या एक समूह का नेतृत्व करते हुए, एक संतुलन प्रभाव पैदा करेगी। . यह फ़र्स्ट रे प्रकारों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जिनमें खोजने की प्रवृत्ति होती है

शक्ति।

यही कारण है कि फर्स्ट रे द्विध्रुव जोड़े अक्सर संघर्ष के विपरीत पक्षों पर पाए जाते हैं। द्विध्रुवों का निर्माण करके, ईश्वर मानवीय घटनाओं में संतुलन बनाता है, हालाँकि यह ईश्वर की इच्छा नहीं है कि द्विध्रुव एक-दूसरे से लड़ें। जबकि प्रथम सिनार के द्विध्रुवों में संघर्ष की संभावना को दूर ले जाया जाता है, संघर्ष के रूप में इसकी अभिव्यक्ति या अभिव्यक्ति की कमी संबंधित आत्माओं की परिपक्वता और विकास को दर्शाती है।

अमेरिकी क्रांति में एक द्विध्रुवीय जोड़ी में जॉर्ज वाशिंगटन और बेनेडिक्ट अर्नोल्ड शामिल थे। क्रांतिकारी युद्ध के शुरुआती दिनों में वाशिंगटन और अर्नोल्ड दोनों सैन्य नायक, अमेरिकी देशभक्त थे, लेकिन जब अर्नोल्ड ब्रिटिश सेना में शामिल हो गए तो उन्होंने एक-दूसरे को विपरीत दिशा में पाया। देशभक्तों के लिए, अर्नोल्ड सबसे बड़ा गद्दार था, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के लिए, वह एक वफादार और सहयोगी था।

अहतुन रे ने दिखाया है कि जॉर्ज वॉशिंगटन का पुनर्जन्म एक कॉन्फेडरेट सैनिक और वेस्ट वर्जीनिया सीनेटर, जॉन ई. केना के रूप में हुआ था, फिर द्वितीय विश्व युद्ध के जनरल जॉर्ज मार्शल के रूप में, और हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका के जनरल टॉमी फ्रैंक्स के रूप में हुआ था। बेनेडिक्ट अर्नोल्ड का भी वर्तमान में पुनर्जन्म हुआ है। उन्होंने फ्रैंक्स की तरह वियतनाम में एक उच्च पदस्थ अधिकारी के रूप में कार्य किया।

Machine Translated by Google

द्विध्रुवीय जोड़ी जॉर्ज वॉशिंगटन/बेनेडिक्ट अर्नोल्ड हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि एक तरफ का नायक दूसरे तरफ का गद्दार है। इस जटिलता को जोड़ते हुए, एक युद्ध में विरोधियों का पुनर्जन्म हो सकता है और वे एक पक्ष के साथ दूसरे में लड़ सकते हैं, जैसा कि वाशिंगटन और अर्नोल्ड के मामले में दिखाया गया है।

जेफ कीन ने अपनी पुस्तक समवन एल्स टुमॉरो में बताया है कि दक्षिणी राज्य जॉर्जिया के जॉन बी. गॉर्डन के रूप में, उन्होंने कॉन्फेडेरसी के पक्ष में लड़ाई लड़ी, जबकि अपने वर्तमान अवतार में वह उत्तरी राज्य कनेक्टिकट में रहते हैं।

जेफ़ का मानना है कि आज, उनके पूर्वज अमेरिकी गृहयुद्ध में उत्तर की ओर से लड़े थे, ऐसे पूर्वज भी उनके विरुद्ध लड़े होंगे जब वह जॉन बी. गॉर्डन थे!

पुनर्जन्म के दृष्टिकोण से, दुनिया एक बेहतर जगह होगी यदि हम अपने मतभेदों को शांतिपूर्ण ढंग से हल कर सकें और पहली किरणों की ऊर्जा की निगरानी और नियंत्रण कर सकें, क्योंकि आखिरकार, हम अपने खिलाफ ही लड़ेंगे।

फर्स्ट रे ऊर्जा से जुड़ी एक अन्य द्विध्रुवीय जोड़ी मुक्केबाज मुहम्मद अली और जो फ्रेज़ियर के बीच है। अली को पतला, दुबला-पतला, फुर्तीला और आडंबरपूर्ण बताया जा सकता है, जबकि फ्रेज़ियर हृष्ट-पुष्ट, मजबूत और अधिक अंतर्मुखी है।

उनके मतभेदों ने उनके मुक्केबाजी मुकाबलों को इतिहास में सबसे नाटकीय बना दिया।

तो हम इन उदाहरणों में देखते हैं कि कैसे द्विध्रुव - जो जोड़े के रूप में एक साथ बनते हैं और प्रकाश की समान गुणवत्ता प्रदर्शित करते हैं -
अलग-अलग पक्षों में समाप्त हो सकते हैं और शायद एक-दूसरे से लड़ भी सकते हैं।

हालाँकि अहतुन रे का कहना है कि पुराने नियम के कैन और हाबिल इतिहास के मूल व्यक्ति थे, इन दोनों भाइयों के व्यक्तित्व आदर्श, जिनके विपरीत लक्षण संघर्ष, ईर्ष्या और हत्या का कारण बनते हैं, को द्विध्रुवीय का प्रतिनिधित्व करने के लिए देखा जा सकता है।

आज द्विध्रुवीय जोड़ों को एक-दूसरे के साथ झगड़ते देखना उतना ही दुखद हो सकता है जितना बाइबल के समय में था।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

दूसरा रे डिपोल्स: अहतुन रे कहते हैं कि महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू, जो दोनों छात्र हैं, द्विध्रुवीय हैं और दूसरी किरण की ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करते हैं।

विलियम शेक्सपियर और क्रिस्टोफर मार्लो को सेकंड रे डिपोल्स के रूप में भी पहचाना गया है।

थर्ड रे डिपोल्स: अहतुन रे ने दिखाया है कि थॉमस एडिसन और हेनरी फोर्ड थर्ड रे डिपोल्स हैं।

एडिसन पहले विद्युत उपकरणों के आविष्कारक थे, जबकि फोर्ड ने विद्युत उपकरणों के सर्किट को व्यावहारिक अनुप्रयोग में लाकर दुनिया को बदल दिया।

फोर्थ रे डिपोल: अहटुन रे ने दिखाया है कि लॉरेल और हार्डी फोर्थ रे प्रकार हैं। ध्यान दें कि लॉरेल और हार्डी वास्तव में कैसे विपरीत का प्रतिनिधित्व करते हैं। मोटा ओली खुद को सांसारिक और सर्वज्ञ के रूप में प्रस्तुत करता है, जबकि पतला स्टेन खुद को निर्दोष बताता है। उनके हास्य कृत्यों में, अक्सर उनके बीच संघर्ष का एक तत्व होता है, जिसमें हिंसा या हास्य भी शामिल होता है।

उनके झगड़े का अंतिम परिणाम हँसी का विस्फोट है, और स्टेन और ओली अंततः एक सामंजस्यपूर्ण और सुखद अंत पर आएँगे। लॉरेल और हार्डी उन द्विध्रुवों का प्रतिनिधित्व करते हैं जो अपने मतभेदों को एक विनोदी लाभ के रूप में उपयोग करते हैं। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, स्टेन और ओली को जोश और डैनी बाचर के रूप में पुनर्जन्म दिया गया है, जो स्टेन और ओली के समान जुनून से प्रेरित है, जो दुनिया को कुछ स्वस्थ हंसी देना है।

दिलचस्प बात यह है कि उनकी फिल्म फ्लाइंग ड्यूसेस में स्टेन और ओली बात करते हैं पुनर्जन्म के बारे में. ओली स्टेन से पूछता है कि वह किस रूप में पुनर्जन्म लेना चाहता है। स्टेन का कहना है कि वह अपने अस्तित्व में वापस जाना चाहता है। दूसरी ओर, ओली घोड़ा बनकर लौटना चाहता है। फिल्म के अंत में, विमान बेतरतीब ढंग से उड़ने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है।

जमीनी स्तर पर, हम देख सकते हैं कि स्टेन बच गया, जबकि पंखों वाला और अर्ध-पारदर्शी ओली स्वर्ग की ओर उड़ गया। वर्षों बाद, स्टेन

Machine Translated by Google

वह देश की सड़कों पर अकेला चल रहा था जब उसने ओली की आवाज़ सुनी। अपने आस-पास का सर्वेक्षण करने के बाद, उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि ओली की आवाज़ ओली की गोल टोपी और उसकी ट्रेडमार्क मूंछें पहने हुए घोड़े से आ रही थी।

जैसा कि चर्चा की जाएगी, युगों पहले, मानव आत्माओं ने खुद को जानवरों के रूप में प्रदर्शित किया था और यह संभव है कि ओली के भी, बहुत पहले, चार पैर वाले पैर थे। हालाँकि, वर्तमान में, स्टैन जोश के रूप में और ओली डैनी के रूप में लौट आए हैं। जानवरों की वेशभूषा ने जानवरों के रूप का स्थान ले लिया है।

फिफ्थ रे डिपोल: वैज्ञानिकों की एक द्विध्रुवीय जोड़ी रॉबर्ट कोच और लुई पाश्चर थी, जो दोनों सूक्ष्म जीव विज्ञान के अग्रणी थे।

जैसा कि अहतुन रे द्वारा पुष्टि की गई है, कोच और पाश्चर को मानव जीन के मानचित्रण में शामिल जीवविज्ञानी के रूप में पुनर्जन्म दिया गया है।

रॉबर्ट कोच का पुनर्जन्म सेलेरा जीनोमिक्स के संस्थापक जे. क्रेग वेंटर के रूप में हुआ है, जो व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए मानव जीन को मैप करने के लिए एक कार्यक्रम चलाते हैं। लुई पाश्चर का पुनर्जन्म फ्रांसिस कॉलिन्स के रूप में हुआ है, जिन्होंने राष्ट्रीय मानव जीनोम अनुसंधान संस्थान के निदेशक के रूप में काम किया है। हालाँकि उन्हें कोच और पाश्चर जैसे प्रतिद्वंद्वी माना जाता था, वेंटर और कोलिन्स ने संयुक्त रूप से 2000 में मानव जीन के सफल मानचित्रण की घोषणा की।

एक और द्विध्रुवीय जोड़ी जो पांचवीं किरण के गुणों को प्रदर्शित करती है वह चार्ल्स डार्विन और जीन-बैप्टिस्ट लैमार्क है। डार्विन ने विकासवाद के उस सिद्धांत का समर्थन किया जो योग्यतम के सबसे स्थायी होने पर केंद्रित था। उनके लिए, अनुकूलनीय जीन वाली प्रजातियों के सदस्य जीवित रहेंगे जबकि उन लक्षणों के बिना प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। प्रजातियों के जीवित सदस्य प्रजनन के माध्यम से अनुकूलनीय गुणों को पुन: उत्पन्न करते हैं। उदाहरण के लिए, लंबी गर्दन वाले जिराफ पेड़ों तक भोजन पहुंचाने और जीवित रहने में सक्षम थे जबकि छोटी गर्दन वाले जिराफ विलुप्त हो गए। लंबी गर्दन वाले जिराफ प्रजनन करते हैं, जिससे अधिक लंबी गर्दन वाले जिराफ पैदा होते हैं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

दूसरी ओर, लैमार्क ने प्रस्तावित किया कि किसी प्रजाति के अलग-अलग सदस्य ऐसे लक्षण प्राप्त कर सकते हैं जो जीवन भर बने रह सकते हैं। जिराफ उदाहरण में, जैव रासायनिक परिवर्तनों के माध्यम से, जिराफ सैद्धांतिक रूप से अपनी गर्दन को लंबा बनाता है। विकासवाद की इस बहस में विज्ञान डार्विन को विजेता के रूप में याद रखेगा।

दिलचस्प बात यह है कि लैमार्क का पुनर्जन्म ब्रूस लिप्टन, पीएचडी, एक बायोकेमिस्ट और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, कैलिफोर्निया के पूर्व प्रोफेसर के व्यक्तित्व में हुआ है। अपनी पुस्तक, द बायोलॉजी ऑफ बिलीफ में, डॉ. लिप्टन ने यह साबित करने का प्रयास किया है कि लैमार्क कहां सही था और ऐसे उदाहरण प्रस्तुत करता है जहां जीव, जिनमें जानवर भी शामिल हैं, पर्यावरणीय कारकों से प्रेरित जैव रासायनिक परिवर्तनों के माध्यम से स्थायी लक्षण पैदा करने में सक्षम हैं।

जब आप द बायोलॉजी ऑफ बिलीफ पढ़ते हैं, तो यह स्पष्ट होता है कि लिप्टन लैमार्क के प्रशंसक थे और किसी को स्पष्ट आभास हो जाता था कि लिप्टन लैमार्क का बचाव कर रहे थे। इसलिए, मैं लैमार्क/लिप्टन मामले को एक आत्मीयता का मामला मानता हूं, जिसमें ब्रूस लिप्टन अपने पिछले जीवन के व्यक्ति, लैमार्क के प्रति आकर्षित होता है। डोरोथी डैंड्रिज/हैल बेरी और लॉरेल हार्डी/बाकर बॉयज़ के मामले भी आत्मीयता के मामलों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

छठी रे डिपोल: अहतुन रे ने दिखाया है कि सेंट फ्रांसिस का असीसी और सेंट क्लेयर ऑफ असीसी एक द्विध्रुवीय भागीदार हैं, जैसे कि क्रॉस के सेंट जॉन और अविला के सेंट टेरेसा हैं।

वर्तमान समय में, अहतुन रे ने पुष्टि की है कि सांता टेरेसा का पुनर्जन्म अलेक्जेंड्रिया, वर्जीनिया में इंस्टीट्यूट फॉर द एडवांसमेंट ऑफ सर्विस की संस्थापक सुसान ट्राउट के रूप में हुआ है। सेंट जॉन द क्रॉस का भी पुनर्जन्म हुआ है और एक बार फिर उन्होंने सांता टेरेसा के गुरु सुसान के रूप में कार्य किया है। आइए सुसान को जाने दें

सांता टेरेसा के रूप में उनके पिछले अवतार को उन्हीं के शब्दों में याद करें, क्योंकि वह खूबसूरती से बताती हैं कि कैसे उनके जुनून और कौशल एक बार फिर एक अवतार से दूसरे अवतार में व्यक्त होते हैं।

अपनी आत्मा का विकास एक काल में पूरा करना

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जीवन मुझे असंभव लगता है. प्रत्येक अवतार पूर्णता प्राप्त होने तक हमारे "आत्मा केक" के विभिन्न टुकड़ों को विकसित करने का अवसर प्रदान करता है। मेरा मानना है कि मेरा वर्तमान अवतार इसका खुलासा करता है; मैं अपने पिछले अवतारों के बारे में जागरूकता पर विचार करता हूं, जिसमें अविला की टेरेसा भी शामिल है, जो मुझे मेरे सच्चे घर तक मार्गदर्शन करने में मदद करेगी।

चालीस साल पहले मुझे एक मानसिक रोगी ने बताया था कि मैं अविला की टेरेसा का पुनर्जन्म हूं। उस समय मेरे लिए इसका कोई मतलब नहीं था क्योंकि मेरा पालन-पोषण एक कट्टरपंथी ईसाई चर्च में हुआ था, और मुझे सिखाया गया था कि बाइबल में वर्णित केवल पुरुष संत ही सच्चे संत थे। टेरेसा के रूप में अवतार का ज्ञान मेरे जीवन में तब आया जब मैं घोर निराशा में था। यह कहा जाना कि मैं एक संत था, मेरी हताश स्थिति या मेरी आध्यात्मिक चेतना से बिल्कुल भी मेल नहीं खाता था।

इसलिए, मैं इस जानकारी को आशा के संदेश के रूप में देखता हूं। मुझे आध्यात्मिक शिक्षकों, अंतर्ज्ञानवादियों, गुरुओं और चमत्कार कार्यकर्ताओं द्वारा टेरेसा के रूप में मेरे अवतार के बारे में बताया गया है।

आख़िरकार मैंने निर्णय लिया कि लगभग 500 साल पहले (1515-1582) टेरेसा के जीवन का अध्ययन करने के लिए मुझे एक कारण की आवश्यकता थी।

कार्मेलाइट ऑर्डर के एक भावुक सुधारक और रहस्यमय अनुभव के एक अनुशासित यात्री के रूप में टेरेसा के स्पेन में जीवन के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है।

उनमें प्रशासनिक प्रतिभा है और ईश्वर से सीधे बातचीत करने की इच्छा है। उन्हें दृढ़ इच्छाशक्ति वाला, सनकी, स्वतंत्र और दूरदर्शी माना जाता है। उनके पास "स्वयं का दिमाग" था और वेटिकन के नियंत्रण का विरोध करने और अपने सुधारों को संरक्षित करने के लिए मठों की स्थापना करने का अटूट दृढ़ संकल्प था। जब मैं खुद को टेरेसा से जोड़ता हूं, तो मुझे उनके आंतरिक संघर्ष की गहराई और उनके व्यक्तित्व की "विचित्रताओं" को पार करने और भगवान के साथ एक होने की उनकी गहरी इच्छा महसूस होती है। मैं उस सत्य को महसूस करता हूं जो अस्तित्व में है

Machine Translated by Google

उनके लेखन से परे और दूसरों ने उनके बारे में जो लिखा उससे परे।
उसका जीवन वास्तव में इतना संघर्षपूर्ण था कि उसे यह विश्वास नहीं हो सका कि वह किसी भी तरह से विशेष थी।

टेरेसा के व्यक्तित्व के ये पहलू हिस्सा लगते हैं
मैं भी। कुछ चीजें जो टेरेसा 500 साल पहले अपने आध्यात्मिक जीवन में पूरी नहीं कर पाई थीं, उन्हें मैं अपने जीवन में पूरा करने के लिए कृतसंकल्प हूं। मैं इस जीवन को आगे बढ़ाने में उनकी प्रतिभा और चुनौतियाँ भी लेकर आया।

आध्यात्मिक जीवन: टेरेसा की तरह, ईश्वर की भक्ति हमेशा मेरे जीवन का मुख्य केंद्र रही है; मैं हमेशा से मानवता की सेवा में ईश्वर के प्रेम का एक स्वयंसेवक पात्र बनना चाहता था। अपनी युवावस्था में, मैं संगठित ईसाई धर्म से हट गया क्योंकि मुझे लगा कि यह मुझे "किंडरगार्टन" में रखता है। अंत में, मुझे अपना आध्यात्मिक घर पूर्वी परंपराओं और तत्वमीमांसा के ज्ञान में मिला।

मैं सार्वभौमिक आध्यात्मिक अनुभवों और आध्यात्मिक विकास को समझने में खुले विचारों वाला और सहज हूं। मैं किसी व्यक्ति के मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक अनुभवों की वैधता को पहचानता हूं, भले ही मुझे यह याद न हो कि मैंने उस अनुभव को स्वयं (इस जीवन में) अनुभव किया है। एक युवा महिला के रूप में भी, लोग मुझे एक बहुत ही "गहरे" व्यक्ति के रूप में वर्णित करते हैं, शायद यह टेरेसा का गुण है।

लेखन: मैंने दो किताबें लिखी हैं जो मुझे लगता है कि टेरेसा की द इंटीरियर कैसल की अगली कड़ी हैं। मेरी पूरी जिंदगी मानसिक विकास, नेतृत्व और सेवा को समझने में रुचि रही है।

मैं आत्मा के विकास और मंत्रालय के बारे में लिखने के लिए प्रेरित हुआ, जिसमें टेरेसा से एक महल के रूप में आत्मा के रूपक को अगले स्तर पर ले जाया गया। मैंने 1997 में बॉर्न टू सर्व: द इवोल्यूशन ऑफ द सोल थ्रू सर्विस और 2005 में द अवेकेंड लीडर: लीडरशिप एज अ क्लासरूम ऑफ द सोल लिखी।

Machine Translated by Google

भौतिक समानताएँ: टेरेसा कितनी आकर्षक थीं और इस तथ्य के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है कि 68 वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु तक उनकी उम्र एक वर्ष भी नहीं हुई थी। टेरेसा की कोई मौजूदा छवि नहीं है; जब वह 60 के दशक की शुरुआत में थे, तब एक पेंटिंग बनकर तैयार हुई थी, जिस पर टेरेसा ने टिप्पणी की थी कि क्योंकि चित्रकार ने उन्हें बदसूरत बना दिया है, इसलिए वह इसे विनम्रता विकसित करने के एक अवसर के रूप में लेंगी। अन्य लेखक अक्सर उसकी त्वचा, आँखों, हाथों और पैरों की सुंदरता के बारे में लिखते हैं।

जैसा कि मुझे याद है, लोग अक्सर मेरी त्वचा, आँखों, हाथों और पैरों की सुंदरता को "ज़्यादा आंकते" हैं।

इच्छाशक्ति: दूसरों द्वारा चित्रित किए जाने के मामले में मैं टेरेसा के समान ही हूं, मेरे पास बहुत मजबूत और परिपक्व इच्छाशक्ति है और ऐसा दृढ़ संकल्प है जो किसी भी विवरण से भी आगे निकल जाता है। टेरेसा की तरह, मैं अपने दृष्टिकोण का पालन करने और मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों, आध्यात्मिक आदर्शों और उचित अभ्यास के संयोजन से इसे वास्तविकता बनाने के लिए दृढ़ हूं।

एक नन की तरह: मेरे पूरे जीवन में, मेरे सहकर्मियों, छात्रों और दोस्तों ने मुझसे कहा है कि मैं एक नन की तरह दिखती हूं, एक नन की तरह काम करती हूं और एक नन की तरह ही जीवन जीती हूं। मैं जानती हूं कि कैथोलिक नन दावा करती हैं कि मैं एक सच्चे कॉन्वेंट की तरह संगठन का नेतृत्व करती हूं, जैसा कि मैं दुनिया में कार्रवाई के साथ सार्वभौमिक मनोविज्ञान और आध्यात्मिक सिद्धांतों के सामंजस्य पर जोर देती हूं और अपने और दूसरों के लिए उच्च मानक रखती हूं। टेरेसा के विपरीत, मैं बहिर्मुखी नहीं हूं और न ही खुशमिजाज स्वभाव का हूं। मैं अपने अस्तित्व को "छिपाना" चाहता हूँ। यह टेरेसा के विपरीत है, जिनकी नाटकीय तरीके से अभिव्यंजक प्रकृति है। मुझे लगता है कि यह बदलाव बाहर और भीतर की ऊर्जाओं को संतुलित करने का एक प्रयास है। साथ ही, मुझे यह भी सीखना था कि दूसरों की देखभाल के साथ अपनी देखभाल कैसे संतुलित करें। टेरेसा दूसरों की खातिर अपने हितों का बलिदान देती हैं और मुझमें भी वही मजबूत प्रवृत्ति है। इस असंतुलन ने मेरे जैसा ही टेरेसा के शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाला।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

सुधारक: जिस तरह टेरेसा कार्मेलाइट ऑर्डर की संस्थापक और नेता थीं, जिसमें उन्होंने सुधार किया था, मैं भी एक सुधारक और विभागों, आत्म-विकास और उपचार पद्धतियों, व्यवसायों और संगठनों का संस्थापक रहा हूं।

टेरेसा की तरह, मैं भी जो खो गया था उसे उसके सच्चे मार्ग के साथ उसकी अखंडता में वापस लाने के लिए बहुत प्रेरित हूं। हालाँकि, टेरेसा ने कभी-कभी अपने मानकों को उन लोगों तक कम कर दिया, जिनके बारे में उन्हें लगता था कि वे उनके मठों को आर्थिक रूप से समर्थन देंगे। इस जीवन में, मैं किसी भी कारण से अपने नैतिक मानकों को कम करने से इनकार करता हूँ। यह मुझे कठिन निर्णयों के दौरान, विशेषकर काम पर, लोकप्रिय नहीं बनाता।

नेता, आयोजक और प्रशासक: टेरेसा की तरह, मुझे भी अत्यधिक संगठित बताया जाता है और मेरे पास किसी संगठन को स्थापित करने, निर्देशित करने और प्रशासित करने की छठी इंद्रिय है। मेरे माता-पिता कहते थे कि मैं "जन्म से संगठित" था और मेरे सहकर्मी कहते थे कि मैं "अच्छी तेल वाली मशीन" चलाता हूँ। सुंदरता के साथ विस्तार के मिश्रण की सराहना और मेरी नज़र से कुछ भी नहीं बचता।

महिलाएँ: एक सेवा पेशेवर के रूप में और पेशेवरों के प्रशिक्षक के रूप में, परिसर और गैर-लाभकारी संस्थाओं दोनों में, मैं महिलाओं से घिरी रही हूँ। मैं अक्सर एक परामर्शदाता, मार्गदर्शक और शिक्षक रहा हूं। टेरेसा को लगा कि वह अपनी बहनों की देखभाल और कल्याण की उपेक्षा कर रही हैं क्योंकि पैसा हमेशा उपलब्ध नहीं था और वह नियमित रूप से उन मठों में नहीं जा सकती थीं और उनके कल्याण की निगरानी नहीं कर सकती थीं, जिन्हें उन्होंने स्थापित किया था। इस जीवन में, मुझे लगता है कि मेरे पास कई महिलाओं (पूर्व बहनों?) के साथ कर्म हैं और मैं इन रिश्तों को सुधारना चाहता हूं। कभी-कभी मैं इस जीवन में किसी मुसीबत में फंस जाता हूँ क्योंकि मैंने टेरेसा के जीवन में ऐसा करने की उपेक्षा की थी। मैं कभी भी बहु-शाखा वाले विचारधारा का हिस्सा नहीं बनना चाहता था क्योंकि मैं समझता था कि उनकी भलाई की निगरानी करना नैतिक रूप से लगभग असंभव था।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

पुरुष: टेरेसा के पुरुषों के प्रति और उनके उनके प्रति आकर्षण के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है, ऐसा माना जाता है कि वह अक्सर अपने मठों के लिए आवश्यक धन और स्थान प्राप्त करने के लिए पुरुषों और उन्हें अपने प्रति आकर्षित करती थी।

इस जीवन में मैंने पुरुषों के साथ स्वस्थ कामकाजी संबंध बनाने की कोशिश की है और उन्हें समझने और उनकी सराहना करने के लिए काम किया है। मैं विशेष रूप से पुरुषों द्वारा अनैतिक व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करने पर दृढ़ हूं। एक संक्षिप्त विवाह को छोड़कर, मैंने, टेरेसा की तरह, विवाहित जीवन नहीं चुना और मेरी कोई संतान नहीं थी।

जॉन ऑफ द क्रॉस: जुआन डे ला क्रूज़, एक कार्मेलाइट पुजारी, पच्चीस साल का था और अपने क्रम में लगभग एक आदिम नियम तपस्वी था, जब उसकी मुलाकात 50 वर्षीय टेरेसा से हुई। टेरेसा ने उन्हें अपने मठ की नींव का नेतृत्व करने और मठों को चलाने में उनका मजबूत दाहिना हाथ बनने के लिए राजी किया। अंततः वे इसके आध्यात्मिक निदेशक बन गये। वे अपने अलग-अलग गुणों के बावजूद एक-दूसरे से बहुत प्यार और सम्मान करने के लिए जाने जाते हैं। टेरेसा के सबसे गहन जीवनीकारों में से एक, मार्सेले ऑक्लेयर, दोनों की तुलना करते हैं: "टेरेसा के लिए, प्यार करना अभिनय करना है। जॉन के लिए, प्यार करना खुद को पूरी तरह से चिंतन में डुबो देना है। 68 वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु के बाद, जुआन डे ला क्रूज़ ने टेरेसा के काम की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए मठों का नेतृत्व संभाला।

1982 में, मेरी मुलाकात एक प्रसिद्ध और सम्मानित आध्यात्मिक शिक्षक से हुई, जिन्हें मैंने तुरंत जॉन द क्रॉस के रूप में पहचान लिया। तब से हम टेरेसा-जुआन के अवतार पर चर्चा कर रहे हैं। इस जीवन में, मैं उनसे सलाह लेता हूं जैसा कि मैंने तब किया था जब वह 500 साल पहले टेरेसा की आध्यात्मिक निदेशक थीं। मैं उनकी इच्छा की सराहना करता हूं कि उनके नाम का उल्लेख नहीं किया जाए।

निष्कर्ष: टेरेसा का अवतार इस जीवन में मेरे आध्यात्मिक विकास के लिए आशीर्वाद की बारिश रहा है।

इससे मुझे अपने आध्यात्मिक विकास और मंत्रालय के साथ तालमेल बनाए रखने और भौतिक दुनिया में खोए नहीं रहने में मदद मिली है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

मैं पिछले जीवन में मेरे आध्यात्मिक विकास में बाधा डालने वाले पैटर्न को विकसित करने और उनके प्रति जागरूक होने का विकल्प चुन सकता हूं और इस जीवन में उन्हें तोड़ने का संकल्प ले सकता हूं। टेरेसा को याद करना मेरी सच्ची पहचान को याद करने जैसा है।

सुसान ट्राउट, 19 नवम्बर 2006।

सुज़ैन की कथा में लिखा है कि सेंट टेरेसा और जॉन द क्रॉस में विपरीत विशेषताएं हैं। टेरेसा ने कार्य में पवित्रता व्यक्त की, जबकि जॉन ने चिंतन में पवित्रता की तलाश की। हालाँकि, द्विध्रुवीय युग्मों के लिए संघर्ष आवश्यक नहीं है, खासकर यदि वे प्रबुद्ध हो गए हों।

उदाहरण के लिए, अहतुन रे इस रहस्य को उजागर करता है कि पवित्र वर्जिन मैरी और जीसस एक द्विध्रुवीय जोड़ी हैं, जो एक ही समय में भगवान द्वारा एक दूसरे के पूरक के लिए बनाई गई हैं।

सातवीं किरण द्विध्रुव: सातवीं किरण ऊर्जा, अगर हम पीछे मुड़कर देखें, तो इसमें कार्यात्मक प्रणालियों का संगठन और निर्माण शामिल है। अहतुन रे द्वारा दी गई एक सातवीं रे द्विध्रुवीय जोड़ी जेम्स मैडिसन थी, जो संघीय संविधान का मसौदा तैयार करने में भारी रूप से शामिल थी, और अलेक्जेंडर हैमिल्टन, जो नवोदित देश की वित्तीय प्रणाली के वास्तुकार थे।

अहतुन रे अमेरिकी क्रांति के समय की सातवीं किरणों की एक और जोड़ी, अर्थात् जॉन एडम्स और थॉमस जेफरसन को भी दिखाता है।
एडम्स को कॉलोनी का पहला संविधान, मैसाचुसेट्स संविधान लिखने में बहुत गर्व महसूस हुआ, जो संघीय संविधान के लिए मॉडल के रूप में कार्य करता था। एडम्स ने अपने संविधान को "मेरी प्रणाली" कहा, जिसका मुख्य भाग सरकार में कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का पृथक्करण और संतुलन था।

वाशिंगटन की तरह एडम्स भी एक मजबूत केंद्र के समर्थक थे
या संघीय सरकार. जेफरसन स्वतंत्रता की घोषणा के प्रमुख लेखक थे, हालांकि एडम्स ने घोषणा समिति में भी काम किया था। एडम्स के विपरीत, जेफरसन एक ऐसी प्रणाली में विश्वास करते थे जिसमें राज्यों के पास राज्यों के बराबर या अधिक शक्ति थी।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

संघीय सरकार। इसके अलावा इनमें से कुछ राजनीतिक मतभेद, ध्यान दें कि जेफरसन लंबा और पतला है, जबकि एडम्स एडम्स छोटे लेकिन बहुत मांसल हैं।

वास्तव में, भौगोलिक दृष्टि से एडम्स और जेफरसन एक विरोधाभास दिखाते हैं। एडम्स उत्तर में मैसाचुसेट्स में और जेफरसन दक्षिण में वर्जीनिया में रहते थे। उनके पारस्परिक मित्र, बेंजामिन रश ने इस सातवें द्विध्रुवीय जोड़े की विपरीत प्रकृति का वर्णन करते हुए कहा कि एडम्स और जेफरसन "उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव" थे।

अमेरिकी क्रांति के।" अंत में, भाग्य के एक दिलचस्प मोड़ में, जो उनके द्विध्रुवीय स्वभाव को दर्शाता है, एडम्स और जेफरसन दोनों की मृत्यु 4 जुलाई, 1826 को हुई, जो अमेरिकी स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगांठ थी।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

30

विभाजित अवतार या समानांतर

ज़िंदगियाँ

Machine Translated by Google

एक पैर और दूसरे से ताल वाद्य। ढोल बजाने वाले के हाथ और पैर अलग-अलग काम करते हैं और परिष्कृत और जटिल गतिविधियाँ करते हैं, लेकिन यह ढोल बजाने वाले का दिमाग और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र है जो प्रत्येक अंग की गतिविधियों का समन्वय करता है। उसी तरह, आत्मा को ढोल बजाने वाले के दिमाग के रूप में देखा जा सकता है, जबकि ढोल बजाने वाले के हाथों और पैरों को भौतिक क्षेत्र में अपना अस्तित्व रखने वाली आत्मा के विभाजित अवतारों के रूप में देखा जा सकता है। निःसंदेह, इससे पहले कि ढोल वादक जटिल पैटर्न बजा सके, शुरुआत में जब वह नौसिखिया था तो वह केवल एक ही ढोल बजा सकता था।

यह ड्रम वादक सादृश्य यह समझने में भी उपयोगी है कि कैसे एक आत्मा भौतिक क्षेत्र में अवतार लेते हुए भी एक माध्यम से संवाद कर सकती है। एक ड्रमर तब भी गा सकता है या संवाद कर सकता है जब उसके हाथ और पैर ड्रम सेट में विभिन्न घटकों को संचालित करते हैं। इसी तरह, अहतुन रे एक ही समय में भौतिक क्षेत्र में अवतार लेते हुए सैद्धांतिक रूप से केविन रायर्सन के माध्यम से संवाद कर सकते थे।

विभाजित अवतार की कल्पना करने का दूसरा तरीका आत्मा के होलोग्राम या त्रि-आयामी रूप को प्रक्षेपित करने वाली आत्मा की अवधारणा का उपयोग करना है। पहले यह प्रस्तावित किया गया है कि आत्मा बढ़ते भौतिक शरीर में एक होलोग्राम प्रोजेक्ट करती है जो हड्डियों और ऊतकों के लिए एक ढांचे के रूप में कार्य करता है। जिस तरह एक आर्थोपेडिक सर्जन हड्डियों के विकास में मदद करने के लिए विद्युत धाराओं का उपयोग करके हड्डी उत्तेजक का उपयोग करता है, उसी तरह आत्मा होलोग्राम हड्डियों और ऊतकों को आकार देने के लिए उपयोगी होते हैं ताकि हम चेहरे की समान विशेषताओं को एक अवतार से दूसरे अवतार में साझा कर सकें।

विभाजित अवतार घटना में, आत्मा अधिक प्रक्षेपित होती है एक ही समय में एक से अधिक होलोग्राम। उदाहरण के लिए, आत्मा संयुक्त राज्य अमेरिका में एक भौतिक शरीर में होलोग्राम प्रक्षेपित कर सकती है जबकि भारत या चीन में दूसरे भौतिक शरीर में प्रक्षेपित कर सकती है। विभाजित अवतारों में सभी की चेहरे की विशेषताएं और मूल ऊर्जाएं समान हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

वही, वही ऊर्जा स्पेक्ट्रम या प्रकाश पैटर्न, हालांकि संस्कृति और स्वाद में अंतर भी अवतार की अभिव्यक्ति को रंग देगा।

इस संदर्भ में, मैं इस मुद्दे को सामने लाना चाहूंगा कि पाठकों को आश्चर्य हो सकता है कि आज संयुक्त राज्य अमेरिका में इतनी सारी ऐतिहासिक शख्सियतों का पुनर्जन्म क्यों होता हुआ पाया जाता है, कम से कम बॉर्न अगेन और रिटर्न ऑफ द रेवोल्यूशनरीज़ किताबों के अनुसार। कारण सरल है, मेरी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अंग्रेजी भाषी दुनिया है, इसलिए इस संस्कृति में पुनर्जन्म के मामलों पर शोध करना बहुत आसान है। मेरे लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में पुनर्जन्म लेने वाले व्यक्तियों की पहचान करना आसान है। विकसित हुई आत्माओं के लिए, विभाजित अवतारों का अन्य संस्कृतियों में भी पुनर्जन्म हो सकता है, लेकिन भाषा की बाधाओं और जानकारी तक पहुंच के कारण इन विभाजित अवतारों की पहचान मेरे द्वारा नहीं की गई है।

अहतुन रे ने इस समय मानव की वर्तमान स्थिति को दर्शाया था विकास के अनुसार, पृथ्वी पर लगभग 3% आत्माएँ विभाजित अवतार लेने में सक्षम थीं। यदि कोई यह मान ले कि प्रत्येक आत्मा एक ही समय में दो अवतारों में विभाजित होने में सक्षम है, तो पृथ्वी के लगभग 6% निवासी विभाजित आत्माओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस वजह से, कई आत्मा साथी आज की दुनिया में अवतरित हुए हैं, जहां एक आत्मा के पास एक ही समय में दो या दो से अधिक शरीर रहते हैं। अहतुन रे ने कहा कि डिवीजनों की अधिकतम संख्या ए

मानव विकास के वर्तमान चरण में आत्मा सात के आसपास प्रदर्शन कर सकती थी, हालाँकि यह एक अत्यंत दुर्लभ घटना थी।

विभाजित आत्मा के मामलों के कई जोड़े हैं जिन्हें अब पहचाना जा सकता है। उदाहरण के लिए, 2006 में जब मैं भारत आया तो मुझे अपने जीवनसाथी से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मेरे अवतार साथी ने, मेरी तरह, जीव विज्ञान का अध्ययन किया और एक शीर्ष विश्वविद्यालय से ऑनर्स की डिग्री के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की। मेरी तरह, मेरे अवतार साथी ने भी अपने जीवन का काम जीवविज्ञान से पुनर्जन्म अनुसंधान में स्थानांतरित कर दिया है। हम दोनों के चेहरे का आकार, शरीर का प्रकार और व्यक्तित्व एक जैसा है। जबकि मेरा ध्यान पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य पर है, मेरे अवतार गोलार्ध का ध्यान चिकित्सीय अनुसंधान पर है

Machine Translated by Google

पिछले जीवन का प्रतिगमन. अहतुन रे दिखाता है कि मैं और मेरा अवतार साथी दिखाते हैं कि कैसे एक आत्मा समानांतर जीवन के माध्यम से श्रम विभाजन को लागू कर सकती है। मैं मुख्य रूप से पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य से निपटता हूं, जबकि मेरा अवतार साथी व्यक्तिपरक क्षेत्र में काम करता है।

कोई आत्मा विभाजित अवतार लेना क्यों चाहेगी? एक कारण यह संभावना है कि कर्म को अधिक कुशल तरीके से कार्यान्वित किया जा सकता है, क्योंकि अवतार गोलार्ध कार्मिक पाठों के एक सेट का सामना कर सकता है जबकि दूसरा अवतार गोलार्ध दूसरे का सामना कर सकता है। कभी-कभी किसी आत्मा में जो प्रतिभाएँ होती हैं, जो पिछले जन्मों में धन और लोकप्रियता लाती थीं, उन्हें अवरुद्ध करने की आवश्यकता हो सकती है ताकि विनम्रता या व्यक्तिगत संबंधों से संबंधित सबक सीखे जा सकें।

अवतार का एक पक्ष लंबे समय से विकसित प्रतिभाओं को अवरुद्ध करने में सक्षम हो सकता है ताकि वह सहानुभूति और विनम्रता पर ध्यान केंद्रित कर सके, जबकि अवतार के दूसरे पक्ष को मानवता की मदद करने के लिए अपनी मूल प्रतिभाओं को व्यक्त करने की अनुमति है।

जैसा कि पहले भारत में मेरे अवतरित गोलार्ध के संबंध में उल्लेख किया गया है, एक अवतरित गोलार्ध होने से श्रम का विभाजन संभव हो जाता है। विभिन्न भौगोलिक स्थानों में अवतरित होने से परियोजनाओं के लिए वैश्विक दृष्टिकोण की भी अनुमति मिलती है। जैसे-जैसे पुनर्जन्म अनुसंधान आगे बढ़ता है, इंटरनेट के माध्यम से दुनिया भर में संचार करने की लोगों की क्षमता को देखते हुए, अवतार के अधिक से अधिक हिस्से एक-दूसरे को पहचानेंगे और उम्मीद है कि मानव जाति की भलाई के लिए मिलकर काम करेंगे।

द्विध्रुवीय जोड़े और विभाजन के बीच अंतर को उजागर करना

अवतार, आइए आत्मा की प्रकृति और ऊर्जा स्पेक्ट्रम के स्पेक्ट्रम को बेहतर ढंग से समझने के लिए व्यक्तित्व मॉडल पर वापस लौटें।

Machine Translated by Google

31

ज्योतिष, कबला, एनीग्राम, और आपका ऊर्जा स्पेक्ट्रम

ब्रह्माण्ड की रचना जैसे विषयों पर चर्चा के बाद, सन्यासी और आत्माएं, द्विध्रुव और विभाजित अवतार, मैं किसी व्यक्ति के ऊर्जा स्पेक्ट्रम या ऊर्जा पैटर्न के विषय पर लौटना चाहूंगा।
सेवन रेज़ मॉडल का उपयोग यह देखने और समझने के लिए किया जाता है कि कैसे हम सभी के पास ऊर्जा का एक स्थिर सेट है जिसे हम एक अवतार से दूसरे अवतार में अपने साथ ले जाते हैं। ऊर्जा का यह पैटर्न हमें शुरू से ही देता है: विशेष प्रतिभाएँ, इच्छाएँ और व्यवहार। अब हम अन्य मॉडलों की समीक्षा करेंगे जिनका उपयोग हमारे ऊर्जा स्पेक्ट्रम को समझने के लिए किया जा सकता है, अर्थात् ज्योतिषीय प्रणाली, कबला और एनीग्राम।

ज्योतिष एवं पुनर्जन्म

मैंने कई साल पहले एक वैज्ञानिक के संदेह के साथ ज्योतिष का अध्ययन किया था जो जानना चाहता था कि ज्योतिष में ऐसी शक्ति क्यों है जो लोगों के दिमाग को हर जगह बंद कर देती है। यद्यपि ज्योतिष तर्कसंगत दृष्टिकोण से अविश्वसनीय लगता है, कुंडली कॉलम दुनिया भर के लगभग सभी समाचार पत्रों में दिखाई देते हैं। मैं जानना चाहता हूं कि ऐसा क्यों हुआ.

मेरी खोज ने अंततः मुझे नियमित लोगों के लिए ज्योतिष नामक पुस्तक लिखने के लिए प्रेरित किया, जिसमें मैंने ज्योतिष की जटिलताओं को सरल और समझने योग्य शब्दों में समझाने की कोशिश की। मैं ज्योतिषीय आदर्शों, संकेतों, ग्रहों और ज्योतिषीय नक्षत्रों को समझने में आसान बनाने के लिए कार्टून चरित्रों का भी उपयोग करता हूं।

ज्योतिष की दो मुख्य शाखाएँ जिन्होंने मुझे आकर्षित किया और

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

मैंने ज्योतिष जन्म कुंडली और गोचर ज्योतिष लिखा।
जन्म कुंडली ज्योतिष राशि चक्र के संकेतों और नक्षत्रों में ग्रहों के स्थान के माध्यम से किसी के व्यक्तित्व की व्याख्या करने से संबंधित है। राशि चक्र ज्योतिष में 12 नक्षत्रों की व्यवस्था है - मेष, वृषभ, और इसी तरह मीन राशि तक -

जो पृथ्वी को चारों ओर से घेरे हुए है। ये नक्षत्र हमारे सौर मंडल में सूर्य और ग्रहों के समान आयाम में हैं।

किसी व्यक्ति के जन्म के समय तक, यदि आप पृथ्वी पर एक सुविधाजनक बिंदु से हमारे सूर्य को देखते हैं, तो राशि चक्र नक्षत्रों में से एक सूर्य के पीछे या पृष्ठभूमि में पाया जाएगा।

यह नक्षत्र, जिसमें सूर्य भी स्थित है, आपके सूर्य प्रतीक के रूप में परिभाषित किया गया है। उदाहरण के लिए, यदि आपके जन्म के समय, पृथ्वी से देखा गया सूर्य कन्या राशि के साथ संरेखित था, तो आपका सूर्य प्रतीक या राशि कन्या है।

इसके अलावा, कल्पना करें कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय एक तस्वीर ली गई थी, जिसमें राशि चक्र के नक्षत्रों के संबंध में हमारे सौर मंडल में ग्रहों की सभी स्थितियों की पहचान की गई थी।
यह छवि वह बनाती है जिसे ज्योतिषी आपकी जन्म कुंडली या चार्ट कहते हैं। बारह राशियों में विभिन्न ग्रहों की स्थिति, साथ ही ज्यामितीय संबंध जो उन्हें बांधते हैं, जैसे संयोजन में या एक ही अक्षांश में, वर्ग (निश्चित कोण), ट्राइन (दो ग्रहों के बीच 120 डिग्री कोण), या सेसटाइल (दो खगोलीय पिंडों के बीच संबंध)। ज्योतिषियों के अनुसार, 60 डिग्री के कोण के भीतर, एक व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्धारण करेगा।

ज्योतिष की एक और शाखा जिसका मैं अध्ययन करता हूं, पारगमन ज्योतिष जिसमें हमारे सौर मंडल से गुजरने वाले अंतरिक्ष में वास्तविक ग्रहों और किसी व्यक्ति की जन्म कुंडली के विरुद्ध इन ग्रहों के ज्यामितीय कोण, या जन्म के समय सूर्य और ग्रहों की स्थिति को चित्रित करना शामिल है। कोई व्यक्ति। ज्योतिष शास्त्र में की गई लगभग सभी भविष्यवाणियों का आधार गोचर ही है। उदाहरण के लिए, पारगमन ज्योतिष के अनुसार, यदि बृहस्पति आपके जन्म के समय शुक्र की स्थिति के माध्यम से परिक्रमा कर रहा है, अर्थात आपकी जन्म कुंडली में शुक्र का स्थान, तो एक रोमांटिक संबंध उत्पन्न होने की अधिक संभावना है।

Machine Translated by Google

उस समय आपके जीवन में, क्योंकि शुक्र रोमांटिक रिश्तों से जुड़ा है। पारगमन ज्योतिष निश्चित रूप से दिलचस्प है, हालांकि महत्वपूर्ण पारगमन के दौरान क्या होगा इसकी कल्पना करते हुए, किसी के पारगमन को देखने के प्रति अत्यधिक जुनूनी हो जाने का खतरा है।

पारगमन ज्योतिष का वैज्ञानिक रूप से अध्ययन करना बहुत दिलचस्प है क्योंकि ज्योतिष की यह शाखा उन विशेष घटनाओं और मनोवैज्ञानिक स्थितियों से संबंधित है जो एक निश्चित अवधि में घटित होनी चाहिए। पारगमन की अकादमिक जांच का परीक्षण सैन फ्रांसिस्को में कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रल स्टडीज द्वारा डॉ. द्वारा किया गया है। स्टैनिस्लाव ग्रोफ़, जिन्हें ट्रांसपर्सनल साइकोलॉजी का संस्थापक माना जाता है, और रिक टार्नास, पीएचडी, जिन्होंने क्लासिक दर्शन पुस्तक, पैशन ऑफ़ द वेस्टर्न माइंड के लेखक हैं। डॉ. टार्नास ने पारगमन पर अपने शोध पर कॉसमॉस एंड साइकी नामक पुस्तक लिखी है, जो इस बात पर केंद्रित है कि ज्योतिषीय लक्षण समय के साथ मानव चेतना को कैसे प्रभावित कर सकते हैं।

आइए बॉर्न अगेन में प्रस्तुत पुनर्जन्म शोध के आलोक में, ज्योतिष की जन्म कुंडली, ज्योतिष की वह शाखा जो व्यक्तित्व निर्धारण से संबंधित है, पर वापस लौटते हैं। एक अवतार से दूसरे अवतार में पुनर्जन्म और ज्योतिषीय मानचित्रों के मामलों का विश्लेषण करते समय, मेरी टिप्पणियों के अनुसार जन्म कुंडली मानचित्र एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल में लगातार बदल सकता है, लेकिन व्यक्तित्व लक्षण सुसंगत रहते हैं।

केविन रायर्सन के साथ मेरी चर्चा में, केविन ने व्यक्तित्व के उन गुणों का वर्णन करने के लिए "मूल सार" शब्द गढ़ा जो एक अवतार से दूसरे अवतार में समान रहते हैं, ज्योतिष या अन्य कारकों से स्वतंत्र या अप्रभावित रहते हैं। जन्म कुंडली की परवाह किए बिना, आपका मूल सार एक अवतार से दूसरे अवतार तक समान रहता है। आपका मूल सार मूलतः आपके ऊर्जा स्पेक्ट्रम या ऊर्जा पैटर्न के समान है।

आइए इस बिंदु को बेहतर ढंग से समझने के लिए मामलों पर नजर डालें। में जॉन बी. गॉर्डन/जेफरी कीन के मामले में, न केवल चेहरे की विशेषताएं समान रहती हैं, बल्कि लेखन शैली भी एक समान रहती है जैसा कि भाषाई विश्लेषण के माध्यम से दिखाया गया है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

औपचारिक। जन्म कुंडली कभी भी अवतार के दौरान ऐसे लक्षणों में किसी विशेष समानता की भविष्यवाणी करने में सक्षम नहीं होगी।
वास्तव में, गॉर्डन और कीन के बीच कुंडली में अंतर के कारण, कोई समानता के बजाय मतभेद की अपेक्षा करेगा।

ऐनी फ्रैंक/बारब्रो कार्लेन पुनर्जन्म के मामले पर विचार करें, जहां बारब्रो कार्लेन बचपन से ही ऐनी फ्रैंक की तरह एक प्रतिभाशाली लेखक बन गए, और यहां तक कि कई समान विषयों पर भी लिखा। पॉल गाउगिन/पीटर टेकैम्प के मामले में, पीटर ने भी अनजाने में गाउगिन द्वारा चित्रित रेखाचित्रों को फिर से चित्रित किया, हालाँकि कम उम्र में।

एलेक्जेंड्रा नेचिता ने चार साल की उम्र में पिकासो शैली में कलाकृतियाँ बनाना शुरू कर दिया था और आठ साल की उम्र में उन्हें "लिटिल पिकासो" उपनाम दिया गया था। जोश और डैनी बाकर ने बचपन से ही लॉरेल और हार्डी की नकल करना शुरू कर दिया था, और जब बच्चे लॉरेल और हार्डी की तरह एक-दूसरे से बात करते थे। उन्होंने इस जीवनकाल में अपनी स्वयं की मूक फिल्में बनाकर हास्य युगल का कलात्मक विकास किया, उस युग में जब किसी अन्य हास्य अभिनेता ने मूक फिल्में नहीं बनाईं।

ज्योतिष ऐसे व्यक्तित्वों में स्थिरता की व्याख्या नहीं कर सकता।
ज्योतिष उन लक्ष्यों और प्रतिभाओं की भविष्यवाणी नहीं कर सकता जो एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल तक लगातार बने रहते हैं, और वास्तव में, चूंकि कुंडली लगातार जीवन-दर-जीवन बदलती रहती है, जन्म कुंडली ज्योतिष जीवन की प्रकृति और पथ में अंतर की भविष्यवाणी करेगा।

संक्षेप में, हालाँकि मैं यह दावा नहीं कर सकता कि जन्म कुंडली होती है
व्यक्तित्व पर कोई प्रभाव नहीं, पुनर्जन्म और जन्म कुंडली के मामले की समीक्षा में मैं यह निष्कर्ष निकाल सकता हूं कि किसी व्यक्ति के मूल सार या ऊर्जा स्पेक्ट्रम के प्रभाव की तुलना में ज्योतिष का व्यक्तित्व गुणों पर बहुत कम प्रभाव पड़ता है, जो स्थिर है। सुसंगत

अवतार से अवतार तक.

अवतारों के दौरान क्या होगा इसकी भविष्यवाणी करने के लिए कुछ ज्योतिषी चंद्र नोड्स (पृथ्वी की कक्षा के साथ चंद्रमा की कक्षा के बिंदु का प्रतिच्छेदन) का उपयोग करके तकनीकों का उपयोग करते हैं। लेकिन बिल्कुल कुंडली की तरह

Machine Translated by Google

मेरी राय में, जन्म का वास्तव में इस जीवनकाल में किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ता है, मेरे लिए यह कल्पना करना बहुत कठिन है कि ज्योतिष का भविष्य के जीवन पर भी बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है।
भविष्य के अवतारों से संबंधित निर्णय जटिल निर्णय होते हैं जो हमारे कर्म और इच्छाओं के साथ-साथ हमारे आत्मा समूह के अन्य सदस्यों द्वारा लिए गए निर्णयों से प्रभावित होते हैं।

अवतारों के संदर्भ में एक समूह के रूप में निर्णय लिए जाते हैं परिवार के सदस्यों और दोस्तों के एक साथ पुनर्जन्म की घटना में देखा गया। मेरे विश्लेषण में, यह आपकी आत्मा है जो वास्तव में अवतार की योजना बनाने के लिए जिम्मेदार है, न कि पिछले अवतारों के ज्योतिषीय चार्ट में पाए गए चंद्रमा या खगोलीय पिंडों की स्थिति।

एक प्रश्न बना हुआ है: फिर, जब लोग किसी ज्योतिषी से परामर्श लेते हैं तो उन्हें इतना सकारात्मक अनुभव क्यों होता है? मेरा मानना है कि इसका एक कारण यह है कि सफल ज्योतिषियों के पास सहज या मानसिक प्रतिभा होती है और वे अपने ग्राहकों के साथ शारीरिक रूप से जुड़ने के साधन के रूप में जन्म या पारगमन कुंडली का उपयोग करते हैं।

मनोचिकित्सक डॉ. मिशेल गिब्सन, जिन्होंने ज्योतिष पर किताबें लिखी हैं, बताते हैं कि जब एक ज्योतिषी ग्राहक की कुंडली पर विचार करता है-

जब एक छवि से विश्लेषण किए जा सकने वाले चिह्नों, ग्रहों, नक्षत्रों और विभिन्न ज्यामितीय संबंधों जैसे सभी परिवर्तनों पर विचार किया जाता है - तो एक ज्योतिषी के पास विचार करने के लिए भारी संख्या में परिवर्तन होते हैं।

इसलिए, मानचित्रों की अलग-अलग परिणामों के साथ हजारों अलग-अलग तरीकों से व्याख्या की जा सकती है। एक ज्योतिषी यह कैसे तय करता है कि कुंडली चार्ट के किस भाग को देखना है?

फिर, मेरा मानना है कि सफल ज्योतिषी सटीक या सार्थक अध्ययन देने के लिए अंतर्ज्ञान या मानसिक प्रतिभा का उपयोग करेंगे।

बेशक, वैज्ञानिक समुदाय ने ज्योतिष की अवधारणा को लंबे समय से खारिज कर दिया है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जन्म राशिफल, जो फिर से सवाल उठाता है: ज्योतिष शास्त्र अभी भी दुनिया भर के लोगों के मन में लोकप्रिय क्यों है? मेरा निष्कर्ष, जिस पर मैं पुनर्जन्म अनुसंधान में शामिल होने से पहले पहुंचा था, वह यह है: ज्योतिष उपलब्ध सबसे व्यापक व्यक्तित्व मॉडलों में से एक है, जो अधिकांश लोगों के दिमाग और दिल में फिट बैठता है।

भले ही ज्योतिष व्यक्तित्व को परिभाषित नहीं करता है, ज्योतिष के आदर्श लोगों को उनके व्यक्तित्व प्रकार को समझने में मदद कर सकते हैं। इसी तरह, किसी व्यक्ति के ऊर्जा स्पेक्ट्रम या मूल सार को समझने के लिए ज्योतिषीय आदर्शों का उपयोग किया जा सकता है, जो एक अवतार से दूसरे अवतार तक समान रहता है। जैसा कि हमने उपयोग किया है

हमारे ऊर्जा स्पेक्ट्रम को समझने के लिए सात किरणों की अवधारणा के आधार पर, हम ज्योतिष को एक व्यक्तित्व मॉडल के रूप में उपयोग कर सकते हैं।

व्यक्तित्व मॉडल के रूप में ज्योतिष

अपने ज्योतिष अध्ययन में, मैंने ग्रहों को मूलरूप या मूल प्रतीकों के रूप में समझना उपयोगी पाया है जो ज्योतिष में अन्य अवधारणाओं को रेखांकित करते हैं।

उदाहरण के लिए, मंगल मेष राशि के समान ऊर्जा का अवतार है।
अब मैं अपनी पुस्तक एस्ट्रोलॉजी फॉर रेगुलर पीपल से लिए गए बुनियादी ज्योतिषीय पैटर्न की समीक्षा करूंगा। पढ़ते समय यह देखने का प्रयास करें कि कौन से ग्रह और राशियाँ आपके अनुकूल हैं।

- ज्योतिष में सूर्य आपके अहंकार, आपके बारे में आपकी धारणा को दर्शाता है। सूर्य को सिंह राशि का प्राथमिक मूलरूप या शासक माना जाता है। सिंह राशि का प्रतीक शेर है, जो जंगल का राजा है और सिंह राशि के लोग आकर्षण का केंद्र, शो का सितारा और महल का राजा बनना पसंद करते हैं। नियमित लोगों के लिए ज्योतिष में, सूर्य का प्रतिनिधित्व एक राजनेता द्वारा किया जाता है जो सार्वजनिक मंचों पर दर्शकों को देखकर मुस्कुराना पसंद करता है।

  सूर्य को उपरोक्त किसी अभिनेता या अभिनेत्री द्वारा भी दर्शाया जा सकता है अवस्था।
- चंद्रमा हमारे भीतर की भावनात्मक या देखभाल करने वाली प्रकृति का प्रतिनिधित्व करता है; महीना

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

एक माँ का आदर्श है. बुलान को एक गोल चेहरे वाली माँ के रूप में दर्शाया गया है जो मूनमोबाइल, एक मिनी-वैन चलाती है, जिसका उपयोग वह अपने प्यारे बच्चों को स्कूल ले जाने और सब्जी और फलों की दुकान पर उन लोगों के लिए भोजन खरीदने के लिए करती है जिन्हें वह प्यार करती है।

चंद्रमा कर्क राशि के व्यक्तित्व का प्रतीक है।

• बुध ठोस दुनिया का बौद्धिक रूप से विश्लेषण करने की हमारी क्षमता का प्रतिनिधित्व करता है; यह एक रैखिक भाग का प्रतिनिधित्व करता है, सोच की प्रकृति जो बाएं गोलार्ध से समस्या की जड़ तक टूट जाती है। बुध गणित और भाषाओं के विशेषज्ञ हैं।

बुध को विश्वविद्यालय के प्रोफेसर के रूप में जाना जाता है।
यह पांचवीं किरण की ऊर्जा के बराबर है। ज्योतिष में, बुध मिथुन राशि पर शासन करता है, जो तर्कसंगत सोच, भाषा और संचार से जुड़ा है। बुध कन्या राशि पर भी शासन करता है, जो बौद्धिक सेवा का प्रतिनिधित्व करती है। कन्या राशि, जो हमेशा सोचती रहती है, हमेशा पूर्णता के लिए प्रयासरत रहती है। • शुक्र दूसरों को आकर्षित करने की हमारी क्षमता का प्रतिनिधित्व करता है; यह जुड़ा हुआ है

सुंदरता और कला जैसी खूबसूरत चीज़ों के साथ। इस प्रकार, शुक्र चौथी किरण ऊर्जा के अनुरूप है। शुक्र को एक फैशन मॉडल के रूप में जाना जा सकता है जिसे प्यार या खूबसूरत चीज़ों से प्यार हो जाता है। शुक्र वृषभ राशि, बैल पर शासन करता है, जो ज़मीनी, जिद्दीपन और सुंदर चीजों की इच्छा से जुड़ा हुआ है। शुक्र तुला राशि पर भी शासन करता है, जो रिश्तों और कला की परवाह करता है। तुला राशि का प्रतीक तराजू का एक जोड़ा है। रिश्तों में हमेशा देना और लेना होता है, और कला में, रंग, ग्रेडेशन, छाया, टोन, पैटर्न, प्लॉट और कहानी सबप्लॉट जैसे विपरीत गुणों का हमेशा संतुलन होता है। • मंगल ग्रह हममें से प्रत्येक के भीतर का योद्धा है, जिसके हिस्से में साहस, शक्ति, दृढ़ संकल्प, दृढ़ संकल्प, हिम्मत और संघर्ष है। इन तरीकों से मंगल ग्रह प्रथम किरणों की ऊर्जा का अवतार है। एस्ट्रोलॉजी फॉर रेगुलर पीपल नामक पुस्तक में मंगल को एक फुटबॉल स्टार खिलाड़ी के रूप में चित्रित किया गया है, जो कम उम्र में लड़ाई में शामिल हो जाता है और गलती से किसी को मार देता है। मंगल, उम्र में

Machine Translated by Google

परिपक्व, हिंसा को रोकने के लिए गिरोह के सदस्यों के साथ काम करने और उनका सामना करने के लिए अपने साहस का उपयोग करता है। मंगल मेष राशि पर शासन करता है, जो सींग वाली भेड़ है, जो उसके रास्ते में आने वाले किसी भी व्यक्ति पर हमला करता है।

• बृहस्पति विस्तार, विकास और आशीर्वाद का प्रतीक है। व्यावसायिक उद्यमों के माध्यम से मौद्रिक विकास हो सकता है। दार्शनिक पूछताछ से बौद्धिक विस्तार हो सकता है और अधिक खाने से शारीरिक विकास हो सकता है, क्योंकि बृहस्पति कामुक प्रकार का है। बृहस्पति खुश और प्रसन्न रहता है। बृहस्पति का दार्शनिक पक्ष दूसरी किरण की ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करता है और वास्तव में, बृहस्पति, दूसरी किरण के प्रकारों की तरह, एक करिश्माई व्यक्ति है। बृहस्पति धनु राशि पर शासन करता है, जिसका प्रतीक घोड़ा-पुरुष है जो अन्वेषण और रोमांच पसंद करता है, जो धनुष रखता है और अपने तीरों से अस्तित्व के रहस्यों की ओर इशारा करता है।

• शनि अनुशासन, समस्याओं पर काबू पाने और का प्रतिनिधित्व करता है कठिनाइयाँ जिनके परिणामस्वरूप सहनशक्ति का विकास होता है। व्यक्तित्व के आदर्श के रूप में, शनि को एक एथलेटिक प्रशिक्षक या सैन्य प्रशिक्षण सार्जेंट के रूप में चित्रित किया जा सकता है। शनि को एक खेल रेफरी के रूप में भी देखा जा सकता है, जो नियमों और कानूनों के प्रतीक काली धारियों वाली एक सफेद शर्ट पहनता है।

इस मामले में शनि का संबंध कर्म से है। शनि मकर राशि पर शासन करता है, जिसका प्रतिनिधित्व बकरी द्वारा किया जाता है, जो एक संतुलित, सावधान, अनुशासित, व्यावहारिक और सख्त जानवर है। मकर राशि के लोग कड़ी मेहनत से प्राप्त सफलता के माध्यम से सामाजिक पुरस्कार चाहते हैं।

• यूरेनस एक विद्रोही, क्रांतिकारी, अंतर्ज्ञान, दाएं-मस्तिष्क सोच के माध्यम से अप्रत्याशित ज्ञान प्राप्त करने वाला व्यक्ति है। यूरेनस अचानक, अप्रत्याशित परिवर्तनों से जुड़ा है।

यूरेनस कुंभ राशि पर शासन करता है, जो नए और क्रांतिकारी विचारों का प्रतीक है। कुंभ राशि का प्रतीक एक जल वाहक है, वह व्यक्ति जो घुटनों के बल बैठकर घड़े से पानी डालता है। जल नए विचारों का प्रतीक है, जो कुंभ राशि से उत्पन्न होता है। • नेपच्यून सार्वभौमिक प्रेम, मिलन और मानसिक जागरूकता का प्रतीक है। अगर अहंकार हमारा एक हिस्सा है और

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

नेप्च्यून हमें बाकियों से अलग और अद्वितीय बनाता है, अहंकार को विघटित करता है ताकि हम सभी चीजों के साथ अपने अंतर्संबंध के बारे में जागरूक हो सकें। नियमित लोगों के लिए ज्योतिष में, नेप्च्यून को एक गिटारवादक के रूप में चित्रित किया गया है जो संगीत के साथ जुड़ता है या जोड़ता है, कभी-कभी अपनी भावना भी खो देता है।

नेप्च्यून मीन राशि पर शासन करता है, मछली, जो यीशु का प्रतीक भी है।

वास्तव में, जब यीशु ने घोषणा की, "मैं और मेरे पिता एक हैं," और "मैं सच्ची बेल हूं," तो वह नेप्च्यून और मीन के व्यक्तित्व पैटर्न का प्रतिनिधित्व कर रहे थे जिसमें एक व्यक्ति बहुत अधिक एकता के साथ एक हो जाता है।

• प्लूटो गहन परिवर्तन का ग्रह है, जो व्यक्ति को इसके लिए मजबूर करता है स्वयं को पुनः खोजना या पुनः निर्मित करना, जिसके लिए दृढ़ संकल्प और संकल्प की आवश्यकता होती है।

परिणामों की परवाह किए बिना जिद करने की प्रवृत्ति के कारण प्लूटो अंडरवर्ल्ड के लोगों से जुड़ गया है।

सकारात्मक पक्ष पर, प्लूटो विकास और सुधार का ग्रह है।
यदि नेप्च्यून प्रबुद्ध यीशु का प्रतिनिधित्व करता है जो कह सकता है कि, "मैं और मेरे पिता एक हैं," तो प्लूटो की ऊर्जा वह ऊर्जा है जो यीशु को रेगिस्तान में ले गई, जहां उन्होंने 40 दिन बिताए और रूपांतरित होने के बाद बाहर आए।
प्लूटो वृश्चिक राशि पर शासन करता है। जो व्यक्ति प्लूटो और वृश्चिक की ऊर्जाओं का प्रदर्शन करते हैं, वे परिवर्तन और पुनराविष्कार की इच्छा रखते हैं।

इसलिए, केवल अपेक्षाकृत संक्षिप्त विवरण में, हमने ग्रहों और राशियों के बुनियादी ज्योतिषीय पैटर्न को परिभाषित किया है। इस बात पर पूरी तरह विश्वास करने के बजाय कि ग्रहों और सितारों की स्थिति हमारे व्यक्तित्व का निर्धारण करती है, आइए हम ज्योतिष को एक व्यक्तित्व मॉडल के रूप में देखें।

एक अभ्यास के रूप में, हम ज्योतिषीय आदर्शों और सात किरणों दोनों को क्यों नहीं देखते हैं और यह निर्धारित करते हैं कि कौन सा व्यक्तित्व आदर्श आपके साथ सबसे अधिक जुड़ा हुआ है।

इन मूलरूपों को लिखिए, क्योंकि वे आपकी ऊर्जा का स्पेक्ट्रम, आपका सार, ऊर्जाओं का समूह बनाते हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

सन्यासी के समय आपके साथ बनाया गया था और आपकी आत्मा बिग बैंग के तुरंत बाद बनाई गई थी। यह ऊर्जा और गुणवत्ता है जो आपको एक अवतार से दूसरे अवतार में एक पैटर्न देगी।

कबला, एनीग्राम, और अन्य प्रणालियाँ

ऐसे व्यक्तित्व मॉडल और अन्य ब्रह्माण्ड विज्ञान हैं जिनका उपयोग मानव व्यक्तित्व को समझने में किया जा सकता है।

कबला एक अद्भुत यहूदी रहस्यमय पाठ है क्योंकि इसमें दस सेफ़िरोट का वर्णन किया गया है जो ईश्वर की संख्या, प्रतिबिम्ब या गुण हैं। बदले में, इन सेफ़िरोट को मानवीय गुणों के रूप में देखा जा सकता है, क्योंकि मानव आत्मा को निर्माता का हिस्सा माना जाता है। कबला पर 19वीं सदी के टिप्पणीकार, रब्बी येहुदा अशलाग के निम्नलिखित उद्धरण पर ध्यान दें: "मानव आत्मा निर्माता [अर्थात दिव्य प्रकाश] का हिस्सा है। अतः उसमें और आत्मा में कोई अन्तर नहीं है।

अंतर यह है कि वह 'संपूर्ण' है और आत्मा 'अंश' है। यह चट्टान से ली गई चट्टान जैसा दिखता है। चट्टान और चट्टान के बीच कोई अंतर नहीं है, सिवाय इसके कि मूंगा 'संपूर्ण' है और चट्टान 'भाग' है।''

इस अर्थ में, दिव्य चमक, यानी सेफिरोट, कर सकते हैं
इसे सेवन रेज मॉडल के समान देखा जा सकता है, जिसमें भगवान की सफेद रोशनी को ऊर्जाओं में विभाजित किया गया है। कुछ लोगों ने ज्योतिष में सेफिरोट और ग्रहों के बीच एक संबंध निकाला है।

उदाहरण के लिए, भगवान का सेफिरोट या चमक जिसे गेवुराह नाम दिया गया है, शक्ति, दृढ़ संकल्प, दृढ़ संकल्प और शक्ति द्वारा दर्शाया गया है। इस वजह से, गेवुराह की तुलना फर्स्ट रे की ऊर्जा से की गई। सेफिरोट नेटज़ैक की तुलना शुक्र की ऊर्जा से भी की गई है, जो रचनात्मकता और कला का प्रतीक है।

एनीग्राम एक व्यक्तित्व मॉडल है जिसने हाल के वर्षों में नौ व्यक्तित्व प्रकारों को परिभाषित करते हुए बहुत लोकप्रियता हासिल की है।
प्रत्येक प्रकार को एक से नौ तक एक संख्या दी गई है। दिलचस्प बात यह है कि प्रत्येक प्रकार को एक विशेष प्रतीक दिया गया है, जो एक ज्योतिषीय पैटर्न की तरह है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

एनीग्राम के आधार पर व्यक्तित्व प्रकारों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

एक: सुधारक, जो दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने की आवश्यकता महसूस करते हैं।

दो: देखभाल करने वाले, जो दूसरों को देकर प्यार व्यक्त करने की आवश्यकता महसूस करते हैं, और इसके विपरीत प्यार पाने की इच्छा रखते हैं।

तीन: उपलब्धि हासिल करने वाले, जो मूल्यवान महसूस करने के लिए कार्यों में सफल होने की आवश्यकता महसूस करते हैं।

चार: रोमांटिक, जो कला जैसी रचनात्मक प्रक्रिया के माध्यम से व्यक्तिवाद को दर्शाता है।

पाँच: विचारक, जो तथ्यों के माध्यम से दुनिया को समझना चाहते हैं।

छह: वफादार, जो स्थिरता चाहते हैं।

सात: साहसी, जो वर्तमान में जीता है।

आठवां: नेता, जो नियंत्रण करना चाहता है शक्ति।

नौ: शांतिदूत, सहानुभूतिपूर्ण और संघर्ष की तुलना में शांति को प्राथमिकता देता है।

समीक्षा की गई सभी प्रणालियों में - सात किरणें, ग्रह और ज्योतिषीय संकेत, कबला का सेफिरोट, और एनीग्राम के व्यक्तित्व प्रकार - मानव जाति की अभिव्यक्तियों की विविधता को समझाने का प्रयास किया जाता है। अपनी विशेषता में सबसे शक्तिशाली व्यक्तित्व पैटर्न की पहचान करने के लिए, मिश्रण और मिलान करने का प्रयास करते हुए, जो भी प्रणाली आपको पसंद आए उसका उपयोग करें।

पुनर्जन्म अनुसंधान से पता चलता है कि व्यक्तित्व, चरित्र, इच्छाएँ और प्रतिभाएँ एक अवतार से दूसरे अवतार तक सुसंगत रहती हैं, जिससे पता चलता है कि हमारे पास मूल ऊर्जाओं या सारों का एक स्पेक्ट्रम है जो एक अवतार से दूसरे अवतार में समान तरीकों से प्रकट होते हैं। सभी व्यक्तित्व मॉडल विभिन्न प्रतीकों, शब्दों या पैटर्न के माध्यम से भी ऊर्जा के इस स्पेक्ट्रम का वर्णन करने का प्रयास करते हैं।

इन मॉडलों का एक उपयोग यह है कि प्रत्येक मॉडल के भीतर, a व्यक्तित्व या ऊर्जा पैटर्न में ऐसा प्रतीत हो सकता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

सकारात्मक या नकारात्मक अभिव्यक्ति. पहली किरणों, मंगल, मेष, या गेवुराह की ऊर्जाओं का उपयोग दूसरों को नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा सकता है, या इन स्वैच्छिक ऊर्जाओं का उपयोग दूसरों की मदद करने के लिए किया जा सकता है।

वास्तव में, हम सभी के लिए पुनर्जन्म का एक प्रमुख लक्ष्य स्वैच्छिक ऊर्जा का उपयोग करना सीखना है, शक्ति का उपयोग करना सीखना है, जिससे दूसरों को चोट पहुंचाने या नियंत्रित करने के बजाय साथी मनुष्यों और अन्य प्राणियों की मदद हो सके। अपनी रुचि के शब्दों का उपयोग करके, अपने ऊर्जा पैटर्न को समझना सहायक होता है, ताकि ऊर्जा का सचेत और रचनात्मक रूप से उपयोग किया जा सके।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

32

अपने मूल सार को व्यक्त करना

भले ही हमारा मूल सार या ऊर्जा स्पेक्ट्रम सुसंगत रहता है जीवन से लेकर जीवनकाल तक, आनुवंशिक, जैविक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारकों के आधार पर प्रतिभा अभिव्यक्ति का रूप और उपलब्धि का स्तर भिन्न हो सकता है।

आनुवंशिकी और जीव विज्ञान

हमने देखा है कि कैसे चेहरे की विशेषताएं, और विशेष रूप से चेहरे की हड्डियों की संरचना, एक जीवनकाल से दूसरे जीवनकाल तक एक समान बनी रहती है, यह दर्शाता है कि आत्मा एक ऊर्जा ढांचा तैयार करती है जो शरीर द्वारा बनाई या संदर्भित की जाती है। थियोसोफिकल साहित्य में, "ईथरिक बॉडी" शब्द का उपयोग उस ऊर्जा शरीर का वर्णन करने के लिए किया जाता है जो भौतिक शरीर का आधार है।

हमने यह विचार भी प्रस्तुत किया है कि आत्मा विकासशील शरीर पर एक होलोग्राम प्रोजेक्ट करती है। यद्यपि एक कंकाल है जो चेहरे की हड्डी की संरचना और उपस्थिति को प्रभावित करता है, जैविक और आनुवंशिक कारक भी भूमिका निभाते हैं।

उदाहरण के लिए, टेलीविजन व्यक्तित्व के मामले पर विचार करें ओपरा विन्फ्रे, जिन्हें अमेरिकी क्रांतिकारी वक्ता जेम्स विल्सन के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना गया, जिन्होंने फिलाडेल्फिया कॉलेज में अंग्रेजी साहित्य पढ़ाया था। विल्सन की वक्तृत्व प्रतिभा ओपरा के सामने भी प्रकट हुई, जिन्होंने एक बच्चे और एक किशोरी के रूप में वक्ता के रूप में पुरस्कार जीते। विल्सन का साहित्य प्रेम ओपरा के बुक क्लब में भी झलकता है।

शारीरिक बनावट के संदर्भ में, हालांकि ओपरा और विल्सन की चेहरे की हड्डी की संरचना लगभग समान है, ओपरा का जन्म एक के रूप में हुआ है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अफ़्रीकी-अमेरिकी, और नस्ल में यह परिवर्तन अफ़्रीकी-अमेरिकी नस्ल की विशेषताओं को अपने साथ लेकर आया। जेम्स विल्सन के मामले में/

ओपरा विन्फ्रे के अनुसार, हम देख सकते हैं कि आत्मा का ऊर्जा ढांचा भौतिक उपस्थिति के निर्माण में आनुवंशिक कारकों के साथ कैसे संपर्क करता है।

लोगों को कभी-कभी यह विचार पसंद नहीं आता कि चेहरे की विशेषताएं जीवन भर एक जैसी बनी रहती हैं, खासकर अगर उन्हें यह पसंद नहीं है कि वे आज कैसे दिखते हैं। मैंने हमेशा बताया है कि चेहरे की विशेषताएं या चेहरे की हड्डी की संरचना को त्वचा, दांतों की स्थिति, ऊंचाई या शरीर के वजन जैसे हर जीवन के विशिष्ट सतही कारकों के आधार पर अच्छा या बुरा माना जा सकता है।

शारीरिक लक्षणों से ऊपर और परे, बौद्धिक क्षमता की अभिव्यक्ति आनुवंशिक कारकों से प्रभावित हो सकती है जैसे कि डिस्लेक्सिया वाले शरीर में पैदा होना।

(सीखने की कमज़ोर क्षमता) या अन्य विकार। एक आत्मा वास्तव में अपने द्वारा सीखे गए पाठों के आधार पर ऐसे शरीर में पुनर्जन्म लेना चुन सकती है।

उदाहरण के लिए, यदि किसी आत्मा ने पिछले जन्मों में महान बौद्धिक क्षमता का प्रदर्शन किया है और व्यक्ति बौद्धिक उपलब्धि को भावनात्मक और पारिवारिक संबंधों से ऊपर रखता है, तो आत्मा ऐसे शरीर में पुनर्जन्म लेना चुन सकती है जहां बौद्धिक उपलब्धि अवरुद्ध है ताकि भावनात्मक विकास पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। , जैसा कि सहानुभूति और दूसरों की देखभाल और विकास करना सीखने जैसे गुणों के विकास से प्रदर्शित होता है।

सामाजिक परिस्थिति

उपलब्धि सामाजिक कारकों से भी प्रभावित हो सकती है जैसे कि सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियाँ जिनमें व्यक्ति का जन्म हुआ है। उदाहरण के लिए, एक व्यक्ति का जन्म ऐसी स्थिति में हो सकता है जहां धन और रिश्तेदारी संबंध उस व्यक्ति को राजनीतिक करियर बनाने और यहां तक कि एक ऐतिहासिक व्यक्ति बनने की अनुमति देते हैं। एक अच्छा उदाहरण डेनियल मॉर्गन/जॉर्ज डब्लू. बुश का मामला है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अहतुन रे ने यह भी संकेत दिया है कि मॉर्गन की आत्मा जानबूझकर थी
वर्तमान समय में राजनीतिक लाभ के लिए बुश परिवार में पुनर्जन्म हुआ, क्योंकि वह अमेरिकी क्रांति के बाद से शुरू हुई प्रक्रिया को पूरा करने के लिए एक राजनीतिक कार्यालय बनाना चाहता था। पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज हर्बर्ट वॉकर बुश के बेटे के रूप में पुनर्जन्म लेकर, डैनियल मॉर्गन की आत्मा, जॉर्ज डब्ल्यू बुश के रूप में, उनके पालन-पोषण के दौरान राजनीति में करियर के लिए तैयार की गई थी।

दूसरी ओर, यदि कोई व्यक्ति व्यक्तिगत संबंधों जैसी अन्य समस्याओं को हल करने की योजना बनाता है, तो दूसरी व्यवस्था चुनी जा सकती है। उदाहरण के लिए, थॉमस जेफरसन ने आज उसी बौद्धिक कौशल के साथ पुनर्जन्म लिया है जो उनके पास पहले था। आज के जेफरसन, जिन्हें हम टॉम कहेंगे, ने शिक्षा में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की है और एक शिक्षक के रूप में उनका करियर रहा है, जो जेफरसन द्वारा वर्जीनिया विश्वविद्यालय की स्थापना को दृढ़ता से दर्शाता है।

हालाँकि उसके पास कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं था, टॉम को पता चला कि वह
उनके पास वास्तुशिल्प चित्र बनाने की प्राकृतिक प्रतिभा थी जो उस प्रतिभा का प्रतिनिधित्व करती थी जो जेफरसन के रूप में उनके समय से उपजी थी।
जहां जेफरसन ने अपने जीवन के शुरुआती दिनों में अपनी पत्नी को खो दिया था, वहीं टॉम एक लंबी और खुशहाल शादी का आनंद ले रहा है, भले ही उसका वर्तमान साथी एक अलग भावना का है। जहां जेफरसन सरकारी पद के लिए चुनाव लड़ रहे थे, वहीं दूसरी ओर टॉम आज एक सामान्य नागरिक का जीवन जी रहे हैं।

टॉम को इस जीवन में एक दिलचस्प सीखने का अनुभव हुआ है जिसे उन्होंने आपके साथ साझा करने की अनुमति दी है।

अपनी युवावस्था में, टॉम स्वेच्छा से पीस कॉर्प्स में शामिल हो गए। हालाँकि उन्होंने अन्य उद्देश्यों के लिए कहा था, उन्हें लाइबेरिया को सौंपा गया था, एक ऐसा देश जिसे जेफरसन ने मुक्त अमेरिकी दासों को रखने के लिए बनाने में मदद की थी।

टॉम ने लाइबेरिया के एक बागान में शिक्षक के रूप में काम किया, जहां दिन में केवल दो घंटे बिजली और कुएं से पानी निकालने की सुविधा थी। टॉम याद करते हैं कि यह आधुनिक सेटिंग जीवन की वास्तविक पुनर्कल्पना की तरह है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अमेरिकी क्रांति के दौरान वृक्षारोपण। इस प्रकार, आज टॉम एक शिक्षक के रूप में बागान श्रमिकों की सेवा करते हैं, जबकि औपनिवेशिक अमेरिका में बागान दास जेफरसन के रूप में उनकी सेवा करते हैं।

यह इस बात का उदाहरण है कि कैसे, यद्यपि हम समान प्रदर्शित कर सकते हैं प्रतिभाओं और क्षमताओं के कारण, एक आत्मा एक अवतार में प्रसिद्ध हो सकती है और दूसरे में अपेक्षाकृत अज्ञात हो सकती है।

मनोवैज्ञानिक कारक

पिछले आघात या घृणा के कारण, या बस जीवन के एक अलग तरीके को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिभाओं को आत्मा द्वारा अवरुद्ध भी किया जा सकता है। एक अच्छे उदाहरण में पुलिस कप्तान रॉबर्ट स्नो का मामला शामिल है, जो अपने पिछले जीवन के प्रतिगमन में चित्रकार कैरोल बेकविथ के रूप में एक अवतार को याद करते हैं।

कैप्टन स्नो बताते हैं कि आज उनके पास कोई कलात्मक प्रतिभा नहीं है। जब मैंने स्पिरिट गाइड केविन रायर्सन से इस बारे में पूछा, तो अहतुन रे ने संकेत दिया कि कैप्टन स्नो ने बेकविथ के रूप में अपने जीवन के दौरान विकसित की गई कलात्मक क्षमताओं को अवरुद्ध कर दिया था क्योंकि जीवन संघर्षों और कष्टों से भरा था।

बेकविथ के जीवनकाल के अलावा, का पिछला अवतार कैप्टन स्नो को अहतुन रे द्वारा पहचाना गया है।

स्नो एक बार लुई XIV के शासनकाल के दौरान पेरिस पुलिस प्रमुख गेब्रियल निकोलस डी ला रेनी थे, और द पॉइज़न केस के नाम से जाने जाने वाले कुख्यात हत्या घोटाले में मुख्य जांचकर्ता थे। मैं उस युग के दौरान डी ला रेनी को जानता था क्योंकि मेरा पिछला अवतार लुई XIV के अर्थव्यवस्था मंत्री जीन-बैप्टिस्ट कोलबर्ट के रूप में था। यदि इन फ्रांसीसी मामलों को स्वीकार कर लिया जाता है, तो यह एक अच्छा उदाहरण है कि कैसे लुई XIV के शासनकाल के तहत अतीत में एक साथ काम करने वाली आत्माएं फिर से एक साथ काम कर रही हैं, भले ही एक अलग परियोजना पर, इस बार पुनर्जन्म पर।

यदि ये मामले स्वीकार किए जाते हैं, तो इन दोनों में भी देखें जीवनकाल में, रॉबर्ट स्नो ने या तो प्रमुख के रूप में काम किया है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

पुलिस कप्तान, एक ऐसी भूमिका जिसमें वह सहज लग रहे थे। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि स्नो विश्वविद्यालय में एक सम्मानित छात्र था, उसने सभी शीर्ष अंक अर्जित किए, और मनोविज्ञान में डॉक्टरेट पूरा करने के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त की। हालाँकि, उन्होंने पुलिस अधिकारी बनने के लिए अपनी पढ़ाई छोड़ दी।

पुलिस के काम में नेतृत्व उनके लिए एक बुलावा प्रतीत होता है।

एक कलाकार के रूप में अपने जीवन में भी, स्नो ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया प्रशासन और नेतृत्व, जब कैरोल बेकविथ न्यूयॉर्क एकेडमी ऑफ़ डिज़ाइन के अध्यक्ष बने।

इस प्रकार तीन जन्मों में नेतृत्व गुण और संगठनात्मक कौशल देखे जा सकते हैं। बेकविथ के जीवनकाल में, यदि हम सेवन रेज़ मॉडल का उपयोग करते हैं, तो कैप्टन स्नो की आत्मा अलग-अलग करियर पथों का अनुसरण कर सकती है और विभिन्न ऊर्जा या कौशल, चौथी रे ऊर्जा या एक कलाकार की ऊर्जा को व्यक्त कर सकती है। हालाँकि, कैप्टन स्नो की प्रमुख ऊर्जा, फर्स्ट रे, नेतृत्व और इच्छाशक्ति की ऊर्जा प्रतीत होती है, जिसे वह स्वाभाविक रूप से पुलिस के प्रमुख या कप्तान के रूप में अपनी भूमिका में व्यक्त करते हैं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जीन-बैप्टिस्ट कोलबर्ट कैरोल बेकविथ

रॉबर्ट स्नो

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

33

मानव विकास और कर्म के चरण

इस खंड में अध्याय दर अध्याय हमने चर्चा की है
सृजन की प्रक्रिया के संबंध में, जिसमें कहा गया है कि भगवान ने बिग बैंग के तुरंत बाद भिक्षुओं और आत्माओं का निर्माण किया। मोनाड, स्वयं का वह पहलू जो ईश्वर के साथ एक रहता है, एक प्रिज्म की तरह कार्य करता है जो ईश्वर की श्वेत रोशनी को ऊर्जा के एक अद्वितीय स्पेक्ट्रम में अलग करता है जो आत्मा में संचारित होता है। आत्मा एक ऊर्जावान प्राणी है जो हमारे अनुभवों का भंडार है।

सन्यासी और आत्मा के बीच संबंध को स्पष्ट करने के लिए, हम योयो की सादृश्यता का उपयोग करते हैं, जहां योयो का गोलाकार भाग आत्मा है जो एक ऊर्जावान रस्सी द्वारा सन्यासी से जुड़ा होता है, जिसे हिंदू दर्शन में "अंतकरण" कहा जाता है।

आत्मा, जैसा कि हमने वर्णन किया है, प्रक्षेपित करने में सक्षम है
स्वयं का होलोग्राम भौतिक आयाम में, एक शरीर या भौतिक प्राणी में, उस आत्मा के गुणों से युक्त। आत्मा जिस ऊर्जा ढाँचे को भौतिक शरीर पर प्रक्षेपित करती है, वह हमारी विशिष्ट उपस्थिति का निर्माण करती है। हमारी ऊर्जा का स्पेक्ट्रम, साथ ही हमारे पिछले जीवन के अनुभव, हमारे व्यक्तित्व में प्रतिबिंबित होते हैं। हम कल्पना कर सकते हैं कि अंतकरण आत्मा को उस ऊर्जावान होलोग्राम से भी जोड़ता है जो वह भौतिक शरीर पर प्रक्षेपित करता है। इस प्रकार, यह ऊर्जावान नाल मोनाड से आत्मा तक और फिर शरीर तक प्रवाहित होती है।

हमने ऊर्जा स्पेक्ट्रम को बेहतर ढंग से समझने के लिए कई व्यक्तित्व मॉडलों की समीक्षा की है, जैसे सात किरणें, ज्योतिष से व्यक्तित्व पैटर्न, कबला और एनीग्राम। हमने यह भी देखा है कि किसी दिए गए अवतार में व्यक्त हमारी ऊर्जा का स्पेक्ट्रम कारकों से कैसे प्रभावित हो सकता है

Machine Translated by Google

आनुवंशिक, जैविक, सामाजिक और कार्मिक।

इस बिंदु पर, मैं केविन रायर्सन के दो आध्यात्मिक मार्गदर्शकों द्वारा वर्णित आत्मा के विकास की समीक्षा करना चाहूंगा: जॉन, जो खुद को नए नियम के प्रेरित जॉन के रूप में पहचानता है, और अहतुन रे, एक मिस्र की मार्गदर्शक आत्मा जिसने क्षमता का प्रदर्शन किया है जीवन की पहचान के बारे में निष्कर्ष निकालना। सटीक अतीत. याद रखें कि अहतुन रे का 3,000 से अधिक वर्षों से पुनर्जन्म नहीं हुआ है। आध्यात्मिक क्षेत्र से, अहतुन रे ने मानव विकास को अपने अध्ययन का उद्देश्य बनाया है और वह बताते हैं कि वह उदाहरण के लिए, यीशु जैसे कई शिक्षकों के लिए एक मार्गदर्शक आत्मा रहे हैं।

क्योंकि केविन रायर्सन, इन मार्गदर्शक आत्माओं का माध्यम, संयुक्त राज्य अमेरिका में यहूदी-ईसाई सांस्कृतिक परिवेश में पले-बढ़े थे, और क्योंकि जॉन के पिछले अवतार यीशु से संबंधित थे, मानव विकास की प्रक्रिया को समझाने के लिए बाइबिल विषयों के संदर्भ का उपयोग किया जाता है।

हर चीज़ की योजना बनाने में, अहतुन रे बताता है कि सृजन के बाद सन्यासियों और आत्माओं की, आत्माएं ईश्वर के साथ एकजुट हो जाती हैं। उन्होंने इन नई आत्माओं को "निर्दोष" बताया है. भले ही ये आत्माएं ईश्वर के साथ एक हैं और शांति की स्थिति में हैं, अहतुन रे कहते हैं, "आप केवल कुछ समय के लिए निर्दोष हो सकते हैं।" जैसा कि मानव जीवन में होता है, कोई केवल सीमित समय के लिए ही बच्चा हो सकता है, इसलिए व्यक्तिगत पहचान का एहसास करने के लिए आत्माओं को भगवान की गोद छोड़नी होगी।

याद रखें कि कैसे एक छोटे बच्चे को बढ़ने और विकसित होने के लिए, एक परिपक्व इंसान बनने के लिए घर छोड़ना पड़ता है और स्कूल जाना पड़ता है। इसी तरह, पहचान हासिल करने के लिए आत्माओं को घोंसला छोड़ना होगा और सृजन का अनुभव करना होगा।

स्वर्ग से गिरना

ईश्वर आत्माओं को न केवल सृजन का अनुभव करने के लिए भेजता है
योहानेस और अहतुन रे, लेकिन यह भी

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

सृजन की विविधता को जोड़ने में मदद करें। उनका दावा है कि आत्माओं को ईश्वर द्वारा ब्रह्मांड के विभिन्न हिस्सों में भेजा जाता है और सभी निर्मित आत्माओं का केवल एक छोटा प्रतिशत ही पृथ्वी पर आता है। ईश्वर का उद्देश्य यह है कि ये आत्माएं आध्यात्मिक दृष्टिकोण से सृष्टि की देखभाल करेंगी, जैसे हम कल्पना करते हैं कि आध्यात्मिक आयामों में देवदूत मौजूद हैं

इंसानों की मदद करने के लिए.

यदि हम अपनी अवधारणा पर लौटते हैं कि आत्मा ऊर्जावान होलोग्राम प्रक्षेपित कर सकती है, होलोग्राम का उपयोग जैविक जीवन के विकास को निर्देशित करने में मदद के लिए किया जाएगा। पृथ्वी पर जीवन के साथ अपने संबंध में, आत्माएँ जैविक जीवन के अनुभवों से इतनी मुग्ध हो जाती हैं कि वे उनमें डूब जाती हैं। आत्माएं अपनी चेतना को प्रक्षेपित करना शुरू कर देती हैं, जैविक जीवन में अवतरित होने लगती हैं, जो मूल योजना का हिस्सा नहीं लगता है।

क्या हो रहा है इसे बेहतर ढंग से समझने के लिए, आइए एक खेत की उपमा का उपयोग करें। के जाने मान लीजिए कि भगवान ने जानवरों और पौधों आदि के साथ एक खेत बनाया, और उसने अपने बच्चों, या नई आत्माओं को खेत की देखभाल करने के लिए कहा।

इन आत्माओं का लक्ष्य आध्यात्मिक आयाम से सृजन की देखभाल करना, गतिशील हस्तक्षेपों के माध्यम से सृजन की विविधता को विकसित करने में मदद करना है। हालाँकि, आत्माएँ पृथ्वी के प्राणियों के प्रति इतनी आकर्षित हो जाती हैं कि आत्माएँ

प्राणियों के भीतर अपनी चेतना रखकर एकजुट हो जाओ।

समय के साथ आत्माएं पशु योनियों में अवतरित होती हैं, जो कि आधार है हिंदू मान्यता है कि एक मानव आत्मा गाय जैसे जानवरों में अवतार ले सकती है। पशु रूपों के साथ यह अनुभव हमारे कुछ निश्चित बंधनों का आधार भी बनता है कुछ जानवरों या प्रजातियों के साथ.

उदाहरण के लिए, जिन लोगों को पक्षियों से बहुत प्यार है, उन्होंने पक्षी प्रजातियों के साम्राज्य में अवतार का अनुभव किया होगा।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

ईसाई चर्च के जनक सिनेसियस (370-430 ई.), बिशप
टॉलेमाइस ने इस संभावना के बारे में अनुमान लगाया था कि मानव आत्माएँ जानवरों के रूप में अवतरित हुई थीं। अपनी पुस्तक ट्रीटीज़ ऑन ड्रीम्स में उन्होंने लिखा: "दर्शन कहता है कि आत्माएं प्रवास के मार्ग से तैयार होती हैं...

जब यह पहली बार पृथ्वी पर उतरती है, तो यह (आत्मा) एक नाव की तरह पशु रूप धारण करती है, और इसके माध्यम से यह पदार्थ के संपर्क में आती है।''1 जबकि अहतुन रे का समर्थन है कि पशु रूपों में अवतार मानव आत्माओं के विकास में एक चरण का प्रतिनिधित्व करता है, यह युगों पहले हुआ था और अब नहीं हो रहा है। मनुष्य, कम से कम जब तक वे ग्रह पृथ्वी पर पुनर्जन्म लेते हैं, केवल मनुष्य के रूप में ही पुनर्जन्म लेते हैं।

हालाँकि, जैविक जीवन में बहुत गहराई तक डूबे रहने का एक अप्रत्याशित परिणाम ईश्वर और आध्यात्मिक दुनिया के साथ सचेत संबंध का नुकसान है। बेल का दृष्टान्त याद आता है, जहाँ बेल की सभी पत्तियाँ एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं

बेल के माध्यम से. कल्पना कीजिए कि भगवान बेल हैं और हम पत्ते हैं।
भौतिक रूप में अवतरित होकर आत्माएं पेड़ से अलग हो जाती हैं, जैसे शाखा से पत्ते गिर जाते हैं।

भौतिक रूप में अपनी यात्रा पर, आत्माएं एक कर्म छाप बनाती हैं
जो भौतिक रूप में क्रियाओं को रिकार्ड करता है। यद्यपि भगवान आत्माओं को स्वतंत्र इच्छा देते हैं और उनके द्वारा चुने गए विकल्पों में हस्तक्षेप नहीं करते हैं, भगवान ने ब्रह्मांड को कुछ कानूनों और प्रणालियों के साथ बनाया है, जिनमें से एक कर्म का नियम है। आत्माएं अन्य आत्माओं के साथ क्या करती हैं, यह अवश्य होना चाहिए

होने वाले कार्यों के आधार पर अस्तित्व के एक ही आयाम में संतुलित। जब आत्माएं भौतिक आयाम पर कर्म थोपती हैं, तो इन आत्माओं को पृथ्वी पर अपने पिछले जीवन में हुए कर्म को बेअसर करने के लिए पृथ्वी आयाम पर लौटना पड़ता है।

हम जैविक जीवन में अपने अवतार की प्रक्रिया के माध्यम से आदम और हव्वा की बाइबिल कहानी को समझ सकते हैं। सेब का स्वाद चखो, धार्मिकता के वृक्ष का फल, और निष्कासन

Machine Translated by Google

ईडन गार्डन से आगे क्या होता है, इसे एक दृष्टांत के रूप में देखा जा सकता है जब आत्माएं भौतिक रूप में अवतार लेने के लिए स्वतंत्र इच्छा का उपयोग करती हैं। आत्माएं इस बात से ज्ञान प्राप्त करती हैं कि शारीरिक रूप से अवतरित होना कैसा होता है, लेकिन इस प्रक्रिया में, मनुष्य सचेत रूप से भगवान के साथ जुड़ने के लिए स्वर्ग में रहने का अनुभव खो देते हैं।

आइए अपनी यो-यो सादृश्यता पर वापस जाएं ताकि कल्पना की जा सके कि क्या हो रहा है। कल्पना करें कि सन्यासी भगवान के निवास में है, जबकि आत्मा, या चेतना का स्थान, अपने तारों के साथ अस्तित्व के निचले स्तरों तक उतरता है, जिन स्तरों को निम्नलिखित पृष्ठों में समझाया जाएगा।

आत्माएं जो मनुष्य बन जाती हैं, पृथ्वी के सघन भौतिक आयाम में उतरती हैं, जैविक रूपों में अवतरित होती हैं। इतनी गहराई तक उतरने की प्रक्रिया में, कल्पना कीजिए कि हमारा यो-यो पृथ्वी पर जीवन के दलदल में फंस गया है और अब ऊंचे लोकों में नहीं जा सकता।

पृथ्वी पर अवतार के कारण ईश्वर के साथ सचेत संबंध और उच्च आध्यात्मिक आयाम खो जाते हैं। इसके अलावा, आत्मा, भले ही भौतिक रूप से बाहर है, निचले आध्यात्मिक आयामों में भी फंसी हुई है, या विवश है।

केविन के गुरु जॉन के अनुसार, इस स्थिति का समाधान करने के लिए और अहतुन रे, आत्माओं के विकास की देखरेख करने वाले आध्यात्मिक प्राणियों ने निर्धारित किया कि अवतार के लिए प्राइमेट पशु रूपों का उपयोग करके चेतना को बढ़ाया जा सकता है। एक गतिशील ढाँचे का उपयोग करते हुए, उच्च आध्यात्मिक प्राणियों ने, ईश्वर की सहायता से, प्राइमेट्स को होमो सेपियन्स में विकसित होने में मदद की। इस प्रकार, होमो सेपियन्स के रूप में मनुष्यों को पृथ्वी आयाम में आत्माओं को अधिक तेजी से विकसित होने में मदद करने के लिए बनाया गया था।

होमो सेपियन्स के रूप में अवतरित होकर और विचार और तर्क का उपयोग करके, मानव आत्माएं फिर से उच्च आध्यात्मिक आयामों तक पहुंच सकती हैं और भगवान के साथ एक रिश्ता फिर से बुना जा सकता है।

दिलचस्प बात यह है कि इस तरह, जैविक विकास और निर्माता को एक साथ लाया जा सकता है। विकास एक धीमी प्रक्रिया के रूप में होता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जैसा कि जीव विज्ञान ने सुझाव दिया है, लेकिन जिस तरह आत्मा अपने स्वयं के ऊर्जा ढांचे को भौतिक रूप में प्रक्षेपित कर सकती है, जिसके परिणामस्वरूप चेहरे का आकार एक अवतार से दूसरे अवतार में सुसंगत दिखाई देता है, आध्यात्मिक प्राणी भी हस्तक्षेपकारी गतिशीलता के माध्यम से जैविक विकास को प्रभावित कर सकते हैं।

इस स्थूल भौतिक आयाम में अवतार लेने के कारण पतन, ईश्वर से संबंध टूटने का परिणाम क्या है? नकारात्मक परिणामों में से एक मानव की अन्य मनुष्यों के प्रति क्रूरता है, क्योंकि यदि मनुष्य उच्च आयामों और ईश्वर के साथ अपना संबंध बनाए रखता है, तो मनुष्य एक-दूसरे के प्रति क्रूर नहीं हो पाएंगे। यदि हम उच्च आयामों से जुड़े रहेंगे, तो हम उन मतभेदों को जान पाएंगे जो हमें अलग करते हैं, चाहे वह नस्ल, धर्म, जातीयता, राष्ट्र के कारण हो, जो ऐतिहासिक रूप से मानव संघर्ष का कारण हैं, केवल कृत्रिम मतभेद हैं। हम यह भी जान लेंगे कि जो कष्ट हम दूसरों को पहुंचाते हैं वह कर्म के नियम के माध्यम से हमारे पास वापस आएगा।

ईश्वर से नाता टूटने के कारण ही जीवन इतनी कठिनाइयों से भर जाता है। यही कारण है कि तत्वमीमांसा के छात्रों की पुस्तक, ए कोर्स इन मिरेकल्स में कहा गया है कि यह दुनिया ईश्वर द्वारा नहीं बल्कि मानव निर्मित है, और हमें ईश्वर के ब्रह्मांड में जीवन की खातिर सांसारिक जाल को अस्वीकार करना चाहिए।

चमत्कारों में एक कोर्स के संदेश को लोकप्रिय बनाया जा रहा है गैरी रेनार्ड और उनकी पुस्तक, डिसअपीयरेंस ऑफ द यूनिवर्स के माध्यम से। दूसरों को क्षमा करने का चयन करने से, व्यक्ति अपने कर्मों के बंधन से मुक्त हो जाएगा और अंततः उच्च लोकों का अनुभव करने में सक्षम हो जाएगा। इस प्रक्रिया में, मानसिक क्षमताओं के खुलने के माध्यम से, भौतिक दुनिया गायब हो जाएगी और उच्च आध्यात्मिक क्षेत्र उभरेंगे। वास्तव में, यह नाज़रेथ के यीशु का महान मिशन था, लोगों को मनुष्यों के साम्राज्य के स्थान पर ईश्वर के राज्य को चुनना, क्षमा और प्रेम के माध्यम से उच्च आध्यात्मिक आयामों तक पहुंचना सिखाना।

हम गिरावट के संबंध में अन्य दृष्टिकोणों पर भी गौर कर सकते हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

आत्मा। कुछ लोग इस स्थूल भौतिक क्षेत्र में मानव यात्रा को एक प्रयोग के रूप में देखते हैं, जो बदले में आत्माओं को अधिक प्रभावी ढंग से विकसित करने की अनुमति दे सकता है। यो-यो सादृश्य का उपयोग करते हुए, जब आत्मा खुद को कीचड़ से मुक्त करती है, तो वह व्यापक अनुभव के साथ अपने स्रोत पर वापस आ सकती है। जब मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या यह सच है, क्या आत्मा के स्थूल भौतिक रूप में उतरने की प्रक्रिया एक जानबूझकर किया गया प्रयोग था, तो अहतुन रे ने कहा कि इस दृष्टिकोण को भी वैध माना जा सकता है। उनका सुझाव है कि पतन को एक प्रयोग के रूप में देखा जा सकता है जिसमें आत्माएं कहती हैं, "आइए देखें कि क्या होता है यदि हम सभी भौतिक और भौतिक क्षेत्रों में चले जाएं।"

इस प्रयोग का सकारात्मक पहलू यह है कि मनुष्य की आत्मा
पदार्थ के साथ अनुभव प्राप्त करें, और अहतुन रे के अनुसार, अंततः ईश्वर के साथ अधिक शक्तिशाली और प्रभावी सह-निर्माता बन जाएंगे। भविष्य में, जब नई दुनिया का जन्म होगा, तो पृथ्वी अवतारों से गुजर चुकी आत्माएं नई रचना में बेहतर सहायता करने में सक्षम होंगी। जिस तरह कोई छोटे विमान में कई घंटों की उड़ान के बिना जंबो जेट नहीं उड़ा सकता, उसी तरह पृथ्वी पर अवतार पदार्थ और जैविक जीवन के बारे में सीखने, प्रवृत्ति और भावनाओं का अनुभव करने और भौतिक क्षेत्र में कार्य करने के कौशल हासिल करने के लिए एक प्रशिक्षण मैदान है। .

दूसरी ओर, अहतुन रे टिप्पणी करते हैं कि स्वर्गदूतों ने कभी भी भौतिक दुनिया में अवतार नहीं लिया है और वे पृथ्वी पर पुनर्जन्म लेने से डरते हैं। जबकि स्वर्गदूतों को पृथ्वी अवतार की आवश्यकताओं से निपटने की ज़रूरत नहीं है, जैसे कि भौतिक शरीर में जीवित रहने और बीमारी या मृत्यु से निपटने की आवश्यकता, उनके पास मानव आत्माओं के अनुभव की सीमा का भी अभाव है।

अंततः, पृथ्वी पर जीवन के परीक्षण हमें आध्यात्मिक क्षेत्र में अधिक सक्षम और कुशल बनाते हैं। जबकि हम भौतिक रूप में अपने अवतार की गहराई के कारण कुछ समय के लिए पृथ्वी पर अवतार लेने के लिए बाध्य हो सकते हैं, अहतुन रे बताते हैं कि यदि इसमें समय लगता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

मनुष्य के लिए कुछ हज़ार वर्ष या यहाँ तक कि दस लाख वर्ष भी स्रोत की ओर, ईश्वर की ओर लौटना कोई बड़ी समस्या नहीं है, क्योंकि आत्मा के लिए दस लाख वर्ष कुछ भी नहीं हैं।

जैसा कि उल्लेख किया गया है, भौतिक दुनिया में बहुत गहराई तक अवतरित होने की सबसे बड़ी त्रासदी इसके साथ सचेत संबंध का खो जाना है

उच्च आध्यात्मिक क्षेत्र जो अंततः मानव को अन्य मनुष्यों के प्रति क्रूरता की ओर ले जाता है।

इस सचेत ज्ञान की हानि कि हम पुनर्जन्म लेते हैं और धर्म, राष्ट्रीयता, नस्ल और लिंग को एक चेतना से दूसरी चेतना में बदल सकते हैं, ने संबद्धता के इन मतभेदों के कारण अलगाव और संघर्ष को जन्म दिया है।

पृथ्वी पर, हम सार्वभौमिक आत्मा बनने के बजाय, सामाजिक या धार्मिक संबद्धता के आधार पर अलग-अलग आत्मा बन जाते हैं, जो हमारी वास्तविक प्रकृति है। यदि हम, मनुष्य के रूप में, सामूहिक रूप से और सचेत रूप से तेजी से विकसित होते हैं, तो पृथ्वी पर पीड़ा और संघर्ष अधिक तेजी से समाप्त हो जाएंगे। बदले में, पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य प्रस्तुत करना मानव विकास को गति देने के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम कर सकता है। मेरा मानना है कि यह प्रयास करने लायक लक्ष्य है।

विकास के चरण

आइए अब हम अहतुन रे द्वारा वर्णित मानसिक विकास के चरणों की समीक्षा करें।

प्रथम चरण: सादा

नई आत्माएँ, जो ईश्वर से उत्पन्न होती हैं, विकास के इस पहले चरण का प्रतिनिधित्व करती हैं। इन आत्माओं का निर्माण लगभग 14 अरब वर्ष पहले बिग बैंग के तुरंत बाद हुआ था। यह अवस्था अवतार से पहले की है.

चरण दो: अनाथ

उपरोक्त पैराग्राफ में, यह वर्णित है कि आत्माओं को सृष्टि की विविधता को बढ़ाने में मदद करने के लिए पृथ्वी पर भेजा जाता है। गतिशील सांचों, प्राणियों का उपयोग करके

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

आध्यात्मिक प्राणी जीवन के निर्माण खंडों, स्व-प्रतिकृति डीएनए जैसे अणुओं को बनाने में मदद करते हैं। आध्यात्मिक प्राणियों ने प्रारंभिक पौधों और जीवों को बनाने की प्रक्रिया में भाग लिया, जो बाद में उस पारिस्थितिकी तंत्र में विकसित हुए जिसे हम आज जानते हैं। जैसे-जैसे पशु जीवन विकसित हुआ, मानव आत्माओं ने भौतिक रूप में और अधिक गहराई से अवतार लेने का फैसला किया, जिससे एक अवतार पैटर्न सामने आया जिसमें आध्यात्मिक दुनिया के साथ सचेत संबंध गायब हो गया। अवतारी आत्माओं द्वारा इस संबंध को खोने से मृत्यु का भय और जीवन के उद्देश्य के बारे में भ्रम पैदा होता है।

अनाथालय स्तर पर मनुष्य जीवित रहने की जरूरतों और कई दृश्यमान हिंसक व्यवहारों से प्रेरित होते हैं। इस अवस्था में मनुष्य एक-दूसरे को चोट पहुँचाकर बहुत सारे नकारात्मक कर्म करते हैं। हिंसा का एक कारण यह है कि एक जानवर पर आधारित भौतिक रूप में पुनर्जन्म लेने पर, पृथ्वी पर एक आत्मा पशु प्रवृत्ति से भर जाती है, जिसमें जीवित रहने, क्षेत्र की रक्षा करने और अपने समूह या सहयोगियों के साथ पहचान बनाने की इच्छा शामिल होती है। यह, आध्यात्मिक दुनिया और ईश्वर के साथ सचेत संबंध के नुकसान के साथ मिलकर, हिंसक कृत्यों की ओर ले जाता है।

तीसरा चरण: योद्धा/नेता

मानवता अंततः सामुदायिक समूहों और सामाजिक चेतना का विकास करती है। धार्मिक सिद्धांत समाज को बहुत सांत्वना प्रदान करने के लिए विकसित हुए, क्योंकि इन सिद्धांतों में जीवन के अर्थ और मृत्यु के बाद मुक्ति का वादा किया गया था।

समुदाय अपनी पहचान धर्म और रीति-रिवाजों के माध्यम से विकसित करते हैं।
मनुष्य की पहचान उसकी सामाजिक संरचना, राष्ट्रीयता, धर्म और जातीय संबद्धता से होती है।

वास्तव में, संगठित धर्मों की सबसे बड़ी ताकत यह है कि वे मानवता के सबसे बड़े डर, विलुप्त होने के डर को सांत्वना और समाधान प्रदान करते हैं।

हालाँकि, जब धर्म आपस में टकराते हैं तो एक के बाद एक समस्याएँ उत्पन्न होती हैं। यह संघर्ष बड़े तनाव का कारण बन सकता है,

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

क्योंकि व्यक्तियों को एहसास है कि सभी परस्पर विरोधी धार्मिक सिद्धांत तार्किक रूप से सत्य नहीं हो सकते।

धार्मिक समूहों के बीच हिंसा किसके आग्रह से उत्पन्न होती है?
धर्म की विजय होती है और अंत में कहा जाता है कि धर्म ही अपने अनुयायियों को स्वर्ग में स्थान प्रदान करता है।
कुछ लोग यह भी तर्क देते हैं कि यदि धर्म के नाम पर अन्य मनुष्यों की हत्या की जाती है तो यह स्वीकार्य है। अहतुन रे ने इसे "योद्धा" चरण कहा है, जहां व्यक्ति एक निश्चित धार्मिक सिद्धांत, एक निश्चित धार्मिक सत्य की रक्षा के लिए मरेंगे - अहतुन रे कहते हैं, एक सच्चाई, जिसे वास्तव में सुरक्षा की आवश्यकता नहीं है।

अन्य सामाजिक समूहों, जैसे जातीय समूहों, के साथ पहचान
या राष्ट्रीयताएँ भी विभाजन और संघर्ष लाती हैं। ये हिंसक संघर्ष केवल हिंसा के चल रहे चक्र को बढ़ावा देते रहेंगे: घावों को लेकर पुनर्जन्म लेने वाली आत्माएं, बदले की कार्रवाई में परिणत होंगी।

विडंबना यह है कि आत्माओं को उन समूहों में पुनर्जन्म दिया जा सकता है जिनसे वे पहले लड़े थे।

क्रूसेडर्स का मुस्लिमों के रूप में पुनर्जन्म हो सकता है, मुस्लिमों का हिंदू या यहूदी के रूप में पुनर्जन्म हो सकता है, इत्यादि। समय के साथ, दूसरों के प्रति मानवीय घृणा के कारण हिंसक कर्म का एक चक्र जारी रहा जो आज भी जारी है।

चौथा चरण: यात्री/दार्शनिक

अगला चरण यात्री चरण है, जो ईश्वर और आध्यात्मिक दुनिया के साथ सचेत संबंध बनाना चाहता है।
यात्री सत्य को एकजुट करने का प्रयास करते हुए दर्शन और आध्यात्मिक प्रणालियों का अध्ययन करता है। इस स्तर पर, ध्यान जैसे व्यायाम भी लागू किए जाते हैं। यात्री सार्वभौमिक सत्य की खोज करता है।

पाँचवाँ चरण: उपचारक/ऋषि

अहतुन रे के अनुसार, मानव विकास का अंतिम चरण, उपचारक या ऋषि का चरण है, जो इसे समझता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

हम सभी सार्वभौमिक आत्माएं हैं और ईश्वर के साथ एक हैं। बार-बार अवतार लेने के माध्यम से, उपचारकर्ता या ऋषि को गहरा ज्ञान होता है कि आत्मा अमर है और धर्म, नस्ल, जातीयता, मूल और लिंग के आधार पर मानवीय भेदभाव निराधार हैं। चिकित्सक या संत एक अधिक शांतिपूर्ण और प्रेमपूर्ण दुनिया बनाने का प्रयास करते हैं।

हिंसा का चक्र, मानव विकास और स्वतंत्र इच्छा

एक प्रश्न अक्सर पूछा जाता है कि भगवान ने इतनी सारी चीजों से भरी दुनिया क्यों बनाई संघर्ष और पीड़ा? इसका उत्तर स्वतंत्र इच्छा की समस्या पर वापस जाता है। अहतुन रे ने एक बार टिप्पणी की थी, "भगवान ने एक आदर्श ब्रह्मांड बनाया, लेकिन उनके बच्चों ने इसे गड़बड़ कर दिया।" विद्रोही युवाओं की तरह, मानवता भौतिक रूप में प्रवेश करने के लिए स्वतंत्र इच्छा का चयन करती है, जिसके परिणामस्वरूप भगवान के साथ चेतना का वियोग होता है, जो हमें ईश्वर और एक-दूसरे के साथ अपनी एकता को भूल जाएं, जिससे हिंसक कर्म का चक्र शुरू हो जाएगा। हालाँकि, हमारे पास हिंसा को समाप्त करने और अपनी चेतना को बहाल करने की भी स्वतंत्र इच्छा है भगवान के साथ और एक दूसरे के साथ संबंध.

कर्म चक्र को कैसे तोड़ें? यह उपरोक्त समृद्ध तत्वमीमांसा, ए कोर्स इन मिरेकल्स, साथ ही गैरी रेनार्ड की किताबें, डिसएपियरेंस का फोकस है।
ब्रह्मांड और आपकी अमर वास्तविकता की, जो पाठ्यक्रम पुस्तक पर आधारित हैं।
किताब
कोर्स इस बात पर जोर देता है कि पृथ्वी पर हमारा अस्तित्व दुनिया नहीं है
जो वास्तव में हैं.

पाठ्यक्रम की पुस्तक किसी निष्कर्ष पर जोर देकर, अतिशयोक्ति के साथ सिखाती है सीमा, और थोड़ा अनावश्यक लगता है। यह घोषणा करके कि यह संसार वास्तविक नहीं है पाठ्यक्रम पुस्तक एक विचार प्रस्तुत करती है कि मानव आत्माओं ने, स्वतंत्र इच्छा के माध्यम से, इस दुनिया के विकास में योगदान दिया, और यह दुनिया भगवान की दुनिया, आध्यात्मिक दुनिया, सच्ची दुनिया नहीं है। ईश्वर की दुनिया, आध्यात्मिक दुनिया में पुनः प्रवेश करने की कुंजी है
भगवान के साथ पुनः जुड़ें. यह मामला

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जिसमें कर्म के चक्र को तोड़ना भी शामिल है। ऐसा करने का तरीका क्षमा करना है।

मेरा मानना है कि पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य, जो समय के साथ अनिवार्य रूप से बढ़ेंगे, समग्र रूप से मानवता को हिंसा के चक्र को तोड़ने में मदद करेंगे।

सबसे पहले, पुनर्जन्म का प्रमाण इस डर का प्रतिकार करेगा कि मरने पर हमारा अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। इस पुस्तक में प्रस्तुत पुनर्जन्म के मामलों से पता चलता है कि हम उन व्यक्तित्वों में पुनर्जन्म लेते हैं जो हमारे पिछले व्यक्तित्वों के समान हैं।

इसके अलावा, हम उन लोगों के साथ पुनर्जन्म लेते हैं जिन्हें हमने प्यार किया है और पिछले अवतारों में देखा है। यह साक्ष्य यह गारंटी देने के लिए सख्त धार्मिक सिद्धांतों पर भरोसा करने की आवश्यकता को कम करता है कि हम मृत्यु के बाद जीवित रहेंगे और स्वर्ग में प्रवेश करते हुए आध्यात्मिक दुनिया में पहुंचेंगे।

पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य और विकास की बढ़ी हुई समझ के साथ, अनाथ को डरने की ज़रूरत नहीं है, योद्धा को अब धार्मिक या राजनीतिक सत्य की रक्षा के लिए लड़ना नहीं पड़ता है, और यात्री को अब खोज नहीं करनी पड़ती है। इस बिंदु से, हम सभी उस चरण पर आगे बढ़ सकते हैं जिसे अहतुन रे उपचार कहता है।

जिस प्रकार हम, विकासवादी वंशावली जिसे हम मनुष्य कहते हैं, ईश्वर से अलग होने के लिए स्वतंत्र इच्छा का उपयोग करते हैं, उसी प्रकार हम ईश्वर और एक दूसरे के साथ फिर से जुड़ने के लिए स्वतंत्र इच्छा का उपयोग कर सकते हैं।

विकास का स्तर इतना व्यापक क्यों है?

एक बात जो मुझे हैरान करती है वह यह है कि यदि सभी आत्माओं का निर्माण एक ही समय में हुआ है तो आत्मा के विकास के स्तर में इतनी विविधता क्यों है। हम आध्यात्मिक विकास में अधिक समान क्यों नहीं हैं? हर टेलीविजन समाचार शो में, हर अखबार में, हम महान मानवतावादियों से लेकर दूसरों के लिए अपने जीवन का बलिदान देने वाले बच्चों से दुर्व्यवहार करने वालों और हत्यारों तक, मानव व्यवहार की चरम सीमाओं से अवगत होते हैं।

Machine Translated by Google

मैंने अहतुन रे से यह पूछा और उत्तर यह है कि भगवान मुफ़्त देता है आत्माओं को अपनी पसंद की गति से खुद को विकसित करने की इच्छा। उन्होंने समझाया कि एक आत्मा हजारों या लाखों वर्षों तक अवतार न लेने का निर्णय ले सकती है, जिसका अर्थ है कि उस दौरान आत्मा का अधिक विकास नहीं होगा। देर-सबेर, प्रेरणा, बढ़ने की इच्छा आएगी, और आत्मा अनाथ अवस्था में भौतिक आयाम में प्रवेश करेगी, जबकि अन्य आत्माएं उच्च स्तर तक विकसित हो चुकी हैं।

पृथ्वी पर अवतार लेना क्यों आवश्यक है?

हालाँकि हमने इस बात पर चर्चा की है कि पतन के विभिन्न स्तर कैसे आए और मनुष्य ने भौतिक क्षेत्र में गहराई से अवतार लेना चुना, समय के साथ अवतार का रूप अभी भी आवश्यक है, क्योंकि वह अवतार बताता है कि हम वास्तव में कौन हैं . अहतुन रे एक प्रशिक्षु का दृष्टांत बनाता है जो मेडिकल स्कूल जाता है। स्नातक स्तर की पढ़ाई के बाद इस डॉक्टर के पास क्षमता है, लेकिन उसने अपने आवेदन में इस क्षमता का प्रदर्शन नहीं किया है। एक डॉक्टर के रूप में विशेषज्ञता और पहचान हासिल करने के लिए इन स्नातकों को डॉक्टर बनने के लिए चिकित्सा का अभ्यास करना चाहिए।

उसी तरह, आध्यात्मिक दुनिया में हम ज्ञान सीख सकते हैं और आत्मसात कर सकते हैं, हम विश्वास कर सकते हैं कि हम परिपक्वता के एक निश्चित स्तर पर हैं, लेकिन वास्तव में खुद को जानने के लिए, हमें यह दिखाने के लिए अवतार लेना होगा कि हम वास्तव में कौन हैं। भौतिक आयाम केवल अनुभव और पहचान हासिल करने का स्थान नहीं है; यह स्थान प्रमाण भूमि भी है।

सकारात्मक पक्ष पर हम पृथ्वी पर अवतार को इस रूप में देख सकते हैं साधना करने का अवसर. पृथ्वी पर अवतार के साथ मिलने वाली स्वतंत्रता, जहां हममें से अधिकांश लोग आध्यात्मिक दुनिया से कटे हुए हैं, हमें खुद को पूरी तरह से प्रयास करने, निर्माण करने के लिए मजबूर करती है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

शक्ति, सहनशक्ति, ज्ञान और बुद्धि। कुछ लोग मानव होना एक बड़ा सम्मान मानते हैं, क्योंकि मानव अवतार के माध्यम से जो विकास प्राप्त किया जा सकता है, वह आध्यात्मिक विकास के अन्य मार्गों के माध्यम से प्राप्त किये जा सकने वाले विकास से कहीं अधिक मूल्यवान है।

हम पिछले जन्मों को याद क्यों नहीं रख पाते?

हमने देखा है कि भौतिक अस्तित्व में गहराई से अवतरित होकर, मनुष्य ने आध्यात्मिक दुनिया से अपना संबंध खो दिया है। एक अलग लेकिन संबंधित प्रश्न यह है: हम पिछले जन्मों को याद क्यों नहीं रख पाते? मुख्य कारणों में से एक यह है कि यदि हम अपने पिछले जीवन से जुड़े सभी कष्टों और पछतावे के साथ-साथ अपने पूरे जीवन को याद रखें, तो हम वर्तमान जीवन में उत्पादक नहीं हो पाएंगे, न ही हम अन्य लोगों के साथ संबंध बनाना चाहेंगे। जिनके कर्म संबंध और सबक सीखे गए हैं। हमारे लिए सबक.

अपनी पुस्तक, रिटर्न ऑफ़ द रेवोल्यूशनरीज़ में, मैं मामला प्रस्तुत करता हूँ मेरी पूर्व पत्नी, ओक्साना, जिसे अमेरिकी क्रांति के दौरान पिछले जन्म में मेरे बेटे, चार्ल्स के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना गया था। उस जीवनकाल के दौरान, चार्ल्स और मेरे बीच एक तूफानी रिश्ता था, और अंततः मैंने चार्ल्स से संबंध तोड़ लिया। चार्ल्स और मैं दोनों उस रिश्ते से आहत हुए।

कर्म जिस तरह से काम करता है वह यह है कि पुनर्जन्म के माध्यम से, हमें उन लोगों के साथ वापस लाया जाता है जिनकी समस्याएं हैं जिन्हें हमें हल करना है। जैसा कि उल्लेख किया गया है, चार्ल्स ने वर्तमान में मेरी पूर्व पत्नी ओक्साना के रूप में पुनर्जन्म लिया।

हम नियति के कारण वापस एक साथ आ जाते हैं और तुरंत एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं। हमारी शादी 6 महीने के अंदर हो गई है. भले ही अंत में हमारा तलाक हो गया, हमें एक-दूसरे को वास्तव में जानने और प्यार करने के लिए शादी करने का अवसर मिला, एक ऐसा अवसर जो हमें अपने पिछले जीवन में अब तक नहीं मिला था।

हालाँकि, आपको क्या लगता है कि अगर ओक्साना अच्छी होगी तो क्या होगा

Machine Translated by Google

जब हम मिले तो मुझे न ही हमारे पिछले जीवन के रिश्तों के बारे में पता चला- यह जानते हुए कि 200 साल पहले ओक्साना मेरा बेटा चार्ल्स था, और हमारे बीच बुरे कर्म हैं जिन्हें सुलझाना होगा? हम दोनों निश्चित रूप से विपरीत दिशाओं में भाग जायेंगे! दरअसल, हमारे अलग होने के लगभग एक साल बाद तक मुझे हमारे पिछले जीवन के रिश्ते के बारे में नहीं बताया गया था।

लोगों को पिछले जन्मों को याद न रखने का एक और कारण यह है कि हमें दर्दनाक मौतों को याद रखना पड़ता है। यहां तक कि जब इन मौतों को सचेत रूप से याद नहीं किया जाता है, तब भी वे बाद के जीवन में फोबिया और कई अन्य मनोवैज्ञानिक स्थितियों को जन्म दे सकती हैं। रिवोल्यूशनरीज़ में, मैं एक पिछले जीवन का वर्णन करता हूँ जो मिशेल नाम की एक महिला के लिए हल हो गया था। मेरे पुनर्जन्म अनुसंधान के माध्यम से, मिशेल को उसी जीवन में मेरी पोती के रूप में पहचाना गया, जहां ओक्साना मेरा बेटा था। इस पोती की मृत्यु उस समय हो गई जब हडसन नदी के ऊपर जिस नाव पर वह सवार थी उसमें आग लग गई और वह डूब गई।

जब मैंने मिशेल को उसके पिछले जीवन की परिकल्पना के बारे में बताया, तो उसने स्वीकार किया कि उसे आजीवन जहाजों और खुले पानी से डर लगता था, जब मिशेल की पिछले जीवन की पहचान का समाधान हुआ तो मुझे इस वास्तविकता का एहसास नहीं हुआ। अक्सर, हालांकि हमेशा नहीं, जब व्यक्ति को पिछले जीवन प्रतिगमन चिकित्सा के माध्यम से पिछले अवतार में एक दर्दनाक घटना के बारे में पता चलता है, तो फोबिया कम हो जाएगा।

यह दूसरे तरीके से भी काम कर सकता है. अगर कोई जागरूक हो जाए पिछले जीवन में जहां एक दोस्त ने उन्हें धोखा दिया या घायल कर दिया, और वह दोस्त एक बार फिर से किसी के दायरे में पुनर्जन्म ले चुका है, तो पिछले जीवन के घाव वर्तमान में फिर से खुल सकते हैं। अगर आपको इस समय उठने वाले घावों से दोबारा जूझना पड़े तो जीवन कठिन हो जाएगा। उसके पिछले जीवन के घावों को भरने से मामला और भी कठिन हो गया। वास्तव में, पिछले जन्मों के दोबारा उभरते घावों से निपटने के लिए कभी-कभी पारंपरिक मनोचिकित्सा चिकित्सा की आवश्यकता होती है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अंततः, जैसे-जैसे हम यात्री और ऋषि चरणों में आगे बढ़ते हैं, हम पिछले जीवन की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, लेकिन उपरोक्त कारणों से, ऐसी जानकारी तब तक अवरुद्ध रहती है जब तक हम इससे निपटने के लिए पर्याप्त परिपक्व नहीं हो जाते।

उदाहरण के लिए, अनाथ आत्माओं को यदि पिछले जन्म के बारे में किसी ऐसे व्यक्ति के बारे में जानकारी दी जाए जिसने उन्हें पिछले जन्म में घायल किया था, तो वे इस जीवन में अपने पुनर्जन्म वाले प्रतिद्वंद्वी को शारीरिक रूप से नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं। अक्सर, विशिष्ट यादों के बिना भी, दूसरों के प्रति आक्रामक व्यवहार पिछले अवतारों से जुड़ी भावनाओं और परेशानियों से जुड़ा होता है। इसलिए अधिकांश लोग जिनके पास पिछले जन्मों की सहज यादें हैं, या जो पिछले जीवन के प्रतिगमन के माध्यम से सटीक यादें प्राप्त कर सकते हैं, वे उपचार विकास के चरण में हैं, जहां क्षमा एक आदत बन गई है।

कर्म से निपटना

कर्म को परंपरागत रूप से कारण के नियम के रूप में देखा जा सकता है-
प्रभाव, जहां एक क्रिया एक प्रभाव उत्पन्न करेगी जो कर्ता पर वापस लौट आती है। सकारात्मक कर्म के साथ, यदि आप किसी के प्रति अच्छा कार्य करते हैं, तो वह दयालुता भविष्य में आपके पास वापस आएगी। नकारात्मक कर्म से, यदि आप एक जीवनकाल में किसी को चोट पहुँचाते हैं, तो घाव आपको फिर से याद आएगा। नकारात्मक कर्म का जवाब दो प्रकार से दिया जा सकता है: प्रतिशोध के माध्यम से या परिवर्तन के माध्यम से।

आइए सामूहिक हिंसा का उदाहरण लें।
मान लीजिए कि गिरोह का एक सदस्य, जिसे हम बदमाश कहते हैं, दूसरे को मार देता है। बाद के जीवन में, यदि व्यक्ति उसी मानसिकता के साथ पुनर्जन्म लेता है, तो उसे हिंसा के माध्यम से होने वाले नुकसान का अनुभव करने के लिए मारे जाने या किसी प्रियजन की हत्या का अनुभव करना होगा।

दूसरी ओर, यदि कोई किसी गिरोह में पुनर्जन्म लेता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

लेकिन चिंतन और प्रयास के माध्यम से अधिक से अधिक परिपक्वता और जागरूकता विकसित करते हुए, यह व्यक्ति सामूहिक हिंसा को पीछे छोड़ सकता है। वह युवा लोगों के साथ काम कर सकते हैं, लेकिन इस बार सामूहिक हिंसा को रोकने के लिए। मारे जाने का अनुभव करने के बजाय, यह व्यक्ति, एक उपचारक के रूप में कार्य करके, अपने कर्म को सकारात्मक तरीके से बदल सकता है। चिंतन और प्रयास से एक अनाथ व्यक्ति विकास के उच्च चरणों में जा सकता है।

यही कारण है कि यीशु ने महत्व के बारे में संदेश दिया क्षमा की भावना बहुत गहरी है. घृणित नफरत से चिपके रहने से, इस बात पर जोर देते रहने से कि कर्म को प्रतिशोध के माध्यम से, आंख के बदले आंख के माध्यम से स्थापित किया जाना चाहिए, हम खुद को आध्यात्मिक विकास के निचले चरणों में बंद कर देते हैं। हम फिर भी अनाथ या योद्धा ही रहेंगे। हिंसा का चक्र फिर से जारी रहेगा. लेकिन अगर हम दूसरों को माफ कर देते हैं, तो हम कर्म प्रतिशोध से भी मुक्त हो जाते हैं। कर्म को अधिक परिवर्तनकारी तरीके से निभाया जा सकता है और व्यक्ति यात्री, उपचारक और ऋषि चरणों में प्रगति करेगा।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

34

आध्यात्मिक दुनिया के स्तर

आत्मा क्षेत्र के दृश्यों का वर्णन और परिभाषित करना
यह लंबे समय में कढ़ाई किए गए लटकते गलीचे की तरह होगा।
मैं कोई मानसिक रोगी नहीं हूं और मेरे पास इन क्षेत्रों को समझने की क्षमता नहीं है, इसलिए मुझे दूसरों की टिप्पणियों पर निर्भर रहना पड़ता है। दो व्यक्ति जो आध्यात्मिक क्षेत्र में अपने अनुभवों के बारे में लिखते हैं, वे पेशेवर मनोवैज्ञानिक इको बोडीन और जूडी हैं

अच्छा आदमी।

इको, अपनी पुस्तक, इकोज़ ऑफ़ द सोल में, एक अनुभव का वर्णन करता है
यह लगभग मृत्यु के निकट के अनुभव के बराबर है जिसे वह जानबूझकर और सचेत रूप से मानव जगत में आध्यात्मिक क्षेत्र के बारे में जानकारी वापस लाने के लिए अनुभव करता है। जूडी गुडमैन ने साझा किया कि वह जब चाहे तब आध्यात्मिक क्षेत्रों की यात्रा करने की क्षमता रखती है और यहां तक कि, जूडी का कहना है कि वह एक ही समय में भौतिक और आध्यात्मिक दोनों क्षेत्रों में रहती है।

इको और जूडी दोनों आध्यात्मिक दुनिया को बनाने वाले सात स्तरों का वर्णन करते हैं, जो थियोसोफी द्वारा व्यक्त अवधारणाओं के अनुरूप है।

मैंने अहतुन रे का भी उपयोग किया है, जो एक मार्गदर्शक भावना है जो संचार करती है
केविन रायर्सन के माध्यम से जिन्होंने पिछली पहचानों का सटीक पता लगाने की क्षमता प्रदर्शित की है।
मुझे लगता है कि अहतुन रे एक और अच्छा संसाधन बनेगा क्योंकि अहतुन रे आध्यात्मिक क्षेत्र में रहता है, और 3,000 से अधिक वर्षों से उसका पुनर्जन्म नहीं हुआ है।

अहतुन रे ने मुझे बताया कि आध्यात्मिक क्षेत्र के बारह आयाम या स्तर हैं, सात का वर्णन मानव अनुभव के माध्यम से किया गया है, और अन्य पांच आयाम केवल आध्यात्मिक क्षेत्र के लोगों को ही ज्ञात हैं। उन्होंने यह समझाया

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

आध्यात्मिक क्षेत्र में मानव अनुभव 7 चक्रों द्वारा निर्धारित होता है, जो ऊर्जा केंद्र हैं जो रीढ़ की हड्डी से शीर्ष तक प्रवाहित होते हैं। अहतुन रे ने समझाया कि क्योंकि हम 7 चक्रों से बंधे हैं, मनुष्य केवल आध्यात्मिक दुनिया के सात आयामों के बारे में ही जागरूक हो सकते हैं जो 7 चक्रों के अनुरूप हैं।

इस बिंदु पर मैं एक अनुभव साझा करना चाहूँगा कि जब मैं कई साल पहले एक मानसिक क्षमता विकास कक्षा ली थी, मैं वास्तव में चक्रों को महसूस कर सकता था जब मैं फर्श पर अन्य छात्रों के सामने अपना हाथ लगभग एक फुट ऊपर या नीचे घुमाता था। कक्षा। जब मेरा हाथ किसी के चक्र के सामने से गुजरता है तो मुझे अपने हाथ पर हल्का दबाव या ऊर्जा महसूस होती है। हालाँकि मुझे लगता है कि मैं कक्षा में सबसे कम मानसिक प्रतिभा वाला हूँ, फिर भी मैं चक्रों को महसूस कर सकता हूँ।

केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, मैंने अहतुन रे से पूछा कि आध्यात्मिक क्षेत्र में उनका जीवन कैसा है। अहतुन रे का कहना है कि वह 11वें और 12वें लोकों में रहता है, जो भगवान के निवास के करीब हैं। उन्होंने मुझे बताया कि 12वें आयाम में, उनकी व्यक्तिगत पहचान गायब हो गई और उन्हें केवल ईश्वर के साथ एकता के बारे में पता था। उन्होंने इस अनुभव को "उज्ज्वल परमानंद" की स्थिति के रूप में वर्णित किया। मुझे लगता है कि यही कारण है कि, जब भी मैं केविन के साथ सत्र करता हूं, अहतुन रे हमेशा बहुत अच्छे मूड में नजर आते हैं।

अहतुन रे ने आगे बताया कि जब वह नीचे उतरे

11वें आयाम में उनके व्यक्तित्व की छाप लौट आई।

11वें आयाम में उसका अनुभव एक होलोग्राफिक वास्तविकता है जहां वह अपनी इच्छानुसार कोई भी दृश्य बना सकता है। जब वह मनुष्यों के साथ संचार करता है, जैसे कि केविन के साथ सत्र के दौरान, अहतुन रे एक मिस्र का मंदिर बनाता है, क्योंकि उसे अभी भी मिस्र में अपने पिछले अवतार से बहुत प्यार है।

केविन के साथ मेरे सत्र में, अहतुन रे बताते हैं कि मिस्र के मंदिर में उनके द्वारा 11वें आयाम में बनाए गए होलोग्राम में, मैं एक मिस्र के पुजारी के कपड़ों में दिखाई देता हूं। अहतुन रे ने कहा कि मैं जो कपड़े पहनता हूं वह मेरे वर्तमान आध्यात्मिक स्तर को दर्शाते हैं। मुझे पूछने से डर लगता है

Machine Translated by Google

अहतुन रे यह किस ग्रेड का है, इसलिए मैं अपने पहनावे पर और अधिक टिप्पणी नहीं कर सकता। केविन के साथ एक टेलीफोन सत्र के दौरान, जब मैं सैन फ्रांसिस्को में अपनी रसोई की मेज पर नोट्स लेने में व्यस्त था, अहतुन रे ने मुझे अपने मिस्र के मंदिर में एक मेज पर लिखते हुए देखा।

मेरी धारणा में, अहतुन रे वास्तव में एक उच्च विकसित आध्यात्मिक प्राणी है, एक ऐसा प्राणी जिसे अंतिम बिंदु का प्रतिनिधित्व करने वाला माना जा सकता है जिसे हम सभी अंततः पहुंचना चाहते हैं, अस्तित्व की एक स्थिति जहां हम आध्यात्मिक आयाम में भगवान के साथ एकजुट हो सकते हैं, लेकिन कर सकते हैं चेतना को भी प्रक्षेपित करें। पृथ्वी के अस्तित्व के स्थूल आयामों के लिए। दूसरे शब्दों में, अहतुन रे का "योयो" भौतिक आयाम तक लुढ़क सकता है और भगवान के निवास में वापस लौट सकता है।

अपनी क्षमताओं के प्रमाण के रूप में, जब केविन रायर्सन ने पेरू में माचू पिचू की यात्राओं पर समूहों का नेतृत्व किया, तो पाया गया कि अहतुन रे ने केविन के शरीर पर कब्ज़ा कर लिया था।

जबकि केविन की आंखें कपड़े से ढकी हुई थीं, अहतुन रे ने केविन के शरीर को एक चट्टान के अंत में एक संकरी सड़क पर चलाया। प्रभावशाली बात यह है कि केविन अभी भी जीवित है! प्रकृति के आयामों की यात्रा करने की क्षमता रखने वाला एक अन्य व्यक्ति यीशु हैं, जिसका संकेत उनके द्वारा दिए गए कथनों से मिलता है जैसे "पिता और मैं एक हैं" और "मेरे पिता के घर में कई महान घर हैं"।

अब आइए इको बोडाइन और जूडी गुडमैन द्वारा बताए गए आध्यात्मिक आयामों पर चर्चा करें।

हम इको से शुरुआत करेंगे, जिन्होंने अपने अनुभवों को अपनी पुस्तक इकोज़ ऑफ द सोल में दर्ज किया है।

मैं अपना काम आपके साथ साझा करने की अनुमति देने के लिए इको को धन्यवाद देता हूं। इको की कहानी चतुराई से शुरू होती है, क्योंकि वह बताता है कि कैसे उसने अपनी और अपने परिवार के बाकी सदस्यों की गुप्त मानसिक क्षमताओं के बारे में सीखा।

Machine Translated by Google

इको स्वर्ग जाता है

इको बताता है कि जब वह 17 साल का था, 1965 की शरद ऋतु में मिनेसोटा में, वह अपने परिवार के साथ रात के खाने के बाद मेज पर बैठा था। उन्होंने उसके छोटे भाई, माइकल से बात की और सुना, जो उसके तहखाने में ड्रम का अभ्यास कर रहा था। इको बताता है कि उसकी बहन अभी भी नौसिखिया है, जो संकेत देती है कि उसका खेल उपद्रव से थोड़ा ही बेहतर है। अचानक, शोर ख़त्म हो गया और ढोल की सुंदर और परिष्कृत ध्वनि पूरे घर में गूँज उठी। इको के परिवार के सदस्यों को समझ नहीं आ रहा है कि क्या हो रहा है और उन्हें संदेह है कि रिकॉर्ड किए गए ड्रम संगीत की आवाज़ अब बज रही है।

इसके अलावा और क्या संभावनाएं हैं?

फिर संगीत बंद हो गया और इको की घबराई हुई बहन ऊपर भाग गई सीडिया। माइकल ने कहा कि वह अपनी आंखें बंद करके प्रशिक्षण ले रहा था, तभी उसने एक सफेद भूत जैसी आकृति को अपने ऊपर मंडराते देखा। भूत जैसी आकृति ने उसका हाथ पकड़ लिया और ड्रम बजाना शुरू कर दिया, जिससे अविश्वसनीय लय उत्पन्न हुई जो परिवार ने पहले सुनी थी।

थोड़ी देर तक खेलने के बाद, सफेद आकृति छूट गई और तैरने लगी।

यह समझने की कोशिश करते हुए कि क्या हो रहा था, इको की माँ ने ईव ओल्सन को बुलाया, एक माध्यम जिसे वह अपने प्रार्थना समूह के माध्यम से जानती थी।
ईव ने परिवार के सदस्यों को बताया कि सफेद आकृति उसकी बहन की मार्गदर्शक भावना थी जो अपने पिछले जीवन में एक पेशेवर ड्रमर थी। इसके अलावा, उसकी बहन में ड्रमर की भावना को देखने की क्षमता है, ईव का कहना है कि इको में चार मानसिक प्रतिभाएं हैं-

दूरदर्शिता (दर्शन देखना), दूरदर्शिता (जादुई आवाजें सुनना), दूरदर्शिता (भावनाओं को जानना) और दूरदर्शिता (मानसिक रूप से सूंघना) - साथ ही उपचारात्मक प्रतिभाएँ। ईव का कहना है कि पिछले अवतारों में, इको ने मिस्ट्री स्कूल खोजने में मदद की है और वह इस जीवनकाल में कई किताबें लिखेंगी। ईव ने कहा कि इको रेडियो और टेलीविजन प्रसारण में जाएगा और दुनिया की यात्रा करेगा और दूसरों को अपने स्वयं के आध्यात्मिक उपहार विकसित करना सिखाएगा।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

उस समय, इको को इन क्षमताओं का कोई सचेत ज्ञान नहीं था। शराबी माता-पिता वाले परिवार में पली-बढ़ी, वह बस एक सामाजिक कार्यकर्ता बनना चाहती थी और अपने पति और बच्चों के साथ एक सामान्य जीवन जीना चाहती थी। हालाँकि, समय के साथ, इको के बारे में ईव की भविष्यवाणियाँ सच हो गईं। ईव यहां तक कहती है कि इको का छोटा भाई माइकल भी मानसिक रूप से प्रतिभाशाली है और यह भविष्यवाणी सच भी साबित होती है।

बारह साल बाद, इको एक पेशेवर मानसिक रोगी के रूप में काम करता है और वह अपने छोटे भाई, माइकल की मदद से एक "ओझा" के रूप में भी काम करता है, जो पृथ्वी पर रहने वाली आत्माओं को उच्च लोकों में भागने में मदद करता है।

1992 तक, इको लगभग 15 वर्षों तक आत्माओं को शांत करने पर काम कर रहा था, और उसके मन में यह विचार आया कि उन आध्यात्मिक क्षेत्रों के बारे में अधिक जानना उसके लिए फायदेमंद होगा जहां उसने भूतों को भेजा था।

इको ने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए पूछा कि क्या वह अन्य लोकों के बारे में और अधिक जान सकता है।

तीन दिन बाद, जब वह एक ग्राहक के साथ अपने कार्यालय में था, कमरे में धुंधली सफेद रोशनी भरने लगी। एक सुनहरे बालों वाली महिला गाइड आत्मा प्रकट हुई और इको से कहा, "चलो चलें, चलो चलें।" इको, अनुभव से परेशान होकर, अपने ग्राहक से अपने छोटे भाई माइकल को फोन करने और जो कुछ होने वाला है उसमें उसकी मदद करने के लिए आने के लिए कहता है। इको के कार्यालय जाते समय, माइकल ने उसे बताया कि उसकी मार्गदर्शक आत्मा ने तीन दिन पहले उसे बताया था कि इको ने भगवान से अन्य लोकों के बारे में दिखाने के लिए कहा था।

माइकल की मार्गदर्शक आत्मा ने उसे यह भी सूचित किया है कि इको दूसरे लोक की यात्रा करेगा और जब उसकी आत्मा उसके शरीर को छोड़ देती है तो माइकल को उसके भौतिक शरीर पर नजर रखने के लिए उसका हाथ पकड़ने की जरूरत होती है।

जैसे ही माइकल आया और इको का हाथ पकड़ा, सुनहरे बालों वाली आत्मा ने पलट कर इको की आंखों में देखा और कहा, "चलो चलें।" तब इको को एहसास हुआ कि यह गोरी मार्गदर्शक आत्मा उसकी अपनी आत्मा थी। फिर इको तुरंत फेंक दिया जाता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अपने शरीर से बाहर निकला और खुद को एक सुरंग में पाया। उसने महसूस किया कि एक प्रेमपूर्ण, गर्म ऊर्जा उसे सुरंग के अंदर, सफेद रोशनी की ओर खींच रही है। इको तब सुरंग के किनारे कई पुनर्मिलन होते हुए देखता है, आत्माएं पृथ्वी आयाम से प्रस्थान करती हैं, जिनका स्वागत उन दोस्तों और रिश्तेदारों द्वारा किया जाता है जो मर चुके हैं।

जैसे ही वह सुरंग से बाहर निकलता है, इको पगडंडियों वाला एक गाँव देखता है। उसकी दादी वहाँ एक दोस्त के साथ खड़ी थी जिसने उसकी दादी से कहा, "आपने नहीं कहा कि वह आज मर गया।" दादी इको ने उत्तर दिया, "अरे नहीं, वह मरा नहीं है, वह बस आ रहा है।" इको ने देखा कि उसकी दादी बहुत युवा, सुंदर और जीवंत दिख रही थीं। इको ने यह भी देखा कि उसकी दादी की कुछ मृत दोस्त भी उसके आसपास थीं।

अचानक, एक महिला देवदूत प्रकट होती है और इको से कहती है कि वह उसकी मार्गदर्शक बनेगी।

देवदूत उसे पहले स्थान पर ले गया जिसे पिंक प्लेस कहा जाता है, जो एक ऐसा समुदाय है जिसके चारों ओर गुलाबी आभा है। पिंक प्लेस में एक अस्पताल जैसी इमारत है, जहां नर्सें या देखभाल करने वाले उन आत्माओं की मदद करते हैं जिन्हें अपनी मृत्यु को स्वीकार करने में कठिनाई हो रही है। इको ने यह भी देखा कि पृथ्वी पर शारीरिक रूप से अक्षम आत्माओं को भी स्वस्थ और परिपूर्ण आध्यात्मिक शरीर में बदलने में मदद की जाती है। अस्पताल का एक हिस्सा आत्महत्या के पीड़ितों के लिए है जिन्हें उनके संक्रमण की प्रक्रिया में सहायता की जा रही है।

देवदूत इको को बताता है कि पिंक प्लेस का उद्देश्य उपचार करना है। इको ने सैकड़ों आत्माओं को अपनी आँखें बंद करके घास पर लेटे हुए देखा, जो समुदाय के भीतर की ऊर्जाओं से उपचार प्राप्त कर रहे थे। इको और देवदूत फिर एक शानदार आंगन में तैरते हुए चले गए, जो सभी प्रकार के फूलों और पेड़ों से घिरा हुआ था।

इसके बाद, वे विशाल सफेद और सुनहरे कोलोसियम के पास आये खंभे, बड़ी खिड़कियां और दरवाजे जो हमेशा खुले रहते थे। देवदूत ने इको को यह बताया

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

यह स्वर्गदूतों का निवास स्थान है जो पृथ्वी पर लोगों की मदद करते हैं। फिर, वे संगीतकारों और गायकों से भरी घास के मैदान में चले गए।
कई तरह के संगीत बजाए जा रहे हैं और कुछ खास कंपनों का हवाला देकर इको अपनी पसंद का संगीत सुन सकता है।

यात्रा का अगला भाग इको के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण था।
देवदूत उसे एक शानदार परिदृश्य में ले गया जहाँ हजारों आत्माएँ एकत्रित हो रही थीं। उनके बीच में एक व्यक्ति था जो बोलता और पढ़ाता था, जिसने स्पष्ट रूप से भीड़ का ध्यान खींचा। इको को सहज रूप से पता था कि वह जिस आदमी को देख रही थी वह यीशु था, लेकिन वह विश्वास नहीं कर पा रही थी कि उसे जो महसूस हुआ था उसमें उसे रहने की अनुमति दी गई थी।

एक पवित्र स्थान. उसने पूछा कि वह आदमी कौन था, और स्वर्गदूत ने उसे बताया कि वह आदमी वास्तव में यीशु था और इस अद्भुत जगह को यीशु का शहर कहा जाता था। इको के जीवन में यीशु हमेशा एक केंद्रीय व्यक्ति रहे हैं और देवदूत चाहते थे कि वह उन्हें आध्यात्मिक क्षेत्र में देख सकें। इको यीशु के संपूर्ण सार को प्रेम के रूप में वर्णित करता है, लेकिन वह उनकी ताकत, कोमलता और हास्य की भावना को भी महसूस कर सकता है। फिर उसने अपने भाई माइकल को ईश्वर की खोज करने के लिए कहते सुना। जब उसने चारों ओर देखा, तो उसे एहसास हुआ कि वह भगवान से घिरा हुआ था, भगवान का वर्णन किया गया था।

गूंज हर जगह, वह चेतना, ईश्वर एक उपस्थिति थी, जिसे समझना कठिन था को

देवदूत इको को बताता है कि स्वर्ग समुदायों से भरा है और प्रत्येक समुदाय एक अलग वास्तविकता को दर्शाता है। उनका कहना है कि हम पृथ्वी पर जिस वास्तविकता में रहते हैं, जिस चेतना को हम धारण करते हैं, वह निर्धारित करती है कि हम स्वर्ग में कहाँ जाएंगे। उदाहरण के लिए, यदि कोई व्यक्ति एक मेहनती कार्यकर्ता, एक समर्पित कैथोलिक है, तो स्वर्ग में वह व्यक्ति एक ऐसे समुदाय में रहेगा जो समान मूल्यों और विश्वासों को साझा करता है। देवदूत फिर इको को भिखारियों और चोरों का एक समुदाय दिखाता है, जो दिन भर एक-दूसरे से भीख मांगते हैं या चोरी करते हैं।

देवदूत ने बताया कि दूसरे लोक में एक समुदाय था जो नरक के समान था, लेकिन उसने जल्दी ही कहा

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

यह दावा करते हुए कि हमने यह समुदाय ईश्वर के कारण नहीं बल्कि अपनी आस्था प्रणाली के कारण बनाया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भगवान कभी नर्क नहीं बनाएंगे या अपने बच्चों को ऐसी जगह नहीं भेजेंगे। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग मानते हैं कि जीवन भर किए गए बुरे कामों के कारण वे नरक में जाएंगे, इसलिए वे वास्तव में अपनी मान्यताओं के कारण इस समुदाय की तलाश कर रहे हैं। कुछ बिंदु पर सभी आत्माओं को एहसास होगा कि उन्होंने यह जगह बनाई है, भगवान ने नहीं, और यह समुदाय अब अस्तित्व में नहीं रहेगा, जैसे भिखारियों और चोरों का समुदाय अब अस्तित्व में नहीं रहेगा जब आत्माओं को एहसास होगा कि जीने का एक बेहतर तरीका है।

देवदूत इको को बताता है कि स्वर्ग के प्रत्येक समुदाय में एक प्रशिक्षक के साथ एक कक्षा होती है जो आत्माओं को विकसित होने, बढ़ने और विकसित होने में मदद करती है।

फिल्मों का शौकीन इको पूछता है कि फिल्मी सितारे कहां रहते हैं। देवदूत कहते हैं कि उनका अपना समुदाय है, लेकिन उन्हें वहां रहना नहीं है।

यदि वे पृथ्वी पर रहते हुए अपनी पहचान छोड़ने और आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं, तो वे ऐसे समुदायों में रहेंगे जो उनकी मान्यताओं और उनकी चेतना या विकास के स्तर को दर्शाते हैं।

इको माइकल को यह कहते हुए सुन सकता था कि उसे अपने शरीर में वापस जाने की ज़रूरत है, लेकिन वह ऐसा नहीं करना चाहता था। वह वास्तव में स्वर्ग में रहना चाहता था, लेकिन माइकल और देवदूत दोनों ने उससे कहा कि उसे जाना होगा और वापस आना होगा। देवदूत ने सीधे उसकी आँखों में देखा और उससे कहा कि उसे केवल उसके लिए इस यात्रा पर जाने की अनुमति नहीं है, बल्कि उसे यह यात्रा इसलिए दी गई है ताकि वह इस ज्ञान को अधिक से अधिक लोगों के साथ साझा कर सके और इलाज में मदद कर सके। उनका मौत का डर. फिर, उसकी दाहिनी आंख के कोने में, इको ने एक चौड़ी सीढ़ी देखी। उत्सुकतावश, उसने देवदूत से पूछा कि सीढ़ी कहाँ जा रही है। देवदूत ने समझाया कि स्वर्ग में कई स्तर हैं और उच्चतम स्तर वह है जहां हम सभी की वास्तविकता समान है, जहां हम जानते हैं कि हम भगवान के साथ एक हैं।

Machine Translated by Google

इससे पहले कि इको अपने शरीर में लौटे, उसने देवदूत से एक आखिरी सवाल पूछा। क्या पत्थर की सड़कों वाला वह गाँव, जहाँ से उन्होंने अपनी यात्रा शुरू की थी, स्वर्ग का प्रवेश द्वार था?

देवदूत ने उत्तर दिया कि पूरे स्वर्ग में कई स्थान हैं जहाँ लोग आते हैं। उदाहरण के लिए, आने वाली कुछ आत्माएँ सीधे पिंक पेस अस्पताल जा सकती हैं। अन्य लोग अपनी चेतना के स्तर के आधार पर सीधे उद्भव के अन्य स्थानों पर जा सकते हैं।

उसके बाद, इको को वापस उसके शरीर में डाल दिया गया और भौतिक दुनिया में जागने के बाद, उसे एहसास हुआ कि वह बहुत थक गई थी।
उसका शरीर किसी चिथड़े की गुड़िया की तरह लग रहा था, इतना बेजान और कठोर, और उसे बोलने में 20 मिनट लग गए। एक घंटे पहले वह फिर से सामान्य महसूस कर सका, और जब वह अपने कमरे में गया, तो इको 12 घंटे तक सो गया।

1992 में आध्यात्मिक क्षेत्र की अपनी यात्रा के बाद, इको की क्षमता
आध्यात्मिक क्षेत्र में जाना और भी मजबूत हो गया। अपने अनुभवों से, उन्होंने आध्यात्मिक आयामों को सात स्तरों में वर्गीकृत किया, जिनमें उच्चतम स्तर ईश्वर के साथ एक होना था। प्राणी अपने विकास और चेतना के लिए उपयुक्त स्तर तक जाते हैं। इको के अनुसार सात स्तरों का वर्णन नीचे दिया गया है:

स्तर 1: इस आयाम में सभी आत्माएँ इतनी लीन हैं और चीजों के बीच किसी भी संबंध से अनजान हैं। चेतना स्थिरता पर केंद्रित है और वे जो चाहते हैं वही लेते हैं। अनुभव के इस स्तर पर आत्माएं भय का अनुभव करती हैं। हालाँकि इन आत्माओं के पास एक विवेक, एक आंतरिक आवाज़ है जो उन्हें सही या गलत बताती है, वे इस आवाज़ पर ध्यान देते हैं क्योंकि उनका मानना है कि कर्म उन पर लागू नहीं होता है। वास्तव में, यहीं से संपूर्ण कर्म चक्र शुरू होता है। अहतुन रे की आत्मा विकास की अवधारणा में, यह चरण अनाथ आत्माओं का निवास स्थान है।

लेवल 2: इको बताता है कि इस आयाम में आत्माएं धीरे-धीरे लोगों के सामने अपना दिल खोलना शुरू कर देती हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

और जानवर, लेकिन उनके भरोसे का स्तर अभी भी काफी कम है। वे इस संभावना को देखना शुरू कर देते हैं कि वहां मौजूद हर कोई उन्हें नुकसान नहीं पहुंचाएगा और दुनिया में अच्छाई के साथ-साथ उन सभी बुरी चीजों की भी संभावना है, जिनके बारे में वे तब जानते थे जब वे प्रथम श्रेणी की आत्माएं थीं। वे विश्वास करने की इच्छा और विश्वास न करने के बीच आगे-पीछे चलते रहते हैं और, दुर्भाग्य से, अपने लिए बहुत बुरे कर्म बनाना जारी रख सकते हैं। वे अक्सर ऐसे धर्मों में शामिल होते हैं जो नरक और अभिशाप के बारे में सिखाते हैं, जो शर्म और अपराध पर आधारित होते हैं। आत्माएँ अक्सर कई जन्मों तक इसी पैटर्न में फँसी रहती हैं।

स्तर 3: इस स्तर पर आत्माओं ने (कुछ भारी कर्म पाठों के माध्यम से) सही और गलत के बीच अंतर सीखा है। वे अपने सोचने के तरीके, महसूस करने के तरीके और दुनिया से जुड़ने के तरीके को बदलने की इच्छा महसूस करते हैं। वे नकारात्मक से अधिक सकारात्मक अवसर देखते हैं। तीसरे क्रम की आत्माओं को यह महसूस होने लगता है कि धर्म ने उन्हें जो सिखाया है, उससे कहीं अधिक उनके लिए कुछ है। वे सुरक्षित सीमाओं के दायरे में तलाश करते हैं। आत्माएं कर्म के नियम को समझने लगती हैं और यह महसूस करने लगती हैं कि वे अपने कार्यों के लिए जिम्मेदार हैं। इस आयाम में आत्माओं को अभी भी अपने अस्तित्व और अन्य आत्माओं के बारे में डर है, लेकिन वे लोगों के बीच मतभेदों की तुलना में समानता को अधिक देखते हैं।

स्तर 4: इस स्तर पर आत्माएं धार्मिक अभिविन्यास से अधिक सार्वभौमिक और आध्यात्मिक दर्शन की ओर बढ़ते हुए, सभी जीवित चीजों और ईश्वर की एकता को समझने के लिए संघर्ष करती हैं। भौतिक अस्तित्व में, इस स्तर पर आत्माएँ अधिक प्रश्न करना, किताबें पढ़ना या आध्यात्मिक यात्रा करना शुरू कर देती हैं। भौतिक लगाव और भौतिक इच्छाएं कम हो जाती हैं और जीवन के पाठों में ज्ञान की तलाश की जाती है। इको नोटिस करता है कि स्तर 4 पर आत्माओं में अभी भी कर्म हैं, वे अभी भी शोक मना सकते हैं और अभी भी पुनर्जन्म प्रक्रिया से गुजर रहे हैं।

Machine Translated by Google

स्तर 5: इको स्तर 5 को निर्वाण की शुरुआत के रूप में वर्णित करता है, जहां आत्माएं बहुतायत को समझती हैं, भगवान के साथ अपने रिश्ते को जानती हैं और पूरी मानवता के लिए जिम्मेदारी की भावना रखती हैं। आत्माएं अब ईश्वर या दूसरों को दोष नहीं दे रही हैं, प्रतिस्पर्धा या विद्रोह के माध्यम से दिखाई गई अपरिपक्वता का समाधान हो गया है, इसलिए अभाव या प्रतिबंध की कोई भावना नहीं है। इस स्तर पर स्थितियाँ बहुत सुंदर प्राकृतिक दृश्यों के साथ सुंदर हैं। वहाँ प्रेम, शांति और शान्ति भी है। इस अस्तित्व में एक तरल विशेषता है, हालाँकि अभी भी तीव्रता है। इको का कहना है कि पांचवें स्तर की आत्माएं जानती हैं कि पृथ्वी के जीवन को अवशोषित करना आत्माओं के लिए कितना उपयोगी हो सकता है, और वे चौथे स्तर की आत्माओं को सिखाते हैं कि पुनर्जन्म कैसे न लेना पड़े।

पाँचवें स्तर की आत्माएँ स्वर्गदूतों की तरह हो जाती हैं, जिन्होंने पृथ्वी से अपना लगाव छोड़ दिया है और ईश्वर चेतना के करीब, उच्च लोकों में "सेवानिवृत्ति" की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

वैसे, अहतुन रे ने एक बार संकेत दिया था कि यीशु 5वें स्तर से आए थे जब उन्होंने 2,000 साल पहले अपना मंत्रालय शुरू किया था और अब वह पहले से ही उच्च लोकों में संक्रमण की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं।

स्तर 6: इको बताता है कि इस स्तर पर, आत्माएँ ईश्वर के हृदय में गहराई तक चली गई हैं, और ईश्वर के बारे में पूरी तरह से जान गई हैं। स्तर 6 की आत्माएँ प्रसन्न अवस्था में रहती हैं, और उनका कहना है कि पृथ्वी पर उनके जैसा कोई नहीं है।

स्तर 7: इस स्तर पर, इको आत्माओं को ईश्वर के समान बताता है, क्योंकि वे ईश्वर और अन्य आत्माओं के साथ एक हैं। इको नोट करता है कि इस चरण में आत्माएं सही अर्थों में अंतिम चरण में पहुंच चुकी हैं।

एक बार फिर, मैं मुझे साझा करने की अनुमति देने के लिए इको को धन्यवाद देना चाहता हूं
आपके साथ उसका अनुभव. आप

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

आप इको और उसके काम के बारे में उसकी वेबसाइट www.echobodine.com पर अधिक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं

अब, मैं जूडी गुडमैन के अनुभवों पर चर्चा करना चाहूंगा, एक मानसिक और आध्यात्मिक शिक्षक जो विभिन्न आध्यात्मिक आयामों से भी यात्रा कर सकता है। जैसा कि पहले उल्लेख किया गया है, जूडी ने साझा किया कि वह एक ही समय में भौतिक और आध्यात्मिक दोनों दुनियाओं में रह सकती है। जूडी ने नीचे उद्धृत कथा लिखी है और मैं इस योगदान के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूं। आध्यात्मिक दुनिया के बारे में जूडी का वर्णन इको के अनुरूप है, हालाँकि इसमें कुछ अंतर हैं।

इको का मार्गदर्शन करने वाले देवदूत ने कहा कि स्वर्ग में कई प्रवेश द्वार हैं और आध्यात्मिक दुनिया के हर स्तर पर कई समुदाय हैं, जो मेरे पिता के घर के कथन के अनुरूप है कि कई घर हैं।

"

यीशु, महान।" इसलिए, यह उम्मीद की जानी चाहिए कि विभिन्न आध्यात्मिक दुनिया के आगंतुकों के पास अलग-अलग अनुभव और धारणाएं हो सकती हैं। आइए अब जूडी की कहानी पर आगे बढ़ें।

जूडी गुडमैन: आध्यात्मिक दुनिया की गतिशीलता

मैं कुछ "अन्य क्षेत्रों" की गतिशीलता में जाना चाहता हूं, लेकिन पहले मुझे कुछ चीजें बिल्कुल स्पष्ट कर देनी चाहिए। विश्वास प्रणाली कुछ भी कहे; आपके धर्म ने आपको जो कुछ भी सिखाया है कि आपकी मृत्यु के समय आपको क्या सामना करना पड़ेगा; इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप किस सिद्धांत में विश्वास करते हैं; यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा आप अनुभव करेंगे। जबकि "दूसरी दुनिया" में विकास और अनुभव के विभिन्न स्तर हैं, प्रत्येक स्तर आपका अपना अनुभव होगा, जो सीधे आपकी आध्यात्मिक आवश्यकताओं से संबंधित है।

शायद ये निजी कहानी आपको ये समझने में मदद करेगी. मेरी दादी बहुत धार्मिक महिला थीं; उनका चर्च उनके पूरे जीवन का केंद्रीय हिस्सा है। "परलोक" में वह क्या बनेगा, इसके बारे में उसकी मान्यताएँ बहुत मजबूत और स्पष्ट हैं। अपने जन्म के बाद से, मैंने भौतिक दुनिया और आध्यात्मिक दुनिया दोनों पर कदम रखा है।

Machine Translated by Google

इससे मुझे स्थितियों की जांच करने और इस बात की बेहतर समझ प्राप्त करने की अनुमति मिली कि जब हमारे प्रियजनों की मृत्यु हो जाती है तो क्या होता है। मैं अपनी दादी की दूसरे लोक की यात्रा की जाँच करने और यह देखने में सक्षम था कि उनका अनुभव कैसा था; इससे मुझे पता चल जाता है कि क्या वह ठीक है।

जब मैंने अपनी दादी को दूसरे लोक में जाते देखा, मैंने ठीक वैसा ही अनुभव किया जैसा उनकी धार्मिक शिक्षाओं ने कहा था कि वैसा ही होगा। उसने वह सब कुछ देखा, महसूस किया और अनुभव किया जिस पर वह विकसित हुआ था और विश्वास करता था, परिवार और पुराने दोस्तों ने उसका स्वागत किया। आराम करने के बाद, और उसे यह सोचने का मौका मिला कि उसके साथ क्या हुआ था, उसने चारों ओर देखा, अपना सिर हिलाया और कहा, "मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि मैंने ऐसा किया है।"

उस समय वह धीरे-धीरे हमें किस चीज का ज्ञान कराता है सभी के पास है, उसे याद है कि वह वास्तव में कौन है। वह "प्रकाश" में चला गया है और उसे अपने जीवन और उसमें मौजूद सभी चीजों को फिर से जांचने का अवसर मिला है।

यदि उसे लगता है कि उसने कोई गलती की है, तो उसे इसे सुधारने के तरीके के रूप में पुनर्जन्म पर विचार करने का अवसर मिलेगा। यदि उन्होंने अच्छा जीवन जिया होता और दोबारा पुनर्जन्म लेकर मानवता के लिए योगदान देना चाहा होता तो यह भी एक विकल्प हो सकता था।

अन्य क्षेत्रों में विकास के सात चरण हैं, लेकिन जब हम जहां से आए हैं वहां लौटने पर उपलब्धि का कोई "सही" या "गलत" स्तर नहीं होता है।

जैसा कि हमारे भौतिक जीवन में होता है, हममें से प्रत्येक एक अलग दृष्टिकोण से चीजों को प्राप्त करने के लिए संघर्ष करता है। मेरा मानना है कि आप इस बात से सहमत होंगे कि सिर्फ इसलिए कि कोई इस जीवन में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बन गया है इसका मतलब यह नहीं है कि वह अन्य मनुष्यों की तुलना में "बेहतर" है।

हमारा विकास, शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से, उस स्वतंत्र इच्छा का एक आदर्श उदाहरण प्रतीत होता है जिसके साथ हम पैदा हुए हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप आध्यात्मिक उपलब्धि के किस स्तर तक पहुँचते हैं, आप अन्य सभी के बराबर हैं।

Machine Translated by Google

स्तर एक: नया श्वेत प्रकाश क्षेत्र

इस दायरे में नई आत्माएं शामिल हैं - वे लोग जो अभी-अभी पार हुए हैं।
(इसका मतलब नव निर्मित आत्माओं से नहीं है, बल्कि उन लोगों से है जो हाल ही में आत्माओं में वापस आए हैं।) आपको ऐसे लोग मिलेंगे जो जाने या आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं, या तो प्रकाश की ओर या अंधेरे के कंपन की ओर। आपको जो चाहिए/चाहिए उससे अधिक अंधकार का आप पर कोई अधिकार नहीं होगा और यह आपके विश्वास प्रणाली और आध्यात्मिक व्यवहार पर भी आधारित होगा। यह स्थान उन लोगों के लिए कपड़े धोने की जगह के रूप में भी काम करता है जो अपने धर्म में इस पर विश्वास करते हैं।

यहां कोई सजा नहीं दी जा रही है, लेकिन कभी-कभी भटकाव/
लक्ष्यहीन प्रकृति ऐसा महसूस कर सकती है। उन लोगों के लिए जो पूरी तरह से आध्यात्मिक क्षेत्र में नहीं पहुंचे हैं, पृथ्वी से जुड़ी आत्माएं भी इस स्तर पर होंगी।

पृथ्वी से जुड़ी आत्मा अक्सर किसी स्थान के निकट ही रहती है वे घर के रूप में जानते हैं. कुछ लोग शायद पीढ़ियों तक वहाँ सोते रहेंगे और उनकी ऊर्जा का उपयोग दूसरों की मदद करने के लिए किया जा सकता है। जब इस क्षेत्र में ऊर्जा का उपयोग किया जाता है, तो यह आत्म-बलिदान का कार्य नहीं है, बल्कि दूसरों के लाभ के लिए ऊर्जा का उपयोग है। इस ऊर्जा के उपयोग को उच्च आत्माओं द्वारा ऊर्जा के उपयोग के साथ भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए।

उन लोगों के लिए जिन्होंने अवतार लेने का निर्णय लिया है और अपनी यात्रा के लिए तैयार हो रहे हैं, वह तैयारी यहां होती है।
जो लोग निकट भविष्य में पुनर्जन्म ले रहे हैं वे शायद ही कभी इस स्थान से ऊंचे स्थान पर जाएंगे। अधिकांश लौटने वाली आत्माएँ कहेंगी कि वे यहाँ थीं, वह सब कुछ जो उन्होंने कभी जाना है। कभी-कभी कुछ लोग ऐसे होते हैं जो अपना सारा ज्ञान लेकर वापस आते हैं; ये मास्टर हैं.

जीवन एक अवसर है! यदि हम इसे स्वीकार करना चुनते हैं तो प्रत्येक अनुभव हमें कुछ न कुछ सिखाएगा।
कभी-कभी हमें आश्चर्य होता है कि चीज़ें इतनी कठिन क्यों हैं,

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

लेकिन हम अपनी जरूरत की हर चीज को आकर्षित करते हैं ताकि हम सीख सकें और बढ़ सकें। हम जो जीवन जीते हैं उसे चुनते हैं और हम सभी इसका हिस्सा बन जाते हैं! कुछ मायनों में, जीवन एक परीक्षा लेने जैसा है और यदि हमें पहले उत्तर पता हैं, तो हमें उन्हें क्यों लेना चाहिए?

यह आंशिक रूप से इस बात का उत्तर है कि क्यों, चेतना के निचले स्तर पर, हम अपने पास मौजूद सारा ज्ञान भूल जाते हैं। हमारा "उच्चतर स्व" उच्चतम ज्ञान और सत्य से जुड़ा रहेगा।

यह सभी लोकों में सबसे व्यस्ततम क्षेत्र है। इस क्षेत्र की देखरेख करने वालों के लिए त्वरित निर्णय लेने की आवश्यकता होगी। देवदूत इस स्थान पर घूमते हैं और पृथ्वी पर आते-जाते हैं। प्राचीन जनजातियों की आत्माएँ और महादूत देवदूत यहाँ बहुत गतिविधियाँ करते हैं। इस क्षेत्र में कई "पुरावशेष/प्राचीन इमारतें" हैं। ये प्राचीन इमारतें आराम करने की जगह के साथ-साथ पोषण और आत्मा को जो भी भावनात्मक समर्थन की आवश्यकता हो सकती है, प्रदान करती हैं। इस स्तर पर, आत्मा इन चीज़ों को स्वयं प्राप्त करने में असमर्थ है।

ये अनोखे विश्राम स्थल आकाश के अंधेरे हिस्सों में लटके हुए हैं और सितारों की तरह दिखते हैं; उन्हें किसी ऐसी आत्मा द्वारा हिलाया या बदला नहीं जा सकता जो दूसरे को नियंत्रित करना या घायल करना चाहती हो।

इस स्थान पर आत्मा के पास रहने के लिए पर्याप्त शक्ति नहीं है स्वतंत्र। कई मायनों में, आपको प्रवाह के साथ चलना होगा क्योंकि आप अन्यथा करने के लिए पर्याप्त मजबूत नहीं हैं। इस स्तर पर, आप महसूस नहीं कर सकते, सूंघ नहीं सकते, या स्वाद नहीं ले सकते। यहां हम भौतिक शरीर से संबंधित व्यवहार का अनुभव नहीं करते हैं, लेकिन फिर भी पिछले जन्मों से भावनात्मक या मानसिक घाव/दर्द से चिपके रह सकते हैं। आत्मा अधिकतर पारदर्शी और कभी-कभी पहचानने योग्य प्रतीत होती है; हम आत्मा/आत्मा हैं-भौतिक/अभौतिक नहीं।

यदि हमने ऐसा जीवन जीया है जिसमें बहुत दर्द और चोट आई है दूसरों के लिए, अगर हमने अपनी मृत्यु से पहले इन बातों का ध्यान नहीं रखा है, तो हमारे जीवन के फ्लैशबैक में दर्द सात बार महसूस किया जाएगा।

जब आप जीवित होते हैं और आपके पास भौतिक शरीर होता है, तो दुख होता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

तुम सारे शरीर पर बिखर जाओगे। यह किसी बीमारी का हिस्सा हो सकता है या आपकी मृत्यु का कारण हो सकता है। जब आपके पास दर्द सहने के लिए भौतिक शरीर नहीं रह जाता है, तो भावनाएँ और भावनाएँ ही आपके पास बचती हैं। हालाँकि, हमें हर समय चीजों को बदलने और अपने लिए बेहतर बनाने के लिए मार्गदर्शन और सलाह मिलती रहती है। "अन्य क्षेत्र" में समय का अस्तित्व नहीं है, आत्मा को परिवर्तन करने में लगने वाले समय के बारे में आवश्यक रूप से जागरूकता नहीं होती है।

यहां यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि सिर्फ इसलिए कि किसी व्यक्ति का जीवन आघातपूर्ण हो सकता है, इसका मतलब यह नहीं है कि उनका पारगमन दर्दनाक होगा या उनका पुनर्जन्म अन्य आत्माओं की तुलना में कम उत्कृष्ट होगा। किसी के जीवन में आघात आत्मा का माप नहीं है, हमारे विकास का वास्तविक संतुलन एक से अधिक जीवनकाल पर आधारित है।

स्तर दो: एन्जिल्स और अभिभावकों का क्षेत्र

अब हम सुंदर घर, मठ या उत्सव के स्थान देखना शुरू कर रहे हैं। प्रत्येक इमारत आश्चर्यजनक होगी और पृथ्वी और संभवतः शेष ब्रह्मांड में प्रचलित लगभग किसी भी धर्म, या विश्वास प्रणाली को प्रतिबिंबित करेगी।

जब देवदूत विश्राम करना चुनेंगे, तो उनका स्थान यहीं होगा। उनके लिए विकास के सभी स्तरों तक यात्रा करना आम बात है; लेकिन वे अधिकतर स्तर दो और पृथ्वी के बीच चलते हैं। किसी आत्मा की मदद के लिए अपने "अस्तित्व" का त्याग करना उनके लिए असामान्य नहीं था। यह कब्जे के मामलों में विशेष रूप से सच है।

यह शांति का स्थान था और किसी को कोई खतरा नहीं होगा
यहां पर संतुष्टि कम ही मिल पाती थी। अधिकांश मामलों में, आत्माएं हमेशा काम पर रहती हैं, अन्य प्राणियों की मदद करने की कोशिश करती हैं। यह वह स्थान था जहां पहले स्तर के लोगों के साथ-साथ प्राणियों की मदद करने के लिए एक बड़ा प्रयास किया गया था

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

पृथ्वी पर भौतिक; यह उन लोगों के लिए भी बहुत अच्छा काम है जो धार्मिक मान्यताओं में "नरक" के रूप में वर्णित अनुभव का स्तर एक पर हो सकते हैं।

आपको यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि यदि आपको इस अनुभव की आवश्यकता है, तो इसके कई स्तर भी हैं।

यहां के रक्षक मध्यवर्ती शक्ति और ज्ञान वाले हैं। उनके पास अभी भी सीखने और विकसित होने के कई अवसर हैं। सिर्फ इसलिए कि हम आत्मा में वापस आ जाते हैं इसका मतलब यह नहीं है कि हम अपने उच्चतम ज्ञान का उपयोग कर सकते हैं। कई मामलों में, जो लोग भौतिक क्षेत्र में हमारे साथ चलने की अनुमति प्राप्त करते हैं, वे सीखने और विकसित होने के एक तरीके के रूप में ऐसा करते हैं।

यह जानना आश्चर्यजनक है कि हम अकेले नहीं रहते हैं, यह आपको यह याद दिलाने का भी एक अच्छा अवसर है कि जब आप "रक्षक", "आध्यात्मिक मार्गदर्शक" या "आध्यात्मिक परामर्शदाता" शब्द सुनते हैं तो अपने दिमाग का उपयोग करें।

सृष्टिकर्ता ने अपूर्ण आत्माएँ नहीं बनाईं; हममें से प्रत्येक के भीतर हमारे द्वारा पूछे गए सभी प्रश्नों का उत्तर निहित है। वहाँ "रक्षक," "शिक्षक," और "मार्गदर्शक आत्माएँ" हैं जो अन्य लोकों से आएंगी।

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपके बगल में कौन है, आपको हमेशा अपनी कार्रवाई का फैसला खुद करना चाहिए क्योंकि आप जो विकल्प चुनते हैं उसके लिए आप जिम्मेदार हैं। ये महान आत्माएँ अपनी शक्तियों का उपयोग कमज़ोरों और डरे हुए लोगों की मदद करने के लिए करती थीं। फिर, इस स्तर पर, हमें कई "प्राचीन इमारतें" मिलती हैं जो उन लोगों के लिए आश्रय और आराम प्रदान करती हैं जिन्हें इसकी आवश्यकता है।

स्तर तीन: परिषद या निर्णय लेने का क्षेत्र

यह एक बहुत ही उत्पादक स्थान है और कुछ ऐसे लोगों का घर होगा जो कुछ भी नहीं करना पसंद करते हैं। क्योंकि जो लोग कम उलझे हुए रास्ते को चुनते हैं, उन्होंने कहीं न कहीं इस अनुभव को जीने का अधिकार अर्जित कर लिया है। ऐसा कहीं नहीं लिखा है कि आपको हर समय व्यस्त रहना है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जब कोई आत्मा इस अवस्था में पहुँचती है और "आराम लेने" का निर्णय लेती है, तो यह आमतौर पर लंबे समय तक नहीं रहता है। आप फिर से व्यस्त होने का निर्णय लेने से केवल एक क्षण पहले ही एक आदर्श जीवन जी सकते हैं। यह शानदार घरों, ज्ञान की महान सुविधाओं, शानदार बगीचों और शक्तिशाली शक्तियों का स्थान है।

बड़ा।

कभी-कभी हम ऐसी आत्माओं से मिलते हैं जिनका बहुत लंबे समय से पुनर्जन्म नहीं हुआ है और हो सकता है कि उनका मानवीय जरूरतों से संपर्क टूट गया हो। आम तौर पर
ये एक "परिषद" के सदस्य हैं। कभी-कभी लेवल दो की आत्माएँ होती हैं
जो परिषदों में काम करने आते हैं।

हालाँकि इससे उन्हें ऐसा लगता है जैसे वे सेवा में हैं, यह उनके बढ़ने का तरीका है
मजबूत हो रहा है. यह विकास की प्रक्रिया में एक महान आत्मा का लक्षण है।

जब एक "परिषद" उन सदस्यों से बनी होती है जिनका पुनर्जन्म नहीं हुआ है
बहुत लंबे समय तक, उन्हें अपने स्वयं के आगे के विकास की क्षमता देखने के लिए सहायता की आवश्यकता हो सकती है। इस घटना में, एक घटना इस तरह से घटित होगी जिससे उन्हें यह देखने का मौका मिलेगा कि उनका दृष्टिकोण और दूसरों की मदद करने की क्षमता कितनी संकीर्ण हो गई है। जब यह आवश्यकता उत्पन्न होती है, तो वे अक्सर दुनिया भर में व्याख्यान, प्रशिक्षण और अन्य विकास प्रक्रियाओं को सुनते हुए पाए जाते हैं। दुर्भाग्यवश, हमारे लिए अभी भी यह संभव है कि हम आत्मसंतुष्ट हो जाएं और इसका अर्थ क्या है इसकी थोड़ी सी समझ खो दें। यह प्रक्रिया बहुत पुरानी आत्माओं के अंतिम विकास में सहायता कर सकती है (इस संदर्भ में "बूढ़ी" का अर्थ है कि उनका कई बार पुनर्जन्म हुआ है और उनके भीतर बहुत अधिक विकास हुआ है)।

इस स्तर पर, एक आत्मा में अपनी पसंदीदा छवि को बनाए रखने की क्षमता होती है। कई मामलों में, आत्माएं किसी ऐसे व्यक्ति की तलाश में होंगी जो जीवनकाल में उनके लिए बहुत मायने रखता हो।
गंध और स्वाद की इंद्रियाँ भी फिर से प्रकट हो गई हैं! जबकि अधिकांश

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

एक रूप बनाए रखें, आप उन लोगों को भी देख सकते हैं जो किसी विशेष रूप या रूप के बिना अपने ऊर्जा केंद्र में घूमते हैं। कभी-कभी जब हम इन आत्माओं को पृथ्वी के करीब आते देखते हैं, तो हम उन्हें प्रकाश की "गेंदों" के रूप में देख सकते हैं। याद रखें कि कोई भौतिक शरीर नहीं हैं, केवल ईथर शरीर हैं।

स्तर चार: शांति का क्षेत्र

शांति के दायरे में "मास्टर शिक्षकों," "रक्षकों" और "मार्गदर्शक आत्माओं" को पढ़ाने के लिए स्कूल हैं। यहां हमें शिक्षा के लिए विशेष स्कूल मिलेंगे

"पुरानी आत्माएँ" और "संत" लौटें। कभी-कभी हमें लगता है कि सीखने के लिए कुछ भी नया नहीं है और तभी हमें पता चलता है कि विचार करने और फिर से सीखने के लिए कितना कुछ है। जब हम किसी आत्मा को "बूढ़ी" कहते हैं तो इसका मतलब यह नहीं है कि वे अलग-अलग समय पर बनाई गई थीं, जो उन्हें पुरानी बनाती है। "बूढ़ा" शब्द का प्रयोग उन लोगों के लिए वर्गीकरण शब्द के रूप में किया जाता है जो पुनर्जन्म लेते रहते हैं और बढ़ते रहते हैं। कुछ लोग अक्सर सभी आत्माओं में सबसे नम्र, सबसे प्यारे और दयालु होते हैं। जब इन विशेष आत्माओं में से कोई आपके रास्ते पर मिलती है, तो आप अक्सर उनकी उपस्थिति से धन्य हो जाएंगे।

आप उनके द्वारा लाई गई ऊर्जा को महसूस करेंगे और समझ नहीं पाएंगे कि कुछ समय के लिए उनसे मिलने के बाद आप इतना बेहतर क्यों महसूस करते हैं।

वे अपने पास मौजूद विशेष उपहारों और क्षमताओं के लिए ध्यान नहीं चाहते या चाहते हैं।

कुछ कक्षाओं में, इस स्तर पर, नकल करने के लिए स्थितियाँ बनाई जाती हैं वास्तविक भौतिक स्तर पर अस्तित्व। प्रशिक्षण के इस स्तर पर लोग वास्तविक भौतिक शरीर की सभी संवेदनाओं को महसूस करेंगे।
वे उस दर्द, भूख, वासना और उन सभी भावनाओं को महसूस करेंगे जो आप और मैं आज महसूस कर रहे हैं। यदि वे परीक्षा उत्तीर्ण कर लेते हैं, और परीक्षा बहुत कठिन है, तो उन्हें "शिक्षक" और "ग्रैंड काउंसलर" बनने की अनुमति दी जाती है। यह कभी-कभी असुविधाजनक हो सकता है और उनके द्वारा चुने गए कार्य में उच्चतम स्तर की सत्यनिष्ठा और सम्माननीयता की आवश्यकता होती है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

लेवल चार और पांच के बीच अध्ययन के लिए एक उत्कृष्ट जगह है। इस स्थान को "शानरा" के नाम से जाना जाता है। एक समय में, इनमें से कई स्कूल थे, लेकिन अब केवल एक ही उपयोग में है। मुझे यकीन नहीं है कि यह सच है या यह बदल सकता है। इस अनूठे वातावरण में बहुत कम आत्माएँ सीखती हैं। यह एक ऐसा स्थान है जहां आत्मा मनुष्य के संपूर्ण इतिहास के बारे में सभी स्तरों पर सीखेगी।

लेवल चार में कोई भ्रम नहीं है, केवल शांति, आनंद और सुंदरता की सबसे असाधारण अनुभूति की कल्पना की जा सकती है। इस स्तर पर बहुत सारी उत्कृष्ट आत्माएँ हैं। कुछ लोग शांतिपूर्ण और शांत जीवन का आनंद लेते हैं और पुनर्जन्म लेना नहीं चुनते हैं। अतीत में उनके द्वारा किए गए काम के कारण उन्हें यह विकल्प चुनने की अनुमति है।

भले ही यह विकल्प चुना गया हो, फिर भी कई लोग अन्य स्तरों, अन्य आयामों और पृथ्वी पर असाधारण कार्य करना जारी रखते हैं। ऐसी बहुत सी आत्माएं हैं जो कई स्तरों पर काम कर रही हैं, आत्म-संतुष्टि की भावना की तलाश में हैं, और पुनर्जन्म न लेने का विकल्प उनकी यात्रा में मदद मांगने वाले अन्य लोगों के लिए आवश्यकता या असंतुलन पैदा नहीं करता है।

स्तर पाँच: शयन क्षेत्र

इस क्षेत्र को प्रायः कई नामों से जाना जाता है। यहां रहने वाली सभी आत्माएं प्रतिभाशाली और संवेदनशील हैं। वे आत्माएं हैं जो चमत्कार करने के लिए पृथ्वी और अन्य आयामों की यात्रा करती हैं। ये "चिकित्सक" हैं और वे सभी चीज़ों से अवगत हैं - अतीत, वर्तमान और भविष्य।

यहां कई आत्माएं सोती हैं और निचले लोकों में काम करने वालों को अपनी ऊर्जा प्रदान करती हैं। यहां की आत्माएं उन चीजों के लिए महान बलिदान करती हैं जिन पर वे विश्वास करती हैं। जब मैं कहता हूं "जिन चीजों पर वे विश्वास करते हैं", तो इसका मतलब किसी ऐसे धर्म या विश्वास प्रणाली से नहीं है जो स्वयं पृथ्वी से संबंधित है। यह मानवता में विश्वास और आत्मा का सबसे बड़ा संरक्षण है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

"आत्मा" में जानबूझ कर आत्मा के अलावा कोई अंतर नहीं है
स्वयं को उनकी विकासात्मक प्रक्रिया के भाग के रूप में उजागर करता है। आत्मा, अपने वास्तविक रूप में, पृथ्वी पर मौजूद आत्मा से कोई तुलनीय अंतर नहीं रखती है। वास्तव में, हम सभी समान हैं, हम सभी समान हैं।

ऐसे कुछ ही शब्द हैं जो हम जानते हैं, जो इस जगह की सुंदरता का वर्णन कर सकते हैं। आत्मायें अपने लिये द्वीप बनायेंगी; कुछ के पास अद्भुत घर होंगे और हर जगह सबसे अविश्वसनीय संगीत होगा। स्वाद और गंध के अनुभव भी उपलब्ध हैं और इस स्तर पर शायद ही कभी उपयोग किए जाते हैं। किसी भी अन्य अनुभव की तुलना में सृष्टिकर्ता के साथ कहीं अधिक गहरी समझ और संबंध है। जिस तरह से भौतिक शरीर में रहते हुए सृष्टिकर्ता की कल्पना की जाती है वह उच्चतम चेतना के साथ विलय की खुशी से बहुत दूर और अतुलनीय है।

यह प्रकृति में महसूस किया जाने वाला प्रेम और शांति है जिसकी हम चाहत रखते हैं, बिना यह जाने कि हमें क्या आकर्षित करता है। कभी-कभी हम ऊब की भावना, किसी जगह की चाहत और ऐसी भावना का अनुभव करते हैं जिसका हम वर्णन नहीं कर सकते और याद नहीं कर सकते। सिर्फ इसलिए कि एक आत्मा इस स्तर पर है, इसका मतलब यह नहीं है कि वे फिर से निचले स्तरों पर चुनौतियों से गुजरना नहीं चुनेंगे। कभी-कभी एक आत्मा जितनी अधिक विकसित होती है, उतनी ही अधिक बार वह इन सभी चुनौतियों से बार-बार गुजरती है।

वास्तव में, ऐसा चुनाव करने में बहुत समझदारी है।

इस स्तर पर, बीच में बहुत अधिक संचार होता है
परिवार. यहां इस्तेमाल किया गया शब्द "परिवार" आवश्यक रूप से उन लोगों को संदर्भित नहीं करता है जिनके साथ आप अभी काम कर रहे हैं। हममें से कुछ लोग वास्तव में एक ही परिवार समूह में पुनर्जन्म लेते हैं, हमारे परिवार की आत्माएं सबसे सच्चा रिश्ता हैं जिसे हम जानते हैं। इससे यह समझाने में मदद मिलेगी कि हममें से कुछ लोग उन लोगों से जुड़ाव क्यों महसूस करते हैं जिनसे हम मिलते हैं और महसूस करते हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

एक त्वरित पहचान अनुभूति. इन रिश्तों पर अत्यधिक प्रयुक्त शब्द "सोल मेट" का प्रयोग न करें। वास्तव में, यह उस सब से परे है।
स्तर पाँच सभी क्षेत्रों में सबसे व्यापक है!

स्तर छह: सृजन क्षेत्र

अन्य स्तरों पर महसूस किया जाने वाला प्रेम और शांति यहां की तुलना में कहीं अधिक है। महज़ एक एहसास या अनुभव की गई किसी चीज़ से ज़्यादा, यह एक ऐसा अस्तित्व बन जाता है जो आत्मा और सभी चीज़ों के साथ एक हो जाता है।

जब आप इस जगह की ऊर्जा को देखते हैं, तो ऑरोरा बोरेलिस की तुलना इसकी तुलना में थोड़ी ही की जा सकती है। इसमें इतने सारे मिश्रित स्वर और रंग कंपन हैं कि यह लगभग मृगतृष्णा देखने जैसा है।

उदाहरण के लिए, जब आप एक फूल देखते हैं, यदि आप उसकी पंखुड़ियों को छूने की कोशिश करते हैं तो आप फूल का हिस्सा बन जाएंगे। फूल तब तक तरल जैसा महसूस होता है जब तक आपका हाथ ऐसा महसूस नहीं करता कि वह उसमें प्रवेश कर रहा है। हमारे "आत्मा" रूप में हमारे पास भौतिक शरीर नहीं है, लेकिन इस स्तर से, आपके पास पहले वाले शरीर के समान रूप बनाए रखने की क्षमता है।

आप अपनी शारीरिक उपस्थिति की तस्वीर पेश कर सकते हैं या आप अपनी शुद्ध ऊर्जा के रूप में हो सकते हैं।

इस स्तर पर सारी महानता, ऐश्वर्य, बस एक विचार मात्र दूर है।
हमारी सोच हमेशा हमारी वास्तविकता रही है, लेकिन यहां यह अपने शुद्धतम रूप में व्यक्त और निर्मित होती है। हालाँकि हवेलियाँ, इमारतें और मठ यहाँ पाए जा सकते हैं, लेकिन वे आवश्यकता के बजाय महज़ चाहत के प्रतिनिधि हैं।
इस जगह से आपको ज्यादा कुछ नहीं चाहिए, लेकिन हर चीज का अनुभव आपको मिल जाता है।

इसकी तुलना में, स्तर छह और सात सबसे छोटे थे।
यहां, आपको कई "मास्टर स्तर के शिक्षक" मिलेंगे। यह जानना दिलचस्प है कि हम इन महान आत्माओं के लिए विश्राम स्थल ढूंढते हैं, लेकिन शायद ही कभी ऐसा होता है

Machine Translated by Google

वहां पाया गया. उनके पास आराम करने या मानवता के लिए योगदान देने के बीच एक विकल्प है। कहने की जरूरत नहीं है, उनमें से ज्यादातर बाहर काम कर रहे हैं। यह बस एक निवास स्थान है, उन आत्माओं के लिए एक विश्राम स्थान है जो उन सभी के लिए नई संभावनाएं बनाने में व्यस्त हैं जिन्हें सहायता की आवश्यकता है। आप पाएंगे कि लगभग सभी विश्वास प्रणालियों के धार्मिक प्रतीकों ने यहां समय बिताया है।

इस जगह से एक से बढ़कर एक काम हो रहे हैं
एक ही समय में आयाम और एक से अधिक स्तर।

शायद आप "समानांतर स्थान और एक साथ समय" शब्द को समझेंगे। यह पहुंचने के लिए एक दिलचस्प जगह लगती है और आप उम्मीद कर सकते हैं कि यह जल्द ही पहुंच जाएगी, लेकिन इस पर भी विचार करें... जब आप विभिन्न आयामों और एक से अधिक स्तरों पर काम कर रहे हैं, तो यह एक बड़ी चुनौती पैदा करता है जो आपके सामने होगी सामना करने के लिए। अपनी सत्यनिष्ठा को कई गुना बढ़ाएँ। आप प्रत्येक स्थिति के लिए अलग-अलग पैरामीटर बनाएंगे. कोई भी व्यक्ति सफलता या विफलता के लिए अलग-अलग संभावनाएँ क्यों सूचीबद्ध करना चाहेगा?

यह सच है कि हर जीवनकाल में असफलता की संभावना होती है, लेकिन इसका मतलब यह भी है कि असाधारण काम करने के लिए समान संख्या में अवसर मिलते हैं। विकास के इस चरण से, आत्मा को अपने हर काम में महान उपलब्धियों का अनुभव होने की अधिक संभावना होती है।

याद रखें कि यही सृजन का स्तर है! इस जगह से
महान खोजों का जन्म हुआ। आत्मिक संगीत इंद्रधनुष की तरह रंगीन ऊर्जा प्रवाह के विभिन्न स्तरों के माध्यम से बनाया और नीचे की ओर भेजा जाता है। किसी गंभीर बीमारी के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित उपचार को बड़ी ऊर्जा के साथ तैयार और वितरित किया जाता है, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक जानकारी पहुंच सके।

ये रचनाएँ इस तरह से वितरित की जाती हैं ताकि किसी भी जाति, रंग, विचारधारा, मूल या राष्ट्रीयता की कोई भी आत्मा जानकारी का कोई भी हिस्सा प्राप्त कर सके। इससे यह समझाने में मदद मिलती है कि कितने लोग

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

ऐसा प्रतीत होता है कि देश एक ही चीज़ की खोज कर रहे हैं, लेकिन विभिन्न चरणों में। आविष्कार उन सभी को भेजे जाते हैं जो उन्हें प्राप्त कर सकते हैं। इसे प्राप्त करने और अनुवाद करने की हमारी क्षमता के आधार पर, हम इसे अपने "सपने" के अनुसार आगे बढ़ाते हैं।

स्तर सात: एकता क्षेत्र

यह सृष्टिकर्ता के साथ "मिलन" का स्थान है, यही वह शब्द है जिसे हम समझते हैं। इस स्तर से, हमारे पास सभी चीज़ों को देखने, सभी चीज़ों को सुनने और जो कुछ भी हम चुनते हैं उसका अनुभव करने की क्षमता होती है। इस स्थान से आपको विशाल आकाशगंगाएँ दिखाई देंगी; आप अलग-अलग समय-सीमाएं और कई क्रॉस-आयामी कार्य देखेंगे। आपको बहुत कम घर या बड़ी इमारतें मिलेंगी; बहुत कम बेकार काल्पनिक चित्र। इस जगह की आत्माएं अपने समय और ऊर्जा का अधिकांश हिस्सा पूरी सृष्टि में योगदान देती हैं - यहां तक कि पृथ्वी के दायरे से परे भी। कुछ लोग सदियों तक निष्क्रिय पड़े रहेंगे और अपना सब कुछ दूसरों की भलाई के लिए दे देंगे। अधिकांश ऐतिहासिक शिक्षाएँ और प्रमुख धर्म इसी स्तर से आए हैं। विचारों में मतभेद का मतलब भ्रमित करना नहीं है, बल्कि व्यापक दृष्टिकोण से विकास और समझ के अवसर प्रदान करना है। इन शिक्षाओं से जुड़ा भ्रम मानवीय व्याख्या और स्पष्टीकरण से उत्पन्न होता है। यहां बुद्धि का तात्पर्य सार्वभौमिक दायरे से है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमें हमेशा सहमत होने की ज़रूरत नहीं है; जिस तरह से हम असहमत होते हैं वह हमारी समस्याओं का कारण बनता है।

इतिहास हमें दिखाता है कि विभिन्न आध्यात्मिक शिक्षाएँ रही हैं युगों-युगों में अलग-अलग तरीके से बदला या व्याख्या की गई। वह ऊर्जा जिसे "क्राइस्ट", "बुद्ध", "मुहम्मद", "अल्लाह" और अन्य के रूप में अपनाया जाता है, यहीं से उत्पन्न होती है। यहां एक आत्मा के पास बहुत कम सीमाएं और असाधारण स्तर की विश्वसनीयता होगी।

आध्यात्मिक विकास की किसी भी अवस्था तक पहुंचना या स्थानों से गिरना संभव है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

यह। चूँकि हमारे बारे में सब कुछ "पसंद" है, हम चुनाव करते हैं, कभी अच्छा, कभी बुरा, और इसलिए विभिन्न चरणों से गुज़रते हैं। यह आवश्यक रूप से इसे "सही" या "गलत" नहीं बनाता है, बल्कि यह केवल एक बयान है कि हम अपनी यात्रा में एक निश्चित बिंदु पर कहां हैं।

एक बार फिर, मैं जूडी को मुझे बताने के लिए धन्यवाद देता हूं। जूडी गुडमैन और उनके काम के बारे में अधिक जानने के लिए कृपया www.judygoodman.com पर जाएं

वाद्य संचार और आध्यात्मिक क्षेत्र

मैं इस अनुभाग की शुरुआत एक निजी चुटकुले से करना चाहता हूँ।
अगस्त 2007 में, मैंने कैलिफोर्निया के माउंट शास्ता में माइकल और राफेल तमुरा द्वारा आयोजित एक सेमिनार में भाग लिया, जिसमें माइकल, जेम्स वान प्राघ और एरिक बर्गलुंड उपस्थित थे। माइकल तमुरा बचपन से ही एक मानसिक रोगी रहे हैं और उन्होंने अपना जीवन अन्य मनोविज्ञानियों को प्रशिक्षित करने में बिताया है। जेम्स वैन प्राघ एक ऐसा माध्यम है जो मृतकों से संवाद करता है और उसने अमेरिकी टेलीविजन श्रृंखला, द घोस्ट व्हिस्परर बनाई है।

एरिक बर्गलंड एक चिकित्सक और संगीतकार है जो वीणा बजाता है।

इस सभा में, मेरी मुलाकात डॉक्टरेट उपाधि प्राप्त एक डॉक्टर से हुई, जो न्यूयॉर्क के एक अस्पताल में कैंसर रोगियों के विकिरण उपचार की देखरेख करता था। उन्होंने मुझे बताया कि उनकी एक करीबी महिला मित्र की अपेक्षाकृत कम उम्र में मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु के बाद एक दिन फोन की घंटी बजी और उन्होंने उठाया।

फ़ोन पर जो आवाज़ थी वह उसके मृत दोस्त की आवाज़ थी। उसने उससे कहा कि उसने उसे यह बताने के लिए फोन किया था कि वह ठीक है और आध्यात्मिक क्षेत्र में अपने नए जीवन के साथ तालमेल बिठा रहा है।

टेलीफ़ोन पर यह बातचीत कई मिनट तक चली. दोनों ने एक दूसरे को अलविदा कहा और बातचीत ख़त्म हो गई.

डॉक्टर ने कहा कि उनका मानना है कि कॉल उनके मृत दोस्त का था।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

यह पहली बार है जब मैंने ऐसी कहानी सुनी है जहां एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का उपयोग एक आध्यात्मिक प्राणी द्वारा मनुष्यों के साथ संवाद करने के लिए किया जाता है।
दिसंबर 2007 में, जब मैंने कन्वर्सेशन्स बियॉन्ड द लाइट: कम्युनिकेशन विद डिपार्टेड फ्रेंड्स एंड कोलीगेज बाय इलेक्ट्रॉनिक मीन्स के सह-लेखक मार्क मैसी द्वारा दिए गए व्याख्यान में भाग लिया, तो मुझे इस घटना के बारे में और अधिक पता चला। मार्क के व्याख्यान में, मुझे पता चला कि शोध किया गया है जिसमें आध्यात्मिक प्राणियों ने भौतिक क्षेत्र में मनुष्यों के साथ संवाद करने के लिए ऑडियो टेप, टेलीफोन और टेलीविजन जैसे उपकरणों का उपयोग किया है।

इस प्रकार के संचार को तब शब्द दिया जाता है

इंस्ट्रुमेंटल ट्रांसकम्यूनिकेशन या आईटीसी।

इस क्षेत्र के शुरुआती शोधकर्ताओं में से एक फिल्म निर्माता थे
जिसका नाम फ्रेडरिक ज्यूर्गेंसन है, जिसने 1959 में पक्षियों की आवाज़ रिकॉर्ड करते समय आत्माओं की आवाज़ पकड़ी थी।
जब उसने रिकॉर्डिंग वापस चलाई, तो वह अपनी माँ की आवाज़ सुनकर आश्चर्यचकित रह गया, “फ्रेडरिक, तुम पर नज़र रखी जा रही है। फ़्रीडेल, मेरी छोटी फ़्रीडेल, क्या तुम मुझे सुन सकते हो? 1"

इससे जुएर्गेंसन के लिए एक शोध परियोजना शुरू हुई जो चलती रही
हज़ारों आवाज़ों को रिकॉर्ड करने के लिए और 1964 में स्वीडिश में वॉयसेस फ्रॉम द यूनिवर्स नामक पुस्तक प्रकाशित की, इसके बाद रेडियो कॉन्टैक्ट विद द डेड नामक एक और पुस्तक प्रकाशित हुई। जुएर्गेंसन ने पोप पॉल VI के बारे में एक डॉक्यूमेंट्री बनाई और पादरी के दोस्त बन गए, जो टेप पर रिकॉर्ड की गई आत्माओं की आवाज़ में दिलचस्पी लेने लगे। पोप पॉल VI ने वेटिकन में अपना स्वयं का आईटीसी अनुसंधान प्रोजेक्ट भी शुरू किया।

1967 में, रेडियो कॉन्टैक्ट विद द डेड पुस्तक का जर्मन में अनुवाद किया गया था और लातवियाई मनोवैज्ञानिक डॉ. कॉन्स्टेंटाइन राउडीव ने इसे पढ़ा और आईटीसी में रुचि हो गई। राउडिव ने प्रयोगशाला स्थितियों का उपयोग करके अपनी स्वयं की कार्यप्रणाली बनाई। अपनी एक रिकॉर्डिंग में, वह एक प्रसारण में अपनी मृत माँ की आवाज़ भी सुनता है, जो अपने उपनाम का उपयोग करते हुए कहती है, "कोस्टुलिट, यह तुम्हारी माँ है।"2

राउडीव का सिद्धांत है कि आत्माएं ध्वनि तरंगों में हेरफेर कर सकती हैं
रेडियो स्थैतिक से, जो एक सर्किट के दौरान उत्सर्जित होते हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

ध्वनि संचरण बनाने के लिए स्टेशनों के बीच स्थापित एक ट्यूनर या एम्पलीफायर जिसे रिकॉर्ड पर पकड़ा जा सकता है। राउडीव ने इसे इलेक्ट्रॉनिक वॉयस फेनोमेना (ईवीपी) कहा और इसके बारे में ब्रेकथ्रू: एन अमेजिंग एक्सपेरिमेंट इन इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन विद द डेड नामक पुस्तक प्रकाशित की।

राउडीव के प्रयोगों को वैज्ञानिकों द्वारा संदेह प्राप्त हुआ समुदाय और यूके में दो साउंड इंजीनियरिंग फर्मों, पाइ रिकॉर्ड्स, लिमिटेड और बेलिंग एंड ली, लिमिटेड ने नियंत्रित परिस्थितियों में इस परीक्षण को दोहराया। कड़े नियंत्रण के तहत, इन प्रयोगों में असाधारण आवाज़ों का पता लगाया गया। 1969 में, राउडिव को स्विस पैरासाइकोलॉजिकल एसोसिएशन की ओर से प्रथम पुरस्कार पुरस्कार से सम्मानित किया गया था और उनके टेप पर सुनाई देने वाली सूक्ष्म असाधारण आवाज़ों को उनके सम्मान में "राउडिव्स वॉयस" कहा जाता था।

विशेष रूप से दिलचस्प बात यह है कि जब आईटीसी शोधकर्ता मर गए और दूसरे लोक में चले गए, वे पृथ्वी पर अपने सहयोगियों से संपर्क करने में सफल हो गए थे। इन प्रसारणों में, उन्होंने आध्यात्मिक दुनिया के बारे में जानकारी प्रदान की है जो इको बोडाइन और जूडी गुडमैन द्वारा ऊपर दी गई जानकारी के अनुरूप है।

फ्रेडरिक जुएर्गेंसन की 1987 में मृत्यु हो गई। जीवित रहते हुए, उन्होंने आईटीसी घटना के एक साथी शोधकर्ता क्लाउड थोरलिन के साथ घनिष्ठ मित्रता विकसित की। जुर्गेंसन के पास एक मानसिक प्रतिभा भी थी और उनकी मृत्यु के दिन यह बताया गया था कि उन्होंने थोरलिन को एक टेलीपैथिक संदेश भेजा था जिसमें संकेत दिया गया था कि उनके अंतिम संस्कार के दौरान, वह थोरलिन के टेलीविजन पर अपनी एक छवि प्रदर्शित करने का प्रयास करेंगे।

और वास्तव में, जुएर्गेंसन के अंतिम संस्कार के दौरान, थोरलिन ने अपने टेलीविजन पर जुएर्गेंसन के ईथर या ऊर्जा शरीर की तस्वीरें खींचीं, जो कि कन्वर्सेशन्स बियॉन्ड द लाइट पुस्तक में दिखाई देती हैं और, मार्क मैसी की दयालुता और आशीर्वाद के साथ, इस अध्याय के अंत में भी दिखाई देती हैं। कन्वर्सेशन बियॉन्ड द लाइट पुस्तक में मरने वाले लोगों की अन्य तस्वीरें भी उपलब्ध हैं, जिनमें से कुछ कंप्यूटर के डेटा रिपॉजिटरी में मुद्रित हैं। ये अतिरिक्त छवियां यह भी दर्शाती हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

आध्यात्मिक स्तर पर हमारी शक्ल एक जैसी है।

आईटीसी के अवलोकन से पता चलता है कि हम लगातार चेहरे की विशेषताओं को बरकरार रखते हैं आध्यात्मिक क्षेत्र में उन लोगों की तुलना में जो हमारे पास भौतिक क्षेत्र में हैं, इसकी पुष्टि शेमस इको बोडाइन और जूडी गुडमैन ने भी की है। माइकल तमुरा, जो सोते समय सचेत रूप से यात्रा करते हैं और आध्यात्मिक दुनिया की स्थितियों का अनुभव करते हैं, अक्सर कहते हैं कि अन्य क्षेत्रों में, हमारी शक्ल एक जैसी होती है।

ये अवलोकन इस विचार को पुष्ट करते हैं कि हमारे पास एक ऊर्जा शरीर है हमारे भौतिक शरीर के लिए एक टेम्पलेट के रूप में कार्य करता है। इको बोडीन ने इस बात का समर्थन करने के लिए अन्य साक्ष्य प्रदान किए हैं कि हमारे पास एक आध्यात्मिक ऊर्जा शरीर है जो हमारे भौतिक शरीर जैसा दिखता है। इको को मिनेसोटा के एक पुलिस अधिकारी द्वारा ली गई तस्वीरों की एक श्रृंखला दी गई, जिन्होंने उन्हें एक घातक कार दुर्घटना के तुरंत बाद लिया था।

तस्वीरों में आत्मा के रूप में एक युवक का चेहरा दिखाया गया है जो एक मृत युवक की भौतिक प्रतिकृति है, जो दुर्घटनास्थल के ऊपर मंडरा रहा है।

ऐसा प्रतीत होता है कि युवक कैमरे पर चिल्लाते हुए पकड़ा गया है, "नहीं!" पता चला कि वह मरने के लिए तैयार नहीं था। एक युवा दुर्घटना के चेहरे की तस्वीर पीड़ित, आत्मा के रूप में अपनी कार के ऊपर मँडरा रहा है, इसे इको वेबसाइट पर पाया जा सकता है:
www.
इकोबॉडी.कॉम

मैं आईटीसी शोधकर्ताओं के कुछ उदाहरणों का फिर से वर्णन करना चाहता हूं जो ऐसा करने में सक्षम थे मृत्यु के तुरंत बाद अपने सहकर्मियों से संपर्क करें। 1974 में राउडीव की मृत्यु के बाद, जॉर्ज मीक को, जीवित रहते हुए, स्पष्ट रूप से अपने अनुसंधान भागीदार, कॉन्स्टेंटाइन राउडीव से एक फोन आया। जूल्स और मैगी हर्ष-फिशबैक ने आईसीटी अनुसंधान के लिए समर्पित एक संगठन, ट्रांसकम्यूनिकेशन स्टडी सर्कल ऑफ लक्ज़मबर्ग (सीईटीएल) की स्थापना की। 4 फरवरी, 1993 को, उन्हें अपने कंप्यूटर पर एक मृत सहकर्मी, अर्न्स्ट मैकेस का एक टेक्स्ट संदेश मिला, जिनकी मृत्यु 26 नवंबर, 1992 को हुई थी। 4 मार्च, 1993 को, उन्हें अपने कंप्यूटर पर अर्न्स्ट की एक और तस्वीर मिली, जो स्पष्ट रूप से सीधे प्रेषित थी।

Machine Translated by Google

आध्यात्मिक क्षेत्र. तस्वीर में अर्न्स्ट को वैसे ही दिखाया गया है जैसे वह पहले था, वह चश्मा पहने हुए है जो वह जीवित होने पर पहनता था, आध्यात्मिक दुनिया में एक उष्णकटिबंधीय परिदृश्य में एक ताड़ के पेड़ के नीचे बैठा है।

से बड़ी संख्या में संदेश प्राप्त हुए हैं आईटीसी शोधकर्ताओं द्वारा एक और क्षेत्र। मैं आपको इन संदेशों के स्रोत के विवरण के लिए कन्वर्सेशन्स बियॉन्ड द लाइट पढ़ने के लिए संदर्भित करता हूं। मैं नीचे उनकी कुछ सामग्री का सारांश प्रस्तुत करूंगा:

- मृत्यु की प्रक्रिया के संबंध में कहा जाता है कि हम बने रहते हैं मरने के बाद हम उस स्थान के आसपास रहते हैं और हम उन लोगों के पास रहते हैं जिनसे हम प्यार करते हैं, हालांकि पीछे छूट गए लोग केवल उस व्यक्ति के ऊर्जा शरीर को देख सकते हैं यदि वे एक मानसिक रोगी हैं। भले ही कोई मानसिक रोगी न हो, रिश्तेदार मृतक की उपस्थिति को महसूस करने में सक्षम हो सकते हैं।

  जिन व्यक्तियों की मृत्यु हो गई है वे अपने अंतिम संस्कार में शामिल हो सकते हैं और उनके अंतिम संदेश सुन सकते हैं। मृत्यु के बाद की भावना हल्केपन और स्वतंत्रता की छाप है, जैसे कि "भारी कवच"3 उतार दिया गया हो।

- भौतिक शरीर को छोड़ने के बाद, हम एक ईथर शरीर में रहते हैं, एक ऊर्जा शरीर जो भौतिक शरीर का आधार है। यह ईथर शरीर तब विघटित हो जाता है, जिससे हमें सूक्ष्म या आध्यात्मिक स्तरों में संक्रमण करने की अनुमति मिलती है, जहां हमारे पास एक सूक्ष्म शरीर होगा। सूक्ष्म विमानों में संक्रमण के दौरान, कुछ लोग सो सकते हैं और सूक्ष्म विमानों में जाग सकते हैं, बिना यह जाने कि वे वहां कैसे पहुंचे। संक्रमण के दौरान अन्य लोग सचेत रहे। व्यक्ति अस्पताल में जाग सकते हैं। प्रियजन और पालतू जानवर जिनकी पहले मृत्यु हो चुकी है वे हाल ही में मृत व्यक्ति की प्रतीक्षा कर रहे होंगे।

- किसी अस्पताल या अन्य उपचार केंद्र में, लोग

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

हाल ही में मृतक आत्मा के क्षेत्र में जीवन को समायोजित करता है। जिन लोगों का अंग-विच्छेदन होता है, उन्हें मन के माध्यम से अपने सूक्ष्म अंगों को पुनर्जीवित करने के बारे में मार्गदर्शन प्राप्त होता है। जो लोग बुढ़ापे में मरते हैं वे युवा हो जाएंगे, और जो लोग बचपन में मर जाते हैं वे तब तक बढ़ेंगे जब तक कि वांछित आयु न हो जाए, जो आमतौर पर 25-30 वर्ष के आसपास दिखाई देती है। अस्पताल से बाहर निकलते समय, कोई पृथ्वी के समान लेकिन बहुत अधिक चमकीला वातावरण पा सकता है।

ध्यान दें कि आईटीसी का अस्पताल का विवरण इको बोडीन द्वारा वर्णित पिंक प्लेस के समान है।

• आईटीसी संदेशों से संकेत मिलता है कि आध्यात्मिक दुनिया में अस्तित्व के ऐसे स्तर हैं जो इको बोडीन और जूडी गुडमैन द्वारा वर्णित स्तरों के समान हैं। जैसा कि आईटीसी संचार द्वारा वर्णित है, कुछ मनुष्य अपनी मृत्यु के बाद जिन स्थानों पर जाते हैं, वे निचले, मध्य और उच्च सूक्ष्म आयाम हैं। निचले सूक्ष्म आयाम इको द्वारा वर्णित निचले आयामों के समान हैं: वे अस्तित्व-केंद्रित लोगों को आकर्षित करते हैं, जो विकास के निचले चरण में हैं। अपने व्याख्यान में, मार्क मैसी ने टिप्पणी की कि ये "दुखद क्षेत्र" हैं, जैसा कि हम शुद्धिकरण या नरक के रूप में कल्पना करते हैं।

ऐसा वर्णन है कि वहाँ चोर, जेबकतरे, व्यभिचारी, धोखेबाज और धोखेबाज व्यापारी इकट्ठे थे। हत्यारों को एक-दूसरे को मारने की कोशिश करते हुए देखा गया, लेकिन वे निराश हो गए कि आध्यात्मिक क्षेत्र में मारने के लिए कुछ भी नहीं था।

आईटीसी संचार में यह वर्णित है कि समुदाय ऐसा कर सकते हैं

समय में बंद कर दिया जाए, और पाषाण युग के गांवों या प्राचीन वाइकिंग बस्तियों का अस्तित्व जारी रह सकता है। यदि आत्मा चाहे तो पुनर्जन्म और आगे के विकास में देरी हो सकती है। याद रखें कि अहतुन रे ने भी वही अवलोकन किया था - विकास और पुनर्जन्म

Machine Translated by Google

आत्मा द्वारा स्थगित, यद्यपि हमेशा के लिए नहीं। जब इन आत्माओं का पुनर्जन्म होता है, तो वे अन्य आत्माओं की तरह उन्नत नहीं होती हैं, जो पृथ्वी आयाम में विकासवादी चरणों की विविधता को दर्शाती है।

जो लोग विकसित हैं और नैतिकता से परिपूर्ण हैं वे जायेंगे मध्य सूक्ष्म आयाम, जिसमें सुंदर परिदृश्य, सुखद निवास, शहर, कॉन्सर्ट हॉल, स्कूल और विश्वविद्यालय शामिल हैं।

लोग धर्म, संस्कृति, जातीयता, नस्ल या अन्य कारकों के आधार पर समुदायों में एकत्रित हो सकते हैं जिनसे वे अपनी पहचान बनाते हैं। यद्यपि इस प्रकार का जानबूझकर पृथक्करण मध्यवर्ती सूक्ष्म आयामों में होता है, एक अधिक सार्वभौमिक परिप्रेक्ष्य धीरे-धीरे विकसित होगा और वास्तव में उच्च सूक्ष्म आयामों में प्रवेश करने के लिए इसे हासिल किया जाना चाहिए जो स्वर्ग की ईसाई अवधारणा को दर्शाते हैं।

रचनात्मक व्यक्ति जैसे कलाकार, संगीतकार, वैज्ञानिक, और दार्शनिक सूक्ष्म दुनिया का आनंद लेते हैं, क्योंकि वे आईसीटी अनुसंधान सहित उन चीजों को सिखा सकते हैं जिनमें वे रुचि रखते हैं, ठीक वैसे ही जैसे वे पृथ्वी पर पढ़ाते हैं, लेकिन आजीविका के लिए काम किए बिना।

मृत आईटीसी शोधकर्ता सूक्ष्म आयामों में एक शोध स्थल का वर्णन करते हैं, जिसे टाइमस्ट्रीम कहा जाता है, जहां वे आत्मा की दुनिया में, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से पृथ्वी पर आईटीसी शोधकर्ताओं से संपर्क करने के तरीके विकसित करने के लिए काम करते हैं। जो लोग मनोरंजन का आनंद लेते हैं, जैसे कि गोल्फ खेलना, वे अपनी इच्छानुसार अपने शौक को फिर से बना सकते हैं, हालांकि आत्माएं अंततः गोल्फ खेलने जैसी चीजों से थक जाएंगी और आगे विकास की तलाश करेंगी। सूक्ष्म आयामों में, मांस सहित सिंथेटिक भोजन बनाया जा सकता है, हालांकि भोजन बनाने के लिए किसी जानवर को नहीं मारा जाता है।

आईटीसी संदेश दर्शाते हैं कि उच्चतर आयाम मौजूद हैं तथाकथित मानसिक-कारण आयाम, जो तकनीकी और कलात्मक पैठ का स्रोत हैं। ये चीजें टेलीपैथिक तरीके से उन लोगों के लिए पृथ्वी पर भेजी जाती हैं जो विचारों को स्वीकार करते हैं। हमें याद है, जूडी गुडमैन ने इस आयाम को "स्तर छह: सृजन की दुनिया" के रूप में वर्णित किया था।

इससे भी ऊँचे आयाम कहलाते हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

स्वर्गीय लोकों को भी जाना जाता है, जो ईश्वर के अधिक निकट हैं। यह वह स्थान है जहां आरोही गुरु और कई महान आध्यात्मिक गुरु रहते हैं। मध्य सूक्ष्म लोकों में रहने वाले लोग स्वर्गीय लोकों के बारे में जानते हैं, भले ही उन्होंने कभी भी इन आध्यात्मिक लोकों के उच्चतम स्तर का अनुभव नहीं किया हो।

विकसित आवृत्ति के आधार पर कोई व्यक्ति कुछ निश्चित क्षेत्रों की यात्रा कर सकता है। कुल मिलाकर, मरने के बाद हम अलग नहीं होते। जो लोग कम विकसित हैं वे कम विकसित प्राणियों के समुदायों में जाएंगे, जबकि जिन्होंने पृथ्वी पर अपने आध्यात्मिक विकास का अभ्यास किया है वे उच्च लोकों में एक साथ इकट्ठा होंगे।

• आत्मा की दुनिया में, पिछले सभी जन्मों की यादें लौट आती हैं और हम लौट सकते हैं पिछले जन्मों के मित्रों की तलाश करें।

• 1992 में एक कंप्यूटर संपर्क में फ्रेडरिक जुर्गेंसन ने कहा:

"जीव अपनी चेतना और पुनर्जन्म के साथ 'वास्तविकता के परिवर्तन' के दौरान अपनी वैयक्तिकता बनाए रखते हैं।"4

जुएर्गेंसन ने बाद में 1993 में सूक्ष्म विमान से रिपोर्ट दी कि "सभी विचार टेलीपैथी के अलावा और कुछ नहीं हैं।"5

• सूक्ष्म जगत से फ्रेडरिक ज्यूर्गेंसन ने इस पर टिप्पणी की:

“यदि आप पृथ्वी पर अपनी समस्याओं का समाधान नहीं करते हैं, तो वे यहाँ आपका इंतजार कर रहे होंगे। इस नई वास्तविकता में, पृथ्वी पर आपके द्वारा धारण की गई उपाधियाँ और उपाधियाँ निरर्थक हैं। जो बचता है वह तुम्हारी आत्मा है। यहां वास्तव में जो मायने रखता है वह है आपकी नैतिक और मानवीय भावनाएं, सभी चीजें रचनात्मक।''6

• आईटीसी संदेश संकेत देते हैं कि व्यक्ति मरने के बाद अपनी समस्याएं अपने साथ ले जाते हैं। यह संकेत दिया गया है कि पृथ्वी इसके लिए सर्वोत्तम स्थान है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

समस्याओं का समाधान। सूक्ष्म दुनिया को एक स्वप्न की दुनिया के रूप में वर्णित किया गया है, जहां आप चीजों को सिद्धांतित कर सकते हैं और मानसिक रूप से चीजों को बदल सकते हैं। पृथ्वी पर, आपको अपने कार्यों और उन कार्यों के परिणामों का सामना करना पड़ता है: वे परीक्षण करते हैं कि आप वास्तव में क्या विश्वास करते हैं।7

• सूक्ष्म आयाम से आईटीसी संचार के आधार पर, क्यूबिस और मैसी निम्नलिखित निष्कर्ष पर पहुंचे: "कोई व्यक्ति मानसिक संरचनाएं बना सकता है और सूक्ष्म दुनिया में विचारों के साथ खेल सकता है। लेकिन वास्तव में, पृथ्वी पर रहना वास्तव में हमारे सबसे महत्वपूर्ण विचारों को साकार करना है। जीवन इस बात की एक महत्वपूर्ण परीक्षा है कि कोई व्यक्ति वास्तव में क्या विश्वास करता है।''8

• लोग आंतरिक स्थानों के बीच आयामों या ग्रहों, या जहाजों, गर्म हवा के गुब्बारे, हवाई जहाज, भूमि यात्राओं जैसे कार या मोटरबाइक से यात्रा कर सकते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें यह कैसा लगता है। 9

कन्वर्सेशन्स बियॉन्ड द लाइट पुस्तक के अंत में, यह कहा गया है कि थॉमस एडिसन, जिन्होंने अपनी कई रचनाओं में से प्रकाश बल्ब का आविष्कार किया था, ने एक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने के लिए गंभीर प्रयास किए जिसका उपयोग मृतकों की आत्माओं से जुड़ने के लिए किया जा सकता था। मार्क मैसी और डॉ. कुबिस ने अपनी पुस्तक का समापन इस निर्देश के साथ किया कि हम अपने स्वयं के आईसीटी प्रयोग कैसे कर सकते हैं।

आईटीसी वीडियो देखने, आईटीसी रिकॉर्डिंग सुनने और आईटीसी के बारे में अधिक जानने के लिए कृपया www.worlditc.org पर जाएं।

माउंट शास्ता असेंबली में मैं जिस विकिरण स्वास्थ्य भौतिक विज्ञानी से मिला, उसने कभी नहीं सोचा था कि उसे अपने मृत मित्र से फोन आएगा। जैसा कि उन्होंने समझाया, हम भविष्य में उभरने वाली नई आईसीटी प्रौद्योगिकियों पर आश्चर्यचकित हो सकते हैं। मेरे लिए यह दिलचस्प है कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से प्राप्त आत्मा संदेश अधिकाधिक सिद्ध होते प्रतीत होते हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

इको बोडीन, जूडी गुडमैन, माइकल तमुरा और अहतुन रे के अनुभव।

निष्कर्ष

आत्मा जगत के इन विवरणों की एक सामान्य विशेषता यह है कि इनमें चेतना के स्तर के आधार पर भिन्नताएँ होती हैं।

जितना अधिक हम खुद को और दूसरों को समझकर, दूसरों के प्रति करुणा व्यक्त करके खुद को विकसित कर सकते हैं, हम अपने साथ पैदा होने वाली अद्वितीय प्रतिभाओं और ऊर्जाओं को विकसित कर सकते हैं, ध्यान के माध्यम से अपनी मानसिक क्षमताओं और अंतर्ज्ञान को बढ़ा सकते हैं, उतना ही हम आध्यात्मिक क्षेत्र में भगवान के करीब हो जाते हैं। .

जूडी का वर्णन है कि उच्चतम क्षेत्रों में, हम प्रकृति और समयसीमा के विभिन्न आयामों से अवगत हो सकते हैं, और हम जो चाहें अनुभव कर सकते हैं। इको बताता है कि उच्चतम क्षेत्र सच्चे अर्थों में अंतिम विश्राम अवधि का प्रतिनिधित्व करते हैं। आईटीसी रिसर्च, आध्यात्मिक दुनिया पर जानकारी का एक अलग और स्वतंत्र स्रोत, इको और जूडी के अनुभवों के अनुरूप आध्यात्मिक आयामों का अवलोकन प्रदान करता है। अहतुन रे बताते हैं कि कैसे वह ईश्वर के साथ एक हो गए, अपनी वैयक्तिकता की भावना खो दी, और तब तक अपनी चेतना में कदम रखा जब तक कि उन्हें एक अलग आत्म की अनुभूति प्राप्त नहीं हो गई। अहतुन रे ने अपने अनुभव को "हल्का परमानंद" बताया। चेतना की यह अवस्था, अस्तित्व का यह स्तर, हमारी यात्रा के फल का प्रतिनिधित्व करता है, पृथ्वी पर हमारे सभी जीवन काल का प्रतिनिधित्व करता है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

फ्रेडरिक जुर्गेंसन अपने जीवन के दौरान

फ्रेडरिक जुर्गेंसन ने टेलीविजन मॉनीटर पर
अपनी उपस्थिति दर्ज कराई

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

35

पिछले जीवन का फ्लैशबैक, होलोग्राम और आत्माएं, भूत और मिश्रित ब्रह्मांड

पर पुनर्जन्म साहित्य में आम तौर पर यही लिखा जाता है और है भी अहतुन रे इस बात से सहमत हैं कि किसी व्यक्ति के मरने के बाद, वह व्यक्ति उस समय के फ्लैशबैक से गुजरता है जब उसका जीवन समाप्त हो चुका होता है। न केवल हम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को उसी रूप में देखते हैं जैसे हम उन्हें याद करते हैं, बल्कि इसके अलावा, हम उन दृश्यों को दूसरे दृष्टिकोण से भी देख सकते हैं। हम उस खुशी या दुःख का अनुभव करते हैं जो हमने दूसरों के दिलों में पैदा किया है। अल्बर्ट ब्रूक्स और शर्ली मैकलेन अभिनीत फिल्म डिफेंडिंग योर लाइफ में जीवन का एक हास्यप्रद फ्लैशबैक पाया जा सकता है।

अहतुन रे ने कहा है कि आत्मा की दुनिया में, हम पीछे मुड़कर देख सकते हैं हमारे सभी पिछले जन्मों पर, न कि केवल सबसे हालिया अवतार पर। इसके अलावा, अहतुन रे ने बताया कि हम अपने अतीत के व्यक्तित्वों से भी मिल सकते हैं और उन अतीत के व्यक्तित्वों के साथ बातचीत कर सकते हैं। इससे पता चलता है कि मृत्यु होने पर पिछले व्यक्तित्व नष्ट नहीं होते हैं, बल्कि ये पहचान आत्मा में संग्रहीत हो जाती हैं।

इस संग्रहीत व्यक्तित्व का एक उदाहरण केविन द्वारा मुझे बताई गई एक कहानी में है। भविष्यवाणी के एक सार्वजनिक प्रदर्शन में, केविन के आध्यात्मिक मार्गदर्शकों में से एक, आयरिशमैन टॉम मैकफरसन, अटलांटिस की पौराणिक सभ्यता के बारे में दर्शकों के एक सवाल का जवाब दे रहे हैं। टॉम ने अपना उत्तर सरल और सीधे तरीके से दिया, लेकिन दर्शकों को लगा कि उत्तर पर्याप्त विस्तृत नहीं था।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

फिर टॉम ने प्रश्नकर्ता से एक क्षण रुकने के लिए कहा, तभी एक और प्राणी प्रकट हुआ और प्रश्न का उत्तर दिया। एक अन्य स्पिरिट गाइड ने केविन के माध्यम से बोलना शुरू किया, भारी आयरिश लहजे में नहीं, बल्कि अधिक विस्तृत स्पष्टीकरण के साथ सवालों के जवाब दिए जिससे प्रश्नकर्ता संतुष्ट हो गया। इसके बाद टॉम मैकफर्सन दोबारा सामने आए और पूछा कि क्या प्रश्नकर्ता उत्तर से संतुष्ट है।

टॉम फिर टिप्पणी करता है कि जो व्यक्ति अभी बोल रहा है वह उसका पिछला व्यक्तित्व है, जिसका अर्थ है अटलांटिस में रहने वाले टॉम मैकफरसन का पिछला अवतार।

एक और दिलचस्प बात के रूप में, अपनी पुस्तक, स्पिरिट कम्युनिकेशन में, केविन बताते हैं कि जब टॉम मैकफर्सन का पुनर्जन्म हुआ था और वह अभी भी विलियम शेक्सपियर के इंग्लैंड में जीवित थे, तब केविन खुद एक अदालत में जिला न्यायाधीश थे।

मैकफ़रसन ने आंशिक रूप से एक जेबकतरे के रूप में जीवनयापन किया, और कभी-कभी केविन के सामने मुकदमा चलाया जाता था। उस दौरान एक रिश्ता बना जिसके परिणामस्वरूप मैकफरसन वर्तमान में केविन की मार्गदर्शक भावना के रूप में काम कर रहा है। केविन ने बताया कि जिन लोगों को हम पिछले अवतारों में जानते हैं वे पुनर्जन्म नहीं होने पर हमारे लिए मार्गदर्शक आत्मा बन जाएंगे। इसी प्रकार, हममें से जो अब भौतिक रूप में पुनर्जन्म ले चुके हैं, वे एक दिन शरीर छोड़ने और पुनर्जन्म लेने के बाद हमारी वर्तमान मार्गदर्शक आत्माओं के मार्गदर्शक बन जाएंगे।

एक और उदाहरण जो दिखाता है कि अतीत के अवतारी आंकड़े आत्मा में कैसे संग्रहीत होते हैं, किम एडम्स का मामला है, जो आयोवा में एक सामुदायिक समाचार पत्र के प्रकाशक हैं। किम अप्रत्याशित रूप से पिछले जीवन के साथ-साथ मध्यम क्षमता की घटना की जांच में शामिल हो जाता है। उन्होंने मुझे बताया कि उनकी पूरी जिंदगी गाड़ी चलाते समय खुद से गाने की आदत रही है। 2005 में एक दिन, गाड़ी चलाते और गुनगुनाते समय, किम को एहसास हुआ कि वह एक गाना गा रहा था जिसे वह समझ नहीं पा रहा था। यह अमेरिकी भारतीय भाषा की तरह लग रहा था, हालांकि वह निश्चित नहीं था। काफ़ी समय बाद किम ने अन्य भाषाएँ बोलना शुरू कर दिया जो उसे भी समझ में नहीं आती थीं। जैसा कि ए में चर्चा की गई है

Machine Translated by Google

पिछले अध्याय में, किसी ऐसी भाषा को बोलने की घटना जिसे किसी ने अभी तक नहीं सीखा है, ज़ेनोग्लॉसी कहलाती है, और ऐसा माना जाता है कि यह पिछले अवतारों से उत्पन्न होती है।

मैंने किम को घटनाओं की एक श्रृंखला साझा करने के लिए आमंत्रित किया जिससे उसे इसकी अनुमति मिली ज़ेनोग्लॉसी घटना के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करें जिसे उसने अनुभव किया और उसे भ्रमित किया। इन उद्धरणों में, किम अपने प्रिय प्रेमी डी लोचर का उल्लेख करती है।

एक दिन, हम आयोवा में सीडर रैपिड्स में कनाडाई मनोवैज्ञानिक मर्लिन रॉसनर की एक प्रस्तुति में थे।

डी से अनजान, मैं उसकी प्रस्तुति के बाद मर्लिन के पास गया और उसे भाषाओं के बारे में बताया, और उससे सलाह मांगी। उन्होंने कहा, "अगली बार जब वे शब्द आएं, तो एक कलम और कागज ले आएं और देखें कि क्या आप उनका अनुवाद कर सकते हैं।"

डी और मैं सीडर रैपिड्स से घर वापस जा रहे थे, जब ये शब्द अनायास आए, और चूंकि मैं गाड़ी चला रहा था, इसलिए मैंने डी को एक पेन और कागज का एक टुकड़ा दिया। अचानक उसे तुरंत समझ आने लगा. उन्होंने सभी अनुवाद लिखे (अब हमारे पास इस अनुवाद के लगभग 400 पृष्ठ हैं)। उस दिन, मैंने कई भाषाएँ बोलीं।

डी सब कुछ समझती है।

अक्सर, डी अपने पहले शब्दों का अर्थ खो देती है जैसे ही वह उभरती है "नई" भाषा, लेकिन वह जल्द ही आवृत्ति के साथ तालमेल बिठाने में सक्षम हो जाएगी और अनुवाद जल्द ही धाराप्रवाह सामने आएंगे। केवल कुछ ही बार ऐसे मौके आए जब उन्हें वास्तव में कोई भाषा समझ में नहीं आई। एकमात्र विदेशी भाषा जो मैं जानता हूं वह जर्मन है, और मैंने इसे एक सत्र में तुरंत पहचान लिया। हम अपनी श्रव्य आवाजों जैसे लैटिन, फ्रेंच और क्रोएशियाई या उनके जैसी भाषाओं में बोले गए शब्दों को सुनते हैं।

अक्सर डी (और कभी-कभी मैं भी) भाषा बोलते समय क्या हो रहा है इसकी छवियां देखूंगा। डी कहेगा, "वह तस्वीरें दिखा रहा है..." इत्यादि। एक दिन, जब डी और मैं एक सिम्फनी कॉन्सर्ट में थे, एक भाषा सामने आई

Machine Translated by Google

महान ऊर्जा के साथ. यह वायलिन वादक ही था जिसने बोला, और मेरे कानों के माध्यम से एक और सिम्फनी "सुनना" खुशी की बात थी। ऐसा लगता है कि वह चेकोस्लोवाकियाई बोलता है, हालाँकि न तो डी और न ही मैं निश्चित रूप से जानता हूँ।

पहले दिन उभरी भाषाओं में से एक अमेरिकन इंडियन थी। हमें यह तब तक नहीं पता था जब तक बोलने वाले व्यक्ति का नाम "ग्रे ईगल" नहीं था, एक मूल अमेरिकी जो स्पष्ट रूप से दक्षिणी ओरेगन में 1800 के दशक के मध्य में रहता था। वह मेरे होने का दावा करता है, और दावा करता है कि मैं वह हूं। ग्रे ईगल भाषाओं के साथ हमारा प्राथमिक संपर्क है। वह हमेशा मेरे साथ रहता था, भले ही वह एक तरफ हट जाता था ताकि बाकी लोग भी बात कर सकें।

कुछ भाषाओं का कोई सांसारिक आधार भी नहीं है, और इस मानव शरीर के साथ उनका उच्चारण करना बेहद कठिन है। यह पूरा अनुभव अद्भुत था, लेकिन डी और मैंने इसे हल्के में लिया। हम दोनों दृढ़ता से महसूस करते हैं कि ये भाषाएँ हमारे भविष्य और शायद ग्रह के भविष्य के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। यह हमारे आध्यात्मिक पथ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, इसलिए हम इसके साथ चलते हैं।

हम लगभग आठ अन्य लोगों से मिले हैं, जो अनुभव करने के बाद मेरी भाषाओं ने पहली बार खुद को उन भाषाओं में सार्वजनिक रूप से बोलने की अनुमति देना शुरू किया जो वे नहीं जानते थे। हर बार, डी हमेशा अनुवाद करने में सक्षम होता था। हमारे यहां दो लोग भी हैं, एक आयोवा में और एक ओरेगॉन में, जो कभी मिले ही नहीं, एक ही भाषा बोलते हैं!

डी को "सभी प्रतिभाओं" के रूप में वर्णित किया गया है माध्यम हो सकता है, इसलिए मुझे आश्चर्य नहीं है कि वह उन भाषाओं का अनुवाद कर सकती है जिन्हें वह नहीं जानती। यह ऊर्जा में प्रवाहित होता है, या भाषा के कंपन में लयबद्ध हो जाता है, और तुरंत अर्थ स्पष्ट रूप से इसके माध्यम से आता है।

ग्रे ईगल ने कहा कि वह 1850 के दशक के मध्य में ओरेगॉन में उसकी पत्नी थी, और डी ने "देखा" था

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

ग्रे ईगल समय-समय पर, और उस जीवनकाल की घटनाओं को याद करता है। वह अक्सर डी को अतिरिक्त दृश्य संकेत "दिखाता" है जिससे हमें यह समझने में मदद मिलती है कि वह हमसे क्या संचार कर रहा है।

चूंकि ग्रे ईगल किम के माध्यम से बोलने वाला प्राथमिक आध्यात्मिक प्राणी प्रतीत होता है, इसलिए डी और किम यह पता लगाने के लिए दृढ़ हैं कि वह कौन सी भारतीय भाषा बोल रहा है।

विभिन्न स्रोतों और भारतीय जनजातियों से संपर्क करने के बाद, उन्हें दक्षिणी ओरेगन में लाटगावा जनजाति के वर्तमान प्रमुख जॉन न्यूकिर्क के पास भेजा गया। श्री न्यूकिर्क यह सत्यापित करने में सक्षम थे कि किम लाटगावा आदिवासी भाषा बोलते थे। उन्हें पता चला कि लाटगावा जनजाति में एक समय लगभग 400 आदिवासी शामिल थे, हालांकि समय के साथ यह संख्या कम हो गई है। किम और डी ने श्रीमान से पूछा।

न्यूकिर्क को भारतीय भाषा से लिखित उद्धरणों का अनुवाद करने के लिए कहा गया जिसे किम ने बोला और डी को रिकॉर्ड किया। उन्होंने पाया कि न्यूकिर्क ने उद्धरणों का बिल्कुल वैसा ही अनुवाद किया जैसा डी ने अनुवाद किया था, भले ही डी ने, जैसा कि हमने दिखाया है, लाटगावा का कभी अध्ययन नहीं किया।

केविन रायर्सन के साथ सत्र में, अहतुन रे ने सत्यापित किया कि ग्रे ईगल किम एडम्स का एक पिछला अवतार था और डी वास्तव में शाइनिंग मून नाम की लाटगावा भारतीय महिला ग्रे ईगल की पत्नी थी। मैंने पूछा कि किम लाटगावा भाषा क्यों नहीं समझ पाता जबकि डी समझ सकता था।

अहतुन रे ने उत्तर दिया कि किम के लिए, यह स्मृति अवरोध का मामला है, जबकि डी के पास लाटगावा की आंतरिक स्मृति के साथ-साथ अन्य भाषाओं को समझने की मानसिक प्रतिभा है जो उसने अपने वर्तमान अवतार में नहीं सीखी है।

किम और डी की कहानी का आश्चर्यजनक पहलू यह है कि यह एक बार फिर दिखाती है कि पिछले जीवन के व्यक्तित्व एक व्यक्ति की आत्मा में रहते हैं, जैसा कि टॉम मैकफर्सन और अटलांटिस से उत्पन्न उनके पिछले व्यक्तित्व के बारे में एक किस्से में भी दिखाया गया है।

मैंने अहतुन रे से पूछा कि वह कौन सा तंत्र है जो पिछले जीवन के व्यक्तित्वों को अनुमति देता है

Machine Translated by Google

आत्मा में विद्यमान रहना। अहतुन रे ने मुझे आत्मा को एक कंटेनर के रूप में सोचने के लिए प्रोत्साहित किया जिसमें होलोग्राफिक होलोग्राम या पिछले जन्मों की होलोग्राफिक यादें होती हैं, और पिछले जीवन के व्यक्तित्वों को याद किया जा सकता है और त्रि-आयामी छवियों के रूप में पेश किया जा सकता है।

केविन और उनके गुरुओं ने पिछले जन्मों को आत्मा का बचपन कहा है।

जिस तरह हम बचपन की यादें याद कर सकते हैं, उसी तरह आत्मा भी पिछले जीवन के व्यक्तित्वों को चुन सकती है और प्रोजेक्ट कर सकती है। कल्पना कीजिए कि आप अपने बचपन की एक होलोग्राफिक छवि पेश कर सकते हैं, एक ऐसी छवि जिसके साथ आप बातचीत कर सकते हैं। यही तो आत्मा कर सकती है.

एक ऊर्जा शरीर के रूप में आत्मा की अवधारणा जो होलोग्राम प्रोजेक्ट कर सकती है, का उपयोग यह समझने के लिए भी किया जा सकता है कि विभाजित पुनर्जन्म कैसे काम करता है। यह एक घटना है, जिसे समानांतर अस्तित्व भी कहा जाता है, जिसमें एक आत्मा एक ही समय में एक से अधिक शरीरों में निवास करती है।

कल्पना करें कि आत्मा एक समय में एक से अधिक भौतिक शरीरों में अपना एक होलोग्राम, अपनी ऊर्जा का एक प्रिंट प्रक्षेपित करती है। प्रत्येक गोलार्ध आत्मा के समान गुण या ऊर्जा उत्सर्जित करेगा।

मृत्यु के बाद, प्रत्येक अलगाव का अनुभव हमेशा के लिए आत्मा में संग्रहीत हो जाता है और होलोग्राफिक यादों या छवियों के रूप में याद किया जा सकता है।

होलोग्राम मॉडल का उपयोग करके, हम अलग-अलग लोगों द्वारा अलग-अलग स्थानों और समय पर एक ही व्यक्ति को अनुभव करने की घटना को भी समझ सकते हैं। याद रखें, इको बोडिन के आध्यात्मिक क्षेत्र के वर्णन में, उन्होंने पूछा था कि क्या फिल्म सितारों के लिए कोई समुदाय है। जो देवदूत उसे स्वर्ग की सैर पर ले गया उसने उसे बताया कि ऐसा एक समुदाय अस्तित्व में है। अहतुन रे ने संकेत दिया है कि आध्यात्मिक क्षेत्र में, हम न केवल फिल्मी सितारों से मिल सकते हैं और बातचीत कर सकते हैं, बल्कि किसी भी ऐतिहासिक शख्सियत से भी मिल सकते हैं, जिसमें हमारी रुचि है।

ऐसा कैसे हो सकता है?

आइए चार्ली चैपलिन का उदाहरण लें। चैपलिन की आत्मा

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

आध्यात्मिक दुनिया में खुद का एक इंटरैक्टिव होलोग्राम प्रोजेक्ट कर सकता है, जो इको और अन्य प्रशंसकों के साथ बातचीत कर सकता है, साथ ही एक शरीर को हिलाते हुए, पृथ्वी आयाम पर खुद का एक होलोग्राम प्रोजेक्ट करने में सक्षम हो सकता है। इसका मतलब है, चैपलिन की आत्मा पृथ्वी पर अवतार लेने और भौतिक आयाम में विकास जारी रखने के साथ-साथ आध्यात्मिक दुनिया में आगंतुकों का मनोरंजन कर सकती है। ये सभी अभिव्यक्तियाँ वास्तव में चार्ली चैपलिन की आत्मा का प्रतिनिधित्व करती हैं, लेकिन विभिन्न रूपों में।

भूत की घटना को सोल होलोग्राम होलोग्राम से भी समझाया जा सकता है। क्लासिक भूत कहानियों में एक आत्मा अपने शरीर से निकलकर एक घर में घूमती है, जो अक्सर एक ही गतिविधि को बार-बार दोहराती है जैसे फर्श पर जंजीरों को खींचना, सीढ़ियाँ चढ़ना, पुलों पर कूदना, एक जगह पर घोड़ों की सवारी करना, गिरना, मरना, जहाँ उनके पिछले अवतार में व्यक्ति को फेंक दिया गया था। और इसी तरह। ऐसी आवर्ती अभिव्यक्तियों को हम आत्मा के जुनून या आग्रह के रूप में समझ सकते हैं। जुनून दोहराए जाने वाले, दखल देने वाले विचार हैं, जैसे "क्या मैंने दरवाज़ा बंद कर दिया?"

मजबूरियाँ दोहराई जाने वाली क्रियाएं हैं, जैसे संक्रमण होने या बीमारी होने के डर से बार-बार हाथ धोना।

यदि किसी आत्मा को उस घर के बारे में बार-बार विचार आते हैं जिसकी वह इच्छा रखती है या जिस तरह से जीवन समाप्त होता है, तो वह अपने जुनून के भौतिक दृश्य में, बाध्यकारी तरीके से, बार-बार अपना एक होलोग्राफिक प्रक्षेपण भेज सकती है।

आत्माओं, या भूतों के इन होलोग्राफिक प्रक्षेपणों को मनुष्यों द्वारा देखा या सुना जा सकता है जो उन्हें देखने के लिए पर्याप्त संवेदनशील हैं। जो लोग इको बोडीन जैसे "ओझा" के रूप में कार्य करते हैं, वे इन आत्माओं के लिए मनोचिकित्सक के रूप में काम करते हैं, और उनके जुनून को सुलझाने में मदद करते हैं।

आत्मा के होलोग्राम बनाने में सक्षम होने की अवधारणा इसका उपयोग विभिन्न ब्रह्मांडों में अस्तित्व का वर्णन करने के लिए भी किया जा सकता है। अहतुन रे संकेत देता है कि आध्यात्मिक दुनिया के पांच स्तरों के भीतर जो सात से परे है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

एक ऐसा स्तर जिसे अधिकांश मनुष्य समझ सकते हैं, विभिन्न अन्य ब्रह्मांड भी मौजूद थे। अन्य ब्रह्माण्डों में, अहतुन रे का कहना है कि प्रकाश के शहर हैं, जिनमें से एक को शम्बाला कहा जाता है।

अहतुन रे से पता चलता है कि आध्यात्मिक प्राणी विकसित हुए हैं हमारे ब्रह्मांड से पहले के क्षेत्र, हमारे बिग बैंग युग से पहले, 14 अरब साल पहले अस्तित्व में थे, आध्यात्मिक क्षेत्रों के इन पांच अतिरिक्त स्तरों में रहते थे। अहतुन रे बताते हैं कि एक विकसित आत्मा इन उच्च आयामों में से एक में प्रकाश के शहर पर अपना होलोग्राम प्रोजेक्ट कर सकती है, लेकिन मानव अवतार में खुद को स्थूल भौतिक क्षेत्र पर भी प्रोजेक्ट कर सकती है। वास्तव में, इतिहास के कई महान आध्यात्मिक गुरु ये ही विकसित प्राणी थे।

हममें से अधिकांश के लिए, आत्मा कहीं अधिक जटिल और शक्तिशाली है जिसे हम तब समझ सकते हैं जब हमारी चेतना मानव शरीर के भौतिक आयाम में बंद हो जाती है। हालाँकि, अधिक जानकारी सामने आ रही है, जैसा कि किम एडम्स और डी लोचर के मामलों में है। मैं अपनी कहानियाँ साझा करने और आत्माओं के विकसित होते विज्ञान में योगदान देने के लिए उन्हें धन्यवाद देता हूँ। जैसे-जैसे अधिक से अधिक ऐसी जानकारी साझा की जाएगी, आत्मा का विज्ञान आगे बढ़ेगा।

पुनर्जन्म, मानव विकास और आत्मा से संबंधित जानकारी एकत्र करने और उसका विश्लेषण करने के लिए IISIS नामक एक संगठन, विज्ञान, अंतर्ज्ञान और आत्मा के एकीकरण संस्थान की स्थापना की गई है। आशा है कि ऐसी सूचनाओं के एकत्र होने से मानव विकास तेजी से विकसित होगा।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

36

समय, स्थान और इंद्रियों की प्रकृति

भौतिक क्षेत्र में, हम अनुभव करते हैं और समय से बंधे हैं। इस दुनिया में आत्मा, अहतुन रे और कई आध्यात्मिक गुरुओं के अनुसार, समय की कोई धारणा नहीं है, हालांकि अंतरिक्ष की धारणा है।

अहतुन रे ने वर्णन किया है कि कैसे उन्होंने एक होलोग्राफिक मिस्र का मंदिर बनाया जहां केविन रायर्सन के ग्राहकों सहित जीव उनसे मिलने आते थे। अहतुन रे ने वर्णन किया है कि जब प्राणी उसके दायरे में प्रवेश करते हैं, तो वे प्रकाश की दीवार से निकलेंगे, उनके अनुरूप कपड़े पहनेंगे और उनके मंदिर की सेटिंग में उनके साथ बातचीत करेंगे।

टॉम मैकफर्सन एक अन्य आध्यात्मिक मार्गदर्शक हैं जो केविन के साथ काम करते हैं और उन्हें जीवन के उस दौर से गहरा लगाव है जब वह शेक्सपियर के समय में एक जेबकतरे और अंशकालिक आयरिश अभिनेता थे।

टॉम को अपने आध्यात्मिक क्षेत्र में एक आयरिश सराय की सेटिंग को फिर से बनाना पसंद है। अपनी दुकान में, वह उन लोगों से मिलता है जिनसे वह सलाह लेता है और बातचीत करता है।

लोग अपनी शराबखानों में जैसा उचित समझते थे वैसे ही कपड़े पहनते थे, कुछ महिलाएँ शॉर्ट-कट पोशाकें भी पहनती थीं जो उनके ब्रिटिश जीवन के दौरान लोकप्रिय थीं। मैकफ़र्सन का कहना है कि आध्यात्मिक दुनिया में, भौतिक वास्तविकता को कुछ हद तक पृथ्वी पर हमारी भौतिक वास्तविकता की तरह ही बनाया जा सकता है।

मैंने अहतुन रे से स्वाद और गंध जैसी इंद्रियों के बारे में पूछा, और विशेष रूप से, क्या पिज्जा आत्मा क्षेत्र में उपलब्ध है।

अहतुन रे का कहना है कि इंद्रियाँ स्मृति पर आधारित कार्य हैं और उन्हें आध्यात्मिक क्षेत्र में भी पुनर्निर्मित किया जा सकता है, हालाँकि ऐसा लगता है कि ऐसा करने के लिए आत्मा के विकास की निश्चित प्राप्ति की आवश्यकता होती है। यदि आत्मा कर सकती है

Machine Translated by Google

मिस्र के मंदिर या आयरिश शराबखाने का होलोग्राम पेश करने से यह समझ में आता है कि एक पिज़्ज़ेरिया बनाया जा सकता है।

आत्माएँ स्वयं से बाहर भी संवेदनाओं का अनुभव कर सकती हैं मनुष्यों के माध्यम से, माध्यम के संपर्क के माध्यम से। भाई इको बोडिन के बारे में कहानी याद करें, जिसमें मार्गदर्शक आत्मा ने अपने भाई के हाथ से ड्रम बजाया था। किम एडम्स ने साझा किया कि एक मृत संगीतकार ने किम के कानों के माध्यम से एक सिम्फनी सुनकर बहुत खुशी व्यक्त की। केविन यह भी कहते हैं कि बीयर प्राचीन मिस्र में लोकप्रिय थी, और अहतुन रे केविन की स्वाद कलिकाओं के माध्यम से आधुनिक शराब का आनंद लेते हैं।

पिछले जीवन प्रतिगमन चिकित्सा के क्षेत्र में, यह परिकल्पित है जिन लोगों को व्यसन होता है उनमें आत्माएं अस्वस्थ तरीके से प्रभावित हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, एक आत्मा जो पिछले अवतार में शराब की आदी थी, वह खुद को एक जीवित इंसान से जोड़ने में सक्षम हो सकती है और शारीरिक रूप से शराब के दुरुपयोग को प्रोत्साहित कर सकती है। तो हम यहां देखते हैं कि माध्यम की क्षमताओं का उपयोग लाभकारी तरीकों से किया जा सकता है, जैसे कि केविन रायर्सन के मामले में मानवता की सेवा के रूप में, या अस्वास्थ्यकर तरीकों से, जैसे कि अस्वास्थ्यकर लगाव में।

जैसा कि समझाया गया है, आत्मा की दुनिया में समय का कोई एहसास नहीं है। इसके अलावा, एक आत्मा अपनी इच्छानुसार अपने पिछले अवतारों को प्रतिबिंबित कर सकती है, जैसे कि यह वर्तमान में हो रहा हो, जैसे हम डीवीडी पर एक पसंदीदा फिल्म देख सकते हैं और उसका आनंद ले सकते हैं, भले ही वह कब बनी हो।

पिछले जन्मों को उतनी ही जीवंतता से अनुभव किया जा सकता है, जितनी तब थी, जैसे डीसीडी एक फिल्म को बार-बार जीवंतता से चलाता है।

दूसरी ओर, भौतिक क्षेत्र में समय है। एक दृष्टिकोण जो आध्यात्मिक समूहों में लोकप्रिय हो रहा है वह यह है कि भविष्य के जीवन सहित सभी जीवन घटित हुए हैं और ये सभी जीवन एक साथ घटित होते हैं। क्योंकि

Machine Translated by Google

इन दावों की लोकप्रियता और यह तथ्य कि इन बयानों का मेरे लिए कोई मतलब नहीं है, मैंने अहतुन रे से इस मामले के बारे में कई बार पूछा है।

अहतुन रे ने भी कई बार उत्तर दिया है कि भविष्य अभी तक नहीं हुआ है और उसके कारण, भविष्य का जीवन अभी तक नहीं हुआ है। हालाँकि आत्मा पिछले जन्मों को प्रतिबिंबित कर सकती है जो भौतिक क्षेत्र की समयरेखा के भीतर घटित हुए हैं, यह उन जीवनजन्मों का अनुभव नहीं कर सकती जो उसी समयरेखा में घटित नहीं हुए हैं।

अहतुन रे बताते हैं कि जब लोग ऐसा अनुभव करते हैं जिसे वे भावी जीवन मानते हैं, तो वे भविष्य की संभावनाओं का अनुभव कर रहे होते हैं। यह पूरी तरह से एक शेड्यूल बनाकर, आपके वर्तमान अवतार में, भौतिक दुनिया में भविष्य की गतिविधियों की योजना बनाने जैसा ही है। जब तक आप अपने द्वारा बनाई गई योजनाओं का पालन करते हैं, आप अनुमान लगा सकते हैं कि आप भविष्य में कहां होंगे। इसका मतलब यह नहीं है कि जब आप योजनाएँ बनाते हैं तो भविष्य पहले ही घटित हो चुका होता है

योजना।

इसी तरह, अगर हम छह महीने की छुट्टियों की योजना बना सकते हैं आज से, अन्य महाद्वीपों के लिए उड़ान भरने के लिए टिकट खरीदें और दूर देशों में होटल के कमरे बुक करें, उसी तरह, एक आत्मा अपने भविष्य के जीवन की योजना बना सकती है, चीजों के क्रम की कल्पना कर सकती है। और जगह. वास्तव में, जटिल यात्रा कार्यक्रम और कई बैठक बिंदुओं के साथ, आत्मा समूह क्षेत्र के कई व्यक्ति एक साथ अवतार की योजना बनाते हैं। हालाँकि, छुट्टियों या जीवन भर की योजना बनाना यह घोषित करने से अलग है कि उनमें से एक पहले ही हो चुका है।

आत्मा की धारण करने की क्षमता के बारे में आश्चर्यजनक बातों में से एक अतीत के व्यक्तित्वों का एक होलोग्राम यह है कि आध्यात्मिक दुनिया में प्रवेश करने के बाद वे आपके साथ बातचीत कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, मृत्यु के बाद पिछले जीवन के फ्लैशबैक में, यदि आप पिछले जीवन की किसी आकृति के साथ बातचीत करते हैं, तो वह आकृति आपको अतीत में उसके अवतार के रूप में अनुभव करेगी।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

भविष्य। हालाँकि, यह एक ऐसी घटना थी जो आध्यात्मिक क्षेत्र में प्रचलित थी, इसलिए इसने भौतिक दुनिया में समयरेखा के अस्तित्व का उल्लंघन नहीं किया।

अहतुन रे का आश्वासन कि भविष्य अभी बनना बाकी है, मेरे लिए आरामदायक है, क्योंकि इसका मतलब है कि हमारे जीवन, साथ ही हमारे द्वारा लिए गए निर्णय और विकल्प का अर्थ है। यह हम ही हैं जो भौतिक क्षेत्र में अपने कार्यों से भविष्य का निर्माण करते हैं।

Machine Translated by Google

37

जादुई बच्चे:
पिकासो, रूबेन्स, बीथोवेन,
और माइकलएंजेलो पुनर्जन्म

पुनर्जन्म के बारे में सबसे दिलचस्प भागों में से एक हैं: पुनर्जन्म बाल विलक्षणताओं की घटना के लिए एक बहुत ही सरल और तार्किक व्याख्या प्रदान करता है। यदि हम उस मॉडल पर लौटते हैं जिसमें आत्मा स्वयं का एक होलोग्राम भौतिक रूप में प्रक्षेपित करने में सक्षम है, तो हम कल्पना कर सकते हैं कि कैसे एक आत्मा, पिछले अवतारों के ज्ञान और प्रतिभाओं को धारण करते हुए, इस प्रतिभा को शरीर पर प्रक्षेपित कर सकती है, डाउनलोड कर सकती है। एक बच्चे का.

आइए एलेक्जेंड्रा नेचिता के मामले पर विचार करें, जो रही हैं पाब्लो पिकासो के पुनर्जन्म के रूप में पहचाना गया। एलेक्जेंड्रा को बचपन से ही कला कृतियाँ बनाने का शौक रहा है, भले ही उसे अपने माता-पिता या अपने परिवेश से कला बनाने की दिशा नहीं मिली। दरअसल, उसके माता-पिता इस बात से थोड़े चिंतित थे कि एलेक्जेंड्रा अन्य बच्चों के साथ खेलने, या अन्य काम करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखा रही थी जो आमतौर पर छोटे बच्चे करते हैं। चार साल की उम्र में, उन्होंने दो चेहरों और चार आँखों वाली आकृतियाँ बनाना शुरू कर दिया, जिसमें लोगों को घन जैसे पैटर्न में दर्शाया गया था। पिकासो ने क्यूबिज़्म की स्थापना में योगदान दिया था और आठ साल की उम्र में, क्यूबिज़्म की शैली में पूरी तरह से महारत हासिल करने के बाद, एलेक्जेंड्रा को "लिटिल पिकासो" के नाम से जाना जाता था। उन्होंने विभिन्न प्रकार के मीडिया में काम किया, पिकासो जैसी पेंटिंग और यहां तक कि पिकासो जैसी विशाल मूर्तियां भी बनाईं।

एक अन्य प्रतिभाशाली बालक, कलाकार अकाइन क्रामारिक ने चार साल की उम्र में अनायास ही पेंटिंग करने की क्षमता विकसित कर ली

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

एक अनुभव होने के बाद जिसमें उन्होंने कहा कि उन्हें स्वर्ग ले जाया गया था। अनुभव विवरण इको बोडीन अनुभव के समान है। 1994 में एक नास्तिक परिवार में जन्मी अकाइन ने स्वयं कला सीखी थी और उन्होंने साझा किया है कि "भगवान मेरे शिक्षक हैं"।

उनके दर्शन ने उनके परिवार में आध्यात्मिकता ला दी है और उनकी पेंटिंग्स $50,000 से $1,000,000 तक बिकती हैं। अकैने ने कविता भी रची। जैसा कि उसकी वेबसाइट पर बताया गया है, जब उससे पूछा गया कि उसने लिखना कहाँ से सीखा, तो अकैने ने जवाब दिया कि ऐसा लगता है कि ये विचार "मुझमें पैदा हुए थे"। उन्होंने यह भी लिखा: "आत्मा के द्वारा मैंने अन्य जीवनों का अनुभव किया।" फिर से, एक मॉडल की कल्पना करें जिसमें अकाइन की आत्मा खुद का एक होलोग्राम प्रोजेक्ट करती है, जानकारी को युवा अकाइन के दिमाग में डाउनलोड या स्ट्रीम करती है।

हालाँकि मैं कोई मानसिक रोगी नहीं हूँ, फिर भी मैं कभी-कभी अंतर्ज्ञान के माध्यम से पिछले जीवन की सटीक पहचान की जानकारी प्राप्त कर लेता हूँ। मैं हमेशा अहतुन रे के साथ इस तरह से मिलने वाली जानकारी की जांच करता हूं। जब मैंने पहली बार अकाइन की कला में रंग देखे, जो अक्सर धार्मिक प्रकृति का था, तो मुझे तुरंत एक आंतरिक संदेश का अनुभव हुआ कि वह 1577 में पैदा हुए फ्लेमिश बारोक चित्रकार पीटर पॉल रूबेन्स का पुनर्जन्म था। फिर मैंने देखा कि एक छवि अकाइन की स्वयं की है। यह चित्र रूबेंस के चित्र से काफी मिलता जुलता है। यहां तक कि चित्रण का वह कोण भी जिसमें दोनों स्व-चित्रों में सिर को दर्शाया गया है, समान है।

केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, अहतुन रे ने सहमति व्यक्त की कि अकाइन रूबेन्स का पुनर्जन्म था। चूंकि अकैने अभी भी था

इतनी छोटी उम्र में, मैंने उसके परिवार से इस पिछले जीवन की पहचान को सार्वजनिक रूप से घोषित करने की अनुमति मांगी। मैं अकैने की मां फोरेली क्रामारिक को वह आशीर्वाद देने के लिए धन्यवाद देता हूं, जिसमें उन्होंने कहा था कि मुझे अपने विचार व्यक्त करने की आजादी होनी चाहिए। हालाँकि, यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि यह कथन कि अकाइन रूबेन्स का पुनर्जन्म है, मेरा कथन है, न कि अकाइन का और न ही उसके परिवार का। के बारे में और अधिक जानने के लिए

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अकाइन, आप यहां देख सकते हैं: www.artakiane.com

प्रतिभाशाली बाल संगीतकार के एक मामले में पुनर्जन्म शामिल है लुडविग वान बीथोवेन की. डॉ. द्वारा शोध किए गए डैनियल जुर्डी और सुज़ैन घनम के मामलों को याद करें। इयान स्टीवेन्सन और बॉर्न अगेन और रिटर्न ऑफ द रिवोल्यूशनरीज़ किताबों में उद्धृत, बताया गया कि व्यक्तियों का पुनर्जन्म बहुत जल्दी हो सकता है, यहां तक कि मृत्यु के एक वर्ष के भीतर भी। यह एक सामान्य सिद्धांत है कि अधिकांश आत्माएं जल्दी और बार-बार पुनर्जन्म लेती हैं, जो मेरा मानना है कि सच है।

इसका तात्पर्य यह है कि इतिहास में प्रसिद्ध लोगों का भी पुनर्जन्म हुआ है। हालाँकि उनके पास अतिरिक्त जीवन हैं, फिर भी हम उन्हें उनके क्रमिक अवतारों में नहीं पहचानते हैं।

चूँकि बीथोवेन का जन्म 1770 में हुआ था और उनकी मृत्यु 1827 में हुई थी, हम उम्मीद करते हैं कि तब और अब के बीच उनके कई अवतार हो चुके होंगे। दरअसल, मैं विचार कर रहा था कि शायद बीथोवेन भी वर्तमान में अवतरित हुए थे और मैं सोच रहा था कि उनकी पहचान कौन थी।

17 फरवरी 2008 को, मैं एक अमेरिकी टेलीविजन देख रहा था सिक्सटी मिनट्स नाम का शो, जिसमें गुस्तावो एडोल्फो डुडामेल नाम के एक युवा वेनेज़ुएला कंडक्टर के बारे में एक खंड दिखाया गया था, जिसे एक संगीत सनसनी माना जाता है। दरअसल, टेलीविज़न शो के उस सेगमेंट का शीर्षक "गुस्तावो द ग्रेट" है। जब मैंने उसका चेहरा, उसके बाल और एक कंडक्टर के रूप में उसका उत्साहित अंदाज़ देखा, तो मैंने तुरंत कहा, "वह बीथोवेन है।" कुछ सेकंड बाद, शो के रिपोर्टर ने कहा कि गुस्तावो अपने बालों को बेतहाशा नाचते हुए जिस संगीत का संचालन कर रहे थे, वह बीथोवेन द्वारा रचित था। केविन रायर्सन के साथ एक बाद के सत्र में, जो टेलीविजन शो प्रसारित होने के ठीक छह दिन बाद हुआ, मुझे खुशी हुई जब अहतुनरे ने पुष्टि की कि गुस्तावो डुडामेल वास्तव में लुडविग वान बीथोवेन का पुनर्जन्म था।

गुस्तावो का जन्म 26 जनवरी 1981 को हुआ था। जब सिक्सटी मिनट्स में उनका साक्षात्कार लिया गया, तो उन्होंने बताया कि जब वह छह साल के थे, तभी से उन्होंने कंडक्टर बनना शुरू कर दिया था। उन्होंने एक बच्चे के रूप में संगीत सीखना शुरू किया, वायलिन की शिक्षा ली और औपचारिक रूप से अध्ययन करना शुरू किया

Machine Translated by Google

1995 में 14 साल की उम्र में कंडक्टर बन गए। अगले वर्षों में, उन्होंने कंडक्टर की प्रतियोगिता जीती और 27 साल की उम्र में, वह स्वीडन के गोथेनबर्ग सिम्फनी के मुख्य कंडक्टर बन गए।

2009 में, उन्हें लॉस एंजिल्स फिलहारमोनिक का संगीत निर्देशक नामित किया गया, जो ऑर्केस्ट्रा के इतिहास में सबसे कम उम्र के निर्देशक बन गए।

2006 में, गुस्तावो ने बैले डांसर, पत्रकार और लंबे समय से प्रेमी एलोइसा माटुरेन से शादी की। मैंने गुस्तावो और एलोइसा के बीच पिछले संबंधों के बारे में पूछताछ की, और अहतुन रे ने पुष्टि की कि एलोइसा बीथोवेन के रोमांसों में से एक जोसेफिन वॉन ब्रंसविक का पुनर्जन्म था। जोसेफिन के एक चित्र में, उसके और एलोइसा के बीच एक अद्भुत समानता है।

बीथोवेन का रोमांस एकतरफा था और उन्होंने कभी शादी नहीं की। दूसरी ओर, आजकल एलोइसा और गुस्तावो की शादी खुशहाल नजर आ रही है।

बीथोवेन के जीवन का एक और दुखद पहलू तब था जब वह बहरे हो गए। 26 साल की उम्र में उन्हें टिनिटस हो गया, जो कानों में घंटियाँ बजने के लिए एक चिकित्सा शब्द है, जो उनकी सुनने की क्षमता में बाधा डालता है। 44 साल की उम्र में, बीथोवेन पूरी तरह से बहरे हो गए थे, इस स्थिति को उन्होंने 57 साल की उम्र में अपनी मृत्यु तक झेला। अपनी सुनने की अक्षमता के बावजूद, बीथोवेन ने संगीत की दुनिया के कुछ सबसे खूबसूरत गीतों की रचना जारी रखी।

एक प्रसिद्ध कहानी में उनकी मार्मिक स्थिति का वर्णन किया गया है, जब वह अपने नौवें के उद्घाटन प्रदर्शन के संचालक थे

सिम्फनी, जिसमें उनका विद्युतीकरण करने वाला ओड टू जॉय शामिल है,

बीथोवेन ने अपने प्रदर्शन के अंत में "मौन" के अलावा कुछ नहीं सुना। इसके बाद वह मुड़े और दर्शकों का सामना किया, जो जोर-जोर से तालियां बजा रहे थे। यह दृश्य देखकर लेकिन कुछ भी सुनने में असमर्थ बीथोवेन रोने लगे।

वर्तमान में, बीथोवेन की सुनने की क्षमता भी अच्छी है एक अमर प्रेम. "गुस्तावो द ग्रेट" और एलोइसा का जीवन सुखी और सार्थक हो।

एक अन्य विलक्षण बाल मामले में बारब्रो कार्लेन शामिल है, जो

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

बचपन से ऐनी फ्रैंक होने की यादें हैं।
याद करें कि बार्ब्रो ने कम उम्र से ही लिखने की प्रतिभा दिखाई थी, और बारह साल की उम्र तक उन्होंने कविता और पद्य की एक प्रकाशित पुस्तक लिखी थी। पुस्तक का शीर्षक मैन ऑन अर्थ था और यह स्वीडिश इतिहास में कविता की सबसे अधिक बिकने वाली पुस्तक बन गई।

बारब्रो पुजारियों को चकित करते हुए टेलीविजन शो में दिखाई देता है
एक किशोर लड़की को आत्मा, मानव स्वभाव और अच्छे और बुरे के सवालों जैसे मुद्दों पर इतनी समझदारी से बात करते देखना।
ऐनी फ्रैंक ने भी इसी तरह की क्षमताओं का प्रदर्शन किया और वास्तव में, जिस कारण वह नरसंहार का प्रतीक बन गईं, वह यह है कि उनकी डायरियां बहुत अच्छी तरह से लिखी गई हैं और सार्वभौमिक विषयों को कवर करती हैं जैसे कि

मानवता की प्रकृति और क्या मनुष्य अच्छे या बुरे हैं।
इसी तरह, पाठक इस बात से आश्चर्यचकित हैं कि ऐनी, एक युवा लड़की के रूप में, नैतिक विषयों पर इतनी परिपक्वता से कैसे लिख सकती है।

यहां तक कि जब ये प्रतिभाएं जीवन में बाद में व्यक्त होती हैं, तब भी हमारे पास होती हैं
देखा कि कैसे आत्मा के पैटर्न भौतिक अवतारों में खुद को दोहराते प्रतीत होते हैं। इस पुनर्जन्म का एक उदाहरण कलाकार पॉल गाउगिन हैं। जब वह छोटा था, गौगुइन के पुनर्जन्म, पीटर टेकैम्प ने अनजाने में उन रेखाचित्रों को पुन: प्रस्तुत किया जो गौगुइन ने एक वयस्क के रूप में बनाए थे।

लॉरेल-हार्डी/बाकर बॉयज़ के मामले में, जोश और डैनी बाचर बचपन में लॉरेल और हार्डी के प्रति सहज रूप से आकर्षित थे।
युवा लोगों के रूप में, उन्होंने अपनी स्वयं की मूक फिल्म बनाकर स्टेन और ओली के हास्य विकास को फिर से बनाया। डोरोथी डैंड्रिज/हैले बेरी पुनर्जन्म के मामले में, ऐसा लगता है कि डोरोथी डैंड्रिज का अभिनय करियर हैले बेरी की भूमिका में जारी रहा, जिसकी परिणति उनके ऑस्कर जीतने में हुई।

इस बिंदु पर, मैं इसके संबंध में एक जानकारी प्रदान करना चाहूंगा
माइकलएंजेलो का पुनर्जन्म. ये मामला कैसे सामने आ सकता है ये काफी दिलचस्प है. सितंबर 2006 में फ़्लोरेंस में मिले एक अनुभव से शुरुआत।

मेरी प्रेमिका स्वेतका और मैं भूमध्य सागर पर एक क्रूज पर थे, हमारा टूर ग्रुप माइकलएंजेलो की डेविड प्रतिमा देखने गया था। जब हम संग्रहालय के बाहर इंतज़ार कर रहे थे, हम

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

मैंने एक स्ट्रीट वेंडर को "यूनियन 76" लोगो वाली टी-शर्ट पहने देखा।

श्वेतका और मैं शायद ही इस पर विश्वास कर सके, क्योंकि मैंने इसके लिए काम किया था तेल कंपनी, यूनियन 76, जिसे यूनोकल 76 के नाम से भी जाना जाता है, 11 वर्षों तक चिकित्सा निदेशक रहे। अपनी पुस्तक, रिटर्न ऑफ द रेवोल्यूशनरीज़ में, मैं अपने जीवन में इस प्रतीक 76 के महत्व की समीक्षा करता हूं क्योंकि यह अमेरिकी क्रांति के दौरान मेरे पिछले अवतार से संबंधित है, जो 1776 में हुई थी। यूनियन 76 एक कैलिफोर्निया स्थित कंपनी है जिसने संचालन- संचालन भी इंडोनेशियाई है। यहां तक कि संयुक्त राज्य अमेरिका में भी, 1997 में कंपनी छोड़ने के बाद से मैंने यूनियन 76 टी-शर्ट नहीं देखी है। फ्लोरेंस में यह टी-शर्ट कैसे दिखाई दी?

इस संयोग ने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया कि क्या माइकल एंजेलो भी थे वर्तमान में पुनर्जन्म. जब हम सैर से वापस आए, तो केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या माइकलएंजेलो अब अवतरित हो गया है। अहतुन का कहना है कि उन्होंने अवतार लिया है और माइकलएंजेलो अब लास वेगास में रह रहे हैं। अहतुन रे ने कहा कि वह फिल्मों के सेट डिजाइन करने में शामिल रहे हैं और उन्होंने लास वेगास कैसीनो में कलाकृतियां बनाई हैं। अहतुन रे ने मुझे माइकलएंजेलो अवतार का नाम बताने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि मुझे इसे ढूंढने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए।

मैंने लास वेगास में कलाकारों और डिजाइनरों की इंटरनेट पर खोज की और मैं तुरंत 80 फुट की एक मूर्ति की ओर आकर्षित हो गया, जिसमें दो विशाल मुक्केबाजी दस्ताने एक-दूसरे से टकरा रहे थे, जो लंबवत रूप से बनाए गए थे। मैंने मन में सोचा कि यह कुछ ऐसा है जिसे माइकल एंजेलो बनाएगा, शायद उस पैमाने के कारण, जिसके बारे में मुझे उस समय जानकारी नहीं थी। बॉक्सिंग ग्लव्स की तस्वीर के पास एक फ़ोन नंबर था और मैंने उसे कॉल किया। एक आदमी ने जवाब दिया और मैंने उसे बताया कि मैं उस कलाकार को ढूंढने की कोशिश कर रहा हूं जिसने बॉक्सिंग दस्ताने बनाए हैं। आवाज़ ने उत्तर दिया, "मैं अकेला हूँ।"

पॉल-फेलिक्स मोंटेज़ जाहिर तौर पर चैनल के दूसरे छोर पर आवाज के मालिक हैं

Machine Translated by Google

वह फ़ोन. उन्होंने कहा कि उन्होंने इस फोन नंबर को एक बिजनेस लाइन के रूप में स्थापित किया है जिसका वे शायद ही कभी सीधे जवाब देते हों। फिर मैंने उस पुनर्जन्म अनुसंधान के बारे में बताया जो मैं कर रहा था, जो काम मैं केविन रायर्सन के साथ कर रहा था, और यह तथ्य कि मैं लास वेगास में माइकल एंजेलो के पुनर्जन्म की तलाश कर रहा था। मैंने जारी रखा कि मैं इस संभावना के बारे में सोच रहा था कि वह वही हो सकता है लेकिन यदि नहीं, तो मैंने उससे पुनर्जन्म वाले माइकलएंजेलो को ढूंढने में मेरी मदद करने के लिए कहा क्योंकि उसे वहां के कलाकार समुदाय के बारे में पता होना चाहिए। पॉल ने फिर हँसते हुए कहा, "यह वास्तव में दिलचस्प है, क्योंकि मैं लास वेगास में केवल एक साल से थोड़ा अधिक समय से रह रहा हूँ और फिर भी तीन अलग-अलग लोगों ने मुझे लास वेगास का माइकलएंजेलो कहा है।"

बाद में, पॉल ने मुझे अपनी तस्वीरें भेजीं और मैंने पाया कि उसकी विशिष्ट चौड़ी नाक सहित उसके चेहरे की विशेषताएं माइकल एंजेलो के अनुरूप थीं। केविन के साथ बाद के सत्र में, अहतुन रे ने कहा कि पॉल-फेलिक्स मोंटेज़ माइकल एंजेलो का पुनर्जन्म था, हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि एक और विभाजित पुनर्जन्म भी मौजूद है। मैंने पूछा कि माइकल एंजेलो लास वेगास में क्यों रहना चाहेंगे और अहतुन रे ने मुझे बताया कि इटली में उनके समय के दौरान, उनकी मुख्य भूमिका रोमन कैथोलिक चर्च थी, जिसने माइकल एंजेलो के काम की सीमा को सीमित कर दिया था। लास वेगास विपरीत ध्रुव का प्रतिनिधित्व करता है, जहां उसे जो कुछ भी पसंद है उसे बनाने की पूरी आजादी है।

फिर मैंने सिफारिश की कि पॉल माइकल एंजेलो के जीवन का अध्ययन करे, जो उसने किया। बहुत कुछ समान पाते हुए, पॉल ने माइकल एंजेलो और अपने बीच संबंधों के बारे में अपना स्वयं का वेब पेज पोस्ट किया, जिसे उन्होंने "अद्भुत" बताया। पॉल ने दयालुतापूर्वक मुझे इस अध्याय में अपने विश्लेषण का उपयोग करने की अनुमति दी है। मैं पॉल की कुछ टिप्पणियाँ आपके साथ साझा करना चाहता हूँ।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

बचपन और प्रतिभा प्रदर्शन

माइकल एंजेलो फ्लोरेंस में पले-बढ़े और फिर, लंबी बीमारी के दौरान और अपनी मां की मृत्यु के बाद, वह सेटिग्नानो शहर में एक पत्थर काटने वाले और उसकी पत्नी और परिवार के साथ रहे, जहां उनके पिता के पास एक संगमरमर की खदान और एक छोटा सा खेत था। जब मैं एक वर्ष का था तब से मैं स्वयं एक अनाथ हूँ, मेरे पिता ने मुझे मैनहट्टन में न्यूयॉर्क के एक अनाथालय में छोड़ दिया था। मेरे गोद लेने का दस्तावेजीकरण करने वाले कई पत्रों में कहा गया है कि जिस माँ ने मुझे जन्म दिया, उसने मेरे पिता और मुझे दोनों को छोड़ दिया, और मेरे जैविक पिता अब मेरी देखभाल करने में सक्षम नहीं हैं। फिर मुझे दो साल की उम्र में न्यूयॉर्क में एक इतालवी परिवार में गोद ले लिया गया।

माइकल एंजेलो ने बचपन में एक शिल्पकार संघ में अध्ययन करना शुरू किया। शुरू से ही माइकल एंजेलो ने अपनी चित्रकारी क्षमता से कई लोगों को प्रभावित किया है। वह संगमरमर के विशाल अप्रयुक्त टुकड़ों पर काम करता है और पत्थर के साथ अपनी रचनाओं के लिए जाना जाता है। पहली कक्षा में, मैंने लॉग केबिनों के बहुत सारे चित्र बनाए और शिक्षक पक्षियों, पेड़ की शाखाओं को विस्तार से चित्रित करने में मेरे स्तर से प्रभावित हुए। मेरे दादाजी ने मुझे शरीर रचना विज्ञान पर एक किताब दी थी, जो सभी इतालवी में लिखी गई थी। मैंने 7 या 8 साल की उम्र में किताब के आधार पर चित्रकारी की, जिसमें नग्न लोगों की पेंटिंग भी शामिल थीं।

माइकल एंजेलो और दा विंची का अधिकांश शोध भी पुस्तक में है। तीसरी कक्षा में, मुझे 4 फुट गुणा 6 फुट के हॉल की दीवार पर "क्रिस्टोफर कोलंबस का आगमन" भित्ति चित्र बनाने के लिए चुना गया था। मिडिल स्कूल में, कला में मेरी उत्कृष्ट उपलब्धियाँ थीं, और मैं स्वयं विज्ञान अन्वेषण के लिए एक विशेष विज्ञान छात्र बन गया। 14 साल की उम्र में, मुझे एक स्कूल हॉल की दीवार के लिए 26 फुट गुणा 8 फुट की भित्ति चित्र बनाने के लिए चुना गया था, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में विज्ञान की उपलब्धियों को दर्शाता था। बाद में, मुझे मैनहट्टन, न्यूयॉर्क में एक व्यावसायिक कला हाई स्कूल में स्वीकार कर लिया गया।

विश्वविद्यालय जाने के लिए पैसे की कमी के कारण मेरे पास बहुत कम विकल्प थे जब तक कि एक पर्यवेक्षक ने मुझे कूपर के लिए एक आवेदन की पेशकश नहीं की

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

यूनियन स्कूल ऑफ आर्ट एंड आर्किटेक्चर। यह ध्यान में रखते हुए कि यह एक छात्रवृत्ति विद्यालय है, जिसमें कठोर परीक्षाओं, पोर्टफोलियो सबमिशन और परीक्षाओं की एक श्रृंखला होती है, मुझे लगा कि इसमें बहुत कुछ नहीं है जो मैं कर सकता हूं या इसकी आशा नहीं कर सकता; मेरे पास बस एक हल्की सी आशा है। मैं जो कर सकता हूं वह है "कोशिश"।

विश्वविद्यालय को सालाना 10,000 आवेदन प्राप्त होते हैं, और स्कूल के प्रत्येक प्रमुख विषय: कला, वास्तुकला और भौतिकी के लिए केवल 60 सुबह के छात्रों और 50 रात के छात्रों का चयन करता है।

संभावनाएँ हज़ार से एक हैं, लेकिन किसी तरह, परीक्षा के दौरान, मुझे लगा कि मेरे पास खोने के लिए कुछ नहीं है, मुझे याद है कि मेरा मन कह रहा था, "हर चीज़ को वैसा ही बनाएं जैसा आप उसे देखते हैं, जैसा आप महसूस करते हैं। इसे सब ढीला छोड़ दें, जैसा कि आप इसे अपने अंदर जानते हैं। यह आपकी अपनी रचनात्मकता और रचनाएँ हैं।

हालाँकि, हमें उस बड़े पुराने हॉल का चित्र बनाने के लिए कहा गया जहाँ हम थे, और बहुतों ने ऐसे यथार्थवादी ग्रेडेशन के साथ चित्र बनाए। मैंने इसे एक "मूर्तिकला" के रूप में देखा, जिसमें स्पष्ट काली रेखाएँ, विशाल आकृतियाँ एक-दूसरे से टकरा रही थीं, एक-दूसरे का चक्कर लगा रही थीं, और मैंने इसे इस तरह से चित्रित किया। और फिर मुझे न्यूयॉर्क शहर में कूपर यूनियन स्कूल ऑफ आर्ट एंड आर्किटेक्चर में स्वीकार कर लिया गया।

मूर्तिकला के बारे में

हाँ, मैं एक मूर्तिकार हूँ. 30 से अधिक वर्षों तक एक मूर्तिकार और मूर्तिकार होने के नाते, मैंने लास वेगास में सीज़र पैलेस में पाए गए कई महान घोड़ों और मूर्तियों, कैसीनो कैसीनो के लिए आंकड़े, मेन इन ब्लैक और बैटमैन जैसी फिल्मों के लिए आंकड़े और सेटिंग्स पर काम किया है। मैं केवल 55 मूर्तिकारों के विशिष्ट समूह ITASE का सदस्य हूं जो आर्किटेक्चरल यूनियन और फिल्म और संग्रहालय प्रदर्शनी में स्थित है। मैं वर्तमान में लास वेगास के लिए बड़े पैमाने पर स्मारक बना रहा हूं, यहां तक कि द ग्रेटेस्ट नामक अपनी एक रचना का प्रस्ताव भी रख रहा हूं।

जब मैंने पॉल से पूछा कि क्या वह ऐसा कर सकता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

माइकल एंजेलो की डेविड जैसी मूर्ति, उन्होंने उत्तर दिया, “हाँ, इसमें कोई संदेह नहीं है। मैंने शास्त्रीय शरीर रचना विज्ञान में बहुत सारी बेहतरीन मूर्तियाँ बनाई हैं—मैं इसमें बहुत अच्छा हूँ। मूर्तिकला में द्रव्यमान और रेखा को देखने के लिए मेरे पास 'अविश्वसनीय आँख' है; मेरे सहकर्मी हमेशा ऐसा कहते हैं। यह दूर से भी सहज ज्ञान युक्त है। मैं इसे हमेशा अपनी आंख से इंच तक माप सकता हूं।

मैंने हाल ही में लास वेगास आर्ट में एक प्रमुख एकल प्रदर्शनी लगाई थी संग्रहालय, ताकि मेरे काम को कला समुदाय द्वारा मान्यता दी जा सके। अब भी, मैं प्रमुख वास्तुशिल्प परियोजनाओं को सक्षम करने के लिए शहरों, महापौरों, प्रमुख रियल एस्टेट डेवलपर्स और कला परिषदों से जुड़ता हूं।

मैं डिस्कवरी चैनल नामक केबल श्रृंखला में दिखाई दिया भूत बंगला। शो में, गर्मी की गर्मी में 104 डिग्री फ़ारेनहाइट के तहत काम करते हुए, मैंने फिरौन रामसेस की दो मंजिला ऊंची कंक्रीट से ढकी मूर्ति की नक्काशी पूरी की।

इस पर निर्माताओं का बयान था: "कोई भी कभी भी इस शो में नहीं आया है, इतनी सटीकता और तेज़ी से काम नहीं किया है, या कभी भी इतनी जल्दी और इतनी सच्ची ईमानदारी के साथ इस तरह की परियोजना का निर्माण या पूरा नहीं किया है।" यह मेरी प्रेरणा, अभ्यास और कौशल के लिए बहुत बड़ी प्रशंसा है।

मैं बैटमैन, कांगो, इंडियन इन द कपबोर्ड, मेन इन ब्लैक, गॉडज़िला, शोगर्ल्स, स्पीशीज़ और कई अन्य बड़ी फिल्मों में लाइव-एक्शन इफ़ेक्ट डिज़ाइनर रहा हूँ। मैंने बहुत सारी सेटिंग्स, खेल के मैदान, विशेष दुकानें, कैसीनो सजावट आदि भी डिज़ाइन की हैं

अधिक।

बिना किसी संदेह के, माइकलएंजेलो कला के अब तक के सबसे महान और सबसे गतिशील, प्रतीकात्मक कार्यों में से कुछ बनाने के लिए प्रसिद्ध हैं। सिस्टिन चैपल, डेविड, ला पिएटा आदि के लिए, उन्हें अपने समय का सबसे महान मूर्तिकार माना जाता है। मैंने "बिग आर्ट" भी बनाया। मेरे द्वारा उस शब्द का उपयोग करने का कारण हमारी संस्कृति की अज्ञानता है।

"स्मारक" शब्द को याद रखना और तराशना किसी के लिए भी असंभव लगता है, जैसे कि इसमें आधी-मौन "पी" ध्वनि हो। इसलिए आवश्यकता, हास्य, ब्रांड पहचान और मनोरंजन के कारण, मैं इसे "बड़ी कला" कहता हूं।

Machine Translated by Google

माइकलएंजेलो की डेविड दुनिया की सबसे प्रतीकात्मक कला छवियों में से एक है। इन सभी घटनाओं से लगभग एक साल पहले, द ग्रेटेस्ट नामक मेरी दो-भागीय कलाकृति के स्मारकीय भाग, द ग्लव्स की मूर्तिकला पर काम करने के बाद, मैंने हाल ही में इसे फिर से देखा। मॉडल में दस्ताने 80 फीट ऊंचे हैं और स्टील और कांस्य से बने हैं, और वित्तपोषण तरल होने पर मशीनीकृत, निर्मित और स्थापित होने के लिए तैयार हैं।

माइकल एंजेलो, जो अक्सर दूसरों के प्रति अहंकारी थे और खुद से लगातार असंतुष्ट रहते थे, कला को आंतरिक प्रेरणा और संस्कृति से उत्पन्न मानते थे। मेरा नजरिया भी यही है. मेरे अंदर के कुछ दृश्य ने मुझे एक रचनात्मक दिशा दिखाई, जिसने मुझे परेशान कर दिया और मुझे इसे बनाना पड़ा। लेकिन जब मैंने इसे बनाया, तो अचानक प्रेरणा दूसरे आयाम पर पहुंच गई: ऐसा क्यों है, यह अपने आस-पास की संस्कृतियों में कैसे रह सकता है, प्रतिबिंबित कर सकता है और मौजूद रह सकता है?

यह प्रतीकात्मकता एक बड़ा विचार है और इसका दर्शकों पर क्या प्रभाव पड़ता है।

माइकल एंजेलो कहते हैं: “अधिकांश लोगों के लिए इससे अधिक खतरनाक क्या है
हम बहुत ऊंचे लक्ष्य निर्धारित नहीं कर रहे हैं और न ही उन्हें हासिल कर रहे हैं, बल्कि बहुत छोटे लक्ष्य निर्धारित कर रहे हैं और उन्हें हासिल कर रहे हैं।''

जब हाल ही में मेरी स्मारकीय मूर्तिकला और मुक्केबाजी के खेल के स्मारक पर चर्चा हुई, तो किसी ने टिप्पणी की, "यह आकार, प्रतीकात्मक पैमाने और दृश्य पहचान लेता है, और इसे भविष्य में एक कदम आगे ले जाता है - जिसमें समय कारक और अमरता का सीधा वादा शामिल है।" . यह बहुत बड़ा है, हर स्वाद में हम इसे शामिल कर सकते हैं।"

लेखन और कविता के बारे में

माइकल एंजेलो एक कवि और लेखक भी थे। निम्नलिखित एक उदाहरण है जो उन्होंने 57 वर्ष की आयु में लिखा था।

“मुझे ऐसा महसूस हुआ मानो मुझमें ठंडी संतुष्टि की आग जल रही हो, जिसने मुझे दूर से ही जला दिया और बर्फ़ीली ठंडक बरकरार रखी।
मैंने महसूस किया कि दो मजबूत हाथों से एक ताकत प्रवाहित हो रही है। गतिहीन हर संतुलन को आगे बढ़ाता है।"

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

मैंने नाटक लिखे और बनाए हैं, टीवी कहानियाँ बेची हैं और लिखा है और पटकथा लेखन के लिए पुरस्कार जीते। ऐसे रूपों में मानवीय प्रेरणा और अंतःक्रिया की सुंदरता को धीरे-धीरे परिष्कृत किया जाना आश्चर्यजनक है। मेरी पुरस्कार विजेता स्क्रिप्ट में से एक का नाम बोदेगा है, जिसे न्यूयॉर्क सिटी फिल्म कमीशन की वेबसाइट पर "एनवाईसी के बारे में सर्वश्रेष्ठ अन-प्रोड्यूस्ड स्क्रीनप्ले" श्रेणी में पाया जा सकता है।

आखिर कार

माइकलएंजेलो द्वारा अक्सर यह कहा जाता है कि लोगों में जिस चीज से उन्हें सबसे ज्यादा नफरत है वह है समय बर्बाद करना। मुझे एहसास हुआ कि यह सच था.
समय ही एक ऐसी चीज़ है जिसे खोया जा सकता है लेकिन वापस कभी नहीं पाया जा सकता।

कामुकता के बारे में

कुछ लोगों ने माइकल एंजेलो को समलैंगिक घोषित कर दिया है।
हालांकि इस जीवनशैली के लिए कोई ठोस सबूत नहीं है, डेविड के काम में एक निर्विवाद समलैंगिक-कामुक कामुकता और शक्ति है।

पत्र भी मिले हैं, जो उनके बाद के वर्षों में प्रेमी के रूप में उनके युवा पुरुष मॉडलों के साथ उनकी संभावित अंतरंगता की गवाही देते हैं।
माइकल एंजेलो एक कवि भी थे और उनकी कई कविताओं में पुरुष प्रेम का जिक्र मिलता है। हालाँकि इस प्रकार का संभोग यूरोप में वृद्ध पुरुषों और युवा पुरुषों के बीच आम था और अब भी है, यह एक परंपरा है जो यौन जागरूकता और कामुकता की ओर लौट रही है।

माइकल एंजेलो की कला के मूल में पुरुष सौंदर्य के प्रति उनका प्रेम है, जो उन्हें सौंदर्य और भावनात्मक रूप से आकर्षित करता है। कुछ मायनों में यह पुरुषत्व के पुनर्जागरण आदर्श की अभिव्यक्ति है।
लेकिन माइकल एंजेलो की कला में इस सौंदर्यवाद के प्रति स्पष्ट रूप से एक कामुक प्रतिक्रिया है। ऐसी भावनाओं से उसे बहुत दुःख हुआ, और वह

Machine Translated by Google

अपनी मूर्तियों, चित्रों और कविताओं में भी प्लेटोनिक आदर्शों और यौन इच्छा के बीच संघर्ष को व्यक्त करते हैं, क्योंकि उनकी विभिन्न उपलब्धियों के बीच, माइकल एंजेलो 16 वीं शताब्दी में इतालवी कविता के एक महान कवि भी थे।

मूर्तिकार की प्रेम की अभिव्यक्ति को नव-प्लेटोनिक और स्पष्ट रूप से समलैंगिक-कामुक दोनों के रूप में वर्णित किया गया है; हाल के अध्ययनों ने एक ऐसी व्याख्या की तलाश की है जो इन दो विचारों का सम्मान करती है, लेकिन अभी भी पूर्ण निष्कर्ष निकालने में अनिच्छुक है। इस उलझन का एक उदाहरण 16 वर्षीय सेचिनो देई ब्रैकी की कहानी है, जिनकी 1543 में मुलाकात के एक साल बाद मृत्यु ने 48 अंतिम संस्कार छंदों के लेखन को प्रेरित किया, जो कुछ लोगों का कहना है कि एक ऐसे रिश्ते का संकेत देता है जो न केवल रोमांटिक था, बल्कि शारीरिक भी था। . दूसरी ओर, माइकलएंजेलो के बाद के वर्षों में, उनकी मृत्यु तक लगभग 20 वर्षों तक, उनके सभी लेखन एक महिला के लिए निर्देशित थे, और वह महिला उनके लिए। बाद में अपने जीवन में उन्हें कवि और कुलीन विधवा विटोरिया कोलोना से बहुत प्यार हो गया, जिनसे उनकी मुलाकात रोम में 1536 या 1538 में, फिर 40 की उम्र में हुई थी। उन्होंने एक-दूसरे के लिए सॉनेट लिखे और विटोरिया की मृत्यु तक नियमित रूप से लगातार संपर्क में रहे, हालांकि कई छात्र इस रोमांस में एक बौद्धिक या आध्यात्मिक गुणवत्ता देखते हैं।

यह निश्चित रूप से जानना असंभव है कि माइकलएंजेलो के पास था या नहीं शारीरिक संबंध. इससे वह सच्चे समलैंगिक के बजाय उभयलिंगी बन सकता था, लेकिन अलग-अलग पक्ष अलग-अलग बातें कहते हैं। मेरी राय में, यह वास्तव में अधिक स्पष्ट और सरल है।

इच्छा, इच्छा और आवश्यकता की गहराई में, जब यह सब उनकी जैसी सशक्त रचनात्मकता में प्रकट होता है, तो यह स्पष्ट है कि इसकी अभिव्यक्ति या प्रकटीकरण की कोई सीमा नहीं है।

मैं अपनी कामुकता के बारे में कहना चाहूंगी कि मैं द्वि-विषमलैंगिक हूं। मेरे सभी दीर्घकालिक संबंध महिलाओं के साथ रहे हैं, लेकिन मैंने कामुकता, यहां तक कि लैंगिक वास्तविकताओं का भी पता लगाया है।

Machine Translated by Google

पुरुषों के साथ. यह यौन खुलापन ही था जिसने मुझे स्पष्ट रूप से महिलाओं के साथ भावनात्मक अंतरंगता की गहराई और प्रतिबद्धता के उस स्तर को देखने के लिए प्रेरित किया जो ईमानदारी मेरी आत्मा की इन गहराइयों को खोलने में ला सकती है, ताकि वे एक गहरे, आत्मा की तलाश वाले रिश्ते बन जाएं। क्योंकि इस मामले में, ऐसा लगता है जैसे मैं अपनी सबसे बड़ी कमजोरी साझा कर रहा हूं। इतनी ईमानदारी के साथ इसे खोलना और भी कठिन रास्ता है, लेकिन कहीं अधिक भुगतान के साथ। मुझे यह मानना विनाशकारी लगता है कि हमारी कामुकता उन लोगों से गुप्त होनी चाहिए जिनसे हम प्यार करते हैं। यह कैसे संभव है कि झूठ बोला जाए और कभी भी एक साहसी रिश्ते की वास्तविक चुनौतियों का सामना न किया जाए?

फिर भी भय और इनकार का जीवन जीना, जो अर्थ और सत्य की खोज का हिस्सा है, आध्यात्मिकता के अंतिम लक्ष्य को नकारने के समान है, कि हम सभी एक दूसरे के अस्तित्व में पवित्र योगदानकर्ता हैं। यदि हम खुलकर एक-दूसरे की बात गहराई से सुनें, तो हमारे पास कितना प्रचुर ज्ञान है। मेरा संघर्ष एक अत्यंत आत्ममुग्ध सौतेली माँ तक भी पहुँच गया, एक निःसंतान महिला, जो अपने भाई-बहनों से घिरी हुई थी, जिनके सभी जुड़वाँ बच्चे थे। यह घटना कितनी अजीब थी, और यह उसके लिए कितना दुखद था, लेकिन कई बार यह आत्ममुग्धता तब व्यक्त होती है जब मैं कुछ ऐसा करता हूं जिससे वह दुखी हो जाता है, जैसे कि उसकी चोट का इलाज करने के लिए: "मुझे दो बच्चों को गोद लेना था, एक लड़का और दूसरा एक लड़की, लेकिन उस समय हमारे पास केवल एक ही कमरा था और हमने तुम्हें गोद ले लिया था। लेकिन मैंने तुम्हें देखने से पहले दोनों बच्चों को देखा है, और यदि हां, तो एक लड़की निश्चित रूप से मेरी दोस्त होगी।"

इन खुलासों के दर्द, इन शब्दों के डर और अपमानजनक प्रकृति को समझने में मुझे कई साल लग गए, लेकिन मेरी सौतेली माँ की एक महिला होने की इच्छा की गहराई को जानने, उसे देखने और प्यार करने, उसे प्यार देने और वह इससे कैसे अनजान थी, इसे भी जानने, देखने और प्यार करने में कई साल लग गए। गोद लिए जाने के बावजूद मैंने उसे अपने "बेटे" के रूप में जो प्यार दिया उसकी गहराई, और वह प्राकृतिक जन्म माता-पिता को नहीं, बल्कि प्यार को परिभाषित करता है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

तो इस लिंग के साथ, भावनात्मक दर्द, प्यार पाने की गहरी इच्छा, सुरक्षित महसूस करने के लिए, अपने परिवार के लिए वह बेटी होने के लिए, और मेरे पिता द्वारा मेरी कला को एक समलैंगिक खोज के रूप में अस्वीकार करने के साथ-साथ मेरी प्रतिभा के साथ उनके संघर्ष के कारण, मैं न्यूयॉर्क शहर के ग्रीनविच विलेज के भीतर एक यात्रा शुरू करने में सक्षम हुई। समलैंगिक समुदाय, जो मेरी कला और मूर्तिकला का आनंद लेता है, मेरे काम और मेरे युवा शरीर को सुनता है और उसे महत्व देता है।

कला में कामुकता के बारे में

सेंसरशिप ने हमेशा माइकलएंजेलो का अनुसरण किया है, जिन्हें एक बार डब किया गया था डेल पोर्चेरी के आविष्कारक ("अश्लीलता के आविष्कारक")। काउंटर-रिफॉर्मेशन युग के दौरान प्रसिद्ध "बरगद-पत्ती अभियान" ने कला के सभी कार्यों को कवर करने का प्रयास किया, जिसमें माइकल एंजेलो के कार्यों से लेकर चित्रों और मूर्तियों में मानव जननांगों को दर्शाया गया था। दो उदाहरण हैं क्रिस्टो डेला मिनर्वा (रोम के सांता मारिया सोप्रा मिनर्वा का चर्च) की एक पैन से ढकी कांस्य (वास्तव में संगमरमर) की मूर्ति, जैसा कि आज भी देखा जाता है, और ब्रुग्स के मैडोना में छोटी यीशु की मूर्ति।

(ब्रुग्स, बेल्जियम में चर्च ऑफ आवर लेडी) कई दशकों तक बंद रहा।

मैंने पूरी दुनिया में अपनी कला का प्रदर्शन किया है और मेरा काम कई संग्रहालयों के संग्रह में भी है। मैंने कामुक कला भी बनाई है, जो दुनिया भर के कामुक कला संग्रहालयों में है।

भौतिक समानताओं के बारे में

एक परीक्षण दृश्य समानता है। यहाँ की तीक्ष्णता आंखें, आंखों का रंग, गालों की हड्डी की संरचना, और सबसे स्पष्ट रूप से चौड़ी नाक, सभी समान विशेषताएं दिखाते हैं।

अध्यात्म और रचनात्मकता के बारे में

माइकल एंजेलो की आध्यात्मिकता का उल्लेख अक्सर जीवनियों में किया जाता है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

उनकी जीवनी से पता चलता है कि वे आध्यात्मिक होने के साथ-साथ नैतिक रूप से भी बहुत गहरे थे। अपने जीवनकाल के दौरान उन्हें अक्सर इल डिविनो ("द डिवाइन") उपनाम दिया गया था, जो उनकी भावुक आध्यात्मिकता के लिए दिया गया एक स्नेहपूर्ण उपनाम था। माइकल एंजेलो ने बाकी सब से ऊपर अपनी निजता का बचाव किया।

जब उनके मित्र निकोलो क्वाराटेसी के एक कर्मचारी ने उनके बेटे को एक सहायक के रूप में पेश किया, जिसका निहित अर्थ यह था कि वह भी बिस्तर पर लेट जाएगा, तो माइकलएंजेलो ने इनकार कर दिया और क्वाराटेसी को उस व्यक्ति को नौकरी से निकालने का प्रस्ताव दिया। नैतिक अखंडता।

लेकिन सबसे बड़ी चीजें जो मैं हर दिन अनुभव करता हूं वह वह काम है जो मुझे पसंद है और सबसे महत्वपूर्ण, रचनात्मक दृष्टि जो ज्वलंत और ज्वलंत हैं, कला के नए कार्यों, नई संभावनाओं, नए अर्थों की जिन्हें कला में खोजा जा सकता है। .

न्यूयॉर्क शहर और लॉस एंजिल्स में मेरे कला प्रतिनिधि हैं। मैंने जनता के लिए बड़े पैमाने पर मूर्तियों और कला कार्यों के लिए लास वेगास में रियल एस्टेट डेवलपर्स से समर्थन प्राप्त किया है। उन्होंने इस परियोजना को देखा और इसके बारे में उत्साहित हो गए और यह 21वीं सदी के नए शहर लास वेगास को क्या पेशकश कर रहा था, जो अब एक छोटा शहर नहीं था। हर दिन मैं उठता हूं और कला और कला से संबंधित मामलों पर दस, बारह घंटे जोर-शोर से काम करता हूं, विभिन्न थीम तैयार करता हूं, डिजाइन परियोजनाएं तैयार करता हूं।

फिर रात में, मैंने रात के आकाश, तारों और ब्रह्मांड का अवलोकन किया।

मैं अपने आप बाहर जाता हूं, और वजन उठाने का प्रशिक्षण लेता हूं ताकि मैं अपने काम के साथ जितना संभव हो सके शारीरिक संपर्क में रह सकूं, जो मेरे आस-पास की हर चीज और हर किसी के लिए रिसेप्टर्स के रूप में मेरे पूरे शरीर में कंपन करता है।

दृश्यमान और अदृश्य ब्रह्मांडों का वैभव, हमारे चारों ओर गुँथा हुआ है - कैसी दैनिक जागरूकता और विशाल प्रदर्शन जिसे देखा और भाग लिया जा सकता है, जिसमें हम कार्य करते हैं और सृजन करते हैं! ये सभी इसके भव्य अस्तित्व और प्रचुरता पर ध्यान हैं, और इसमें प्यार और अंतरंगता, हँसी, दोस्ती और सरल आनंद भी है। हम सभी के पास यह है, केवल अगर हम इतने अंधे नहीं हैं, केवल अगर हम रुक सकते हैं और देख सकते हैं, सुन सकते हैं,

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

और युगों के ज्ञान, बिना किसी डर के स्वतंत्रता को महसूस करें, महान दांते के कथन में, "मृत्यु को अपने कंधों पर रखो, उससे मत डरो, क्योंकि समय तुम्हारा सबसे बड़ा दुश्मन है, क्योंकि समय बहुत कम है।"

बहुत करीबी दोस्त अक्सर कहते हैं कि मैं बहुत आध्यात्मिक हूं। रखने के लिए मेरे दर्शन में इतना गहरा विश्वास मुझसे कहीं अधिक की मांग करता प्रतीत होता है। शायद कोई पिछला जीवन?

मेरे पसंदीदा आध्यात्मिक प्रश्नों में से एक यह पूछना है: “जब आप 75 वर्ष के थे तो जीवन के प्रति आपका दृष्टिकोण क्या था? क्या यह दृष्टिकोण प्रेरणादायक है?”

एक सच्चे मित्र से, मैंने यह प्रश्न दस वर्ष पहले लॉस एंजिल्स में पूछा था।

उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता.

मैंने उत्तर दिया, "मैंने खुद को रेगिस्तान में विशाल मूर्तियाँ बनाते हुए देखा: बड़ी और बहुत सारे लोगों के साथ, सभी आनन्दित और प्रेरित।" आज बिग आर्ट लास वेगास, और सटीक कहें तो द ग्रेटेस्ट। जब मैंने मॉडलों का काम पूरा कर लिया तो मैंने अपने दोस्त को ई-मेल किया और कहा, "इसे देखो, यह वह दृष्टिकोण है जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं," और उसने कहा, "अब हमें 75 साल तक जीना है," और हम ऐसा करेंगे।

मुझे यह भी एहसास है कि जो लोग पीड़ित हैं, बोझ से दबे हुए हैं, या गहरी कठिनाइयों में हैं, वे इस दृष्टि के प्रश्न पर एक सेकंड के लिए भी विचार नहीं कर पाएंगे। यह ऐसा था जैसे उन्होंने हार मान ली हो, अपने अतीत और यहां तक कि अपने वर्तमान पर पछतावे में डूब गए हों, जिसे वे दुर्भाग्यपूर्ण मानते थे। मुझे आशा है कि आप प्रेरणा देने के लिए अपने जीवन की कल्पना कर सकते हैं, क्योंकि केवल वही दृष्टि सत्य है।

काश आप देख पाते कि हममें कितनी चीज़ें समान हैं, माइकलएंजेलो और मेरे बीच. पुनर्जन्म में हम कौन हैं और क्या करते हैं, हम जीवन में क्या खोजते हैं और क्या कल्पना करते हैं, इसका मूल्य, सामग्री, आध्यात्मिक पुष्टि होती है।

हमारा दैनिक जीवन.

ये समानताएँ संयोगवश हो सकती हैं, लेकिन अब जब मैं उन्हें देखता हूँ, तो मैं आश्चर्यचकित हो जाता हूँ, क्योंकि बहुत सारे प्रतीकात्मक संकेत घटित हुए हैं - मेरे जीवन की घटनाएँ, स्कूल में, वे विकल्प जो मैंने चुने लेकिन कभी नहीं चुने।

Machine Translated by Google

ऐसा होता है, क्योंकि नियति खेल रही होती है, और कई ज्वलंत, गहरी, भावुक इच्छाएं अंतहीन रूप से पैदा होती हैं। क्या यह सब मेरे कर्मों का फल है?

मुझे कभी नहीं लगा कि मैं अपने जीवन का एकमात्र निर्देशक हूं। जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, और यहां तक कि जिसे मैं अपने भविष्य के रूप में देखता हूं, वे प्रेरणाएं, दृष्टिकोण, आदर्श और इच्छाएं, जिन्होंने मुझे अब जो कुछ भी बनाया है, वह एक अन्य मूर्तिकार के रूप में इस दूसरे जीवन, इस पिछले जीवन में परस्पर जुड़ी हुई प्रतीत होती हैं। जिसका नाम माइकल एंजेलो है.

अंत में, याद रखें कि पॉल-फेलिक्स मोंटेज़ का पहला काम

मैंने उनकी मूर्ति द ग्लव्स देखी, जो अपने पूर्ण रूप में 80 फुट की मूर्ति होगी जिसमें दो मुक्केबाजी दस्ताने एक-दूसरे को मुक्का मारते हुए दिखेंगे। उस समय, मैंने सोचा था कि परियोजना के पैमाने को ध्यान में रखते हुए, माइकल एंजेलो इस तरह का काम कर सकते हैं, यह देखते हुए कि डेविड की मूर्तिकला परियोजना का उपनाम "द जाइंट" था।

जब तक पॉल ने माइकलएंजेलो और स्वयं के बीच समानताओं पर अपना लेख नहीं लिखा, तब तक मुझे किसी अन्य महत्वपूर्ण समानता के बारे में पता नहीं था। पॉल ने सिस्टिन चैपल की एक छवि की तुलना की, जहां उसकी मूर्ति में भगवान की उंगली एडम की उंगली को छूती है। तब मुझे एहसास हुआ कि जब मैं द ग्लव्स पढ़ रहा था, तो मुझे अवचेतन रूप से याद आया कि लास वेगास में इसके 21वीं सदी के संस्करण में, भगवान की उंगली ने एडम को जीवन दिया था।

मैं कला का इतिहासकार नहीं हूं, लेकिन मैंने माइकल एंजेलो के बारे में काफी कुछ पढ़ा है। मेरे विचार में, ऐसा लगता है कि उपरोक्त पैराग्राफ में, हम फ्लोरेंस के एक मूर्तिकार की आवाज़ सुन सकते हैं जो 500 साल पहले रहते थे।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

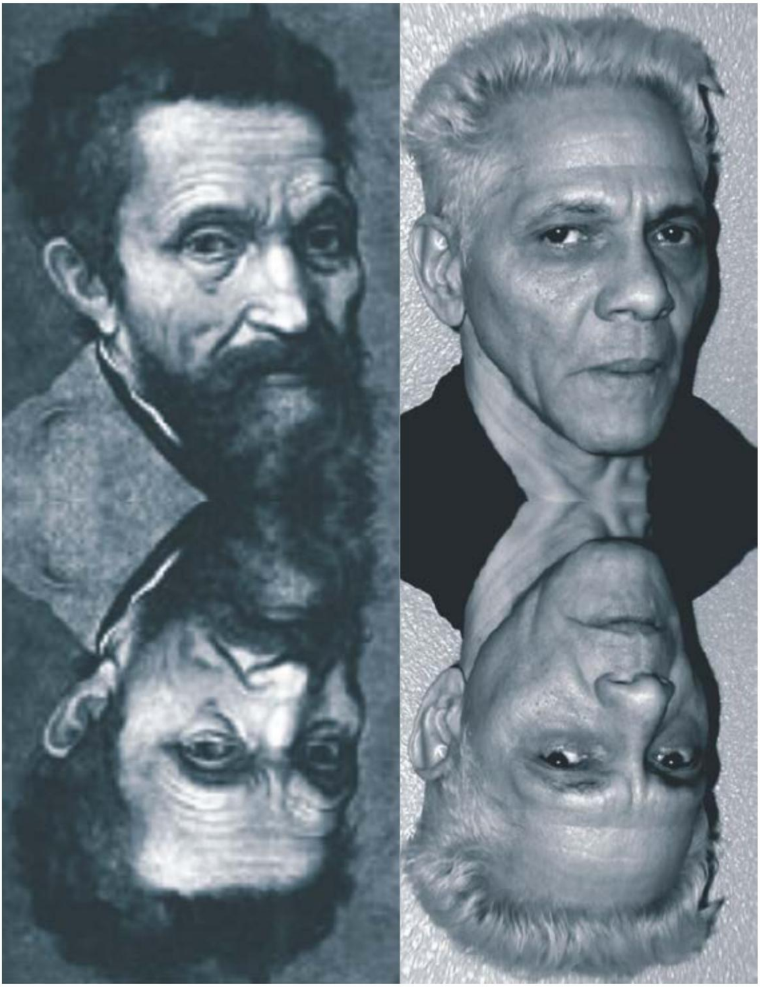

माइकलएंजेलो

पॉल-फेलिक्स मोंटेज़

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

38

बोधिसत्व और पुनर्जन्म का अंत

मैंने अहतुन रे से पूछा कि चक्र कब निर्धारित होता है
किसी व्यक्ति के लिए पुनर्जन्म समाप्त हो जाएगा। एक ऐसे प्राणी के रूप में जिसका 3,000 से अधिक वर्षों से पुनर्जन्म नहीं हुआ है, मुझे लगता है कि उसे इसका उत्तर अवश्य पता होना चाहिए। अहतुन रे का उत्तर काफी सरल है। उन्होंने कहा कि पुनर्जन्म अब कोई आवश्यकता नहीं है यदि किसी व्यक्ति के पास:

- अद्वितीय प्रतिभाओं और क्षमताओं को सक्षमता के स्तर तक विकसित करें।
- इन क्षमताओं का प्रदर्शन करें
  आनंद।
- भौतिक क्षेत्र में उत्पन्न कर्म को बुझाना या निष्क्रिय करना, जो कि हम दूसरों के लिए क्या करते हैं उसका अनुभव करके या सेवा के माध्यम से किया जा सकता है।
- प्रेमपूर्ण दयालुता विकसित करें जो सभी प्राणियों में व्याप्त हो।

मैंने अहतुन रे से पूछा कि मुक्ति के इस चरण तक पहुंचने में लोगों को कितने जन्म लगते हैं। अहतुन रे का कहना है कि अधिकांश आत्माओं के लिए 80-120 जीवन अनुभव आवश्यक हैं।

फिर मैंने अहतुन रे से बोधिसत्व के बारे में कई प्रश्न पूछे। मैं इस शब्द का उपयोग केवल उन व्यक्तियों का वर्णन करने के लिए करता हूं जो आवश्यकता से नहीं, बल्कि स्वेच्छा से, मानवता की वृद्धि और विकास में मदद करने की इच्छा से पुनर्जन्म लेते हैं।

मैं जानता हूं कि विभिन्न बौद्ध दर्शन "बोधिसत्व" शब्द का उपयोग आत्मज्ञान या आध्यात्मिक प्राप्ति के स्तर के लिए करते हैं। मैं इस शब्द का उपयोग व्यक्तियों के लिए करता हूँ-

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

ऐसे व्यक्ति जो स्वेच्छा से सेवा के लिए भौतिक क्षेत्र में पुनर्जन्म लेते हैं, भले ही उन्हें अपने कर्मों का भुगतान करने या सीखे जाने वाले जीवन के सबक जीने के लिए ऐसा करने की आवश्यकता नहीं होती है।

इस संदर्भ में बोधिसत्व वह व्यक्ति है जिसने पृथ्वी पर अवतार के चक्र पूरे कर लिए हैं और उसके पास आध्यात्मिक दुनिया में, स्वर्ग में रहने का विकल्प था, लेकिन उसने मानवता के प्रति करुणा के कारण अन्य मनुष्यों के विकास में मदद करने के लिए फिर से पुनर्जन्म लेने का फैसला किया।

मैंने हमेशा सोचा है कि किसी भी समय ग्रह पृथ्वी पर बोधिसत्वों की संख्या बहुत कम होती है। मुझे आश्चर्य हुआ जब अहतुन रे ने कहा कि उनका अनुमान है कि पृथ्वी की लगभग 20-30% आबादी उस बिंदु तक बढ़ गई है जहां इन व्यक्तियों को अब पृथ्वी पर अवतार लेने के लिए वापस लौटने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि वे मानवता की सेवा के रूप में ऐसा करते हैं। इसका तात्पर्य यह है कि पृथ्वी पर पुनर्जन्म के चक्र को पूरा करने के लिए किसी को संत बनने की आवश्यकता नहीं है, कई सामान्य लोग, अच्छे लोग, बोधिसत्व चरण प्राप्त कर चुके हैं।

मुझे यह जानकर राहत मिली है कि विकास का यह स्तर पहुंच से बहुत दूर नहीं है। इससे मुझे यह भी एहसास हुआ कि यदि हममें से अधिक लोग जानते हैं कि हमने स्वेच्छा से पुनर्जन्म लिया है, तो जीवन और अधिक सुंदर हो सकता है। दुनिया की माँगों को देखते हुए, यह कल्पना करना कठिन हो सकता है कि हम वही जीवन चुनेंगे जो हम अभी जी रहे हैं। लेकिन अगर हम जानते हैं कि हम अपने प्रियजनों या संपूर्ण मानवता की मदद करने के लिए ऐसा करना चुनते हैं, तो यह ज्ञान जीवन में एक बड़ा उद्देश्य प्रदान करेगा और हमें पृथ्वी ग्रह पर हमारे चारों ओर मौजूद छोटे-छोटे आश्चर्यों की सराहना करने में मदद कर सकता है। हम हैं।

यह दृष्टिकोण मुझे लोगों को एक अलग नजरिये से देखने पर मजबूर करता है। उदाहरण के लिए, मैं चिकित्सा पेशे में ऐसे लोगों के साथ काम करता हूं जो अन्य लोगों के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं। कई डॉक्टर आपातकालीन विभाग में लोगों का इलाज करने के लिए रात में जागकर लंबे समय तक काम करते हैं, अक्सर अपने निजी जीवन की कीमत पर

Machine Translated by Google

किसी और की खातिर. मैं अब यह देखना शुरू कर रहा हूं कि चिकित्सा के माध्यम से दूसरों की मदद करने के लिए कितने बोधिसत्वों का पुनर्जन्म हो सकता है।

मैंने अहतुन रे से ऐसे कई लोगों के बारे में पूछा जिन्हें मैं जानता हूं, यह जानने के लिए कि क्या वे बोधिसत्व हैं, जो लोग स्वेच्छा से दूसरों की मदद करने के लिए अवतरित होते हैं। मैंने एक व्यक्ति कैटरीना से पूछा, वह सर्बिया की एक महिला थी, जिसने इंटरनेट के माध्यम से मेरी वेबसाइट देखी और उसे इस संदेश में रुचि थी कि पुनर्जन्म का प्रमाण दुनिया को और अधिक शांतिपूर्ण स्थान बनने में मदद कर सकता है।

कैटरीना को विशेष रूप से ऐनी फ्रैंक/बारब्रो कार्लेन मामले में दिलचस्पी है, जो दर्शाता है कि लोग जीवन-दर-जीवन अपनी धार्मिक और जातीय संबद्धताएं बदल सकते हैं। सर्बिया इस समय अपने पड़ोसी क्रोएशिया के साथ युद्ध में है, इसलिए फ्रैंक/कारलेन मामले से मिले सबक इस क्षेत्र के लिए बहुत उपयोगी होंगे। यदि लोग जानते हैं कि वे एक जीवनकाल में सर्ब, दूसरे में क्रोएशिया, एक अवतार में मुस्लिम और दूसरे अवतार में ईसाई के रूप में पुनर्जन्म लेते हैं, तो लोग अब तक जातीय या धार्मिक संबद्धता से विभाजित नहीं होंगे। उन्हें लड़ने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा.

कैटरीना ने मेरी किताब, बॉर्न अगेन, जिसमें ऐनी फ्रैंक/बारब्रो कार्लेन केस शामिल है, को पूर्व यूगोस्लाविया की भाषा और रूसी भाषा में प्रकाशित करने में मदद की।

इसके अलावा, उन्होंने बार्ब्रो की पुस्तक, एंड द वॉल्व्स हाउल्ड को उन्हीं भाषाओं में प्रकाशित करने में मदद की। पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य के बारे में जानकारी का प्रसार करके दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने में मदद करने के लिए उनकी प्रेरणा स्पष्ट है।

जब मैंने कैटरीना के बारे में और अधिक जाना, तो यह स्पष्ट हो गया कि वह बहुत विकसित आत्मा थी। उनका जन्म 1954 में बेलग्रेड में एक गरीब, निम्नवर्गीय परिवार में हुआ था। तीन साल की उम्र में, कैटरीना ने गणित के लिए एक असाधारण प्रतिभा प्रदर्शित की, जो विशेष रूप से अजीब थी क्योंकि उनका पालन-पोषण काफी पिछड़े सामाजिक माहौल में हुआ था। जब वे प्राथमिक विद्यालय में थे, तो उनके शिक्षक के अनुरोध पर एक विशेष समिति का गठन किया गया था

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनूदित

उसकी विशेष योग्यताओं का परीक्षण करें। भले ही उनके पिता एक कम्युनिस्ट या समाजवादी थे, और भगवान के बारे में बात करना मना था, कैटरीना को पता था कि भगवान एक बच्चे के रूप में भी अस्तित्व में थे, भले ही चर्च में चित्रित की तुलना में एक अलग रूप में।

छह या सात साल की उम्र में, कैटरीना को सपने में एक बीमारी का पूर्वाभास हो गया था कि वह 36 साल की उम्र में अनुभव करेंगी, जो वास्तव में हुआ। भविष्य की घटनाओं की भविष्यवाणी करने की यह क्षमता समय के साथ मजबूत होती जाती है और उसे पिछले जीवन की घटनाओं की यादें भी बनी रहती हैं। उन्होंने पढ़ाई के दौरान नौकरी की और 31 साल की उम्र में अपना खुद का व्यवसाय खोला जो बाद में एक सॉफ्टवेयर कंपनी के रूप में विकसित हुआ। वह साम्यवाद के पतन के बाद सर्बिया में व्यवसाय शुरू करने वाले पहले लोगों में से एक थे और उन्होंने 100 से अधिक लोगों को रोजगार दिया।

जब मैंने कैटरीना से पूछा कि अगर मैं अहतुन रे से पूछूं तो क्या यह ठीक होगा
वह एक बोधिसत्व था, इस पर उन्होंने सहमति व्यक्त करते हुए संकेत दिया कि यह बात उनके लिए मायने रखती है क्योंकि वह हमेशा अन्य लोगों के लिए काम करते हैं।

अहतुन रे ने पुष्टि की कि कैटरीना को पुनर्जन्म नहीं लेना पड़ा
लेकिन दूसरों की मदद करने के लिए उन्होंने ऐसा करना चुना। हालाँकि वह धार्मिक संगठनों द्वारा संत के रूप में प्रसिद्ध या मान्यता प्राप्त नहीं हैं, लेकिन स्पष्ट रूप से वह संगठनात्मक और गणितीय प्रतिभाओं के साथ पुनर्जन्म लेते हैं जो अपेक्षाओं से अधिक हैं। जिन परिस्थितियों में उनका पालन-पोषण हुआ, उसे देखते हुए, हम यह अनुमान लगा सकते हैं कि ये प्रतिभाएँ उनके पिछले अवतारों में हासिल की गई थीं।

कतेरीना ने मंत्रालय में अपनी प्रतिभा का उपयोग दूसरों को काम पर रखने और उनकी मदद करने के लिए किया है। उन्होंने आईआईएसआईएस के लिए धन जुटाने में भी रुचि व्यक्त की है, एक संगठन जिसे हमने वैज्ञानिक रूप से पुनर्जन्म पर शोध करने के लिए बनाया था।
वह पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य के प्रसार के माध्यम से दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने में मदद करना चाहता है।

तो कैटरीना की आकृति के उदाहरण में, हमारे पास बोधिसत्व की आकृति का एक उदाहरण है।

अन्य लोग जो इंटरनेट के माध्यम से मुझसे संपर्क करते हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

दुनिया के दूसरी तरफ एक जर्मन महिला विल्जा विटकोम्बे हैं जो श्रीलंका में व्यवसाय विकास विशेषज्ञ के रूप में काम करती हैं। विल्जा ने दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने के प्रयास में पुनर्जन्म अनुसंधान में मेरी मदद करने के लिए अपनी महान प्रेरणा भी व्यक्त की। श्रीलंका इस समय गृहयुद्ध से गुजर रहा है, इसलिए एक बार फिर, कैटरीना के मामले की तरह, उम्मीद है कि पुनर्जन्म के सबूत विभिन्न जातीय और धार्मिक समूहों के बीच संघर्ष को रोकने में मदद कर सकते हैं।

विल्जा ने मुझे लिखा कि उनके पास ऐसे अनुभव भी हैं जो पिछले अवतार से उपजे प्रतीत होते हैं, एक ऐसा जीवन जो सीलोन में हुआ था, जो अब श्रीलंका है। केविन रायर्सन के साथ सत्र और अहतुन रे की मदद से, विल्जा के पिछले जीवन के रहस्य को सुलझाया जा सकता है। हालाँकि उसके चेहरे की विशेषताओं की तुलना एक अवतार से दूसरे अवतार में करने के लिए उसके पिछले जीवन की पहचान की तस्वीरें उपलब्ध नहीं हैं, जो इस साक्ष्य की पुष्टि कर सकती हैं, विल्जा की कहानी इस बात का एक अच्छा उदाहरण है कि कैसे पिछले जीवन की जानकारी किसी के जीवन में अप्रत्याशित रूप से प्रकट हो सकती है और हम एक साथ कैसे आते हैं। उन लोगों के साथ वापस, जिन्हें हम अतीत में जानते थे और प्यार करते थे। आइए अब विल्जा की कहानी देखें।

राजा और मैं

क्या आपको बचपन में कभी बताया गया है कि आप विद्रोही थे?
क्या आपको अपने माता-पिता से मिलने आने वाले मेहमानों को विनम्र लड़कियों की तरह झुकना चाहिए (कम से कम जब मैं छोटा था) तो आपको "नियम" बनना होगा? मैं समझ नहीं पा रहा था कि मुझे ऐसा कुछ करना होगा... यह मानते हुए कि यह "माना जाता है" कि अन्य लोगों को मेरा सम्मान करना चाहिए, न कि इसके विपरीत।

एक सुशिक्षित लड़की से जो अपेक्षा की जाती है, उस पर खरा उतरने के लिए मेरे माता-पिता ने मुझे एक किंडरगार्टन में भेज दिया, जहाँ मुझे हर बार आने-जाने पर सम्मानपूर्वक झुकना पड़ता था। मैं इसके साथ ऐसा करता हूं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

खुश। लेकिन मुझसे झुकने की उम्मीद मत करो
घर—कोई रास्ता नहीं!

उपाधियों को लेकर भी मैं यही जिद दिखाता हूं. तथ्य यह है कि मैंने उपयोग करने से इनकार कर दिया

लोगों का जिक्र करते समय अकादमिक, राजनीतिक या कुलीन उपाधियों से मेरे माता-पिता नाराज हो जाते थे। मुझे अच्छी तरह याद है जब हमें अपने पारिवारिक डॉक्टर से मिलना था, जिसे पुरानी जर्मन परंपरा का पालन करते हुए "हेर" के बजाय "हेर डॉक्टर" के रूप में संबोधित किया जाना चाहिए।

पीटरसन'' जैसा कि मैं आमतौर पर उसे बुलाता हूं।

जब मैं छोटा था तो मेरी मां मुझे नाई की दुकान पर ले जाती थीं, वह मेरे बाल काटने के लिए महिला अनुभाग के बजाय पुरुषों के अनुभाग में डाल देती थीं। जब "हेयरकट" खत्म हो जाता है और मैं अपने नए हेयरकट का मूल्यांकन करने के लिए दर्पण में देखता हूं, तो मेरे दिमाग में हमेशा एक ही विचार आता है, "मैं एक छोटे राजा की तरह दिखता हूं, फिर से मोटा!"

जब मैं तीन साल की थी, तब मुझे आभूषण का पहला टुकड़ा मेरी नानी ने दिया था। यह एक सोने की अंगूठी थी, जो 120 से अधिक वर्षों से पीढ़ी-दर-पीढ़ी चली आ रही थी, गुलाबी पत्थर की अंगूठी के साथ, दादी ने मुझे हमेशा पत्थर का नाम याद रखने और यह कहां से आया था, याद रखने के लिए कहा था। पत्थर, वह

कहा, एक पादपरदशा (नीलम परिवार में शामिल) था और एक से आया था
सुदूर भूमि सीलोन कहलाती है। इस प्रकार सीलोन पहला विदेशी देश था जिसके बारे में मैंने तब सुना था जब मैं एक बच्चा था और युद्ध के बाद जर्मनी में बड़ा हो रहा था।

जब मैं लगभग तीन साल का था, तो मेरे पिता ने मुझे हमारे परिवार के एक युवा परिचित से मिलवाया, जो हमारे छोटे से गाँव के समुदाय में पहला विदेशी कामगार था। यह व्यक्ति भारत के कलकत्ता से आया था। उन्होंने इंग्लैंड में इंजीनियरिंग की पढ़ाई की और उस कंपनी में नौकरी कर ली, जहां मेरे पिता एक रासायनिक प्रयोगशाला के प्रमुख के रूप में काम करते थे। चूँकि उस समय यह युवा भारतीय इंजीनियर जर्मन नहीं बोलता था और उसके अधिकांश सहकर्मी अंग्रेजी नहीं बोलते थे, मेरे पिता ने उसकी मदद की, उसके काम में मदद की और उसे हर सप्ताहांत में आने के लिए आमंत्रित किया।

हमारा घर।

प्रेम को जर्मन भोजन से दिक्कत है इसलिए

Machine Translated by Google

वह रविवार को हमारे साथ रहकर खुश था, जहां वह "ए ला इंडिया" खाना बना सकता था। उनके पास सभी प्रकार की जड़ी-बूटियों और मसालों के साथ-साथ असम में उनके भाई-बहनों के बागानों की असली चाय से भरा एक छोटा सूटकेस था।

मैं बचपन से ही भारत के विदेशी व्यंजनों के प्राच्य स्वाद के साथ बड़ा हुआ - एक ऐसा स्वाद जो मेरे लिए इससे भी अधिक लुभावना है

जर्मन भोजन "हौसमानस्कोस्ट"।

हमारे भारतीय मित्र, मुझे सदैव स्मृति चिन्हों में बहुत रुचि रहती है जब भी वह कलकत्ता की यात्रा से लौटता है तो उसे जर्मनी ले आता है। उनकी जर्मन पत्नी के लिए आभूषण और साड़ियाँ किसी दूसरी दुनिया से आई हुई लगती थीं... रंग, डिज़ाइन, सामग्री का स्पर्श और अनुभव, जो साज-सज्जा थी, गलीचे, अलंकरण... कुछ ऐसा जो मेरे पास है इसे पहले देखा... मुझे कुछ हद तक घर की याद आने लगी है, लेकिन क्या याद आ रहा है?

मेरे माता-पिता ने मुझे पहले तीन नाम दिए हैं। महिला होने के नाते, उन्होंने मेरे पिता के नाम "क्लाउस" का महिला संस्करण इस्तेमाल किया और मुझे "क्लाउडिया" कहा। मुझे इसमें कभी भी सहज महसूस नहीं हुआ नाम। यह मेरे जैसा नहीं लगता. तीनों नामों का अंतिम नाम है "विल्जा", जो मुझे हमेशा सबसे ज्यादा पसंद आया है क्योंकि यह वास्तव में "मैं" जैसा लगता है। लेकिन निश्चित रूप से, एक बच्चे के रूप में, मैंने अपने नाम के बारे में शिकायत करने की हिम्मत नहीं की और चुप रहा।

साल बीत गए. मैंने स्कूल जाना शुरू किया, स्नातक किया, विश्वविद्यालय गया, विश्वविद्यालय से स्नातक किया, फिर अपना व्यावसायिक करियर शुरू किया और अधिक से अधिक यात्रा करना शुरू कर दिया। यूरोप में सर्दियों के दौरान, मुझे पृथ्वी के गर्म क्षेत्रों में भागने की आवश्यकता महसूस हुई। 1986 में मैं 6 सप्ताह की छुट्टियों पर एशिया गया, सुदूर पूर्व की मेरी पहली यात्रा।

मुझे तुरंत एशिया, इसके विभिन्न देशों, लोगों, संस्कृतियों, धर्मों, रीति-रिवाजों और परंपराओं से प्यार हो गया। मुझे नहीं लगता कि यह महाद्वीप मुझे क्या दे सकता है, यह मुझे क्या सिखा सकता है, इसलिए मैं हर साल सुदूर पूर्व लौटने का फैसला करता हूं।

इस बिंदु पर मैंने अपना नाम बदलकर "विल्जा" कर लिया, जिससे मैं और अधिक "मैं" और "पूर्ण" बन गया, और अधिक धुन में

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनूदित

मेरी पहचान के साथ. मेरे आस-पास के लोग हैरान थे, लेकिन बहुत देखभाल कर रहे थे! अलग होने की हिम्मत! अपना जीवन वैसे जियें जैसा आप चाहते हैं!

मई 1997 में मैंने मालदीव द्वीप समूह का दौरा किया।

जिस टूरिस्ट रिज़ॉर्ट होटल में मैं रहता हूँ उसका निदेशक रोहन नाम का एक बहुत ही खुले दिल वाला व्यक्ति है, जो अपने मेहमानों को बहुत प्रतिबद्धता, उत्साह, जुनून और खुशी के साथ बहुत अच्छी सेवा देता है। मुझे तुरंत उसके प्रति एक गर्मजोशी भरी, आरामदायक और भरोसेमंद भावना महसूस हुई, ऐसा महसूस हुआ मानो मैंने उसे लंबे समय से नहीं देखा है, लेकिन निश्चित रूप से, हम पहले कभी नहीं मिले थे। जब रोहन ने पूछा कि मैं व्यवसाय में क्या कर रहा हूं, तो मैंने उस परियोजना के बारे में बताया जिस पर मैं उस समय काम कर रहा था, और उसने तुरंत अपने गृह देश श्रीलंका में व्यवसाय के अवसर खोजने में मदद करने की पेशकश की।

भले ही वह हिंद महासागर में इस छोटे से एटोल द्वीप पर काम कर रहे हैं, उनकी पत्नी, भाई और पिता मेरे परिचय में मदद करने और मेरे लिए व्यावसायिक बैठकों की व्यवस्था करने के लिए श्रीलंका में मेरे साथ रहेंगे। सब कुछ इतना "सामान्य" लगा और जीवन में पहली बार मैंने वह किया जो मैंने पहले कभी नहीं किया था: मैं एक ऐसी दुनिया में चला गया जिसे "मैं नहीं जानता था", मैंने उससे कहा कि मैंने उसका प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है और जुलाई में श्रीलंका चला गया : वह अपने परिवार को बताएगा और बिजनेस मीटिंग मीटिंग की व्यवस्था करना शुरू कर देगा।

जुलाई आ गया और मैं कोलंबो, श्रीलंका की तीन सप्ताह की व्यापारिक यात्रा पर निकल गया। मैं इंटरकॉन्टिनेंटल होटल में रोहन परिवार से मिला और मुझे तुरंत उन सभी से प्यार हो गया, मुझे श्रीलंका से भी प्यार हो गया!

अपने जीवन में पहली बार, मुझे "घर जैसा" महसूस हुआ - एक अजीब, अजीब, अज्ञात एहसास, जिसे मैं खुद नहीं समझ सका क्योंकि मैंने 60 से अधिक देशों का दौरा किया था, लगभग सभी चीजें पसंद आईं, लेकिन कभी कोई अनुभूति नहीं हुई। इस तरह भावुक.

तो आप लीजिए, मैंने जो कुछ भी और जो कुछ भी मैं आया, उसे गले लगा लिया आर-पार। मैंने श्रीलंकाई धर्म, संस्कृति और परंपराओं को आत्मसात किया। मैं बौद्ध धर्म को आत्मसात करता हूं, जिसका पालन करने के लिए विभिन्न मंदिरों में लाया जाता हूं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

मेरे भविष्य की भविष्यवाणी करने और सुरक्षा के लिए ताबीज बनाने के लिए पूजा (धार्मिक समारोह) और विभिन्न ज्योतिषियों और "पवित्र पुरुषों" के पास ले जाया गया मुझे।

मैंने धार्मिक समारोहों के बारे में सीखा। हालाँकि, अजीब तरह से पर्याप्त है एक ओर तो मैं बौद्ध धर्म के बहुत करीब महसूस करता हूं, लेकिन दूसरी ओर (इतने वर्षों के बाद), जिस तरह से बौद्ध धर्म का अभ्यास किया जाता है, मैं उसकी आलोचना करने लगा हूं और कभी-कभी क्रोधित भी हो गया हूं।
मुझे समझ में नहीं आता कि यह शिक्षा मुझे इतनी प्रिय क्यों लगती है, लेकिन फिर भी, मेरे बचपन की जिद ने मुझे भिक्षुओं के सामने सम्मान दिखाने के लिए झुकने या घुटने टेकने, हमेशा उनसे नीचे बैठने, उन्हें भोजन देने, उपहार देने आदि से रोक दिया। पर। मेरे अंदर कुछ अच्छा नहीं लग रहा था, या यूं कहें कि कुछ संकेत देने की कोशिश कर रहा था। मुझे ख़ुद समझ नहीं आता कि मैं इसके ख़िलाफ़ विद्रोह क्यों करता हूं.

रोहन परिवार एक अनमोल खजाना है; वे सभी मुझे एक बहुत करीबी परिवार की तरह देखते थे जो लंबे समय से इस देश में नहीं था।

उन्होंने कई परिचय दिए, व्यावसायिक बैठकें आयोजित कीं और श्रीलंका में मेरे प्रवास को यथासंभव आरामदायक, सफल और आनंददायक बनाने के लिए वे हमेशा मेरे आसपास रहे। जब 3 सप्ताह समाप्त हुए, तो मैं यूरोप लौट आया, लेकिन मैंने अपनी अगली यात्रा उसी वर्ष सितंबर/अक्टूबर में पहले ही निर्धारित कर ली है।

यह अगले पांच वर्षों में होने वाली यात्राओं की श्रृंखला की शुरुआत मात्र थी।

अक्टूबर 1997 में, रोहन एक छोटी छुट्टी पर लौट रहे थे मालदीव में उनके परिवार से मिलने के लिए, मुझे श्रीलंका की प्रधान मंत्री श्रीमती सिरीमावो भंडारनिके से मुलाकात के लिए ले जाया गया, जो 1960 में दुनिया की पहली महिला प्रधान मंत्री थीं। यह कोलंबो में श्रीमती भंडारनायके के आवास पर एक निजी बैठक थी, और हम श्रीलंका के प्रति अपने अनुभवों और भावनाओं के बारे में लंबी बातचीत हुई।

ठीक एक साल बाद, अक्टूबर 1998 में, मैं

Machine Translated by Google

श्रीमती भंडारनायके से फिर मिलें। इस बार प्रधानमंत्री कार्यालय में एक आधिकारिक बैठक में धर्मार्थ परियोजनाओं पर चर्चा की गई.

जब बैठक ख़त्म हुई, तो मुझे अपनी कार और ड्राइवर का इंतज़ार करने के लिए पीछे के एक कमरे में ले जाया गया। इस कमरे में एक श्रीमती बैठी थीं।
भंडारनायके के निजी सचिव, एक बुजुर्ग व्यक्ति। वह अपनी मेज पर बैठ गया और आश्चर्य से मेरी ओर देखने लगा। वह एक शब्द भी नहीं बोल सका, वह पूरी तरह अवाक रह गया, उसने बस मुंह खोलकर मुझे देखा, स्पष्ट रूप से उसे विश्वास नहीं हो रहा था कि वह किसे या क्या देख रहा है। पहले तो मैंने मज़ाक में जवाब दिया और उससे पूछा कि क्या मेरी कोई लिपस्टिक या मस्कारा ख़राब हो गया है या उल्टा हो गया है, लेकिन वह इतना अनाड़ी और हैरान लग रहा था जैसे कि उसने अभी-अभी कोई भूत देखा हो। उसे मुझसे बात करने और अपना संयम वापस पाने के लिए प्रोत्साहित करने में कम से कम दस मिनट लग गए।

जब अंततः वह बात करने में सक्षम और इच्छुक हुआ, तो उसने पूछा कि क्या मैं जानता हूं कि मैं कौन हूं। इस बार उसे देखने और कहने की बारी मेरी थी, "मुझे लगता है कि मैं जानता हूं।" फिर उन्होंने पूछा, "क्या आप कभी अनुराधापुरा गए हैं?" (अनुराधापुरा श्रीलंका के पूर्व राजाओं का प्राचीन शहर है। आज केवल शाही महल के खंडहर बचे हैं।)
"अभी नहीं," मैंने उत्तर दिया, "यह अभी भी मेरी कार्य सूची में है। लेकिन आप ऐसा क्यों पूछ रहे हैं?" और एक बार फिर, वह आदमी चुप था, बस मेरी ओर देख रहा था। उसे अधिक जानकारी प्रदान करने के लिए मनाने में कुछ और मिनट लग गए।

आख़िरकार उन्होंने मुझसे कहा, "मेरी तीसरी आँख खुली है और मैं देख सकता हूँ
एक व्यक्ति का अतीत. इसलिए मैं चाहता हूं कि आप अकेले अनुराधापुरा जाएं, खंडहरों के चारों ओर घूमें, तब आप महसूस करेंगे और जानेंगे कि एक दिन आप हमारे प्राचीन राजाओं में से एक थे, और आपको उन महलों और इमारतों के कुछ हिस्सों के बारे में पता चलेगा जो उनके शासनकाल के दौरान बनाए गए थे। शासन। आप।" अब मैं स्तब्ध और अवाक हूं। सचिव कोई और जानकारी नहीं देना चाहते थे, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि मुझे अपने अतीत की खोज के लिए राजाओं के प्राचीन शहर में जाना होगा।

Machine Translated by Google

इस असाधारण मुठभेड़ के बाद, मुझे आश्चर्य होने लगा कि क्या यह आदमी सिर्फ इसकी कल्पना कर रहा था या शायद इसकी बहुत कम संभावना है कि मैं एक समय श्रीलंका के प्राचीन राजाओं में से एक था और फिर यूरोप की एक गोरी महिला के रूप में पुनर्जन्म हुआ था! कम से कम इससे इस देश, इसके लोगों, इसकी संस्कृति आदि में मेरी तत्काल रुचि स्पष्ट हो जाएगी।

प्रधान मंत्री कार्यालय में इस अजीब बैठक के लगभग छह सप्ताह बाद, मुझे कोलंबो में एक निजी कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया और भाग्य ने खुद को दोहराया। इस बार, एक बूढ़ी औरत ने मुझे दूर से अविश्वास से देखा, फिर मेरे पास आकर कहा जो मैंने पहले सुना था कि मैं एक बार सीलोन के राजाओं में से एक था और मैं स्पष्ट रूप से अतीत से अपना "कार्य" पूरा करने के लिए वापस आया था। .

तो यहाँ मैं भ्रमित हूँ, दिलचस्पी रखता हूँ, सशंकित हूँ, आश्चर्यचकित हूँ, हैरान हूँ, चकित हूँ, लेकिन चिंतित भी हूँ.... मैं पहले कौन था? ये दोनों लोग मुझमें क्या देखते हैं?

वे मेरा अतीत कैसे देख सकते हैं? जीवन मेरे लिए कौन से रहस्य खोजता है?

एक और अजीब बात फिर घटी. मेरी पहली यात्रा के बाद से श्रीलंका, मुझे आयुर्वेद, जीवन के प्राचीन विज्ञान अर्थात् उपचार में रुचि हो गई है।

मैं विभिन्न आयुर्वेदिक चिकित्सकों से मिला हूं और देखा है कि जब मैंने अपना परिचय "हाय, मेरा नाम विल्जा" के साथ दिया, तो उन्होंने किसी कारण से थोड़ा आश्चर्य से मेरी ओर देखा। एक दिन आयुर्वेदिक चिकित्सकों में से एक ने मुझे बताया कि जिस तरह से मैं अपना नाम लिखता हूं वह संस्कृत है, जो एशिया की एक प्राचीन भाषा है, और मेरे नाम का अर्थ है "उच्च दक्षता"! तो फिर, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरे जर्मन माता-पिता संस्कृत के बारे में जानते थे जब उन्होंने इस नाम को मेरे पहले नामों में से एक के रूप में चुना था, लेकिन मैं आभारी हूं कि उन्होंने ऐसा किया!

साल बीत गए. मैं इंग्लैंड और श्रीलंका में जहां रहता था, वहां आना-जाना करता था और फिर 2002 में, मैं अंततः कोलंबो चला गया। रोहन वापस आ गया है

Machine Translated by Google

मालदीव में अपनी सेवा से और अब एक बड़े श्रीलंकाई समूह के लिए छह होटलों के प्रबंधन का प्रभारी है। उन्होंने और उनकी पत्नी ने मुझे आगे बढ़ने और उनके परिवार का हिस्सा बनने के लिए प्रोत्साहित किया। मेरे पास श्रीलंका में देश के दो उद्योगों को विकसित करने, मजबूत करने और बढ़ावा देने की एक परियोजना के लिए एक अनुबंध है। यह मेरे लिए कुछ नया था क्योंकि मैंने हमेशा बिक्री और विपणन में निजी उद्योग में काम किया था, लेकिन विकास कार्य हमेशा कुछ ऐसा था जो मैं एक किशोर के रूप में करना चाहता था। मैंने अपना नया कार्यभार बहुत खुशी और उत्साह के साथ शुरू किया - हमेशा "मेरे छोटे परिवार" द्वारा समर्थित!

फिर जिंदगी की राह फिर मुड़ जाती है. मेरे प्रिय मित्र रोहन, श्रीलंका को एक पर्यटन स्थल के रूप में प्रचारित करने के लिए इंग्लैंड की व्यावसायिक यात्रा पर थे, उनकी यात्रा के अंतिम दिन उन्हें गंभीर दिल का दौरा पड़ा। जब बर्मिंघम के एक अस्पताल में जीवित रहने के उनके संघर्ष के बारे में हमें फोन आया, तो उनकी पत्नी और दो बेटियाँ मेरे घर पर रह रही थीं क्योंकि उनका नया घर समय पर पूरा नहीं हुआ था, इसलिए उन्हें अस्थायी आवास की आवश्यकता थी।

उनकी पत्नी लेखा तुरंत इंग्लैंड के लिए रवाना हो गईं। मैं बच्चों की देखभाल के लिए कोलंबो में ही रहा। पता चला कि रोहन की मौत आ गई, दो हफ्ते बाद उसकी मौत हो गई, वह अभी 43 साल का हुआ था जब वह कोमा में था।

हम सब हिल गए. क्या यह एक बुरा सपना है? ये कैसे हो सकता है होना? ऐसा क्यों हुआ? हमारा भविष्य ख़त्म हो गया! रोहन के बिना, कोई भविष्य नहीं है!

अब परिवार की देखभाल करने, लेखा और उसकी दो बेटियों की देखभाल करने, उन्हें वास्तविकता का सामना करने, उनके नए जीवन में मदद करने और एक नए भविष्य की तस्वीर तैयार करने की मेरी बारी है। दिन सप्ताह बन गए, सप्ताह महीने बन गए और महीने साल बन गए।

मुझे हमेशा आश्चर्य होता है कि रोहन के साथ मेरा क्या कार्मिक संबंध है। यह अब मेरे लिए स्पष्ट है कि मैं उसे न केवल उन सात वर्षों से जानता हूं जब हम इस जीवन में एक साथ रहे हैं। मुझे आश्चर्य है कि उसने मुझे क्यों मनाया

Machine Translated by Google

आये और दौरा किया फिर श्रीलंका चले गये। हमारा इतिहास, हमारे साथ अतीत क्या था?

नवंबर 2006 में, मैंने वाल्टर सेमकिव की किताब, बॉर्न अगेन देखी, कोलंबो के एक स्टोर में. मैंने इसे खरीदा, पढ़ा और वाल्टर को अपनी प्रतिक्रिया, प्रतिक्रिया और व्यक्तिगत अनुभव देते हुए ई-मेल किया। वाल्टर ने तीन दिनों के भीतर उत्तर दिया और अब से, हमने पुनर्जन्म के विषय पर संवाद करना और एक साथ काम करना शुरू कर दिया।

जब मैंने उनसे श्रीलंका के प्रति अपने प्रेम का जिक्र किया, तो मुझे अचानक 1998 में एक प्राचीन राजा के रूप में दो "परिचय" याद आ गए।
वाल्टर ने स्वेच्छा से स्पष्टीकरण के लिए मिस्र के आध्यात्मिक मार्गदर्शक अहतुन रे से पूछा, जो वाल्टर की पुस्तक के माध्यम केविन रायर्सन के माध्यम से संचार करता है।

कुछ दिनों बाद वाल्टर ने दो लोगों द्वारा बताई गई बात की पुष्टि की अहतुन रे के अनुसार, मैं प्राचीन सीलोन का राजा था, जिसने सीलोन में "आध्यात्मिक सुधार" लाया। अहतुन रे ने नाम के कुछ अक्षर भी दिए हैं, लेकिन अगर आपने कभी सिंहली शब्द नहीं सुना है, तो सही वर्तनी को समझना बहुत मुश्किल हो सकता है। अहतुन रे का कहना है कि उनका नाम "देवलनु" की श्रेणी में है, हालाँकि यह नाम एक असामान्य नाम है और उनका असली नाम देवलनु का रूपांतर हो सकता है। वाल्टर बताते हैं कि अहतुन रे के लिए भी, नामों को सटीक रूप से इंगित करना मुश्किल हो सकता है, क्योंकि अहतुन रे उन्हें ध्वन्यात्मक रूप से समझता है। हालाँकि, अपने अनुभव में, वाल्टर कहते हैं कि अहतुन रे समय और स्थान के संदर्भ में आत्मा को खोजने में बहुत सटीक है। वाल्टर ने मुझसे कुछ शोध करने और उसे वापस रिपोर्ट करने के लिए कहा क्योंकि अगले सप्ताहांत में केविन/अहटुन रे के साथ उसका एक और सत्र होगा।

मैंने उस शाम इंटरनेट ब्राउज़ करके और अनुराधापुरा काल में सीलोन के राजाओं की सूची की प्रतिलिपि बनाकर अपना शोध शुरू किया। अगली सुबह, मैंने एक सहकर्मी से संपर्क किया जिसने श्रीलंकाई इतिहास का अध्ययन किया था। जब मैंने अनुराधापुरा के एक राजा के बारे में पूछा जिसने आध्यात्मिक सुधार किया, तो उन्होंने तुरंत कहा, "वह राजा देवनमपिया हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

तिस्सा (आर. 247-207 ईसा पूर्व)। उन्होंने 2,200 साल पहले इस देश में बौद्ध धर्म की शुरुआत की थी!"

बहुत खूब!!! तो मैं यहाँ हूँ.... अब मुझे यह समझ में आता है कि मुझे तुरंत श्रीलंका और उसके लोगों से प्यार क्यों हो गया और मैं श्रीलंका में बौद्ध धर्म के अभ्यास पक्ष के प्रति इतना सशंकित क्यों हूँ।

मैंने सभी आवश्यक विवरणों के साथ वाल्टर को ई-मेल किया और एक सप्ताह के भीतर मुझे अहतुन रे से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली।
हां, राजा देवानामपिया तिस्सा मेरे पिछले अवतार के प्राचीन राजा थे। वाल्टर ने देखा कि अहतुन रे अपने नाम के पहले भाग को "देवा-एन" अक्षरों के माध्यम से प्राप्त करने में कामयाब रहे।

सीलोन के किसी अन्य राजा का नाम इस अक्षर संयोजन से शुरू नहीं होता है।

अब पहेली का अगला भाग आता है: रोहन कौन था
पहले? वह अवश्य ही मेरे "महल जीवन" का हिस्सा होगा, यह मुझे इतना निश्चित लग रहा था।
मैंने राजा देवनमपिया तिस्सा के बारे में जितना हो सके पढ़ना शुरू किया और केविन रायर्सन/अहटुन रे के साथ एक टेलीफोन सत्र के लिए अपॉइंटमेंट भी लिया।

सत्र से कुछ दिन पहले, मुझे वह जानकारी मिली जो मैं था
ढूंढ रहे हैं. राजा देवानमपिया तिस्सा ने शादी की और उनका एक छोटा बेटा था। उनकी पत्नी, जिसका नाम अज्ञात है, को ईर्ष्या थी कि यदि टिस्सा की मृत्यु जल्दी हो गई, तो उनके बच्चे के स्थान पर उनके भाइयों में से एक गद्दी संभालेगा। सिंहासन पर अपने बेटे का अधिकार सुरक्षित करने के लिए, पत्नी ने टिस्सा के भाई को पके आमों की एक टोकरी भेजकर उसे मारने का फैसला किया। उसने सबसे बड़े, सबसे पके, सबसे चमकदार आम में जहर मिलाया और उसे टोकरी में सबसे ऊपर रख दिया। जब उसके भाई को टोकरी मिली, तो टिस्सा का छोटा बेटा उसके साथ था। लड़के ने ऊपर वाला आम उठाया और खा लिया और मर गया।

मुझे तुरंत इसका एहसास हुआ. मैं सहज रूप से जानता हूं कि रोहन कौन था। मैं उसे इस जीवन में केवल 7 वर्षों से जानता हूँ, एक बच्चे के बराबर... रोहन एक समय राजा देवनमपिया तिस्सा का पुत्र था, मेरा बेटा!

जब मेरी केविन के साथ फोन पर बातचीत हुई, तो मैंने अहतुन रे से पूछा
मेरा कौन सा कर्म संबंधी रिश्ता है?

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

रोहन के साथ. जल्द ही अहतुन रे ने पुष्टि की कि मुझे कुछ दिन पहले पता चला था कि रोहन राजा देवानमपिया तिस्सा का युवा और मासूम बेटा था जिसे उसकी अपनी माँ ने जहर दे दिया था और उसकी मृत्यु हो गई थी!

अब मैं समझ गया हूं कि मौत एक जिंदगी खत्म कर देती है, लेकिन एक रिश्ता नहीं!

तो अब मैं यहां हूं, श्रीलंका में रह रही हूं, रोहन की देखभाल कर रही हूं विधवा और मेरे परपोते! क्या जीवन का यह कर्म चक्र ख़त्म हो गया है? मुझे नहीं पता।

अब मैं उन संकेतों और सुरागों को देखता और समझता हूं मेरे पूरे जीवन में उपलब्ध रहा: सीलोन के पदपरदशा पत्थर से बना मेरा पहला आभूषण, संस्कृत नाम से मेरी पहचान, भारतीय मसालेदार भोजन और एशियाई संस्कृति से मेरा प्रारंभिक परिचय, ये सभी मेरे जीवन में बाद में आने वाली चीज़ों की तैयारी हैं; एक बच्चे के रूप में "विनम्र रहने" के लिए "आज्ञा मानने" से मेरा इनकार, एशिया के लिए मेरा प्यार....

हर दिन आश्चर्य से भरा होता है, कुछ नया, और भी अधिक चुनौतियाँ और अप्रत्याशित! मुझे लगता है कि अभी और भी बहुत कुछ आने वाला है... भविष्य अभी शुरू हो रहा है और जो कुछ भी आता है, मैं उसे खुले तौर पर स्वीकार करता हूं, क्योंकि मैं अधिक से अधिक आध्यात्मिक रूप से खुलता हूं, और मैं इसके लिए तैयार हूं!

विल्जा के वृत्तांत में, हम देखते हैं कि कैसे उसे अपने पिछले अवतारों के बारे में अनजाने में सुराग मिले, जैसे कि जब, एक बच्चे के रूप में अपना सिर मुंडवाने के बाद, उसने खुद को फिर से एक गोल-मटोल छोटे राजा के रूप में देखा। विल्जा ने आईएसआईएस के विकास में मदद करने की अपनी उत्साही इच्छा भी व्यक्त की। जिस प्रकार राजा देवानामपिया तिस्सा ने प्राचीन सीलोन में आध्यात्मिक सुधार लाया। विल्जा, पुनर्जन्म अनुसंधान का समर्थन करके, आज आध्यात्मिक सुधार की समान इच्छा दिखाती है। अंत में, मैं यह बताना चाहूंगा कि मेरे अनुभव में विल्जा का अर्थ "उच्च दक्षता" है, जो संस्कृत नाम उन्होंने खुद चुना है, वह बिल्कुल उपयुक्त है, क्योंकि विल्जा एक बहुत ही संगठित डायनेमो की तरह है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

विल्जा की कहानी का एक बेहद मार्मिक पहलू है. श्रीलंका में हुए गृह युद्ध में, इस द्वीप को पहले सीलोन के नाम से जाना जाता था, इस संघर्ष के दोनों पक्ष, सिंहली बौद्ध और हिंदू अल्पसंख्यक, तमिल, पुनर्जन्म में विश्वास करते थे।

इससे एक महत्वपूर्ण मुद्दा उठता है कि केवल पुनर्जन्म में विश्वास करना शांति लाने के लिए पर्याप्त नहीं है।

किसी चीज़ पर विश्वास करना यह जानने से अलग है कि कोई चीज़ सच है। विश्वासों के मामले में, हम हमेशा विश्वास प्रणाली के सिद्धांतों का पालन नहीं करते हैं, क्योंकि अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। उदाहरण के लिए, यदि आप फ़्रीवे पर गाड़ी चला रहे हैं और आपको कोई पुलिस अधिकारी नहीं दिख रहा है, तो हो सकता है कि आप तेज़ गति से गाड़ी चला रहे हों। कौन नहीं? लेकिन दूसरी ओर, यदि आप गाड़ी चला रहे हैं और पीछे की खिड़की से सीधे आपके पीछे एक पुलिसकर्मी दिखाई देता है, तो आप यातायात नियमों का पालन करने में बहुत आज्ञाकारी हो जाएंगे।

इसी प्रकार, पुनर्जन्म में विश्वास करने और यह जानने में भी अंतर है कि यह सत्य है। यह जानना कि लोग अपने कार्यों के लिए स्वयं जिम्मेदार हैं, एक अलग मानसिक दृष्टिकोण बनाता है।

जैसा कि ऐनी फ्रैंक/बारब्रो कार्लेन मामले से पता चलता है, धार्मिक संबद्धता, जातीयता और राष्ट्रीयता जीवन-दर-जीवन बदल सकती है।
जब लोग जानेंगे कि पुनर्जन्म सत्य है और इसे समझेंगे, तो उनका व्यवहार बदल जाएगा।

जब श्रीलंका में बौद्ध बिना किसी संदेह के जानते हैं कि उन्हें तमिल हिंदू के रूप में पुनर्जन्म दिया जा सकता है और इसके विपरीत, लड़ने की इच्छा कम हो जाएगी।

केविन रायर्सन के साथ एक सत्र में, मैंने अहतुन रे से पूछा कि क्या विल्जा भी एक पुनर्जन्मित व्यक्ति था जिसने स्वेच्छा से सेवा की थी। अहतुन रे बताते हैं कि ये सच है. शायद विल्जा, ज़्यादातर, रोहन के परिवार की देखभाल में मदद करने के लिए वापस आई थी। विल्जा की सेवा का दूसरा रूप यह भी है कि वह श्रीलंका में छोटे और मध्यम उद्यमों को अधिक पेशेवर और कुशल बनने में मदद करना चाहती है, जिससे वे विश्व बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकें।

उन्होंने लोगों की मदद के लिए एक संस्था भी बनाई

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

कार्य कौशल विकसित करना; उन्होंने जमीनी स्तर पर आजीविका परियोजनाएं बनाई हैं। वह ऐसा व्यक्ति बनना चाहते थे जो पूर्व और पश्चिम के बीच, प्राचीन ज्ञान और समकालीन विचार के बीच की खाई को पाट सके। उस मामले में, शायद विल्जा, कैटरीना की तरह, पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य को दुनिया के सामने लाने में मदद करने के लिए लौट आई थी।

कैटरीना और विल्जा के उदाहरणों से हम देखते हैं कि बोधिसत्व हमारे चारों ओर हैं। जब हम उन चिंताओं पर विचार करते हैं जो हमारी आधुनिक दुनिया को परेशान कर रही हैं, तो यह बहुत राहत की बात है कि कई बोधिसत्व यहां लौट आए हैं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

39

यीशु का पिछला जीवन, दीक्षा, आरोहण और क्षमा

हमने मानव आत्मा के विकास के चरणों पर चर्चा की है
साथ ही आत्मा जगत का स्तर भी। ईसाइयों द्वारा अब तक जीवित सबसे विकसित प्राणी माने जाने वाले व्यक्ति के संदर्भ में इस अवधारणा को बेहतर ढंग से समझने के लिए, मैंने अहतुन रे से यीशु के पिछले जीवन के बारे में पूछा। मैंने अहतुन रे से दीक्षा के चरणों पर टिप्पणी करने के लिए भी कहा, जैसा कि थियोसोफिकल साहित्य में वर्णित है।

याद रखें कि अहतुन रे ने पिछले जीवन की सटीक पहचान का अनुमान लगाने की क्षमता का प्रदर्शन किया है, जो मेरे लिए, उसे कुछ विश्वसनीयता प्रदान करता है।

यह भी याद रखें कि अहतुन रे ने एक बार कहा था कि उसने पृथ्वी पर यीशु के शिक्षण कार्य के दौरान यीशु के लिए एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक के रूप में कार्य किया था जिसके कारण क्रूस पर चढ़ाया गया और पुनरुत्थान हुआ।

वापस करना। अहतुन रे स्वयं अंतिम बार मिस्र में अवतरित हुए थे
3,000 साल पहले से.

इसके अलावा, मैंने वेन पीटरसन से पुनर्जन्म और दीक्षा पर एक लेख देने के लिए कहा है, क्योंकि वह इन क्षेत्रों में एक छात्र है।

वेन पीटरसन को बॉर्न अगेन के पहले भाग में दिखाया गया है, जहां उनके पिछले तीन जन्मों का वर्णन किया गया है। वह एक सेवानिवृत्त अमेरिकी राजनयिक और वाशिंगटन, डीसी में फुलब्राइट छात्रवृत्ति कार्यक्रम के पूर्व निदेशक हैं। ऐसी क्षमता में वेन व्यावहारिक अनुभव को चर्चाओं में लाने के आदी हैं, क्योंकि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से जीसस, मैत्रेय और सेंट-जर्मेन जैसे आध्यात्मिक गुरुओं के साथ बातचीत की है, जो उन्हें 30 वर्षों से अधिक के अनुभवों में दिखाई दिए हैं। . वेन की तरह

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

उनकी पुस्तक एक्स्ट्राऑर्डिनरी टाइम्स, एक्स्ट्राऑर्डिनरी बीइंग्स में वर्णन किया गया है, जिन्हें हम नौसिखिया, आरोही शिक्षक, या ज्ञान के शिक्षक कहते हैं, वे सभी उनके लिए बहुत सच्चे थे, और वेन ने उनमें से कुछ को अपना सबसे अच्छा दोस्त भी कहा। वेन के निजी मित्र के रूप में, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि उस पर भरोसा किया जा सकता है।

अब आइए यीशु के पिछले जन्मों के बारे में बात करें। अहतुन रे ने मुझे बताया है कि यीशु के कुल 33 अवतार थे, जिसके अंत में उन्हें नासरत के यीशु के रूप में जाना गया।

पहले, अहतुन रे ने अनुमान लगाया था कि हममें से अधिकांश के लिए, पृथ्वी पर पुनर्जन्म का चक्र समाप्त होने से पहले 80-120 अवतारों की आवश्यकता होती है, इसलिए मैंने अहतुन रे से पूछा कि यीशु केवल 33 अवतारों में अंतिम प्राप्ति कैसे प्राप्त करने में सक्षम थे।

जैसा कि पिछले अध्याय में बताया गया है, ब्रह्मांड हमारे वर्तमान ब्रह्मांड से पहले अस्तित्व में था, जिसका निर्माण 14 अरब साल पहले बिग बैंग के दौरान हुआ था।

पिछले ब्रह्माण्डों में विकसित हुई आत्माएँ और एक निश्चित समूह स्वेच्छा से हमारे ब्रह्माण्ड का हिस्सा बन जाते हैं। तो 14 अरब साल पहले, अनुभवी आत्माओं का एक समूह हमारे ब्रह्मांड में उभरा, लगभग 144,000 का एक आत्मा पूल, जो बिग बैंग के लगभग एक नैनोसेकंड बाद नव निर्मित आत्माओं के साथ विलीन हो गया।

अनुभवी आत्माओं का यह ग्रुप स्वेच्छा से सेवा भी करता है
मानवता का नेतृत्व करें, और अहतुन रे के अनुसार, हमारे कई महान आध्यात्मिक व्यक्ति जैसे बुद्ध, मूसा, मुहम्मद, जीसस, हिंदू धर्म के महान स्वामी-स्वामी, साथ ही व्यक्तिगत प्रतिभाएं, इस समूह का हिस्सा हैं। हमारे ब्रह्मांड से पहले निर्मित ब्रह्मांड में उनके पिछले अनुभव के कारण, वे बहुत कम जीवन में ही शिखर तक पहुंचने में सक्षम थे।

यीशु के जीवन की एक अवधि जिसे मैं साझा करना चाहूंगा वह ऐतिहासिक महत्व है और पुराने नियम में दर्ज है।
अहतुन रे ने पुष्टि की है कि यीशु ही जोसेफ हैं

Machine Translated by Google

उसके पिता जैकब ने उसे विभिन्न रंगों के वस्त्र दिये थे। हालाँकि यह निश्चित रूप से निर्धारित करने का कोई तरीका नहीं है कि जोसेफ कहाँ रहते थे, ऐसा माना जाता है कि यह पुनर्जन्म 1700 ईसा पूर्व के आसपास हुआ था।

यूसुफ को सपनों की व्याख्या करने की प्रतिभा के लिए जाना जाता है। में पुराने नियम में लिखा है कि उसके दो भाई थे जो उससे ईर्ष्या करते थे, क्योंकि याकूब उनसे अधिक यूसुफ से प्रेम करता था। यूसुफ ने अपने भाइयों को दो स्वप्न सुनाए जिनमें उसे उन सब से ऊपर रखा गया था, जिससे उसके भाई और भी अधिक चिढ़ गए।

परिणामस्वरूप, उसके भाइयों ने यूसुफ को मिस्र में गुलामी के लिए बेचने की साजिश रची।

यूसुफ के नियोक्ता, पुतिपर ने यूसुफ की प्रतिभा को पहचाना, जिसके बदले में उसे अपने घर की देखभाल की जिम्मेदारी दी गई।
पुतिपर की पत्नी यूसुफ की ओर आकर्षित होती है और उसे बहकाने की कोशिश करती है।
जब उसने उसकी प्रगति का विरोध किया, तो उसकी पत्नी ने पुतिपर से शिकायत की कि यूसुफ उसे बहका रहा था। पुतिपर, जो बदनामी में विश्वास करता था, ने यूसुफ को जेल में डाल दिया।

जेल में, यूसुफ फिरौन के मुख्य बटलर और मुख्य बेकर से मिलता है, जिसे अज्ञात कारणों से दंडित किया जा रहा है। यूसुफ ने बटलर और बेकर के सपनों की सही व्याख्या की, और जब वे रिहा हुए, तो उन्होंने फिरौन को यूसुफ की प्रतिभा की खबर दी, जो एक सपने से हतप्रभ था जिसमें उसके पास एक मोटी गाय और एक पतली गाय थी।

यूसुफ ने व्याख्या की कि फिरौन के सपने का मतलब है कि मिस्र 7 साल की समृद्धि का अनुभव करेगा और उसके बाद 7 साल का अकाल पड़ेगा। जोसेफ ने सलाह दी कि गेहूं को 7 वर्षों के लिए प्रचुर मात्रा में संग्रहित किया जाए, जिसका उपयोग अकाल के समय लोगों को खिलाने के लिए किया जाएगा।

फिरौन ने यूसुफ की सलाह का पालन किया और ये चीजें हुईं, जिससे यूसुफ मिस्र के लोगों के लिए एक नायक बन गया। अंत में, यूसुफ के भाई अपने पिता के अनुरोध पर अकाल के दौरान अपने परिवार के लिए भोजन प्राप्त करने के लिए मिस्र आए। उनके सामने आने से, यूसुफ का अपने भाइयों से ऊपर उठने का सपना पूरा हो गया। युसुफ ने अंततः अपने भाइयों को माफ कर दिया और उसका परिवार अंततः एक हो गया।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

गुलामी में बेचे जाने की बाधाओं का सामना करते हुए और फिर जेल में डाल दिया गया, उसके बाद जोसेफ की क्षमा और माफ़ी के बाद, जोसेफ को कई छात्रों द्वारा यीशु जैसा व्यक्ति माना गया है। अहतुन रे ने कहा कि जोसेफ के रूप में जीवन यीशु का 29वां अवतार था।

याद रखने वाली एक महत्वपूर्ण बात यह है कि यीशु भी हममें से बाकी लोगों की तरह ही पुनर्जन्म के माध्यम से विकास की प्रक्रिया से गुजरे थे। अपने 33वें अवतार में, जब वे यीशु मसीह बने, यीशु ने दीक्षा का एक स्तर प्राप्त किया, क्योंकि ईसा मसीह शब्द को आध्यात्मिक प्राप्ति के स्तर को दर्शाने वाली एक उपाधि के रूप में समझा जा सकता है। यह हमें हमारे अगले विषय पर लाता है, जो दीक्षा है।

दीक्षा

दीक्षा की अवधारणा को बेहतर ढंग से समझने के लिए, मैं उस विचार पर लौटूंगा जिसे हमने पहले छुआ था, जहां हम एक आत्मा की कल्पना करते हैं जिसमें स्वयं का होलोग्राम प्रोजेक्ट करने की क्षमता होती है। यह तर्क दिया गया है कि बढ़ते हुए भौतिक शरीर पर स्वयं का त्रि-आयामी होलोग्राम पेश करने वाली आत्मा की कल्पना करके हम यह समझ सकते हैं कि चेहरे की विशेषताएं एक अवतार से दूसरे अवतार में कैसे सुसंगत रहती हैं। यह होलोग्राम अदृश्य ऊर्जा के एक ढाँचे के रूप में कार्य करता है जिस पर हड्डियाँ और ऊतक विकसित होंगे, और हमारे अद्वितीय चेहरे की विशेषताओं का निर्माण करते हैं जो जीवन से जीवन तक साकार होती हैं।

होलोग्राम के इस विचार का उपयोग यह समझने के लिए भी किया जा सकता है कि विभाजित पुनर्जन्म कैसे होता है, जिससे एक आत्मा, जैसे-जैसे विभिन्न अवतारों के माध्यम से अधिक कुशल हो जाती है, कई भौतिक निकायों पर अपना होलोग्राम प्रोजेक्ट कर सकती है।

हम एलेक्जेंड्रा नेचिता जैसे प्रतिभाशाली बच्चों की घटना को समझने के लिए होलोग्राम का भी उपयोग करते हैं, जिन्होंने बहुत कम उम्र से ही पिकासो की प्रतिभा का प्रदर्शन किया था। हम कल्पना कर सकते हैं कि पिकासो की आत्मा एलेक्जेंड्रा के शरीर पर एक होलोग्राम प्रोजेक्ट कर रही है, जो न केवल उसकी हड्डियों की संरचना और चेहरे की विशेषताओं को आकार दे रही है, बल्कि एलेक्जेंड्रा के दिमाग में पिकासो की प्रतिभा को भी अंकित कर रही है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

छोटा।

इस अनुभाग में, हम इस बात पर विचार करेंगे कि का स्तर जितना अधिक होगा दीक्षा, आत्मा तेजी से जटिल और शुद्ध होलोग्राम को भौतिक आयाम में प्रक्षेपित करेगी, होलोग्राम के होलोग्राम जो भौतिक शरीर के समान वास्तविक हैं, भले ही वे शुद्ध ऊर्जा से बने हों। हम इन होलोग्राम को "प्रकाश का शरीर" कहते हैं।

जैसा कि पहले ही उल्लेख किया गया है, वेन पीटरसन ने 30 से अधिक वर्षों से आध्यात्मिक गुरुओं को प्रकाश के पिंडों में प्रकट होते देखा है। दरअसल, मैत्रेय और जीसस जैसे आध्यात्मिक गुरु एक बार कैलिफोर्निया के बेवर्ली हिल्स में रोडियो ड्राइव पर उनके सामने एक साथ आए थे।

वेन बेवर्ली हिल्स में एलेक्जेंड्रा नेचिटा प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए गए थे। अपनी पुस्तक में, वेन ने उन प्राणियों के उद्भव के कई उदाहरणों का वर्णन किया है जो स्वर्गारोहण से गुजर चुके हैं। ये सभी मुठभेड़ अद्भुत हैं और कुछ तो काफी दिलचस्प भी हैं।

मेरी पसंदीदा कहानियों में से एक, जो एक्स्ट्राऑर्डिनरी में दिखाई देती है टाइम्स की किताब, एक्स्ट्राऑर्डिनरी बीइंग्स, तब की है जब वेन फुलब्राइट कार्यक्रम के लिए एशिया में अमेरिकी दूतावास का निरीक्षण करने के बाद होनोलूलू में रह रहे थे। वेन बताते हैं कि देर रात, उन्होंने ताड़ के पेड़ की शाखाओं पर सुनहरे बालों के साथ एक आध्यात्मिक प्राणी को प्रकट होते देखा, जो फिर बालकनी में तैरता हुआ उनके होटल के कमरे में चला गया। कुछ सेकंड बाद, सेंट-जर्मेन के आध्यात्मिक गुरु बैंगनी रंग का सैश पहने हुए प्रकट हुए।

वेन काफी अचंभित हो गया और यह सुनिश्चित करने के लिए खुद को चिकोटी काटने लगा कि वह सो तो नहीं रहा है या सपना तो नहीं देख रहा है। यह महसूस करते हुए कि वह वास्तव में जाग रहा था, उसने सुनहरे बालों वाले प्राणी को आत्म-साक्षात्कार पर व्याख्यान देते हुए सुना।

बाद में, वेन को एहसास हुआ कि अनुभव अनोखा था और उन्हें उम्मीद थी कि उन्हें एक स्मृति चिन्ह, एक भौतिक वस्तु दी जाएगी, जो साबित करेगी कि इन मास्टर्स के साथ हवाई में उनका अनुभव वास्तविक था। जब वेन वाशिंगटन लौटे, तो आध्यात्मिक गुरुओं ने उनके अनुरोध का पालन किया और एक स्मृति चिन्ह प्रदान किया

Machine Translated by Google

एक वृक्ष। अधिक जानने के लिए वेन की पुस्तक पढ़ें।

मैं आध्यात्मिक प्राणियों और प्रकाश पिंडों के बारे में वेन की एक और कहानी साझा करना चाहता हूँ। जिस गुरु के साथ उनका सबसे अधिक संपर्क था, उनका नाम मैत्रेय था, जो आम तौर पर पतले, बहुत लंबे, जैतूनी त्वचा वाले और अजीब टोपी पहनने के शौकीन व्यक्ति के रूप में दिखाई देते थे। उनकी टोपियों की ख़ासियत यह है कि जब अलग-अलग लोग एक ही समय में मैत्रेय को देखते हैं, जैसे वेन की प्रस्तुतियों या पुस्तक पर हस्ताक्षर करते समय, वे सभी टोपी देखते हैं, लेकिन हर कोई एक अलग आकार की टोपी देखता है। मैत्रेय की एक और विशेषता यह है कि वह बहुत हंसमुख, भावुक और मजाकिया हैं।

जनवरी 2007 में, वेन की पड़ोसी, एक मिलनसार महिला, जिसने हाल ही में उनकी किताब पढ़ी थी, को उनके डॉक्टर के पास जाना पड़ा। सुबह का समय था और वेटिंग रूम में वह अकेला था।

पंजीकरण कराने के बाद, वह मुड़ा और देखा कि जैतून की त्वचा वाला एक लंबा, पतला आदमी, सफेद टोपी पहने हुए, प्रतीक्षा कक्ष में खड़ा होकर वेन की किताब, एक्स्ट्राऑर्डिनरी टाइम्स, एक्स्ट्राऑर्डिनरी बीइंग्स पढ़ रहा था।

उत्साहित होकर, महिला उस आदमी के पास पहुंची और बोली, "मेरे पड़ोसी ने किताब लिखी है!"

सफेद टोपी पहने लंबे आदमी ने उनकी टिप्पणियों को नजरअंदाज कर दिया और बस इतना कहा, “यह एक अच्छी किताब है। अधिक लोगों को इसे पढ़ना चाहिए।" फिर महिला को रिसेप्शनिस्ट ने परीक्षा कक्ष में प्रवेश करने के लिए बुलाया, लेकिन प्रवेश करने से पहले वह उस लंबे आदमी से पूछने के लिए मुड़ी कि वह वेन की किताब कैसे पढ़ रहा है। हालांकि, वह आदमी गायब हो गया था। जब महिला पड़ोसी ने वेन को इस घटना के बारे में बताया, तो उसने बताया कि इस महिला ने मैत्रेय को देखा होगा, जिनसे वेन कई अप्रत्याशित स्थानों पर इसी तरह मिली थी।

एक और दिलचस्प बात यह है कि वेन पीटरसन को कई साल पहले वेटिकन प्रतिनिधि के साथ प्रकाश के पिंडों में दिखाई देने वाले आध्यात्मिक गुरुओं के साथ अपने अनुभव प्रस्तुत करने का अवसर मिला था।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

वाशिंगटन में. बैठक 3 घंटे से अधिक समय तक चली और प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख जोसेफ रत्ज़िंगर (बाद में पोप बेनेडिक्ट XVI) थे, जो पोप जॉन पॉल द्वितीय के बहुत करीबी सलाहकार थे। उस समय, कार्डिनल रत्ज़िंगर ने खुलासा किया कि पोप पॉल जॉन द्वितीय को इन घटनाओं के बारे में पता था, लेकिन यह पोप पर निर्भर था कि वह तय करें कि क्या उन पर खुले तौर पर चर्चा की जानी चाहिए।

आइए अब हम दीक्षा की अवधारणा की समीक्षा करें। थियोसोफी दीक्षा के नौ चरणों का वर्णन करती है, हालाँकि केवल पहले पाँच ही मनुष्यों पर लागू होते हैं।
मैं उन शब्दों का उपयोग करूँगा जिनका उपयोग वेन ने अपनी कथा में किया है, जो नीचे हैं, यीशु के जीवन की घटनाओं में प्रतीकात्मक रूप से घटित दीक्षा के चरणों का वर्णन करने के लिए।

यदि उपयुक्त हो तो मैंने अहतुन रे की टिप्पणियाँ जोड़ दी हैं।

प्रायोगिक चरण: यह वह चरण है जो पहली दीक्षा से पहले होता है, जिसमें भौतिक संसार किसी व्यक्ति का प्राथमिक ध्यान केंद्रित हो जाता है। थियोसोफी के अनुसार, अधिकांश मानवता अभी भी प्रायोगिक चरण में है।

पहली दीक्षा, जन्म: आत्मा व्यक्तित्व को भौतिक से अधिक आध्यात्मिक जीवन पर ध्यान देने का आदेश देती है।

दूसरी दीक्षा, बपतिस्मा: व्यक्तित्व भ्रम पर काबू पाता है, जिसमें अवतारी प्राणी यह समझता है कि उसकी पहचान पदार्थ या भौतिक दुनिया पर आधारित नहीं है।

तीसरी दीक्षा, पर्वत पर परिवर्तन: आत्मा पूरी तरह से
नियंत्रण और व्यक्तित्व आत्मा के निर्देशन में रहता है।

चौथी दीक्षा, सूली पर चढ़ना: इस चरण में, व्यक्तित्व सभी सांसारिक लगावों को त्याग देता है और पूरी तरह से आध्यात्मिक मामलों पर ध्यान केंद्रित करता है, सभी मानव जाति के लिए खुद को बलिदान कर देता है। अहतुन रे ने संकेत दिया है कि यीशु, अपने पिछले जीवन में जोसेफ के रूप में बहुरंगी वस्त्र में, चौथे स्तर के सर्जक थे।

पांचवीं दीक्षा, पुनर्जागरण: आत्मा भौतिक आयाम में एक प्रकाश शरीर का रूप ले सकती है।

ईसाई धर्मशास्त्र में, घटना "स्वर्ग पर आरोहण"

Machine Translated by Google

यीशु के स्वर्ग में आरोहण के रूप में उसका वर्णन किया गया है। होलोग्राम की सादृश्यता का उपयोग करके, हम बेहतर ढंग से कल्पना कर सकते हैं कि यह आरोहण प्रक्रिया कैसे हो सकती है। सीधे शब्दों में कहें तो आरोहण आत्मा की होलोग्राम बनाने की क्षमता है, प्रकाश का एक पिंड जो भौतिक वास्तविकता के समान गुणों के साथ प्रकट हो सकता है। पांचवीं पहल प्रकाश के ऐसे शरीर का विकास लाती है।

अहतुन रे बताते हैं कि उच्च दीक्षाओं में प्रकाश शरीर का उपयोग करने में अधिक महारत हासिल करना शामिल है। अहतुन रे टिप्पणी करते हैं कि अपने पुनरुत्थान में, यीशु वास्तव में दीक्षा के उच्च स्तर पर पहुँच गए।

प्रकाश पिंडों का एक दिलचस्प गुण अलग-अलग डिग्री के समेकन या घनत्व की संभावना है। याद रखें कि जॉन के सुसमाचार के अनुसार, क्रूस पर चढ़ने के बाद, जब यीशु पहली बार कब्र के बाहर मैरी मैग्डलीन को दिखाई दिए, तो उन्होंने उससे कहा, "मुझे मत पकड़ो, क्योंकि मैं अभी तक पिता के पास नहीं गया हूं..." (जॉन) 20:17)

वेन पीटरसन को भी मैत्रेय के साथ ऐसे ही अनुभव हुए, जहां वेन को कभी-कभी मैत्रेय के हल्के शरीर को छूने की अनुमति नहीं थी। ऐसे क्षणों में मैत्रेय का शरीर पलक झपकते ही पीछे हट जाता। कभी-कभी, एक मास्टर स्तर के आध्यात्मिक व्यक्ति का प्रकाश शरीर मानव मांस और रक्त के समान वास्तविक होगा।

वेन ने समझाया कि वास्तव में घने प्रकाश पिंड का निर्माण करने के लिए बहुत अधिक ऊर्जा की आवश्यकता होती है। इसलिए, स्वामी ऐसा केवल तभी करते हैं जब आवश्यक हो। अब आइए पुनर्जन्म और दीक्षा पर वेन के लेखन पर वापस लौटते हैं।

हम पुनर्जन्म क्यों लेते हैं?

इस प्रश्न का संक्षिप्त उत्तर यह है कि आत्मा मानव व्यक्तित्व के साथ अपने संबंध को बेहतर बनाने के लिए पुनर्जन्म से गुजरने पर जोर देती है। धर्मग्रंथों में बुद्धिमानीपूर्वक पुनर्जन्म की आवश्यकता के संबंध में एक महत्वपूर्ण कथन शामिल है। संत पॉल हमारे लिए यह कहते हैं, ''...मनुष्य जो बोता है, वही होता है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

वह भी काटेगा।” (गलातियों 6:7) यह एक सच्चाई है जिस पर दोबारा जोर देने की जरूरत है। इसे कारण एवं प्रभाव का नियम भी कहा जाता है।
पूर्व में इसे कर्म का नियम कहा जाता है।

यीशु की शिक्षाओं का जोर मानवीय रिश्तों के सच्चे उद्देश्य पर है। अत: उनकी शिक्षाओं को पुनर्जन्म के नियम से जोड़ा जाना चाहिए।

मानव व्यक्तित्व ने जो बोया है उसे प्राप्त करने के लिए जीवन की एक से अधिक अवधि लगती है। यह एक प्रक्रिया है जिसे हम मानव आत्मा का विकास कहते हैं, मानव आत्मा को पूर्ण बनाने की प्रक्रिया। यीशु ने हमसे कहा, "इसलिए तुम्हें सिद्ध होना चाहिए, जैसे तुम्हारा पिता जो स्वर्ग में है, सिद्ध है।" (मैथ्यू 5:48) जैसे-जैसे हम अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर आगे बढ़ते हैं, हम सीखते हैं कि खुद को कैसे परिपूर्ण बनाया जाए, जैसे यीशु एक महान उदाहरण थे।

आज, औसत मनुष्य हमारे पूर्वजों की तुलना में कहीं अधिक परिपूर्ण है। हम कल्पना भी नहीं कर सकते कि हजारों वर्षों तक मानवता कितनी क्रूर थी। हम अपने समय के पिछले सौ वर्षों के दौरान मानवीय क्रूरता की कल्पना कर सकते हैं जिसमें विश्व युद्ध भी शामिल हैं। इतने सारे लोगों के सिर पर भारी मात्रा में नकारात्मक कर्म डाल दिया गया था। हालाँकि, जिन लोगों या आत्माओं ने अपराध किया, उन्हें परिपूर्ण होना था। यह तभी हो सकता है जब पुनर्जन्म का नियम हो। जब शिष्यों ने ईसा मसीह से उस अंधे आदमी के बारे में पूछा, "रब्बी, किसने पाप किया था, इस आदमी ने या उसके माता-पिता ने, कि वह अंधा पैदा हुआ?" (यूहन्ना 9:2), चर्च के नेता अक्सर इन बयानों को निरर्थक या यहां तक कि पुनर्जन्म से संबंधित कहकर खारिज कर देते हैं। दूसरी ओर, जो लोग पुनर्जन्म को तथ्य मानते हैं, उन्होंने अपने मामले को घटिया तरीके से सार्वजनिक किया है। इस वास्तविकता को और अधिक समझदारी से प्रस्तुत किया जाना चाहिए, विशेषकर पश्चिम में।

अंतिम विश्लेषण में, यदि अंततः वह पूर्णता प्राप्त हो जाती है, तो प्रश्न केवल समय का विषय है

Machine Translated by Google

और जगह. यद्यपि पुनर्जन्म की अवधारणा के कुछ विरोधियों द्वारा शुद्धिकरण प्रक्रिया को पृथ्वी के जीवन से परे होने की अवधारणा दी गई है, लेकिन ये शिक्षाएं ज्यादातर लोगों के लिए पूरी तरह से आश्वस्त नहीं हैं। यदि आत्मा को शुद्ध करने के लिए आध्यात्मिक विकास की आवश्यकता थी, तो इसे यहीं जारी रखना सबसे तर्कसंगत था। क्यों? क्योंकि जब हम अपने पड़ोसियों को चोट पहुँचाते हैं तो हम अपना बोया हुआ फल कैसे काट सकते हैं? जिन लोगों को हमने नाराज किया है, उनसे सीधे निपटकर ही हम अपने पड़ोसियों के लिए सुधार कर सकते हैं। यह हमें इस गुप्त तथ्य पर लाता है कि पुनर्जन्म व्यक्तियों का नहीं बल्कि आत्माओं के समूहों का मामला है।

मानवता धीरे-धीरे इस विचार को स्वीकार करना शुरू कर रही है कि हम अमर प्राणी हैं. दुर्भाग्य से, अधिकांश प्रमुख धर्म मानवता को हमारी पसंद के बारे में बहुत विकृत दृष्टिकोण देते हैं। पश्चिमी धर्मों का मानना है कि हम एक अस्तित्वहीन अतीत से आए हैं जिसमें केवल वर्तमान जीवन और एक उबाऊ स्वर्ग या हमेशा के लिए नरक में महान पीड़ा का भविष्य है, जो सभी एक प्रेमपूर्ण ईश्वर के निर्देशन में होता है। . इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि बहुत से लोग ऐसे विकृत और भोले-भाले विचारों से मुँह मोड़ लेते हैं। मानव आत्मा की यात्रा और उसकी पूर्णता की बुद्धिमान समझ को मानव जाति द्वारा स्पष्ट रूप से देखने और स्वीकार करने की आवश्यकता है। यह समझ होगी

एक तर्कसंगत योजना के साथ अवतरित आत्मा समूहों के अध्ययन के रूप में हो कर्म के नियम पर विजय प्राप्त करें। यह समझ बुद्धिमान लोगों को आश्वस्त करेगी कि पुनर्जन्म जीवन का एक सत्य है।

यह एक तथ्य है कि आत्माओं को पूर्णता के उद्देश्य से समूहों में पुनर्जन्म दिया जाता है उनके बीच संबंध. आत्मा का पुनर्जन्म लेना हितकर नहीं होगा ऐसे परिवार या दोस्तों के समूह में जहां आत्मा पर कोई कर्म ऋण नहीं है। हम ही कर सकते हैं जिन अन्य लोगों को हमने अतीत में ठेस पहुंचाई है, यदि हम रिश्ता पूरा होने तक उनसे बार-बार मिलते हैं, तो उनके प्रति अपना ऋण चुकाएं। तो, परिवार

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

और हमारे दोस्त जो अब एक दूसरे को जानते हैं
प्राचीन काल से एक दूसरे यह प्रक्रिया जारी रहेगी
तब तक जारी रहता है जब तक कर्म निष्प्रभावी नहीं हो जाता। उस समय, जो आत्माएँ विकसित हो चुकी हैं वे नस्लीय कर्म, राष्ट्रीय कर्म, विश्व कर्म पर विजय पाना शुरू कर देंगी और संपूर्ण मानवता की सेवा पर ध्यान केंद्रित करेंगी।

ये आत्माएं अतीत के संत और आधुनिक दुनिया के मंत्री हैं।

उन्नत आत्माएं, जिन्होंने अपने अधिकांश कर्म ऋण को अपने परिवार और दोस्तों के भीतर चुका दिया है, फिर सांसारिक कर्म से निपटना शुरू कर सकती हैं और अक्सर पूरी तरह से नए परिवारों में पुनर्जन्म लेने का विकल्प चुनती हैं, जो पूरी तरह से आत्मा समूहों से रहित होते हैं। कनेक्शन. हालाँकि, वे अपने पुराने दोस्तों को पहचानना जारी रखेंगे जिन्होंने पिछली कुछ शताब्दियों में खुद को परिपूर्ण बनाया है। कार्यस्थल पर या सामाजिक समारोहों के माध्यम से मिलने पर, ये आत्माएं उन्हें प्रिय पुराने दोस्तों के रूप में पहचानेंगी और उस संपर्क को बनाए रखने की इच्छा रखेंगी। कर्म ऋण

उन्नत आत्मा अब व्यवस्थित हो गई है और दो व्यक्ति एक प्रेमपूर्ण और सहायक रिश्ते में रह सकते हैं। वे देखेंगे कि प्रत्येक ने मानवता की सेवा का मार्ग चुना है और वे केवल अपने परिवार और दोस्तों के छोटे दायरे में ही नहीं, बल्कि बड़ी दुनिया में भी सक्रिय हैं।

ये उन्नत आत्मा समूह अब व्यक्तिगत मंत्रालय की यात्रा पर हैं जिसका इतिहास में आसानी से पता लगाया जा सकता है। उनके समूह संबंध और उनके पुनर्जन्म वाले समूह वह प्रकाश होंगे जो इस विषय को प्रकाशित करते हैं और मानव जाति के लिए पुनर्जन्म का अर्थ बताते हैं।

हम अक्सर इस महत्वपूर्ण तथ्य को नजरअंदाज कर देते हैं कि सेवा और उन्नत आत्माओं द्वारा बलिदान पुनर्जन्म को समझने की कुंजी है। यीशु ने मानव जाति को सेवा और बलिदान के बारे में सिखाया, जैसा कि उनसे पहले कई महान आत्माओं ने किया था। बुद्ध, कृष्ण या क्रिस्टीना, फारस से मिथ्रा, या मिस्र से ओसिरिस, और अन्य लोगों ने उन आत्माओं के लिए बलिदान दिया जो उनके जितनी उन्नत नहीं थीं। वे,

Machine Translated by Google

और भी बहुत कुछ, मानव जाति के लिए उदाहरण हैं।
वे नेतृत्व करते हैं और रास्ता दिखाते हैं। हमसे अपेक्षा की जाती है कि हम एक दिन उनके जैसा बनें, मानव जाति के नायक बनें, इससे पहले कि हम इस ग्रह से परे अन्य महान कार्यों की ओर बढ़ें।

हमारे ग्रह पर पुनर्जन्म के बारे में यह समझना महत्वपूर्ण है कि जब आत्मा पूर्ण हो जाती है, तो हम भी उन महान नायकों के नक्शेकदम पर चलेंगे जो हमसे पहले इससे गुजर चुके हैं। हम पृथ्वी पर अवतारों के माध्यम से हुई पाँच दीक्षाओं के बारे में अतीत के गुप्त समाजों द्वारा सिखाई गई बातों को स्पष्ट करेंगे। ये पाँच दीक्षाएँ यीशु ने अपने जीवन से सिखाईं। वे इस ग्रह पर मानव आत्मा के पिछले कुछ जन्मों में क्रियान्वित होते हैं। यीशु ने ये शारीरिक दीक्षाएँ दीं जो पुनरुत्थान के साथ समाप्त हुईं। पहली दीक्षा जन्म है, एक ऐसी प्रक्रिया जिसमें आत्मा व्यक्तित्व को भौतिक से अधिक आध्यात्मिक जीवन पर अधिक ध्यान देने का आदेश देती है। दूसरा है बपतिस्मा, वह बिंदु जिस पर आत्मा भ्रम पर विजय पाती है। तीसरा है पर्वत पर परिवर्तन, एक ऐसा क्षण जब आत्मा पूर्ण नियंत्रण में होती है और व्यक्ति आत्मा के निर्देश पर रहता है। चौथा, सूली पर चढ़ना, वह स्थान है जहां मनुष्य भौतिक जीवन से अपने सभी संबंधों को मुक्त कर देता है, आध्यात्मिक चीजों पर ध्यान केंद्रित करता है और पूरी मानवता के लिए बलिदान देता है। उत्तरार्द्ध मृतकों में से पुनरुत्थान है और प्रकाश का शरीर बन जाता है। यह आमतौर पर पृथ्वी पर हमारी यात्रा समाप्त करता है। उस समय पांचवें स्तर के सर्जक के पास दूसरे ब्रह्मांड में एक नई यात्रा या रोमांच की ओर ले जाने वाले सात रास्तों का विकल्प होता है।

पृथ्वी पर हमारी यात्रा के विपरीत, हमारी आत्मा की सार्वभौमिक यात्रा में कोई दर्द या पीड़ा नहीं होगी। यह बहुत आनंद की यात्रा होगी. हालाँकि, यह मानसिक विकास की एक सतत यात्रा भी होगी।

मैं बताना चाहूँगा कि ये विचार मेरे अपने नहीं हैं। इन
शिक्षाएँ एक मानव आत्मा से आती हैं जिसने मानव यात्रा के कष्टों का अनुभव किया है और प्रबुद्ध होने के लिए पाँच दीक्षाओं से गुज़रा है। किसी भी कारण से, वह अभी भी अंदर है

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

हमारा ग्रह मानवता को हमारे भाग्य के बारे में सिखाएगा। उन्हें अक्सर तिब्बत के गुरु के रूप में जाना जाता है। उन्होंने ऐलिस बेली के साथ 30 से अधिक वर्षों की अवधि में काम किया ताकि उन्नत मानवता के लिए आवश्यक सभी सूचनाओं को रिकॉर्ड किया जा सके, ताकि जल्द से जल्द ज्ञानोदय का मार्ग खोजा जा सके। मानवता उनके प्रति कृतज्ञता का एक बड़ा ऋणी है। मैं उसे अपना दोस्त मानता हूं.'

मेरा अंतिम विचार यह है कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम पुनर्जन्म को मानव आत्मा को पूर्णता में लाने की एक प्रक्रिया के रूप में देखें।

यह विकास यात्रा सदैव आगे बढ़ती रहती है, कभी पीछे नहीं। वे शिक्षाएँ जो हमारी आध्यात्मिक यात्रा को पीछे की ओर ले जाती हैं, वे केवल धार्मिक नेताओं का काम हैं जो अपने हित के लिए मानवता को नियंत्रित करने का प्रयास करना चाहते हैं। पुनर्जन्म का नियम और मानव आत्मा को पूर्ण बनाने का इसका लक्ष्य एक तथ्य है, और यह यीशु और पिछली दुनिया के शिक्षकों की शिक्षाओं के अनुरूप काम करता है।

क्रूसीकरण और क्षमा

यीशु की कहानी में सबसे शक्तिशाली तत्वों में से एक यह है कि उनमें उन लोगों को भी माफ करने की क्षमता है जिन्होंने उन्हें सूली पर चढ़ाया था। इसके बारे में मेरी समझ यह है कि वह आध्यात्मिक वास्तविकता के उच्च स्तर पर है, जहां उसकी अपनी मृत्यु सहित भौतिक दुनिया की घटनाएं उसके लिए अर्थहीन हैं। इसके अलावा, वह जानता है कि वह एक भव्य शो का हिस्सा है जिसमें वह दुनिया को दिखाएगा कि मौत पर काबू पाया जा सकता है। और उसने ऐसा किया, और इस प्रकार सूली पर चढ़ना उसका सार्वभौमिक प्रतीक बन गया।

क्षमा यीशु का केंद्रीय संदेश है। मेरा मानना है कि क्षमा करना इतना महत्वपूर्ण है क्योंकि अपनी नफरतों से चिपके रहने से, हम खुद को उन लोगों के साथ कर्म संबंधों में बांध लेते हैं जिनसे हम नफरत करते हैं या जिनसे हम नाराज हैं।

हम अपनी आत्मा के विकास में अवरुद्ध हो जाते हैं। क्षमा करके, हम स्वयं को मुक्त करते हैं, हम उस सहारे को छोड़ देते हैं जो हमें रोकता है।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

हालाँकि, क्षमा करना बहुत कठिन हो सकता है। जबकि कुछ का सुझाव है कि क्षमा यह सोचने से आ सकती है कि कभी गलत नहीं हुआ, हममें से अधिकांश के लिए, क्षमा को पूर्ण बनाने के लिए हमारे घावों से जुड़ी भावनाओं का समाधान करना आवश्यक है। यदि हम इन भावनाओं को सुलझा लें तो नफरत बढ़ सकती है। सबसे पहले, पीड़ित को अपराधी द्वारा चोट पहुँचाने का दर्द होता है।

दूसरा, यदि पीड़ित क्षमा करने के लिए तैयार नहीं है, तो वह क्षमा न कर पाने के लिए दोषी महसूस करेगा। यह दोगुना अनुचित लगता है, क्योंकि अपराधी को इस क्षमा मुद्दे पर ध्यान देने की ज़रूरत नहीं है। नकारात्मक भावनाओं, दर्द और नाराजगी का एक जुनूनी नीचे की ओर सर्पिल उभर सकता है।

व्यावहारिक कारणों से, किसी दर्द के अपराधी के साथ संवाद करना, शायद एक पत्र में, यह समझाने के लिए सबसे प्रभावी है कि उनके कार्यों के कारण आपको दर्द कैसे महसूस हुआ। अपराधी को सहानुभूति व्यक्त करने और माफी माँगने के लिए कहें, यह समझाते हुए कि माफी एक उपचारात्मक कार्य होगा। यदि दुर्व्यवहार करने वाला सहानुभूति रख सकता है, तो उपचार और क्षमा हो सकती है। यदि दुर्व्यवहार करने वाला सहानुभूति देने में असमर्थ है और माफी मांगने से इनकार करता है, तो अपनी भावनाओं को संप्रेषित करने का कार्य अपने आप में एक भावनात्मक रिहाई है। पारंपरिक मनोचिकित्सा भी बहुत मददगार हो सकती है।

यदि अपराधी अब जीवित नहीं है तो क्या होगा? मैंने अहतुन रे से इस बारे में पूछा और उन्होंने इसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।
किसी को चोटों से जुड़ी भावनाओं को लिखना चाहिए और अपराधी से सहानुभूति व्यक्त करने और माफी मांगने के लिए कहना चाहिए। अहतुन रे बताते हैं कि अगर किसी की मृत्यु हो गई है, तब भी उस व्यक्ति की आत्मा टेलीपैथी के माध्यम से आपसे संवाद करने में सक्षम होगी। यह बताता है कि वह व्यक्ति आपको सपने में भी दिखाई दे सकता है।

वास्तव में, इस घटना के एक उदाहरण के रूप में, मेरे एक करीबी दोस्त ने खुलासा किया कि जब उसकी दादी जो अक्सर मेरे दोस्त के प्रति क्रूर थी, की मृत्यु हो गई, तो उसकी दिवंगत दादी उसके सपने में आईं जो बहुत वास्तविक लग रहा था और उसने मेरे सबसे अच्छे दोस्त से उसे माफ करने के लिए कहा।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

जैक कोर्नफील्ड ने द आर्ट ऑफ फॉरगिवनेस, लवकाइंडनेस एंड पीस नामक एक उपयोगी पुस्तक लिखी है, जिसमें उन्होंने यह भी खुलासा किया है कि माफी एक लंबी और कठिन प्रक्रिया हो सकती है। लेकिन अंततः, हम ही हैं जो उस क्षमा से मुक्त हो जाते हैं। जैक ने युद्ध के दो पूर्व कैदियों के बीच एक संवाद में इसका वर्णन किया है। एक ने दूसरे से कहा, “क्या तू ने अपने सतानेवालों को क्षमा कर दिया है?” दूसरे ने कहा, "नहीं, मैं नहीं करूंगा!" पहले ने उत्तर दिया, "तो फिर वे तुम्हें अभी भी जेल में रख रहे हैं, है ना?" क्षमा प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम यह समझना है कि अतीत के बारे में सोचते रहना उचित नहीं है। उन्होंने लिखा, "क्षमा का अर्थ है बेहतर अतीत की आशा छोड़ देना।"2

सूली पर चढ़ने का एक सबक यह है कि इस दुनिया में हमेशा दुख पहुंचाने वाले लोग होते हैं। कम विकसित आत्माओं में अधिक विकसित आत्माओं को चोट पहुँचाने की प्रवृत्ति होगी। ये बात वेन पीटरसन ने अपने लेख में कही है.

जिस प्रकार यीशु ने क्षमा और दीक्षा को चुना, उसी प्रकार यदि हम आध्यात्मिक जागरूकता के उच्च स्तर प्राप्त करना चाहते हैं और कुशल होलोग्राम निर्माता बनना चाहते हैं तो हमें भी ऐसा करना चाहिए।

माइकल तमुरा एक मानसिक और आध्यात्मिक शिक्षक हैं जिन्होंने क्षमा करने के मेरे संघर्ष में मेरी मदद की है। वैसे, माइकल अपने जीवन के उस समय को याद करता है जब वह यीशु का शिष्य था और वह बताता है कि मानसिक अवस्था में, यीशु अक्सर उससे मिलने आते थे।

इको बोडीन और जूडी गुडमैन सहित बॉर्न अगेन में योगदान देने वाले अन्य मनोवैज्ञानिकों को भी यीशु के दर्शन प्राप्त होते हैं।

माइकल, इको और जूडी के पारंपरिक चित्रणों के विपरीत, वर्दी यीशु को एक हल्के-फुल्के और आनंदमय व्यक्ति के रूप में वर्णित करती है, कोई ऐसा व्यक्ति जो छोटे-छोटे चुटकुलों के साथ उन्हें हंसाना पसंद करता था। एक अन्य मित्र जिसने यीशु को प्रेम की एक महान ऊर्जा के रूप में अनुभव किया, उसने साझा किया कि यीशु ने उसे क्या बताया था

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

कि वह क्रूस से छुटकारा पाना चाहता था, क्योंकि वह उस समय से बहुत आगे बढ़ चुका था। मैं माइकल तमुरा के उद्धरण के साथ अपनी बात समाप्त करना चाहता हूँ:

"भगवान कभी नहीं बदलता। यह हम ही हैं जिन्हें अपने तरीके बदलने होंगे हमें उस शाश्वत खुशी में शामिल होना है। क्षमा के हर कदम के साथ, हजारों मौतों की यात्रा हमेशा के लिए आनंद और शांति के जीवन में बदल जाएगी।"

वेन पीटरसन और माइकल तमुरा के बारे में अधिक जानने के लिए कृपया देखें:

www.waynepeterson.com
www.michaeltamura.com

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

40

निष्कर्ष

इस पुस्तक के अध्याय-दर-अध्याय में हमने बहुत कुछ कवर किया है
नया क्षेत्र. हमने ऐसे ठोस मामलों की समीक्षा की है जहां बच्चों ने पिछले जन्मों की यादें बताईं जिन्हें वैज्ञानिकों द्वारा मान्य किया जा सकता है, जैसा कि पुनर्जन्म के मामले में डॉ. द्वारा शोध किया गया था। इयान स्टीवेन्सन, वर्जीनिया विश्वविद्यालय में। हमने शेमस इको बोडिन और जूडी गुडमैन द्वारा वर्णित आध्यात्मिक क्षेत्रों के साथ-साथ 3,000 साल पहले अवतरित एक मार्गदर्शक आत्मा अहतुन रे का भी पता लगाया है, जो केविन रायर्सन के माध्यम से संचार करता है।

मैं दो मामलों का जिक्र करके अपनी बात समाप्त करना चाहूंगा जिनमें पिछले जन्मों की स्मृति बचपन में ही पहुंच जाती है। एक मामला ऐनी फ्रैंक/बारब्रो कार्लेन का है, जिसे बॉर्न अगेन पुस्तक में दर्शाया गया है।

एक यहूदी के रूप में ऐनी फ्रैंक पर अत्याचार किया गया था। वर्तमान में, ऐनी फ्रैंक के पुनर्जन्म, बारब्रो कार्लेन का जन्म एक ईसाई परिवार में हुआ था। कल्पना कीजिए कि यदि द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनों को पता होता कि कोई व्यक्ति एक जीवनकाल में यहूदी और दूसरे जीवन में ईसाई पैदा हो सकता है, तो नरसंहार कभी नहीं हुआ होता। इसी तरह अगर लोग यह समझ लें कि वे एक जीवनकाल में मुस्लिम और दूसरे जन्म में यहूदी या ईसाई, एक अवतार में शिया और दूसरे अवतार में सुन्नी के रूप में पैदा हो सकते हैं, तो मध्य पूर्व में हिंसा बंद हो जाएगी। ऐनी फ्रैंक/बारब्रो कार्लेन मामला उन सकारात्मक सामाजिक परिवर्तनों पर प्रकाश डालता है जो पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य ला सकते हैं।

पुनर्जन्म के प्रमाण भी साथ-साथ बढ़ते रहेंगे
पिछले अवतारों की यादें जो जारी रहेंगी

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

हमारे बच्चों के मुंह से निकला. इयान स्टीवेन्सन, जिन्होंने पिछले जन्मों को याद रखने वाले बच्चों पर वैज्ञानिक शोध का नेतृत्व किया था, की 2007 में मृत्यु हो गई। हालांकि, अन्य सहकर्मी अपना काम जारी रखेंगे और स्वतंत्र रूप से शोध किए गए पुनर्जन्म के मामलों से पता चलता रहेगा कि आत्माएं संबद्धता बदल सकती हैं। धर्म या जातीयता

एक अवतार से दूसरे अवतार में.

दूसरा मामला जिसका मैं उल्लेख करना चाहता हूं, उसमें एक मुस्लिम लड़का, केमल अतासोय शामिल है, जो अपने पिछले जीवन को याद करता है जब वह ईसाई था।

डॉ. द्वारा लिखित एक पुस्तक में. वर्जीनिया विश्वविद्यालय के जिम टकर, लाइफ बिफोर लाइफ शीर्षक से, डॉ. टकर ने स्वर्गीय इयान स्टीवेन्सन द्वारा 40 से अधिक वर्षों की अवधि में किए गए कार्यों का सारांश दिया है। डॉ. टकर ने उस हर तर्क का जवाब दिया और उसे खारिज कर दिया जो कोई संशयवादी डॉ. स्टीवेन्सन को नीचे गिराने के लिए कह सकता था। सबसे पहला मामला जिसका वर्णन डॉ. टकर ने अपनी पुस्तक में किया है, वह तुर्की के एक 6 वर्षीय मुस्लिम लड़के केमल अतासोय की कहानी है, जिसे अपने जीवनकाल के बारे में बहुत विस्तार से याद है, जब वह काराकस नाम का एक अमीर ईसाई व्यापारी था, जो इस्तांबुल में रहता था। जहां केमल का जन्म हुआ था वहां से 500 मील दूर।

और बड़ा हुआ. केमल की यादों को बाद में सत्यापित किया गया

सावधानीपूर्वक अनुसंधान के माध्यम से.

लाइफ बिफोर लाइफ में, डॉ. टकर ने पूछा, "यह छोटा लड़का, जो 500 मील दूर एक छोटे से शहर में रहता है, उस आदमी के बारे में इतना कुछ कैसे जान सकता है जो उसके जन्म से 50 साल पहले इस्तांबुल में मर गया था?"

एक प्रशंसनीय व्याख्या क्या है? कमाल का उत्तर बहुत सरल है; उन्होंने कहा कि वह अपने पिछले जन्म में वही व्यक्ति थे।''1

मानव विकास में अगला कदम यह महसूस करना है कि हम सार्वभौमिक आत्माएं हैं जिनका किसी भी सांस्कृतिक और धार्मिक परिवेश में पुनर्जन्म हो सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए, आइए हम धार्मिक संबद्धता, जातीयता, राष्ट्रीयता या नस्ल में अंतर के आधार पर हिंसा को रोकें।

पृथ्वी एक विद्यालय है जहाँ हम मदद के लिए आये हैं

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

इसे विकसित करें और बनाएं, ताकि एक दिन हम आध्यात्मिक क्षेत्र के उच्च स्तर तक पहुंच सकें और इस तरह ईश्वर के करीब हो सकें। आइए संकीर्ण और गलत पहचानों के आधार पर अपनी संस्कृतियों और स्वयं के बुनियादी ढांचे को नष्ट करना बंद करें।

मैं रिटर्न ऑफ़ रिवोल्यूशनरीज़ से ली गई एक सादृश्यता के साथ अपनी बात समाप्त करना चाहता हूँ। हालाँकि 200 साल पहले हुए एक अवतार में मुझे एक क्रांतिकारी के रूप में जाना जाता था, मैं अब इस शब्द का उपयोग नहीं करना पसंद करता हूँ, क्योंकि यह विवाद से संबंधित है। इसके बजाय, मैं एक विकासवादी बनना चाहता हूँ। मुझे आशा है कि आप भी विकासवादी होंगे।

दुनिया की महान संस्कृतियों और धर्मों के नदियों की तरह एक आंदोलन की कल्पना करें। भविष्यवक्ता या दूरदर्शी एक दर्शन, राष्ट्र या धर्म की शुरुआत करने वाले प्रमुख के रूप में कार्य करता है।

जब अनुयायी संस्थापक का अनुसरण करना शुरू करते हैं, तो एक छोटी धारा एक बड़ी धारा बनने लगती है। फिर नदी बढ़ती गई और युगों-युगों तक, सदियों तक बहती रही। समर्थकों ने आंदोलन का समर्थन किया, हालांकि कला, वास्तुकला, साहित्य और नदियों के कार्य बड़े और गहरे होते गए।

कल्पना करें कि हम उन मछलियों की तरह हैं जो आध्यात्मिक दुनिया से उतरती हैं और इन नदियों में लीन हो जाती हैं। एक जीवन में, हम ईसा मसीह की नदी में तैरते हैं, लेकिन दूसरे जीवन में हम मुहम्मद की नदी में, और दूसरे जीवन में, बुद्ध की नदी, हिंदू धर्म की नदी, इत्यादि में तैरते हैं। जब हम किसी विशेष नदी में डूब जाते हैं, तो हम उस सांस्कृतिक धारा से पूरी तरह तादात्म्य स्थापित कर लेते हैं। हम ईसाई, मुस्लिम, यहूदी, हिंदू या बौद्ध बन जाते हैं। हम अपनी विशेष जाति, जातीयता और राष्ट्रीयता से भी पहचान करते हैं।

हम भूल जाते हैं कि अन्य जन्मों में हम अन्य धाराओं में भी तैर चुके हैं।

पृथ्वी पर शांति स्थापित करने के लिए हमें जागरूक होना होगा हम जिन विभिन्न रास्तों पर चले हैं और जिन विभिन्न पहचानों को हमने धारण किया है। हमें यह स्मरण रखना चाहिए कि आध्यात्मिक दृष्टि से हम मछलियाँ हैं, नदियाँ नहीं।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

हम इन विभिन्न धाराओं का अनुभव करने वाली सार्वभौमिक आत्माएं हैं।
आइए हम इस जागरूकता के साथ जिएं, ताकि हम सभी शांति से रह सकें।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

लेखक के बारे में

डॉ। वाल्टर सेमकिव, एमपीएच

वाल्टर एक मेडिकल डॉक्टर हैं, जिन्होंने एक के रूप में काम किया है फॉर्च्यून 500 कंपनी यूनोकल 76 के मेडिकल डायरेक्टर और सैन फ्रांसिस्को के एक बड़े मेडिकल सेंटर में व्यावसायिक चिकित्सा के सहायक प्रमुख के रूप में, जहां वह अभी भी अभ्यास करते हैं। वाल्टर ने इलिनोइस विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान विभाग से फी बीटा कप्पा समुदाय के सदस्य के रूप में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। बाद में इलिनोइस विश्वविद्यालय से उन्होंने मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ (सार्वजनिक स्वास्थ्य में मास्टर) की उपाधि प्राप्त की।

वाल्टर रिटर्न ऑफ द रेवोल्यूशनरीज़: द केस फॉर रीइंकार्नेशन एंड सोल ग्रुप्स रीयूनाइटेड के लेखक हैं, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रकाशित हुआ है, साथ ही बॉर्न अगेन, भारत, सर्बिया, इंडोनेशिया में प्रकाशित हुआ है; क्रोएशियाई और रूसी संस्करण जल्द ही आएंगे। वह इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर रिग्रेशन रिसर्च एंड थेरेपीज़ (आईएआरटी) और इंट्यूशन नेटवर्क के निदेशक मंडल में भी हैं। वाल्टर ने इंस्टीट्यूट फॉर द इंटीग्रेशन ऑफ साइंस, इंट्यूशन एंड स्पिरिट (आईआईएसआईएस) की स्थापना की है, जो पुनर्जन्म, आत्मा विकास और संबंधित घटनाओं के मामलों पर वैज्ञानिक शोध करने के लिए समर्पित है।

IISIS पुनर्जन्म के मामलों को एकत्र करने, अध्ययन करने और प्रकाशित करने के लिए एक संसाधन के रूप में कार्य करता है। इसके अलावा, डीएनए विश्लेषण जैसे जैव रासायनिक या जैव-भौतिकीय तरीकों के माध्यम से पुनर्जन्म को साबित करने के तरीकों का पता लगाया जाएगा। IISIS सामाजिक परिवर्तन को भी बढ़ावा देता है जिसे पुनर्जन्म के वस्तुनिष्ठ साक्ष्य के माध्यम से आगे बढ़ाया जा सकता है।

वेबसाइट और ई-मेल डॉ. वाल्टर सेमकिव है:

www.johnadams.net

walter@johnadams.net

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

आईएसआईएस वेबसाइट का पता:

विज्ञान, अंतर्ज्ञान और आत्मा के एकीकरण के लिए संस्थान

पुनर्जन्म पर वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए समर्पित एक संगठन:

www.iisis.net

www.iisis.org

IARRT वेबसाइट का पता:

इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर रिग्रेशन रिसर्च एंड थेरेपीज़ एक संगठन जो पिछले जीवन रिग्रेशन थेरेपी अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए समर्पित है: www.iarrt.org

Machine Translated by Google

पुस्तकालय सूची

अध्याय 1

2 सिल्विया क्रैंस्टन, पुनर्जन्म, द फीनिक्स फायर मिस्ट्री, थियोसोफिकल यूनिवर्सिटी प्रेस, पासाडेना, 1998, पी। 128 3 जोसेफ हेड और एसएल क्रैंस्टन, पुनर्जन्म, और पूर्व-पश्चिम

एंथोलॉजी, थियोसोफिकल पब्लिशिंग हाउस, 1961, पृ. 35-39 4 डिट्टो, पृ. 39-42 5 सिल्विया क्रैंस्टन, पुनर्जन्म, द फीनिक्स

फायर मिस्ट्री,

थियोसोफिकल यूनिवर्सिटी प्रेस, पासाडेना, 1998, पृ. 156-160 6 फ्लेवियस जोसेफस, यहूदियों की प्राचीन वस्तुएं, पुस्तक 18, अध्याय 1, संख्या 3।

7 फ्लेवियस जोसेफस, यहूदी युद्ध, पुस्तक 3, अध्याय 8 क्रमांक 5।

8 ज़ोहर, खंड II। फोल. 99.

9 सिल्विया क्रैंस्टन, पुनर्जन्म, द फीनिक्स फायर मिस्ट्री,

थियोसोफिकल यूनिवर्सिटी प्रेस, पासाडेना, 1998, पृ. 132-133 10 जोसेफ हेड और एसएल क्रैंस्टन, पुनर्जन्म, और पूर्व-पश्चिम एंथोलॉजी, द थियोसोफिकल पब्लिशिंग हाउस, 1961, पृष्ठ 56।

11 डिट्टो, पृ. 56 12

कुरान, सूरा 2, गाय, आयत 28।

13 द कुरान, द एसेंशियल कुरान से, थॉमस क्लीरी द्वारा, हार्पर, सैन फ्रांसिस्को, 1993, पृष्ठ। 89.

14 कुरान, सूरा 6, द कैटल, श्लोक 95., द एसेंशियल कुरान से, थॉमस क्लीरी द्वारा, हार्पर, सैन फ्रांसिस्को, 1993, पृष्ठ। 56.

15 जोसेफ हेड और एसएल क्रैंस्टन, पुनर्जन्म, और पूर्व-पश्चिम एंथोलॉजी, द थियोसोफिकल पब्लिशिंग हाउस, 1961, पृष्ठ 57।

16 कुरान, सूरा 2, द काउ, फ्रॉम द एसेंशियल कुरान, थॉमस क्लीरी द्वारा, पृष्ठ 18।

17 कुरान, सूरा 3, द फैमिली ऑफ इमरान/अल-इमरान, आयत 30, द एसेंशियल कुरान से, थॉमस क्लीरी द्वारा, पृष्ठ 22।

18 कुरान, सूरा 21, पैगंबर/रसूल, श्लोक 47, द एसेंशियल से समाचार पत्र, थॉमस क्लीरी द्वारा, पृष्ठ 81।

19 कुरान, सूरा 36, या सिन, श्लोक 12, द एसेंशियल कुरान से, थॉमस क्लीरी द्वारा, पृष्ठ। 111.

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनूदित

20 कुरान, सूरा 5, द टेबल, श्लोक 69, द एसेंशियल से
कुरान, थॉमस क्लीरी द्वारा, पी. 49.
21 कुरान, द एसेंशियल कुरान से, थॉमस क्लीरी द्वारा, पृ. 42.
22 जेफ़री मिशलोवे, रूट्स ऑफ़ कॉन्शसनेस, काउंसिल ओक बुक्स,
तुलसा, ओक्लाहोमा, 1993. पी. 191.
23 जोसेफ हेड और एसएल क्रैंस्टन, पुनर्जन्म, और पूर्व-पश्चिम एंथोलॉजी, द थियोसोफिकल पब्लिशिंग हाउस,
1961, पी। 39.

अध्याय 2 1 टॉम श्रोडर, ओल्ड सोल्स, फ़ायरसाइड/साइमन और शूस्टर,
एनवाई, एनवाई, 2001, पृ. 81.
2 डिट्टो, पी. 81.
3 डिट्टो, पृ. 82.
4 डिट्टो, पी. 74.
5 डिट्टो, पृ. 50.
6 डिट्टो, पृ. 50.
7 डिट्टो, पृ. 74.
8 इयान स्टीवेन्सन, जहां पुनर्जन्म और जीव विज्ञान प्रतिच्छेद करते हैं, प्रेगर, वेस्टपोर्ट, कनेक्टिकट,
1997, पृ. 168.

अध्याय 3 1 बार्ब्रो, कार्लेन, और भेड़िये चिल्लाए, क्लेयरव्यू पुस्तकें,
यूनाइटेड किंगडम, 2000.

अध्याय 4 1 रॉबर्ट स्नो, कैरोल बेकविथ की तलाश, डेब्रेक/
रोडेल बुक्स, एम्मॉस, पेंसिल्वेनिया, 1999, पृ. 12-13 2 डिट्टो, पृ. 79-84.

3 डिट्टो, पृ. 89.

अध्याय 5 1 जेफरी कीन के सौजन्य से। (देना/आशीर्वाद देना)
2 जेफरी कीन के सौजन्य से।
3 जेफरी कीन के सौजन्य से।
4 जॉन बी. गॉर्डन, गृहयुद्ध की यादें, पी. 147-148.
5 जेफरी कीन के सौजन्य से।
6 जेफरी कीन के सौजन्य से।

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अध्याय 6

जॉन इलियटसन के बारे में कथा लेखक के साथ व्यक्तिगत पत्राचार में नॉर्म शीली का एक उपहार है।

अध्याय 7

यह कथा व्यक्तिगत पत्राचार में वेन पीटरसन की ओर से एक उपहार है
लेखक के साथ.

अध्याय 8

मीडिया द्वारा एलेक्जेंड्रा नेचिता को "लिटिल पिकासो" कहने के बारे में उद्धरण वेबसाइट से लिया गया है: www.nechita.info

अध्याय 9

1 चार्ल्स एच. पार्कहर्स्ट, न्यूयॉर्क में मेरे चालीस वर्ष, मैकमिलन, न्यूयॉर्क, एनवाई, 1923, पृ. 20.

2 डिट्टो, पी. 20.

3 जॉन ग्रीनलीफ़ व्हिटियर, द सिंगर, पुनः प्रकाशित: मैरी क्लेमर एम्स, ऐलिस और फोबे कैरी, हर्ड और हॉटन, न्यूयॉर्क, एनवाई, 1873, पृ. 27.

4 मैरी क्लेमर एम्स, ऐलिस और फोबे कैरी, हर्ड और हॉटन, न्यूयॉर्क, एनवाई, 1873, पृ. 93.

5 यह उद्धरण पेनी पियर्स द्वारा एक वेबसाइट से उपलब्ध कराया गया है ऐलिस कैरी, स्रोत अज्ञात।

6 यह उद्धरण पेनी पियर्स द्वारा एक वेबसाइट से प्रदान किया गया है चार्ल्स पार्कहर्स्ट, स्रोत अज्ञात।

7 पेनी पियर्स, द इंटुएटिव वे, बियॉन्ड वर्ड्स पब्लिशिंग, हिल्सबोरो, या, 1997, पृ. 10.

8 चार्ल्स एच. पार्कहर्स्ट, माई फोर्टी इयर्स इन न्यूयॉर्क, पी. 230.

9 पेनी पियर्स, एक निजी पत्रिका से जो ऐसा नहीं करती प्रकाशित.

10 द लेडीज़ रिपॉजिटरी, सितंबर 1855, “अमेरिका की साहित्यिक महिलाएं; नंबर VI, ऐलिस कैरी की लेखन प्रतिभा की कुछ सूचना,'' के संपादक रेव्ह. डीडब्ल्यू क्लार्क.

11 हार्लेस एच. पार्कहर्स्ट, अमेरिका के अग्रणी देशभक्त उपदेशक डॉ. पार्कहर्स्ट की ओर से एक धन्यवाद संदेश," एमहर्स्ट लाइब्रेरी।

12 पेनी पीयर्स, द इंटुएटिव वे, बियॉन्ड वर्ड्स पब्लिशिंग, हिल्सबोरो, या, 1997, पृ. 82.

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

13 ऐलिस कैरी द्वारा "गॉड इज़ लव" से, पुनः प्रकाशित: मैरी क्लेमर एम्स, ऐलिस और फोएबे कैरी, पी। 263.

14 नेशनल साइक्लोपीडिया ऑफ अमेरिकन बायोग्राफी, खंड 1, व्हाइट एंड कंपनी, पी, 535।

अध्याय 11

2 एलएच बटर फील्ड, जॉन एडम्स की डायरी और आत्मकथा,
खंड 2, द बेल्कनैप प्रेस, हार्वर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 1961, पृ. 82-83.

3 क्लिफोर्ड के. शिप्टन, भाग लेने वालों के जीवनी रेखाचित्र
हार्वर्ड कॉलेज, सिबलीज़ हार्वर्ड ग्रेजुएट्स, वॉल्यूम। XIV, 1756-1760, मैसाचुसेट्स हिस्टोरिकल सोसायटी, बोस्टन, 1958, पृ. 113.

4 डिट्टो, पी. 116.

5 आइडिया

6 विचार

7 डिट्टो, पृ. 119.

8 डिट्टो, पृ. 120.

9 डिट्टो, पी. 112.

10 आइडिया

11 डिट्टो, पृ. 116.

अध्याय 12

1 जॉर्ज एथन बिलियास, जॉर्ज वॉशिंगटन के जनरल और विरोधी, दा कैपो प्रेस, न्यूयॉर्क, एनवाई, पी। 88.

2 डिट्टो, पी. 90.

3 डिट्टो, पृ. 83.

4 डिट्टो, पी. 97.

5 डिट्टो, पृ. 293.

6 डिट्टो, पृ. 303.

7 विचार

अध्याय 13

1 कैथरीन ड्रिंकर बोवेन, मिरेकल एट फिलाडेल्फिया, बुक-ऑफ़-द
मंथ क्लब/न्यूयॉर्क, एनवाई/लिटिल ब्राउन एंड कंपनी, बोस्टन, एमए, 1966, पी. 56.

2 विचार

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

3 जॉर्ज मैयर, ओपरा विन्फ्रे: द रियल स्टोरी, कैरल पब्लिशिंग ग्रुप, सेकाकस, एनजे, 1996, पृ. 12.

4 डिट्टो, पी. 29.

5 क्लेरेंस एल. वेर स्टीग, रॉबर्ट मॉरिस, रिवोल्यूशनरी फ़ाइनेंस, यूनिवर्सिटी ऑफ़ पेनसिल्वेनिया प्रेस, 1954, पृ. 174.

6 विचार

7 जॉर्ज मैयर, ओपरा विन्फ्रे: द रियल स्टोरी, पी। 30.

8 केर्मिट एल. हॉल, द ऑक्सफ़ोर्ड कम्पेनियन टू द सुप्रीम कोर्ट ऑफ़ द यूनाइटेड स्टेट्स, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, न्यूयॉर्क, एनवाई, 1992, पी। 932.

9 जॉर्ज मैयर, ओपरा विन्फ्रे: द रियल स्टोरी, पी। 30.

10 डिट्टो, पृ. 48.

11 डिट्टो

12 डिट्टो, पृ. 127 13 रॉबर्ट

जी. फेरिस और रिचर्ड ई. मॉरिस, हस्ताक्षरकर्ता स्वतंत्रता की घोषणा, व्याख्यात्मक प्रकाशन, फ्लैगस्टाफ, एज़ेड, 1982, पृ. 147.

अध्याय 15

1 जीन बर्टन, हेयडे ऑफ अ विजार्ड, वार्नर पेपरबैक लाइब्रेरी, अदिनांकित, पृ. 24.

2 डिट्टो, पी. 16.

3 उरी गेलर, माई स्टोरी, प्रेगर पब्लिशर्स, न्यूयॉर्क, 1975, पृ. 188.

4 डिट्टो, पी. 211.

5 जीन बर्टन, हेयडे ऑफ अ विजार्ड, पी. 22-23.

6 डिट्टो, पृ. 17.

7 उरी गेलर, माई स्टोरी, पृ. 267-275.

8 डिट्टो, पृ. 239.

9 डिट्टो, पी. 81.

10 जीन बर्टन, हेयडे ऑफ अ विजार्ड, पी. 69.

11 उरी गेलर, माई स्टोरी, पृ. 11।

12 डिट्टो, पृ. 45-46.

13 डिट्टो, पृ. 241.

14 डिट्टो, पृ. 20.

15 जीन बर्टन, हेयडे ऑफ़ अ विजार्ड, पृ. 121.

16 उरी गेलर, माई स्टोरी, पृ. 173-174.

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

17 जीन बर्टन, हेयडे ऑफ़ ए विजार्ड, पृ. 39.

18 उरी गेलर, माई स्टोरी, पृ. 59.

19 डिट्टो, पृ. 61.

20 जीन बर्टन, हेयडे ऑफ अ विजार्ड, पी. 100.

21 गॉर्डन स्टीन, राजाओं का जादूगर, प्रोमेथियस बुक्स, बफ़ेलो, न्यूयॉर्क, 1993, पृ. 81.

22 उरी गेलर, माई स्टोरी, पृ. 30.

23 डिट्टो, पृ. 260.

24 डिट्टो, पृ. 21.

25 जीन बर्टन, हेयडे ऑफ अ विजार्ड, पृ. 135.

26 जीन बर्टन, हेयडे ऑफ अ विजार्ड, पृ. 189-190.

27 उरी गेलर, माई स्टोरी, पृ. 142.

अध्याय 18

1 एपीजे अब्दुल कलाम, अरुण तिवारी के साथ, विंग्स ऑफ फायर, यूनिवर्सिटी प्रेस (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, हैदरगुडा, हैदराबाद, भारत, 1999, पृ. 6.

2 डिट्टो, पी. 24.

3 डिट्टो, पृ. 32.

4 डिट्टो, पी. 15.

5 डिट्टो, पृ. 17.

6 लेविन बी. बॉरिंग, भारत के शासक: हेदर अली और टीपू सुल्तान, ऑक्सफोर्ड एट द क्लेरेंडन प्रेस, ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड, 1899, पृ. 26.

7 डिट्टो, पृ. 110.

8 डिट्टो, पृ. 151.

9 डिट्टो, पी. 110.

अध्याय 19 1

जीडब्ल्यू फॉरेस्ट, भारतीय विद्रोह का इतिहास, मूल दस्तावेज़ों से समीक्षित और सचित्र, डब्ल्यू. ब्लैक ब्लैकवुड, लंदन, 1904-1912, पृ. 404.

2 डिट्टो, पी. 409.

3 डिट्टो, पृ. 419.

4 डिट्टो, पी. 464.

5 डिट्टो, पृ. 40.

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अध्याय 21

1 विश्वदीप घोष, हॉल ऑफ फेम: शाहरुख खान, मैग्ना पब्लिशिंग कंपनी, 2004, पी। 46.

अध्याय 22

1 जेम्स क्रॉस गिब्लिन, गुड ब्रदर, बैड ब्रदर, क्लेरियन बुक्स, न्यूयॉर्क, 2005, पृ. 7.

2 डिट्टो, पी. 44.

3 भावनान सोमाया, अमिताभ बच्चन: द लेजेंड, मैकमिलन इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली, भारत, 1999, पी। 269.

4 जेम्स क्रॉस गिब्लिन, गुड ब्रदर, बैड ब्रदर, क्लेरियन बुक्स, न्यूयॉर्क, 2005, पृ. 76.

5 डिट्टो, पृ. 117.

6 डिट्टो, पृ. 127.

7 डिट्टो, पृ. 171.

8 डिट्टो, पृ. 211.

अध्याय 24 और 25

1 हेलेना जी. एलन, द बिट्रेयल ऑफ लिलिउओकलानी: लास्ट क्वीन ऑफ हवाई, म्यूचुअल पब्लिशिंग, होनोलूलू, हवाई 1994।

2 डिट्टो, पी. 212.

3 डिट्टो, पृ. 214.

4 डिट्टो, पी. 287.

5 डिट्टो, पृ. 289.

6 बेट्टी फुलार्ड-लियो, बेट्टी, हेनरी ओपुकाहिया द यूथ हू चेंज्ड हवाई, http://www.coffeetimes.com/henry.htm।

7 डिट्टो.

8 डिट्टो.

9 डिट्टो.

10 डिट्टो.

अध्याय 33

1. जोसेफ हेड और एसएल क्रैंस्टन, पुनर्जन्म, एक ईस्ट-वेस्ट एंथोलॉजी, द थियोसोफिकल पब्लिशिंग हाउस, 1961, पी। 39.

Machine Translated by Google
Google द्वारा मशीन अनुवादित

अध्याय 34

1. पैट क्यूबिस और मार्क मैसी, कन्वर्सेशन्स बियॉन्ड द लाइट: विद डिपार्टेड फ्रेंड्स एंड कोलीग्यूज बाय इलेक्ट्रॉनिक मीन्स, ग्रिफिन पब्लिशिंग/कंटीन्यूइंग लाइफ रिसर्च, बोल्डर, सीओ यूएसए, 1995, पी। 102.

2. डिट्टो, पी. 106.
3. डिट्टो, पी. 65.
4. डिट्टो, पी. 53.
5. डिट्टो, पी. 9.
6. डिट्टो, पी. 59.
7. डिट्टो, पी. 18.
8. डिट्टो, पृ. 52.
9. डिट्टो, पी. 55.

अध्याय 39

1&2. जैक कोर्नफील्ड, द आर्ट ऑफ फॉरगिवनेस, लविंगकाइंडनेस, एंड पीस, बैंटम बुक्स, न्यूयॉर्क, एनवाई, 2002।

अध्याय 40

1. जिम बी. टकर, लाइफ बिफोर लाइफ: ए साइंटिफिक इन्वेस्टिगेशन ऑफ चिल्ड्रन मेमोरीज़ ऑफ प्रीवियस लाइव, सेंट मार्टिन प्रेस, न्यूयॉर्क, एनवाई, 2005, पी। xiv.